राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन
2018-19

NIEPMD

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

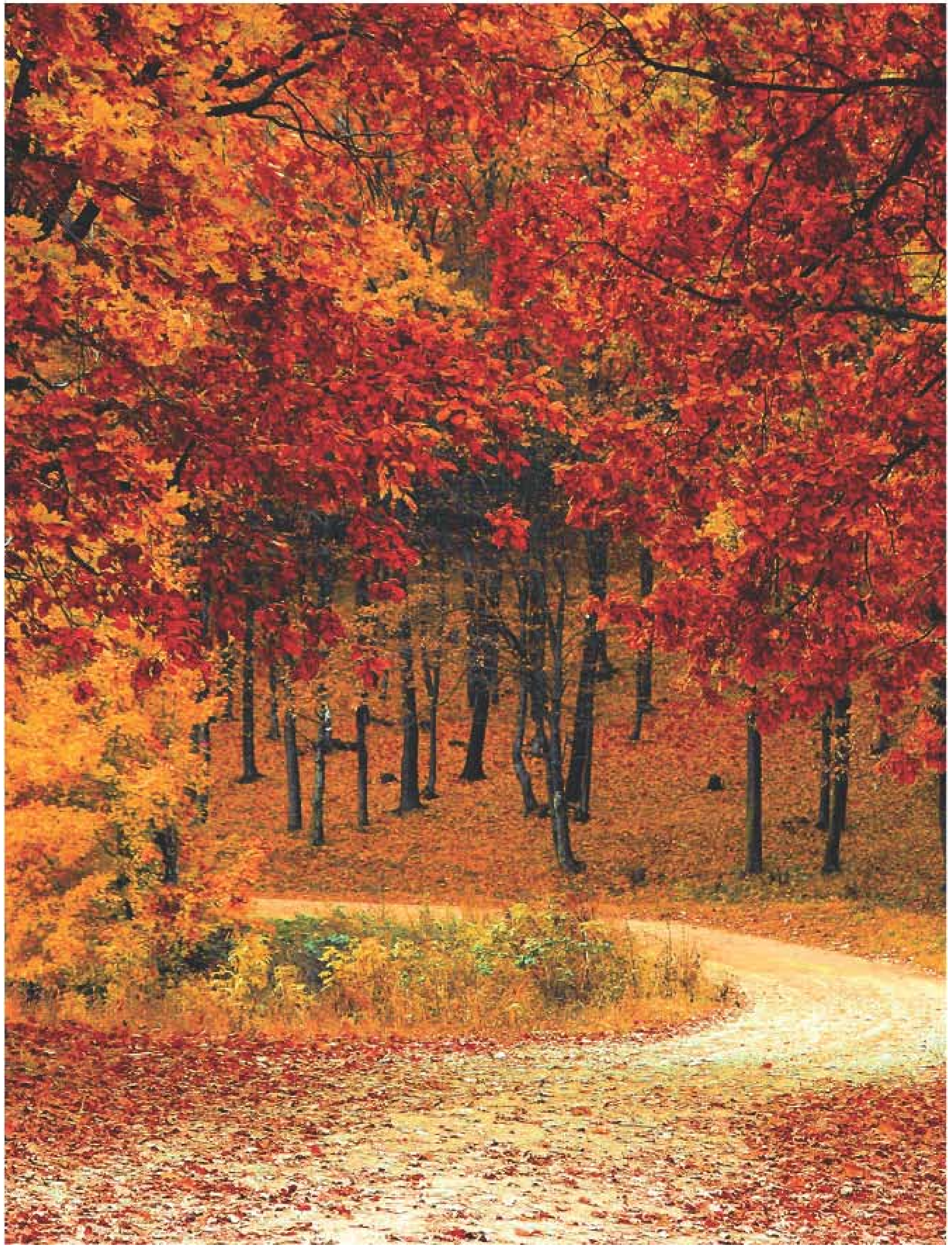

वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तिकरण संस्थान

(विकलांगजन सशक्तिकरण विभाग (दिव्यांगजन), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

~ एन ए ए सी द्वारा मान्यता प्राप्त ~ आईएसओ 9001-2015

ईस्ट कोस्ट मार्ग, मुत्तुकाडु, कोवलम (पोस्ट), चेन्नै – ६०३ ११२, तमिलनाडु, भारत

दूरभाष 044-27472113, 27472046, 27472023, 27472104,

टोल फ्री नं.18004250345 फैक्स 044-27472389

ईमेल niepmd@gmail.com, वेबसाईट -niepmd.tn.nic.in

जन सशक्तिकरण
न्याय और अधिकारिता
with
Ministry of

विषय सूची

1	संस्थान के बारे में	1
	❖ संगठनात्मक चार्ट	19
	❖ महापरिषद् के सदस्यों की सूची	20
	❖ कार्यकारिणी परिषद् के सदस्यों की सूची	21
2	अनुसंधान एवं विकास	26
3	आयुर्विज्ञान विभाग	32
4	प्रोस्थेटिक्स व आर्थोटिक्स् विभाग	38
5	फिजियोथेरपी विभाग	45
6	आक्युपेशनल थेरपी विभाग	51
7	नैदानिक मनोविज्ञान विभाग	64
8	वाक्, श्रवण व संप्रेषण विभाग	70
9	विशेष शिक्षा विभाग	78
10	पौढ़ स्वजीवन यापन विभाग	99
11	सामाजिक कार्य विभाग	117
12	विस्तारण तथा आउटरीच सेवाएँ	125
13	पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र	143
14	योजनाएँ - दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता (एडिप)	149
15	प्रशासन एवं स्थापना	153
16	शैक्षणिक विभाग	156
17	राष्ट्रीय पुनर्वास परीक्षा बोर्ड - एनबीईआर	168
18	कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी, सीएसआर	174
19	आरपीडब्ल्युडी अधिनियम, 2016	180
20	समग्र क्षेत्रीय केन्द्र	186
21	लेखा एवं वित्त	
	✦ खातोंऔरवित्तकाएनआईईपीएमडी	245
	✦ खातों और वित्त कासीआरसी कोझिकोड	287
	✦ खातों और वित्त कासीआरसी नागपुर	309

निदेशक की ओर से...

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान का वर्ष 2018-2019 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे बडी प्रसन्नता हो रही है। आरंभ से ही एन.आई.ई.पी.एम.डी. नूतन ज्ञान उत्पन्न करने और दिव्यांग व्यक्तियों के, खासकर, बहुदिव्यांग व्यक्तियों के क्षमताओं को सुधारने के लिए इसको प्रभावी रूप से प्रयोग करने को प्रोन्नति देने के लिए और दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर एवं पूर्ण साझेदारी प्रदान करने के लिए समाज की क्षमता को विस्तारण करने पर जोर देता आ रहा है।

हाल ही में, एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने सभी आयु के बहु दिव्यांगजन को समाज में पूर्ण समावेशन और एकीकरण रोजगार, स्वतंत्र जीवनयापन, परिवार सहायता एवं आर्थिक व सामाजिक रूप से आत्म निर्भर बनाने लिए अनुसंधान, प्रदर्शन, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता एवं संबधित क्रियाकलापों के क्षेत्रों में बहुदिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के रूप में अपना एक अलग स्थान बनाया है।

आज, देश भर में विभिन्न संगठनों से ही नहीं, अपितु विदेशों से भी हमारी विशेषज्ञता मांगी जा रही है। इसी प्रकार, मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में पुनर्वास में क्रास-डिसिप्लिनरी अध्ययन, साथ ही क्रास डिसिप्लिनरी तथा क्रास डिसेबिलिटी में अध्ययन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर असाधारणों संस्थानों में से एक असाधारण संस्थान के रूप में एन.आई.ई.पी.एम.डी. आविर्भाव हुआ है।

इस वर्ष संस्थान ने जितना जो भी पाया है, वो संकाय सदस्य, स्टाफ एवं छात्रों की कड़ी मेहनत व आत्मविश्वास एवं संस्थान के असंख्य हितेशियों, हमारे बोर्ड सदस्य एवं भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के विश्वास एवं प्रोत्साहन के कारण ही संभव हुआ है। हमारे माननीय कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष-सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय एवं कार्यकारिणी परिषद् के अध्यक्ष-संयुक्त सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सक्रिय नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं था।

जैसे-जैसे हम बढ़ते जा रहे हैं, हमें नई नई खोज एवं उत्कृष्ठता को कायम रखने एवं बढ़ाने के लिए नए तरीके व मार्ग ढूढने की ज़रूरत है। हमारे अंदर की इस आग से हम, शीघ्र ही विश्व स्तर पर "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" तथा "प्रसिद्ध संस्थान" के रूप में मान्यता प्राप्त करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं।

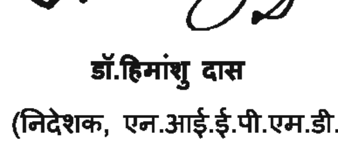

डॉ.हिमांशु दास
(निदेशक, एन.आई.ई.पी.एम.डी.)

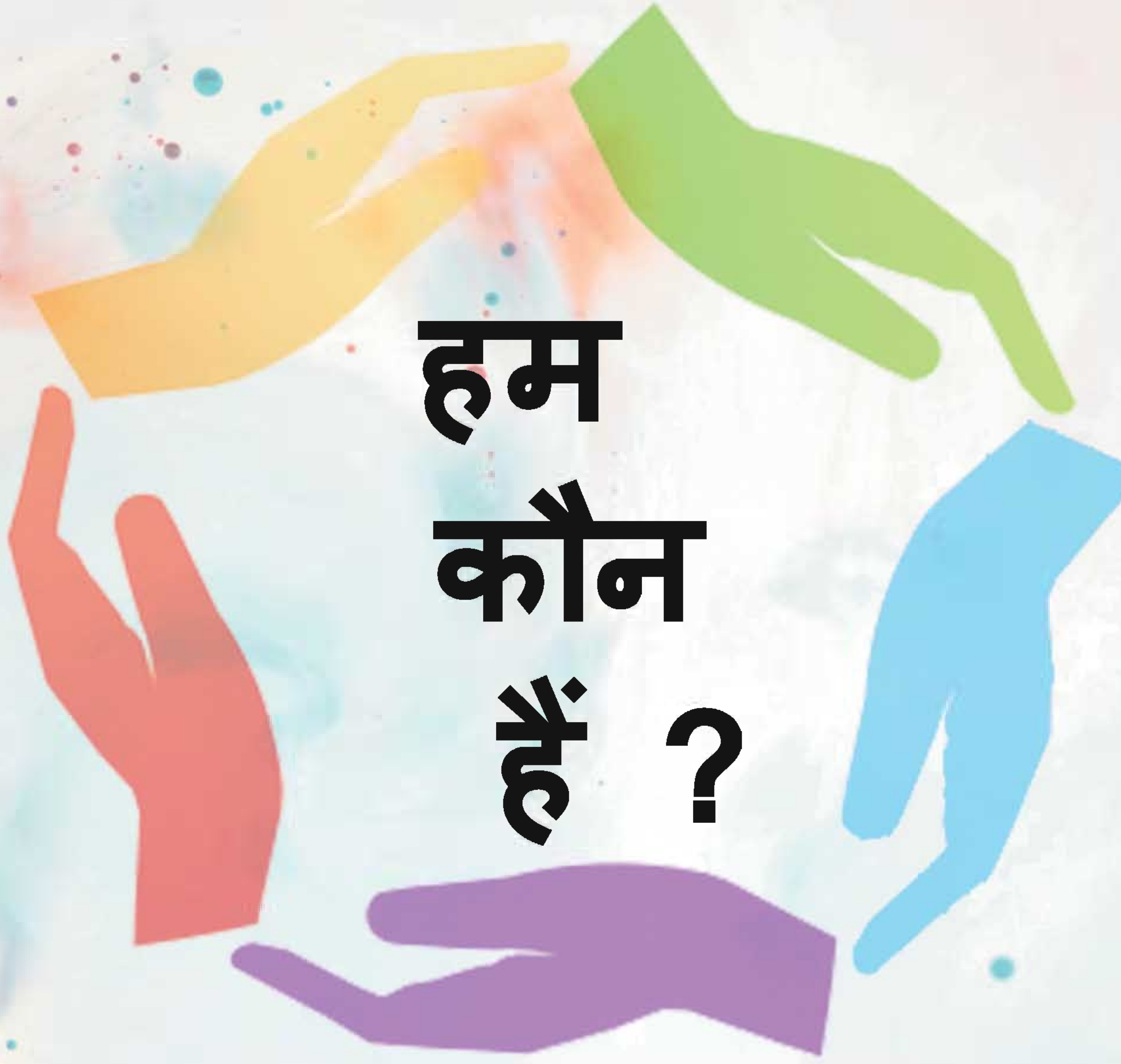

हम कौन हैं ?

हम हैं

केबारेमेंएनआईईपीएमडी

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, एन.आई.ई.पी.एम.डी. का मिशन नई ज्ञान को तैयार करना एवं उसका प्रभावी रूप से प्रयोग करने को बढावा देना है जिससे दिव्यांग व्यक्तियाँ समुदाय में अपनी इच्छा वाले क्रियाकलापों का प्रदर्शन कर सकें एवं समाज का भी क्षमता को बढ़ सकें जिससे दिव्यांग नगरिकों को पूर्ण अवसर एवं सुविधाएँ प्रदान कर सकें।

भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधीन बहुदिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक संसाधन केन्द्र के रूप में, एन.आई.ई.पी.एम.डी. इस मिशन को सभी आयु के बहु दिव्यांगजन को समाज में पूर्ण समावेशन और एकीकरण, रोजगार, स्वतंत्र जीवनयापन, परिवार सहायता एवं आर्थिक व सामाजिक रूप से आत्म निर्भर बनाने लिए अनुसंधान, प्रदर्शन, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता एवं संबधित क्रियाकलापों को प्रदान करने के द्वारा इस मिशन को प्राप्त करने के लिए प्रयास करता है।

हमारा हर एक काम
सशक्तिकरण
के लिए है

हमारा विश्वास है कि,
भलाई के लिए
सशक्तिकरण
एक बल है।

यही एक कारण है कि, हमारा कार्य इस समय जिन प्रश्नों पर ज़ोर दिया जा रहा है, उसके लिए समर्पित है -चाहे वह बढ़ने और प्रबंधन पर उसका प्रभाव हो या फिर जीवन प्रत्याशा में वृद्धि और दिव्यांग व्यक्तियों के स्वस्थ्य पर इसका परिणाम हो। दिव्यांग व्यक्तियों की शिक्षा एवं पुनर्वास के लिए सतत, व्यक्तिगत, नई कौशलों तथा सेवाओं की मांग को पूरा करने के लिए हम हमारे समाधानों से मदद कर रहे हैं।

एक दशक से, हम लगातार संभावना की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। इसका श्रेय निरंतर जिज्ञासा और सेवा वितरण की नवीन प्रणाली करने वाले हमारे 200 से अधिक जिज्ञासु, प्रतिबद्ध, पेशेवर रूप से प्रशिक्षित पुनर्वास पेशेवर को दिया जाताहै। पुनर्वास के पूरे क्षेत्र का परिदृश्य को बदलने के लिए नवीन तकनीकों और रणनीतियों को विकसित करने के लिए हम सतत प्रयासरत् हैं। हमारी अभिलाषा और मिशन को योगदाने वालों से हम साझेदार बनते हैं। स्पष्ट रूप से हमारा लक्ष्य, स्टेकहोल्डरों, समुदाय और, समग्र रूप में समाज में समावेशन तथा साधिकारिता।

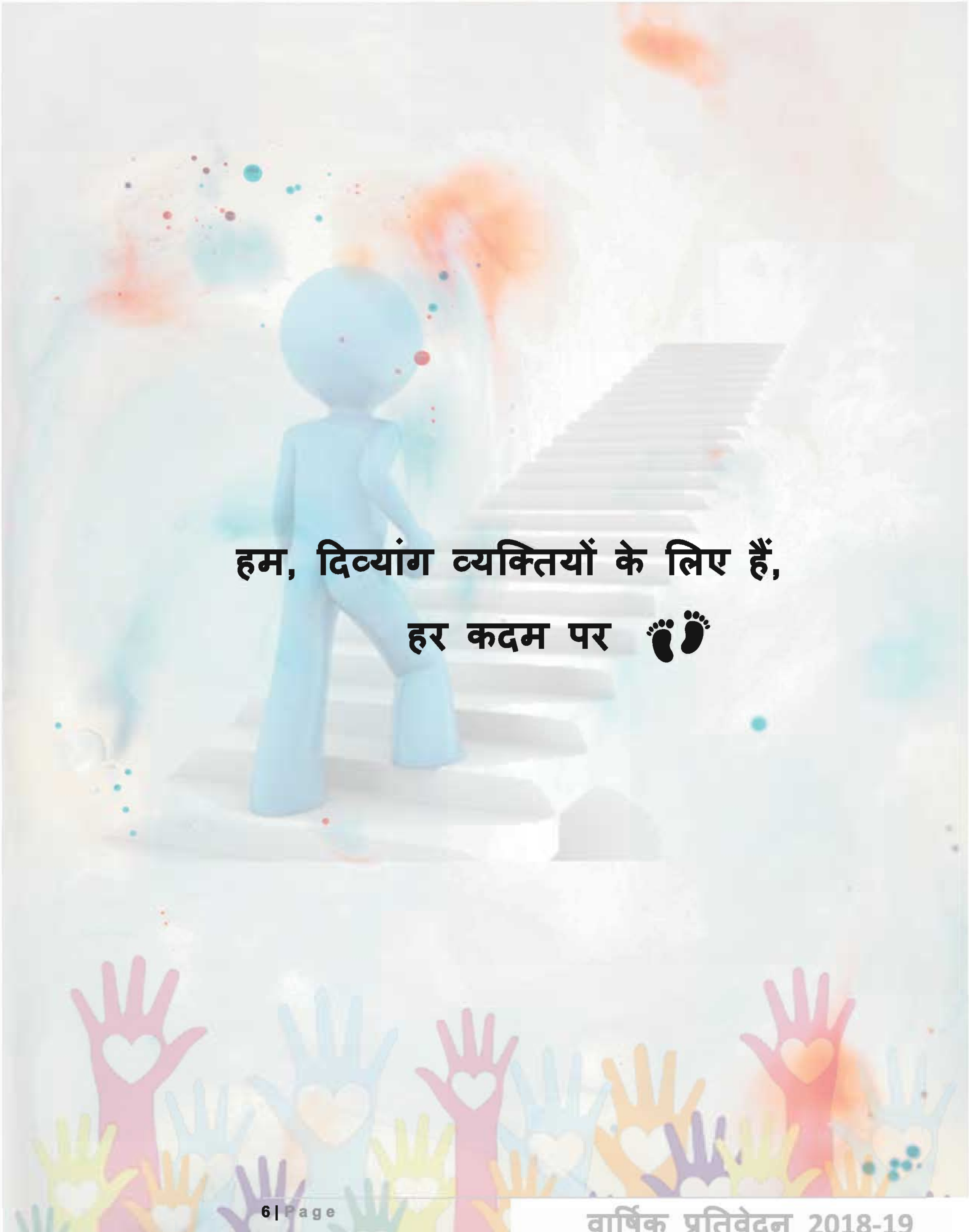
हम, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए हैं,
हर कदम पर

सृजन करने में मदद, जीवन की गुणता बढ़ाने, परिवार केन्द्रित व्यक्तिगत पुनर्वास योजना प्रदान करना, तथा लोगों को अपने अवशिष्ट कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना

दिव्यांग व्यक्तियों को साधीकृत बनाना में, हमारे अनुसंधान एवं विकास के प्रयास क्लाईंटों की अधूरी पुनर्वास जरूरतों पर केन्द्रित करना है। हम नई तकनीकें, रणनीतियाँ तथा प्रौद्योगिकियाँ विकसित करने के लिए प्रयास करते हैं, जिसका लक्ष्य दिव्यांगजनों की साधिकारिता के लिए अभूतपूर्व अभिगम और कार्यनीतियाँ बनाना है।हमारी आकांक्षा यही है कि, दिव्यांगजनों के जीवन बेहतर बन जाए। हमारी यही एकमात्र महत्वाकांक्षा है, जो हमे यह सब कुछ करने के लिए प्रेरित करता है।

दिव्यांगजनों को साधीकृत बनाने के लिए हम मुख्य उत्प्रेरकों को साधीकृत बनाते हैं।

यह संस्थान हर वर्ष देश भर से आये हुए 2.5 लाख दिव्यांजनों व उनके परिवारों को बहुविकलांग व्यक्तियों, आटीज्म, सेरेब्रलपालसी, बधिरांधता, बौद्धिक दिव्यांगता, मानसिक रोग, लोकोमोटर दिव्यांगता, बौनापन्न, मस्कुलर डिस्ट्रोफी, पुरानी तंत्रिका संबंधी स्थितियां, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगताएँ, मल्टीपल स्क्लेरोसिस्, वाक् व भाषा दिव्यांगताएँ, कुष्ठरोग मुक्त व्यक्तियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से बनायी गयी सेवाएँ प्रदान करता है। जहाँ तक हो सके बौद्धिक दिव्यांगों व उनके परिवारों को अपने अत्यधिक क्षमता प्राप्त करने के लिए मदद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है।

दिव्यांगजनों की
दुनिया को हम
रोशन बना देते हैं।

हम प्रौद्योगिकी से भविष्य को सुरक्षित और स्मार्ट बना रहे हैं; हमारे बदलती तकनीकों, कार्यनीतियों और सेवा डिलिवरी प्रणालियों से अधिक टिकाऊ बना रहे हैं

एक संस्थान के रूप में एनआईईपीएमडी का मूलतत्व यही है कि,दिव्यांग व्यक्ति रहने वाले इस दुनिया को बेहतर समझने के लिए सृजन करना, समेकित करना और प्रचार प्रसार करना, जिससे नागरिक योगदान करने वाले हों ना कि केवल समाज के सदस्यों हों जो सेवा प्राप्त करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए असंख्य परियोजनाओं, कार्यशालाओं और सम्मलनों के जरिये केस अध्ययनों एवं संदर्भ सामग्री का एक राष्ट्रीय पूल बनाया जा रहा है और निर्वहण किया जा रहा है। दिव्यांगता के क्षेत्र में बेहतरीन साहित्य को आह्वान करने के लिए अनुसंधान आधारित ज्ञान की प्रगति को प्रलेखीकरण करने के लिए अनुसंधान ज्ञानी वाले विशेषज्ञों व शिक्षाविदों के साथ सतत संपर्क बनाये रखकर, प्रतिबद्धता को बनाए रखा जाता है

हम क्या करते हैं

एनआईईपीएमडी में हम, पुनर्वास पेशेवरों, दिव्यांग व्यक्तियों के समग्र और जीवन चक्र दृष्टिकोण के लिए काम करते हैं

इसका अभ्यास करने का प्रयास करते हैं। हम दिव्यांग व्यक्तियों एवं उनके परिवारों के लिए विस्तृत श्रृंखला वाले समर्थन व सहायता प्रदान करते हैं। हम पीडब्ल्यूडी को सशक्तिकरण बनने के लिए ज्ञान को आत्मसात करने के लिए मदद करते हैं

हमारा कार्य इस प्रकार चलता है

एनआईईपीएमडी की भेंट विभिन्न आयु वर्ग, विभिन्न प्रकारों एवं तीव्रता से ग्रस्त दिव्यांग व्यक्तियों की अनोखे क्षमताओं की सभी ज़रूरतों के लिए बनाई गई सेवाओं को थाह लेना ही है, उदाहरण के लिए, अपने नजदीकी परिसर को समझने में कठिनाई महसूस करने वाले व्यक्तियों के लिए संवेदी एकीकरण, अपने व्यक्तिगत आवश्यकताओं एवं आयु अनुचित पाठ्यक्रमों के कारण शैक्षणिक अंतराक्षेपण के लिए स्कूलिंग एवं जीवनयापन के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण सुनिश्चित करना, व्यक्ति के प्रयोजन की ओर संवेदना, व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रक्रिया एवं कार्यक्रमों के द्‌वारा स्वतंत्र जीवन यापन के लिए प्रशिक्षण।

दिव्यांग व्यक्तियों एवं उनके परिवार के जीवन में गुणवत्ता में सुधार लाने केलिए जीवन चक्र, आवश्यकता आधारिक, बहुविशेषीय सेवाएँ, अर्थात्, फिजिकल मेडिसिन, आयुर्विज्ञान सेवाएँ, भौतिक चिकित्सा, आक्युपेशनल थेरपी, सेंसरी इंटिग्रेशन, प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाएँ, प्रोस्थेटिक्स् व आर्थोटिक्स सेवाएँ, मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप, समावेशी प्रिपरेटरी स्कूल एवं विशेष स्कूल सेवाएँ, कौशल विकास कार्यक्रम, वाक् व श्रवण हस्तक्षेप सेवाएँ, आदि देता है।

एनआईईपीएमडी मानव संसाधन विकास, अभिभावक सशक्तिकरण कार्यक्रम, मोबाइल सेवाएँ, साधन व उपकरणों का वितरण, समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम एवं अनुसंधान कार्यक्रमों में वस्तृत रूप से कार्य करने में निमग्न है। अपने दीर्घावधि एवं अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जिसमें प्रमाण पत्र से लेकर डिप्लोमा, युजी, पीजी एवं एमफिल स्तर तक, हैं, के द्वारा विभिन्न दिव्यांगताओं जैसे, बहुदिव्यांगता, आटीज्म, बधिरांधता, प्रमस्तिष्क आघात एवं बौद्धिक दिव्यांगता में प्रशिक्षण प्रदान करता है और तत्सबंधी विषय जैसे, फिजियोथेरपी, आक्युपेशनल थेरपी, ऑडियालजी, स्पीच व लैंग्वेज पैथॉलजी, क्लिनिकल साइकॉलजी, आदि में भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

दृष्टि

बहुदिव्यांग व्यक्तियों को बेहतर जीवन की गुणता के लिए समान अधिकार हैं। प्रतिबद्ध व्यावसायिकता, सुलभ वातावरण, समान अवसर, सकारात्मक दृष्टिकोण और उचित, सस्ती, स्वीकार्य और उपलब्ध तकनीकी हस्तक्षेप द्वारा इसको साकार करना।

मिशन

बहुदिव्यांग व्यक्तियों एवं उनके परिवारों के समावेश को सुविधाकृत बनाने, सशक्तिकरण को सनुश्चित करने के लिए टीम के दृष्टिकोण के माध्यम से आवश्यकता आधारित समग्र पुनर्वास एवं क्षेत्र आधारित अनुसंधान को पुष्टि करने के द्वारा सेवाएँ प्रदान करना एवं मानव संसाधान को विकसित करना।

मूल्य कथन

ग्राहकों, परिवारों, पेशेवरों और सामुदायिक एजेंसियों की समान भागीदारी के द्वारा, बहुदिव्यांग व्यक्तियों की जीवन की गुणवत्ता को बढ़ावा देना।

उद्देश्य

- बहुदिव्यांग व्यक्तियों के प्रबंधन, प्रशिक्षण पुनर्वास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के लिए मानव संसाधन विकसित करना।
- बहुदिव्यांगता से संबंधित सभी क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देना व संचालित करना
- बहु दिव्यांगता वाले भिन्न भिन्न समूहों के व्यक्तियों के सामाजिक पुनर्वास के लिए ट्रांसडिसिप्लिनरी मॉडल और रणनीति विकसित करना
- बहुदिव्यांग व्यक्तियों के लिए सेवा और आउटरीच कार्यक्रम करना

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तिकरण संस्थान

NATIONAL INSTITUTE FOR EMPOWERMENT OF PERSONS WITH MUTIPLE DISABILITIES(DIVYANGJAN)

NIEPMD ORGANOGRAM

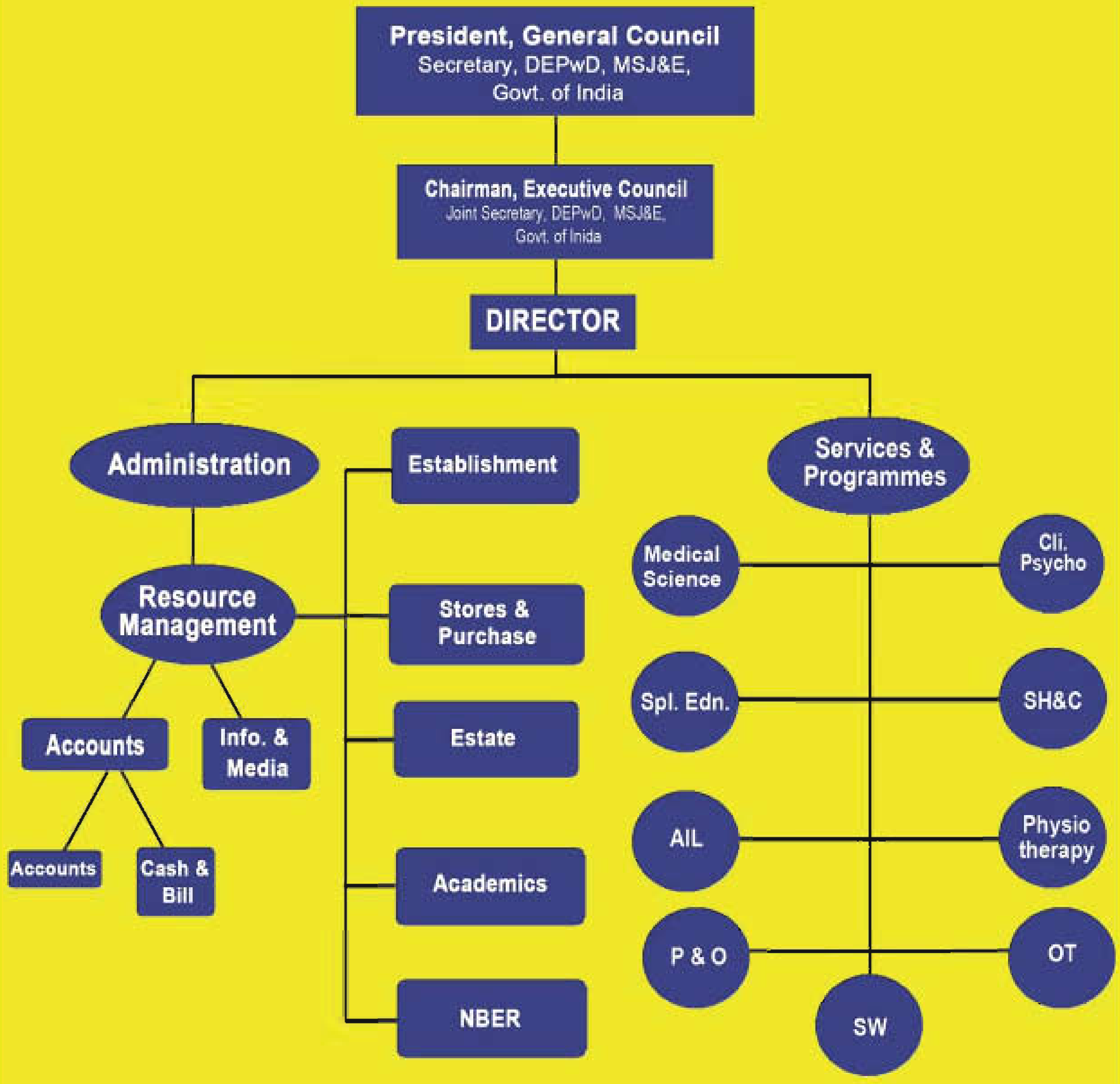

- P & O - Prosthetic & Orthotic
- Spl. Edn.-Special Education
- SW- Social Work
- AIL- Adult Independent Living
- SH&C- Speech Hearing & Communication
- OT - Occupational Therapy

महापरिषद् के सदस्य

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन दि तमिलनाडु सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1975- तमिलनाडु अधिनियम 1975 के 27 के पंजीकरण क्र. 59/२००६ दिनांक २३ अक्तूबर २००६ के अधीन पंजीकृत स्वायत्त निकाय है।

संस्थान के दो संवैधानिक निकाय हैं, अर्थात्, महापरिषद्-जीसी तथा कार्यकारिणी परिषद्-ईसी। महापरिषद् नीतियों का निर्माण करती है जबकि कार्यकारिणी परिषद् प्रबंधन एवं प्रशासन की जम्मेदारी है।

एमएसजे व ई के सचिव महापरिषद् के अध्यक्ष हैं और संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग कार्यकारिणी परिषद् के अध्यक्ष हैं। निदेशक, एनआईईपीएमडी जीसी एवं ईसी के दिशानिर्देशों पर संस्थान के क्रियाकलापों को क्रियान्वित करते हैं।

महा परिषद्:

यह परिषद संस्थान के समग्र प्रबंधन का मार्गदर्शन और निगरानी करती है। सदस्यों की सूची इस प्रकार है।

क्र.	सदस्य	क्र.	सदस्य
01	सचिव, जीओआई, डीडीए, एमएसजेई, अध्यक्ष	12	प्रधान सचिव एवं निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा निदेशक, तमिनाडु सरकार, सदस्य
02	संयुक्त सचिव, जीओआई,डीडीए,एमएसजेई, सदस्य	13	संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, सदस्य
03	संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, एमएसजेई, सदस्य	14	निदेशक, एनआईपीआईडी, सदस्य
04	रोजगार व प्रशिक्षण महानिदेशक, श्रम मंत्रालय, सदस्य	15	निदेशक, एनआईईपीवीडी, सदस्य
05	अध्यक्ष, आरसीआई, सदस्य	16	निदेशक, एवाईजेएनआईएसएचडी, सदस्य
06	अध्यक्ष, राष्ट्रीय न्यास, सदस्य	17	श्री संकरारामन, सदस्य
07	श्री प्रदीप दुबे, आदिगुरु न्यूरोपीडियाट्रिक सेन्टर एण्ड चिल्ड्रन रीहैबिलिटेशन सेंटर, सदस्य	18	श्री सुरेश मनोहरराव पाटिल, संवेदना सेरेब्रल पालसी विकासन केन्द्र, सदस्य
08	श्री अनिल प्रताप सिंह, सदस्य	19	निदेशक, एनआईएलजी, सदस्य
09	सुश्री जयंती नारायणन, सदस्य	20	डॉ.हिमांग्शु दास, निदेशक, एनआईईपीएमडी, सदस्य सचिव
10	स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, एमएचएफडब्ल्यु, सदस्य	21	उपसचिव, डीईपीडब्ल्युडी, एमएसजेई, जीओआई
11	प्रधान सचिव, सामाजिक कल्याण विभाग, तमिलनाडु सरकार, सदस्य		

महापरिषद् की भूमिका एवं क्रियाएँ

i. वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करना

ii. पिछले वर्ष के तुलन पत्र एवं लेखापरीक्षित लेखों पर विचार करना

iii. रसीद एवं आने वाले वर्ष के लिए बजट प्रस्तावों पर विचार करना

iv. कोई अन्य मामला अध्यक्ष के निर्देशानुसार

अध्यक्ष, सामान्य परिषद के सभी बैठकों की अध्यक्षता करते है और कार्यकारिणी परिषद को किसी भी मामले से संबंधित अपने विचारों को ध्यान में रखने के लिए स्थानांतरित करता है, जिस पर विचार करने की आवश्यकता है।

कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य

कार्यकारिणी परिषद्:

कार्यकारिणी परिषद् महापरिषद् के सामान्य नियंत्रण एवं निर्देश के अधीन संस्थान के मामलों के प्रबंधन और प्रशासन के लिए जिम्मेदार है। परिषद् सौंपे गए अन्य कार्यों में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं।.

i. संस्थान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए व्यापक नीति बनाना संस्थान के प्रयोजन को

ii. बजट अनुमानों की समीक्षा करना एवं मंजूर करना

iii. वित्तीय उपनियमों में परिभाषित व्यय को मंजूरी देना

iv. लाभकारी नियमों और शर्तों पर विचार करना

v. पदों का सृजन करना, भर्ती करना और स्टाफ को नियुक्त करना

सदस्यों की सूची का विवरण निम्नप्रकार है

क्र.	सदस्य	क्र.	सदस्य
1.	संयुक्त सचिव, भारत सरकार, डीईपीडब्ल्युडी, एमएसजेई, अध्यक्ष संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, डीईपीडब्ल्युडी, सामाजिक न्याय	4.	श्री प्रदीप दुबे, आदिगुरु न्यूरोपीडियाट्रिक सेन्टर एण्ड चिल्ड्रन रीहैबिलिटेशन सेंटर, सदस्य
2.	और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकास, सदस्य	5.	श्री सुरेश एम.पाटिल, सदस्य
3.	उप सचिव, डीईपीडब्ल्युडी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सदस्य	6.	निदेशक, एनआईईपीएमडी, सदस्य सचिव

"हालांकि जीवन मुश्किल लग सकता है, लेकिन हमेशा कुछ ऐसा होता है जिसे आप कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं"।

स्टीफन हॉकिंग

प्रमुख घटनायें

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :

एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने 21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर कर्मचारी, मानव संसाधन विकास के प्रशिक्षु, दिव्यांगजन एवं उनके अभिभावक इकठ्ठे हुए एवं कार्यक्रम में भाग लिया एवं योग क्षेत्र के विशेषज्ञों ने योग से स्वस्थ्य एवं मस्तिष्क पर होने वाले लाभ पर भाषण दिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह :

एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने 15 अगस्त 2018 को 72वे स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराया। इस अवसर पर एन.आई.ई.पी.एम.डी. एवं मानव संसाधन विकास प्रशिक्षुओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये एवं एन.आई.ई.पी.एम.डी. भवन को सुंदर ढंग से सजाया। एन.आई.ई.पी.एम.डी. के विशेष स्कूल के बच्चों ने ऊरुणी फउन्डेशन, अन्नाईवेलंकन्नी कॉलेड ऑफ आर्ट्स् एण्ड साईंस, चेन्नई द्वारा आयोजित फ्रीडम कार्नीवल 2018 (नॉलेज पार्टनर) में भाग लिया। समारोह के एक भाग के रूप में अभिभावक परामर्श कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

शिक्षक दिवस:

डॉ.सर्वेपल्ली राधाकृष्णन, भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति के जन्म के अवसर पर 5 सितम्बर 2018 को शिक्षक दिवस मनाया गया। सभी संकाय सदस्यों का सम्मान किया गया एवं छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक क्रियाकलाप प्रदर्शित किये।

"गलत दृष्टिकोण जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है"।

- स्कॉट हैमिल्टन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने 29 अक्तूबर, से 3 नवम्बर 2018 तक सतर्कता जागरूकता दिवस मनाया। 29 अक्तूबर, 2018 को सतर्कता जागरूकता दिवस के अवसर पर सभी कर्मचारियों, छात्रों, दिव्यांगजन एवं उनके अभिभावकों को बैज प्रदान किये गये। ऑनलाइन द्वारा ई-प्रतिज्ञा लेने के लिए काउन्टर खोला गया एवं 29 अक्तूबर से 3 नवम्बर, 2018 के दौरान केन्द्रीय जागरूकता आयुक्त पोर्टल द्वारा द्वारा एकता ई-प्रतिज्ञा लेकर सहभागियों को प्रमाण पत्र जारी किये गये। हस्ताक्षर के लिए सतर्कता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान बोर्ड की स्थापना की गई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के रूप में आयोजित कार्यक्रम में सरकारी स्कूल के छात्रों ने जागरूकता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया। एन.आई.ई.पी.एम.डी. के हर कोने में पोस्टर्स एवं बैनर्स लगाये गये। दिनांक 30-31 अक्तूबर, 2018 को एच.आर.डी. के लिए वाक् पटुता प्रतियोगिता, वादविवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, कार्टून ड्रॉइंग, नारे लेखन, जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित किये गये। ई-गवर्नेंस् में बेस्ट प्रैक्टीसेस् पर 19 नवम्बर 2018 को सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में श्री के.श्रीराम, निदेशक, लैंड टु किचेन, आई.आई.टी. एवं श्री ए.बालाशंकर अधिनारायणन, क्वांटम इंजिनीयरिंग लैब, डेजियोन रिपब्लिक ऑफ कोरिया कन्ट्यूसिंग, नागरकोइल ने इस सेमिनार के दौरान विशेष भाषण दिया।

दिव्यांगजनों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस :

एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने 3 दिसम्बर, 2018 को दिव्यांगजनों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस : दिव्यांग व्यक्तियों का सशक्तीकरण, समावेशन एवं समानता सुनिश्चित करना " मनाया। इस अवसर पर एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने दिव्यांगजनों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों जैसे- फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, डांस, गाने गाना, ड्राईंग प्रतियोगिता आदि आयोजित किये। पीवीआर ग्रांड स्क्वेर, ओएमआर, चेन्नई में दिव्यांगजनों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर जनता में जागरूकता निर्माण करने के लिए फ्लैश मॉब का आयोजन किया गया।

बी.एड. स्पेशल एजुकेशन के विद्यार्थियों ने इस समारोह में भाग लिया। जागरूकता पैम्प्लेट (तमिल और अंग्रेजी) जनता में वितरित किये गये।

"दिव्यांगता एक धारणा का विषय है। आप सिर्फ एक अच्छे काम से सबके चहेते बन जाते हैं"

- मार्टिना नवरातिलोवा

गणतंत्र दिवस समारोह :

एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने 26 जनवरी, 2019 को 70 वा गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित किये गये। तिरंगा फहराया एवं निदेशक ने गणतंत्र दिवस पर भाषण दिया। छात्र, प्रशिक्षुओं एवं दिव्यांगजनों ने देशभक्ति पर विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रम प्रदर्शित किये।

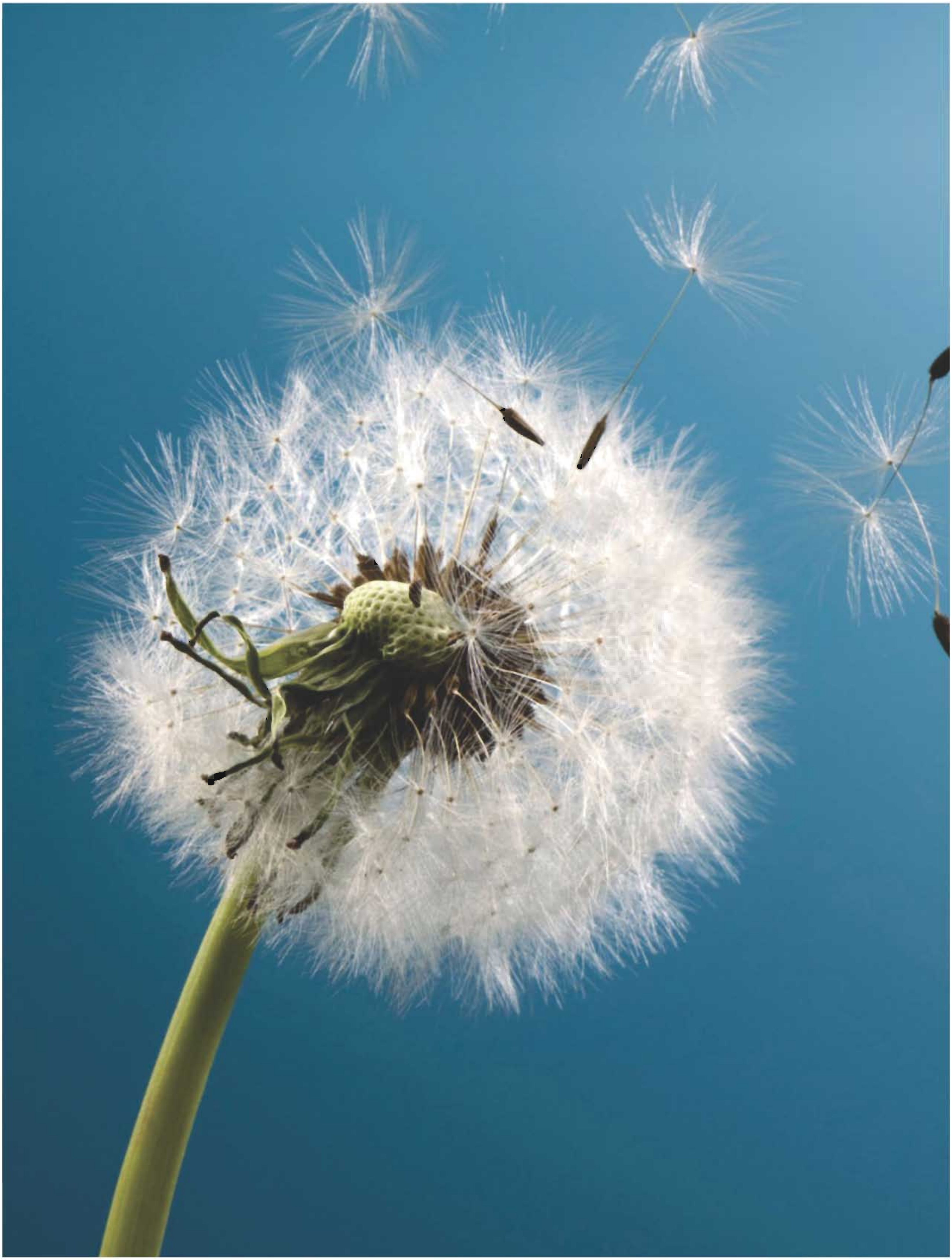

अध्याय 2

अनुसंधान एवं विकास

"जो अत्यावश्यक है, उसे करना प्रारम्भ करो । उसके बाद जो संभव हो उसे करो और अचानक आप असंभव कार्यों को भी करने लगोगे"

- फ्रांसिस ऑफ असीसी

प्रस्तावना:

एन.आई.ई.पी.एम.डी. के अनुसंधान और विकास एन.आई.ई.पी.एम.डी.के चार गुना उद्देश्यों में से एक है। हमारे सभी प्रयास, पुनर्वास के क्षेत्र में मौजूदा ज्ञान के भंडार को पूरा करने के लिए तथा दिव्यांग व्यक्तियों व उनके परिवारों को सशक्त बनाने के लिए हैं।

मौजूदा सहायक उपकरणों व उत्पादों, सेवा प्रदान करने वाले पद्धतियों तथा प्रोटोकॉल, एवं बहुदिव्यांग व्यक्तियों के लिए वूम्ब से टूम्ब की आयु तक सेवा, शिक्षा तथा पुनर्वास क्षेत्रों में अनुकूली उपकरणों, उत्पादनों, का तकनीकी अन्वेषण करना एन.आई.ई.पी.एम.डी. का नियमित तथा सतत प्रक्रिया है।

एन.आई.ई.पी.एम.डी. के आंतरिक अनुसंधान समिति तथा नैतिक समिति अनुसंधान परियोजनाओं को सुव्यवस्थित और निर्देशित करने के लिए मूल्य परिवर्धन प्रदान करता है। संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा भारत में तथा विदेश में स्थित प्रमुख विशेषज्ञों के सहयोग से अपने अनुसंधान क्रियाकलापों के द्वारा बहुदिव्यांग व्यक्तियों के लिए सबूत आधारित गुणात्मक सेवाएँ प्रदान करता है। संस्थान अनुसंधान को सुगम बनाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता तथा इंट्रामूरल वित्तपोषण तथा अन्य संरचनात्मक समर्थन भी देता है।

श्रीमति मोल्ली फिलिप, डॉ.जे.विजयलक्ष्मी, इफेक्टिवनेस ऑफ सिरम मेलटोनिन ऑन स्लीप डिसॉर्डर्स् अमॉग चिल्ड्रन विद न्यूरो डेवलपमेंटल डिसार्डर (एनडीडी)

एनडीडी वाले बच्चों में नींद संबंधी विकार आम हैं और नींद की कमी से व्यवहार संबंधी समस्याएँ होती हैं और कौशल के विकास में पिछड़ जाते हैं।परिवार के गतिशील परिवर्तनों के अलावा और पूरे परिवार को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह अध्ययन एनडीडी वाले बच्चों में नींद की समस्याओं की जांच करने के लिए किया गया और मेलाटोनिन (नोक्टुरा) सिरप के रूप में देने की प्रभावकारिता को जांचने का एक प्रयास था।

एक महीने के बच्चों में नींद की हाइजीन की प्रैक्टिस करने के बाद, जिन्हें आगे नींद की समस्या थी जैसे कि, स्लीप ऑनसेट लॅटनी (एसओएल) (<1 घंटा), और 5 घंटे से कम की कुल नींद का समय (टीएसटी) को स्टडी थ्रॉन्ग पर्पोसिव सैंपलिंग में शामिल किया गया था। बेसलाइन डाटा इकट्ठा किया गया था और 12 हफ्तों के लिए मेलाटोनिन सिरप दिया गया था। चार हफ्तों के बाद नियमित रूप से फालोअप किया गया था। इस अध्ययन में 53 बच्चें ने भाग लिया और 83 प्रतिशत से अधिक बच्चें मेलटोनिन सिरप (नोक्टुरा) से सही नींद पद्धित विकसित करने में सक्षम रहे।

डॉ.जे.विजयलक्ष्मी, फेसिलिटेटिंग स्वालोइंग यूजिंग थिकेनर पाउडर - ए शार्ट पायलेट स्टडी अंडरटेकन इन जनवरी 2019

निगलने में कठिनाई रहने वाले बच्चों में निगलने में डिस्पैगिया थिकेनर पाउडर की प्रभावशीलता का विश्लेषण करने के लिए यह अध्ययन किया गया था। निगलने में कठिनाई रहने वाले 4 बच्चों का चयन किया गया था। उनके ओरोमोटर फ़ंक्शन का विश्लेषण किया गया और उन्हें थिकेनर पाउडर दिया गया। उनकी माताओं से कहा गया कि वे थिकेनर पाउडर का उपयोग करें। पाउडर जब पतले तरल पदार्थ में जोड़ा जाता है, तो तरल पदार्थ की मोटाई बढ़ जाएगी और निगलने में आसान होगी। जिन बच्चों पर अध्ययन किया जा रहा है, वे बच्चे अभी भी फालोअप के लिए आ रहे हैं। तरल पदार्थ सेवन की कुल मात्रा में वृद्धि हुई है। निर्जलीकरण नहीं है। वे पहले से अधिक सक्रिय हैं।

हरि मथि, श्री नचिकेता राउत, ऑगमेंटेड रियाल्टी टु फेसिलिटेट कोर वोकाबुलरी डेवलपमेंट

लगभग 10 प्रतिशत बच्चे 'सामान्य पैटर्न' में भाषा प्राप्त करने में विफल होते हैं, इन बच्चों में संप्रेषण पाने की सुविधा प्रदान करने की आवश्यकता होती है ताकि स्कूल में समाजीकरण और शैक्षिक समायोजन को सक्षम किया जा सके।जब बच्चों में कोर शब्दावली विकसित करने की बात है, तब टीचिंग एड्स और थेरेपी सामग्री जैसे फ्लैश कार्ड, भाषण चिकित्सक और विशेष शिक्षकों दोनों के लिए अपरिहार्य उपकरण बन जाते हैं।परंपरागत रूप से फ्लैश कार्ड 2"x3"आकार के होते हैं और एक एकल अवधारणा को दो आयामी तरीके से प्रोजेक्ट करने के लिए उपयोग किया जाता है। ५०० फ्लैशकार्ड का मूल सेट आमतौर पर पूर्वानुमान योग्य हो जाता है, इसकी नवीनता खो देता है और बच्चों द्वारा इसके कई बार खोजे जाने पर वे बोर हो जाते हैं। इसके अलावा द्वि-आयामी / चित्र अवधारणाओं को एक सीमित तरीके में विस्तृत करते हैं और इंटरैक्टिव नहीं होते हैं।

अवधारणाओं को विस्तृत करने, उन्हें संवादात्मक बनाने और ले जाने में आसान बनाने के लिए फ्लैशकार्ड विकसित करने या बढ़ाने की आवश्यकता है।यदि संवर्धित वास्तविकता प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है, तो सुविधाओं को शामिल किया जा सकता है। यदि आवश्यक हो तो शिक्षकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले फ्लैशकार्ड को चित्र पुस्तक में परिवर्तित किया जा सकता है। मोबाइल एप्लिकेशन के साथ चित्र पुस्तक माता पिता को दी जा सकती है। एक बार स्कैन करने के बाद, इसे अप्लिकेशन चित्र की धारणा को विस्तृत कर सकते हैं। उदाहरण के लिए स्कूल में एक बिल्ली की अवधारणा को एक फ्लैश कार्ड का उपयोग करके पढ़ाया जाता है। इंटरैक्टिव तरीके से बिल्ली की अवधारणा पर चित्र पुस्तक और एन्ड्राइड विस्तार करके इंटरैक्टिव पद्धति से सिखाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। जैसा कि, माता पिता तस्वीर को छूते हैं, बिल्ली चलने लगती है और चूहे के पीछे दौडती है। यदि बच्चा समय पर चूहे को टैप करता है, तो बिल्ली उछलती है, और म्याउ कहते हुए पकड लेती है। इस प्रकार माता पिता घर पर एक अलग स्तर पर शिक्षण देने के लिए सशक्त हो जाते हैं।

"मैं हवा की दिशा नहीं बदल सकता, लेकिन मैं अपने पालों को हमेशा अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए समायोजित कर सकता हूं।"

\- जिमी डीन

श्री एस.कार्तीकेयन, श्री वी.शिवकुमार, एट अल, जनरल वेलबीइंट एण्ड सेल्फ कान्सेप्ट ऑफ मदर्स् हैविंग चिल्ड्रन विद मल्टीपल डिसेबिलीटीज.

खुशहाल होने का मतलब, आराम रहने, स्वस्थ या खुश रहने की स्थिति है जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को एकीकृत करती है जिसके परिणामस्वरूप किसी के जीवन में अधिक समग्र दृष्टिकोण होता है। आत्म अवधारणा वह तरीका है, जिसमें व्यक्ति स्वयं को मानता है, और अवधारणा उनके सकारात्मक या नकारात्मक स्तर के आधार पर दूसरों से भिन्न होती है। अध्ययन यह दर्शाता है कि, प्रत्येक व्यक्ति में वास्तविक स्वयं और आदर्श स्वयं के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। आरनसन एट अल 2007। इस अध्ययन का उद्देश्य बहुदिव्यांग बच्चों के माताओं का साधारण खुशहाल एवं स्व अवधारण के वास्तविक आदर्श और सामाजिक स्व अवधारणाओं के स्तर की पहचान करना है। 75 माताओं का 6 से 16 वर्ष की आयु वाले बहु दिव्यांगों का एक नमूना एकत्र करने के लिए उद्देश्य नमूनों का उपयोग किया गया था। जिसमें कई दिव्यांग, श्रवण दोष और दृष्टि दोष, एन 14, बौद्धिक दिव्यांग के साथ मस्तिष्क पक्षाघात एन=28, बौद्धिक दिव्यांगता सहित ऑटीज्म स्पेक्ट्रम अवय्वस्था एन= ३३, सभी प्रतिभागियों का आकलन पीजीआईडीडब्ल्युपीएम स्केल कान्सेप्ट स्केल १९८९ एवं सेल्फ कांसेप्ट रेटिंग स्केल १९८४ है। एसपीएसएस के प्रयोग से एसएसडी टी टेस्ट किया गया और डाटा का विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन से पता चला है कि कई दिव्यांग बच्चों की सामान्य खुशहाल में महत्वपूर्ण अंतर है और उनके वास्तविक, आदर्श और सामाजिक स्व-अवधारणाओं में महत्वपूर्ण अंतर है।

साइफुन्नीसा कुरुक्कुन, डॉ.नीरधा चंद्रमोहन, ए सटडी ऑन रिलेशनशिप बिटवीन एक्जिक्यूटिव फंक्शन्स् एण्ड इनसाईट ऑन पेशेंट विद स्कीजोफ्रेनिया

सभी मनोरोगों में से एक विनाशकारी विकार स्किज़ोफ्रेनिया है। स्किजोफ्रेनिया दुनिया की आबादी का लगभग १% को प्रभावित करता है। आमतौर पर, यह किशोरावस्था या युवा वयस्क अवस्था में शुरू होता है, और रोगी के जीवनकाल तक रहता है।संज्ञानात्मक डेफिसिट को एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में पाया गया, जो मानसिक बीमारी का परिणाम है, जो अध्ययन में पाया गया था। परन्तु केवल कुछ अध्ययनों ने मानसिक रोगों, विशेष रूप से स्किज़ोफ्रेनिया के रोगियों पर कार्यकारी कार्यों और अंतर्दृष्टि के बीच संबंधों को पुष्टि करने का प्रयास किया। इसलिए, वर्तमान अध्ययन में मानसिक रूप से बीमार लोगों के कार्यकारी कार्यों और अंतर्दृष्टि के बीच संबंधों की खोज करके उन अंतरालों को भरने की कोशिश की गई है। इस अध्ययन का उद्देश्य स्किज़ोफ्रेनिया के रोगी के बीच कार्यकारी कार्यों और अंतर्दृष्टि के बीच संबंधों की जांच करना है। एन.आई.ई.पी.एम.डी.और केरल के वीआरसीअस्पताल से कुल २० नमूनों का चयन किया गया। अध्ययन के परिणाम ने सुझाव दिया कि स्किज़ोफ्रेनिया के साथ रोगी के बीच कार्यकारी कार्यों और अंतर्दृष्टि के बीच एक सकारात्मक संबंध है। रोगी जो अपनी बीमारी के बारे में जानते हैं, उन्होंने अधिक कार्यकारी कार्यों को दिखाया है और रोगी जो अपनी बीमारी के बारे में गंभीर रूप से नहीं जानते हैं, उन्होंने कम कार्यकारी कार्यों को दिखाया है। अध्ययन में पता चला कि स्किज़ोफ्रेनिया वाले रोगियों के अंतर्दृष्टि स्तर और कार्यकारी कार्यों के बीच एक संबंध है। वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों से कई अध्ययन मेल खाते हैं। नीड्ज्वीजका, विसियोरका जे एट अल (2008) ने अनअवेरनेस ऑफ इलनेस एण्ड न्यूरो कॉगनीशन इन स्किजोफ्रेनिया पर अध्ययन किया, जिसमें स्कीजोफ्रेनिया के 102 रोगियों पर अध्ययन किया गया। परिणाम दर्शाते हैं कि स्किज़ोफ्रेनिया में अंतर्दृष्टि की कमी मध्यम रूप से संज्ञानात्मक कार्यों से जुड़ी है।

हेमंगी नार्वेकर नारायण, डॉ.नीरधा चंद्रमोहन, दि इम्पैक्ट ऑफ पर्सनालिटी एण्ड सेक्स रोल आईडेन्टीफिकेशन ऑन मेन्स्ट्रुयल डिस्ट्रेस

मासिक धर्म संकट संस्कृतियों में एक आम स्वास्थ्य समस्या है और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में ध्यान देने की मांग करता है। अत:वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य मासिक धर्म संकट में भूमिका व्यक्तित्व और सेक्स-रोल पहचान की भूमिका का पहचान करना था। यह अध्ययन गोवा और चेन्नई के १०० महिलाओं पर किया गया था। डेटा संग्रह के उपकरण में व्यक्तिगत डेटा शीट, मासिक धर्म संकट प्रश्नावली, आईसेन्क पर्सनालिटी प्रश्नावली और बेम्स् सेक्स रोल इन्वेंटरी शामिल थी। एकत्र किए गए डेटा को एसपीएसएसका उपयोग करके सांख्यिकीय रूप से विश्लेषण किया गया था। शिक्षा और व्यवसाय के संबंध में मासिक धर्म संकट में महत्वपूर्ण अंतर था। आयु के संबंध में मासिक धर्म संकट में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। मासिक धर्म संकट और साइकिल लेन्थ के बीच एक मध्यम सकारात्मक संबंध पाया गया था। मासिक धर्म संकट एवं साइकिल लेन्थ के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध पाया गया था। मासिक धर्म संकट के बीच एक मध्यम सकारात्मक सहसंबंध था जो एक मनोवैज्ञानिकता थी जो महत्वपूर्ण था। मासिक धर्म संकट और न्यूरोटिसिज्म के बीच संबंध महत्वपूर्ण पाया गया और एक मध्यम सकारात्मक सहसंबंध दिखाई दी। व्यक्तित्व के संबंध में मासिक धर्म संकट में महत्वपूर्ण अंतर देखा गया। सेक्स-रोल ओरियेन्टेशन के संबंध में, मासिक धर्म संकट में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं देखा गया था।क्षेत्र के संबंध में मासिक धर्म संकट में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं बताया गया। प्राप्त परिणामों के आधार पर, विस्तृत अध्ययन और हस्तक्षेप कार्यनीतियों की आवश्यकता है।

निधि वर्घीस जोसफ, डॉ.नीरधा चंद्रमोहन, इफेक्ट ऑफ दि ट्रेनिंग पोकस्ड अटेंशन, वर्किंग मेमोरी एण्ड रेस्पांस इनहीबिशन डिफिसिट्स् इन चिल्ड्रन विद एडीएचडी

यह अध्ययन डीएचडी वाले बच्चों में ध्यान, प्रतिक्रिया अवरोध और काम करने में कमियों पर ध्यान केंद्रित प्रशिक्षण के प्रभाव को जांचने के उद्देश्य से किया गया था।अध्ययन के प्रतिभागी चेन्नई के बच्चे थे जो पहली कक्षा से चौथी कक्षा में पढ़ रहे थे, 6 से 9 वर्ष की आयु के थे, जिन्हें एडीएचडी के रूप में पहचाना गया। आठ बच्चे, एन=८, पुरुष ७, महिला १, थे जिन्होंने अध्ययन मेंभाग लिया। ने अध्ययन में भाग लिया है। प्रायोगिक अनुसंधान डिजाइन का उपयोग युग्मित नमूना के लिए किया गया था नमूना टी= परीक्षण सांख्यिकीय विश्लेषण के भाग के रूप में किया गया था।

यह अध्ययन प्रशिक्षण पैकेज के 15 सत्रों के 3 स्तरों में कार्य निष्पादन, कठिनाई, ध्यान केन्द्रित करने के क्रियाकलाप, प्रतिक्रिया अवरोधन एवं निरंतर ध्यान बनाये रखने में कार्य स्कोर, प्रतिक्रिया अवरोधन एवं मौखिक कार्यात्मक स्मरण शक्ति इसमें सम्मलित है। अध्ययन का निष्कर्ष यह था कि, कार्यात्मक कार्य जैसे, ध्यान बनाये रखना पी 0,05 से कम, था, यद्यपि प्रतिक्रिया अवरोधन और कार्यात्मक स्मरण शक्ति में सुधार है, यह सांख्यिकीय रूप से सिद्ध नहीं किया जा सकता है।

सिनि एलसा जोसफ, श्री एस.कार्तीकेयन, लेवेल ऑफ अचीवमेंट मोटिवेशन, न्यूरो साइकोलोजिकल प्रोफाइल एण्ड इम्पेक्ट ऑफ न्यूरो रीहैबिलिटेशन ऑन चिल्ड्रन विद स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी

इस अध्ययन का उद्देश्य विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता (एसएलडी) वाले बच्चों पर उपलब्धि प्रेरणा के स्तर, न्यूरोसाइकोलॉजिकल प्रोफाइल और न्यूरोफिजियोलॉजिकल पुनर्वास के प्रभाव की जांच करना था। इस अध्ययन में चेन्नई के4 से 7 वी कक्षा और 9 से 12 वर्ष की आयु वाले थे और जिनका निदान स्कॉलैस्टिक कौशल के मिश्रित अव्यवस्था के रूप में निदान किया गया था। दस बच्चों एन १०, ७ पुरुष, 3 महिलाएँ ने इस अध्ययन में भाग लिया। प्रायोगिक अनुसंधान डिजाइन का इस अध्ययन में प्रयोग किया गया था। सांख्यिकी विश्लेषण के भाग के रूप में इंडिपेंडेंट टी टेस्ट और युग्मित टी टेस्ट किया गया था। इस अध्ययन ने बच्चों के न्यूरोसाइकोलॉजिकल कार्यों और उपलब्धि प्रेरणा का आकलन किया और 12 घंटे का न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्वास चार हफ्तों के लिए प्रदान किया गया, जिसमें अवधान के क्रियाकलाप सम्मिलित है।

इस अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि, एलडी वाले अधिकांश बच्चे मोटर गति, कार्यकारी कार्य, निरंतर ध्यान, मौखिक कार्य स्मृति, दृश्य धारणात्मक क्षमता, दृश्य सीखने और स्मृति में अपर्याप्तता है और उपलब्धि प्रेरणा के लिए माडरेट से हाई स्तर के हैं। अध्ययन का निष्कर्ष था कि, न्यूरोसाइकोलॉजिकल हस्तक्षेप प्रदान करने के बाद न्यूरो साइकोलोजिकल कार्यात्मकता जैसे ध्यान केन्द्रित करना, पी 0.05 से कम तथा निरंतर ध्यान रखना पी 0.05 से कम पाया गया है।

"अगर मन में ठान लिया तो आधी जीत हो गई।"

- थियोडोर रूसवेल्ट

"मुझे मेरी क्षमताओं के लिए जानो, मेरी विकलांगता को नहीं।"

- रॉबर्ट एम. हेन्सेल

श्री रेखामोहन, श्री एस.कार्तीकेयन, ए स्टडी ऑन दि इफेक्टिवनेस् ऑफ पैसिव मस्कुलर रिलैक्सेशन एण्ड गैडेड विज़ुवल इमेजरी साईकोथिरेपी इन दि मेनेजमेंट ऑफ कैंसर पेन

कैंसर के उपचार में उन्नति के बाद भी, पिछले दशक से कैंसर रोगियों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। हालांकि, कई अध्ययनों में कहा गया है कि शारीरिक और साथ ही दर्द के मनोवैज्ञानिक कारकों के प्रभाव के कारण कैंसर के दर्द का प्रबंधन करने के लिए मानक रोगसूचक उपचार अकेले पर्याप्त नहीं हैं। कैंसर के दर्द में मनोवैज्ञानिक कारकों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, हाल के दिनों से माइंड बॉडी तकनीकों को लागू किया जा रहा है।. वर्तमान अध्ययन ने केरल के अल्फा पैलिएटिव केयर सेंटर, त्रिशूर (Dt) से चुने गए १० कैंसर रोगियों में कैंसर के दर्द का प्रबंधन करने के लिए गाइडेड विज़ुअल इमेजरी (जीआई) के साथ संयोजन में निष्क्रिय मांसपेशियों में छूट (पीएमआर) की प्रभावकारिता का परीक्षण किया।चयनित २० रोगियों में से, १० रोगियों को प्रयोगात्मक और नियंत्रण समूह दोनों में यादृच्छिक रूप से वितरित किया गया था। व्यक्तिगत मनोचिकित्सा सत्र ४ सप्ताह की अवधि के लिए प्रायोगिक समूह के लिए पीएमआर और जीआई तकनीकों को लागू करने के लिए किए गए थे। ध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि नियंत्रण समूह की तुलना में प्रयोगात्मक समूह के लिए कैंसर के दर्द (०.००९ <०.०१) में उल्लेखनीय कमी आई है, विशेष रूप से महिलाओं की तुलना में पुरुषों (०.०३९ <०.०५) में यह कमी पाई गई। इसलिए, औषधीय प्रबंधन के अलावा कैंसर के दर्द के प्रबंधन में पीएमआर ए जीआई एक प्रभावी मनोचिकित्सा तकनीक है।

एमएस सोभियावानी,एमओटी (पीडि), श्री जीडीवी वंधियादेवन, ओरो-मोटार डेवलपमेंट इवैल्युयेशन टूल (एन.आई.ई.पी.एम.डी : ओएमडीईटी) फार चिल्ड्रन (0-3 वर्ष)

बहुदिव्यांग बच्चों को ओरो मोटार एवं संवेदी समस्याओं, एर्गोनोमिक कारक, चूसनानिगलने में समस्या सांस लेने का क्रम और संज्ञानात्मक कारक के कारण ओरो मोटार रोग भी होता है। परियोजना का उद्देश्य ०-३ साल के बच्चों के ओरोमोटर विकास का मूल्यांकन करने के लिए ओरो मोटर डेवलपमेंट इवैल्यूएशन टूल (NIEPMD-OMDET) पर मैनुअल विकसित करना है। डेटा एकत्र करने के लिए सर्वेक्षण विधियों के संभावित डिजाइन का उपयोग किया गया था। अध्ययन की विश्वसनीयता और वैधता का पता लगाने के लिए डेटा का सांख्यिकीय रूप से विश्लेषण किया जाएगा।

डॉ.के.बालभास्कर, एम.नागेन्द्र प्रभु एवं ए.एम.गोविन्दराज, डीएआईएत कस्टमाइजेशन रिक्वायर्ड इन जॉब रोल / फार आईडब्ल्यूआईडी एण्ड एमडी

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने 2066 नौकरी सूची विकसित किया। इन 2066 नौकरी सूची में से केवल 522 नौकरियों के लिए नमूना पाठचर्या उपलब्ध है। दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल परिषद् ने 23 नमूना पाठचर्या दिव्यांगजनों के लिए श्रेणीबद्ध किया। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार, व्यक्तिगत उपसमितियों का गठन किया गया जो बौद्धिक दिव्यांगजन एवं बहुदिव्यांगजन के लिए नौकरी / व्यापार का अनुकूलन के लिए सिफारिश करेंगे। मौजूदा तथा नए पाठचर्या को अनुकूलन बनाने के बारे में विशेषज्ञों की सात बैठकें आयोजित की गई। एनएसडीसी का मौजूदा नमूना पाठ्यक्रम का तथा नए पाठ्यक्रम पर कडी और विस्तृत पुनरीक्षण किया गया। बहुदिव्यांग व्यक्तियों के लिए उचित नौकरियों / व्यापारों को पहचाना गया, सिलबस, थियोरी तथा प्रायोगित घंटों, उपकरण एवं मूल्यांकन में उचित संशोधन किये गये। नौकरी सूची की पहचान / अनुकूलन / वेटिंग / पुनर्वास व्यावसायिकों द्वारा तैयार किया गया विषय सूची को अंतिम रूप देना। मौजूता नमूना पाठ्यक्रम को संशोधिक किया गया / २६ नौकरी सूचियों को अनुकूलन किया गया एवं 30 नौकरी सूचियों के लिए नमूना पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

डॉ.के.बालभास्कर, डी गुनसेकर, डेवलपमेंट ऑफ मॉडल्स् ऑफ एम्प्लायमेंट ऑपर्चुनिटीस् फार अडल्ट विद मल्टीपल डिसेबिलिटीज़

रोजगार सशक्तिकरण की कुंजी है। विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, २०१६ जो १९ वीं २०१७ से लागू हुए हैं, सरकार को विकलांग व्यक्तियों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं को लागू करने के लिए बाध्य करती है ताकि उनके रोजगार का दायरा बढ़ाया जा सके। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सहयोग से DEPwDS ने २०१५ में राष्ट्रीय कार्य योजना शुरू की। जैसा कि ज्ञात है, बहु दिव्यांगता, विभिन्न गंभीरता स्तर के साथ एक से अधिक दिव्यांगता की स्थिति है। जब बहुदिव्यांगता वाले वयस्कों की बात होती है तो, उनकी रोजगार अवसरों को रोजगार के नमूनो, अर्थात्, खुला रोजगार, स्व रोजगार, समर्थित रोजगार तथा परिरक्षित रोजगार जैसे विभिन्न डिजाइन के साथ सृजन करना होगा। अत: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोजगार के विभिन्न नमूनों का विकास करने का प्रस्ताव है। बहुदिव्यांगता कई तरह की होती है। रोजगार अवसर की आवश्यकताएँ भी विशिष्ट और अनोखे होते हैं। नौकरी के प्रकार / व्यापार एनएसडीसी-एससीपीडब्ल्युडी द्वारा आनोमोदित होना चाहिए। अपेक्षित परिणाम बहुविकलांग के लिए रोजगार मॉडल, देशभर के लाभान्वितों को आवरित करना है, बहुदिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत् स्टेकहोल्डरों को प्रशिक्षित करना है।

अपना चेहरा हमेशा धूप की ओर रखें - और छाया आपके पीछे पड़ जाएगी। "

- वाल्ट व्हिटमैन

शैक्षणिक परिषद्:

शैक्षणिक परिषद् प्रधानत: संस्थान के शैक्षणिक विषयों से संबंधित है जिसमें शैक्षणिक स्टाफ, शैक्षणिक योजना बनाना, अनुदेशात्मक विषय तथा सहपाठचर्या क्रियाकलाप शामिल है। शैक्षणिक परिषद् का यह दायित्व है कि,कि सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू किया जाए और मानकों को बनाए रखना के लिए प्रयास किया जाए और सुनिश्चित किया जाए।

उद्देश्य:

विद्यार्थियों तथा अनुसंधानकरताओं के कल्याण के लिए एक स्वस्थ्य तथा सृजनात्मक वातावरण प्रदान किया जाए।

प्रयोजन:

शैक्षणिक परिषद का उद्देश्य लघु और दीर्घकालिक एचआरडी कार्यक्रमों में उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बढ़ावा देकर शिक्षाविदों के उद्यम को आगे बढ़ाना है।.

शैक्षणिक परिषद् के सदस्य

नाम	पदनाम	वर्ग
प्रोफेसर अमिताव मिश्रा	प्रोफेसर इन स्पेशल एजुकेशन, इग्नू, नई दिल्ली	अध्यक्ष
प्रोफेसर पी.जयचंद्रन	निदेशक, वीएचएस, चेन्नई.	सदस्य
प्रोफेसर करुणानिधि	साइकोलोजी विभाग, चेन्नई	सदस्य
प्रोफेसर रूपा नागराजन	विभागध्यक्ष, एसएचसी विभाग, एसआरएमसी एण्ड आर, चेन्नई	सदस्य
प्रोफेसर सुमन	प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, निमहांस, बेंगलुरु	सदस्य
प्रोफेसर सुप्रिया	मदर थेरेसा पीजी संस्थान, पुडुच्चेरी	सदस्य
प्रोफेसर वासंती	प्रचार्या, एनकेटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चेन्नई	Member
सदस्य	सचिव /प्रतिनिधि,आरसीआई, नई दिल्ली	सदस्य
श्री अखिल पॉल	निदेशक, सेन्स इंटरनेशनल, अहमदाबाद Ahmedabad.	सदस्य
डॉ.रत्ना	भूतपूर्व निदेशक, एआईआईएसएच, मैसूर	सदस्य
डॉ.अंबुदुरई	कंसल्टेंट साइकियाट्रिस्ट चेन्नई	सदस्य
डॉ.थॉमस किशोर एम	सह प्रोफेसर, निमहैंस, बंगपुरु	सदस्य
डॉ.विश्वनाथ रेड्डी	सह प्रोफेसर, एसवीआईएमएस विश्वविद्यालय, तिरुपति	सदस्य
श्री पंकज बाजपेयी	सहायक निदेशक, ओटी, एनआईएलडी, कोलकाता	सदस्य
श्री एस.एन.राउत	सहायक आचार्य, ओ व पी, एसवीनिरतार, कटक	सदस्य
प्रोफेसर एम.एन.डी.मणि	सीईओ, आईसीईवीआई, कोयम्बतूर	सदस्य
प्रोफेसर एस.आर.मित्तल	प्रोफेसर, सीआईई, नई दिल्ली	सदस्य
सुश्री युफ्रेटेस गोबीना	मुख्य शिक्षा,युनिसेफ	सदस्य
डॉ.जयन्ती नारायणन	भूतपूर्व उपनिदेशक, एन.आई.ई.पी.आई.डी.	सदस्य
डॉ. हिमांशु दास	निदेशक, एन.आई.ई.पी.एम.डी.चेन्नई	सदस्य सचिव

शैक्षणिक समिति निम्नलिखित कार्य करता है-

- शैक्षणिक कार्यक्रमों के पाठचर्या बनाने तथा संशोधित करने के लिए दिशानिर्देश देना
- संस्थान के अनुसंधान क्रियाकलापों को बढ़ावा देना
- संस्थान के समग्र शैक्षणिक विकास की योजना बनाना और उसे क्रियान्वित करना।

अध्याय 3

आयुर्विज्ञान विभाग

"कठिन चीजें हमारे रास्ते में डाल दी जाती हैं, हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि हमारे साहस और शक्ति को बाहर निकालने के लिए।"

प्रस्तावना :

यह विभाग बहुदिव्यांग व्यक्तियों के निदान, रोकथाम, देखभाल, स्वास्थ्य और चिकित्सा प्रबंधन का लक्ष्य रखता है। एन.आई.ई.पी.एम.डी.मल्टी स्पेशेलिटी क्लीनिक, विभिन्न विभागों और विशेषज्ञ प्रबंधन के लिए अस्पतालों में भी रेफरल किए जाते हैं। मनोचिकित्सा, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, ईएनटी और डेंटल क्लीनिक जैसे विशेष क्लिनिक नियमित रूप से संचालित किए जाते हैं। रीफ़्रेज़ / आपात स्थितियों का उपचार, एंटी-साइकोटिक और एंटीपीलेप्टिक दवाओं का वितरण विभाग की अन्य गतिविधियाँ हैं। कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों पर भी इस विभाग द्वारा ध्यान दिया जाता है।

उद्देश्य :

- बहुदिव्यांग व्यक्तियों के निदान, रोकथाम, देखभाल, स्वास्थ्य और चिकित्सा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना.
- ग्राहकों की जांच के बाद, यदि उनकी स्थिति के आधार पर आवश्यकतानुसार चिकित्सा उपचार
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अन्य इकाइयों में चिकित्सा और शैक्षिक सेवाओं के लिए रेफरल का कार्य करना
- अपने बच्चों की स्थिति और उनकी अक्षमताओं की प्रकृति के बारे में बताकर परिवारों को उच्च सहायता प्रदान करना। आवश्यक हस्तक्षेप, योजनाओं और विशेष सेवाओं पर स्पष्ट निर्देश देना
- विभाग की इकाइयाँ - प्रारंभिक अंतराक्षेपण सेवाएँ तथा मल्टी स्पेशालिटी क्लिनिक

चेट्टीनाड अस्पताल, ग्लोबल अस्पताल, रागस डेंटल कॉलेज, बालाजी अस्पताल, एसआरएम अस्पताल, शंकर नेत्रालय अस्पताल जैसे प्रसिद्ध अस्पतालों के साथ समझौता किया गया है। न्यूरोलोजी, साइकियाट्री, ईएटी तथा डेन्टल जैसे मल्टीस्पेशालिटी क्लिनिक एन.आई.ई.पी.एम.डी. द्वारा आयोजित किया जाता है। वर्ष 2018 - 19 के दौरान रिपोर्ट किए गए नए क्लाईंटों की कुल संख्या 2431 थी और फालोअप क्लाईंटों की संख्या 2544 थी। फ्रीमैन शेल्डन सिंड्रोम, फाइब्रस डिसप्लासिया, ब्लाउंट की बीमारी, पियरे रॉबिन सिंड्रोम, युवा लोगों में पार्किंसंस रोग, सेगावा सिंड्रोम, और हैग लैंड रोग जैसे दुर्लभ सिंड्रोम का निदान किया गया है और सेवाएँ प्रदान की गई।

वर्ष 2018-19 के दौरान सूपर स्पेशालिटि क्लिनिकल सेवाओं द्वारा लाभान्वित क्लाइंट

क्लिनिक	नए	फालोअप
न्योरोलोजी	130	910
न्यूरोसर्जरी	6	10
साइकियाट्री	175	908
आफ्तलमॉलजी	46	-
डेंटल	438	468
ईएनटी	131	04
होमियोपथी	1979	3143
आपतकालीन	844	-
चेक अप एवं वितरित दवाइयाँ	नए	फालोअप
वितरित दवाइयाँ	514	3179
स्वस्थ्य चेकअप	472	195

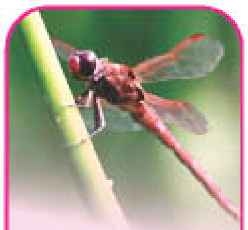

जीवन में एकमात्र दिव्यांगता एक बुरा रवैया है। '

- स्कॉट हैमिल्टन

क्रियाकलाप

- निदान और प्रबंधन
- स्पेशालिटी क्लिनिकों का संचालन
- आपात स्थिति, सर्जरी और हृदय, किड्नी गुर्दा और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के रोगों जैसे सह-रुग्णता के मामले में अस्पतालों के लिए रेफरल। बुनियादी जांच अस्पतालों और क्लीनिकों में की जाती है।

सूपर स्पेशालिटी क्लिनिक

एन.आई.ई.पी.एम.डी. द्वारासंचालित मल्टीस्पेशलिटी क्लीनिक न्यूरोलॉजी, साइकियाट्री, डेंटल, न्यूरोसर्जरी, ऑप्थल्मोलॉजी, होमियोथेरपी और ईएनटी क्लीनिक हैं।

मानव संसाधन विकास

- पुनर्वास के क्षेत्र में अभिभावकों तथा व्यावसायिकों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दीर्घावधि शैक्षणिक कार्यक्रम - पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन अर्ली इंटरवेंशन (पीजीडीईआई) - छात्रों की संख्या-7, पीजीडीईआईछात्रों के साथ विश्व स्वस्थ्य कार्यक्रम में युवाओं के साथ अभिसरण। छात्रों ने मधुरम नारायण सेंटर फार एक्सेप्शनल चिल्ड्रन, चेन्नई, विद्यासागर स्पेशल स्कूल, मेहता अस्पताल, चेट्टीनाड अस्पताल, एम.ई.अर.एफ. तथा ए.आई.आई.एस.एच. मैसूर का दौरा किया। छात्रों ने खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लिया।
- सर्टिफिकेट कोर्स इन केयर गिविंग फॉर प्राइमरी एंड एडवांस लेवल तीन & छह महीने की है; और राष्ट्रीय ट्रस्ट से मिलकर प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। सर्टीफिकेट कोर्स इन केयर गिविंग के लिए दीर्घावधि कार्यक्रम 10 महीने की है। देखभालकर्ता की भूमिका समूदाय आधारित सेवा प्रदान करना, विभिन्न दिव्यांगताओं के क्षेत्र में देखरेख तथा प्रबंधन सेवाएं प्रदान करना और दिव्यांग व्यक्तियों के स्वस्थ्य, पोषण के लिए बुनियादी देखरेख करना। विद्यासागर स्पेशल स्कूल, चेन्नई को फील्ड विज़िट किया गया। वर्ष 2018-19 के दौरान परीक्षाओं में उपस्थित छात्रों की संख्या इस प्रकार थी - एनटी- प्राइमरी (3), एनटी-अडवांस्ड (2) तथा आरसीआई -(७)।

एन.आई.ई.पी.एम.डी. का विस्तार केन्द्र, कोयम्बतूर ने केयर गिविंग में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (10 महीने का) चलाया। इस शैक्षणिक वर्ष (2018-19) के लिए पंद्रह छात्रों को प्रवेश दिया गया।

समूह चर्चा

सीपी बच्चे का मूल्यांकन

अन्य क्रियाकलाप :

- तमिलनाडु के जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्रों के चिकित्सा और पैरामेडिकल व्यावसायिकों को प्रशिक्षित किया गया। आर.बी.एस.के. के तहत अब तक 10 केंद्रों को एक अनुकूलित 14 दिवसीय आवासीय कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।.
- सह रुग्णता के कारण निधन हुए क्लाईंटों को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया।
- विभाग में तैनात इंटर्न - विविध कॉलेज के 440 छात्र

जब हर कोई कहता है कि आप नहीं कर सकते हैं, दृढ़ संकल्प कहते हैं, "हाँ आप कर सकते हैं।"

- रॉबर्ट एम. हेन्सेल

श्रेष्ठ प्रथाएँ

- एचआरडी छात्रों का सफलतापूर्वक प्लेसमेंट
- हस्तक्षेप के लिए कम लागत वाली सामग्री का प्रयोग
- संकट के समय में माता-पिता का समर्थन
- एचआरडी छात्रों की सामुदायिक कार्यक्रम में सहभागिता
- मल्टीपल स्केलेरोसिस, पार्किंसनिज़्म, हीमोफिलिया, थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और क्रोनिक न्यूरोलॉजिक स्थितियों पर जागरूकता विवरणीका तैयार किया गया
- प्रमुख अस्पतालों से समझौता.
- अल्लेन, यूके, विदेशी विशेषज्ञ, का "डिस्लेक्सिया वाले बच्चों में दृष्टि" पर चार्टर्ड व्याख्यान

न्यू यॉर्क के मेडिकल विश्वविद्यालय के बालचिकित्सकों को एन.आई.ई.पी.एम.डी. में श्रेष्ठ प्रथाओं पर प्रदर्शन दिया गया।

इंटर्न तथा स्कालरों को शोध के लिए सुविधा प्रदान किया गया।

- डॉ.स्मृति, श्री वेंकटेश्वरा डेंटल कॉलेज द्वारा"ए-मालोक्लूजन ऑफ टीथ इन चिल्ड्रन विद ऑटीज्म"
- डॉ.रेनु, चेट्टीनाड अस्पताल द्वारा "इफेक्ट ऑफ सोडियम वाल्पोरेट इन काजिंग हाइपोथैराइडिज्म इन चिल्ड्रन विद सीजर्स"
- सुश्री आरती, मणिपाल विश्वविद्यालय द्वारा "मेटर्नल स्ट्रेस इन पेरेन्ट्स् ऑफ चिल्ड्रन अटेन्डिंग अर्ली इंटरवेंशन सर्वीसेस्"

प्रारंभिक अंतराक्षेपण इकाई:

यह इकाई संवेदी मोटर, अनुभूति और भाषा, भावनात्मक और सामाजिक कौशल सहित ६ विभिन्न क्षेत्रों में हस्तक्षेप प्रदान करती है। उपयोग की जाने वाली तकनीक न्यूरो डेवलपमेंटल थेरेपी, संवेदी उत्तेजना, जैसे स्पर्श, स्वाद, वास, दृष्टि और श्रवण हैं। रुद्राक्ष की माला का उपयोग करके संयुक्त उत्तेजना दी जाती है और स्प्रिंग क्रेडल का उपयोग करके वेस्टिबुलर उत्तेजना प्रदान की जाती है। संवेदी मोटर क्षेत्रों को विकसित करने के लिए बी एक्टीव बॉक्स या छोटे कमरे का उपयोग किया जाता है। स्कूटर बोर्ड गतिविधियाँ, और प्रोन वेज गतिविधियां मोटर विकास में मदद करती हैं, कोने की कुर्सी का उपयोग सिर और धड़ संतुलन को विकसित करने के लिए प्रयोग किया जाता है, वॉकर का उपयोग चलने के विकास के लिए किया जाता है और विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके संज्ञानात्मक प्रशिक्षण दिया जाता है।

पिछले तीन वर्षों में लाभान्वित :-

वर्ष	नए	फालोअप
2016 -17	140	6594
2017 – 18	120	5518
2018 -19	208	6243

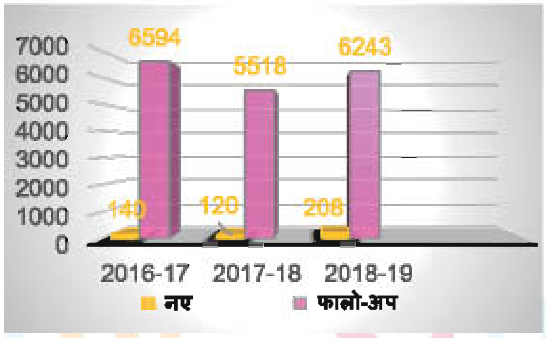

सफल कहानियां - मास्टर डी 2 साल के एक लड़काप्रारंभिक हस्तक्षेप इकाई में उपस्थित होना शुरू किया

उसकी दिव्यांगता का कारण पैदा होते समय ना रोना | वह अपने अप बैठ सकता था और सहारे लेकर खड़ा भी हो सकता था। उनकी दायें आँख में भेंगापन था. कुछ अक्षर बोलता था, उसे बलदायक अभ्यास जैसे संतुलन रहने के लिए क्रियाकलापों, रुकावटों को पार करना, पोजिशनिंग, संवेदी उत्तेजना दी गई। उसे हस्त कार्य में सुधार लाने के क्रियाकलाप भी दीये गये।

संज्ञानात्मक बढ़ावे के प्रशइक्षण के कारण उसने रंगों की पहचान एवं अंक धारणा, अंकों का ज्ञान भी सीख गया। उसकी बाईं आँख बंद थी और उसकी दायी आंक में दृष्टि बाधा थी, उनकी बायीं आंख को छलनी कर दिया गया था और उन्हें दाहिनी आंख के लिए दृष्टि प्रशिक्षण दिया गया था। प्रारंभिक अंतराक्षेपण थिरेपी के एक वर्ष के बाद वह अपने आप चलने लगा, छोटे-छोटे वाक्य बोलने लगा। मास्टर डी नियमित रूप से न्यूरोलोजी क्लिनिक आने लगा और दवाईयों से उसके दौरे पड़ने में भी नियंत्रण होने लगा।

‘कोई दिव्यांगता या शब्दकोष स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में सक्षम नहीं है कि हम एक व्यक्ति के रूप में कौन हैं।’

- रॉबर्ट एम हेंसल

मानव संसाधन प्रशिक्षु, इंटर्न और विभाग को भेंट करने वाले

प्रशंसा पत्र:

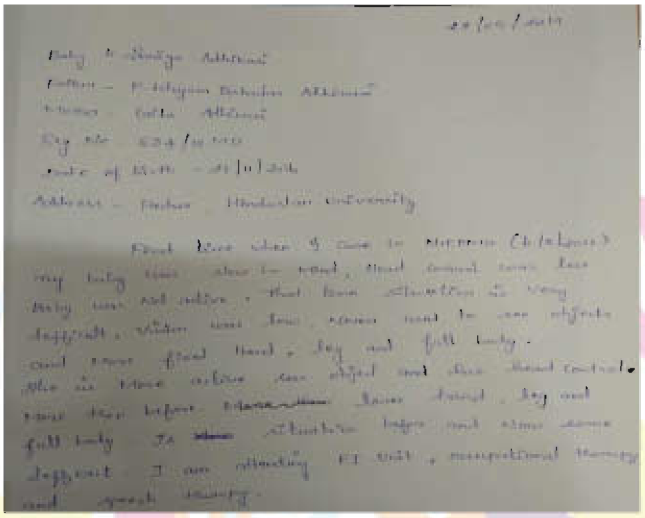

[illegible]

Address – [illegible] Hindustan University

[illegible] I am attending EI unit, occupational therapy and speech therapy.

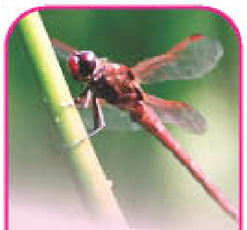

"प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानबे प्रतिशत पसीना है ।"

- थॉमसएडिसन

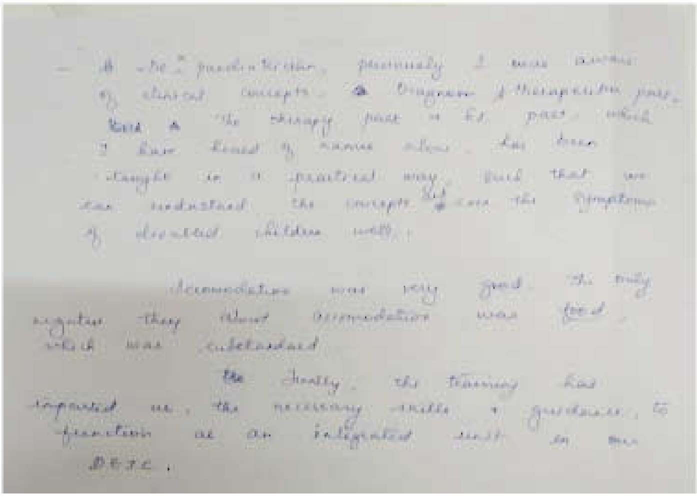

As a paediatrician, previously I was aware of clinical concepts, diagnosis & therapeutic part, but the therapy part of this part which I have heard of names alone has been taught in a practical way such that we can understand the concepts & see the symptoms of disabled children well.

Accommodation was very good. The only negative thing about accommodation was food which was substandard.

Finally, the training has imparted us the necessary skills & guidance to function as an integrated unit in the DEIC.

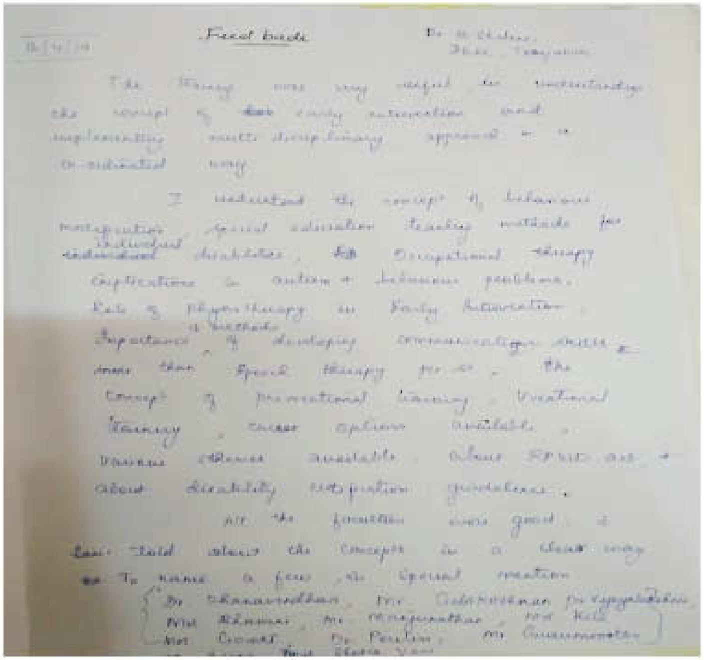

Feed back

Dr. ... DEIC ...

The training was very useful in understanding the concept of early intervention and implementing multi disciplinary approach in a co-ordinated way.

I understand the concept of behaviour modification, special education teaching methods for individual disabilities, occupational therapy applications in autism & behaviour problems, role of physiotherapy in early intervention, importance & methods of developing communication skills & more than speech therapy for ..., the concept of prevocational training, vocational training, career options available, various schemes available, about ... and about disability certification guidelines.

All the faculties were good & have told about the concepts in a clear way. To name a few, special mention ...

अध्याय 4

सामग्री विकास

"मेरी दिव्यांगता ने मेरी असली क्षमताओं को देखने के लिए मेरी आँखें खोल दी हैं।"

- रॉबर्ट एम हेन्सेल

प्रस्तावना:

सामग्री विकास इकाई मुख्य रूप से न्यूरो मस्कुलर स्केलिटल शिथिलता वाले व्यक्तियों जिसके परिणाम स्वरूप बिगड़ा गतिशीलता, समन्वयन में क्षति होता है, उन व्यक्तियों को सेवा प्रदान करने के लिए समर्पित है, और कार्यात्मक क्षमताओं तथा पूर्ण भागीदारी को सीमित करने वाले कार्यात्मक परिणामों की ओरलक्षित है। इस इकाई में विभिन्न तकनीकी सहायक उपकरणों के द्वारा हस्तक्षेप के द्वारा उन्हें अत्यधिक क्रियात्मक क्षमता को प्राप्त करने तथा जीवन के दैनिक क्रियाकलापों में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिए मदद दिया जाता है।

सामग्री विकास - साधन एवं उपकरण इकाई द्वारा तैयार एवं विकसित तकनीकी सहायक उपकरण

उद्देश्य:

सहायक तकनीकी उपकरणों के हस्तक्षेप के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए उनकी गतिशीलता, भंगिमा नियंत्रण, आत्मविश्वास निर्माण, अधिकतम कार्यात्मक क्षमता और समाज में पूर्ण भागीदारी को प्राप्त करना इस इकाई का उद्देश्य है।

क्रियाकलाप:

- लाभार्थियों की पहचान और मूल्यांकन; सहायक प्रौद्योगिकी उपकरणों का चयन और निर्धारण
- विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों का डिजाइन और विकास
- सहायक उपकरण का फिटमेंट और प्रशिक्षण.
- विविध प्रकार के साधन व उपकरणों का पुनरीक्षण, मरम्मत तथा प्रतिस्थापन
- विभिन्न प्रकार के सहायक प्रौद्योगिकी उपकरणों के बारे में लाभार्थियों का मार्गदर्शन और परामर्श
- सहायक उपकरणों के महत्व के बारे में विभिन्न हितधारकों के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण
- सहायक उपकरणों का वितरण के लिए ईपीडब्ल्युडीडी के लिए काएडिप योजना का क्रियान्वयन
- आउटरीच तथा समुदाय आधारित पुनर्वास (सीबीआर) क्रियाकलाप
- पेशेवरों तथा अन्य हितधारकों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन
- सेवा प्रदानकर्ता एवं उपयोगकर्ता के बीच खाई को पाटने के लिए मानव संसाधन का सृजन
- सहायक प्रौद्योगिकि के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास

"हर जीवन के लिए एक योजना और एक उद्देश्य, एक मूल्य है, चाहे उसका स्थान, उम्र, लिंग या दिव्यांगता कोई भी हो।"

- शेरोन एंगल

सेवा प्रोफ़ाइल:

सामग्री विकास इकाई द्वारा प्रदान किए जाने वाले सहायक उपकरणों के प्रकार

पोस्टुरल कंट्रोल डिवाइस - सीपी चेयर, कॉर्नर कुर्सी और मौल्डेड पोस्टुरल कंट्रोल सीट बच्चों और किशोरों के लिए पोस्टुरल कंट्रोल और बैलेंस में कमी रहने वालों के लिए निर्धारित किया जाता हैं। ये उपकरण बैठने के दौरान उचित पोस्चर बनाए रखने में मदद करते हैं और लंबे समय तक बैठे रहने के कारण होने वाली शारीरिक और क्रियात्मकजटिलताओं को भी रोक सकते हैं। ये उपकरण एडीएल गतिविधियों और शैक्षणिक कार्यों को करते समय शारीरिक क्रियाओं के साथ-साथ हाथों के कार्यों में भी सुधार करते हैं।

कार्नर कुर्सी पर बैठा बालक

शैक्षणिक सत्र के दौरान सीपी चैयर पर प्रयोगकर्ता

अनुकूली उपकरण -पूर्व निर्मित / काउंटर में लिये गये उपकरणों का अनुकूलन और / या उपयोग के लिए योग्य बनाना। जिन अनुकूली उपकरणों को बंद कर दिया गया हैं, वे है, युनिवर्सल कफ, अनुकूली लेखन उपकरण, अनुकूली बर्तन आदि, जिन्हें इस इकाई में डिजाइन और विकसित किया गया है।

एडीएल क्रियाकलापों के लिए कम लागत वाले उपकरण

गतिशीलता उपकरण -विशिष्ट आवश्यकता वाले बहुदिव्यांग व्यक्तियों को ध्यान में रखते हुए उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मोबिलिटी डिवाइस जैसे कि ट्राई-साइकिल, व्हील चेयर, क्रचस, वॉकर, रोलेटर, और वॉकिंग स्टिक को संशोधित / अनुकूलित किया गया है।

"हर जीवन के लिए एक योजना और एक उद्देश्य, एक मूल्य है, चाहे उसका स्थान, उम्र, लिंग या दिव्यांगता कोई भी हो।"

- शेरोन एंगल

अनुकूलित व्हील चेयर उपयोगकर्ता शैक्षिक सत्र में भाग लेते हुए। ट्राइसाइकिल के साथ हस्तक्षेप करके गतिशीलता को साधिकृत किया गया हैं

ऑर्थोटिक उपकरण - प्रभावित शरीर के हिस्सों के लिए ये बायोमैकेनिकल बाहरी उपकरण हैं। सुधार, समर्थन, रोकथाम और गति के संयुक्त रैंज के नियंत्रण आदि के लिए इसका उपयोग किया जाता है।विभिन्न प्रकार के रीढ़ की हड्डी, ऊपरी अंग और निचले अंगों के ऑर्थोटिक उपकरणों का निर्माण विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग करके किया जाता है जो उपयोगकर्ता की सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपयुक्त हैं।

प्रमस्तिष्क आघात वाले बच्चे को आर्थोसिस से फिट किया गया

प्रोस्थेटिक उपकरण - शरीर के लुप्त हिस्से को कृत्रिम अंग से विस्थापित किया जाता है, जिसे प्रोस्थेसिस् कहते हैं।यह शरीर के खोए हुए भाग और कार्य की प्रतिकृति और अनुकूलन करता है। उपयोगकर्ता की आयु, व्यवसाय और सामाजिक-भौगोलिक स्थिति के अनुसार, कृत्रिम उपकरण निर्धारित, अनुकूलित और फिट किये जाते हैं।

कृत्रिम अंग से चल रहा ट्रान्स टिबियलएम्प्युटीतथा कृत्रिम अंग की मदद से लिख रहा ट्रान्सरेडियल एम्प्युटी

सेवा प्रोटोकॉल में पंजीकरण, मूल्यांकन, प्रिस्क्रिप्शन, माप, निर्माण, परीक्षण, फिटमेंट और निर्धारित उपकरण का प्रशिक्षण शामिल है, इसके बाद सही परिणामों के लिए समीक्षा की जाती है। आवश्यक होने पर, इस इकाई द्वारा उपकरणों की आवश्यक मरम्मत और प्रतिस्थापन किया जाता है।

"मेरे पास एकदिव्यांगता है जो सही है, लेकिन वास्तव में इसका मतलब यह है कि मुझे आपसे थोड़ा अलग रास्ता अपनाना पड़ सकता है ।"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

प्रदान की जाने वाली सेवाएँ:

- सहायक उपकरण प्रौद्योगिकी के लिए ज़रूरतमंद लाभार्थी का पंजीकरण
- एडीएल, मोबिलिटी, एनवायरनमेंटल मॉडिफिकेशन, क्लासरूम सीटिंग अडैप्टेशन, एक्सेसिबिलिटी ऑडिट के लिए विभिन्न प्रकार की असिस्टिव डिवाइस टेक्नोलॉजी का विस्तृत मूल्यांकन और प्रिस्क्रिप्शन।
- विभिन्न प्रकार के ओर्थोटिक्स, प्रोस्थैटिक्स, एडेप्टिव डिवाइस, मोबिलिटी आदि का डिजाइन, विकास, निर्माण, फिटमेंट और प्रशिक्षण
- प्री-फैब्रिकेटेड उपकरणों का अनुकूलीकरण
- आउटकीट एडिप शिविर अखिल भारतीय
- ओर्थोटिक्स, प्रोस्थैटिक्स, एडेप्टिव डिवाइस, मोबिलिटी डिवाइसेस की मरम्मत और प्रतिस्थापन
- विकलांग व्यक्तियों के सामाजिक आर्थिक पुनर्वास में सहायक उपकरणों के महत्व के बारे में विभिन्न हितधारकों को जागरूकता और अभिविन्यास कार्यक्रम

उपकरण एवं साधनों का चमड़े का कार्य

कम लागत वाली रीढ़ की हड्डी कोरसेट का निर्माण

अटेन्शन डिफिसिट हैपरैक्टिविटी अव्यवस्था वाले बच्चे को सुरक्षा हेल्मेट फिट किया गया

अलग कर सकने वाला पोस्चुरल नियंत्रण वाला अनुकूलित व्हील चैर

"दयालुता वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं ।"

- मार्कट्वेन

पिछले तीन वर्षों के लाभार्थियों:-

वर्ष	नए	फालो-अप
2016 - 17	290	543
2017 - 18	238	559
2018 - 19	285	611

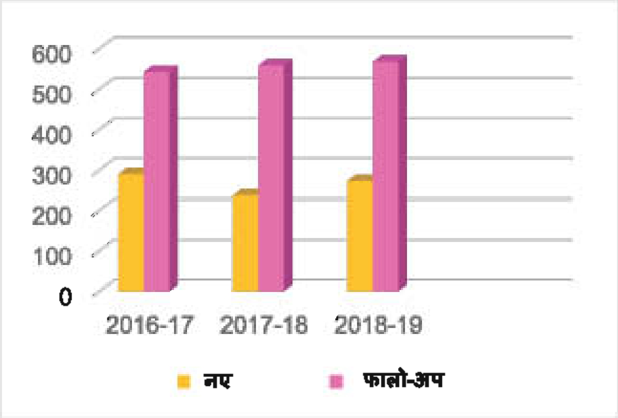

श्रेष्ठ प्रथाएँ:

जरूरतमंद लाभार्थियों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरणों का प्रिस्क्रिप्शन, चयन और फिटमेंट, सामाजिक आर्थिक और भौगोलिक स्थिति पर आधारित है, जो कॉस्मेटिक दिखावा, आसान गतिशीलता, ऊर्जा संरक्षण, सामाजिक स्वीकृति और समावेशन में मदद करते हैं,।

अनोखे पहल एवं हाल के विकास:

यह इकाई मॉड्यूलर ट्रांस रेडियल प्रोस्थेसिस विकसित करने की प्रक्रिया में है जो प्रोस्टेटिक फिटमेंट के समय को कम करेगा, मरम्मत और व्यवहार्यता में सुधार करने के लिए अलग-अलग घटकों की मरम्मत की व्यवहार्यता, हल्के और व्यवहार्यता में सुधार करेगा।

यह इकाई मल्टीएक्सल कलाई यूनिट के साथ इलेक्ट्रिक हाथ विकसित करने की प्रक्रिया में भी है, जो उपयोगकर्ता को वांछित स्थिति में टर्मिनल डिवाइस (इलेक्ट्रिक हाथ) को लॉक करने में मदद करेगी

मानव संसाधन विकास (एचआरडी):

संचालित कार्यक्रम:

इस इकाई ने आरसीआई-नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त मानव संसाधान पाठ्यक्रम, बैचलर इन प्रोस्थेटिक्स एंड ओर्थोटिक्स (बी.पी.ओ) शैक्षणिक वर्ष २०१९-२०२० से शुरू करने की पहल की है। तमिलनाडु राज्य सरकार तथा भारतीय पुनर्वास परिषद् (आर.सी.आई), नई दिल्ली से शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० से बी.पी.ओ. कार्यक्रम शुरु करने के लिए अनुमति एवं अनुमोदन मिला।

"मेरे लिए उपलब्धि की सबसे बड़ी भावना यह है कि मैं एक एथलीट था जो कुछ हद तक दिव्यांग था।"

- बिल टुमी

विभाग में तैनात इंटर्न (2018-19) :

तमिलनाडु, पुदुच्चेरी तथा देश के अन्य भागों के विविध विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों के 193 इंटर्नों को इस विभाग में तैनात किया गया। कार्यशाला / सेमिनार / सम्मेलनों में संकाय सदस्य व विद्यार्थियों की सहभागिता:

- आईआईटी, नई दिल्ली, सोनीपत कैम्पस में दिनांक: २५-२७ अक्तूबर २०१८ को सहायक प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन
- विशेष शिक्षा एवं दिव्यांगताओं में अनुसंधान पद्धतियाँ पर कार्यशाला : दिनांक 1-3 दिसम्बर, 2018 को एन.आई.ई.पी.एम.डी. द्वारा मनोविकास केन्द्र, कोलकाता (प.बं.) में आयोजित
- दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 दिव्यांग व्यक्तियों के आशय पर सम्मेलन : एसआरएम मेडिकल कॉलेज, कटनाकुलातुर, तमिलनाडु में 23-24 जनवरी, 2019 को सहायक उपकरण और आरपीडब्ल्युडी अधिनियम 2016.

कार्यशाला/ सेमिनार / सम्मेलन में पोपर / पोस्टर प्रस्तुती :

- दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 दिव्यांग व्यक्तियों के आशय पर राष्ट्रीय सम्मेलन : एसआरएम मेडिकल कॉलेज, कटनाकुलातुर, तमिलनाडु में 23-24 जनवरी, 2019 को सहायक उपकरण और आरपीडब्ल्युडी अधिनियम 2016।

अध्यया 5

फिजयोथिरेपी

"दिव्यांगता आपको असाधारण नहीं बनाती है, लेकिन आप जो सोचते हैं, उसके बारे में जानते हैं, यह सवाल करता है।"

- स्टेलायंग

प्रस्तावना

फिजियोथेरेपी गति संबंधी कठिनाइयों वाले व्यक्तियों के लिए पूरे जीवनकाल में अधिकतम गतिशील और कार्यात्मक क्षमता को बनाए रखने के लिए सेवाएँ प्रदान करता है और दिव्यांग व्यक्तियों के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सामाजिक तौर पर खुशहाल बनाए रखने के लिए कार्यरत् है ताकि उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके। इसमें बढ़ती उम्र,चोट, दर्द, बीमारियों, विकारों के कारण होने वाली क्षति तथा दिव्यांगता के लिए योगीकरण और पुनर्वास के द्वारा गतिशीलता एवं कार्य के लिए से सेवाएं प्रदान करना शामिल है।

उद्देश्य

- अपनी स्वस्थ्य के लिए शारीरिक क्रियाकलाप एवं व्यायाम के महत्व पर जोर देते हुए लोगों और समाज को शिक्षित करना
- खराब स्वास्थ्य, सामाजिक आर्थिक तनाव, विभिन्न पर्यावरणीय कारक, जीवनशैली कारकों के कारण परिवर्तित चलन व्यवहार के जोखिम को रोकना, और इसके द्वारा व्यक्तियों मेंक्षति, गतिविधि सीमा और भागीदारी प्रतिबंध को रोकना।
- दिव्यांग व्यक्तियों को अति आवश्यक संभाव्यत: सामान्य गतिशीलता एवं उनकी क्रिया, क्षमता एवं कार्यात्मकता को अत्यधिक बनाने के लिए योगीकरण तथा पुनर्वास करना, ताकि वह सामाजिक समूहों में शामिल हो सकें जिससे स्वतंत्र जीवनयापन को एवं गुणवत्ता जीवन को बढ़ावा मिल सकें।
- अवरोध मुक्त वातावरण प्रदान करके आम जनता और प्रशासक को दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ वातावरण के बारे में शिक्षित करना और संवेदनशील बनाना
- बहुदिव्यांगता के क्षेत्र में फिजियोथेरेपिस्ट को संवेदनशील बनाना
- बहुदिव्यांगता के क्षेत्र में परिवर्तित चलन व्यवहार से संबंधित सेवा नमूने विकसित करना
- दिव्यांगता और बहु दिव्यांगता के क्षेत्र में परिवर्तित चलन व्यवहार और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों पर एचआरडी अनुसंधान गतिविधियों का संचालन और समन्वय करना।

फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका

सेरेब्रल पाल्सी, स्ट्रोक, पार्किंसंस रोग, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी, पेरिफेरल नर्व इंजुरी आदि जैसे मूवमेंट की समस्याओं वाले व्यक्तियों के पुनर्वास में फिजियोथेरेपिस्ट एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

फिजियोथेरेपिस्ट चलन समस्या वाले व्यक्तियों की आवश्यकता के अनुसार उपयुक्त ऑर्थोटिक / प्रोस्थेसिस का पूर्ण मूल्यांकन, निदान, उपचार और निर्धारित करने में मदद करता है।और साथ ही चलन समस्याओं के साथ अन्य दिव्यांगता वाले बच्चों के लिए उपचार करायक्रम की योजना बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट अन्य पुनर्वास पेशेवरों के साथ मिलकर काम करता है।

उन्नत तकनीकों और साक्ष्य-आधारित देखभाल का उपयोग करते हुए, फिजियोथेरेपिस्ट स्वास्थ्य स्थितियों और चलन संबंधी अव्यवस्था की रोकथाम के लिए विस्तृत श्रृंखला का मूल्यांकन, निदान, उपचार करते हैं। फिजियोथेरेपी क्षति को ठीक करने, कठोरता और दर्द को कम करने, चंचलता को प्रबंधित करने, गतिशीलता बढ़ाने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करती है।

फिजियोथेरेपी स्वास्थ्य संवर्धन से लेकर चोट की रोकथाम, तीव्र देखभाल, पुनर्वास, कार्यात्मक गतिशीलता के रखरखाव, पुरानी बीमारी प्रबंधन, रोगी और देखभाल शिक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य तक विस्तारित है।

एन.आई.ई.पी.एम.डी. में थेरेप्युटिक्स् विभाग में बहुदिव्यांग बच्चों के लिए ध्यान केन्द्रित करने के मुख्य क्षेत्र, न्यूरोडेवलपमेंट थेरपी, वर्चुलर रियाल्टी बेस्ड थेरेपी, पल्मनरी रीहैबिलिटेशन, एवं एलेक्ट्रोथेरेपी व गेट ट्रैनिंग है। विभाग में इलेक्ट्रोथेरेपी इकाई है जो साधारणतया दर्द प्रबंधन और मसल रीएजुकेशल के लिए उपयोग किया जाता है।

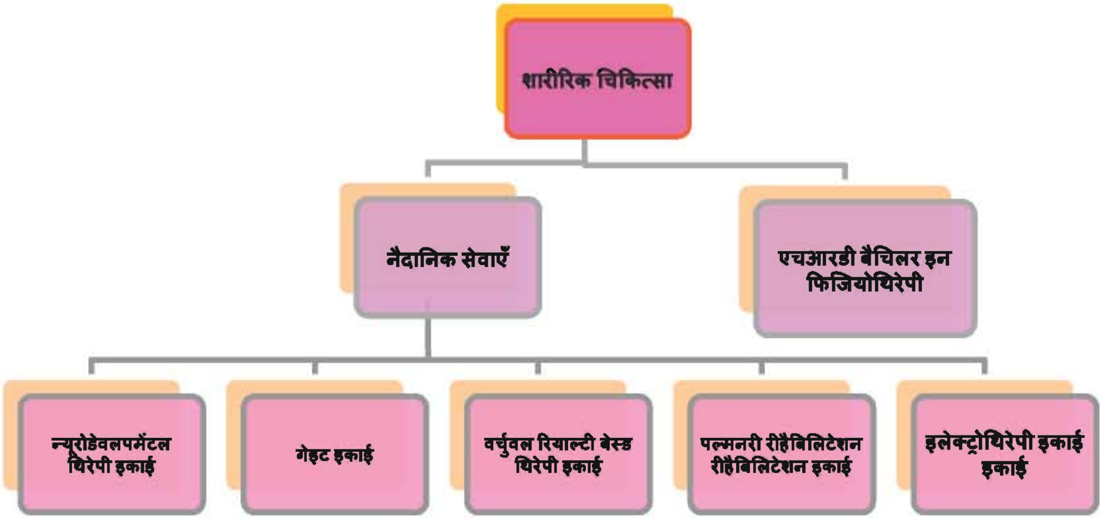

मेरी दिव्यांगता इसलिए नहीं है की मै व्हीलचेयर का उपयोग करता हूँ बल्कि इसलिए हैं की व्यापक वातावरण सुलभ नहीं है।

न्यूरो डेवलपमेंटल थेरेपी (NDT) एक समग्र और अंतःविषय नैदानिक प्रथा नमूना है जिसे वर्तमान और विकसित अनुसंधान द्वारा सूचित किया गया है जो तंत्रिका-तंत्र संबंधी पैथोफिजियोलॉजी वाले व्यक्तियों के योगीकरण और पुनर्वास के लिए मुवमेंट विश्लेषण के आधार पर व्यक्तिगत चिकित्सीय हैंडलिंग पर जोर देता है।

मस्तिष्क क्षति के कारण विकलांग बच्चों के लिए उपचार का उद्देश्य उन्हें उनकी सबसे बड़ी संभव स्वतंत्रता के लिए तैयार करना और मार्गदर्शन करना है और उन्हें सामान्य किशोर और वयस्क जीवन के लिए तैयार करना है।

गेइट प्रशिक्षण या गेइट पुनर्वास किसी चोट लगने पर या दिव्यांग होने पर, बच्चे के रूप में या बार बार कैसे चलना है, यह सीखना या पुन:सीखना है।

गैट प्रशिक्षण मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है, संतुलन और मुद्रा में सुधार करता है, मसल मेमोरी को विकसित करता है, सहन शक्ति बढ़ाता है और पुनरावृत्त गति के लिए पैरों को रीट्रेन करता है।

शरीर का वजन अनवेयिंगप्रणाली एक उन्नत प्रशिक्षण उपकरण है जो पीडियाट्रिक और वयस्क वाले बहुदिव्यांग लोगों में गेइट की शीघ्र सुविधा प्रदान करता है।

इलेक्ट्रोथेरेपी, यह शब्द इलेक्ट्रो - इलेक्ट्रिक करेन्ट या इलेक्ट्रिकल एनर्जी, थेरेपी - रोग का उपचार, गैर सर्जिकल अप्रोच से आया है। इसका अर्थ, मुख्य स्रोत के रूप में इलेक्ट्रिकल एनर्जी को प्रयोग करते हुए विविध प्रकार का चिकित्सी अनुप्रयोग है। इलेक्ट्रोथेरेपी मुख्यतह, दर्द प्रबंधन, न्यूरो मस्कुलर डिसफंक्शन के उपचार, जोड में गति को सुधारने, टिश्यु रिपेर करने, अति तीव्र तथा चिरकारी सूजन के लिए, पेरीफेरल रक्त प्रवाह के लिए, आयोनटोफोरेसिस, मूत्र और मल असंयम में प्रयोग किया जाता है।LASER थेरेपी उन्नत इलेक्ट्रोथेरेपी उपचार है जो टिश्यु उपचार पर गहरा प्रभाव डालता है और शक्तिशाली एन्टी इन्फ्लमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करता है।

वर्चुवल रियाल्टी बेस्ड थेरेपी (वीआरबीटी) उन्नत पुनर्वास के लिए नई पीढ़ी का उपकरण है जो रोगी के गतिशीलता को कैप्चर के लिए मोशन सेंसर (जेस्चर) तकनीक का उपयोग करता है जो कि उपचार शासन के रूप में चिकित्सीय खेलों से जोड सकते हैं। वीआरबीटी में चिकित्सीय तकनीकों जैसे पोजिशनल स्ट्रेच, टोन फेसिलिटेशन तथा

इन्हीबिशन थ्रू गेम को खेल के द्वारा शामिल करता है जो थेरेपी सत्र को सुखद बनाता है और रोगी को दृश्य संकेतों का उपयोग करते हुए मोटर रीलर्निंग और गतिशीलता के पैटर्निंग के द्वारा लाभ मिलता है ताकि वे स्व-प्रेरित रहें और पूरे पुनर्वास शासन में लगे रह सकते हैं।

पल्मनरी रीहैबिलिटेशन :श्वास संबंधी समस्या वाले क्लाईंटों को पल्मनरी पुनर्वास प्रदान किया जाता है। ब्रीदिंग लैब एक उन्नत आभासी वास्तविकता आधारित श्वास तकनीक है जो फेफड़े की मात्रा में सुधार लाती है, सांस छोडने पर प्रतिरोध और स्राव जुटाती है।यह घबराहट रोगी के लिए एक सामान्य विश्राम देता है, हृदय गति को कम करता है, श्वास को धीमा करता है और फाइट व फ्लाइट प्रतिक्रिया को दबाता है। पल्मनरी क्रिया को देखने के लिए उन्नत रोगनिदान उपकरणों को स्थापित किया गया (पल्मनरी फंक्शन टेस्ट)।

"यदि हम एक समृद्ध संस्कृति को प्राप्त करने के लिए हैं, तो हमें एक बुनाई करनी चाहिए जिसमें प्रत्येक विविध मानव उपहार को एक उपयुक्त स्थान मिलेगा।"

- मार्गरेटमीडे

विभाग में प्रदान की जाने वाली विशेष क्लिनिक / सेवाएँ

फिजियोथेरेपी मूल्यांकन शिविर

तिथि	स्थान	लाभान्वितों की संख्या
15.12.2018	कोवलम जानकी रामन ट्रस्ट	92
19.12.2018	मुत्थुकाडु, एन.आई.ई.पी.एम.डी.	61
22.12.2018	केलम्बक्कम, प्राइमरी हेल्थ सेंटर	137
23.12.2018	कनत्थुर कम्युनिटी हॉल	42

पिछले तीन वर्षों में लाभान्वित

वर्ष	नए	फालो-अप
2016 - 17	906	10562
2017 - 18	875	12078
2018 - 19	893	25183

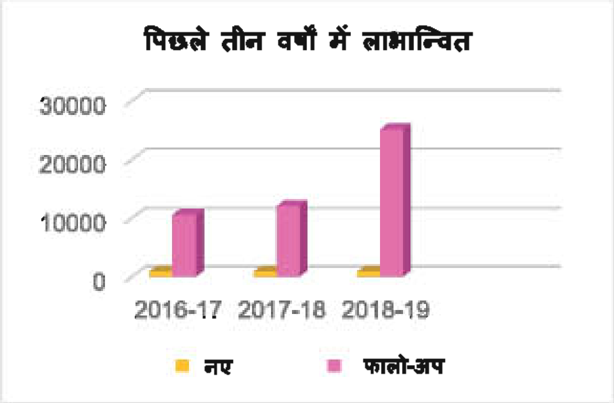

विभाग की उत्तम प्रथाएँ

- पल्मनरी क्रिया का मूल्यांकन करने के लिए उन्नत कंप्युटरीकृत रोगनिदान स्पाइरोमेट्री
- शरीर का वज़न को समर्थित करने वाला ट्रेडमिल प्रशिक्षण, दर्द के कारण गेइट में अपसामान्यता के उपचार के लिए एलएएसईआर
- विशेष आधुनिक उपकरण जैसे जीएमएफएम, पीबीएस, एएसआईए इम्पेयरमेंट स्केल का रोगी के क्रियात्मकता स्तर के मूल्यांकन के लिए प्रयोग किया गया।
- वर्चुवल रियाल्टी बेस्ड थेरपी (वर्चुवल गेम) स्थूल मोटार में प्रशिक्षण के लिए एवं पलमनरी क्रियाओं को सुधारने के लिए

मानव संसाधन विकास :

कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी

बैचिल ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) पाठ्यक्रम दि तमिलनाडु डॉ एमजीआर मेडिकल विश्वविद्यालय से संबद्धित है और वर्ष 2016-17 में 25 छात्रों की वार्षिक प्रवेश की क्षमता से आरंभ किया गया।

इसका मुख्य उद्देश्य फिजियोथेरेपी में देश भर के विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए योग्यता प्राप्त व्यावसायिकों को तैयार करना है जो बहुविध दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सेवा करने पर ध्यान केन्द्रित करता है। छात्रों को सह पाठचर्या तथा पाठ्यक्रमेतर क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिसमें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंटर्न तथा अंतर कालेज क्रियाकलाप जैसे स्वच्छ भारत, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, दिव्यांगता दिवस, कैंसर जागरूकता दिवस, योग दिवास तथा युवा दिवस, आदि शामिल हैं।

पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों में सहभागिता :

बीपीटी के छात्रों ने एसआरएम कॉलेज अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ईवाईएएन 2018 चेन्नई में एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। फिजियोथेरेपी विभाग के स्टाफ एवं छात्रों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह में 29 अक्तूबर 2018 से 3 नवम्बर 2018 के दौरान भाग लिया।

विभाग द्वारा घटनाएँ और समारोह:

एन.आई.ई.पी.एम.डी. के कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी ने इंडियन बैंक, कोवलम एवं दि मद्रास बल्ड ब्यूरो फर कैंसर जागरूक सप्ताह के लिए रक्त दान तथा केश दान शिविर का आयोजन किया।

"यह नहीं है कि मैं इतना स्मार्ट हूं, यह सिर्फ इतना है कि मैं समस्याओं के साथ लंबे समय तक रहता हूं ।"

\- अल्बर्ट आइंस्टीन

ईवाईएएन 2018 में बीपीटी छात्र छात्र

कैंसर जागरूकता सप्ताह में विभाग के स्टाफ तथा

5 सितम्बर, 2018 को शिक्षक दिवस समारोह, 13 नवम्बर, 2018 को फ्रेशर्स दिवस समारोह

सेमिनार / कांफरेंस में संकाय सदस्यों की सहभागिता:

- फिजियोथेरेपी में हालही के अद्यतनों पर अंतर्राष्ट्रीय कांफरेंस, ईवाईएएन 2018, 12-15 दिसम्बर, 2018, एस.आर.एम. कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपीश्री बी.एस.संतोष खन्ना, श्री एस.राजेश, श्री वी.बी.जयकुमार, श्रीमती टी.आर्ती
- पांचवा इंटर कालेजियेट सीएमई 2018, 27 अप्रैल, 2018, युसीए, कॉलेज आफ फिजियोथेरेपी, श्री बी.एस.संतोष खन्ना

> "मैं अपनी क्षमता में" DIS "नहीं रखने का विकल्प चुनता हूं।"
>
> - रॉबर्ट एम। हेन्सेल

- स्टेट लेवेल कांफरेंस ऑन एक्सरसाइज फार स्पेशल पापुलेशन, एमएएचईआर 2018 27 अप्रैल 2018, मीनाक्षी कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, श्री बी.एस.संतोश खन्ना एवं श्री एस.राजेश
- नेशनल कांफरेंस ऑन सोशो इमोशनल एस्पेक्ट्स् ऑफ इंडिवजुवल विद डिसबिलिटी, 1 दिसम्बर 2018, सवीता कॉलेज ऑफ आक्युपेशनल थेरेपी, श्री बी.एस.संतोष खन्ना, श्री एस.राजेश, श्री वी.बी.जयकुमार
- रेसीलियेंस बिल्डिंग पर कार्यशाला, 12 व 13 फरवरी 2019 एवं अप्रैल 2019 एन.आई.ई.पी.एम.डी., श्री बी.एस.संतोष खन्ना, श्री एस.गुरुमूर्ती, श्री वी.बी.जयकुमार, श्रीमति राजाचित्रा
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन्स् विद मल्टीपल डिसबिलिटीज़ पर राष्ट्रीय सेमीनार एन.आई.ई.पी.एम.डी., में, श्री बी.संतोष खन्ना, श्री एस.गुरुमूर्ती, श्री एस.राजेश, श्रीमति टी.आर्ती
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग डिसबिलिटीज़ पर सेमिनार, एन.आई.ई.पी.एम.डी. में 23 फरवरी, 2019 को श्रीमति टी.आर्ती

सेमिनार व सम्मेलन में चात्रों की सहभागिता :

- बीपीटी छात्रों नेफिजियोथेरेपी में हालही के अद्यतनों पर अंतर्राष्ट्रीय कांफरेंस, ईवाईएएन 2018, 12-15 दिसम्बर, 2018, एस.आर.एम. कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपीमें भाग लिया।
- बीपीटी छात्रों ने 2 मार्च 2019 को दि टीएन एमजीआर मेडिकल युनिवर्सिटी में अर्ली इंटरवेंशन इन स्पेशल चिल्ड्रन पर सेमिनार तथा कार्यशाला में भाग लिया।
- बीपीटी छात्रों ने पाँचवा इंटर कालेजियेट सीएमई 2018 में 27 अप्रैल 2018 को भाग लिया।
- बीपीटी छात्रों विजय टी क्रितिका, जयश्री साई तथा अलेन जेसफ, रिया, नीरज कुमार नेपाँचवा इंटर कालेजियेट सीएमई 2018 में 27 अप्रैल 2018 को भाग लिया
- और विजय टी क्रितिका ने पुरस्कार प्राप्त किया।

संसाधन व्यक्ति तथा तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में अन्य संस्थानों को प्रदान की गई सेवाएँ

- स्टेट लेवेल कांफरेंस ऑन एक्सरसाइज फार स्पेशल पापुलेशन, एमएएचईआर 2018 27 अप्रैल 2018, मीनाक्षी कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, श्री बी.एस.संतोश खन्ना
- पांचवा इंटर कालेजियेट सीएमई 2018, 27 अप्रैल, 2018, युसीए, कॉलेज आफ फिजियोथेरेपी, श्री बी.एस.संतोष खन्ना
- फिजियोथेरेपी में हालही के अद्यतनों पर अंतर्राष्ट्रीय कांफरेंस, ईवाईएएन 2018, 12-15 दिसम्बर, 2018, एस.आर.एम. कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, श्री बी.एस.संतोष खन्ना
- बैरियर फ्री एनविरानमेंट एण्ड युनिवर्सल डिजाइन 7 मार्च 2019, पुदुचेरी, श्री बी.एस.संतोष खन्ना
- एनविरानमेंट फर सक्सेसफुल इम्प्लिमेंटेशन ऑफ इन्क्लूजिव एजुकेशन, 28 माच 2019, पुदुचेरी, श्री बी.एस.संतोष खन्ना
- एफेक्ट ऑफ मैक्सीमल फोनेशन टैमिंग एक्सरसाइज ऑन पल्मनरी फंक्शन फार चिल्ड्रन विद सेरेब्रल पालसी, 28 मार्च 2019, पुदुचेरी, श्री बी.एस.संतोष खन्ना
- रोड मैप फर इंक्लूजिव सोसाइटीज फार पर्सन विद स्पेशल नीड्स्, 1 मार्च 2019, मदुरई, श्री एस.गुरुमूर्ती
- मेनेजमेंट ऑफ इंडिपेन्डेन्ट लिविंग स्किल फार फैमिली मेम्बर्स् हैविंग अडल्ट्स् विद मल्टीपल डिसबिलिटीज़ पर स्टेट लेवेल कांफरेंस, 15 फरवरी 2019 स्पैस्टिक सोसाइटी ऑफ कर्नाटक, श्री एस गुरुमूर्ती
- अड्रेसिंग बैरियर्स इन दि एनविरॉनमेंट एण्ड युनिवर्सल डिजाइन, पर राज्य स्तरीय सम्मेलन 22 सितम्बर 2019 को दिन्डिगल में, श्री एस.राजेश

विभाग में पोस्ट किये गये इंटर्न :

अन्य कॉलेजों के फिजियोथेरेपी कोर्स के 149 इंटर्नों को इस विभाग में पोस्ट किया गया था।

अध्यया 6

व्यावसायिक थिरेपी विभाग

"रवैया एक छोटी सी बात है जो एक बड़ा बदलाव लाती है।"

- विंस्टन चर्चिल

प्रस्तावना :

व्यावसायिक थिरेपी के पेशेवर, एन.आई.ई.पी.एम.डी. के उद्देश्यों को पूरा करने के एक भाग के रूप में सभी प्रकार की दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए खेल, कार्य, एडीएल एवं अवकाश क्षेत्रों में अपने आप कार्य करने की और लगे हुए हैं।

आक्युपेशनल थिरेपी एक क्लाईंट केन्द्रित स्वास्थ्य एवं पुनर्वास व्यावसाय है जो व्यावसाय द्वारा स्वास्थ्य और भलाई को बढ़ावा देने से संबंधित है। व्यावसायिक थिरेपी का मुख्य उद्देश्य है, व्यक्ति को दैनिक जीवन के क्रियाकलापों में प्रभावकारी रूप से भाग लेने में समर्थ बनाना।

उद्देश्य :

- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आक्युपेशनल चिकित्सा मूल्यांकन, हस्तक्षेप प्रदान करना
- आक्युपेशनल चिकित्सा के क्षेत्र में जनशक्ति का विकास करना
- मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण तथा शिक्षा, दीर्घावधि पाठ्यक्रम, बीओटी 4 ½ वर्षों का
- विभिन्न पुनर्वास पेशेवरों के लिए सतत पुनर्वास शिक्षा का संचालन करना
- दिव्यांग व्यक्तियों से संबंधित अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलाप
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समुदाय आउटरीच कार्यक्रम

आक्युपेशनल थिरेपी की मुख्य भूमिकाएँ

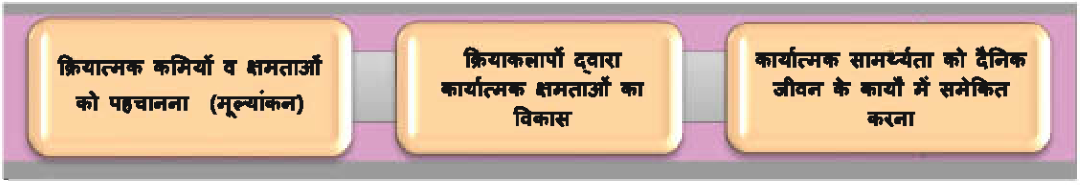

आक्युपेशनल थिरेपी क्रियाकलाप

ऑक्यूपेशनल थेरेपी सत्र में, बहु दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांगता, आटीज्म स्पेक्ट्रम अव्यवस्था, अटेन्शन व डिफिसिट हाइपरएक्टीविटी अव्यवस्था, अटेंशन डेफिसिट विकार, विशिष्ट शिक्षण अव्यवस्था, कम दृष्टि, न्यूरोलॉजिकल अव्यवस्थाएँ, मनश्चिकित्सक दिव्यांगता / मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों एवं अन्य विकासात्मक, बधिरांध व्यक्तियों को सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

व्यावसायिक चिकित्सा सेवाएं, डीएईएल विभाग के साथ पूर्व व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के लिए काम करती है, पूर्व व्यावसायिक रीसेटिलमेंट पुनर्वास प्रशिक्षण के लिए कार्य करता है।

आक्युपेशनल थिरेपी में सेवाएँ

व्यावसायिक थेरेपी विभाग ने एएसडी वाले बच्चों, कम दृष्टि वाले बच्चों के लिए मल्टी-सेंसरी स्टिमुलेशन यूनिट की विशिष्टता इकाइयों की स्थापना की।

व्यावसायिक थेरेपी विभाग ने एएसडी वाले बच्चों, कम दृष्टि वाले बच्चों, आदि के लिए मल्टी-सेंसरी स्टिमुलेशन इकाइयों की स्थापना की। यह मुख्य रूप से ऑडिटरी इंटिग्रेशन थेरेपी (एआईटी), विज़ुअल इंटीग्रेशन थेरेपी (वीआईटी), विज़ुअल मोटर ट्रेनिंग और एडीएल और हाथ की क्रिया से संबंधित अन्य संवेदी क्षतियों पर ध्यान केंद्रित करता है। मानसिक बीमारी (एमआई) वाले व्यक्तियों के लिए और व्यक्तियों के एवं देखभालकर्ताओं के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए साइकियाट्रिक ओटी इकाइयां स्थापित की गईं।

जब आपके पास एक दिव्यांगता होती है, तो यह जानकर कि आप इसे परिभाषित नहीं करते हैं, यह सबसे प्यारी भावना है। '

- ऐनी वेफुल्ला स्ट्राइक

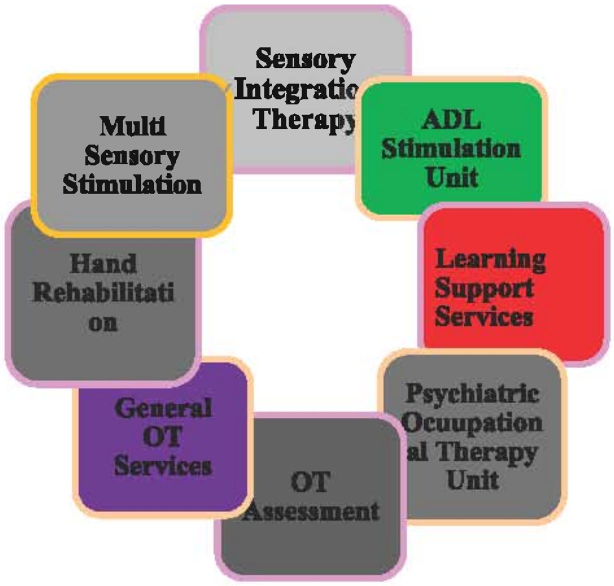

विशेष क्लिनिक :

हैंड रीहैबिलिटेशन इकाई

मौजूदा हैंड रीहैबिलिटेशन इकाई में एक नवीन, उपयोगकर्ता के अनुकूल वातावरण बनाया गया है। इस नवीन उपकरण के प्रयोग से अपर एक्स्ट्रिमिटी कौशल क्षमता को बढ़ाने के लिए अपर एक्स्ट्रिमिटी के बहु क्रियाकलाप वर्क स्टेशन तथा हाथ में शिथिल व्यक्तियों के लिए लाभ सिद्ध होता है।

साइकियाट्रिक आक्युपेशनल थेरेपी इकाई (पीओटीयू)

पी.ओ.टी.यु. मानसिक रोग वाले व्यक्तियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए और उनके कार्यात्मक क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से आरंभ किया गया।इस यूनिट व्यक्तिगत और समूह, दोनों थेरेपी प्रदान किया जाता

है। गतिविधियों के विभिन्न गतिविधियों, जैसे, एक्टिविटी थेरेपी, टास्क ओरिएंटेशन इंटरवेंशन और कॉग्निटिव एन्हांसमेंट थेरेपी द्वारा व्यक्तिगत थेरेपी प्रदान की जाती है।समूह थेरेपी हस्तक्षेप में, संवेदी प्रोसेसिंग क्षमता, गतिविधि कानफिगरेशन, सामाजिक और असर्टिव कौशल को बेहतर बनाने के लिए संवेदी एकीकरण चिकित्सा, व्यावसायिक व्यवहार दृष्टिकोण और जागरूकता समूह शामिल हैं।

स्क्रीनिंग शिविर:

व्यावसायिक चिकित्सा इकाई ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान के लिए केंद्रीय विद्यालय, मीनांबक्कम में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित करने के लिए समन्वय किया और आगे पुनर्वास हस्तक्षेप के लिए एन.आई.ई.पी.एम.डी.को रेफर किया।

"मेरे पास एक क्षमता नहीं है, मेरे पास एक अलग क्षमता है।"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

आक्युपेशनल थेरेपी इंटरवेंशन

व्यावसायिक चिकित्सा हस्तक्षेप प्रदर्शन के कई क्षेत्रों को शामिल करता है। सभी हस्तक्षेप योजनाएं और चिकित्सा लक्ष्य व्यक्तिगत जरूरतों के आधार पर बनाए और कार्यान्वित किए जाते हैं। व्यावसायिक चिकित्सा हस्तक्षेप में कई क्षेत्रों के प्रदर्शन को शामिल करता है। सभी हस्तक्षेप योजनाएं और चिकित्सा व्यक्तिगत जरूरतों के आधार पर बनाए और कार्यान्वित किए जाते हैं। व्यावसायिक चिकित्सक प्रयोजनपूर्ण गतिविधियों, खेलने की गतिविधियों, सक्षम बनाने वाले गतिविधियों, पेशेंट शिक्षा, परिवार के सदस्य की शिक्षा, अनुकूली साधन और सहायक उपकरणों का निर्धारण, स्प्लिंटिंग, व्हील चेयर प्रशिक्षण, घर / काम और पर्यावरण परिवर्तन, समूह थेरेपी और व्यावासायिक प्रशिक्षण सहित, कई प्रकार के तकनीकें एवं साधनों का प्रयोग करता है।

Gross Motor Skills	• Pertaining to movement of the large muscles in the arms, legs and trunk
Fine Motor Skills	• Pertaining to movement and dexterity of the small muscles in the hands and fingers.
Neuromotor Skills	• Pertaining to the underlying building blocks of muscle strength, muscle tonicity, postural mechanisms and reflex integration
Adaptation / Modification	• prescription of Splints & adaptive devices for clients with neurological/Orthopedic/Geriatric clients.
Visual Motor Skills	• Referring to a child's movement based on the perception of visual information.
Sensory Integration	• The ability to take in, sort out and respond to the information we receive from the world.
Self-Care Skills	• Pertaining to daily dressing, feeding and toileting tasks
Motor Planning Skills	• The ability to plan, implement and sequence motor tasks.
Group Therapy	• Conducting group therapy like Social Skills training, Assertive training and Activity group etc

"दिव्यांग होने का मतलब जीवन के हर पहलू तक पहुंच से अयोग्य होना नहीं है।"

- एम्मा थॉम्पसन

व्यावसायिक चिकित्सक कौशल विकास को बढ़ाने और प्रोत्साहित करने के लिए प्रयोजनपूर्ण गतिविधियों का उपयोग करते हैं। क्लाईंटों की रुचियों से प्रेरित होकर, चिकित्सक मज़ेदार और प्रेरक गतिविधियाँ प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य "उचित-सही चुनौती" प्रदान करना है, ताकि बच्चे को प्रभावी ढंग से कार्यात्मक कार्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक अंतर्निहित कौशल विकसित हो। ऑक्युपेशनल थैरेपी का लक्ष्य अर्थपूर्ण गतिविधियों का उपयोग करना है ताकि सीडब्ल्लयुसीएन क्लाइंट के दैनिक जीवन के लिए आवश्यक कार्यात्मक कौशल प्राप्त कर सकें। व्यावसायिक थेरेपी अनुकूलन और संशोधन द्वारा दैनिक गतिविधियों को पूरा करने के लिए जब कौशल और शक्ति विकसित या बेहतर नहीं किए जाने पर रचनात्मक समाधान और विकल्प प्रदान करता है।

पिछले तीन वर्षों में लाभान्वित

वर्ष	नए	फालोअप
2016 - 17	1006	24182
2017 - 18	1053	37534
2018 - 19	1178	29909

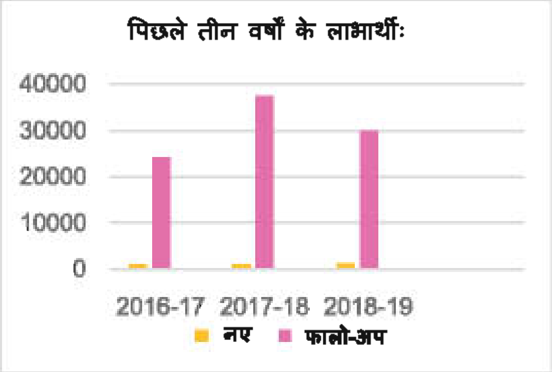

विभाग की सर्वोच्छ प्रथा

बहु संवेदी उत्तेजना

मल्टी-सेंसरी स्टिमुलेशन कमरे में निर्मित संवेदी समृद्ध या पोषित पर्यावरण, बच्चे को सकारात्मक भावनाओं को उत्पन्न करने के लक्ष्य से रोजमर्रा की वस्तुओं का प्रयोग करके पांच इंद्रियों (श्रवण, दृष्टि, गंध, स्वाद और स्पर्श) में से एक या अधिक को उत्तेजित किया जाता है। इस तरह बच्चे को एक सुरक्षित और आनंददायक उत्तेजक वातावरण प्रदान करते हैं जो बच्चे को आयु अनुरूप तथा मजा लेने वाले क्रियाकलाप प्रदान करता है।

संवेदी एकीकरणथेरेपी

संवेदी एकीकरण थेरेपी का उद्देश्य संवेदी प्रसंस्करण समस्या ("संवेदी प्रसंस्करण विकार") वाले बच्चे को संवेदी एकीकरण गतिविधि को एक संरचित तरीके से उजागर करके और आवश्यकतानुसार दोहरा कर मदद करना है। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, अटेंशन डेफिसिट एंड हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, विजुअल इम्पेयरमेंट, हियरिंग इम्पेयरमेंट, लर्निंग डिसएबिलिटी, डाउन सिंड्रोम और मानसिक रोग से पीड़ित बच्चों को सेंसरी इंटीग्रेशन थेरेपी से लाभान्वित होते हैं।

"बेहोश होना परम दिव्यांगता है ।"

- जेसा गैंबल

कार्यशाला/ सेमिनार /कॉफ्रेंस में संकाय सदस्यों द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में सहभागिता :

- ट्रांसडिसिप्लीनरी अप्रोच फर रोल आफ ओटी, 19 अप्रैल 2018, अनैल्लम, मेलमरुवत्तर, जीडी वंधियादेवन।
- आक्युपेशनल थैरेपी एण्ड सैंसरी इंटग्रेशन शैन एजुकेशनल ट्रस्ट, 15 जून 2018, मदुरई, पंकजकुमार.
- एविडेंस बेस्ड ग्रूप थैरेपी फार पीडब्ल्युडी, 29 जून 2018, एसआरएम यूनिवर्सिटी, कट्टकुलत्तुर, दीपा, एस
- युटीलाइजेशन ऑफ अवेलबल लो कॉस्ट रिसोर्सेस् एण्ड एनविरोनमेंटल मॉडिफिकेशन फार थैरेप्युटिक युसेज मॉन्फोर्ट कम्युनिटी डेवलपमेंटल सोसाइटी, 14 जुलाई 2018, चेमेनचेरी, जीडीवंदियादेवन
- रीसर्च इन डिसबिलिटी, क्वान्टिटेटिव रीसर्च इन डिसबिलिटी रीहैबिलिटेशन, अदुरा स्पेशल स्कूल, 28 सितम्बर 2018, कंजीपुरम
- पैरेंट्स् ऐस ईक्वल पार्टनर्स् इन रीहैबिलिटेशन, ग्रीन पार्क एजुकेशन एण्ड चैरिटेबल 12 अक्तूबर 2018, संकरनकोविल, जी डी वंधियादेवन
- नेशनल कांफरेंस, सोशल फ्रस्ट्रेशन एण्ड मैनेजमेंट ऑफ पर्सन्स् विद डिसबिलिटी, 1 दिसम्बर, 2018, सवीता युनिवर्सिटी, चेन्नई, सोबियावानी
- अग्रेशन इन पर्सन्स् विद स्पेशल नीड्स्, 1 दिसम्बर, 2018, सवीता युनिवर्सिटी, चेन्नई, दीपा एस
- ओटी रोल इन वोकेशनल रीहैबिलिटेशन फार पीडब्ल्युडी, कांसेप्ट एण्ड एक्सीक्युशन, 12 जनवरी, 2019, सत्या स्पेशल स्कूल, पुदुच्चेरी, जी डी वंधियादेवन
- कोआर्डिनेशन डिसार्डर असेसमेंट एण्ड इंटरवेंशन, 26 जनवरी, 2019, कामाक्शी पंडरीनाथन ट्रस्ट, दिन्डुगल, जीडीवंधियादेवन
- आक्युपेशनल थिरेपी रोल इन मस्कुलर डिस्ट्रोफी, 9 मार्च 2019, दि सीएसआर डिपार्टमेंट ऑफ वीआईटीएई इंटरनेशनल, कोयम्बतूर, जीडीवंधियादेवन
- पोस्ट सर्जीकल रीहैबिलिटेशन ऑफ स्पाईनल डिसार्डर, 9 मार्च 2019, दि सीएसआर डिपार्टमेंट ऑफ वीआईटीएई इंटरनेशनल, कोयम्बतूर, जीडी वंधियादेवन
- प्ले ऐस अर्ली इंटरवेंशन इन डेवलपमेंटल थैरेपी, 15 मार्च 2019, प्ले ऐस ए मीडीया, अरिचुवादी स्पेशल स्कूल, पुदुचेरी, जीडी वंधियादेवन
- प्ले ऐस अर्ली इंटरवेंशन इन डेवलपमेंटल थैरेपी, सैंसरी प्ले इन चिल्ड्रन विद एएसडी, 16 मार्च, 2019, अरिचुवादी स्पेशल स्कूल, पुदुचेरी, सोभियावानी
- आक्युपेशनल थैरेपिस्ट पर्स्पैक्टिव्स् टुवाईस् इन्क्लूजिव एजुकेशन, 29 मार्च, 2019, पांडीचेरी युनिवर्सिटी, पुदुचेरी, दीपा एस
- सेंसरी इश्यु इन एएसडी, पेरेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम, 29 मार्च, 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी. चेन्नई, जीडी वंदियादेवन

आक्युपेशनल थैरेपी फैकल्टी द्वारा रीसर्च पेपर प्रेजेन्टेशन

- कोमार्बिडिटी इन एचआई रोल इन मल्टी डिसिप्लीनरी टीम मेनेजमेंट 22 सितम्बर 2018, एनआईएसएचटीए, चेन्नई दीपा एस

- सेल्फ एस्टीम, इमोशनल इंटलिजेन्स अमॉन्ग चिल्ड्रन एण्ड अडालसेन्स्, कंट्रोल स्टडी 30 नवम्बर 2018, सवीता युनवर्सिटी, चेन्नई दीपा एस
- इम्पैक्ट ऑफ ओटी इंटरवेंशन ऑन चिल्ड्रन विद एडीएचडी एण्ड पेरेंट अग्रेसिव बिहेवियर, 30 नवम्बर 2018, सविता युनिवर्सिटी, चेन्नई जीडी वंधियादेवन
- रोल ऑफ टेक्नॉलजी इन कम्युनिटी इंटिग्रेशन ऑफ पर्सन विद सेरेब्रल पालसी (सीपी) 10 जनवरी 2019, गुवाहती, दीपा एस

संकाय सदस्यों के लिए सेमिनार/ कार्यशाला / कांफरेंस में सहभागिता

- अल्पावधि प्रशिक्षण, वर्क सिमुलेटर, दि अल्टीमेट रीहैबिलिटेशन सिस्टम फार हैंड ऑन ट्रेनिंग, 20 नवम्बर 2018, एनआईएलडी, कोलकाता, सोभियावानी
- नेशनल कांफरेंस, अंडरस्टांडिंग दि सोशो इमोशनल एस्पेक्ट एवं इंडिविजुवल विद डिसबिलिटी, 30 नवम्बर, 2018 एवं 1 दिसम्बर 2018, सविता कॉलेज ऑफ ओटी, चेन्नई, सोभियावानी
- नेशनल कांफरेंस, अंडरस्टांडिंग दि सोशो इमोशनल एस्पेक्ट एवं इंडिविजुवल विद डिसबिलिटी, 30 नवम्बर, 2018 एवं 1 दिसम्बर 2018, सविता कॉलेज ऑफ ओटी, चेन्नई, दीपा एस
- नेशनल कांफरेंस, अंडरस्टांडिंग दि सोशो इमोशनल एस्पेक्ट एवं इंडिविजुवल विद डिसबिलिटी, 30 नवम्बर, 2018 एवं 1 दिसम्बर 2018, सविता कॉलेज ऑफ ओटी, चेन्नई, जीडी वंधियादेवन
- रीसिलयेंस बिल्डिंग, 12 व 13 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई सोभियावानी
- रीसिलयेंस बिल्डिंग, 12 व 13 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नईपंकज कुमार एवं चरणमादेवी
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन विद मल्टीपल डिसबिलिटी, 23 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई, सोभियावानी
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन विद मल्टीपल डिसबिलिटी, 23 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई, जीडी वंदियादेवन
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन विद मल्टीपल डिसबिलिटी, 23 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी. चेन्नई, पंकज कुमार
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन विद मल्टीपल डिसबिलिटी, 23 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी. चेन्नई,,एस सैम्युल दिनकरन
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन विद मल्टीपल डिसबिलिटी, 23 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी. चेन्नई, चरनमदेवी
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन विद मल्टीपल डिसबिलिटी, 23 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी. चेन्नई,, बी निबेदिता प्रियदर्शिनी
- टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन विद मल्टीपल डिसबिलिटी, 23 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी. चेन्नई, फेमिल जूडी, जेआर
- तीसरा एयुटीसीओएन 2019, 2 मार्च 2019, आईआईटी चेन्नई, पंकज कुमार
- बीओटी के छात्रों द्वारा पोस्टर प्रेजेन्टेशन
- श्री आदित्य प्रकाश एवं सुश्री क्षितिलिप्शा, बीओटी द्वितीय वर्षनेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग सोशो इमोशनल एस्पेक्ट्स् ऑफ इंडिवीजुवल्स् विद डिसबिलिटी, एनहैंसिंग सेल्फ कांफिडेंस ऑफ पर्सन्स् विद डिसबिलिटीज़, पोस्टर प्रेजेन्टेशन, 30 नवम्बर, 2018 चेन्नई
- श्री मिथुन राज एवं सुश्री कीर्तना, बीओटी द्वितीय वर्ष नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग सोशो इमोशनल एस्पेक्ट्स् ऑफ इंडिवीजुवल्स् विद डिसबिलिटी,फ्रस्ट्रेषन. 30 नवम्बर, 2018, चेन्नई में भाग लिया।
- सुश्री जीरोस रानी, एवं सुश्री समहरिता हरिनी, बीओटी द्वितीय वर्ष नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग सोशो इमोशनल एस्पेक्ट्स् ऑफ इंडिवीजुवल्स् विद डिसबिलिटी, फैक्टर्स अफेक्टिंग सेल्फ एस्टीम ऑफ पर्सन्स् विद डिसबिलिटी, 30 नवम्बर, 2018 को चेन्नई में भाग लिया।

"मैं अलग हूं लेकिन कम नहीं हूं ।"

- मंदिर ग्रैंडिन

- श्री अंशुमन बेहरा एवं सुश्री निवेदिता, बीओटी द्वितीय वर्ष नेनेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग सोशो इमोशनल एस्पेक्ट्स् ऑफ इंडिवीजुवल्स् विद डिसबिलिटी, डिप्रेशन एण्ड डिसबिलिटी इन लेट लाइफ, 30 नवम्बर, 2018 को चेन्नई में भाग लिया।
- सुश्री क्रिसमस फियोना एवं सुश्री एसैयामुत्तु, बीओटी द्वितीय वर्ष, ने नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग सोशो इमोशनल एस्पेक्ट्स् ऑफ इंडिवीजुवल्स् विद डिसबिलिटी, डिप्रेशन एण्ड डिसबिलिटी इन लेट लाइफ, 30 नवम्बर, 2018 को चेन्नई में भाग लिया।
- श्री श्रेयस सरकार एवं सुश्री तनमया साहू, बीओटी द्वितीय वर्ष ने नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग सोशो इमोशनल एस्पेक्ट्स् ऑफ इंडिवीजुवल्स् विद डिसबिलिटी, मेशर्स् टु इम्प्रूव सेल्फ एस्टीम एण्ड मेन्टेन डिग्नीटी एण्ड अटॉनमी अमांग पर्सन्स् विद डिसबिलिटी, 30 नवम्बर, 2018, चेन्नई

"हर चीज में कोई भी अच्छा नहीं है।" फायदे और नुकसान कई रूपों में आते हैं। "

- चार्ल्स श्वाब

सेमिनार / सीएमई / कार्यशाला, बीओटी छात्रों की सहभागिता

- २४ छात्र बीओटी द्वितीय वर्ष ने अर्ली इंटरवेंशन फार चिल्ड्रन विद चिल्ड्रन विद इंटलेक्चुवल डिसबिलिटी एण्ड असोसियेटेड कंडीशन अक्रॉस मल्टीपल एसपेक्ट्स् ऑफ डेवलपमेंट, 15 व 16 नवम्बर, 2018 को चेन्नई में भाग लिया।
- २४ छात्र बीओटी द्वितीय वर्ष ने सेमिनार ऑन लर्निंग डिसबिलिटी बाई इंटरनेशनल एक्स्पर्ट्स् फ्राम युनिवर्,टी ऑफ मल्टा, 2 नवम्बर, 2018, एन.आई.ई.पी.एम.डी. चेन्नई में भाग लिया।
- दस बीओटी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने 3 एयुटीसीओएन 2019 में भाग लिया। आईआईटी चेन्नई
- लोकेश सिद्धार्थ दास, आदित्य प्रकाश (बीओटी द्वितीय वर्ष) ने अर्ली इंटरवेंशन इन स्पेशल चिल्ड्रन, 29 मार्च 2019 को टीएन डॉ एमजीआर मेडिकल युनवर्सिटी चेन्नई में भाग लिया।

जिला / जोनल / राज्य / राष्ट्रीय स्तर सीआरई एवं गैर सीआरई कार्यक्रम जो आक्युपेशनल थेरेपी संकाय सदस्यों द्वारा समन्वयन किया गया।

- नेशनल लेवेल कांफरेंस, रीसर्च इन डिसबिलिटी रीहैबिलिटेशन, 28 व 29 सितम्बर 2018, कंजीपुरम, दीपा एस
- जिला स्तर सीआरई, पेरेन्ट्स् एस एन ईक्वल पार्टनर इन रीहैबिलिटेशन, 12 व 13 अक्तूबर 2018, संकरनकोविल, जी डी वंधियादेवन
- जिला स्तर सीआरई, कम्युनिटी बेस्ड रीहैबिलिटेशन, 17 व 18 नवम्बर 2018, होशियारपुर, दीपा एस
- जिला स्तर सीआरई, प्रोसेसिंग डिसार्डर, असेसमेंट व डयाग्नोसिस्, 7 व 9 दिसम्बर 2018, कोविलपट्टी, सोभियावानी।.
- जिला स्तर सीआरई, प्रीवेकेशनल स्कील्स्, 28 व 30 दिसम्बर, 2018, पुदुचेरी, जी डी वंधियादेवन
- जिला स्तर सीआरई, कोआर्डिनेशन डिसार्डर असेसमेंट एण्ड इंटरवेंशन, 26 व 27 जनवरी 2019, दुन्डिगल, चेरनमादेवी, के
- जिला स्तर सीआरई, रोल ऑफ प्ले इन अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंटल डिसबिलिटी, 1,2 फरवरी 2019, तिरुनलवेली, एस सैम्युल दिनकरन
- जिला स्तर सीआरई, असिस्टिव डिवाजेस् एण्ड टेक्नालजी, 23 व 24 फरवरी, 2019, नोएडा, पंकज कुमार
- जिला स्तर सीआरई, ट्रेनिंग एण्ड मेनेजमेंट इन एडीएल, 23 व 24 फरवरी 2019, पुदुच्चेरी, सोभियावानी
- इंटरनेशनल लेवेल कंवेंशन ग्लोबल आटाज्म कंवेंशन, 10 व 12 दिसम्बर, 2018,बेंगलूरु, दीपी एस.
- जिला स्तरीय सीआरई रोल ऑफ प्ले इन अर्ली चाइल्डहुड इन डेवलपमेंटल डिसेबिलिटी, 15 व 16 मार्च 2019 पुदुच्चेरी, जीडी वंधियादेवन
- अवेरनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन प्रिवेंशन ऑफ वर्क रिलेटेड इंजूरी एट वर्क प्लेस, 7 व 8 मार्च, 2019, ए.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई, सोभियावाणी, गैर सीआरई

मानव संसाधन विकास

- एस.आर.एम. कॉलेज आफ ओटी के 21 इंटर्नों को विभाग में शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के लिए पोस्ट किया गया।

सीमाएँ केवल दूर तक जाती हैं । ”

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

संचालित कार्यक्रम :बैचिलर ऑफ आक्युपेशनल थेरेपी (बी.ओ.टी.) - छात्रों की संख्या

वर्ष/बैच	पुरुष	महिलाएँ	कुल
बीओटी प्रथम वर्ष (2018-19)	6	14	20
बीओटी द्वितीय वर्ष (2017-18)	9	15	24

समिलन और सहयोग:

- डॉ. शशिधर राव चौहाण, हैंड्लिंग मोटार प्रॉब्लम्स् इन चिल्ड्रन विद सेरेब्रल पालसी, इंटरनेशनल रिसोर्स पर्नस, 29 अगस्त, 2018 को।

एक्स्पोज़र भेंट:

- बीओटी छात्रों ने अस्पतालों, समुदाय, स्कूलों, विश्वविद्यालयों आदि के संपर्क में आने के लिए लिया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ:

- राज्य स्तरीय आक्युपेशनल थेरेपी अधिवेशन, जेकेकेएमएमआरएफ कालेज आफ आक्युपेशनल थेरेपी, 22-24 नवम्बर, 2018, इरोड
- एन.आई.ई.पी.एम.डी., एन.बी.ई.आर. खेल-कूद एवं सांस्कृति उत्सव, साउथ जोन 2018, एन.आई.ई.पी.एम.डी.
- कालेज आफ आक्युपेशनल थेरेपी के स्टाफ एवं छात्रों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह में भाग लिया, विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया एवं पुरस्कार प्राप्क किये, 29 अक्तूबर, 2018 से 3 नवम्बर, 2018 एन.आई.ई.पी.एम.डी.
- द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय कालेज खेल-कूद अधिवेशन, 8 व 9 मार्च, 2019,एन.आई.ई.पी.एम.डी.
- स्टाफ और छात्रों ने सेरेब्रल पालसी जागरूकता मैराथॉन में भाग लिया, 17 फरवरी 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी.
- हिन्दी दिवस समारोह 14 से 25 सितम्बर, 2018, एन.आई.ई.पी.एम.डी.
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान वादविवाद प्रतियोगिता, 3 नवम्बर 2018, एन.आई.ई.पी.एम.डी.
- विश्व ब्रेली दिवस के अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता, 4 जनवरी, 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी.

विभाग द्वारा समारोह :

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह 21 जून, 2018
- शिक्षक दिवस समारोह, 5 सितंबर 2018
- ओ.टी. दिवस समारोह, 27 अक्तूबर, 2018

विश्व आक्युपेशनल थेरेपी दिवस समारोह :

विश्व आक्युपेशनल थेरेपी दिवस 27 अक्तूबर, 2018 को मनाया गया। इस दिवस का विषय था, सेलेब्रेटिंग अवर ग्लोबल कम्युनटी। आक्युपेशनल थेरेपी विभाग ने पाँच दिवस का कार्यक्रम बनाया। इस पाँच दिवसीय कार्यक्रम में व्यक्तिगत तथा समूह प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम साथ ही सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सम्मिलित थे।

२३ अक्तूबर, 2018 को ओ.टी. पर सार्वजनिक जागरूकता:

ओ.टी. विभाग ने एन.आई.ई.पी.एम.डी. के सभी एच.आर.डी. छात्रों के लिए नेल पेंटिंग, फेस पेंटिंग तथा पॉट पेंटिंग (व्यक्तिगत) प्रतियोगाताओं का आयोजन किया।

"हालांकि दुनिया दुख से भरी है, लेकिन उसका साधन भी मौजूद है"
हेलेन केलर

"गलतरवैयाजीवनमें एकमात्रदिव्यांगताहोतीहै।" - स्कॉटहैमिल्टन-

२५ अक्तूबर, 2018 को सार्वजनिक जागरूकता :

एन.आई.ई.पी.एम.डी. के सभी एच.आर.डी. छात्रों के लिए ओ.टी. दिवस के विषय पर कोलाज़ बनाने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

२६ अक्तूबर, 2018 को सार्वजनिक जागरूकता

बेकार की वस्तुओं से कलाकृतायाँ बनाने का समूह प्रतियोगिताओं का एन.आई.ई.पी.एम.डी. के सभी एच.आर.डी. छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।

दिव्यांगता और आक्युपेशनल थेरेपी के क्षेत्र के बारे में समुदाय में जागरूकता लाने के लिए ओएमआर रोड पर तिरुवनमियुर से महाबलिपुरम तक आम जनता के लिए बीओटी छात्रों द्वारा हैंडआउट्स वितरित किए गए थे।

२६ अक्तूबर, 2018 को सार्वजनिक जागरूकता

बेकार की वस्तुओं से कलाकृतायाँ बनाने का समूह प्रतियोगिताओं का एन.आई.ई.पी.एम.डी. के सभी एच.आर.डी. छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।

दिव्यांगता और आक्युपेशनल थेरेपी के क्षेत्र के बारे में समुदाय में जागरूकता लाने के लिए ओएमआर रोड पर तिरुवनमियुर से महाबलिपुरम तक आम जनता के लिए बीओटी छात्रों द्वारा हैंडआउट्स वितरित किए गए थे।

ओटी डे कार्यक्रम

इंट्रा कॉलेज वादविवाद :

ओटी दिवस के दौरान सांस्कृति कार्यक्रम:

२७ अक्तूबर 2018 को आक्युपेशनल थिरेपी पर सार्वजनिक जागरूकता

पीवीआर ग्रांड स्क्वेर, वेलाचेरी, चेन्नई में आक्युपेशनल थिरेपी के बारे में सार्वजनिक जागरूकता उत्पन्न करने के लिए फ्लैश मॉब का आयोजन किया गया था।

जब आप हवा की दिशा नहीं बदल सकते हैं - अपने पालों को समायोजित करें

- एच.जैक्सन ब्राउन

"हालांकि मुश्किल जीवन लग सकता है, हमेशा कुछ ऐसा होता है जिसे आप कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।"

- स्टीफन हॉकिंग

ओटी दिवस के दौरान सांस्कृति कार्यक्रम :

19 नवम्बर 2018 को फ्रेशर्स् डे

प्रशंसा पत्र :

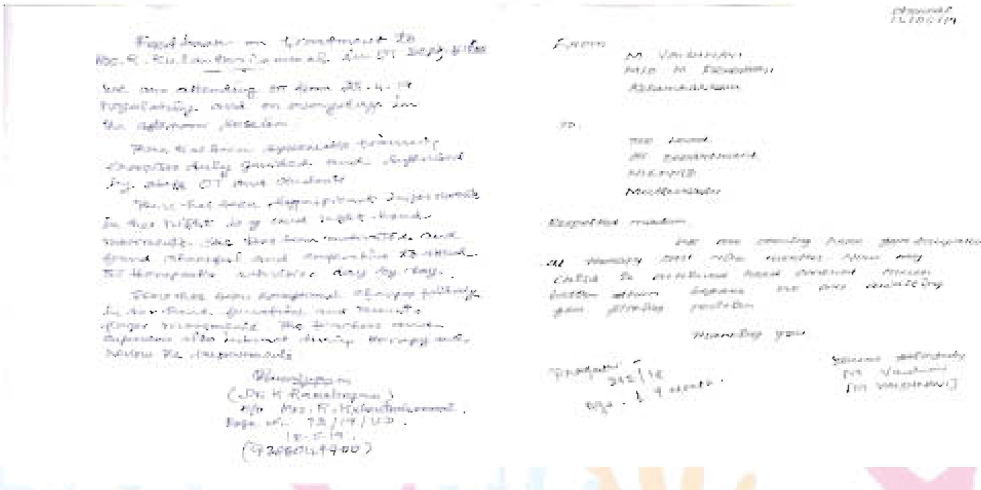

अभिभावकों के प्रशंसा पत्र

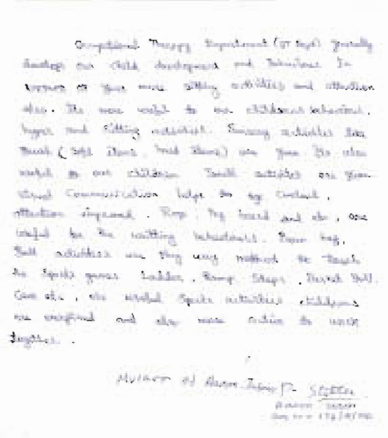

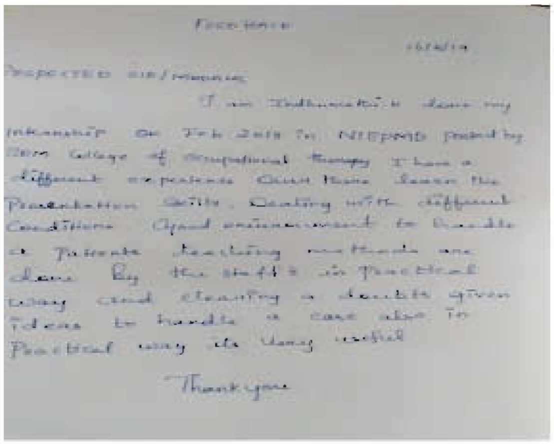

Thank you

"किसी भी निराशावादी ने कभी तारों के रहस्य की खोज नहीं की, या एक अज्ञात भूमि पर रवाना हुए, या मानव आत्मा के लिए एक नया द्वार खोल दिया ।"
- हेलेन केलर

अध्याय 7

नैदानिक मनोविज्ञान

"गलत रवैया जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है।"

- स्कॉट हैमिल्टन

प्रस्तावना

नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, एनआईईपीएमडी की बहु-विषयक टीम के एक भाग के रूप में नैदानिक मनोविज्ञान अनुशासन के पेशेवरों को शामिल करता है, जो दिव्यांगता पुनर्वास में मनोवैज्ञानिक मुद्दों की ओर काम करता है। विभाग नैदानिक सेवा प्रदान करके, मानव संसाधन विकसित करने, अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करने और सामुदायिक और आउटरीच गतिविधियों में शामिल करके पुनर्वास कार्यक्रमों को कार्यान्वित करता है।

उद्देश्यों

- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, हस्तक्षेप और मनोसामाजिक पुनर्वास के लिए।
- नैदानिक मनोविज्ञान के क्षेत्र में जनशक्ति का विकास करना।
- नैदानिक मनोविज्ञान गतिविधियों के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास करना।

गतिविधियां:

नैदानिक सेवाएं		एचआरडी गतिविधयां		अनुसंधान और विकास	सामुदायिक गतिविधियां
मनोवैज्ञानिक आकलन	मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप	दीर्घकालिक कार्यक्रम - एम.फिल नैदानिक	लघु अवधि कार्यक्रम- सीआरई प्रशिक्षण कार्यक्रम	मानसिक स्वास्थ्य और दिव्यांगता पुनर्वास से संबंधित अनुसंधान	जागरूकता स्क्रीनिंग कैंप स्क्रीनिंग कैंप कार्यक्रम

विशेष क्लीनिक सेवाए विभाग में दी गई ः - मनोरोग क्लिनिक
विभाग में दी गई सेवाएं

मनोवैज्ञानिक आकलन

- ❖ विकासात्मक मूल्यांकन
- ❖ व्यक्तित्व और भावनात्मक आकलन
- ❖ संज्ञानात्मक / बुद्धि आकलन
- ❖ व्यवहार आकलन
- ❖ निदान आकलन

मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप

- ❖ व्यवहार थैरेपी
- ❖ संज्ञानात्मक पुनप्रशिक्षण
- ❖ वैवाहिक और पारिवारिक चिकित्सा
- ❖ मनोसामाजिक पुनर्वास
- ❖ संज्ञानात्मक चिकित्सा
- ❖ आराम थेरेपी
- ❖ तंत्रिका संबंधी पुनर्वास

समुदाय आधारित कार्यक्रम

- ❖ स्क्रीनिंग कैंप
- ❖ जागरूकता / संवेदीकरण कार्यक्रम

"मुझे पता है कि दिव्यांग लोगों के लिए दुनिया को अधिक सुलभ बनाने का सिलसिला जारी रहेगा।"

- स्टीव वंडर

पिछले तीन वर्षों के लाभार्थीः -

वर्ष	नए	पुनवार्ती
2016 - 17	1289	6837
2017 - 18	1425	8808
2018 - 19	1672	10368

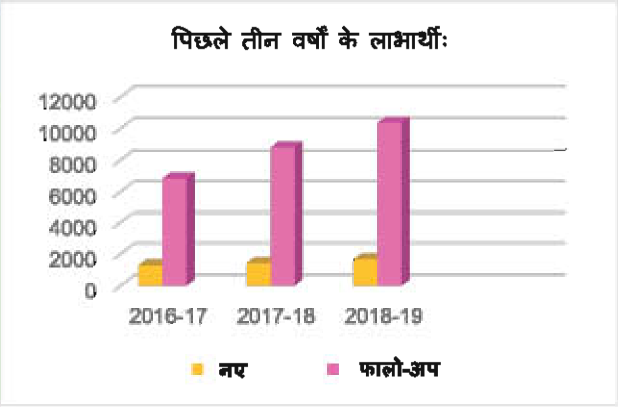

विभाग के सर्वोत्तम कार्य

- समग्रतात्मक हस्तक्षेप - विभाग न केवल क्लाइंट पर बल्कि परिवार के सदस्यों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। नियमित उपचारों के अलावा क्लाइंट के परिवार के सदस्यों के परिवार परामर्श, एकीकरण, तनाव प्रबंधन और विश्राम चिकित्सा पर भी ध्यान केंद्रित करता है ।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास - पुनर्वास आवश्यकतानुसार संज्ञानात्मक पुनप्रशिक्षण और उत्तेजना पर ध्यान केंद्रित करता है।

इंटर्नस् द्वारा अनुसंधान और विकास परियोजनाएँ

शोध का शीर्षक	कॉलेज और विश्वविद्यालय	शोधकर्ता का नाम
विशेष और विशिष्ट बच्चों के माता-पिता के बीच आशावाद और जीवन की गुणवत्ता	क्राइस्ट कॉलेज, केरल	अक्षरा.के
दिव्यांग बच्चों की माताओं द्वारा मनोवैज्ञानिक विकारों का सामना	शेव्रोयस आट्र्स एंड साइंस कॉलेज	एस.दिव्या
दिव्यांग बच्चों की माताओं का मानसिक स्वास्थ्य	शेव्रोयस आट्र्स एंड साइंस कॉलेज	जे.सरुजा
दिव्यांग बच्चों की माताओं में स्व संकल्पना	शेव्रोयस आट्र्स एंड साइंस कॉलेज	एल.कृष्णवेनी
दिव्यांग पुनर्वास के क्षेत्र में काम करने वाले जीवन पेशेवरों की गुणवत्ता	शेव्रोयस आट्र्स एंड साइंस कॉलेज	ए.कमली
दिव्यांग पुनर्वास के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों में नौकरी की संतुष्टि और तनाव	शेव्रोयस आट्र्स एंड साइंस कॉलेज	जे.कमला कन्नन

सहयोगात्मक अनुसंधान (प्रस्तावित)

अनुसंधान शीर्षक	सहायक संस्थान
स्वदेशी ईईजी पैटर्न वर्गीकरण उपकरण का निर्माण बचपन में आॅटिज्म को पहचानने के उपकरण	कोंगु इंजीनियरिंग कॉलेज, पेरुन्दुरई
न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों और मानसिक बीमारी के लिए नियमित स्कूल जाने वाले बच्चों की स्क्रीनिंग	चॉइस फाउंडेशन, हैदराबाद
बौद्धिक दिव्यांगता वाले बच्चों पर होम्योपैथी दवाओं की प्रभावशीलता	होम्योपैथी रीसर्च इंस्टिट्यूट फॉर डिसएबिलिटीज, चेन्नई

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों पर होम्योपैथी दवाओं की प्रभावशीलता	होम्योपैथी रीसर्च इंस्टिट्यूट फॉर डिसएबिलिटीज, चेन्नई
एडीएचडी के बच्चों में होम्योपैथी दवाओं की प्रभावशीलता	होम्योपैथी रीसर्च इंस्टिट्यूट फाॅर डिसएबिलिटीज, चेन्नाई
एकाधिक दिव्यांग बच्चों पर वैदिक परिवर्तनों का प्रभाव	मिडम चैरिटेबल ट्रस्ट और जीपमर, पुदुचेरी
विशेष आवश्यकताओं (ऑटिज्म/एडीएचडी) के बच्चों के बीच एल-कार्नोसिन की प्रभावकारिता पर अध्ययन	ब्रियो ब्लिस लाइफ साइंस फार्मास्युटिकल कंपनी, चेन्नाई
विशेष आवश्यकतों (ऑटिज्म/एडीएचडी) के बच्चों के बीच मैग्नीशियम $वीटामिन ठ6 की प्रभावकारिता पर अध्ययन	हीलर न्यूट्रास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नाई

"एक दिव्यांग व्यक्ति के रूप में, मेरे जीवन में हममें से प्रत्येक में मौजूद क्षमता की अंतहीन मात्रा का प्रतिबिंब होना चाहिए ।"

- रॉबर्ट एम। हेन्सेल

मानव संसाधन विकास

प्रस्तुत कार्यक्रम - एम.फिल।, नैदानिक मनोविज्ञान

नामांकित छात्रों की संख्या - 12 (2017-19) और 6 (2018-20)

विभाग में प्रकाशित इंटर्न की संख्या - 67

अभिसरण और सहयोग

- इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, चेन्नई
- राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल, चेन्नई
- एम.एस. चेल्लामुत्तु ट्रस्ट एंड रिसर्च फाउंडेशन, मदुरै
- न्यूरो फाउंडेशन, सेलम
- बालाजी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चेन्नई
- ग्लेनेयल्स ग्लोबल हेल्थ सिटी, चेन्नई

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में विद्वानों की भागीदारी

- मार्च और अप्रैल 2019 को माता-पिता से मिलन, सुश्री सिल्विना, सुश्री साबरीन, द्वितीय वर्ष।
- यौन मुद्दों पर कार्यशाला (मल्टिपल डिसेबिलिटी बच्चों में संवेदी मुद्दे) सुश्री सिल्विना, सुश्री.सब्रीना, द्वितीय वर्ष।
- कलरिंग प्रतियोगिता (तृतीय पुरस्कार), सुश्री सबरीना, द्वितीय वर्ष।
- सतर्कता जागरुकता दिवस कार्टून प्रतियोगिता (द्वितीय पुरस्कार), सुश्री सिल्विना, सुश्री सबरीना, द्वितीय वर्ष।
- टंग ट्वीस्टर (द्वितीय पुरस्कार), सुश्री अमांडा, द्वितीय वर्ष।
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर भाषण प्रतियोगिता, सुश्री रहमथ, द्वितीय वर्ष।

विभाग द्वारा समारोह

- पोंगल उत्सव
- मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2018

कार्यशाला / सेमिनार / सम्मेलन में भाग लेने वाले संकाय/छात्र

- रेसिलेंस बिलिं्डग पर कार्यशाला, सुश्री अनुश्री एस, सुश्री अनुश्री पीआर, सुश्री अनुसुया, सुश्री अर्पिता, द्वितीय वर्ष की छात्रा।
- विशेष बच्चों के लिए प्रौद्योगिकी निर्माण पर कार्यशाला, सुश्री सिल्विना, सुश्री सबरीना, द्वितीयवर्ष और सुश्री रक्षना, प्रथम वर्ष की छात्रा।
- वृद्ध मस्तिष्क (डिमेंशिया पर देखभाल) पर कार्यशाला, सुश्री प्रिया, सुश्री अमांडा, सुश्री धीना, सुश्री रहमथ, सुश्री रेबेका, सुश्री अनुश्री पीआर, द्वितीय वर्ष की छात्रा।
- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम पर कार्यशाला, सुश्री अनुसूया, द्वितीय वर्ष, सुश्री हेमलता, प्रथम वर्ष की छात्रा ।

- मनोचिकित्सा की प्रवृत्तियों पर कार्यशाला - वेवस, सुश्री प्रिया, सुश्री अमांडा, सुश्री सिल्विना, सुश्री रेबेका, सुश्री अनुश्री पीआर, सुश्री सबरीना, सुश्री अर्पिता, द्विवितीय वर्ष की छात्रा।
- एचआईवी परामर्श और परीक्षण प्रशिक्षण पर कार्यशाला, सुश्री रेबेका, द्विवितीय वर्ष की छात्रा।
- विशेष और समावेशी शिक्षा और दिव्यांगता पुनर्वास में अनुसंधान विधियों पर कार्यशाला, सुश्री रेबेका, द्विवितीय वर्ष की छात्रा।
- सम्मोहन चिकित्सा के नैदानिक मनोविज्ञान, विद्वानों और संकायों पर कार्यशाला।

कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलन में कागज / पोस्टर प्रस्तुति

- एस.के. आनंदलक्ष्मी और सुश्री श्रीगौरी, कागजी प्रस्तुति - कई दिव्यांग बच्चों की देखभाल में सहायक प्रौद्योगिकी की वर्तमान आवश्यकताएं: आईआईटी गुवाहाटी में देखभाल विविधता परिप्रेक्ष्य।

"सिर्फ इसलिए कि एक आदमी के पास अपनी आंखों के उपयोग की कमी है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके पास दृष्टि की कमी है।"

- स्टीव वंडर

प्रतिस्पर्धा	संगठन का दौरा और तिथि	संकाय
समूह चिकित्सा कार्यक्रम	आदिप्रकाशक्ति अनैइलम, मेलमारुवथुर, 9 अप्रैल 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी
बाल मनोविज्ञान पर बातचीत	केवी2 स्कूल, कलपक्कम, 27 अप्रैल 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी
विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों में मनोवैज्ञानिक मुद्दों और व्यवहार प्रबंधन से निपटने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	शाइन एजुकेशनल ट्रस्ट, मदुरै, 22 मई 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी
सीआरई का दिव्यांगता पर अनुसंधान - समस्या की पहचान, आरओएल, उद्देश्य और परिकल्पना का निरूपण	एम.जी.आर. स्पेशल स्कूल, चेन्नई 2 अगस्त 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी
सीबीआर में मनोवैज्ञानिक की भूमिका	एमसीडीएस, चेन्नई, 14 अगस्त 2019	सुश्री आनंदलक्ष्मी
स्वतंत्रता कार्निवल 2018 में पैनल में चर्चा -"पीडब्ल्यूओं, की एक दुनिया"	ओरुनी फाउंडेशन, चेन्नई, 15 अगस्त 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी
प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप-दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए आधुनिक पद्वति का उपयोग	पूर्वोत्तर राज्यों में दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए रणनीतिक योजना पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, शिलांग, 29 अगस्त 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी

बच्चे की दिव्यांगता और उसके परिणामों से संबंधित पारिवारिक स्वीकृति की सुविधा	टीएन डॉ एमजीआर मेडिकल विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 22 और 23 सितंबर 2018 को आयोजित 'बाल चिकित्सा न्यूरो में पुनर्वास' पर आयोजित 'सम्मेलन'	एस कार्तिकेयन
सीआरई का विकासात्मक दिव्यांग बच्चों के माता-पिता को माता-पिता को संभालना माता-पिता को	कोंगु इंजनियरिंग कॉलेज, एरोड, 27 सितंबर 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी
व्यवहार संशोधन पर सीआरई	कोंगु इंजनियरिंग कॉलेज, एरोड, 28 सितंबर 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी
आईडी, एएसडी, एसएलडी और एमडी के लिए दिव्यांगता पर मूल्यांकन और दिशानिर्देश	दिव्यांग लोगों के लिए ऑफिस ऑफ कमिश्नर भुवनेश्वर, ओडिशा, 30 और 31 अक्टूबर 2018	एस.कार्तिकेयन
इमोशनल वेलिंग- द रोड नॉट टेकन	30 नवंबर और 01 दिसंबर 2018 को चेन्नाई के सेवेटा कॉलेज ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी में आयोजित "दिव्यांगता के व्यक्ति के सामाजिक भावनाओं को समझना" प्र राष्ट्रीय सम्मेलन	एस.कार्तिकेयन
स्क्रीनिंग कैंप में दिव्यांग व्यक्तियों	केवी मीनांबक्कम स्कूल, 15 दिसंबर 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी

परामर्श कार्यशाला में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए दिव्यांगता प्रमाणन प्रक्रिया	सीबीएम इंडिया ट्रस्ट और एनआईईपीएमडी, 19 दिसंबर 2018	सुश्री आनंदलक्ष्मी
स्वस्थ भारत के लिए नैदानिक मनोविज्ञान का सुदृढ़ीकरण योगदान	एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु द्वारा आयोजित नेशनल कनसलटेटीव मीट, 01 और 02 फरवरी	एस कार्तिकेयन
“बालकों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए चिकित्सीय हस्तक्षेप” पर संगोष्ठीण्	सामाजिक कार्य विभाग, एसडीएनबी वैष्णव कॉलेज, चेन्नाई, 19 मार्च 2019	सुश्री आनंदलक्ष्मी
“रिश्ते में भावनात्मक निवेश” पर संगोष्ठी	नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (आईएमएच), चेन्नाई 30 मार्च 2019	सुश्री आनंदलक्ष्मी

"वहां बैठने और किसी को बताने के लिए कि वे दिव्यांगता के कारण कुछ नहीं कर सकते, मुझे लगता है कि यह हास्यास्पद है।"

- पैट मैकडॉनल्ड्स

अध्याय 8

वाक्, श्रवण एवं संप्रेषण

> "आशावाद वह विश्वास है जो उपलब्धि की ओर ले जाता है। आशा और विश्वास के बिना कुछ भी नहीं किया जा सकता है। "
>
> - हेलेन केलर

प्रस्तावना :

वाक्, श्रवण और संप्रेषण विभाग एन.आई.ई.पी.एम.डी.के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में अपनी सेवाएं प्रदान करता है। विभाग सभी आयु समूहों को संप्रेषण, फीडिंग, साक्षरता, श्रवण और संतुलन संबंधी अव्यवस्थाओं से संबंधित सेवाएं प्रदान करता है। विभाग में ट्रांसडिसिप्लिनरी ग्रूप संप्रेषण थिरेपी के लिए है. जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह का पहले वाला है और देश के लिए अग्रणी नमूना है।

उद्देश्य :

- प्रबंधन, प्रशिक्षण, पुनर्वास और शिक्षा के लिए मानव संसाधनों का विकास करना
- दीर्घावधि पाठ्यक्रम बीएएसएलपी (चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम)
- अन्य संस्थानों के इंटर्नों के लिए प्रशिक्षण
- सम्मेलन, संगोष्ठि, कार्याशालाओं का संचालन (सीआरई/ गैर सीआरई)
- बहुदिव्यांगता में अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा संचालन करना
- ट्रांसडिसिप्लीनरी दृष्टिकोण विकसित करना
- सेवा तथा आउटरीच कार्यक्रम करना विभाग नैदानिक सेटिंग से परे विभिन्न गतिविधियों द्वारा ट्रांस-डिसिप्लिनरी मॉडल को लागू कर रहा है। इस समूह के लिए लक्ष्य हैं, पूर्ववर्ती कौशल, समाजीकरण कौशल और मोटार कौशल को बढ़ाना हैं। उक्त लक्ष्यों पर काम करने की ओर समूह लक्षित है, और इसके लिए गतिविधियाँ जैसे, सैंड प्ले, बॉल, वाटर प्ले, बॉलिंग, रिंग टॉस, रिंग स्टैंड, एक्शन के साथ तुकबंदी शामिल करता है। निर्धारित लक्ष्य को बढ़ाने के लिए खेलने की गतिविधियों का ढ़ोंग करता डै।

क्रियाकलाप

विभाग की दो प्रमुख इकाइयाँ हैं: स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी और ऑडियोलॉजी और इसकी सेवाएँ हैं, मूल्यांकन, संप्रेषण कठिनाइयों का प्रबंधन, जो क्लिनिक में ट्रांस-डिसिप्लिनरी दृष्टिकोण, साक्षरता के मुद्दों के लिए स्कूल समाधान दिया जाता है।

ऑडियॉलजी विभाग सभी आयु वर्ग के क्लाइंटों के श्रवण तथा संतुलन संबंधी विषयों का मूल्यांकन अत्याधुनिक उपकरण जैसे, ओएई, एबीआर व इम्मिटेंस, के प्रयोग के द्वारा करता है, वेस्टीब्युलर / संतुलन प्रबंध जैसी समस्याएँ योगीकरण अभ्यासों व अन्य युक्तियों के द्वारा समाधान किया जाता है। श्रवण क्षति के संदर्भ में श्रवण क्षमताओं का विस्तृत मूल्यांकन किया जाता है। विभाग के मूल्यांकन इकाइयाँ हैं, i) आडियोलोजी, ii) वाक्, तथा iii) भाषा, जो वाक्, श्रवण तथा संप्रेषण क्षेत्रों में उत्कृष्ट मूल्यांकन तथा प्रबंधन सेवाएँ प्रदान करती है।

स्पेशालिटी क्लिनिक /विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

फीडिंग, प्रारंभिक अंतराक्षेपण, प्री लिंग्विस्टिक कम्युनिकेशन, ऑगमेंटेटिव व आल्टरनेटिव कम्युनिकेशन, बच्चों के लिए व प्रौढ़ों के लिए लैंग्वेज थेरेपी
साक्षरता तथा मेटालिंग्विस्टिक स्टिमुलेशन

ऑडियालजी

वाक् व श्रवण

वाक्, भाषा पैथालजी

सीएपीडी प्रबंधन जाँच
डयाग्नोस्टिक टेस्ट बैटरी
हियरिंग एयड ट्रयल एवं फिटिंग
ऑडिटरी वर्बल थेरेपी
टीआरटी

"हर चीज के अपने चमत्कार होते हैं, यहां तक कि अंधेरे और मौन भी, और मैं सीखता हूं, मैं जिस भी राज्य में हो सकता हूं, उसमें संतोष करना चाहिए ।"

- हेलेनकेलर

आडियोलोजी

ऑडियोलॉजी यूनिट में श्रवण और संतुलन के लिए मूल्यांकन सेवाएं उपलब्ध हैं।ट्यूनिंग फोर्क परीक्षण, शुद्ध स्वर ऑडियोमेट्री, स्पीच ऑडीओमेट्री, इमिमिटेंस ऑडिओमेट्री (एकल आवृत्ति और कई आवृत्तियों), ओटोअकॉस्टिक एमिशन परीक्षण, टिनिटस के लिए विस्तृत मूल्यांकन, केंद्रीय श्रवण प्रसंस्करण विकार और विभिन्न व्यक्तिपरक वेस्टीबुलर आकलन सहित परीक्षण किया जाता है। प्रबंधन के लिए, श्रवण मौखिक चिकित्सा, टिनिटस रिट्रेनिंग थेरेपी, साउंड थेरेपी और विभिन्न आवास उपचारों के साथ विभिन्न योजनाओं के तहत उपयुक्त प्रवर्धन उपकरण मुफ्त में प्रदान किए जाते हैं।

श्रवण यंत्र सेवाएँ:

पुरुष	महिलाएँ	कुल
35	11	46

ईएनटी सेवा

विभाग ने दिव्यांग बच्चों के साथ-साथ माता-पिता और पेशेवरों के लिए भी आउट पेशेंट ईएनटी यूनिट प्रारंभ किया है।.विवरण निम्नलिखित है।

पुरुष	महिला	फालोअप	कुल
85	62	03	147

श्रवण यंत्र की समस्या निवारण प्रबंधन

श्रवण यंत्र समस्या निवारण और रखरखाव सेवाएं वाक् और श्रवण विभाग में प्रदान की जाती हैं। श्रवण सहायता का एक नया सेट प्रदान करने पर, प्रारंभ में, क्लाईंटों को हियरिंग एड्स के रखरखाव और उपयोग पर अभिमुखी किया जाता है।श्रवण यंत्रों का उपयोग कैसे किया जाए, बैटरी बदलने, वाल्यूम नियंत्रण, टेली कॉइल मोड का उपयोग करने, इयर ट्यूब और इयर टिप्स में वैक्स साफ करने और श्रवण साधनों का सामान्य रखरखाव और देखभाल के बारे में सामान्य निर्देशों का प्रदर्शन किया जाता है। श्रवण यंत्र ठीक तरह काम नहीं करने के बारे में 77 से अधिक क्लाईंटों के लिए समस्या निवारण प्रबंधन किया गया था।

वाक् भाषा चिकित्सा

वाक्- भाषा पैथोलॉजी यूनिट में प्रबंधन सेवाओं की पेशकश के अलावा वाक् और भाषा से संबंधित समस्याओं, निगलने वाली समस्याओं, वाक् पटुता और अभिव्यक्ति के साथ प्रभावित सभी बच्चों और भाषा संबंधी समस्याओं के लिए मूल्यांकन सेवाएं हैं।

पिछले तीन वर्षों में नए तथा फालओप लाभान्वित :

वर्ष	नए	फालोअप
2016 - 17	1259	14947
2017 - 18	1037	16117
2018 - 19	1071	17659

"हम कभी भी बहादुर और धैर्यवान बनना सीख नहीं सकते, अगर दुनिया में केवल खुशी होती।"

- हेलेन केलर

विभाग की श्रेष्ठ प्रताएँ :

संप्रेषण चिकित्सा के ट्रांसडिसिप्लिनरी मॉडल का व्यावसायिक चिकित्सा, वाक् चिकित्सा, विशेष शिक्षा और अभिभावकों को मिलाकर क्रियान्वित किया जाता है। यह दृष्टिकोण सकल मोटार, सूक्ष्म मोटार और पूर्व-साक्षरता कौशल की सुविधा के साथ-साथ संचार विकास को बढ़ाता है। इस तरह का पद्धति संप्रेषण विकास के साथ साथ ग्रास मोटार, फाइन मोटार तथा पूर्व साक्षर कौशलों को भी बढ़ाता है। यहाँ, समूह के लिए एक सामान्य योजना बनाया जाता है और खेल-खेल पद्धति में लक्ष्यों सिद्ध किया जाता है। नैदानिक सेटिंग्स से परे चिकित्सा गतिविधियों का विस्तार करने के लिए चिकित्सक के साथ-साथ माता-पिता की भागीदारी का पता लगाया जाता है। समूहों के लिए अपेक्षित लक्ष्य पूर्ववर्ती कौशल, समाजीकरण कौशल और मोटर कौशल को बढ़ाना है। निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ती के लिए प्रारंभ करने हेतु समूह की उपस्थिति लेने के पश्चात् सैंड प्ले, बेल पास करना, पानी का खेल, रिंग टॉस और रिंग स्टैंड बाउल करने जैसे क्रियाकलापों को निर्धारित लक्ष्य को बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है।

नैदानिक सम्मेलन

विभाग ने नियमित रूप से नैदानिक सम्मेलन आयोजित किए थे ताकि क्लाइंटों को गुणवत्ता सेवाओं को सुनिश्चित किया जा सके और वर्तमान प्रौद्योगिकियों को अपडेट किया जा सके।

प्रत्येक इकाई में क्लाईंट,अभिभावक, चिकित्सक और विशिष्ट क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ मामले पर चर्चा की गई। टीम के पेशेवरों ने बच्चे के वर्तमान कौशल और अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में हस्तक्षेप के लक्ष्यों को प्रस्तुत किया।परिवार की प्राथमिकताओं एवं चिंताजनक मामलों पर ध्यान देने वाले यह पहल ने बच्चे के कौशलों को समग्र तरीके से विकसित करने में मदद किया।

मानव संसाधन विकास;दीर्घावधि पाठ्यक्रम:

- प्रदान किये जाने वाले कार्यक्रम: बैचिलर इन ऑडियोलोजी एण्ड स्पीच - लैंग्वेज पैथॉलजी
- दाखिल हुए विद्यार्थियों की संख्या :20 (2018-19)

विभाग में पोस्ट किये गये इंटर्न्स् (2018-19):

अन्य कॉलेज, जैसे, जिपमर, एसआरएम एवं होली क्रास कॉलेज, आदि के बीएएसएलपी के 43 इंटर्नों को वाक्, श्रवण एवं संप्रेषण विभाग में पोस्ट किया गया था।

अन्य कॉलेजों से इंटर्नशिप छात्र

अन्य कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों, जैसे, चेट्टिनाडु मेडिकल कॉलेज, वेल्स् विश्वविद्यालय, बालाजी कॉलेज, होली क्रास कॉलेज, भारतीयार विश्वविद्यालय, संत जान्स् कॉलेज, एसआरएम विश्वविद्यालय, हिन्दुस्तान कॉलेज, लोयोला कॉलेज, अन्नामलई विश्वविद्यालय के छात्रों ने विभाग को अभिमुखीकरण एवं अवलोकनार्थ भेंट की थी।

एक्सपोज़र विजिट:एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई में एएसी कार्यशाला

एएसी एक्सपोजर विजिट टु एसआरएम एवं एएसी के बारे में बताती हुई डॉ उषा दल्वी

पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों में भागीदारी: क्रीडा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फ्रेशर्स् डे, आदि

"मैं एक महान और महान कार्य को पूरा करने के लिए लंबे समय से हूं, लेकिन छोटे कार्यों को पूरा करना मेरा मुख्य कर्तव्य "गलत रवैया जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है।"

- स्कॉट हैमिल्टन

विभाग में समारोह :

ऑटीज्म जागरूकता दिवस, तुतलाना जागरूकता दिवस, श्रवणचिकित्सा जागरूकता दिवस, क्रिसमस, पोंगल समारोह, विनायगर पूजा आदि। .

कार्यशाल/सेमिनार/सम्मेलन

संकाय सदस्यों द्वारा समन्वयन किये गये सीआरई कार्यक्रम

- मीलटाइम मेनेजमें, जनवरी 2019,गोवा, डॉ.एस.कला
- एवरीवन ईज़ टाकिंग -ए प्रोग्राम फार कम्युनिकेशन पार्टनर्स् (एएसी), जनवरी 2019,गोवा, डॉ.एस.कला
- ऑगमेनटेटिव एण्ड ऑलटरनेटिव कम्युनिकेशन फार चिल्ड्रन विद सीपी एण्ड एमडी, दिसम्बर 2018, राजस्थान, डॉ.एस.कला
- सोशल स्टोरी :नीड एण्ड डेवलपमेंट, फरवरी 2019,कोयम्बतूर, डॉ.एस.कला.
- असेसिंग एण्ड डेवलपमेंट ऑफ लैंग्वेज इन प्रीस्कूल चिल्ड्रन, फरवरी 2019, ट्रिची डॉ.एस.पाउलीन
- पेरेंट ओरियेंटेशन प्रोग्राम ऑन पेरेन्ट्स् एस ईक्वल पार्टनर्स् इन दि इंटरवेंशन प्रोसेस, मार्च 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी., डॉ.एस.पाउलीन
- लैंग्वेज डेवलपमेंट - एक्टिविटीज़ एण्ड मेटीरियल्स्, फरवरी, 2019, ट्रिची, सुश्री बालाम्बिगाइ
- लैंग्वेज डेवलपमेंट - एक्टिविटीज़ एण्ड मेटीरियल्स्, फरवरी, 2019, हरियाणा, श्रीमति हरि
- अड्रेसिंग बेरियर्स इन दि एनविरानमेंट एण्ड यूनिवर्सल डिजाइन, मार्च 2019, कोयम्बतूर सुश्री श्रीमति।
- यूज ऑफ टेक्नालजी एण्ड डेवलपिंग टीएलएम फार चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स्, मार्च, 2019, चेन्नई, सुश्री श्रीमति।

कार्यशाला/ सेमिनार / सम्मेलन में पेपर / पोस्टर प्रस्तुतीकरण :

- डॉ. एस.कला, फोनोलॉजिकल एरर्स इन चिल्ड्रन विद एएसडी - क्वालिटेटिव स्टडी, द्वितीय वार्षिक ए.ई.सी. कांफरेंस ऑटीज्म बियॉन्ड कोर थेरेपीस्, चेन्नई
- डॉ. एस.कला, यूज़ ऑफ लो एएसी सिस्टम्स् इन चिल्ड्रन विद एमडी - ए क्वालिटेटिव स्टडी, सेमिनार ऑन टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन्स् विद एमडी, एन.आई.ई.पी.एम.डी.
- डॉ. एस.कलाअसिस्टिव टेक्नालजी फार हियरिंग, स्पीच एण्ड कम्युनिकेशन, नेशनल सेमिनार ऑन असिस्टिव टेक्नालजी इन दि मेनेजमेंट ऑफ पर्सन्स् विद एमडी, एन.आई.ई.पी.एम.डी.
- डॉ. एस.कला, सोशल इमोशनल एण्ड अकाडमिक इम्पैक्ट ऑफ रेसीड्युअल स्पीच एरर्स् इन स्कूल एज चिल्ड्रन - ए सर्वे स्टडी
- नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग दि सोशल इमोशनल एसपेक्ट्स् ऑफ इंडिविजुवल विद डिसेबिलिटी, सवीता युनिवर्सिटी, चेन्नई.
- डॉ.एस.कला, लो टेक एएसी इन चिल्ड्रन विद एमडी - ए केस स्टडीस, नेशनल कांफरेंस ऑन डिसेबिलिटी एण्ड सोशल इन्कूलज़न - दि रोल ऑफ टेक्नालजी, आईआईटी, गुवाहटी, असम

"कभी हार मत मानो।"

- निक वुजिक

- डॉ.एस.पाउलीन,इफेक्टिवनेस ऑफ ओरो-मोटार एक्सरसाइजेस्, आईसीसीआरडीडी, 2019, संत जॉन्स् कालेज, केरल
- डॉ.पाउलीन, श्रीमति एवं बालाम्बिगाई, ट्रैवेल डिफिकल्टीस् इन चिल्ड्रन विद ड
- िसेबिलिटीज़, आईसीसीआरडीडी, 2019, संत जॉन्स् कालेज, केरल
- डॉ.पाउलीन, बालाम्बगाई, रिलेशन अमांग वीएसए, जीएणएफसीएस एवं एमएएफसीएस, आईसीसीआरडीडी, 2019, संत जॉन्स् कालेज, केरल
- बालाम्बिगाई, एवं नित्यप्रिया, एफेक्टिवनेस ऑफ ओरोमोटार एक्सरसाइजेस्, आईसीसीआरडीडी, 2019, संत जॉन्स् कालेज, केरल

विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर प्रस्तुतीकरण:

- स्टेफी एवं रिफा (II वर्ष), नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग दि सोशल इमोशनल एसपेक्ट्स् ऑफ इंडिविज़ुवल विद डिसेबिलिटी"अग्रेशन" ३० नवम्बर, 2018, सवीता यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- देबीप्रसाद एवं श्रीनिता, (II वर्ष), नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग दि सोशल इमोशनल एसपेक्ट्स् ऑफ इंडिविज़ुवल विद डिसेबिलिटी"सोशल फ्रस्ट्रेशन" ३० नवम्बर, 2018,
- सेम्युल एण्ड साजु (II वर्ष) नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग दि सोशल इमोशनल एसपेक्ट्स् ऑफ इंडिविज़ुवल विद डिसेबिलिटी"सेल्फ कांफीडेंस्" ३० नवम्बर, 2018,.
- जिशा एण्ड मरिया के जान (II वर्ष)नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग दि सोशल इमोशनल एसपेक्ट्स् ऑफ इंडिविज़ुवल विद डिसेबिलिटी"डिप्रेशन" ३० नवम्बर, 2018,
- अर्शिया नूरा एवं फातिमा महारिन (II वर्ष) नेशनल कांफरेंस ऑन अंडरस्टैंडिंग दि सोशल इमोशनल एसपेक्ट्स् ऑफ इंडिविज़ुवल विद डिसेबिलिटी"सोशल फ्रस्ट्रेशन" ३० नवम्बर, 2018,

कार्यशाला / सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति

- हियरिंग प्रोब्लम्स् इन चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स्, पेरेन्ट ओरियेंटेशन प्रोग्राम ऑन पेरेन्ट्स् एस ईक्वल पार्टनर्स इन इंटरवेंशन प्रोसेस, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई
- डॉ.एस.कला, टीम अप्रोच इन एएसी: टाइप्स्, टीम मेंमबर्स एण्ड देयर रोल्स्, "एवरीवन ईज़ टाकिंग -ए प्रोग्राम फार कम्युनिकेशन पार्टनर्स् (एएसी),"गोवा, डॉ.एस.कला
- एएसी इंटरवेंशन, प्रिन्सीपल्स् एण्ड प्रोसीजर्स्, "एवरीवन ईज़ टाकिंग -ए प्रोग्राम फार कम्युनिकेशन पार्टनर्स् (एएसी),"गोवा, डॉ.एस.कला
- क्लिनिकल असेसमेंट ऑफ स्वालोइंग एण्ड ईटिंग डिसार्डर्स्, मीलटैम मेनेजमेंट, गोवा, डॉ.एस.कला
- मेनेजमेंट ऑफ स्वालोइंग एण्ड ईटिंग डिसॉर्डर, मीलटैम मेनेजमेंट, गोवा, ड्रॉ.एस.कला
- अड्रेसिंग बैरियर्स् इन दि एनविरानमेंट एण्ड यूनिवर्सल डिजाइन, "ओवरकमिंग कम्युनिकेशन बैरियर्स् फार पर्सन्स् विद डिसेबिलिटीज", आरकेएमवीईआरआई, कोयम्बतूर,, डॉ.पाउलिन
- लैंग्वेज डेवलपमेंट : ऐक्टिविटीज़ एण्ड मेटीरियल्स्, एक्टिविटीज़ एण्ड स्ट्रैटजीस टु इम्प्रूव कम्युनिकेशन स्किल्स्, असेसमेंट ऑफ सेमैन्टिक्स् एण्ड प्रैग्मैटिक्स् स्किल्स्, एण्ड मेटीरियल डेवलपमेंट ऑफ लो टेक एएसी डिवाइजेस्, "लैंग्वेज डेवलपमेंट एक्टिविटीज़ एण्ड मेटीरियल्स् फार चिल्ड्रन विद सीप-एएसी"होली क्रास, ट्रिची, डॉ.पाउलिन
- असेसिंग एण्ड डेवलपमेंट ऑफ लैंग्वेज इन प्रीस्कूल चिल्ड्रन, "यूज़ ऑफ टेक्नालजी फार कम्युनिकेशन इन पर्सन्स् विद डिसेबिलिटि", एनकेटी, नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन फार विमेन, चेन्नई, बालाम्बिगाइ
- लैंग्वेज डेवलपमेंट : ऐक्टिविटीज़ एण्ड मेटीरियल्स्,"डेवलपमेंट ड्यूरिंग प्रीलिन्ग्विस्टिक पीरियड","असेसमेंट ऑफ लैंग्वेज डिसॉर्डर","मेटीरियल डेवलपमेंट ऑफ लो टेक एएसी डिवाइजेस्& "लैंग्वेज डेवलपमेंट ऐक्टिविटीज़ एण्ड मेटीरियल्स् फार जिल्ड्रन विद सीपी-एएसी",होली क्रास, ट्रिची, बालाम्बिगाइ
- अड्रेसिंग बैरियर्स् इन दि एनविरॉनमेंट एण्ड यूनिवर्सल डिजाइन, "एनहैन्सिंग एक्सिसिबिलिटी एण्ड यूनिवर्सल डिजाइन", आरकेएमवीईआरई, कोयम्बतूर, सुश्री के.एम.श्रीमति
- अड्रेसिंग बैरियर्स् इन दि एनविरॉनमेंट एण्ड यूनिवर्सल डिजाइन, "टेक्नॉलजी एण्ड यूनिवर्सल डिजाइन फार पर्सन्स् विद मल्टीपल डिसेबिलिटीज़", एनकेटी, नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन फार विमेन, चेन्नई, सुश्री के.एम.श्रीमति।

कार्यशाला / सम्मेलन में सहभागिता

- सवीता विश्वविद्यालय, चेन्नई में दिव्यांग व्यक्तियों के सामाजिक भावुक पहलुओं को समझने पर राष्ट्रीय सम्मेलन, डॉ.एस.कला
- आईसीसीआरडीडी 2019,संत जॉन ऑफ गॉड कॉलेज, केरल, डॉ. पावलिन
- लर्निंग डिसेबिलिटी- ए वे टुवाईस् एम्पावरमेंट, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई, श्री कुमरन
- सेमिनार ऑन टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन्स् विद एमडी, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई, श्री कुमरन
- आईसीसीआरडीडी 2019,संत जॉन ऑफ गॉड कॉलेज, केरल, सुश्री बालाम्बिगाई.
- एनआईसीई कांफरेंस - पर्स्पेक्टिव्स् इन पीडीयाट्रिक न्यूरो - रीहैब, चेन्नई सुश्री बालाम्बिगाई
- रीसर्च मेथड्स् इन स्पेशल एण्ड इन्क्लूजिव एजुकेशन एण्ड डिसेबिलिटी रीहैबलिटेशन एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नईसुश्री बालाम्बिगाई
- सेमिनार ऑन टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन्स् विद एमडी, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नईसुश्री बालाम्बिगाई
- लर्निंग डिसेबिलिटी- ए वे टुवाईस् एम्पावरमेंट, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई, श्री हसन
- सेमिनार ऑन टेक्नालजी इन एम्पावरिंग दि पर्सन्स् विद एमडी, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नई,श्री हसन
- लर्निंग डिसेबिलिटी- ए वे टुवाईस् एम्पावरमेंट, एन.आई.ई.पी.एम.डी., चेन्नईसुश्री नित्यप्रिया

"हमें अपने चरित्र का निर्माण करने के लिए स्थितियों में रखा जाता है ... हमें नष्ट नहीं करना चाहिए।"

- निक वुजिक

समूह वाक् चिकित्सा

स्कूल में वाक् भाषा चिकित्सा

व्यक्तिगत वाक् भाषा थिरेपी / बीएएसएलपी छात्रों के लिए थियोरी क्लास

"जीवन में आपके पास एक विकल्प है: कड़वा या बेहतर? बेहतर चुनें, कड़वा भूल जाओ।"

- निक वुजिक

प्रशंसा पत्र:

Name: Jason.
Reg No: 174/18
Age/Gender: 6yn 6mon/Male

* He can able to recollect phrases from his memory. He can able to answer the questions that were asked during speech group sessions.
* He can able to Recite stories, songs & rhymes
* He can imitate actions & understand the actions meaningfully
* His communication skill has improved lot (He can communicates meaningfully if he needs anything & if he wants help)

Name: Nikhil Balaji — Reg no: 608/19
Age: 3.3 years — DOB: 13.1.2016

* Before he speaks only one word like amma, appa, now he speaks in two words or three words
* Before he won't speaks clearly, now clarity of speech little bit improved
* Now he try to sing a rhymes or song
* He also tries to speak more words
* Now, whatever words he is telling, he speaks in a short sentence
* Little bit sitting tolerance has improved
* I want to see lot more improvements in my son like eye contact, sitting tolerance, speech clarity, He should speaks to others

Sir

நான் ஜோனல் அம்மா (394/17). நாங்கள் NIEPMD-க்கு வந்து 2 வருடங்கள் ஆகிறது. வரும் போது அம்மா, அப்பா என்று தான் பேசுவான். இப்போது 4 வார்த்தையாக மற்றும் இரண்டு சேர்த்து பேசுகிறான். யோசித்தும் பேசுகிறான். கேட்கும் கேள்விக்கும் பதில் சொல்லுகிறான். இப்போது School-க்கு போகிறான். School-ல பேசுவதை இன்னும் சொல்லவில்லை.

நீங்கள் மேலும் மேலும் Speech therapy தரும்படி பணிவுடன் கேட்டுக்கொள்கிறோம்.
நன்றி

இப்படிக்கு
ஜோனல் அம்மா.

अध्याय - 9

विशेष शिक्षा

"जैसा कि स्वार्थ और शिकायत मन को विकृत करते हैं, इसलिए इसके आनंद के साथ प्यार करता है और दृष्टि को तेज करता है।"

- हेलेन केलर

प्रस्तावना:

विशेष शिक्षा विभाग, नैदानिक सेवाओं की विशेष शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है। मानव संसाधन विकास के विभिन्न स्तरों पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम से लेकर मास्टर स्तर तक कई दिव्यांगों के समग्र विकास में योगदान करने के लिए प्रशिक्षण देता है। विशेष शिक्षा दिव्यांग व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया निर्देश है। यह दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विभिन्न शैक्षिक सुविधाओं के लिए प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देश विकसित करता है और कई दिव्यांग व्यक्तियों की सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए समावेश से सेवा वितरण मॉडल विकसित करने की कोशिश करता है।

उद्देश्य:

- -विशेष शैक्षिक आकलन सहित उचित सेवा वितरण मॉडल और कई दिव्यांग व्यक्तियों, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बहरे अंधे, बौद्धिक दिव्यांगता, विशिष्ट शिक्षण दिव्यांगता आदि के लिए कार्यक्रमों द्वारा सहायता करना।
- विशेष शिक्षा के क्षेत्र में प्रिसर्विस प्रशिक्षुओं के बीच व्यावसायिक कौशल प्रदान करना।
- दिव्यांग व्यक्तियों के कार्यात्मक स्तर को सुविधाजनक बनाने के लिए शिक्षण सामग्री और अनुकूली उपकरणों को सिखाने की तैयारी।
- समावेशी शिक्षा में सेवा शिक्षकों और अन्य पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करके समावेशी शिक्षा की सुविधा।
- समावेशी मॉडल कक्षा का प्रदर्शन करके कम से कम प्रतिबंधात्मक वातावरण बनाना।
- गंभीर और गहण दिव्यांग गाहक को उनके परिवार और समुदाय के साथ अधिक से अधिक रहने के लिए सुविधा प्रदान करके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ावा देना।
- एक ट्रांस-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के बाद सफल पुनर्वास को बढ़ावा देना।
- एक मॉडल विशेष शिक्षा केंद्र बनाना।

गतिविधियाँ

नीचे दिये गये चार्ट में विशेष शिक्षा विभाग की गतिविधियों का वर्णन किया गया है-

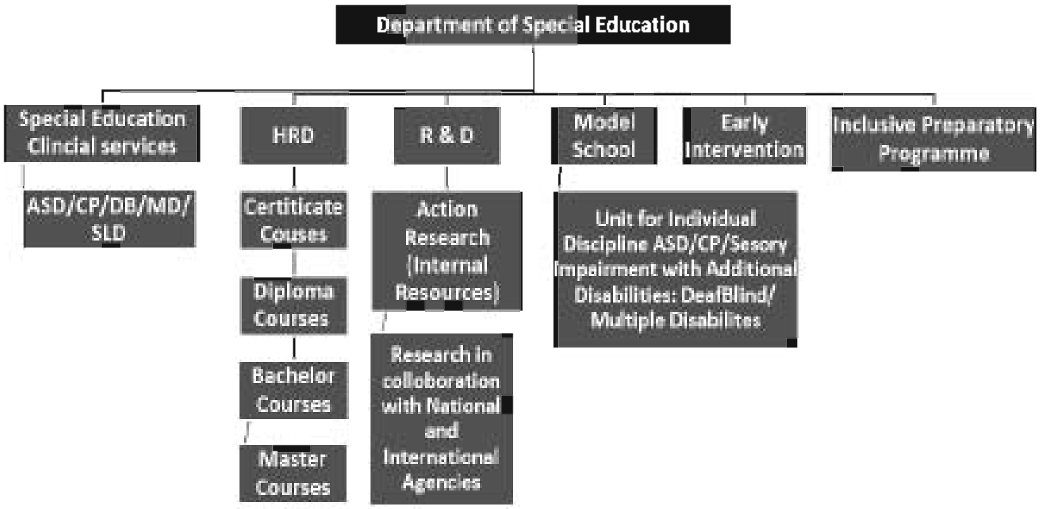

विभाग में दी जाने वाली सेवाएं

विशेष शिक्षा विभाग दिव्यांग बच्चों को विशेष शिक्षा सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग विशेष शिक्षा सेवाओं को आवश्यकता और दिव्यांगता के प्रकार के आधार पर पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है।

विशेष शिक्षा - बहु दिव्यांगताओं की इकाई

मल्टीपल डिसेबिलिटी यूनिट एक से अधिक दिव्यांगता वाले बच्चों के लिए विशेष शिक्षा सेवाएं प्रदान करती है। शुरू में विकासात्मक क्षेत्रों पर व्यापक और विस्तृत आकलन, संवेदी मुद्दे (आत्मकेंद्रित के मामले में) सामाजिक, संचार कौशल और बच्चों के वर्तमान शैक्षणिक प्रदर्शन किए गए हैं। इससे बच्चे के कार्यात्मक स्तर जैसे कि प्रीप्रिमरी, प्राइमरी सेकेंडरी और प्रचलित स्तर को निर्धारित करने में मदद मिलती है। एकाधिक विकलांग बच्चों के लिए पहचान और कार्यक्रम की योजना के लिए एक स्नातक दृष्टिकोण आवश्यक है। लक्ष्यों और उद्देश्यों को निर्धारित करके कार्यात्मक शिक्षा और व्यक्तिगत शिक्षा योजना की सावधानीपूर्वक योजना का उपयोग करके अनुवर्ती सेवाओं का संचालन किया जाता है। उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, उचित शिक्षण सीखने की रणनीति बच्चों में विकसित करके सिखाई जाती है। सेवाओं की प्रकृति व जरूरतों पर आधारित है और व्यक्तिगत है। कला, शिल्प, संगीत, नृत्य, रंगमंच, चित्रकला और खेल जैसी गतिविधियाँ अनुवर्ती कार्यक्रम के भाग के रूप में संचालित की जाती हैं। विशेष शिक्षा कार्यक्रम में साक्ष्य आधारित हस्तक्षेप की एक सीमा को व्यवहार में लाया गया है। विशेष शिक्षा सेवाओं में सामाजिक मॉडल के द्वारा, माता-पिता और भाई-बहन, घर पर गतिविधियों को करने के लिए विशेष शिक्षा सेवाओं में प्रशिक्षित होते हैं।

"गलत दृष्टिकोण जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है"।

- स्कॉट हैमिल्टन

कार्य का विश्लेषणद्वारा पेस्टिंग धारणाओं में

स्व सहायक कौशलों में प्रशिक्षण

पुनर्वसन तकनीकों द्वारा शिक्षण

विशेष शिक्षा - बधिरांधों की इकाई-श्रवण दोष, दृश्य हानि या संवेदी हानि के साथ किसी भी अन्य संबद्ध स्थितियों के बच्चों और बड़ों के लिए बहरापन केंद्र द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती हैं। एक व्यापक आकलन में कार्यात्मक दृष्टि और सुनवाई का आकलन, लर्निंग मीडिया मूल्यांकन, ओरिएंटेशन और मोबिलिटी, सहायक प्रौद्योगिकी मूल्यांकन

अभिविन्यास और गतिशीलता, सहायक प्रौद्योगिकी मूल्यांकन शामिल है। आई.ई.पी. की योजना बनाई गई है और अनुवर्ती सेवाओं में शैक्षणिक कौशल, संचार, गतिशीलता और अभिविन्यास में एक से एक अनुदेश के माध्यम से बच्चों के प्रदर्शन के सुधार के लिए शैक्षणिक और प्लस क्यरिकुलर कौशल शामिल हैं

"अपना चेहरा धूप में रखें और आप छाया नहीं देखेंगे ।"

- हेलेन केलर

विशेष शिक्षा - (आटिज्म स्पेक्ट्रम डिसआर्डर) एएसडी यूनिट

एएसडी के लिए केंद्र ने एएसडी वाले बच्चों के लिए अलग नैदानिक सेवाएं शुरू की है। यह इकाई एक निर्देश के माध्यम से एएसडी के बच्चों की सेवा करती है। बच्चों और उनके व्यक्तिगत लक्ष्यों को समझने के लिए एएसडी, पीईपी, टीटीएपी, एबीएलएलएस और पीईसीएस आदि का विशिष्ट रूप से आकलन किया जाता है। लक्ष्य माता-पिता के परामर्श से चुने जाते हैं। प्रत्येक बच्चे का व्यक्तिगत रूप से अत्यंत कौशल विकास के लिए ध्यान दिया जाता है। संचार के लिए स्ट्रक्चर्ड शिक्षण कौशल के साथ-साथ विजुअल शेड्युल, पीईसीएस आदि जैसी रणनीतियाँ हस्तक्षेप योजना का हिस्सा है। एएसडी के बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इकाई में अनुकूलित टीएलएम उपलब्ध है।

विजुवल अनुसूची द्वरा एएसडी बच्चों का शिक्षण

सामान्य आकलन के बाद बच्चों को एएसडी क्लिनिक में भेजा जाता है। प्रत्येक बच्चे का आकलन विशेष रूप से एएसडी इकाई में कार्यात्मक कौशल के लिए किया जाता है और बच्चे के लिए लक्ष्य विकसित किए जाते हैं। बच्चे और माता-पिता की जरूरतों को देखते हुए फाॅलो अप शेड्यूल तय किया जाता है। प्रत्येक सत्र 45 मिनट तक रहता है। शैक्षिक कौशल के अलावा, समग्र विकास के लिए बच्चों के लिए कला, शिल्प, माइम, नृत्यु, नाटक जैसी सह-पाठयक्रम गतिविधियों की योजना बनाई जाती है। समावेशी स्कूल में पढने वाले बच्चे उपचारात्मक प्रशिक्षण के लिए इकाई का दौरा करते है, करियर संक्रमण के लिए आवश्यक कार्यात्मक कौशल प्रदान किए जाते है।

विशेष शिक्षा - विशिष्ट शिक्षण विकलांग इकाई

स्पेसिफिक लर्निंग डिसएबिलिटीज़ (एसएलडी) और एटेंशन डिफिक्ट हाइपर एक्टिव डिसार्डर (एडीएचडी) वाले बच्चों के लिए विशिष्ट शिक्षण की अक्षमता के लिए केंद्र शुरू किया गया है। निदान के बाद, मूल्यांकन उपकरण का उपयोग करके एक विस्तृत व्यापक मूल्यांकन किया जाता है। प्रदर्शन और वर्तमान स्तर के आधार पर, आई.ई.पी. लक्ष्य बनाकर माता-पिता के साथ चर्चा के माध्यम से पूरा किया जाता है। एसएलडी इकाई में विशेष शिक्षा सेवाओं में भाग लेने वाले बच्चे समावेशी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। अनुवर्ती सेवाओं को एक सप्ताह में दो बार दिया जाता है। प्रत्यक्ष और विभेदित निर्देश का उपयोग करके, कठिनाइयों को दूर करने के लिए रणनीतियों का उपयोग किया जाता है। जैसे-पढ़ने की प्रवाह और समझ में सुधार के लिए गतिविधियों की श्रृंखला, ठोस जोड़तोड़, कार्य विश्लेषण, स्व-पूछताछ, बहु-संवेदी गतिविधियों और छोटे समूह शिक्षण, आदि।

मल्टी सेंसरी अप्रोच के प्रयोग द्वारा कहानी सिखाना

ठोस जोड़तोड़ का उपयोग

विशेष शिक्षा - सेरेब्रल पाल्सी (सीपी) इकाई

शिक्षा की नैदानिक सेवाएं सीपी के व्यक्तियों की विभिन्न श्रेणियों में कार्य करती हैं जैसे कि स्पस्टी सेरेब्रल पाल्सी, एटेटोइड सीपी और अटैक्सिक सीपीहाटिंग अलग-अलग डिग्री की गंभीरता से अलग-अलग जरूरतों के आधार पर हस्तक्षेप, उपयुक्त अनुकूलन और संचार, पढ़ने, लिखने और धारण करने वाली वस्तुओं आदि के लिए सहायक तकनीक आदि।

प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद, ग्राहकों को एफएसीपी, कैरोलिना, एमडीपीएस और जीएलएडी जैसे उपयुक्त मानकीकृत उपकरणों का उपयोग करके विस्तार से मूल्यांकन किया जाता है। व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम कार्यक्रम की योजना के भाग के रूप में दीर्घकालिक और अल्पकालिक लक्ष्यों और विशिष्ट उद्देश्यों का चयन करके दिया जाता है और तदनुसार हस्तक्षेप किया जाता है। कार्यक्रम का पालन किया जाता है और माता-पिता को हस्तक्षेप अवधि के दौरान सुझाए गए गृह कार्यक्रमों का पालन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। नृत्य, रंगमंच, कला, संगीत, आंदोलन चिकित्सा, खेल सहित आवश्यक अनुकूलन और अंतर्विरोधों के साथ विभिन्न प्रकार की शिक्षण रणनीतियों का पालन करते हुए हस्तक्षेप को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से किया जाता है।

सामूहिक गतिविधियाँ सप्ताह में दो बार आयोजित की जाती हैं। हस्तक्षेप कार्यक्रम के दौरान बैठने, स्थिति, आसन, ले जाने, ध्यान, आंखों की ओर इशारा और आंखों की ट्रैकिंग पर ध्यान दिया जाता है। सेरेब्रल पाल्सी वाले व्यक्तियों को कोने की कुर्सियाँ, सिर को आराम देने वाली कुर्सियाँ, और वस्तुओं, चित्रों, शब्दों इत्यादि को इंगित करने के लिए हेड पॉइंटर्स दी जाती हैं। पेंसिल ग्रिपर के लिए अनुकूलि पेंसिल आदि की सही तरीके से पकड़ने और लिखने के लिए किया जाता है।

हस्तक्षेप के क्षेत्र की प्राथमिकता संज्ञानात्मक विकास, भाषा का विकास, सामाजिक विकास, दैनिक जीवन की बुनियादी गतिविधियों और माता-पिता को समान पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है। घर पर पालन करने के लिए माता-पिता को संशोधित टंबलर, चश्मा, चम्मच, प्लेटें, शौचालय अनुकूलन का प्रदर्शन किया जाता है।

संबंधित इकाइयों में विभागीय गतिविधियों के विकास की भविष्य की योजना निम्नानुसार हैं:

1. आई.एफ.एस.पी. को मजबूत करना (व्यक्तिगत परिवार सेवा योजना)
2. माता-पिता का प्रशिक्षण और प्रेरक कार्यक्रम
3. एक्शन रिसर्च/शोध कार्यवाई
4. प्रौद्योगिकी आधारित हस्तक्षेप (मल्टी मीडिया का उपयोग करके)
5. शिक्षण रणनीति के रूप में शारीरिक खेलों का संचालन

"दुनिया में सबसे गरीब व्यक्ति वह है जिसके पास दृष्टि तो हैलेकिन, दृष्टिकोण नहीं "

- हेलेन केलर.

"किसी भी निराशावादी ने कभी तारों के रहस्य की खोज नहीं की, या एक अज्ञात भूमि पर रवाना हुए, या मानव आत्मा के लिए एक नया द्वार खोल दिया।"

- हेलेन केलर

पिछले तीन वर्षों के लाभार्थी:

वर्ष	नए	फालोअप
2016 - 17	1022	8706
2017 - 18	876	11748
2018 - 19	944	9561

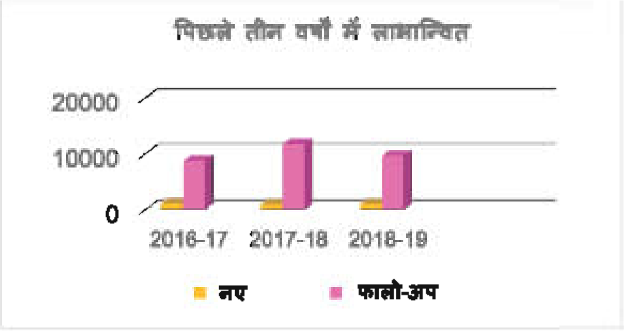

2018-19 में भाग लेने वाले विभिन्न विकलांग बच्चों की संख्या

क्र.	वर्ग	एमडी		युडी		कुल
		पु	म	पु	म	
1	प्रमस्तिष्क अंगघात	49	34	0	1	84
2	आटीज्म स्पेक्ट्रम अव्यवस्था	106	21	9	3	139
3	एडिएचडी एडीडी	12	3	4	2	21
4.	एसएलडी	6	6	17	6	35
5.	बौद्धिक दिव्यांगता	31	18	8	9	66
	कुल	204	85	38	21	344

2018-19 के कार्यक्रम में विभिन्न विकलांग बच्चों द्वारा सत्रों में भाग लिया गयाः

इकाई	कुल
ऑटीज्म	4584
बधिरांध	2695
प्रारंभिक बाल्यावस्था	2015
प्रमस्तिष्क पक्षाघात	2494
गंभीर व अतिगंभीर बहु दिव्यांगता	1165
ट्रांसिशन सेल	1352
प्ले स्कूल	3078
कुल	17383

सर्वोत्तम प्रथाएं

विशेष शिक्षा विभाग विकलांग बच्चों के लिए देश में सेवा वितरण प्रणाली में अद्‌वितीय है। मल्टीसेन्सरी दृष्टिकोण और आईसीटी आधारित शिक्षण और सीखने का उपयोग के साथ कई विकलांग बच्चों के लिए सेवाओं में सर्वोत्तम कार्य।

"जब कोई चढ़ने के लिए आवेग महसूस करता हो तो वह रेंगने के लिए सहमति नहीं हो सकता।"

- हेलेन केलर

अद्‌वितीय पहल और प्रस्तुत विकास

विशेष शिक्षा विभाग ने कार्यान्वयन द्‌वारा पहल करके कार्य किया है।

- नैदानिक सेवाओं में मामले के सम्मेलनों के साथ ट्रांस अनुशासनात्मक दृष्टिकोण
- सामुदायिक प्रचार गतिविधियाँ।
- राष्ट्रीय स्तर पर इंटर कॉलेज की खेल गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी
- छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठी कार्यक्रमों में कागजात प्रस्तुत किए
- प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए बनाया गया प्लेसमेंट सेल।
- एलुमिनी एसोसिएशन ने वर्ष 2017-2018 के लिए एलुमिनी का गठन किया
- स्थापित संसाधन कक्ष और आईसीटी लैब।

अनुसंधान एवं विकास

स्वतंत्र अनुसंधान

परियोजना शीर्ष	अवधि	सम्मिलित स्टाफ
आटीज्म स्पेक्ट्रम विकार पर प्रशिक्षण मैनुअल	2018-2019	आई जी अनुसूया
बहुदिव्यांगता जेनेरिक व स्पेसिफिक पर प्रशिक्षण मैनुअल	2018-2019	श्री पी कामराज सुश्री जी अनंती
बधिरांधता पर प्रशिक्षण मैनुअल	2018-2019	श्री स्टैलिन अरुल रेगन
प्रमस्तिष्क आघात पर प्रशिक्षण मैनुअल	2018-2019	श्री के.के. धन्डवेदन
विशिष्ट अधिगम दिव्यांगताओं पर प्रशिक्षण मैनुअल	2018-2019	डॉ.हिमांग्शु दास सुश्री रेवतीं
जोनल स्तर प्रशिक्षण क्वालिटेटिव एवं मिक्स्ड अनुसंधान पद्धितयों पर, नार्थ ऐम्पटन विश्वविद्यालय, युएसए के सहयोग से	2017-2020	डॉ.हिमांग्शु दास श्री स्टैलिन अरुल रेगन
रीसिलियेन्स् प्रशिक्षण पर नई दिशा का अनुकूलन	2019-2020	डॉ.बी.बालभास्कर श्रीमति बी लीलावती आई जी अनुसूया
बहुदिव्यांग बच्चों के लिए मूल्यांकन उपकरण का विकास	2017-2020	श्री पी कामराज

इंटर्न द्‌वारा परियोजना

- केस स्टडीज और टीएलएम की तैयारी, 04 जनवरी से 12 फरवरी 2019, होली क्रॉस कॉलेज, त्रिची।

सहयोगात्मक अनुसंधान

- व्यक्तियों के पुनर्वास में दवाओं का प्रभाव (2018-2020), सीसीआरएच, होमो रिसर्च, श्रीमती शारदा प्रियदर्शिनी

मानव संसाधन विकास

कार्यक्रम की पेशकश

विशेष शिक्षा विभाग डिप्लोमा, बी.एड और एमएड स्तर पर एचआरडी पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

एक बार जब आप ठान लें तो कुछ भी संभव है।"

- क्रिस्टोफर रीव

प्रमाण पत्र स्तर

- समावेशी शिक्षा में अग्रिम प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

शिक्षा में डिप्लोमा - विशेष शिक्षा

- ऑटीज्म स्पेक्ट्रम विकार
- प्रमस्तिषक आघात
- बधिरांधता
- बहु दिव्यांगता

शिक्षा के बैचलेर - विशेष शिक्षा

- ऑटीज्म स्पेक्ट्रम विकार
- बहरापन
- बहु दिव्यांगता

शिक्षा के मास्टर - विशेष शिक्षा

- ऑटीज्म स्पेक्ट्रम विकार
- बहु दिव्यांगता

विभाग दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या, में विवरण निम्नानुसार हैं-

पाठ्यक्रम का नाम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	कुल	कुल डिप्लोमा व बीएड व एमएड
डिप्लोमा - एएसडी	09	14	23	58
डिप्लोमा - सीपी	00	05	05	
डिप्लोमा - डीबी	00	06	06	
डिप्लोमा - एमडी	05	19	24	
बीएड - एएसडी	08	15	23	63
बीएड- एमडी	19	12	31	
बीएड- डीबी	07	02	09	
एमएड - एएसडी	04	02	06	11
एमएड- एमडी	03	02	05	
कुल	55	77	132	132

विभाग में नियुक्त प्रशिक्षु (2018-19) :

- डी.एड. विशेष शिक्षा-(सी.पी.) 23 अप्रैल 18 से 31 अक्टूबर 18-1 नं.
- एम.एस.सी. पुनर्वास विज्ञान, 4 जनवरी 2019 से 12 फरवरी 19-3 न
- बी.एड. विशेष शिक्षा (एच.आई), 11 फरवरी 19 से 22 फरवरी 19-8न.

अगर आपके पास हमेशा गुस्सा या शिकायत रहती है तो लोगों के पास आपके लिए समय नहीं है। "

- स्टीफन हॉकिंग

अभिसरण और सहयोग

विशेष शिक्षा विभाग ने विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग और अभिसरण किया है:

विशेष स्कूल	शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान एवं विश्वविद्यालय	सरकारी निकाय
संत लूयी स्कूल फार दि ब्लाईंड, चेन्नई एसपीएएसटीएन, चेन्नई सत्या स्पेशल स्कूल, पांडीचेरी	टीएनटीईयु, तमिलनाडु एनकेटी कालेज ऑफ एजुकेशन, चेन्नई तमिलनाडु ओपेन युनिवर्सिटी, चेन्नई अलगप्पा युनिवर्सिटी, करैकुडी एसआरएम युनिवर्सिटी, चेन्नई एसएनडीटी विमेन्स् युनिवर्सिटी, मुम्बई संत जान्स् बत्तिष कालेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन, कोट्टयाम, केरल	एनआई, एनजीओ, एसएसए एवं अन्य सरकारी संगठन

अनावरण का दौरा

खेलकूद के लिए स्वयंसेवा

बी.एड. विशेष शिक्षा प्रशिक्षुओं ने अप्रैल 2018 में बैंगलोर में बच्चों के खेल के लिए एक स्वयंसेवक के रूप में भाग लिया।

संस्थागत यात्रा

बी.एड. प्रथम वर्ष (ए.एस.डी/एम.डी.) के छात्रों ने आत्मकेंद्रित, नीलांगरलाई का दौरा किया। केंद्र ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के लिए जीवन कौशल गतिविधियों पर केंद्रित है। छात्रों ने केंद्र की गतिविधियों जैसे अवसंरचना, संसाधन सामग्री, शिक्षण की विधि और व्यावसायिक प्रशिक्षण का अवलोकन किया।

"मैंअपनीदिव्यांगता साबितकरने के लिएएकमिशनपरसिफएकआदमीनहींहूँ,"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

बी.एड (एमडी और एएसडी) छात्र प्रशिक्षुओं ने 28 और 29 मार्च, 2019को पोरुर श्रीरामचंद्र मेडिकल कॉलेज में स्थित विद्यासुधा विशेष जरूरतों के केंद्र का दौरा किया।

डी.एड. (डीबी) और बी.एड. (डीबी) के प्रशिक्षुओं ने क्लार्क स्कूल फार डेफ, चेन्नई का दौरा किया। छात्र प्रशिक्षुओं ने 28 मार्च 2019 को स्कूल की गतिविधियों और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया।

एच.आर.डी. प्रथम वर्ष (एम.डी/ए.एस.डी/डी.बी) छात्र प्रशिक्षुओं ने 5 फरवरी, 2019 को एसपीएएसटीएन का दौरा किया। अवलोकन में बुनियादी ढाँचा, शिक्षा और चिकित्सीय कार्यक्रम, व्यावसायिक प्रशिक्षण और एनआईडीएस शामिल थे।

प्रदर्शनी

विद्यासागर, चेन्नई द्वारा 9 दिसंबर, 2018 को आयोजित डिप्लोमा और बीएड कार्यक्रमों के छात्रों ने 'वैक्सेस एक्स्पो' का दौरा किया। इस यात्रा का फोकस एचआरडी छात्रों को दिव्यांग लोगों के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकी और शिक्षण अधिगम सामग्री पर उन्मुखीकरण देना था।

सम्मेलनों में छात्र प्रशिक्षुओं की भागीदारी

3 नवंबर, 2018 को एनआईईपीएमडी में सीखने की अक्षमता पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, बैंगलोर में 10-12 दिसंबर 2018 को ग्लोबल ऑटिज्म संवहन 2018

चेन्नई में अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम, 15-16, मार्च 2019 में ‘धीमी सीखने वालों के बीच सीखने को बढ़ाने के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ’ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

सत्यबामा विश्वविद्यालय, चेन्नई में 28-30 जनवरी, 2019 को "सुनवाई हानि और आवश्यकताओं के साथ छात्रों की शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि" पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

23 फरवरी, 2019 को ‘कई दिव्यांग बच्चों के सशक्तीकरण के लिए प्रौद्योगिकीपर संगोष्ठी।

शैक्षिक भ्रमण

बी.एड द्वितीय वर्ष (एमडी/ एएसडी/ डीबी) ने फरवरी 2019 में मुंबई का दौरा किया और प्रशिक्षुओं के पहले हाथ के अनुभवों ने नेशनल इंसिडेंट फॉर ब्लाइंड, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पीच एंड हियरिंग डिसएबिलिटीज (एएजेएनआईएसएचडी) और हेलेन केलर इंस्टीट्यूट फॉर डेफ एंड डेफब्लिंडनेस का दौरा किया। ।

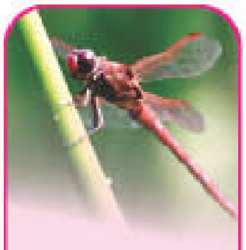

"मैं दुख की खुशी जानने के लिए अपने घुटनों पर क्रॉल करूंगा।"

- साइडवॉक पैगंबर

एआईओएटी के लिए ओरिएंटेशन क्लास - डिप्लोमा

ऑल इंडिया ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (एआईओटी) के लिए आरसीआई डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए ओरिएंटेशन क्लास जुलाई 2018 में आयोजित की गई थी।

एक्सट्राक्यूरिकुलर गतिविधियों में भागीदारी

प्रवेश अभियान

संकाय सदस्यों ने डिप्लोमा, बीएड और एमएड पाठ्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई स्कूलों और कॉलेजों का दौरा किया।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण

एचआरडी छात्र प्रशिक्षुओं के लिए, केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीई) मान्यता प्राप्त सरकारी स्कूलों में शिक्षक के रूप में पात्र बनने के लिए प्रतियोगी परीक्षा है। सीटीईटी/टीईटी परीक्षा के लिए एचआरडी छात्रों को तैयार करने के लिए ओरिएंटेशन सीटीईटी/टीईटी कक्षाएं आयोजित की गईं।

शिक्षक दिवस समारोह

विभाग ने 5 सिप्तम्बर 2018 को शिक्षक दिवस मनाया, चेन्नई, मथुराम नारायणन केंद्र से श्रीमती जया कृष्णस्वामी, ने प्रारंभिक हस्तक्षेप के महत्व पर भाषण दिया और प्रारंभिक हस्तक्षेप में शिक्षक और विशेष शिक्षक की भूमिका पर चर्चा की।

मै ऐसा सोचता हूँ की दिव्यांगजनों पर हमला करना शक्ति का सबसे घटिया प्रदर्शन है । "

- मॉर्गन फ्रीमैन

प्रेरण कार्यक्रम

फ्रेशर्स को शामिल करने के लिए विभाग ने 9 नवंबर, 2018 को डिप्लोमा, स्नातक एवं मास्टर स्तर के प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं के लिए एक प्रेरण कार्यक्रम का आयोजिन किया।

केस की समीक्षा सम्मेलन

कार्यक्रम के बारे में विभिन्न विभाग के संकाय सदस्यों के साथ एक केस सम्मेलन विशेष बच्चे के लिए कार्यक्रम और योजना पर चर्चा करता है। एनआईईपीएमडी के अन्य नैदानिक विभागों के साथ शिक्षा में अक्सर अधिकृत मामलों पर केस की समीक्षा सम्मेलन।

एचआरडी के लिए बाहरी विशेषज्ञों द्वारा चार्टर्ड सत्र

विभाग ने विभिन्न नवीन विषयों पर प्रशिक्षुओं के लिए चार्टर्ड व्याख्यान का आयोजन किया:

- दिव्यांगों, पाठ्यक्रम विकास और दिव्यांग बच्चों के लिए अनुकूलन के साथ एनसीएफ और इसके निहितार्थ, जिसमें कई दिव्यांग बच्चे भी शामिल हैं - डॉ. जयंती नारायण, पूर्व उप निदेशक, एनआईईपीआईडी, 9 फरवरी, 2018
- डॉ.निधिसिंहल, एएफए, नई दिल्ली द्वारा 10.5.2018 को वयस्कता और एएसडी, एएसडी के साथ वयस्कों की आवश्यकता, संबंध, कामुकता और यौन शिक्षा का अवलोकन, नई दिल्ली, 10.05.2018
- डॉ मौसमी भौमिक द्वारा यूडीएन और कामुकता, एनआईईपीआईडी क्षेत्रीय केंद्र, 11.5.2018
- डॉ मारियाब्रेटो द्वारा जागरूकता: निहितार्थ चुनौतियां; पीडब्ल्यूडी का प्रबंधन, पार्किंसन-इस सोसायटी, मुंबई द्वारा किया जाता है
- माता-पिता और भाई-बहनों की भूमिका, श्री श्रीरंग एन बीजुर द्वारा सेल्फ-एडवोकेसी, परिवार, पुणे 12.05.2018
- 12.05.2018 को एनआईईपीआईडी, तेलांगाना मे श्री जी. श्रीनीवासुलू द्वारो वयस्कता से किशोरावस्था में संक्रमण
- श्री सुधीर मार्खम जेएस द्वारा व्यावसायिक शिक्षा और रोजगार, व्यावसायिक सलाहकार, तेलंगाना में 12.05.2018

जीवन एक संतुलन है। मेरे पास केवल एक पैर है, इसलिए मैं अच्छी तरह सेसमझता हूं।

- सैंडी फसेल

- सुश्री शीला राव द्वारा व्यक्तिगत परिवार सहायता योजना (आईफएसपी), 20.12.2018 को छ्प्म्च्प्क्
- मोंटेसरी विधि अफशांजामेनो 22.12.2018 सुजाता भान द्वारा समावेशी शिक्षा।

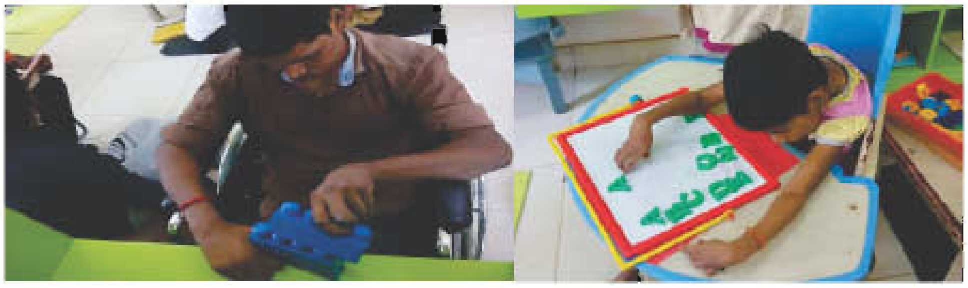

गतिविधि के माध्यम से बुनियादी अवधारणाओं को पढ़ाना

कॉग्निजेंट फाउंडेशन छात्रवृत्ति

कॉग्निजेंट, सॉफ्टवेयर कंपनी ने विशेष शिक्षा के 10 प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति प्रदान की। कॉग्निजेंट के मुख्य शैक्षिक अधिकारी ने फेलिसिटेशन कार्यक्रम को संबोधित किया और कॉग्निजेंट फाउंडेशन के सीईओ ने एचआरडी प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति चेक वितरित किए।

सफाई अभियान

स्वचेता ही सेवाप्रोग्राम के हिस्से के रूप में, विशेष शिक्षा प्रशिक्षुओं ने 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2018 तक कोवलम समुद्र तट पर सफाई अभियान किया और मछुआरा समुदाय को स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित किया।

तंजावुर में उद्धार शिविर

एचआरडी प्रशिक्षु ने 31 नवंबर से 2 दिसंबर 2018 तक 'गजा साइक्लोन' पर बहाली के एक भाग के रूप में तंजावुर जिले के पेराउरानी और ओरानीपट्टी के दूरदराज के गांवों में एक शिविर का आयोजन किया।

"हालांकि जीवन मुश्किल लग सकता है, लेकिन हमेशा कुछ ऐसा होता है जिसे आप कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं"।

स्टीफन हॉकिंग

8 फरवरी 2019 को दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सड़क के किनारे सुरक्षा पर जागरूकता पैदा करने के लिए एचआरडी प्रशिक्षुओं द्वारा रैली का आयोजन किया गया था।

विभाग द्वारा समारोह

विभाग ने स्वच्छ ही सेवा महात्मा गांधी के 150 वें जन्मदिन, ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतराष्ट्रीय दिवस और विश्व अंतरिक्ष सप्ताह पर जागरूकता पैदा करना जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया है। श्री सत्यमानिक्कम, जिलेलियो साइंस सेंटर के संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित किया एचआरडी को पोस्टर, एवी की सहयता से 3 अक्टूबर 2018 को उन्मुक्त किया।

दिव्यांगों के बारे में समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए, विभाग ने 6.12.2018 को विविरा मॉल में दिव्यांग व्यक्ति के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया और भीड़ का आयोजन किया।

ब्रेल लेखन (2) ब्रेल स्लोगन (3) ब्रेल रीडिंग और (4) ब्रेल क्विज आयोजित किए गए, मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर आई.जान जेवियर, निदेशक, सेंट लुइस इंस्टीट्यूशंस, चेन्नई ने ब्रेल और 6 के साथ व्यक्तियों पर अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा किया।

"गलत दृष्टिकोण जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है"।

- स्कॉट हैमिल्टन

कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलन में संकाय सदस्यों व छात्रों की सहभागिता

- साहित्यिक चोरी के लिए अनुसंधान, टीएनटीईयू, 12 अप्रैल 2018, चेन्नई, श्री पी. करुपसामी और श्री वी.आर. मथीवनन।
- शोध प्रबंध के साथ यांत्रिकी' विषय पर टीएनटीईयू में 12 अप्रैल 2018, चेन्नई, में दो दिवसीय कार्यशाला, श्री वी.आर.मथीवनन।
- दिव्यांग लोगों के सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय केंद्र पर आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी, 21 मार्च 2018, अन्ना शताब्दी पुस्तकालय, चेन्नई, डॉ. डी. रेवती।
- कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से डॉ. पीटर एलेन द्वारा विशेष सीखने की विशेष अक्षमता वाले बच्चों में दृश्य समस्याओं पर संगोष्ठी, 31 जुलाई 2018, एनआईईपीएमडी, सुश्री आई.जी. अनुसूया।
- डिस्लेक्सिया में दृश्य मुद्दों का प्रबंधन, रामचंद्र कॉलेज के साथ सहयोग, 31 जुलाई 2018, एनआईईपीएमडी, सुश्री जी अनंती।
- समुदाय में विशेष शिक्षा की भूमिका, तमिलनाडु राज्य सरकार और डॉ. एमजीआर होम एंड स्कूल फॉर हियरिंग इम्पेयरमेंट, 27 जुलाई 2018, चेन्नई, सुश्री एस.आर. गीता और श्री एम. करुप्पासामी।
- आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016, 23 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली, श्री पी. कामराज के संदर्भ में मानसिक शारीरिक दिव्यांगता पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला।
- समावेशी शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन, सर्वोत्तम प्रथाओं और भविष्य के दृष्टिकोण पुनर्वास विज्ञान की एमिटी संस्थान, 8 मार्च 2019, उत्तर प्रदेश, नोएडा, सुश्री जी अनंती।
- संस्थानों की क्षमता निर्माण और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016 आर/ओ के प्रासंगिक चयनों को बढ़ावा देने के लिए, दिव्यांगता डीईपीडब्ल्यूडी, एनआईईपीएमडी में 11 मार्च 2019, शिलांग, मेघालय, सुश्री अनंती।
- समावेशी शिक्षा के लिए 'परिचय और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संगोष्ठी और कार्यशाला, सहाया निडादावोलु, आंध्र प्रदेश, 25 से 27 मार्च, निडादावोलु, श्री पी.कामराज ।
- बधिरता पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण, सेंस इंटरनेशनल इंडिया, 12 से 14 मार्च 2018, चेन्नई, श्री डी.स्टालिन अरुल रेगन।
- ग्लोबल ऑटिज्म रूपांतरण 2018, सेंट जॉन्स मेडियल कॉलेज, बैंगलोर, 10 से 12 दिसंबर 2018, बैंगलोर, डॉ.डी.रेवती, श्री वी.आर.मथिवनम और एन 18 छात्र।
- दिव्यांगता के साथ शिक्षित व्यक्तियों में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, टीएनटीईयू के सहयोग से डॉ.एमजीआर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेशल एजुकेशन एंड रिसर्च, 23 जनवरी 2019, चेन्नई, सुश्री आई.जी. अनुसूया।
- डिसफैगिया नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लर्निंग डिसएबिलिटी, एनआईएलडी, 10 से 11 जनवरी 2019, गुवाहाटी, असम, श्री के.के. धनावेंदन।
- शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-अंतर में म अंतर शिक्षा में समानता और समानता, विभाग ब्याह एडन, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, 18 से 19 जनवरी 2019, रहेजाक्लासिक क्लब, मुंबई, सुश्री शोभा एन ओडुनावर।
- शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-अंतर में 'अंतररू शिक्षा में समानता और समानता', विशेष विभाग, एडन, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, 18 से 19 जनवरी 2019, रहेजा क्लासिंक क्लब, मुंबई, सुश्री शोभा एन ओडुनोवर।
- सम्मेलन आरपीडब्ल्यूडी एक्ट, एनआईईपीएमडी एवं एसआरएम, 23 से 24 जनवरी 2019,एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई, श्री वी.आर.माथिवनन।
- एनसीईडी पर कार्यशाला - आवश्यकताओं के अभ्यास के साथ छात्रों की शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि, साथियाबामा विश्वविद्यालय, 28 से 30 जनवरी 2019, चेन्नई, श्री वी.आर. माथीवनन एवं सुश्री के.मीनाक्षी।
- दिव्यांगता के साथ शिक्षित व्यक्तियों में उभरते रुझान पर इरादा सम्मेलन, टीएनटीईयू, 23 जनवरी 2019, चेन्नई के साथ सहयोग में डॉ। एमजीआर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेशल एजुकेशन एंड रिसर्च, श्री एम.करुप्पस्वामी।
- यीडीएल, एसपीएएसटीएन, 14 और 15 फरवरी, 2019 का क्रैकिंग कोड, चेन्नई, श्री के.के. धनावेंदन।

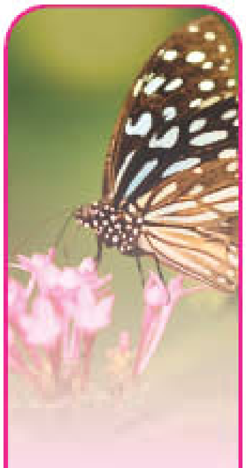

"दिव्यांगता एक धारणा का विषय है। आप सिर्फ एक अच्छे काम से सबके चहेते बन जाते हैं"

- मार्टिना नवरातिलोवा

कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी में पेपर / पोस्टर प्रस्तुति

- एमआर चिल्ड्रन के लिए संवेदी एकीकरण की प्रभावशीलता, शांलक्स, 17 अप्रैल 2018, मदुरै, श्री एम.करुप्पस्वामी।
- दिव्यांग बच्चों के बीच बढ़ते नेतृत्व कौशल, आईजेसीआरटी (एक अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी ने ओपन एक्सेस जर्नल की समीक्षा की), वॉल्यूम 6 अंक 2, अप्रैल 2018 (पृष्ठ 523-527, 2320-2882), सुश्री.ज्ञानती।
- स्लो लर्निंग पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अन्नामलाई विश्वविद्यालय चिदंबरम, 24 वें 26 मार्च 2018, चिदंबरम, श्री के.के. घनवंडेन, (चेयर)।
- स्लो लर्निंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, 24 से 26 मार्च, 2018 तक, चिदंबरम, श्री एम.करुप्सामी.
- एक्सक्लूजन को चुनौती देने के साधन के रूप में यूनिवर्सल डिजाइन, जेटीआर, जुलाई 2018 (आईएसएसअन 2349-5162) सुश्री शोभा एन ओडुनावर।
- 8 वीं के छात्रों के बीच निर्णय लेने का कौशल सीडब्ल्यूएनआई, आईजेईपीआर, जुलाई 2018 (आईएसएसएन 2349-0853) सुश्री शोभा एन ओडुनावर।
- बी.एड इंटीग्रेटेड मॉडल स्कूल करिकुलम, नेशनल कांग्रेस स्मारिका, 5-7 अक्तूबर, 2018, नई दिल्ली, सुश्री शोभा एन ओडुनावर।
- समावेशी स्कूल में पढ़ने वालों में सीडब्ल्यूएचआई पीएसएस विकास, , जेईटीआईआर, अगस्त 2018 (आईएसएसएन 2349-5162), सुश्री शोभा एन ओडुनावर।
- अनुवाद, एनआईईपीएमडी एवं अन्बालिया, 8 सितंबर, 2018, तिरुवन्रियुर, चेन्नई, ।
- कार्य शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव, टीएनटीयूई, 5 सितंबर, 2018, करापाकम, चेन्नई, श्री एम.करुप्पसामी एवं सुश्री लीलावती।
- विशेष शिक्षकों, अनुसंधान गुरु, यूजीसी द्वारा व्यापक शिक्षा में कई दिव्यांग बच्चों के लिए सीखने के संसाधनों की योग्यता: जर्नल संख्या 63726, 10 सितंबर, 2018, खंड-12, अंक-2, (आईएसएसएन-2349-266 एक्स), आईएफएन.3.021, नई दिल्ली, पी.कामराज।
- भारत में समावेशी शिक्षा में एकाधिक दिव्यांगों में सर्वश्रेष्ठ अभ्यास, सम्मेलन कार्यवाही, 28 नवंबर, 2018, नई दिल्ली, श्री पी.कामराज।
- स्वयं-स्वतंत्र जीवन जीने के लिए परिवार के सशक्तीकरण की वकालत, आंचलिक स्तरीय सम्मेलन, 27 दिसंबर, 2018, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, सुश्री बी.लीलावती।
- एकाधिक दिव्यांगता वाले व्यक्ति के बीच देर से जीवन अवसाद और चिंता का संगठन, स्वस्तिक ट्रस्ट एवं एनआईईपीएमडी, 30 नवंबर एवं 1 दिसंबर 2018, कांचीपुरम, श्री वी.आर.मथीवनन।
- विजिटिंग एक्सपर्ट (संगोष्ठी), आरसीआई, 21 जनवरी, 2019, नई दिल्ली, श्री पी.कामराज।
- कार्य शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव, टीएनटीईयू, 5 सितंबर, 2018, करापाक्कम, चेन्नई, श्री एम.करुप्पस्वामी एवं बी.लीलावती।
- सीपी, वीवीईएस के लिए भोजन प्रबंधन, 5 एवं 6 जनवरी, 2019, गोवा, श्री के.के. धनवेंदन।
- शिक्षण अधिगम परिवेश में पर्यावरण-व्यवहार की निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग', दिव्यांगता और सामाजिक समावेशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन- प्रौद्योगिकी की भूमिका, 10 से 11 जनवरी 2019, एनआईएलडी, कोलकाता आईआईटी, गुवाहाटी, डॉ.डी.रेवती के सहयोग से - श्री पी.कामराज।

"जो अत्यावश्यक है, उसे करना प्रारम्भ करो । उसके बाद जो संभव हो उसे करो और अचानक आप असंभव कार्यों को भी करने लगोगे"

- फ्रांसिस ऑफ असीसी

- दृष्टिबाधितों (गैर-एडीआईपी) के लिए प्रौद्योगिकी सहायता पर निर्भरता, दिव्यांगता और सामाजिक समावेश' पर राष्ट्रीय सम्मेलन- प्रौद्योगिकी की भूमिका, 10 से 11 जनवरी 2019 तक, एनआईएलडी, कोलकाता आईआईटी, गुवाहाटी, सुश्री जी अनंती के सहयोग से। - श्री पी.कामराज।
- आरपीडब्ल्यूडी 2016 व्यक्तियों की शिक्षा पर प्रभाव, आरपीडब्ल्यूडी 2016 कार्यान्वयन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन, 23 वीं जुआरचुरी 2019, एसआरएम, चेन्नई, श्री पी.कामराज।
- आरंभिक बचपन विशेष शिक्षा - सार, शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 18 जनवरी, 2019, मुंबई, सुश्री शोभा एन ओडुनावर।
- विशेष शिक्षा के संबंध में ट्रांस-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण, शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 18 जनवरी, 2019, आईएसबीएन (978-93-82844-99-6), मुंबई, श्रीमती जी.अनन्थी।
- कई दिव्यांग व्यक्तियों, एनआईईपीएमडी, 23 फरवरी, 2019, चेन्नई, सुश्री आई.जी.अनसूया के साथ व्यक्तियों को सशक्त बनाने में प्रौद्योगिकी पर ऑटिज्म सेमिनार के साथ बच्चों को शामिल करने के लिए तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना।
- कक्षा पर्यावरण में पर्यावरण-व्यवहार के मूल्यांकन पर एक पेपर प्रस्तुत किया, एनआईईपीएमडी,, 23 फरवरी, 2019, चेन्नई, डॉ.डी.रेवती द्वारा आयोजित, "कई दिव्यांग लोगों के लिए प्रौद्योगिकी के सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी" पर संगोष्ठी।
- आईएसडी एकाधिक दिव्यांग लोगों के साथ सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी, एनआईईपीएमडी, 23 फरवरी, 2019, चेन्नई, श्रीमती शारदा प्रियदर्शिनी द्वारा आयोजित बच्चों के बीच स्पर्श संवेदनशीलता पर काबू पाने में प्रभाव।
- विकासात्मक दिव्यांगताओं 2019 में हाल के विकास पर एनआईईपीएमडी और सेंट कॉलेज ऑफ गॉड कॉलेज, 20-21 फरवरी, 2019, कोट्टायम, केरल, सुश्री एस.आर. रामपाल।
- भारत में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा को लागू करने में सफलताओं और बाधाओं पर विचार, सीएसएसईआईपी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय और सत्या स्पेशल स्कूल सहयोगी भागीदार अनआईईपीएमडी, 27-30 मार्च, 2019, पांडिचेरी, श्री वी.आर. मथिवानन और श्री रामपाल।
- ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के साथ बच्चों के बीच वेस्टिबुलर सत्रों में सुधार पर कम प्रौद्योगिकी के खेल का प्रभाव', धीमी गति से सीखने वालों के बीच सीखने को बढ़ाने के लिए दो दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15 और 16 मार्च 2019, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम, श्री पी.कामराज और श्री अजय कुमार चैधरी (एम.एड.प्रथम वर्ष)।
- आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार और बौद्धिक अक्षमताओं के साथ वयस्कों के लिए संक्रमण कार्यक्रम में आईसीटी की भूमिका, धीमी गति से सीखने वालों के बीच सीखने को बढ़ाने के लिए दो दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15 और 16 मार्च 2019, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम, सुश्री आई.जी. अनुसूया और श्री.प्रशांति यादव (एमएड प्रथम वर्ष)।
- इयूल सेंसरी इम्पावरमेंट के साथ अपने एम्पावरमिंग पर्सन्स का हाई टेक्नोलॉजी का उपयोग', ध्धीमी गति से सीखने वालों के बीच सीखने को बढ़ाने के लिए दो दिनों का राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15 और 16 मार्च 2019, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम, श्री वी.आर. माथीवनन और श्री मिरांडा (एमएड द्वितीय वर्ष)।
- मल्टीपल डिसएबिलिटीज के साथ पर्सन के बीच लाइफ स्किल बढ़ाने के लिए लो टेक्नॉलॉजी डिवाइस का इस्तेमाल, धीमी सीखने वालों में सीखने को बढ़ाने के लिए दो दिन की राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15 वीं और 16 वीं मार्च 2019, अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, चिदंबरम, डॉ. डी.रेवती एवं श्री जैदुलइस्लाम (एमएड प्रथम वर्ष)।
- मल्टीपल डिसएबिलिटी वाले बच्चे के लिए प्रति-अंकगणितीय कौशल बढ़ाने पर कम प्रौद्योगिकी का प्रभाव - केस स्टडी, धीमी गति से सीखने वालों के बीच सीखने को बढ़ाने के लिए दो दिनों का राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15-16 मार्च 2019, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम, सुश्री शोभा एन ओडुनावर और सुश्री निव्या (एमएड प्रथम वर्ष)।
- उच्च तकनीक-वीडियो मॉडलिंग के माध्यम से एएसडी के साथ वयस्कों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता का प्रबंधन, धीमी गति से सीखने वालों के बीच सीखने को बढ़ाने के लिए दो दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15 वीं और 16 मार्च 2019, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम, सुश्री आर.आनंदनायकी और सुश्री धरपाना (एमएड प्रथम वर्ष)
- कई दिव्यांग लोगों के बीच घरेलू गतिविधियों को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी का उपयोग', 'धीमी गति से सीखने वालों के बीच सीखने को बढ़ाने के लिए इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज' पर दो दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15 वीं और 16 वीं मार्च 2019, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चिदंबरम, सुश्री मलाठी और सुश्री अरुणा (एमएड द्वितीय वर्ष)।

"मैं हवा की दिशा नहीं बदल सकता, लेकिन मैं अपने पालों को हमेशा अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए समायोजित कर सकता हूं।"

- जिमी डीन

- विशिष्ट सीखने की अक्षमता वाले बच्चों पर यूडीएल-ई का अपग्रेड, विशेष आवश्यकताओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन और समावेशी शिक्षा में सीखने का समर्थन, 18 मार्च 2019, अविनाशिलिंगम विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, सुश्री जी अनंथी।
- संवेदी समन्वित व्यवहार में बदलाव की प्रभावकारिता, पारंपरिक समस्या पर काबू पाने के लिए पारंपरिक रणनीति, शांलाक्स कला और मानविकी, 25 मार्च 2019, 2253-1253, मदुरै, श्री एम.करुप्पासामी।

सीआरई / शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम / ओरिएंटेशन प्रोग्राम / अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया गया

- जिला स्तरीय सम्मेलन 'विकास संबंधी दिव्यांगताओं में प्रारंभिक बचपन में खेल की भूमिका' पर एसटी कार्यक्रम, 100 प्रतिभागी, 20 वीं और 21 वीं जुलाई 2018, काकीनाडा एपी, श्री पी कामराज समन्वय
- संक्रमण कौशल और तैयारी एनई कार्यक्रम पर जिला स्तरीय सम्मेलन, 30 प्रतिभागी, इम्फाल, मणिपुर, श्री पी. कामराज, समन्वय।
- संक्रमण कौशल और तैयारी" पर राज्य स्तरीय सम्मेलन, 100 प्रतिभागी, 7, 8 और 9 सिप्तम्बर 2018, कांचीपुरम, तमिलनाडु, श्री पी कामराज समन्वय।
- भारतीय अधिकार और कार्यक्रम में दिव्यांगता अधिकार और राज्य" (एसटी कार्यक्रम), 100 प्रतिभागियों, 15 से 16 2018 सिप्तम्बर, इंदौर, सांसद, श्री पी कामराज समन्वय।
- राज्य स्तरीय सम्मेलन पर्यावरण में बाधाओं को संबोधित करते हुए, 100 प्रतिभागी, 21 से 23 सितंबर 2018, डिंडीगुल, तमिलनाडु, श्री पी कामराज समन्वय।
- होम्योपैथी पॉज्नमाह और पॉज्नभियान के तहत, 155 प्रतिभागी, एनआईईपीएमडी, चेन्नई, श्री एम काथिरावन समन्वय 3 दिन के लिए ।
- प्री एकेडमिक स्किल्स (प्री राइटिंग, प्री रीडिंग और प्री मैथ्स), 30 पार्टिसिपेंट्स, 27 -29 सिप्तम्बर 2018, तबकासी (आयुकुडी), श्री के.के. धनवेंदन समन्वय।
- स्वच्छता ही सेवा, विशेष बच्चों के साथ हाथ धोने का दिन विशेष, 27 सिप्तम्बर 2018, एनआईईपीएमडी, मिस एस.आर. गीता समन्वित।
- समुदाय आधारित पुनर्वास पर जिला स्तरीय सम्मेलन (एनई प्रो), 30 प्रतिभागी, 20 और 21 अक्टूबर 2018, इंफाल, मणिपुर, श्री पी कामराज समन्वय।
- पर्यावरण और सार्वभौमिक डिजाइन में बाधाओं को संबोधित करते हुए जिला स्तरीय सम्मेलन, 28 प्रतिभागी, 22 और 23 अक्टूबर 2018, गुवाहाट, असम, श्री पी.कामराज समन्वय।
- डेफब्लिंड बच्चों को समझना और पढाना, 28 प्रतिभागियों, 28 और 29 नवंबर 2018 असम, श्री पी. कामराज समन्वय।
- कई दिव्यांगों के साथ्स वयस्क सदस्यों के परिवार के लिए स्वंतत्र रहने के कौशल को प्रबंधन, 100 प्रतिभागियों, 30 और 27 दिसंबर 2018, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, सुश्री बी लीलावती समन्वय ।
- सीडब्ल्यूडी के साथ माता-पिता के लिए रिश्तों की गतिशीलता पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 44 प्रतिभागियों, 27 दिसंबर 2018, सुश्री बी लीलावती समन्वयक ।
- विकार (डायसग्राफिया) आकलन और निदान, 30 प्रतिभागी, इंद्रा गांधी कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन, 27 और 28 2018, कोयंबटूर, श्री के.के. धनावेंदन समन्वय।
- दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के लिए जागरूकता कार्यक्रम, 90 प्रतिभागी, 6 दिसंबर 2018, नवलूर, डॉ डी रेवती समन्वय।
- पूर्व व्यावसायिक और व्यावसायिक कौशल का विकास ग्रामीण विकास ट्रस्ट, 30 प्रतिभागी, 7 से 11 जनवरी 2019, अनन्तपुरम, सुश्री बी लीलावती समन्वय।
- कई दिव्यांग लोगों के लिए व्यावसायिक पुनर्वास- संकल्पना और निष्पादन सत्या स्पेशल स्कूल, 30 प्रतिभागी, 12 और 13 जनवरी 2019, पांडिचेरी, सुश्री बी लीलावती समन्वयक।
- सीआरई-दिव्यांगों के साथ युवाओं में यौन और कामुकता में विकासात्मक देरी, 30 प्रतिभागियों के साथ, 25 और 26 जनवरी 2019, मेलारुवयुर, श्री के.के. धनवंठेदन समन्वय।
- विभिन्न कॉलेजों स्कूल और कॉलेजों में पीडब्ल्यूडी और एचआरडी पाठ्यक्रमों पर जागरूकता कार्यक्रम, 122 प्रतिभागी, 31-2 फरवरी 2019, थूथुकुडी, सुश्री सी सीतालक्ष्मी और सुश्री संथानमराजम समन्वय।

- विभिन्न कॉलेजों में पीडब्ल्यूडी और एचआरडी पाठ्यक्रमों पर जागरूकता कार्यक्रम, 390 प्रतिभागी, 15 से 19 फरवरी 2019, नागपट्टिनम, सुश्री मलथी और सुश्री सी. सीतालक्ष्मी समन्वय।
- विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के लिए समावेशी समाजों के लिए रोडमैप, 94 प्रतिभागी, 1 और 2 मार्च 2019, एनआईईपीएमडी और बेथशन स्पेशल स्कूल, सुश्री बी लीलावती समन्वय।
- स्वतंत्र रहनेवाले व्यस्क, 30 प्रतिभागी, 25 फरवरी से 1 मार्च 2019, अमन फाउंडेशन कोल्हापुर महाराष्ट्र, सुश्री बी लीलावती समन्वय ।
- ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर का आकलन और निदान, 30 प्रतिभागी, 28 और 29 मार्च 2019, श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज, चेन्नई, सुश्री आई. जी. अनुसूया समन्वय।
- समावेशः आईई पर परिचय और चुनौतियां, 30 प्रतिभागी, 22-24 मार्च 2019, चेन्नमई, श्री के..के. धनवंदन समन्वय।
- डीडी के साथ ईसीएसई में गति की भूमिका, 30 प्रतिभागी, 23 -24 मार्च 2019, कोयंबटूर, श्री के.के. धनवंदन समन्वय।

संसाधन व्यक्तियों के रूप में अन्य संस्थानों का दौरा

- डी.एड. के लिए व्यवहारिक परिक्षक एसई (डीबी), डेफ के लिए क्लार्क स्कूल, अप्रैल 2018, चेन्नई, श्री डी स्टालिन अरुल रेगन।
- डीएड एसई (एमआर) के लिए व्यवहारिक परिक्षक, मदुरम नारायणन केंद्र, अप्रैल 2018, चेन्नई, श्री करुप्पासामी ।
- बाहरी परीक्षक बी.एड और एम.एड (एमआर) विशेष शिक्षा, विशेष शिक्षा विभाग, अलगप्पा विश्वविद्यालय, अप्रैल 2018, कराईकुडी, श्री करुप्पासामी।
- टीएलएम, चार्ट, फ्लैश कार्ड, वर्कशीट की तैयारी, एनकेटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, 27 -31 मार्च 18, चेन्नई, श्री के.के. धनावेंदन।
- टीएलएम (चार्ट फ्लैश कार्ड) की तैयारी, एनकेटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, 27 -31 मार्च 18, चेन्नई, सुश्री एस.आर. गीता।
- टीएलएम (चार्ट फ्लैश कार्ड) की तैयारी, एनकेटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, 27 -31 मार्च 18, चेन्नई, सुश्री शोभा एन ओडुनावर ।
- बाहरी व्यावहारिक परीक्षक, सीसीसीजी पाठ्यक्रम, एनआईईपीएमडी , मिस मालती ।
- विशेष शिक्षा अभिविन्यास, विशेष शिक्षा विभाग -अल्गप्पा विश्वविद्यालय, 16 जून 2018, कराईकुडी, श्री एम करुप्पासामी।
- एनआईईपंठीबाईडी और टैगोर हरि प्रसाद संस्थान, सिकंदराबाद, जून 2019, सुश्री जी अनंती।
- सेमेस्टर परीक्षा - पेपर का आकलन, एनकेटी और टीएनटीईयू , (31.07.2018) (02.08.2018 और 03.08.2018), श्री पी. कामराज, मिस. एस.आर.गीतां, सुश्री/डॉ. डी.रेवती, श्री एम. .करुप्पसामी और श्री वी.आर.मथिवानन।
- एमडी के बच्चों में व्यक्तिगत कौशल, ग्लोबल जर्नल, 17 जुलाई 2018, महारास्ट्र, के.के. धनावेंदन ।
- सीआरई पर संक्रमण, एनआईईपीएमडी, 08 सिप्तम्बर 2018, तिरुवत्रियुर, चेन्नई, के.के. धनावेंदन ।
- युवा क्रॉस गतिविधियां, एनआईईपीवीआई (आरसी), 08 सिप्तम्बर 2018, पोनथमल्ली, चेन्नई, श्री एम करुप्पासामी।
- जिला ईआई टीम के लिए ईआई कार्यक्रम, एनआईईपीएमडी और डीईआई 22 अक्टूबर 2018, एनआईईपीएमडी, चेन्नई, के.के. धनावेंदन ।
- एम.एड प्राक्टिकलस, टीएनटीईयू , 26 नवंबर 2018, श्री एम करुप्पासामी।
- एसई बाहरी परीक्षा, एनकिटी में बी.एड विशेष शिक्षा, 1 वर्षिय प्राक्टिकल, 25 मार्च 2019, चेन्नाई, मिस शोभ एन, ओडूनावार ।
- डीडी, एनआईईपीएमडी और आदिपराशक्ति हस्पताल पर यौन और कामुकता, 25-27 जनवरी 2019, मेलमारुवाथुर, श्री के.के. धनावेंदन ।
- भोजन प्रबंधन, एनआईईपीएमडी और वीवीईएस, 5 - 6 जनवरी 2019, गोवा, श्री के.के. धनावेंदन ।

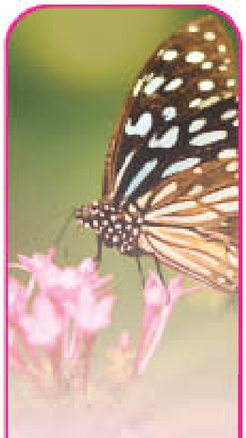

"अगर मन में ठान लिया तो आधी जीत हो गई।"

- थियोडोर रूसवेल्ट

"मुझे मेरी क्षमताओं के लिए जानो, मेरी विकलांगता को नहीं।"

- रॉबर्ट एम. हेन्सेल

- डिस्पेशिया, एनआईईपीएमडी और आईजीसीएसई, 27-29 2019, कोयम्बतूर, श्री के.के. धनावेंदन।
- दिव्यांगता निष्पादन के व्यक्तियों के लिए व्यवसायिक पुनर्वास, सत्या स्पेशल स्कूल द्वारा समन्वित, 12 और 13 जनवरी 2019, पुदुचेरी, श्री रामपाल।
- विषय शैक्षिक मनोविज्ञान, एनआईईपीएमडी और शंकरा विश्वविद्यालय, कांचीपुरम, 15 फरवरी 2019, एनआईईपीएमडी, चेन्नई, श्री वी.आर. मथीवनन।
- राष्ट्रीय पुरस्कारों पर अभिविन्यास, सक्षम के सहयोग से दिव्यांग और पुनर्वास के व्यक्तियों पर दो दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम, एनआईईपीएमडी, 2 फरवरी 2019, एनआईईपीएमडी, चेन्नई, सुश्री एस शारदाप्रियदर्शनी।
- सीडब्ल्यूएसएन, एनकेटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, के लिए आकलन और शिक्षण पाठ्यक्रम पर व्याख्यान, 12 फरवरी 2019, चेन्नई, सुश्री/डॉ.डी. रेवती।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम "कला सागर" के लिए न्यायपीठ, सुधानंदा विद्यालयस्कूल, 25 फरवरी 2019, उथंडी, सुश्री/डॉ.डी रेवती और सुश्री अन्नधानायकी।
- समावेश: आईई, एनआईईपीएमडी और वीएचएस पर परिचय और चुनौतियाँ, 24 मार्च 2019, चेन्नई, श्री के.के. धनावेंदन।
- ईसीएसई में डीडी, एनआईईपीएमडी-आईजीसीएसई के साथ काम करने की भूमिका, 23 मार्च 2019, चेन्नई, श्री के.के. धनावेंदन।
- समावेशी समाजों के विशेष आवश्यकताओं के व्यक्तियों के लिए रोडमैप, एनआईईपीएमडी और बेथन स्पेशल स्कूल, 1 - 2 मार्च 2019, चेन्नई, श्री एम. करुप्पासामी।
- बी.एड. और एमएड एस.ई (टण्पद्ध ए एनकेटी के लिए बीओएस सदस्य के रूप में काम करना, 24 जनवरी 2019, श्री एम करुप्पसामी।
- एएसडी का आकलन और निदान, विद्यासुधा स्पेशल स्कूल, 29 मार्च 2019, पोरूर, चेन्नई, सुश्री एम. मोहीदीन भानु।
- समावेशी शिक्षा में बाधाएं, एनआईईपीएमडी, 23 मार्च 2018, चेन्नई, सुश्री आर आनंदानायकी।
- सहायक उपकरण और प्रौद्योगिकी (सीआरई), एनआईईपीएमडी, 9 मार्च 2019, चेन्नई, श्री रफीकअहमद के.टी।
- एएसडी (सीआरई) को आकलन और निदान, एनआईईपीएमडी और विद्यासुधा स्पेशल स्कूल, 27 मार्च 2019, चेन्नई, सुश्री आई.जी. अनुसूया।

अध्याय/पुस्तकें/पाठ्यक्रम सामग्री

- श्रीमती आई. जी. अनुसूयां, बौद्धिक अक्षमता का आकलन और पहचान, टीएनओयू।
- श्रीमती आई. जी. अनुसूया, बौद्धिक दिव्यांगता - पहचान और आकलन, डी.एड एस.ई (एमआर) पेपर 6 यूनिट 3 और 4 आरसीआई मैनुअल।
- श्रीमती लीलावती, बौद्धिक अक्षमता, डी.एड एस.ई (एमआर) यूनिट 5 आरसीआई मैनुअल।
- श्री करुप्पासामी, मनोसामाजिक और पारिवारिक मुद्दे, - आईडी, टीएनओयू।
- श्री करुप्पासामी, बौद्धिक दिव्यांगता का आकलन और पहचान, अन्नामलाई विश्वविद्यालय।
- श्री करुप्पासामी, पाठ्यचर्या निर्देश, अन्नामलाई विश्वविद्यालय।
- श्री. स्टेलिन अरुल रेगन और डॉ.डी. रेवती, अध्याय - मनो सामाजिक और पारिवारिक मुद्दे - टप, क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद, टीएनओयू।
- श्री के.के. धनावेंदन, बौद्धिक अक्षमता पर आकलन, टीएनओयू।
- श्री के.के. धनावेंदन, न्यूरोलॉजिकल और लोकोमोटर दिव्यांगताओं का परिचय, क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद, टीएनओयू।
- श्री के.के.धनवेन्दन, सेरेब्रल पाल्सी का आकलन, आरसीआई मैनुअल।

अपना चेहरा हमेशा धूप की ओर रखें - और छाया आपके पीछे पड़ जाएगी। "

- वाल्ट व्हिटमैन

पुरस्कार

संकाय	पुरस्कार	आयोजक
श्री कामराज	भारत विद्या रतन पुरस्कार - 2018	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार परिषद
श्री करुप्पासामी	बेस्ट फैकल्टी अवार्ड - 2018	डीके इंटरनेशनल रिसर्चफाउंडेशन
श्री कामराज	एक्सीलेंस टू एजुकेशन अवार्ड	चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, लॉडरन पंजाब
श्री कामराज	आईएमआरएफ सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता	आईएमआरएफअकादामी पुरस्कार-इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च फाउंडेशन
श्री कामराज	मदर टेरेसा सद्भावना पुरस्कार-2018	आर्थिक विकास फाउंडेशन

प्रशंसापत्र

इंटर्न्स

- द्वितीय वर्ष का इंटर्नशिप एम.एससी पुनर्वास विज्ञान, होली क्रॉस त्रिची ने माता-पिता को दिव्यांग बच्चों के प्रबंधन में मदद करने के लिए 08 फरवरी 2019 को "यस यू कैन" पर माता-पिता के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया।

अध्याय 10

स्वतंत्र वयस्क जीवन

"कठिन चीजें हमारे रास्ते में डाल दी जाती हैं, हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि हमारे साहस और शक्ति को बाहर निकालने के लिए।"

प्रस्तावना

एक स्वतंत्र और उत्पादक जीवन जीने के लिए एकाधिक दिव्यांगों के साथ वयस्कों के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने के उद्देश्यों के साथ वयस्क स्वतंत्र विभाग कार्य करती है। सेवाओं में युवा वयस्कों और दिव्यांगों का आकलन, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, कौशल भारत मिशन के विशेष संदर्भ में आर्थिक पुनर्वास और जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लिए आय सृजन कार्यक्रम का आयोजन करके परिवार के सदस्यों को सशक्त बनाने की अवधारणा भी पेश की गई थी।

उद्देश्य

- उपयुक्त व्यावसायिक प्रशिक्षण के बाद कार्य कौशल विकास को बढ़ावा देना
- आर्थिक सशक्तिकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए कौशल वृद्धि
- पदोन्नत कौशल और क्षमताओं के माध्यम से स्वतंत्र जीवन
- कुशलता और रोजगार सृजन में जागरूकता

गतिविधियां

- आकलन और व्यावसायिक मार्गदर्शन
- कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम
- पीडब्ल्यूएमडीयों और परिवार के सदस्यों के लिए सशक्तिकरण
- व्यावसायिक प्रशिक्षण
- नौकरी लगाना
- मानव संसाधन विकास
- पीडब्ल्यूडीयों, परिवारों, नियोक्ताओं, सीएसओओं और अन्य हितधारकों के क्षमता का निर्माण
- सृजन और रोजगार रोकथाम में जागरूकता कार्यक्रम

विशेष क्लीनिक/सेवाओं की पेशकश

वर्ष 2018-19 में वयस्क स्वतंत्र विभाग ने दिव्यांगों और उनके परिवार के सदस्यों को रोजगार के अवसरों के लिए विभिन्न सेवाओं और पाठ्यक्रमों की पेशकश की है।

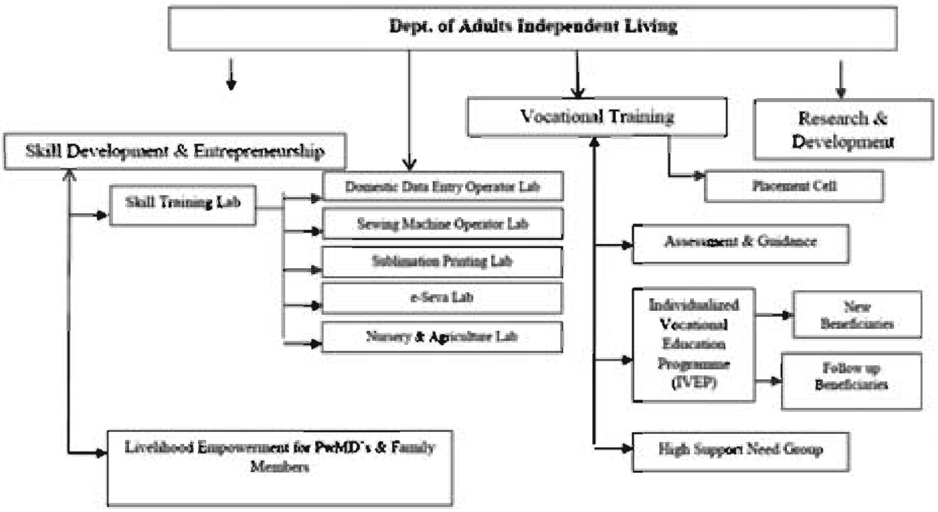

जीवन में एकमात्र दिव्यांगता एक बुरा रवैया है। '

- स्कॉट हैमिल्टन

पिछले तीन वर्षों के लाभार्थी -

साल	नई	अनुवर्ती
2016 – 17	146	10105
2017 – 18	156	11952
2018 - 19	219	5980

सर्वोत्तम प्रथाएं

डीएआईएल-सलाहकार बोर्ड की बैठक

एकाधिक दिव्यांग लोगों के भविष्य के विकास के लिए विभाग की गतिविधियों और योजना का मार्गदर्शन करने के लिए डीएआईएल सलाहकार बोर्ड का गठन किया गया था। इस वर्ष के दौरान, 11 सितंबर 2018 और 19 फरवरी 2019 को दो सलाहकार बोर्ड बैठकें आयोजित की गईं थी।

एकाधिक दिव्यांग लोगों के रोजगार के अवसरों पर दूसरा राष्ट्रिय सम्मेलन :

26 और 27 2018 को व्यक्तिगत एकाधिक दिव्यांगों के लिए रोजगार के अवसरों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। रोजगार के विभिन्न मॉडलों पर 14 प्रख्यात विशेषज्ञों से विचार-विमर्श प्रस्तुत किए गया ; 12 राज्यों से 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। शाम के सत्र में फील्ड प्रचार निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, और चेन्नाई के सहयोग से "सांस्कृतिक महोत्सव" का आयोजन किया गया था।

एसआईपीडीए योजना के तहत कौशल विकास के लिए नौकरी की भूमिकाओं/ट्रेडों में आवश्यक अनुकूलन पर सिफारिश करने के लिए उप-समिति :

वर्ष के दौरान नौकरी की भूमिकाओं के मानकीकरण / संशोधन के लिए और एकाधिक दिव्यांग और बौद्धिक दिव्यांग व्यक्ति के लिए उपयुक्त मॉडल पाठयक्रम की ओर एक उप-समिति की बैठक का आयोजन किया गया। 30 नई रोजगार

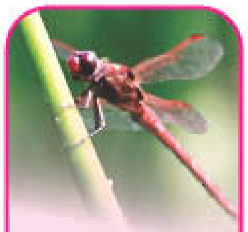

जब हर कोई कहता है कि आप नहीं कर सकते हैं, दृढ़ संकल्प कहते हैं, "हाँ आप कर सकते हैं।"

- रॉबर्ट एम. हेन्सेल

सूची और 26 मौजूदा रोजगार सूची को संशोधित किया गया और दिव्यांग लोगों के डीईपीडब्ल्यूडी और कौशल परिषद के मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया।

मॉडल पाठ्यक्रम के कौशल के विकास के लिए 38 संगठनों से देश भर से 62 विशेषज्ञ सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया

तालिका : उप-समिति की बैठकों का विवरण : -

दिनांक	स्थान
12 मार्च, 2018	पीडीडीयूएन आईपीपीडी, नई दिल्ली
4 और 5 अप्रैल , 2018	मुस्कान, नई दिल्ली
18 और 19 जून, 2018	एनआईईपीएमडी, चेन्नाई
6 और 8 अगस्त, 2018	एनआईईपीएमडी, चेन्नाई
9 और 24 अगस्त, 2018	एनआईईपीआईडी और एनआईईपीएमडी, चेन्नाई
1 और 2 नवंबर, 2018	एनआईईपीआईडी और एनआईईपीएमडी, चेन्नाई
13 और 14 दिसंबर, 2018	एनआईईपीएमडी, चेन्नाई

दीनदयाल दिव्यांग पुनर्वास योजना में संशोधन पर कार्यशाला :

कोर कमेटी के सदस्यों के साथ एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला के दौरान, आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के मद्देनजर दीनदयाल दिव्यांग पुनर्वास योजना (डीडीआरएस) के तहत मौजूदा परियोजनाओं में नई परियोजनाओं और संशोधन पर सिफारिश की गई। यह कार्यशाला एनआईईपीएमडी, चेन्नई में 11 वें और 12 वें मई 2018 को आयोजित की गई ।

डीडीआरएस परियोजना और डीडीआरएस के लिए नई परियोजनाओं के विकास पर विशेषज्ञ सदस्य की समीक्षा

एसआईपीडीए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम :

एनआईईपीएमडी सक्रिय रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल और सशक्तीकरण के मुख्य उद्देश्य के साथ एसआईपीडीए परियोजना को सक्रिय रूप् से लागू करता है। यह योजना बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए देश भर में लागू की गई थी। यह कौशल-प्रशिक्षण कार्यक्रम एमपेनलड ट्रेनिंग पार्टनरस् (ईटीपीयों) के माध्यम से लागू किया गया था। वर्ष 2018-19 के दौरान एसआईपीडीए प्रशिक्षण का विवरण :

‘कोई दिव्यांगता या शब्दकोष स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में सक्षम नहीं है कि हम एक व्यक्ति के रूप में कौन हैं।’

- रॉबर्ट एम हैंसल

ईटीपी के साथियों की संख्या	2018-2019 में राज्यों में कौशल प्रशिक्षण	व्यापारों के नाम	तय किया गया लक्ष्य	हासिल किया गया लक्ष्य	पीडब्ल्यूडीओं की संख्या
9	तमिलनाडू आंध्रप्रदेश पश्चिमी बंगाल राजस्थान कर्नाटक नई दिल्ली	घरेलू तिथि प्रवेश ऑपरेटर सिलाई मशाीन ऑपरेटरडेयरी किसान/ व्यवसायी	500	483	232

वर्ष 2018-19 के दौरान एसआईपीडीए प्रशिक्षण कार्यक्रम की ईटीपी साथियों के गतिविधियों की तस्वीरें

समाज उन्नायन केन्द्र
13 अक्टूबर 2018,

डब्ल्यूबी एसडी टेक्नो सर्विसेस,
11 अक्टूबर 2018,

कर्नाटक साई स्वयं सोसाइटी, नई दिल्ली
09 अक्टूबर 2018

परामर्श कार्यशाला : सीबीएम ट्रस्ट ऑफ इंडिया, बैंगलोर

एनआईईपीएमडी, चेन्नाई के सहयोग से क्रिस्टोफेल-ब्लाइंड मिशन (सीबीएम), ने आईडी, एमडी, एडीएचडी और सीपी के व्यक्तियों को मजबूत करने के लिए "बदलाव के बिना प्रगति असंभव है" नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 18 और 19 दिसंबर 2018 को आयोजित किया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न क्षेत्रों के अस्सी (80) प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

रोजगार के मॉडल

इस वर्ष के दौरान एकाधिक दिव्यांग व्यक्तियों के आवश्यकताओं के आधार पर बौध्दिक अक्षमता, ऑटिजम, सेरेब्रल पॉलसी और एकाधिक दिव्यांग लोगों के लिए रोजगार के विभिन्न मॉडलों को विकसित किया गया।

- रोजगार पहल
- माता-पिता बाल सहायता रोजगार पहल
- क्लस्टर/आश्रय रोजगार पहल

- स्वरोजगार पहल
- उच्च समर्थन से रोजगार पहल

रोजगार की पहल :

स्किल इंडिया मिशन के संदर्भ में विभाग की महत्वपूर्ण शुरुआत खुले बाजार में व्यक्तिगत दिव्यांगों के लिए नौकरी लगा रही है। एक विशेष व्यापार और कुशलता में सफल प्रशिक्षण पर एकाधिक दिवयांग व्यक्तियों को आवश्यक कार्य व्यवहार कौशल को विकसित करके "नौकरी प्रशिक्षण पर" प्रशिक्षित किया गया था। इन प्रक्रियाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षकों, माता-पिता, परिवार के सदस्यों और समुदाय के सहयोग से विकसित किया गया था।

नौकरी मेला:

प्लेसमेंट सेल की पहल के भाग के रूप में, एकाधिक दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाया गया था और नौकरी मेले में भाग लेने के लिए उन्हें नियोक्ताओं के साथ बातचीत करने के लिए सुसज्जित किया गया था।

केफ कॉफी डे, मैलापुर | शेष रोजगार विनितय | रागास डेंटल कॉलेज उथ्यंडी

प्लेसमेंट

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान सफल प्रशिक्षुओं को विभिन्न कॉरपोरेट्स, शैक्षणिक संस्थान, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों आदि में उत्पादकता से रखा गया।

सुश्री अनिताश्री, फ्रन्ट ऑफिसर ,डीएचआई

श्री एन सतीश कुमार, सहायक, केफ कॉफी डे

श्री अरविंदन, स्टूडियो लैब
श्री अरविंदन स्टूडियो लैब असिस्टेंट, सियोन स्टूडियो

श्री डी। जयसेलन, कार्यालय सहायक,
रागस डेंटल कॉलेज

"दयालुता वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं ।"

- मार्कट्वेन

"मेरे पास एकदिव्यांगता है जो सही है, लेकिन वास्तव में इसका मतलब यह है कि मुझे आपसे थोड़ा अलग रास्ता अपनाना पड़ सकता है ।"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

हमारे शानदार नियोक्ता (2018-19) : -

RAGAS DENTAL COLLEGE & HOSPITAL
WELCOMHOTEL KENCES PALM BEACH
AMET ACADEMY OF MARITIME EDUCATION AND TRAINING DEEMED TO BE UNIVERSITY (Under Section 3 of UGC Act 1956)
Bharat Petroleum energising lives
Leonard Cheshire
Sree Balaji Medical College & Hospital
Sri Muthukumaran Medical College Hospital & Research Institute
DHL
SSN
YAZAKI
Deepa Furnishings Chennai
SWASTIK
CROWNE PLAZA HOTELS & RESORTS
Leonard Cheshire Disability
Café Coffee Day

माता-पिता वास सहायता रोजगार पहल :

एक अन्य रोजगार पहल है कि अपने परिवार के सदस्यों के समर्थन के साथ दिव्यांग व्यक्तियों के लिए "आजीविका के अवसर" बनाना। उन्हें पेरेंट-वाइस्ड पार्टनरशिप कॉन्सेप्ट के माध्यम से जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लिए अपनी मौजूदा आय को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

इस रोजगार मॉडल का समर्थन सियोनाई चेवाकर परियोजना, मागापाइीमंड द्वारा किया जाता है, और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहलों के तहत यूरोपीय संघ, यूके द्वारा वित्त पोषित है।

चरण-1 माता-पिता समर्थित रोजगार पहल के लाभार्थियों का विवरण :

माता पिता द्वारा रोजगार पहल का समर्थन चरण 1				
संख्या में	नाम	दिव्यांगता के प्रकार	व्यवसायवृत्ति	प्रारम्भ की तारीख
1	एम. कार्तिकेयन	दिव्यांगता	उच्चस्खपातक मुद्रण	03.08.2018
2	डी. गणेश कुमार	एकाधिक दिव्यांगता	उच्चपातक मुद्रण	28.08.2018
3	आर. सुगन्या	एकाधिक दिव्यांगता	सिलाई और कढ़ाई	03.08.2018
4	के. सुब्बलक्ष्मी	एकाधिक दिव्यांगता	सिलाई और कढ़ाई	03.08.2018
5	एस. माथी	एकाधिक दिव्यांगता	छोटी दुकान	12.02.2019

"हर जीवन के लिए एक योजना और एक उद्देश्य, एक मूल्य है, चाहे उसका स्थान, उम्र, लिंग या दिव्यांगता कोई भी हो।"

- शेरोन एंगल

6	एम. विघ्नेश	एकाधिक दिव्यांगता	किराने के वस्तुओं की दुकान	03.08.2018
7	जी. मोहन	एकाधिक दिव्यांगता	छोटी दुकान	28.09.2018

माता पिता और बच्चों के रोजगार पहल के गतिविधियों की झलक

उद्यमवृत्तिः उच्चपातक मुद्रण

उद्यमवृत्तिः उच्चपातक मुद्रण

उद्यमवृत्तिः सिलाई और कढाई

उद्यमवृत्तिः छोटी दुकान

उद्यमवृत्तिः सिलाई और कढाई

उद्यमवृत्तिः किराने के वस्तुओं की दुकान

13 जुलाई 2018 को डॉ थावर चंद गहलोत, माननीय कैबिनेट मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को कच्चे माल और सहायक उपकरण प्राप्त हुए।

"हर जीवन के लिए एक योजना और एक उद्देश्य, एक मूल्य है, चाहे उसका स्थान, उम्र, लिंग या दिव्यांगता कोई भी हो।"

- शेरोन एंगल

स्टार्टअप के लिए लाभार्थियों को कच्चे माल और उपकरण प्राप्त हुए

अनुसंधान एवं विकास

अनुसंधान और विकास विभाग के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक है। प्राथमिक कार्य एकाधिक दिव्यांग और उनके परिवार के सदस्यों के साथ कौशल विकास और वयस्कों के व्यावसायिक पुनर्वास के बारे में नए ज्ञान की खोज करना है। वर्ष के दौरान किए गए अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण :

- एकाधिक दिव्यांग लोगों के लिए रोजगार के मॉडल का निर्माण। (चल रही है)
- कौशल विकास में एकाधिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए नौकरी/ट्रेडों का अनुकूलन। (चल रही है)

मानव संसाधन विकास (एचआरडी):

विभाग द्वारा शुरू किए गए विभिन्न अल्पावधि और दीर्घकालिक एचआरडी कार्यक्रमों में विशेष शिक्षा के क्षेत्र में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर स्तर कार्यक्रम में कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक पुनर्वास प्रशिक्षुओं का समर्थन करना शामिल है। देश भर के विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/विशेष शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के सहयोग से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड के माध्यम से कार्य और रोजगार, कौशल, परिवार सशक्तीकरण से संबंधित विषयों पर सम्मेलन, संगोष्ठी, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

एनआईईपीएमडी में दिए कार्यक्रम

2018-19 के दौरान पेश किए गए एकाधिक दिव्यांग कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम इस प्रकार है

संख्या नं	कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम कोड	दाखिल प्रशिक्षु	अवधि
1	घरेलू डेटा प्रविष्टि ऑपरेटर	PwD/SSC/Q2212	20	6 महीने
2	सिलाई मशाीन ऑपरेटर	PwD/AMH/Q0301	10	6 महीने
3	नर्सरी और बागवानी सहायक	NGA	09	6 महीने
4	ऊर्ध्वपातक मुद्रण	SP	08	6 महीने

"मेरी दिव्यांगता ने मेरी असली क्षमताओं को देखने के लिए मेरी आँखें खोल दी हैं।"

- रॉबर्ट एम हेन्सेल

5	फोटाकॉपी,स्पाईरल बाईंडिंग, लेमिनेशन	PSL	11	6 महीने
6	पेपर बैग बनाना	PMB	09	3 महीने
7	ब्वलिंग मशीन ऑपरेटर	BMO	09	3 महीने

घरेलू डेटा प्रविष्टि ऑपरेटर

सिलाई मशीन ऑपरेटर

नर्सरी और बागवानी सहायक

ऊर्ध्वपातक मुद्रण

एक्सपोजर और शैक्षिक यात्रा

एकाधिक दिव्यांग लोगों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण गतिविधि के हिस्से के रूप में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम और उसके दौरे परिगणित किए गए।

आईसीएआर-के.वी.के.-केरल

28 और 29 मार्च 2019 को कृषि विज्ञान केंद्र- आईसीएआर, पथानमथिट्टा, केरल के सहयोग से 16 पीडब्ल्यूओं, 21 माता-पिता, 5 स्वयंसेवकों और 7 प्रशिक्षकों के लिए "एकाधिक दिवयांग और उनके परिवार के सदस्यों के साथ वयस्कों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम" पर एक्सपोजर का दौरा किया गया।

नर्सरी प्रशिक्षण

टीम के सदस्य

"प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानबे प्रतिशत पसीना है ।"

- थॉमसएडिसन

चित्रा टेलोरिंग, आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स इंस्टिटयूट, चेन्नई

18 अप्रैल 2019 को 12 एकाधिक दिव्यांग वयस्क लडकियों, 10 मातापिताओं, 2 कर्मचारियों के लिए "उद्यमिता विकास प्रशिक्षण", का आयोजन के किया गया था। यह कार्यक्रम चित्रा टेलोरिंग, आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स संस्थान, चेन्नाई के सहयोग से आयोजित किया गया था।

गमले की दुकान, अद्यार

उद्यमी विकास के तहत 24 अप्रैल 2018 को अद्यार, चेन्नाई में एकाधिक दिव्यांग परिवार के सदस्यों ने अभिनव मॉडल पहल **जैविक पौधों के गमले की दुकान** का दौरा किया।

बिरला प्लेनिटोरियम, गुइंडी और अन्ना सेंटीनेरी पुस्तकालय, चेन्नई :

जागरूकता सृजन के एक भाग के रूप में प्रशिक्षुओं ने 31 मार्च 2018 को बिरला प्लांनिटोरियम और अन्ना सेंटीनरी लाइब्रेरी, चेन्नाई का दौरा किया।

"मेरे लिए उपलब्धि की सबसे बड़ी भावना यह है कि मैं एक एथलीट था जो कुछ हद तक दिव्यांग था।"

- बिल टुमी

लघु अवधि प्रशिक्षण

12 अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम दिव्यांगों के लिए आकलन प्रक्रिया, कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक प्रशिक्षण मॉडयूल और रोजगार के अवसर, और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम -2016 के कार्यान्वयन पर आयोजित किए गए थे। लक्षित समूह भारत के विभिन्न हिस्सों से माता-पिता, परिवार के सदस्य और पुनर्वास पेशेवर थे।

कार्यक्रम	कार्यक्रम और प्रतिभागियों की संख्या	भाग लेने वाले राज्य
राष्ट्रीय सम्मेलन	02 और 2000	• तमिलनाडु • कर्नाटक • आंध्रप्रदेश • पांडीचेरी • केरल
राज्य स्तरीय सम्मेलन	1 और 1000	
अंचल स्तरीय सम्मेलन	2 और 2000	
श्जला स्तरीय सम्मेलन	7 और 210	

सीआरई कार्यक्रम के विवरण (2018-19)

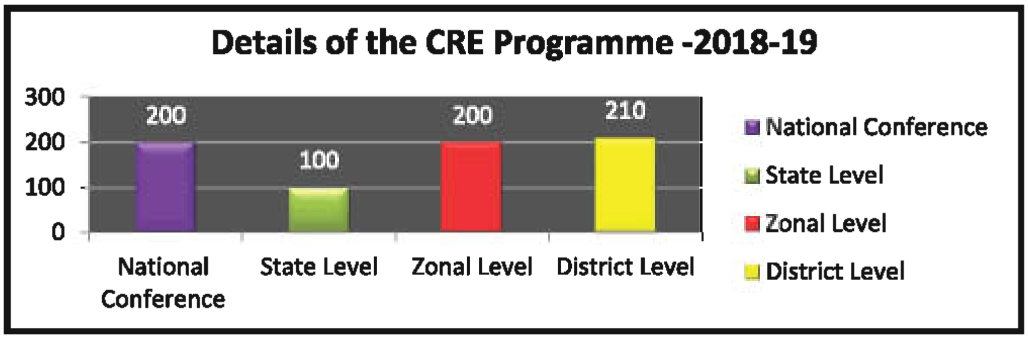

पांडीचेरी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन

एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नाई में राज्य स्तरीय सम्मेलन

पांडीचेरी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन

स्पेस्टीक सोसाइटी, कर्नाटक में राष्ट्रीय सम्मेलन

"दिव्यांगता आपको असाधारण नहीं बनाती है, लेकिन आप जो सोचते हैं, उसके बारे में जानते हैं, यह सवाल करता है।"

- स्टेलायंग

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी%

इस वर्ष के दौरान, कौशल प्रशिक्षण लाभार्थियों ने वकालत और समावेशन के हिस्से के रूप में एनआईईपीएमडी और अन्य संस्थानों में आयोजित विभिन्न सह-शैक्षिक गतिविधियों में भाग लिया।

जीवन कौशल प्रशिक्षण

व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में नामांकित लाभार्थियों को जीवन कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवैडी), श्रीपेरंबदुर में 14 और 15 फरवरी 2019 को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

प्रतिभा का अन्वेषण

27 अक्टूबर 2018 को आयोजित वर्ल्ड ऑक्यूपेशनल थैरेपी डे के अवसर पर, वयस्क प्रशिक्षुओं ने रचनात्मक और कुशल गतिविधियों पर अपने हाथ आजमाने के लिए टैलेंट एक्सप्लोर में भाग लिया।

स्वयं की वकालत

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन 29 अक्टूबर और 3 नवंबर 2018 के बीच किया गया ; सामान्य जागरूकता और स्व-वकालत विकास पहल के हिस्से के रूप में प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

मेरी दिव्यांगता इसलिए नहीं है की मै व्हीलचेयर का उपयोग करता हूँ बल्कि इसलिए है की व्यापक वातावरण सुलभ नहीं है।

हिंदी दिवस

शिक्षुओं ने 17 सितंबर 2018 को आयोजित हिंदी दिवस के दौरान आयोजित होने वाली शिक्षा प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

समारोह:

प्रशिक्षुओं को स्वतंत्र रहने के पाठयक्रम के हिस्से के रूप में वर्ष के दौरान आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षित किया गया।

17 अक्टूबर 2018 को अयूधा पूजा

5 सितंबर 2018 को अध्यापक दिवस

कार्यशाला / संगोष्ठी / सम्मेलन में भाग लेने वाले संकाय :

- आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के संदर्भ में परिमाण और दिव्यांगों के प्रकार के लिए योजना, 17 मई 2018, पांडिचेरी, डॉ के बालाबस्कर।
- दिव्यांग व्यक्ति के लिए कौशल विकास, 3 जुलाई 2018, नई दिल्ली, श्री एम नागेंद्र प्रभु और डॉ के बालस्कर।
- एकाधिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर, 26 और 27 जुलाई 2018, चेन्नई, डॉ के बालाबास्कर और श्री डी गुनसेकर।
- उत्तार पूर्व राज्य में दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए रणनीति योजना, 31 अगस्त 2018, शिलॉन्ग, डॉ के बालाबस्कर।
- दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कार्यान्वयन की स्थिति अधिनियम 2016, 28 अगस्त 2018, चेन्नई, श्री ई राजा और श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- देखभाल पुनर्वास और अनुसंधान में वैश्विक सर्वोत्ताम प्रथाओं के प्रकाश में शारीरिक और मानसिक दिव्यांगताए 24 अक्टूबर 2018, नई दिल्ली, डॉ के बालाबस्कर।
- दिव्यांग व्यक्तियों (आईडी, एमडी, एडीएचडी और सीपी) को मजबूत बनाने के लिए "परिवर्तन के बिना प्रगति असंभव है", 18 और 19 दिसंबर 2018, चेन्नई, डॉ के बालाबस्कर, श्री डी गुनासेकर और श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- भारत में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा को लागू करने में सफलता और बाधाओं को परिलक्षित करना, 28 से 30 मार्च 2019, पांडिचेरी, डॉ के बालाबस्कर, श्री डी गुनासेकर और श्री एम नागेंद्र प्रभु।

"यदि हम एक समृद्ध संस्कृति को प्राप्त करने के लिए हैं, तो हमें एक बुनाई करनी चाहिए जिसमें प्रत्येक विविध मानव उपहार को एक उपयुक्त स्थान मिलेगा।"

- मार्गरेटमीडे

कार्यशालाओं/सेमिनारों/सम्मेलनों में कागज/पोस्टर प्रस्तुति:

- आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के संदर्भ में वयस्कों का आकलन, 8 मई 2018, चेन्नई, डॉ के बालाबस्कर ।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 का कार्यान्वयन - आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 का अवलोकन, 23 जून 2018, पांडिचेरी, डॉ के बालाबस्कर ।
- आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के कार्यान्वयन में कौशल विकास और रोजगार, परिवार और अन्य हितधारकों की भूमिका, 23 जून 2018, पांडिचेरी, श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- पीएसडी और बुजुर्गों के लाभ के लिए डीएसटी द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों के हस्तक्षेप का व्यवसायीकरण, 17 जुलाई 2018, नई दिल्ली, डॉ के बालाबस्कर।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर, 29 अगस्त 2018, कोयंबटूर, श्री डी गुनसेकर।
- दिव्यांग व्यक्तियों में कुशलता, 7 सितंबर 2018, चेन्नई, श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- प्लेसमेंट अधिकारी और रोजगार की भूमिका, 15 सितंबर 2018, कडप्पा आंध्र प्रदेश, श्री डी गुनसेकर।
- एकाधिक दिव्यांग लोगों के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर, 16 सितंबर 2018, कडप्पा, आंध्र प्रदेश, श्री डी गुनसेकर।
- पीडब्ल्यूओं के लिए कौशल प्रशिक्षण और एसआईपीडीए के लिए युक्ति और कार्यक्रम, 13 अक्टूबर 2018, वेल्लोर, श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- पीडब्ल्यूडीयों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना और एनएसडीसी, 21 अक्टूबर 2018, पांडिचेरी, श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- पीडब्ल्यूडीयों के लिए काम और रोजगार और प्लेसमेंट अधिकारी की भूमिका, 13 अक्टूबर 2018, वेल्लोर, श्री डी गुनसेकर।
- पीडब्ल्यूएं के लिए रोजगार और नौकरी के मॉडल, 21 अक्टूबर 2018, पांडिचेरी, श्री डी गुनसेकर।
- एकाधिक दिव्यांगों के वयस्कों के लिए घरेलू कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता, 1 और 2 नवंबर 2018, चेन्नई, श्रीमती आर आनंदनयाकी ।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल विकास पहल, 24 नवंबर 2018, नागरकोइल, श्री एम नागेंद्र प्रभु।

  एकाधिक दिव्यांगों के लिए समावेशी कौशल, 27, 28, 29 नवंबर 2018, नई दिल्ली, डॉ के बालाबस्कर।

  प्रोटोकॉल में व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम रूपरेखा और रोजगार के अवसर, 19 2018, दिसंबर, चेन्नई, डॉ के बालाबस्कर।
- स्किल ट्रेनिंग (ईटीपी/मास्टर ट्रेनर/लैब/फंडिंग) में बदलते परिदृश्य, 19 दिसंबर 2018, चेन्नई, श्री एम नागेंद्र प्रभु।

  स्वतंत्र जीवन कौशल के लिए आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम और इसके निहितार्थ, 26 वें और 27 वें सत्र 2018 के लिए इसका निहितार्थ, गुंटूर, डॉ के बालाबस्कर।
- यूएनसीआरपीडी और इंचियोन रणनीति के प्रकाश में पीडब्ल्यूओं लिए रोजगार के दृष्टिकोण, 29 दिसंबर 2018, चेंन्नाई, डी गुनसेकर।
- पीडब्ल्यूओं के लिए रोजगार की स्थिति और व्यावसायिक पुनर्वास में विभिन्न दृष्टिकोण, 30 दिसंबर 2018, चेन्नई, श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए व्यावसायिक पुनर्वास और पाठयचर्या विकास में एनएसडीसी और एससीपीडब्ल्यूडी की भूमिका, 12 जनवरी 2019, पांडिचेरी, श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए संक्रमण का कौशल, 19 वां जून 2019, मुंबई, डॉ के बालाबस्कर। आरपीडब्ल्यू अधिनियम 2019 के तहत दिव्यांगों का वर्गीकरण, 23 जनवरी 2018, चेंन्नाई, डॉ के बालाबास्कर।
- आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के अनुसार विकलांग व्यक्तियों के लिए रोजगार परिप्रेक्ष्य, 24 जनवरी 2019, चेन्नई, श्री डी गुनासेकर और श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- पारेषण उपकरण के माध्यम से कार्य स्थल और घर के वातावरण में एकाधिक दिव्यांगों के वयस्कों के बीच स्वतंत्र रहने को सक्षम करना, 24 जनवरी 2019, बेंगलोर, डॉ के बालाबास्कर ।

"यह नहीं है कि मैं इतना स्मार्ट हूं, यह सिर्फ इतना है कि मैं समस्याओं के साथ लंबे समय तक रहता हूं ।"

- अल्बर्ट आइंस्टीन

- आईडीडी के व्यक्तियों के लिए रोजगार के मॉडल, 23 और 24 फरवरी 2019, चेन्नई, डॉ के बालबस्कर ।
- श्री एम नागेंद्र प्रभु और श्री गोविंदराज, पीडब्ल्यूओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर, 7 फरवरी 2019, पांडिचेरी, डॉ के बालबस्कर।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल प्रशिक्षण, 15 फरवरी 2019, बैंगलोर, श्री एम नागेंद्र प्रभु।
- पीडब्ल्यू डीयों के लिए संक्रमण नियोजन कार्यक्रम, 16 फरवरी 2019, बैंगलोर, श्री ए एम गोविंदराज।

विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा को लागू करने में सफलता और बाधाओं को दर्शाना, 30 मार्च 2019, पांडिचेरी, डॉ के बालाबस्कर।

शैक्षणिक

डी.एड ईडी के पाठ्यक्रम में कागजात, इकाइयाँ और अध्याय सोकियो से संबंधित दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सामाजिक-व्यावसायिक-आर्थिक सशक्तिकरण। विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में विभाग द्वारा डीएड सीपी; डीएड एएसडी; डीएड एमडी; बीएड एएसडी; बीएड एमडी; एमएड एएसडी; एमएड एमडी पाठ्यक्रम वितरित किए गए थे।

वर्ष 2018-19 के दौरान लिए गए मानव संसाधन विकास कक्षाओं के विवरण:

वर्ष 2018-19 में डीएड एसई, बीएड एसई और एम एड एसई पाठ्यक्रम के लिए, 207 घंटे के सिध्दांत और 758 घंटे की व्यावहारिक कक्षाएं ली गईं।

प्रशंसापत्र:

आगंतुक - 3 जनवरी 2019 को यूनिवर्सिटी ऑफ आईओडब्ल्यू-यूएसए, संकाय विनिमय कार्यक्रम और ज्ञान साझा करने की पहल

छात्र विनिमय कार्यक्रम; मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी 11 जनवरी 2019

आजीविका के अवसरों की खोज : एक्सेंचर यूएसए और लियोनार्ड चेशायर दिव्यांगता के टीम के सदस्य, दक्षिण एशिया क्षेत्र।

"मैं अपनी क्षमता में" DIS "नहीं रखने का विकल्प चुनता हूं।"

- रॉबर्ट एम। हेन्सेल

माता-पिता (क्लाइंटस) के सफलता की कहानी

पुनर्वास - महान जिम्मेदारी जिसे प्रक्रिया में शामिल संकाय और प्रशिक्षकों की प्रतिबध्दता के साथ ही पूरा किया जा सकता है ; प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक हिस्सेदार समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। व्यक्ति और परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को तय करने में मूल कारक होने के रूप में व्यावसायिक सशक्तिकरण को विशिष्ट पहचान मिलती है। एकाधिक दिव्यांग लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया में व्यावसायिक सशक्तिकरण थोड़ा बड़ा है। यह कौशल विकास और बाद में स्वतंत्र जीवन को बढ़ावा देने वाले संबध्द कौशल के साथ शुरू होना चाहिए। एनआईईपीएमडी न केवल क्लाइंट्स बल्कि उनके परिवार के "पेरेंट्स चाइल्ड सपोटर्ेड एंप्लॉयमेंट इंसेंटिव्स" के माध्यम से पुनर्वास में विशेष रूप से शामिल है।

एनआईईपीएमडी प्रशिक्षु आर सुगानिया, मंजरी सिलाई कृतियों को श्रेणी के सबसे आत्मनिर्भर बहुविकल्पी, (महिला श्रेणी) के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा, हमारे प्रशिक्षु एम कार्तिकेयन, वेट्री क्रिएशन्स को श्रेणी के सबसे आत्म नियोजित एकाधिक दिव्यांग (पुरुष श्रेणी) के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 3 दिसंबर 2018 को, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू से पुरस्कार मिला।

बेस्ट सेल्फ एम्प्लॉयड (मल्टीपल डिसएबिलिटी) की श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार सुश्री आर सुगन्या, मंजरी सिलाई क्रिएशंस और श्री एम कार्तिकेयन, वेट्री क्रिएशन्स

अनुसंधान एवं विकास:

श्री आर दिनेश एनआईईपीएमडी प्रशिक्षु, पुस्तकालय सहायक को अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नाई में 3 दिसंबर 2018 में एएमईटी विश्वविद्यालय ने सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (बौध्दिक दिव्यांगता) श्रेणी के तहत राज्य पुरस्कार प्राप्त हुआ। डॉ वी सरोजा, माननीय समाज कल्याण मंत्री

अमेट यूनिवर्सिटी में नियुक्त लाइब्रेरी सहायक, एनआईईपीएमडी प्रशिक्ष को राज्य पुरस्कार मिला

"मैं अलग हूं लेकिन कम नहीं हूं ।"

- मंदिर ग्रैंडिन

स्किलिंग और प्लेसमेंट में भागीदारी की इस प्रक्रिया ने एकाधिक दिव्यांगताओं के व्यक्तियों को सशक्त बनाने में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) और इंडिविजुअल सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (आईएसआर) की भूमिका को साबित किया।

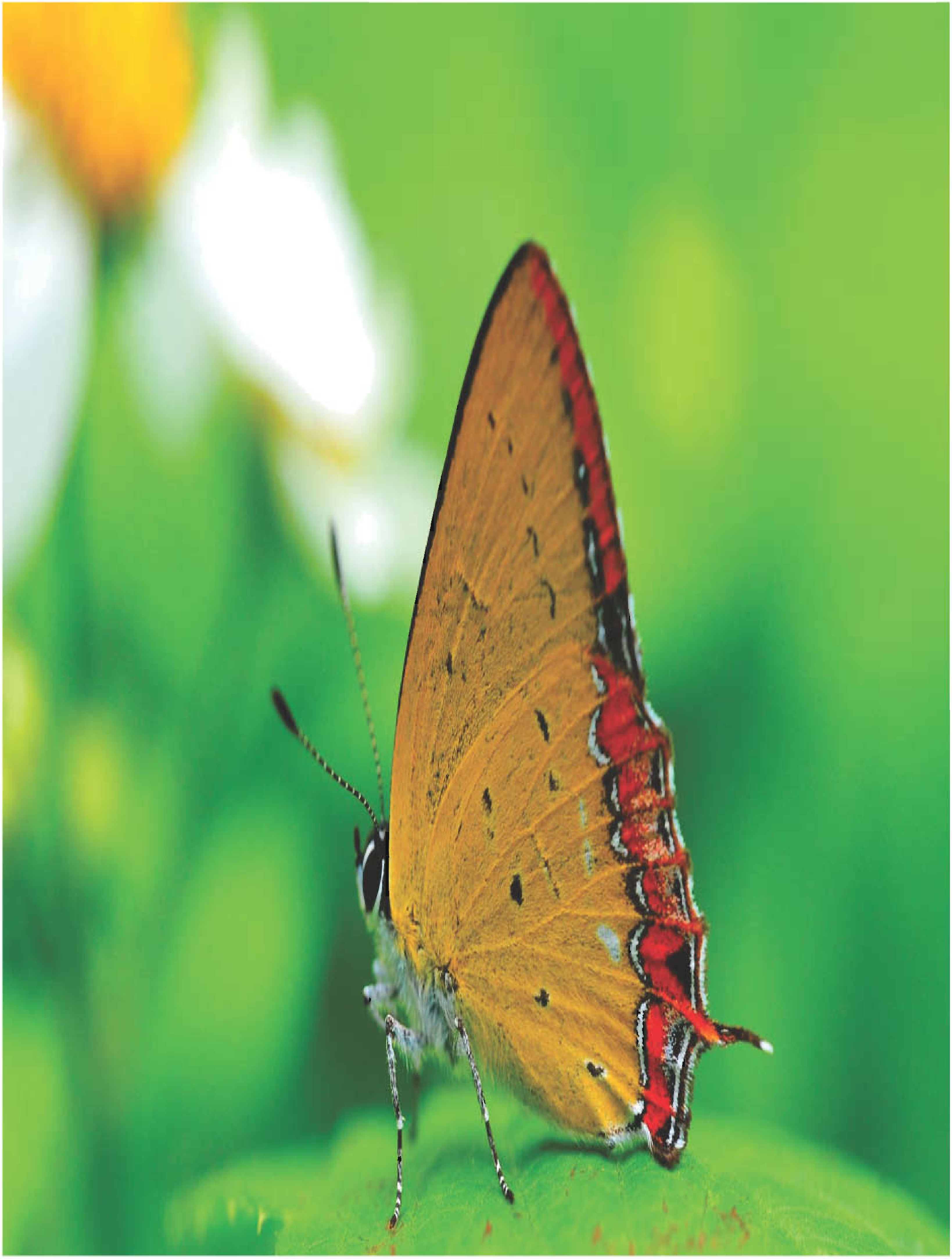

अध्याय 11

सामाजिक कार्य विभाग

"बेहोश होना परम दिव्यांगता है ।"

- जेसा गैंबल

प्रस्तावना:

सामाजिक कार्य विभाग का मुख्य लक्ष्य दिव्यांग व्यक्तियों तथा उनके परिवारों की मूल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समर्थन प्रदान करना एवं उनके हालचाल में सुधार लाना है। यह विभाग दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने में मदद करता है, विशेष रूप से उन्हें, जो कमजोर, पीड़ित और गरीबी में जीवन यापन करते हैं। यह विभाग अंतःविषयी दृष्टिकोण के जरिये व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, समुदायों के जीवन में गुणवत्ता बढाने की कामना करता है।

इस विभाग में चिकित्सा, केस प्रबंधन, मूल्यांकन और व्यवहार हस्तक्षेप के द्वारा लाभार्थियों को प्रत्यक्ष अभ्यास का प्रदर्शन करवाया जाता है। यह विभाग परिवारों, समुदाय योजना बनाना, नीति विकास, स्व-समर्थन प्रयास, अनुसंधान एवं सबूत आधार अभ्यास के प्रयोग में भी शामिल है, ताकि क्लाईंट डीपीओ, एनजीओ, विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थान, पाठशालाएँ, सरकारी संगठनों, आदि के साथ नेटवर्क बनाए रख कर उत्तम सेवाएँ प्राप्त कर सकें।

उद्देश्य:

- दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन के साथ जुड़े शारीरिक, भावुक तथा सामाजिक तनाव पर परिवारों को सहायता प्रदान करना;
- लाभार्थियों को संस्थान और समुदाय में पुनर्वास सेवाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने में सक्षम बनाना;
- लाभार्थियों के संपूर्ण पुनर्वासऔर समाज में उनके एकीकरण के लिए योगदान करना;
- लाभार्थियों, उनके परिवारों और समुदाय में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करना।
- सामाजिक कार्य के क्षेत्र में मानव शक्ति विकास करना ताकि दिव्यांग व्यक्तियों का पुनर्वास हो सके,
- दिव्यांग व्यक्तियों से संबंधित अनुसंधान कार्य करना

सामाजिक कार्य में वर्ष 2018-19 के दौरान पंजीकृत क्लाईंट

वर्ष	नए केसेस्	फालोअप
2016 - 17	3244	5166
2017 - 18	3121	1551
2018 - 19	2828	27317

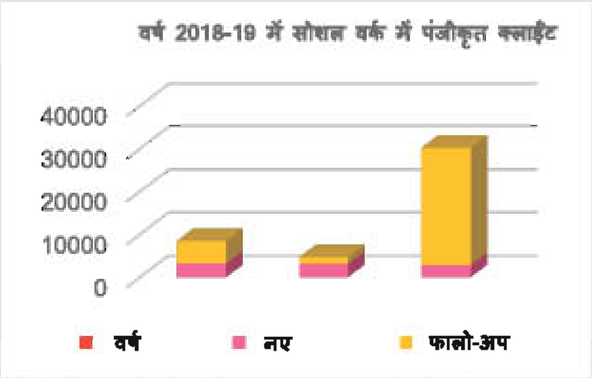

"दिव्यांग होने का मतलब जीवन के हर पहलू तक पहुंच से अयोग्य होना नहीं है।"

- एम्मा थॉम्पसन

सेवा और कार्यक्रम इकाई एन.आई.ई.पी.एम.डी.में विभिन्न पुनर्वास सेवाओं का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को सुविधा प्रदान करती है।उचित पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करने के लिए ट्रांसडिसिप्लिनरी बैठकों का नियमित रूप से आयोजन करना और केस प्रस्तुतीकरण या केस कांफरेंस के द्वारा हस्तक्षेप के क्षेत्रों को पहचानना।

अन्य सेवाएँ			
स्थानीय बस पास	612	टेलीफोन द्वारा प्रदान की गई जानकारी	7147
बाहर स्थान के लिए बसपास	69	जाँच मूल्यांकन	0
रेल यात्रा पास	72	गेस्ट हाउज़	04
परिवार कुटीर	45	समग्र रिपोर्ट	82
राहत देखभाल सेवाएँ	04	जारी किया गया बोनाफाइड प्रमाण पत्र	34
कुल 8069			

एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने प्राइमरी देखभालकर्ताओं (माता-पिता) को पोषण, संवर्धन और व्यक्तित्व विकास के लिए अवसर देकर नियमित समूह सत्रों का आयोजन किया।

विभाग ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोकथाम तथा पुनर्वास को बढ़ावा देने वाले पहलू जैसे, शिक्षा, स्वस्थ्य, रोजगार तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा मानवशक्ति विकास, दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास प्रदान करने के लिए विस्तारण केन्द्रों की स्थापना की।

विभाग को एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशित करने का कार्य सौंपा गया। चैलेंजिंग एक्स्क्लूजन, ए जर्नल फार दि प्रमोशन ऑफ इन्क्लूजिव सोसाइटीस् एक अंतर्राष्ट्रीय पीयर रिव्यूड जर्नल है, जो दिव्यांगों, विशेष आवश्यकता वालों, या लिंग, धर्म, गरीबी या अनुसूचित जाती व जनजाती के अनुसार उनके पदनाम वाले अन्य लोगों के सभी हाशिये पर रहने वाले समुदायों की शिक्षा एवं कल्याण को समर्थन करने के लिए अधिक समावेशी तथा सतत दृष्टिकोण को प्रोन्नत करने वाले लेखों को प्रकाशित करता है। अनुसंधान आधारित पाँच लेख प्राप्त हुए, वर्ष 2020 में इन लेखों को प्रकाशित करने की अपेक्षा है।

जर्नल के अलावा, विभिन्न दिव्यांगताओं पर पुस्तिकाओं पर कार्य भी आरंभ किया गया है और वर्ष 2020 में पूरा करने की अपेक्षा है।

- पार्किनसन रोग पर मैनुअल
- बहुविध विकलांगताओं पर मैनुअल
- मल्टीपल स्क्लेरोसिसि पर पर मैनुअल
- बधिरांधता और उसका प्रबंधन पर मैनुअल

- मानसिक रोग पर पर मैनुअल
- ऑटीज्म स्पेक्ट्रम विकारों पर मैनुअल
- ऑटीज्म स्पेक्ट्रम विकारों पर मैनुअल
- विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता पर मैनुअल

विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता पर मैनुअलहाल ही के प्रवृत्तियों और आवश्यकताओं के अनुरूप एन.आई.ई.पी.एम.डी. स्टेकहोल्डरों, व्यावसायिकों, अभिभावकों तथा लाभार्थियों के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता है।.

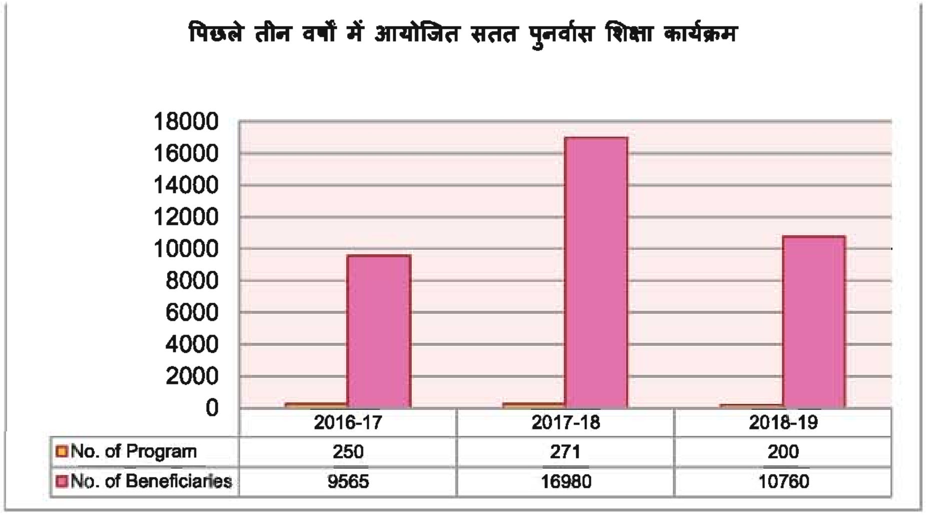

विभाग, ज्ञान के अंतराल को पाटने के लिए व्यावसायिक विचारकों को अपने बहुमूल्य विचारों को व्यक्त करने और विकलांगता और उसके पुनर्वास के क्षेत्र में अपने शोध को आदान प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है।

<u>हमारे व्यावसायिकों द्वारा जर्नलों के लिए योगदान</u>

- राजेश रामचन्द्रन व सी कयालविझि, ट्रांस डिसिप्लिनरी अप्रोच, बुक ऑफ अब्स्ट्राक्ट्स् में प्रकाशित, विकासात्मक दिव्यांगताओं में हाल ही के विकासों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वाद विवाद एवं दुविधाएँ, 20 व 21 फरवरी, 2019, एन.आई.ई.पी.एम.डी. एवं संत जान ऑफ गॉड कालेज आफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।
- राजेश रामचन्द्रन, 2019, एफेक्टिव ट्रांसिशन फार स्टुडेन्ट्स् विद मल्टीपल डिसबिलिटीज, एक नमूना, डॉ रीता पेशावरिया मेनन फेलोशिप द्वारा समर्थित पुनर्वास व्यावसायिकों एवं अभिभावकों के लिए सचित्र संसाधन पुस्तक, आईएसबीएन 978-81-936459-2-5
- राजेश रामचन्द्रन, डॉ.डी बालकृष्णन, सी कलाविझी, वी श्री राज्यलक्ष्मी, प्रेडिक्टिंग दि प्रॉबबिलिटी फार फाल्स् इन चिल्ड्रन विद डिसबिलिटीज, आटीज्म, इंटलेक्चुवल डिसबिलिटी एण्ड सेरेब्रल पालसी यूजिंक टाईम्ड अप एण्ड गो टेस्ट पर अनुसंधान लेख, आईजेआरटी द्वारा प्रकाशित आईएसएसएन युजिसि अनुमोदित एवं 5.97 इम्पैक्ट फैक्टर वाल्युम 6 संस्करण, 2 अप्रैल 2018
- राजेश रामचन्द्रन ने स्टेटस ऑफ अप्लिकेशन ऑफ एविडेंस बेस्ड इंटरवेंशन स्ट्रैटजीस फार चिल्ड्रन विद आटीज्म इन स्कूल्स्, पर एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नालजी पर 29 जून, 2018 को आयोजित आटीज्म पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।
- अमला, मेरी, राजेश रामचंद्रन, सी कयालविझी, एवं वी श्री राज्यलक्ष्मी, केरिंग फार ए चाइल्ड विद मल्टीपल डिसबिलिटीज लीड्स् टु डिस्ट्रेस काजिंग बर्डन अमांग प्राइमरी केयर गिवर्स एन एनालसिस्, पर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अड्वांस्ड रीसर्च, आईएसएसएन 2320-5407, इन्ट जे अड्व 6(5) 1175-1188
- दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा माडल इंक्लूजिव स्कूल सेट अप करने के लिए टास्क फोर्स बनाने में एन.आई.ई.पी.एम.डी. ने सुविधा प्रदान की। इसके परिणाम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को प्रस्ताव भेजा गया।

"मेरे पास एक क्षमता नहीं है, मेरे पास एक अलग क्षमता है।"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

जब आपके पास एक दिव्यांगता होती है, तो यह जानकर कि आप इसे परिभाषित नहीं करते हैं, यह सबसे प्यारी भावना है। '

- ऐनी वेफुल्ला स्ट्राइक

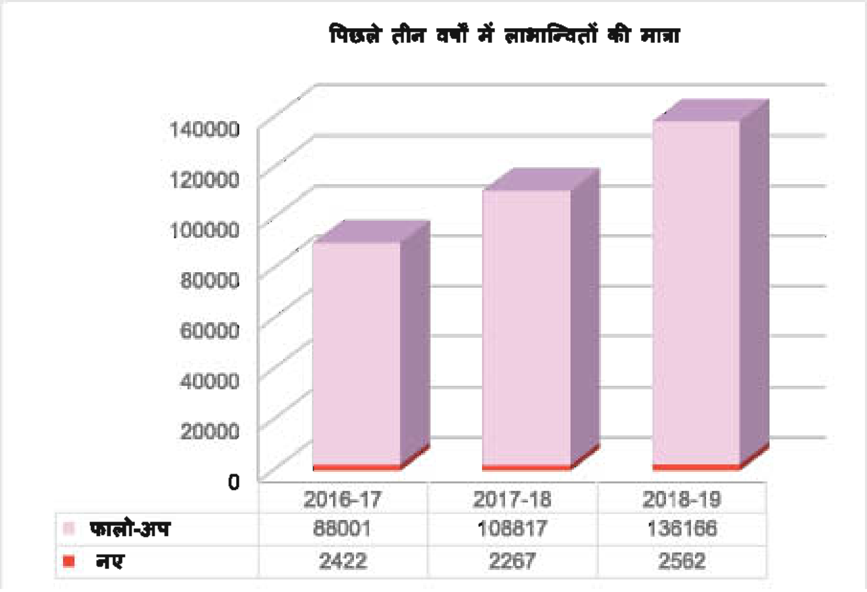

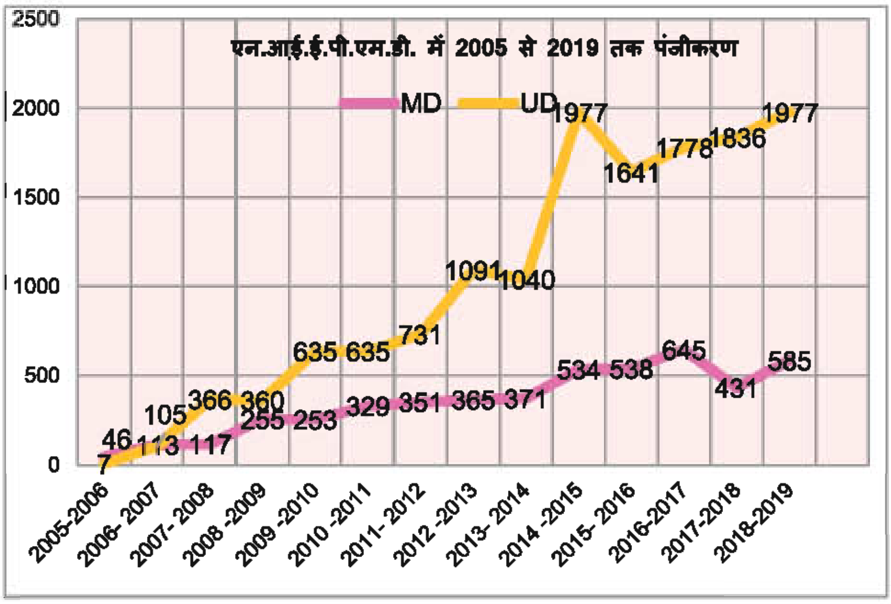

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- पांचवा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समावेशी शिक्षा पर, लाइफ साइकिल अप्रोच ऑन इन्क्लूजन, मल्टीपल डिसबिलिटीज, 28, 29 व 30 नवम्बर 2018, एन.आई.ई.पी.एम.डी. एवं अमरज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट एवं एशियन सेन्टर फार इन्क्लूजिव एजुकेशन एट बांग्लादेश, नई दिल्ली
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 8 व 9 दिसम्बर, 2018 को, रामैया मेडिकल कालेज एवं कामनवेल्थ असोसियेशन फार हेल्थ एण्ड डिसबिलिटी एन.आई.ई.पी.एम.डी. के सहयोग से बेंगलुरु में आयोजित।
- ग्लोबल ऑटीज्म कंवेंशन 10 से 12 दिसम्बर, 2018 तक, अकादमी फार सिवियर हैंडिकैप्स् एण्ड ऑटीज्म, आशा चैरिटेबल ट्रस्ट, एन.आई.ई.पी.एम.डी. के सहयोग से बेंगलुरु में आयोजित
- शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बी द डिफरेंस, इक्वालिटी टु ईक्विटी इन एजुकेशन, 16 से 19 जनवरी, 2019 तक, विशेष शिक्षा विभाग, एसएनडीटी विश्वविद्यालय एन.आई.ई.पी.एम.डी. के सहयोग से मुम्बई में आयोजित

- विकासात्मक दिव्यांगताओं पर हाल ही के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वाद विवाद एवं दुविधाएँ, 20 से 21 फरवरी, 2019 तक, एन.आई.ई.पी.एम.ड़ी. एवं संत जान ऑफ गाड कालेज आफ स्पेशल एजुकेशन, कोटायाम, केरल के संयुक्त आयोजन।

राष्ट्रीय सम्मेलन / कार्यशाला / सेमिनार :

- आँध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम के सहयोग से 5 व 7 अप्रैल, 2018 को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 पर राष्ट्रीय सम्मेलन
- एन.आई.ई.पी.एम.डी. 18वाँ न्यूरोलोजी राष्ट्रीय सम्मेलन, चैप्टर ऑफ आईएपी, न्यूरो पेडीकॉन 2018, 7-9 सितम्बर, 2018, नई दिल्ली का आयोजन में तकनीकी साझेदार रहा।
- जनजातीय समुदाय, वायनाड जिला,केरल में डब्ल्युएसएसएस द्वारा एन.आई.ई.पी.एम.डी. के सहयोग से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए 7 अप्रैल, 2018 को समीनार का आयोजन किया गया।
- आरपीडब्ल्युडी अधिनियम 2016 का प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए रोड मैप पर पांडीचेरी विश्वविद्यालय में 17 मई 2018 को राष्ट्रीय सेमीनार
- रायपुर, छत्तीसगढ़ में दिव्यांग व्यक्तियों एवं बहुदिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार पर राष्ट्रीय सम्मेलन 24 व 25 मई 2018 को आयोजित किया गया।
- क्रियेट परियोजना, दि लेप्रसी मिशन ट्रस्ट, भारत द्वारा सीएसओ के लिए राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन 27 से 29 जून, 2018 को एन.आई.ई.पी.एम.डी. के साझेदारी से किया गया।
- अधिगम विकलांगता पर माल्टा विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा एन.आई.ई.पी.एम.डी. में 2 व 3 नवम्बर, 2018 को सेमीनार का आयोजन किया गया।
- अर्ली इंटरवेंशन फार चिल्ड्रन विद इंटलेक्चुवल डिसबिलिटी एण्ड असोसियेटेड कंडीशन्स् पर 15 व 16 नवम्बर, 2018 को 15 वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन
- सवीता विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 30 नवम्बर 2018 से 1 दिसम्बर, 2018 को अंडरस्टैंडिंग सोशो इमोशनल एस्पेक्ट्स ऑन इंडीवीजुवल्स् विद डिसबलिटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन
- ब्लाईंड रिलीफ असोसियेशन, नई दिल्ली के साझेदारी से 22-23 दिसम्बर, 2018 को बिल्डींग एन्टी आप्रेसिव स्ट्रेन्थ बेस्ड पार्टनरशिप फार सोशल वर्क पर राष्ट्रीय सम्मेलन
- अर्ली आइडेन्टीफिकेशन ऑफ चिल्ड्रन एट रिस्क ऑफ आटीज्म स्पेक्ट्रम डिसार्डर पर 21 व 22 मार्च 2019 को राष्ट्रीय सम्मेलन
- वीओसी कालेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन, थूतिकुडी के सहयोग से 9 अप्रैल से 13 अप्रैल, 2018 को स्ट्रैटजीस फार इन्क्लूजिव एजुकेशन पर सीआरई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- स्पीकिंग हैंड्स् वेल्फेर फाउन्डेशन में 26 से 30 सितम्बर 2018 को अंडरस्टैंडिंग ट्रांसीशन इन दि लाइफ ऑफ पर्सन्स् विद डिसबिलिटीज़ अक्रास लाइफ स्पैन, इंफांट, चिल्ड्रन एण्ड अडॉलसेंट पर सीआरई कार्यक्रम का आयोजन किया गया
- एशिया विश्वविद्यालय. ताइवान से सोशल वर्क के स्टाफ एवं विद्यार्थियो ने एक्स्चेन्ज प्रोग्राम के तहत एन.आई.ई.पी.एम.डी. को 23 जुलाई 2018 को भेंट की।

जागरूकता कार्यक्रम

- पुदुचेरी सरकार के सामाजिक कल्याण निदेशालय ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 23 जून, 2018 को किया।
- श्री राजेश रामचंद्रन एवं डॉ.जे.विजयलक्ष्मी ने कंजीपुरम जिले के डाक्टरों को आरपीडब्ल्युडी अधिनियम पर अभिमुखी किया। लगभग 200 डाक्टरों एवं पैरा मेडिकल व्यावसायिकों ने इस कार्यक्रम में चेंगलपेट मेडिकल कालेज, चेन्नई में 13 दिसम्बर, 2018 को भाग लिया।

संसाधन व्यक्ति के रूप में संकाय सदस्य

- श्री राजेश रामचंद्रन ने सोशल इंक्लूजन एण्ड डिसबिलिटी पर टीएनसीडीडब्ल्यु पर एसआईआरडी, चेन्नई में आयोजित कार्यशाला में सोशल इंक्लूजन एण्ड डिसबिलिटी पर प्रस्तुत किया।
- श्री राजेश रामचंद्रन, आरओ को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर कंजीपुरम के कलेक्टर द्वारा सराहनीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

"रवैया एक छोटी सी बात है जो एक बड़ा बदलाव लाती है।"

- विंस्टन चर्चिल

"किसी भी निराशावादी ने कभी तारों के रहस्य की खोज नहीं की, या एक अज्ञात भूमि पर रवाना हुए, या मानव आत्मा के लिए एक नया द्वार खोल दिया ।"
- हेलेन केलर

- डॉ.ए.अमरनाथ ने रोल ऑफ सोशल वर्कर ऑन इंक्लूजिव एजुकेशन पर एनआईएमएचएएनएस बैंगलूर में 3 जनवरी, 2018 को प्रस्तुत किया।
- डॉ.ए.अमरनाथ ने रोल आफ एन.आईस् इन इम्प्लिमेंटिंग राइट्स् ऑफ पर्सन्स विद डिसबिलटीज़ ऐक्ट 2016 पर राष्ट्रीय स्तर कांफरेंस पर 24 जनवरी, 2019 को प्रस्तुत किया।

संकाय सदस्यों की सहभागिता :

- श्री राजेश रामचंद्रन ने अखिल भारतीय जोनल समन्वयन समिति की अधिवेशन में 10 अप्रैल 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली में भाग लिया।
- श्री राजेश रामचंद्रन ने एसएनएसी, तमिलनाडु, आरयुसीओडीई द्वारा आयोजित स्टेट लेवेल ओरियेन्टेशन कार्यक्रम में लोकल लेवेल कमिटी तथा लीगल गार्डियनशिप फार आरओ, तमिलनाडु में 24 जनवरी, 2019 को उद्घाटन किया।
- श्री राजेश रामचंद्रन ने 17 जनवरी, 2019 को आरसीआई, नई दिल्ली में आयोजित डीईसीएसई (एमआर) पाठ्यक्रम की पुनरीक्षण बैठक में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।

उत्तम प्रथाएँ:

- स्केल फार असेसमेंट ऑफ स्किल्स् फार ट्रांसीशन (एसएएसटी) फर स्टुडेन्ट्स् विद मल्टीपल डिसबिलिटीज़ का पाठचर्या सहित विकसित किया गया और माडल स्कूल के ट्रांसीशन इकाई में इसको क्रियान्वित किया जा रहा है।
- सामान्य सेवाओं को आने वाले क्लाईटों के लिए सेवाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से क्लिनिट अड्वाइजरी समिति का गठन किया गया। समिति में बहुदिव्यांग व्यक्तियों के अभिभावक को भी शामिल किया गया। समिति तीन महीनो में एक बार बैठक का आयोजन करती है।
- कहानी सुनाना हमेशा ही एक कला और संप्रेषण व सामजिक कौशल बढ़ाने का एक शानदार तरीका रहा। श्री पांडियाराजा, फ्री लांस स्टोरी टेलर द्वारा कहानी सुनाने के सत्र आयोजित किये जा रहे हैं।

मानव संसाधन विकास

- दिव्यांगताओं मे पुनर्वास प्रशिक्षण, 2017 से एम.एस.डब्लयुत के अंतिमवर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक माड्युलर पाठ्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम एम.एस.डब्ल्यु. छात्रों के लिए हिन्दुस्तान कालेज ऑफ आर्ट्स् व साइंस, चेन्नई द्वारा संचालित किया जा रहा है।
- भारतीय पुनर्वास परिषद् ने एम.ए.सोशल वर्क इन डिसबिलिटी स्टडीज को अनुमोदन दिया है, विश्वविद्यालय

विभिन्न संस्थानों से इंटर्न

संस्थान का नाम	सं	संस्थान का नाम	सं
स्टेल्ला मेरीस कालेज चेन्नई	03	कावेरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, त्रिची	01
मणिपाल विश्वविद्यालय, कर्नाटक	01	लोयोला कॉलेज, चेन्नई	02
मद्रास क्रिस्टियन कॉलेज, चेन्नई	03	मद्रास स्कूल ऑफ सोशल वर्क, चेन्नई	01
क्रैस्ट विश्वविद्यालय, बेंगलुरु	01	इंद्र गांधी मुक्त विश्वविद्यालय	02
टीआईएसएस ब्लाम, चेन्नई	01	बिशप हेबर कॉलेज, त्रिची	02
हिन्दुस्तान कालेज ऑफ आर्ट्स् व साइंस. कोयम्बतूर	02	सर्टिफिकेट कोर्स - केयर गिवर्स, (एन आई ई पी एम डी), चेन्नई	16
महीन्द्र कालेज ऑफ आर्ट्स् व साइंस, नम्मक्कल	02	पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी	02
	कुल	39	

"हालांकि मुश्किल जीवन लग सकता है, हमेशा कुछ ऐसा होता है जिसे आप कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।"

- स्टीफन हॉकिंग

हम भविष्य को बदलते हैं।

एन.आई.ई.पी.एम.डी.के सामाजिक कार्यकर्ता, दिव्यांग व्यक्तियोंके सभी तरीकों की वकालत करने और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने के लिए दिव्यांगजनों के विभिन्न तरीकों में भलाई करने के लिए व्यक्तियों, परिवारों, समूहों और समुदायों के साथ काम करके परिवर्तन क्षमता बनाते हैं।

प्रशंसा पत्र

इंटर्न

(श्री रोनाल्ड मोसेस, मद्रास स्कूल ऑफ सोशल वर्क)

एनआईईपीएमडी में एक अच्छा कार्य जीवन संतुलन, सुखद काम का माहौल है और पर्यवेक्षक छात्रों के लिए कैरियर के विकास के समर्थक हैं। संस्थान अपनी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के द्वारा कई दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए एक सटीक योजना प्रदान करता है। आदान प्रदान की गई जानकारी के प्रकार, यह मूल्यवान सीखने के अवसरों के लिए भी एक मंच है।

(सुश्री रेचल डेविड, स्टेल्ला मरिया कालेज)

मुझे, प्रशिक्षु प्रशिक्षु के रूप में एन.आई.ई.पी.एम.डी.में विभिन्न सेवाओं का पता लगाने का अवसर दिया गया और बहु दिव्यांग लोगों के परिवार के सदस्यों के बीच सामाजिक कार्य के तरीकों का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह एक दिलचस्प परिणाम था, मेरे पर्यवेक्षक के रूप में, श्री राजेश रामचंद्रन ने रचनात्मकता और नेतृत्व कौशल से संबंधित गतिविधियों पर कई इनपुट दिए। मुझे अर्ली इंटरवेंशन यूनिट में भाग लेने वाले बच्चों के पोषण संबंधी पहलुओं पर एक छोटा सा अध्ययन से भी अवगत कराया गया।

अभिभावक

मैं अपने बच्चे के मूल्यांकन के लिए एन.आई.ई.पी.एम.डी. को आया था। एन.आई.ई.पी.एम.डी. में वातावरण ऐसा नहीं लगता है कि, यह एक सरकारी संस्थान है। मूल्यांकन करने और सेवाओं की व्याख्या करने में पेशेवरों की प्रतिबद्धता काफी सराहनीय है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यहाँ व्यावसायिक दृष्टिकोण है, सभी आकलन के बाद मुझे अपने बच्चे के संबंध में कार्रवाई की योजना को समझने के लिए बनाया गया था।

दादा-दादी

मैं एन.आई.ई.पी.एम.डी. की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए आ रहा हूँ और छः वर्ष होगये। एन.आई.ई.पी.एम.डी. सेवाओं में क्लिनिक अडवाइजरी बोर्ड है जहाँ हम सेवाओं से संबंधित समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं। विभाग सेवाओं को आने वालों के लिए बाहर सैर करने का प्रबंधन करता है। यहाँ जो कोई भी अवसर दिया जा रहा है, उसके लिए मैं आभार हूँ, विभाग मेरे पोते की प्रतिभा को बढ़ावा दे रहा है।

अध्याय 12

विस्तार तथा आउटरीच सेवाएँ

जब आप हवा की दिशा नहीं बदल सकते हैं - अपने पालों को समायोजित करें

- एच.जैक्सन ब्राउन

प्रस्तावना

ग्रामीण, दूर-दराज और रिमोट के क्षेत्रों में रहने वाले कई दिव्यांगजन को शहरी क्षेत्रों में रहने वाले दिव्यांग व्यक्तियों की तरह ध्यान नहीं मिलता है। उपलब्ध सेवाओं - मूल्यांकन, निर्धारण, निदान, चिकित्सा, फिटमेंट, काउंसलिंग और जागरूकता पैदा करना, आदि को उपलब्ध बनाने के उद्देश्य से -एन.आई.ई.पी.एम.डी. द्वारा आउटरीच सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। एन.आई.ई.पी.एम.डी.इसी को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग श्रेणियों के अलग-अलग आयु वर्ग के विकलांग व्यक्तियों तक पहुंचने के लिए नई स्ट्रैटजीस् को बढ़ावा देने के लिए कार्य करते हैं। एन.आई.ई.पी.एम.डी. विस्तारण केन्द्र निम्नलिखित स्थानों से कार्य आरंभ करना शुरु किया है।

- पोर्ट ब्लेर, अंदमान व निकोबार द्वीपसमूह
- राजीव गाँधी नेशनल इंस्टीट्यूट फार दि यूथ डेवलपमेंट, श्री पेरुम्बुदुर, तमिलनाडु
- भुवनेश्वर, ओडिषा

नैदानिक उपकरणों और फिटमेंट सहायता से सुसज्जित बहुविषयी टीम ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में शिविर लगाकर सेवाएं प्रदान करती है ।इसके अतिरिक्त वे ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय एनजीओ को सेवा केन्द्र, प्री स्कूलों तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना के लिए दिशा निर्देश प्रदान करती है। एडिप योजना, अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम, अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार, कांफरेंस, कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जागरूक कार्यक्रमों, दिव्यांग बच्चों व व्यक्तियों के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन, एससी, एसटी, पूर्वोत्तर राज्यों आदि में विशेष कार्यक्रमों में एनआईईपीएमडी मदद देता है (पीएमएसटीपी, सिपडा, आर व डी, एचआरडी)। केंद्र में कुशल श्रमशक्ति को नियुक्त करके और ग्राहकों को अच्छी तरह से संरचित गुणवत्ता सेवाएं प्रदान करके तकनीकी केंद्र से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एक्सटेंशन सेंटर के क्रियाकलापों को पूर्ण रूप से कार्य कर सकें।

विस्तारण केन्द्र के उद्देश्य :

१. दूर से आने वाले क्लाईंटों के लिए विभिन्न सेवाओं तक पहुंच प्रदान करना।

२. एनआईईपीएमडीकी सेवाओं का विस्तार करना।

केन्द्र के क्रियाकलाप

- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करना (स्पे.एड, फिजियोथेरपी, आक्युपेशनल थेरेपी, साइकोलोजीकल काउन्सेलिंग, स्पीच थेरेपी, आदि)
- दिव्यांग व्यक्तियों व उनके अभिभावकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए तथा उनके परिवारों के लिए विविध अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना
- पीडब्ल्युडी के लिए कोकरीकुलर तथा एक्स्ट्रा करीकुलर क्रियाकलापों का आयोजन करना
- पीडब्ल्युडी के लिए साधन व उपकरण प्रदान करना
- जागरूकता कार्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, दिव्यांग व्यक्तियों एवं उनके परिवारों की साधिकारिता एवं समुदाय जुटाना
- प्रलेखीकरण तथा रिकार्ड कीपिंग

"हालांकि दुनिया दुख से भरी है, लेकिन उसका साधन भी मौजूद है"

हेलेन केलर

"गलतरवैयाजीवनमें एकमात्रदिव्यांगताहोतीहै।" - स्कॉटहैमिल्टन-

स्थान	नए केसेस्		फालोअप	
	यूडी	एमडी	यूडी	एमडी
दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए तमिलनाडु सरकार को समर्थन सेवाएँ	408	496	5776	679
अंदमान व निकोबार द्वीपसमूह	78	2	2381	1239
राजीव गाँधी नेशनल इंस्टीट्यूट फार यूत डेवलपमेंट, श्रीपेरुम्बुदुर	48	34	18250	9871
भुवनेश्वर,ओडिषा	349	170	26407	**11789**
कुल	**883**	**702**	**52814**	**23578**

यूडी : अनोखा दिव्यांगता, एमडी : बहुविध दिव्यांगता

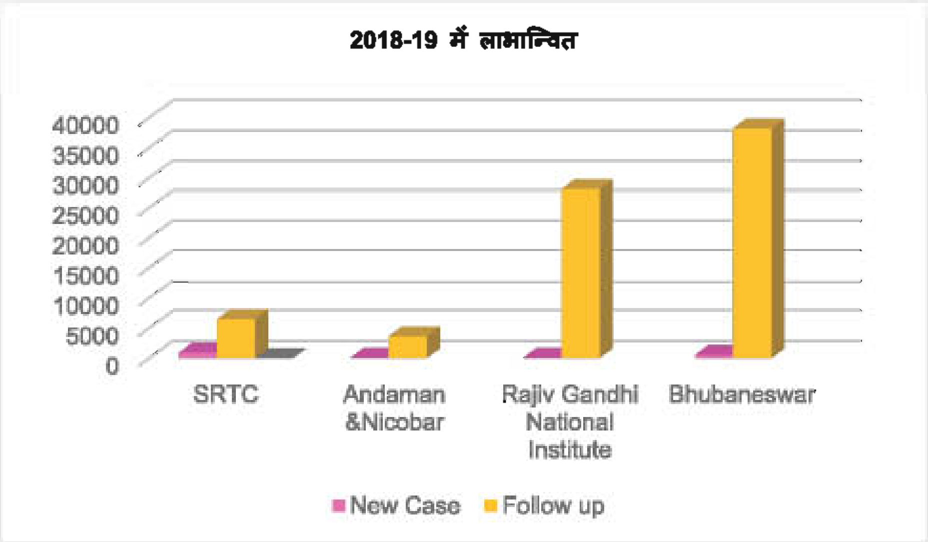

एससी व एसटी के लिए विशेष कार्यक्रम:

एनआईईपीएमी एससी व एसटी समुदाय के पुनर्वास के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है जिसमे निम्नलिखित सम्मिलित है,

- पीडब्ल्यूडी परिवारों और अन्य हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- दिव्यांग बच्चों वाले माता-पिता के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- पीडब्ल्यूडी के लिए खेल और सांस्कृतिक सृजनात्मक कला
- पीडब्ल्यूडी के लिए प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम
- दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत् व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य दिव्यांगता की रोकथाम, अक्षमताओं का जल्द पता लगाना, दिव्यांगता पुनर्वास और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से संबंधित पीडब्ल्यूडी के जीवन की गुणवत्ता

सीमाएँ केवल दूर तक जाती हैं । ”

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

में सुधार करना है। कार्यक्रम सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल के तहत राज्य सरकारों, स्वायत्त निकायों, राज्य सरकार विकलांगता परियोजनाओं, गरीबी उन्मूलन परियोजनाओं और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से आयोजित किए जाते हैं।

हरियाणा :

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये जिला स्तर पर जागरूक कार्यक्रम	भिवनी, हरियाणा	162	अक्तूबर, 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये जिला स्तर पर जागरूक कार्यक्रम	कुरुक्षेत्रा, हरियाणा	147	अक्तूबर, 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये जिला स्तर पर जागरूक कार्यक्रम	बस्तु, हरियाणा	149	नवम्बर, 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	भिवनि, हरियाणा	153	नवम्बर, 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	कुरुक्षेत्रा, हरियाणा	156	नवम्बर, 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	बस्तु, हरियाणा	148	अक्तूबर, 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	भिवनि, हरियाणा (६कार्यक्रम)	81	नवम्बर, 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	कुरुक्षेत्रा, हरियाणा	77	अक्तूबर, 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता एवं परिवार के लिये ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	बस्तु,हरियाणा	72	नवम्बर, 2018

राजस्थान :

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	उदयपुर, राजस्थान, छ कार्यक्रम	156	फरवरी, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	भिलवाडा, राजस्थान	148	फरवरी, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	जोधपुर, राजस्थान	152	फरवरी, 2019
ब्लॉक स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	उजयपुर, राजस्थान	79	मार्च, 2019

"हर चीज में कोई भी अच्छा नहीं है।" फायदे और नुकसान कई रूपों में आते हैं। "

- चार्ल्स श्वाब

ब्लॉक स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	भिलवाडा, राजस्थान	76	मार्च, 2019
ब्लॉक स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	जोधपुर, राजस्थान	73	मार्च, 2019

उत्तरप्रदेश

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
मातापिता व परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	गोरखपुर, उत्तरप्रदेश, 5 कार्यक्रम	75	मार्च 2019

ओडिशा:

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	संबलपुर, ओडिशा	144	अप्रैल, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कोरापुट ओडिशा	153	अप्रैल, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	खोरदा, ओडिशा	148	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	नुआपादा, ओडिशा	147	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	पूरी, ओडिशा	156	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कटक, ओडिशा	154	फरवरी, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बौध, ओडिशा	160	मार्च, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	धनकनाल, ओडिशा	167	मार्च, 2019

जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	मंदार, ओडिषा	163	फरवरी, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	संबलपुर, ओडिषा 30 कार्यक्रम	141	फरवरी, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कोरापुट ओडिषा	154	फरवरी, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	खोरदा, ओडिषा	147	मार्च, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	नुआपादा, ओडिषा	142	फरवरी, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	पूरी, ओडिषा	159	मार्च, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कटक, ओडिषा	152	मार्च, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बौध, ओडिषा	149	मार्च, 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	सुबरनापुर, ओडिषा	141	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बिसिमुन्डा, ओडिषा	138	सितम्बर 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बौध, ओडिषा	154	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कंटमल ओडिषा	151	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कंधमल, ओडिषा	153	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	फुलबानी, ओडिषा	154	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बालंगीर ओडिषा	141	अप्रैल, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कांताबंजी, ओडिषा	146	अप्रैल, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	सुंदरगढ़ ओडिषा	149	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	देबगढ़ ओडिषा	143	जुलाई, 2018

"आशावाद वह विश्वास है जो उपलब्धि की ओर ले जाता है। आशा और विश्वास के बिना कुछ भी नहीं किया जा सकता है। "

- हेलेन केलर

जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	सुबार्नापुर, ओडिषा	141	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बिसिमुन्डा ओडिषा	138	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बौध, ओडिषा	154	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कंधमल, ओडिषा	151	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कंधमल, ओडिषा	153	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	फुलबनी, ओडिषा	154	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	अंगुल. ओडिषा	157	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बरगढ़ ओडिषा	156	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	धनकनल ओडिषा	159	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	रायग़ढा ओडिषा	140	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कासिपुर, ओडिषा	135	सितम्बर, 2018
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	बालांगीर,ओडिषा	76	फरवरी, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	कंताबंजी, ओडिषा	78	फरवरी, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	सुंदरगढ़ ओडिषा	79	फरवरी, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	देबगढ़ ओडिषा	80	मार्च, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	सुबर्नापुर ओडिषा	74	मार्च, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	बिसिमुन्डा ओडिषा	73	मार्च, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	बौध ओडिषा	72	मार्च, 2019

"हर चीज के अपने चमत्कार होते हैं, यहां तक कि अंधेरे और मौन भी, और मैं सीखता हूं, मैं जिस भी राज्य में हो सकता हूं, उसमें संतोष करना चाहिए ।"

- हेलेनकेलर

"हम कभी भी बहादुर और धैर्यवान बनना सीख नहीं सकते, अगर दुनिया में केवल खुशी होती।"

- हेलेन केलर

दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	कंतामल ओडिषा	71	फरवरी, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	कंधामल ओडिषा	79	फरवरी, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	फुलबानी ओडिषा	69	फरवरी, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	अंगुल ओडिषा	68	फरवरी, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	बारगढ ओडिषा	65	फरवरी, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	धेनकनाल ओडिषा	71	मार्च, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	रायगढ ओडिषा	74	मार्च, 2019
दिव्यांगजन के माता पिता व परिवार केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ माता पिता एवं परिवार के लिए जागरूकता कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम	काशीपुर ओडिषा	77	मार्च, 2019

झारखण्ड

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कोर्रा झारखण्ड	150	अप्रैल, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	पालमु झारखण्ड	150	अप्रैल, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	कनकेर झारखण्ड	150	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	रांची झारखण्ड	150	जुलाई, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	कोर्रा झारखण्ड	75	सितम्बर, 2018

पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	पालमु झारखण्ड	75	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	कंकड़ झारखण्ड	75	अक्तूबर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	रांची झारखण्ड	75	अक्तूबर, 2018

मध्यप्रदेश:

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	शहना मध्यप्रदेश	150	अप्रैल, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बालाघाट मध्यप्रदेश	150	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	जबलपुर मध्यप्रदेश	150	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	शहना मध्यप्रदेश	75	मार्च, 2019
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	बालाघाट मध्यप्रदेश	75	मार्च, 2019
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	जबलपुर मध्यप्रदेश	75	मार्च, 2019

छत्तीसगढ़

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	अंतगढ़ छत्तीसगढ़	161	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	बिजापुर छत्तीसगढ़	157	सितम्बर, 2018

"वहां बैठने और किसी को बताने के लिए कि वे दिव्यांगता के कारण कुछ नहीं कर सकते, मुझे लगता है कि यह हास्यास्पद है।"

- पैट मैकडॉनल्ड्स

पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	अंतागढ़ छत्तीसगढ़	72	मार्च, 2019
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	बिजापुर छत्तीसगढ़	74	मार्च, 2019

पंजाब :

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरुक कार्यक्रम	मानसा पंजाब	148	मार्च, 2019
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	मानसा पंजाब	77	मार्च, 2019

तमिलनाडु

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व aपरिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरुक कार्यक्रम	निलगिरीस, तमिलनाडु	139	मई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरुक कार्यक्रम	पलनि, तमिलनाडु	143	मई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरुक कार्यक्रम	दिन्डिगल तमिलनाडु	147	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरुक कार्यक्रम	थेनि तमिलनाडु	149	जुलाई, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक कार्यक्रम	निलगिरीस, तमिलनाडु	71	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक कार्यक्रम	पलनि, तमिलनाडु	78	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक कार्यक्रम	दिन्डिगल तमिलनाडु	79	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक कार्यक्रम	थेनि तमिलनाडु	82	अक्तूबर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक कार्यक्रम	कल्लकुर्ची तमिलनाडु	80	अक्तूबर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरुक कार्यक्रम	पलनि, तमिलनाडु	156	जुलाई, 2018

"सिर्फ इसलिए कि एक आदमी के पास अपनी आंखों के उपयोग की कमी है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके पास दृष्टि की कमी है।"

- स्टीव वंडर

जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	दिन्डिगल तमिलनाडु	159	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरूक कार्यक्रम	थेनि तमिलनाडु	162	जुलाई, 2018
पीडब्ल्यूडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	पलनि, तमिलनाडु	72	फरवरी, 2019
पीडब्ल्यूडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	दिन्डिगल तमिलनाडु	79	मार्च, 2019
पीडब्ल्यूडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	थेनि तमिलनाडु	80	मार्च, 2019

"मैं एक महान और महान कार्य को पूरा करने के लिए लंबे समय से हूं, लेकिन छोटे कार्यों को पूरा करना मेरा मुख्य कर्तव्य "गलत रवैया जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है।"

- स्कॉट हैमिल्टन

पूर्वोत्तर के लिए विशेष कार्यक्रम

एनआईईपीएमडी द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए आरएमएसए / एसएसए काम करने वाले पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए साथ ही साथ जागरूकता सृजन करने तथा माता पिता तथा उनके परिवारों को साधिकृत बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाये गये हैं।

कार्यक्रम सार्वजनिक निजी साझेदारी के तहत राज्य सरकारों, स्वायत्त निकायों, राज्य सरकार के दिव्यांगता परियोजनाओं, गरीबी उन्मूलन परियोजनाओं और गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से आयोजित किए गए थे।

वित्त वर्ष 2018-19 के लिए कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है।

- पीडब्ल्यूडी परिवारों और अन्य हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- दिव्यांग बच्चों वाले माता-पिता के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- पीडब्ल्यूडी के लिए खेल और सांस्कृतिक सृजनात्मक कला
- पीडब्ल्यूडी के लिए प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम
- दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत् व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

असम

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
अभिभावकीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	**पबनलबारी डेवलपमेंट ब्लाक, नलबरी जिला, असम**	127	**मई 2018**
पीडब्ल्युआईडी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	**बरभाग डेवलपमेंट ब्लाक, नलबरी जिला, असम**	104	**मई 2018**

"जैसा कि स्वार्थ और शिकायत मन को विकृत करते हैं, इसलिए इसके आनंद के साथ प्यार करता है और दृष्टि को तेज करता है।"

- हेलेन केलर

पीडब्ल्यूडी के लिए खेल और सांस्कृतिक सृजनात्मक कला	समोता ब्लाक नलबरी जिला, असम	217	मई 2018
पुनर्वास पेशेवर के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	झोगरापुर नलबरी जिला, असम	109	मई 2018
पीडब्ल्यूडी के लिए प्रदर्शन व जागरुकता कार्यक्रम	भरकेत्री ब्लॉक नलबरी जिला, असम	226	मई 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरुक कार्यक्रम	मोरीगावों जिला असम	153	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण तथा जागरुक कार्यक्रम	मोरीगावों जिला असम	129	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	कामरुप जिला असम	138	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	नागरबेरा ब्लाक, कामरुप जिला असम	93	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक कार्यक्रम	पलसबरी ब्लॉक कामरुप जिला असम	82	सितम्बर, 2018

पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	कपिलि डेवलपमेंट ब्लॉक मोरीगांव जिला, असम	67	अक्तूबर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक कार्यक्रम	लहरीघाट ब्लाक मोरीगांव जिला, असम	71	अक्तूबर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरुक कार्यक्रम	सिलचर कचर जिला असम	152	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरुक कार्यक्रम	जोरहत धुबरी जिला असम	147	जुलाई, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	भजन्तीपुर ब्लॉक सिलचर जिला असम	71	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	बेरेंगा ब्लाक सिलचर जिला असम	69	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	कलियापनी डेवलपमेंटल ब्लॉक जोरहत जिला असम	68	सितम्बर, 2018

"गलत दृष्टिकोण जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है"।

- स्कॉट हैमिल्टन

पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	मंजुली ब्लॉक जोरहत जिला असम	72	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरुक कार्यक्रम	नलबरी जिला, असम	153	अगस्त, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरुक कार्यक्रम	बरमा ब्लॉक नलबरी जिला असम	157	अगस्त, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	बिस्तुपुरी ब्लॉक नलबरी जिला असम	74	अगस्त, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	गुबिन्दापुर ब्लाक नलबरी जिला असम	77	अगस्त, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	48 नं कलजर पंचायत बरामा ब्लाक असम	79	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरुक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	69 नं आनंदपुर पंचायत बरमा ब्लाक असम	81	सितम्बर, 2018

मणिपुर :

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरुक कार्यक्रम	सेनापति जिला, मणिपुर	147	मई, 2018
एएसए तथा आरएमएसए पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	खंबतेल, चंदेल जिला मणिपुर	104	मई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरुक कार्यक्रम	सेनापति जिला, मणिपुर	145	जून, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	सेनापति जिला, मणिपुर	141	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	सेनापति जिला, मणिपुर	143	अगस्त, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	सेनापति जिला, मणिपुर	147	सितम्बर, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	सेनापति जिला, मणिपुर	144	सितम्बर, 2018

पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	खेनगजोई ब्लाक चंदेल जिला मणिपुर	165	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	खंगबरोल ब्लाक चंदेल जिला मणिपुर	69	सितम्बर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	कसोम खुल्लेन, कमजोंग मणिपुर	72	सितम्बर, 2018

"कभी हार मत मानो।"

- निक वुजिक

त्रिपुराः

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
अभिभावकीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	अगरतला, त्रिपुरा	157	मई 2018
पीडब्ल्युआईडी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	अगरतला, त्रिपुरा	117	मई 2018
पीडब्ल्यूडी के लिए खेल और सांस्कृतिक सृजनात्मक कला	अगरतला, त्रिपुरा	167	मई 2018
पुनर्वास पेशेवर के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	अगरतला, त्रिपुरा	209	मई 2018
पीडब्ल्यूडी के लिए प्रदर्शन व जागरूकता कार्यक्रम	अगरतला, त्रिपुरा	109	मई 2018

अरुणाचल प्रदेश

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
अभिभावकीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	नहरलागुन ब्लॉक, पापुम पारे जिला, अरुणाचल प्रदेश	129	अप्रैल 2018
पीडब्ल्यूडी के लिए प्रदर्शन व जागरूकता कार्यक्रम	ईटानगर ब्लाक, पापुम पारे जिला, अरुणाचल प्रदेश	183	अप्रैल 2018
दिव्यांगजन के अभिभावकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	लोयर दिबंग वैली जिला, अरुणाचल प्रदेश	129	जून 2018
पीडब्ल्युआईडी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	लोयर दिबंग वैली जिला, अरुणाचल प्रदेश	104	जून 2018

"एक दिव्यांग व्यक्ति के रूप में, मेरे जीवन में हममें से प्रत्येक में मौजूद क्षमता की अंतहीन मात्रा का प्रतिबिंब होना चाहिए ।"

- रॉबर्ट एम। हेन्सेल

पीडब्ल्युडी के लिए खेलकूद सांस्कृतिक व सृजनात्मक कला	लोयर दिबंग वैली जिला, अरुणाचल प्रदेश	203	जून 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	फुंगयर फैसट ब्लॉक, उकरुल जिला मणिपुर	75	अक्तूबर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	टेन्गनौपल जिला, मणिपुर	74	अक्तूबर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	ए कुंजै ब्लॉक, टेन्गनौपल जिला, मणिपुर	67	अक्तूबर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	चिंगै ब्लाक, उकरुल जिला, मणिपुर	69	अक्तूबर, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	जैसमी ब्लाक उकरुल जिला, मणिपुर	62	अक्तूबर, 2018
अभिभावकीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	कंबत्तेल, चंदेलजिला मणिपुर	154	मई 2018
पीडब्ल्युडी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	पंचई, चंदेल जिला, मणिपुर	104	मई 2018
पीडब्ल्युडी के लिए खेलकूद सांस्कृतिक व सृजनात्मक कला	तंपि, चंदेल जिला, मणिपुर	189	मई 2018
पुनर्वास पेशेवर के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	लिवाचंगनिंग चंदेल जिला, मणिपुर	109	मई 2018
पीडब्ल्युडी के लिए प्रदर्शनी तथा जागरूक कार्यक्रम	थमलाकुल्लर,चंदेल जिला, मणिपुर	212	मई 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरूक कार्यक्रम	चंदेल जिला, मणिपुर	134	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरूक कार्यक्रम	टेन्गनौपल जिला, मणिपुर	149	जुलाई, 2018
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरूक कार्यक्रम	कंपंग जिला, मणिपुर	134	मार्च 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरूक कार्यक्रम	उखरुल जिला, मणिपुर	149	मार्च 2019

"मुझे पता है कि दिव्यांग लोगों के लिए दुनिया को अधिक सुलभ बनाने का सिलसिला जारी रहेगा।"

- स्टीव वंडर

मेघालय

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	री भोई जिला मेघालय	163	मार्च 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरूक कार्यक्रम	पश्चिम खासी हिल्स, नॉंगस्टाइन मेघालय	147	मार्च 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	रेसुबेलपारा, पश्चिम घारो हिल्स जिला, मेघालय	138	मार्च 2019
जिला स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों के माता पिता व परिवारों के लिए जागरूक कार्यक्रम	पश्चिम घारो हिल्स जिला, मेघालय	142	मार्च 2019
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	सेलसेला ब्लाक, पश्चिम घारो हिल्स जिला, मेघालय	84	मार्च 2019
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	तिकरीकिला ब्लाक, पश्चिम घारो हिल्स जिला, मेघालय	88	मार्च 2019
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	बेटासिंग डेवलपमेंट ब्लॉक पश्चिम घारो हिल्स जिला, मेघालय	79	मार्च 2019
पीडब्ल्युडी के मातापिता एवं परिवारों के लिए ब्लाक स्तर पर जागरूक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम	दामलग्रे ब्लॉक पश्चिम घारो हिल्स जिला, मेघालय	89	मार्च 2019
पीडब्ल्युडी के लिए खेलकूद सांस्कृतिक व सृजनात्मक कला	मैखुली पी ओ पिल्लंगकटा उमलिंग मैखुली पी ओ पिल्लंगकटा, उमलिंग ब्लॉक, री भोई जिला मेघालय	170	मई, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता व परिवार के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	किल्लिंग, जोलबिल उमलिंग, रीभोई जिला, मेघालय	125	मई, 2018
अभिभावकीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	उमतिरिंगा, उमलिंग ब्लाक, रिभोई जिला, मेघालय	119	मई, 2018
पुनर्वास पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	मैखुली पी ओ पिल्लंगकटा उमलिंग मैखुली पी ओ पिल्लंगकटा, उमलिंग ब्लॉक, री भोई जिला मेघालय	107	मई, 2018
पीडब्ल्युडी के लिए एक दिवसीय प्रदर्शनी एवं जागरूकता कार्यक्रम	बिर्नीहत रीभोई जिला, मेघालय	189	मई, 2018

"गलत रवैया जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है।"

- स्कॉट हैमिल्टन

नागालैंड

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
पीडब्ल्युडी के लिए खेलकूद सांस्कृतिक व सृजनात्मक कला	कोहिमा नागालैंड	185	मई, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता व परिवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	कोहिमा नागालैंड	102	मई, 2018
पीडब्ल्युडी प्रदर्शन तथा जागरूक कार्यक्रम	दीमापुर नागालैंड	193	जून, 2018
पुनर्वास पेशेवर के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	दीमापुर नागालैंड	106	जून, 2018
पीडब्ल्युडी के पिरवारों के लिए अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम	कोहिमा नागालैंड	134	अप्रैल, 2018

सिक्मिम

कार्यक्रम का नाम	उन जिलों के नाम जहां कार्यक्रम आयोजित किया गया	सहभागियों की लगभग संख्या	माह व वर्ष
अभिभावकीय प्रशिक्षण कार्यक्रणपी	उन्ग्लोक, पश्चिम सिक्किम	151	अप्रैल, 2018
डब्ल्युडी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	भालुतंगपश्चिम सिक्किम	102	अप्रैल, 2018
पीडब्ल्युडी के लिए खेलकूद सांस्कृतिक व सृजनात्मक कला	पेल्लिंगपश्चिम सिक्किम	183	मई 2018
पुनर्वास पेशेवर के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	साक्यांग पश्चिम सिक्किम	107	मई 2018
पीडब्ल्युडी प्रदर्शन तथा जागरूक कार्यक्रम	ग्यालशिंग पश्चिम सिक्किम	214	मई 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता व परिवारों के लिए जिला स्तर जागरूकता कार्यक्रम	रावांग्ला पश्चिम सिक्किम जिला, सिक्किम	154	अप्रैल, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता व परिवारों के लिए जिला स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईफालतार ब्लाक नामाची	141	मई, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता व परिवारों के लिए ब्लॉक स्तर जागरूकता कार्यक्रम	पश्चिम सिक्किम जिला, सिक्किम	70	जुलाई, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता व परिवारों के लिए ब्लॉक स्तर जागरूकता कार्यक्रम	बक्हिम ब्लाक रावांग्ला, पश्चिम सिक्किम जिला, सिक्किम	63	जुलाई, 2018

पीडब्ल्युडी के मातापिता व परिवारों के लिए ब्लॉक स्तर जागरूकता कार्यक्रम	असंगथंग ब्लाक नामाची, पश्चिम सिक्किम जिला, सिक्किम	69	जुलाई, 2018
पीडब्ल्युडी के मातापिता व परिवारों के लिए ब्लॉक स्तर जागरूकता कार्यक्रम	टेंडांग ब्लाक साउथ सिक्किम जिला, सिक्किम	68	जुलाई, 2018

मिजोरम:

कार्यक्रम का नाम	जिला का नाम जहाँ कार्यक्रम का आयोजन किया गया	सहभागियों की संख्या	माह व वर्ष
दिव्यांगता प्रारंभिक पहचान तथा प्रबंधन पर आईसीडीयों की बैठक	आईजाल, मिजरम	104	मई 2018
अभिभावकीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	रामलुन साउत, आईजाल जिला, मिजोरम	169	जून 2018
दिव्यांग व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	जोटलांग आईजाल जिला, मिजोरम	107	जून 2018
दिव्यांगजन के लिए खेलकूद सांस्कृतिक तथा सृजनात्मक कला	दावरपुई आईजाल जिला, मिजोरम	282	जून 2018
पुनर्वास पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	लाइपु, आईजाल जिला, मिजोरम	124	जून 2018
प्रदर्शन तथा जागरूकता कार्यक3म दिव्यांगों के लिए	ज्वांगतुई आईजाल जिला, मिजोरम	214	जून 2018

"हमें अपने चरित्र का निर्माण करने के लिए स्थितियों में रखा जाता है ... हमें नष्ट नहीं करना चाहिए।"

- निक वुजिक

अध्याय 13

"जीवन में आपके पास एक विकल्प है: कड़वा या बेहतर? बेहतर चुनें, कड़वा भूल जाओ।"

- निक वुजिक

पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र

प्रस्तावना

एनआईईपीएमडी के पुस्तकालय स्टाफ, एचआरडी छात्रों, दिव्यांगता के क्षेत्र में संगठनों और समुदाय, जिसमें सरकारी संगठनों, पुनर्वास पेशेवरों, दिव्यांग व्यक्तियों और उनके माता-पिता, सम्मिलित हैं, को जानकारी संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। यह अपने अधिग्रहण के जरिये नए ज्ञान के प्रसार की सुविधा के अपने मिशन को चलाना जारी रखता है। यह संदर्भ, सदस्यता, संचलन, दस्तावेज़ वितरण, संसाधन साझाकरण और सूचना अलर्ट सेवाओं सहित उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है। एनआईईपीएमडी पुस्तकालय सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें सीडी रोम्स, ईजर्नलें, ई पुस्तकें, पुस्तकें ब्रेली पुस्तकें, जर्नलें, थीसिस और रिपोर्टों के रूप में जानकारी संसाधनों का एक समृद्ध संग्रह है। वर्ष 2018-19 के दौरान NIEPMD के कर्मचारियों और छात्रों के लाभ के लिए पुस्तकालय और सूचना सेवाओं ने संसाधनों का विस्तार जारी रखा। एनआईईपीएमडी के शैक्षणिक व अनुसंधान मिशन को आगे बढ़ाने और ज्ञान का निर्माण एवं प्रसार के लिए सुविधाकृत बनाने में मुख्य भूमिका निभाता है।इसमें 4000 से अधिक संस्करणों की पुस्तकों, पत्रिकाओं, थीसिस, रिपोर्टों, मानकों और पैम्फलेट का उत्कृष्ट प्रिंट का संग्रह है।यह पुनर्वास में 1000 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकों और पत्रिकाओं के लिए अभिगम प्रदान करता है। इसमें लाइब्रेरी नियमों के अनुसार लाइब्रेरी क्लाइंट के लिए प्रिंटआउट और फोटो कॉपी सेवा भी है।

वर्ष के दौरान, 13572 भेंटकर्ताओं ने पुस्तकलाय की सेवाओं से लाभ उठाया और 3425 पुस्तकें उपयोगकर्ताओं को जारी की गई।

संग्रह	३१ मार्च 2019 को कुल
पुस्तकें	3636
जर्नल्स व पत्रिकाएँ	22
समाचार पत्र के क्लिपिंग	3667
पिछले वाल्यूम	202
ई पुस्तकें	572

उद्देश्य:

- पुस्तकालय और सूचना नीतियों और प्रक्रियाओं को स्थापित करना और कार्यान्वित करना
- लागत प्रभावी, सुविधाजनक, सुलभ वाला पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ,प्रौद्योगिकी और मीडिया को विकसित और प्रबंधित करना
- पुस्तकालय और सूचना सेवाओं, प्रौद्योगिकी और मीडिया सेवा आवश्यकताओं का विश्लेषण और मूल्यांकन करना
- बहुविध दिव्यांगता के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को सूचना का प्रलेखन और प्रसार

कंप्युटर लैब

विभाग में कर्मचारियों और छात्रों के उपयोग के लिए कंप्यूटर लैब हैं। कर्मचारी और छात्र ई-पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों जैसे इंटरनेट और डिजिटल स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं। लाइब्रेरी की गतिविधियों को एसओयुएलसॉफ्टवेयर के साथ ऑटोमेट किया गया है

पुस्तकालय में एचआरडी प्रशिक्षु पुस्तकों को रेफर कर रहे हैं

ई लाइब्रेरी एवं कंप्युटर लैब

कंप्युटर लैब

विभाग में कर्मचारियों और छात्रों के उपयोग के लिए कंप्यूटर लैब हैं। कर्मचारी और छात्र ई-पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों जैसे इंटरनेट और डिजिटल स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं। लाइब्रेरी की गतिविधियों को एसओयुएलसॉफ्टवेयर के साथ ऑटोमेट किया गया है

दिव्यांगता, पुनर्वास और एनआईईपीएमडी केगतिविधियों के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए एनआईईपीएमडी ने विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों में स्टॉल लगाये गये। सेरेब्रल पाल्सी जागरूकता दिवस, हेलेन केलर दिवस, आटीज्म जागरूकता दिवस और दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाए गए।सूचना पहल के प्रसार के तहत, इस विभाग ने पोस्टर, हैंडआउट, ब्रोशर, कैलेंडर, और डायरी जैसी जागरूकता सामग्री का प्रसार किया। एनआईईपीएमडी के वार्षिक रिपोर्ट को एनजीओ और सरकारी संगठनों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जागरूकता अभियान के दौरान भी वितरित किया जाता है।

वर्ष 2018-19 के दौरान प्रदर्शनी भागीदारी और जागरूकता अभियान का विवरण इस प्रकार है: -

"अपना चेहरा धूप में रखें और आप छाया नहीं देखेंगे ।"

- हेलेन केलर

प्रदर्शनी और जागरूकता अभियान पर विवरण

कार्यक्रम	स्थान व तिथि
राज्य सरकार के अधिकारियों को आटीज्म पर जागरूकता कार्यक्रम	२ अप्रैल 2018 तुरुपोरुर
विश्व मल्टीपल स्क्लेरोसिस् दिवस के अवसर पर जागरूक कार्यक्रम (ड्राइंग पोस्टर प्रतियोगिता)	३० मई 2018, चेन्नई
आरपीडब्ल्युडी अधिनियम 2016 पर जागरूकता कार्यक्रम	23 जून 2018, पुडुचेरी.
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के माननीय मंत्री द्वारा विशेष शिक्षा एचआरडी ब्लाक तथा अभिगम्य बस सेवा एवं नंबिकाई भवन निर्माण के लिए भूमि पूजा एवं अनावरोध प्रतीक्षा लाबी एवं भोजन क्षेत्र का उद्घाटन के अवसर पर एनआईईपीएमडी का दौरा पर प्रेस कांफरेंस	१२ जुलाई २०१८ चेन्नई
पौष्टिक आहार एवं उसका महत्व पर दिव्यांग बच्चों के स्तनपान करने वाले माताओं के लिए जागरूकता व संवेदीकरण कार्यक्रम	३० अगस्त 2018, चेन्नई
आरपीडब्ल्युडी अधिनियम 2016 पर जागरूकता कार्यक्रम	२ सितम्बर 2018 गुवाहती असम
फीडिंग तकनीक और ऊर्जा अनुपूरक खाद्य पदार्थों पर जागरूकता कार्यक्रम, एनआईईपीएमडी, चेन्नई	१७ सितम्बर 2018 चेन्नई
सरकार स्कूल के छात्रों के लिए स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम	२० सितम्बर 2018 मुत्थुकाडु, कोवलम एवं केलम्बकम
स्वच्छता के प्रति जागरूकता रैली और घर घर जागरूकता	३० सितम्बर 2018 मुत्थुकाडु
एनआईईपीएमडी ने सक्शम द्वारा आयोजित अपने स्वयंसेवकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में स्टॉल लगाया	२९-३० सितम्बर 2018 जयपुर राजस्थान

ओजोन लेयर के संरक्षण पर प्रदर्शनी सह जागरूकता	३ अक्तूबर 2018 चेन्नई
विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2018 के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम - युवा लोग और सरकार स्कूल के छात्रों के लिए बदलती दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यक्रम	१३ अक्तूबर 2018 कोवलम एवं केलम्बकम
सतर्कता जागरूकता सप्ताह	२९ अक्तूबर से 3 नवम्बर 2018
समारोहविश्व ब्रेली दिवस समारोह	३-४ जनवरी 2019 चेन्नई
एनआईईपीएमडी ने 43 वें भारत पर्यटक और औद्योगिक मेले 2019 में स्टाल लगाया	९ जनवरी 2019 आईलैंड ग्राउन्ड चेन्नई

"दुनिया में सबसे गरीब व्यक्ति वह है जिसके पास दृष्टि तो हैलेकिन, दृष्टिकोण नहीं "

- हेलेन केलर.

ओजोन लेयर को सुरक्षित रखने के बारे में जागरूकता कार्यक्रमर

जयपुर राजस्थान में एनआईईपीएमडी स्टाल

४३वी भारतीय पर्यटक व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन 2019, आईलैंग ग्राउन्ड, चेन्नई

प्रेस कवरेज

DEPwD organizes National Workshop

A National Workshop was organized by the Department of Empowerment of Person with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India on Physical and Mental Disabilities in the Light of Global Best Practices in Care, Rehabilitation and Research on October 23, 2018 at Pravasi Bhartiya Kendra, Chanakyapuri, New Delhi. The workshop was hosted by National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities (NIEPMD), Chennai. Dr. Thaawarchand Gehlot, Cabinet Minister, Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India inaugurated the workshop in the presence of Shakuntala D. Gamlin Secretary, DEPwD, MSJ&E; Dr. Kamlesh Kumar Pandey, Chief Commissioner for Persons with Disabilities, Government of India; and Dolly Chakrabarty, Joint Secretary, DEPwD, MSJ&E and many other eminent scholars of the disability sector.

The National Workshop sessions were conducted by experts in the field of disabilities, including: Orthopaedic Disability, Cerebral Palsy, Muscular Dystrophy, Dwarfism, Leprosy-cured person, Acid-Attack victims; Visual Impairment; Hearing Impairment; Speech and Language disability; Intellectual disabilities; Specific Learning Disabilities; Autism Spectrum Disorders; Mental Illness; and Disabilities caused due to Chronic neurological conditions like Multiple-Sclerosis, Parkinson's Disease, Blood disorders like Haemophilia, Thalassemia, Sickle-Cell Disease; and Multiple Disabilities.

The experts were invited from premier rehabilitation institutions, hospitals, universities, and RCI recognized institutions from across the country. The workshop was attended by over 300 participants from State and Central Government, Universities, National Institutions, Eminent Hospitals, Eminent NGOs, Scientists, and Experts of repute from the disability sector. Principal Secretaries, Secretaries, and Commissioners of Health, Social Welfare, and Disability Department from different states have attended the workshop. The Chief Medical Officers of many important cities and District Social Welfare and Disability Officers also participated in the programme. The Heads of leading NGOs from across the country participated in the national workshop.

The objective of the workshop is to help our country's commitment under the UNCRPD/RPWD Act and help to establish uniformity in the services for persons with disabilities. It will also support protocol development in the service delivery; encourage adaptation of global best practices to Indian context.

The workshop will assist in implementation of best-practices for all the 21 disabilities covered under the RPWD Act. It will help to fine tune practices of disability-specific, discipline specific, model-specific, approach-specific holistic-services and Community Based Rehabilitation (CBR) models. The knowledge generated can be disseminated by all stakeholders for improving the standards of service delivery with an aim to improve the quality of life of persons with disabilities and their families.

> "किसी भी निराशावादी ने कभी तारों के रहस्य की खोज नहीं की, या एक अज्ञात भूमि पर रवाना हुए, या मानव आत्मा के लिए एक नया द्वार खोल दिया।"
>
> – हेलेन केलर

"जब कोई चढ़ने के लिए आवेग महसूस करता हो तो वह रेंगने के लिए सहमति नहीं हो सकता।"

- हेलेन केलर

राजस्थान पत्रिका, चेन्नई, गुरुवार 07 मार्च, 2019
patrika.com

पत्रिका सिटीजन

नीपमेड-एनबीईआर का दूसरा राष्ट्रीय दीक्षांत समारोह

71 रैंक होल्डर्स को राज्यपाल ने प्रदान किया मेडल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

Thu, 07 March 2019
epaper.patrika.com

மாற்றுத்திறனாளிகள் தேசிய நிறுவன பட்டமளிப்பு விழா

पूर्वांचल को आरएमआरसी की सौगात

इंसेफलाइटिस व दूसरे वेक्टर जनित रोगों की पहचान, इलाज व उन्मूलन होगा आसान

सीएम का दौरा

आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत की गई कार्य

एनआईईपीएमडीने केंद्रीय सूचना आयोग, भारत सरकार और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मानदंडों के अनुसार सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 लागू किया है।सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, भारत की संसद का अधिनियम है, जिसमें नागरिकों के लिए सूचना के अधिकार का व्यावहारिक शासन स्थापित करने के लिए, सार्वजनिक प्राधिकरणों के नियंत्रण में सूचना का अभिगम सुरक्षित करने के लिए, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।केन्द्रीय जनसूचना अधिकारीसंस्यान के निदेशक, जो अपीलीय प्राधिकारी हैं, की अध्यक्षता में सूचना प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होता है। जनसूचना अधिकारी, संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करता है और संबंधित अधिकारियों के साथ पत्र व्यवहार करता है।

संस्थान को वर्ष 2018-19 के दौरान 60 आरटीआई। आवेदन प्राप्त हुए और निर्धारित समय के अंदर उत्तर दिया गया। आरटीआई से संबंधित त्रैमासिक रिटर्न निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन के माध्यम से केंद्रीय सूचना आयोग को दायर किया जाता है और प्रस्तुत किए जाते हैं।

अध्याय 14

एडिप योजना

एक बार जब आप ठान लें तो कुछ भी संभव है।"

- क्रिस्टोफर रीव

परिचय:

एडिप योजना, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की प्रमुख पहलों में से एक है। इस योजना के तहत, दिव्यांग व्यक्तियों को उनके स्वतंत्र क्रियात्मकता को सुधारने, उनकी दिव्यांगता को बढ़ने को रोकने और सेकन्डरी दिव्यांगता होने से बचने के उद्देश्य से सहायक उपकरण दिये जाते हैं।

एनआईईपीएमडी इस योजना क्रियान्वित करने वाले एजंसियों में से एक है, जो मूल्यांकन, पहचान तथा दिव्यांग व्यक्तियों को साधन व उपकरण वितरित करने का कार्य करता है।

वर्ष 2018-19 में, एनआईईपीएमडी ने 2134 लाभान्वितों को सेवा प्रदान की और विभिन्न शिविरों एवं मुख्यालय में विविध वर्गों के दिव्यांग व्यक्तियों को 2507 साधन व उपकरण वितरित किये गये। वितरण के दौरान उपकरणों की फिटिंग और निर्वहण पर विशेषज्ञ की सलाह और प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2018-19 में एडिप योजना के तहत लाभान्वितों का विवरण

क्र.	राज्य	स्थान	शिविर की तथिथि	लाभान्वितों का विवरण					कुल
				ओएच	पीवओ	वीएच	एमएच	एचएच	
1.	मध्यप्रदेश	इंदौर	09/07/18 TO 24/07/18	-	-	-	1420	-	1420
2.	मुख्यालय	एनआईईपी एमजडी	01/04/2018 TO 31/03/2019	37	281	63	299	34	714
कुल				**37**	**281**	**63**	**299**	**34**	**2134**

वर्ष 2018-19 में एडिप योजना के तहत जारी साधनों व उपकरणों का विवरण

विवरण	उपकरणों की संख्या
ट्राइसाइकिल	4
व्हील चेअर (प्रौढ़)	3
व्हील चेअर (बच्चों)	14
ऑक्सिलरी क्रच (बड़ा)	14
ऑक्सिलरी क्रच (मध्यम)	10
एल्बो क्रच (बड़ा)	8
रोलेटर	5
सीपी चेअर	75

मै ऐसा सोचता हूँ की दिव्यांगजनों पर हमला करना शक्ति का सबसे घटिया प्रदर्शन है । "

- मॉर्गन फ्रीमैन

कॉर्नर चेअर	28
एएफओ	101
केएएफओ	47
एचकेएफओ	33
हैंड स्प्लिन्ट	28
डीएलएसओ कॉरसेट	7
टैलर्स् ब्रेसेस्	1
एलएस बेल्ट	3
एमसीआर फुट वेयर	7
एल्बो गेइटर	49
सीटीईवी बूट	3
नी पोस्टीरियर स्प्लिन्ट	8
नी गेयटर	32
संशोधित शूज़	7
एके प्रोथेसिस्	8
बीके प्रोथेसिस्	11
एई प्रोथेसिस्	2
बीई प्रोथेसिस्	3
टीएलएम 0-3	50
टीएलएम 4-6	80
टीएलएम 7-11	85
टीएलएम 12-18	84
ब्रेली स्लेट	9
क्रिकेट बॉल	33
केन	41
टेयलर्स् फ्रेम	1
हैंड मेग्नीफेयर	8
स्मार्ट केन	48
डेयजी प्लेयर	39
यूनिवर्सल ब्रेल किट	53
मॉड्रेट हियरिंग एड	23

स्ट्रॉंग हियरिंग एड	10
एक्स्ट्रा स्ट्रॉंग हियरिंग एड	12
कुल	2507 नं

मानानीय मंत्री महोदय श्री थावर चंद गेहलोत, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को उपकरणों का वितरण

जीवन एक संतुलन है। मेरे पास केवल एक पैर है, इसलिए मैं अच्छी तरह सेसमझता हूं।

- सैंडी फसेल

अध्याय 15

"मैं दुख की खुशी जानने के लिए अपने घुटनों पर क्रॉल करूंगा।"

- साइडवॉक पैगंबर

संसाधन प्रबंधन (प्रशासन) विभाग

प्रशासनिक विंग में विभिन्न वर्ग शामिल हैं, जैसे, प्रशासन, स्थापना, संपदा और निर्वहण, लेखा, स्टोर और क्रय, प्रशिक्षण कार्यक्रम / शैक्षणिक और पुस्तकालय व सूचना अनुभाग, संस्थान के प्रभावी कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशासन, कार्मिक, सतर्कता, भारत सरकार के विभिन्न नीतियों, नियमों और विनियमों, दिशानिर्देशों, क्रय, लॉजिस्टिक्स के कार्यान्वयन, टेंडरिंग अकादमिक कार्यक्रम गतिविधियों, बजट और वित्तीय प्रबंधन, सम्पदा, सूचना का प्रसार, मीडिया प्रचार, आरटीआईऔर राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित सभी मामले, प्रशासन विंग द्वारा कार्यान्वित किये जाते हैं।

स्टाफ की स्थिति

वर्ष 2017-18 की अवधि के दौरान मंजूर की गई नियमित पदों और भर्ती किये गये पदों का विवरण इस प्रकार है।

मंजूर पदों का विवरण : एनआईईपीएमडी

मंजूर पदों की कुल संख्या : 71 पद
(जीओआई / ईएफसी द्वारा मंजूर)
फेस । में सृजन की गई पदों की संख्या : 32 पद
फेस ।। में पदों की संख्या। : 39 पद (सृजन की प्रक्रियाधीन)

फेस । में पदों की भर्ती एवं रिक्तियों का विवरण (31 मार्च 2019 तक)

क्र	पद का नाम	मंजूर की गई	पदधारित	रिक्त
1.	निदेशक	01	01	00
2.	असोसियेट प्रोफेसर	06	03*	03
3.	डिप्टी रजिस्ट्रार (अड्मिन)	01	01	00
4.	अकाउन्ट्स् अफसर	01	01	00
5.	लेक्चरर	06	06	00
6.	इन्फो व मीडिया अफसर	01	01	00
7.	रीहैबिलिटेशन अफसर	06	05	01
8.	प्रोग्राम असिस्टेंट	06	05	01
9.	स्पेशल एजुकेशन टीचर	04	04	00
	कुल	32	27	05
10	एमटीएस	NIL	1#	NIL

*स्वीकृत एक असोसियेट प्रोफेसर के स्थान पर एक लेक्चरर इन मेडिकल साइंसेस् को नियुक्त किया गा है।

सीआरसी, एवाईजेएनआईएचएच, मुम्बई से पोस्ट सहित स्थानांतरित किया गया।

पहचान किये गेय बैकलॉग पद जो एससी / एसटी, ओबीसी एवं पीडब्ल्युडी के लिए आरक्षित किये गये हैं, उन पदों की भर्ती

अंतिम वर्ष 2018-19 के दौरान, एससी / एसटी, ओबीसी एवं पीडब्ल्युडी के पहचान की गई कोई बैकलॉग रिक्त पद नहीं है।

"मैंअपनीदिव्यांगता साबितकरने के लिएएकमिशनपरसि फएकआदमीनहींहूँ,"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

परिषद् की बैठकें

सामान्य परिषद्

संस्थान के 12वी सामान्य परिषद् की बैठक 22 जनवरी, 2019 को डीईपीडब्ल्युडी, नई दिल्ली में संपन्न हुई।

कार्यकारिणी परिषद्

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान तीन कार्यकारिणी परिषद् की बैठकें आयोजित की गई।

ए) ईसी की 32वी बैठक 12 अप्रैल 2018 को डीईपीडब्ल्युडी, नई दिल्ली में संपन्न हुई।

बी) ईसी की 33वी बैठक 13 जुलाई 2019 को एनआईईपीएमडी में संपन्न हुई।

सी) ईसी की 34वी बैठक 4 जनवरी 2019 को डीईपीडब्ल्युडी, नई दिल्ली में संपन्न हुई।

राजभाषा का क्रियान्वयन

इस संस्थान में हिंदी कार्यान्वयन के लिए गठित समिति सरकारी मामलों में हिंदी के बेहतर उपयोग के लिए राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर रही है।कार्यालय सील और कार्यालय पत्र पैड द्विभाषी में बनाए गए हैं। हिंदी में प्राप्त आरटीआई आवेदनों का हिंदी में उत्तर दिया गया। संयुक्त सचिव, डीईपीडब्ल्युडी को संस्थान की मासिक रिपोर्ट का अग्रेषण पत्र हिंदी में भेजा गया था। विभिन्न परीक्षाओं से संबंधित प्रश्न पत्र द्विभाषी में तैयार किए गए थे। एचआरडी छात्रों को हिंदी में परीक्षा लिखने की अनुमति दी गई।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह:

एनआईईपीएमडी में 14-22 सितम्बर 2018 को हिन्दी पखवाडा समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनआईईपीएमडी के परिसर में हिन्दी के प्रयोग को दर्शाते हुए विविध पोस्टर लगाये गये। छात्रों व स्टाफ के लिए वादविवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लगभग 95 सहभागी जिनमें छात्र एवं स्टाफ है, ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। पोस्टर तथा डिबेट प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 26 सितम्बर 2018 को श्री सतिष चंद्र, झारखण्ड सरकार के दिव्यांग व्यक्तियों के राज्य आयुक्त द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये।

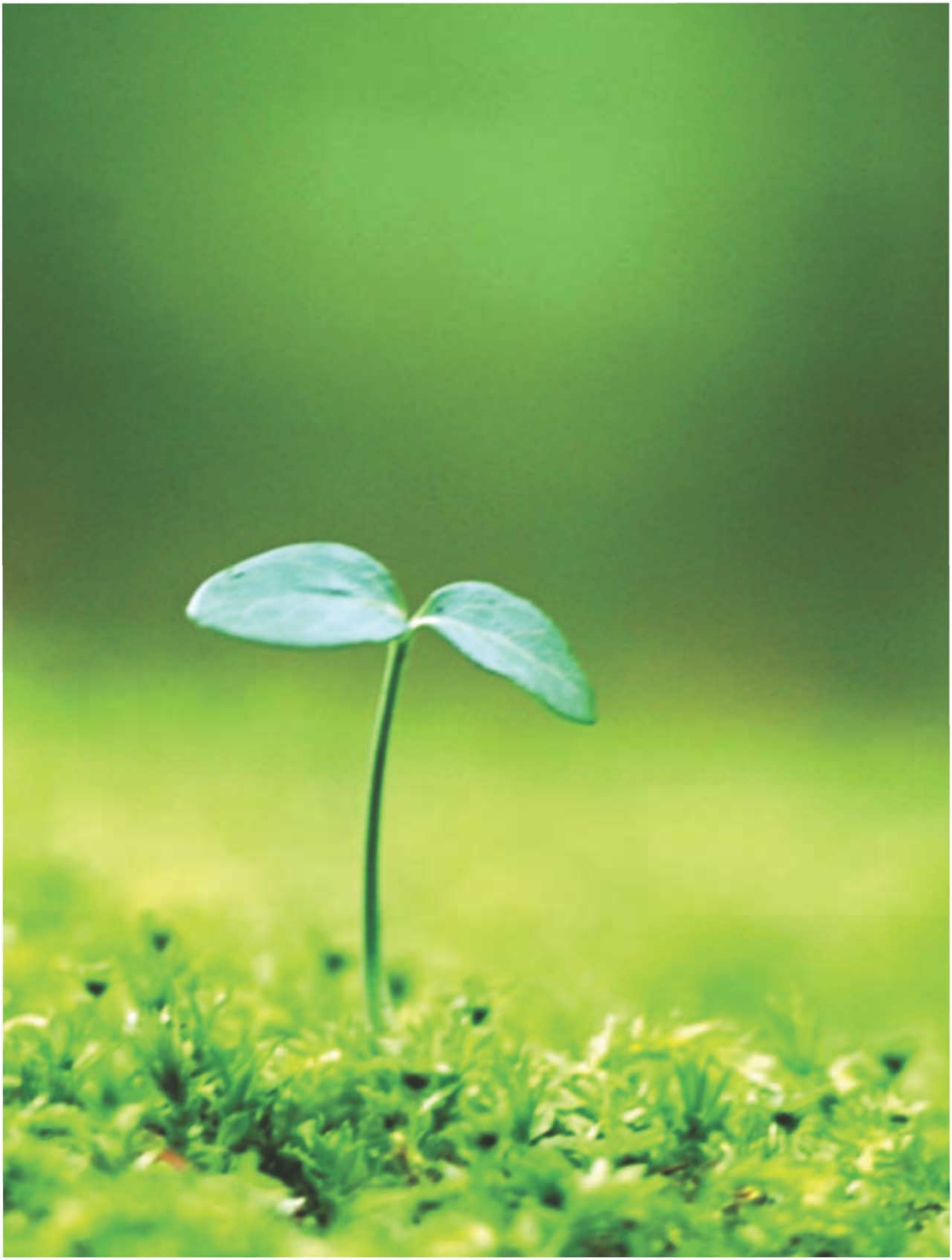

अध्याय 16

अगर आपके पास हमेशा गुस्सा या शिकायत रहती है तो लोगों के पास आपके लिए समय नहीं है। "

- स्टीफन हॉकिंग

मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण

(शैक्षणिक विभाग)

एनआईईपीएमडी बहु दिव्यांग व्यक्तियों की साधिकारिता के लिए एक राष्ट्रीय संसाधन केंद्र और सर्वोच्च निकाय है, जिसका प्राथमिक जनादेश, दिव्यांग व्यक्तियों के जीवनचक्र दृष्टिकोण में मानव संसाधन, जो दिव्यांग व्यक्तियों की साधिकारिता के लिए कार्य कर सकते हैं, को विकसित करने के लिए अनुसंधान एवं नवोन्मेषण करना है।

वर्ष 2018-19 के दौरान प्रदान किये गये कार्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि वर्षों में	संबद्धिता
1.	मास्टर ऑफ फिलासफी क्लिनिकल साइकॉलजी (एमफिल, क्लिनिकल साइकॉलजी)	2	मद्रास विश्वविद्यालय
2.	मास्टर ऑफ एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन ऑटीज्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर (एमएड स्पे एजु एएसडी)	2	तमिलनाडु टीचर एजुकेशन युनिवर्सिटी (टीएनटीईयु)
3.	मास्टर ऑफ एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज (एमएड स्पे एजु एमडी)	2	टीएनटीईयु
4.	बैचिलर ऑफ एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज़ (बीएड स्पे एजु एमडी)	2	टीएनटीईयु
5	बैचिलर ऑफ एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन ऑटीज्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर (बीएड स्पे एजु एएसडी)	2	टीएनटीईयु
6	बैचिलर ऑफ एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन डेफ ब्लाईंड (बीएड स्पे एजु डीबी)	2	टीएनटीईयु
7	डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन आटीज्म स्पेक्ट्रम डिसार्डर (डीएड स्पे एजु एएसडी)	2	एनबीईआर
8	डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन सेरेब्रल पालसी (डीएड स्पे एजु सीपी)	2	एनबीईआर

"हालांकि जीवन मुश्किल लग सकता है, लेकिन हमेशा कुछ ऐसा होता है जिसे आप कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं"।

स्टीफन हॉकिंग

9.	डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन डेफ ब्लाइंड (डीएड स्पे एजु डीबी)	2	एनबीईआर
10.	डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज (डीएड स्पे एजु एमडी)	2	एनबीईआर
11.	बैचिलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी)	4 1/2	दि तमिलनाडु डॉ एमजीआर मेडिकल विश्वविद्यालय (टीएन डॉ एमजीआर एमयु)
12	बैचिलर ऑफ ऑडियॉलजी एण्ड स्पीच लैंग्वेज पैथॉलजी (बीएएसएलपी)	4	टीएन डॉ एमजीआर एमयु
13.	बैचिलर इन आक्युपेशनल थेरेपी (बीओटी)	4 1/2	टीएन डॉ एमजीआर एमयु
14.	पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन अर्ली इंटरवेंशन (पीजीडीईआई)	1	मद्रास विश्वविद्यालय
15.	सर्टीफिकेट कोर्स इन केयर गिविंग - नेशनल ट्रस्ट प्राईमरी सीसीसीजी (एनटी प्राईमरी)	3 माह	राष्ट्रीय न्यास
16.	सर्टीफिकेट कोर्स इन केयर गिविंग - नेशनल ट्रस्ट सीनियर लेवल सीसीसीजी (एनटी सीनियर लेवल)	3 माह	राष्ट्रीय न्यास
17.	सर्टीफिकेट कोर्स इन केयर गिविंग आरसीआई सीसीसीजी (सर्टीफिकेट लेवल)	10 माह	एनबीईआर

सभी पाठ्यक्रम, क्रमांक 11,13,15, व 16 को छोडकर, आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

"गलत दृष्टिकोण जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है"।

- स्कॉट हैमिल्टन

एचआरडी कार्यक्रम में लिंग व विशेष वर्ग की साधिकारिता

एनआईईपीएमडी में वर्ष 2018-19 में विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लिये छात्रों का लिंग व वर्ग वार वितरण

पाठ्यक्रम का नाम	लिंग		वर्ग					
	पु	म	एससी	एसटी	ओबीसी	सा	पीडब्ल्यूडी	कुल
मास्टर ऑफ फिलासफी क्लिनिकल साइकॉलजी (एमफिल, क्लिनिकल साइकॉलजी)	02	16	02	02	11	03	--	18
मास्टर ऑफ एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन ऑटीज्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर (एमएड स्पे एजु एएसडी)	02	03	--	--	02	03	--	05
मास्टर ऑफ एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज (एमएड स्पे एजु एमडी)	02	03	--	--	04	--	01	05
बैचिलर ऑफ एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज़ (बीएड स्पे एजु एमडी)	10	21	08	01	06	15	--	30
बैचिलर ऑफ एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन ऑटीज्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर (बीएड स्पे एजु एएसडी)	06	18	05	02	04	12	--	23
बैचिलर ऑफ एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन डेफ ब्लाईंड (बीएड स्पे एजु डीबी)	04	05	02	01	--	06	--	09
डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन आटीज्म स्पेक्ट्रम डिसार्डर (डीएड स्पे एजु एएसडी)	03	20	07	03	02	11	--	23
डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन सेरेब्रल पालसी (डीएड स्पे एजु सीपी)	03	02	01	--	02	02	01	05
डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन डेफ ब्लाईंड (डीएड स्पे एजु डीबी)	02	04	02	--	--	04	--	06
डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज (डीएड स्पे एजु एमडी)	09	15	02	03	12	04	02	23
बैचिल ऑफ फिजियोथेरेपी	30	41	11	03	19	16	--	69
बैचिलर ऑफ आक्युपेशनल थेरेपी	15	29	10	--	21	13	--	44
बैचिलर ऑफ ऑडियॉलजी एण्ड स्पीच लैंग्वेज पैथॉलजी	13	27	06	03	13	18	--	40
पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन अर्ली इंटरवेंशन (पीजीडीईआई)	02	05	--	02	--	05	--	07
सर्टीफिकेट कोर्स इन केयर गिविंग आरसीआई सीसीसीजी (सर्टीफिकेट लेवेल)	--	10	05	--	05	--	--	10
सर्टीफिकेट कोर्स इन केयर गिविंग - नेशनल ट्रस्ट सीनियर लेवेल सीसीसीजी (एनटी सीनियर लेवेल)	--	02	--	--	02	--	--	02
सर्टीफिकेट कोर्स इन केयर गिविंग - नेशनल ट्रस्ट प्राईमरी सीसीसीजी (एनटी प्राईमरी)	--	03	--	--	02	01	--	03

"दिव्यांगता एक धारणा का विषय है। आप सिर्फ एक अच्छे काम से सबके चहेते बन जाते हैं"

- मार्टिना नवरातिलोवा

अर्जित राजस्व

एचआरडी कार्यक्रम द्वारा अर्जित प्रोद्भुत व राजस्व

कार्यक्रम का नाम	संस्थागत शुल्क द्वारा आंतरिक प्रोद्भुत रु.
मास्टर ऑफ फिलासफी क्लिनिकल साइकॉलजी (एमफिल, क्लिनिकल साइकॉलजी)	17,98,500/-
मास्टर ऑफ एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन आटीज्म स्पेक्ट्रम डिसार्डर व मल्टीपल डिसबिलिटीज (एमएड स्पे एजु I व II वर्ष)	1,14,000/-
बैचिलर ऑफ एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज़ (बीएड स्पे एजु एमडी) (I व II वर्ष)	5,87,500/-
बैचिलर ऑफ एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन ऑटीज्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर (बीएड स्पे एजु एएसडी) (I व II वर्ष)	3,86,000/-
बैचिलर ऑफ एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन डेफ ब्लाईंड (बीएड स्पे एजु डीबी) I वर्ष	2,63,000/-
पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन अर्ली इंटरवेंशन (पीजीडीईआई)	1,20,000/-
बैचिल ऑफ फिजियोथेरेपी I,II, III वर्ष	19,82,000/-
बैचिलर ऑफ ऑडियालजी एण्ड स्पीच लैंग्वेज पैथॉलजी I व II वर्ष	15,86,500/-
बैचिलर ऑफ आक्युपेशनल थेरेपी I व II वर्ष	15,57,000/-
डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन आटीज्म स्पेक्ट्रम डिसार्डर (डीएड स्पे एजु एएसडी) I व II वर्ष	2,40,400/-
डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन सेरेब्रल पालसी (डीएड स्पे एजु सीपी) I व II वर्ष	1,04,000/-
डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन डेफ ब्लाईंड (डीएड स्पे एजु डीबी) I व II वर्ष	72,000/-
डिप्लोमा इन एजुकेशल स्पेशल एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज (डीएड स्पे एजु एमडी) I व II वर्ष	3,74,700/-
कुल	**91,85,600/-**

विशेष लक्षित समूह

विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों और माता-पिता, जिन्हें पाठ्यक्रम और व्यक्तिगत समर्थन में अनुकूलन और आवास की आवश्यकता होती है, उन्हें एनआईईपीएमडीमें दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम करने का अवसर दिया गया।

"जो अत्यावश्यक है, उसे करना प्रारम्भ करो । उसके बाद जो संभव हो उसे करो और अचानक आप असंभव कार्यों को भी करने लगोगे"

- फ्रांसिस ऑफ असीसी

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान, एनआईईपीएमडी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों को एनआईईपीएमडी चेन्नई में विभिन्न पाठ्यक्रम करने के लिए विशेष योजना के आधार पर प्रवेश दिया। राज्यवार वितरण निम्नलिखित है।

कार्यक्रम का नाम	विशेष आवश्यकतावाले छात्रों की संख्या	विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के अभिभावकों की संख्या
मास्टर ऑफ एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन आटीज्म स्पेक्ट्रम डिसार्डर (एमएड स्पे एएसडी एमडी)	02	01
बैचिलर ऑफ एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन मल्टीपल डिसबिलिटीज़ (बीएड स्पे एजु एएसडी, एमडी व डीबी)	04	03
डिप्लोमा इन एजुकेशन स्पेशल एजुकेशन आटीज्म स्पेक्ट्रम डिसार्डर (डीएड स्पे एजु एएसडी सीपी डीबी व एमडी)	03	01
सीसीसीजी (सर्टीफिकेट लेवेल, एनटी प्राईमरी व सीनियर लेवेल)	--	10

	राज्य	छात्रों की संख्या
बीएएसएलपी I वर्ष	मेघालय व मिजोरम	2
डीएड स्पे एजु एएसडी	मणिपुर	1
डीएड स्पे एजु एमडी	असम व मणिपुर	2
बीएड स्पे एजु एमडी	सिक्किम	2
बीएड स्पे एजु एएसडी	असम	1
बीएड स्पे एजु डीबी	त्रिपुरा, नागालैंड, असम	3
एमएड स्पे एजु एमडी	असम	1
कुल		**12**

एनई एचआरडी योजना आधारित सेवा 2017-18 में प्राप्त करने वाले पूर्वोत्तर के सीनियर बैच के द्वितीय वर्ष बैच के छात्र

	राज्य	छात्रों की संख्या
एमफिल क्लिनिकल साइकॉलजी	**मिजोरम**	1
डीएड स्पे एजु एएसडी, एमडी व डीबी	**असम सिक्किम**	9
बीएड स्पे एजु एएसडी एमडी	**असम मेघालय सिक्किम**	5
कुल		**15**

छात्रों को छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति का नाम	कार्यक्रम	प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या
पोस्ट मैट्रिक स्कालरशिप फार मैनारिटी स्टुडेन्ट्स, एमएसजेई, जीओआई, नेशनल ई स्कालरशिप पोर्टल के माध्यम से	डीएड स्पे एजु (सीपी) व बीएएसएलपी	01 01

"मैं हवा की दिशा नहीं बदल सकता, लेकिन मैं अपने पालों को हमेशा अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए समायोजित कर सकता हूं।"

- जिमी डीन

एस सी व एसटी छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक स्कालरशिप योजना, आदि द्रविडर व ट्राइबल वेलफेयर विभाग, तमिलनाडु सरकार के ई स्कालरशिप पोर्टल द्वारा	डीएड स्पे एजु (एएसडी), (सीपी),(डीबी), (एमडी)	06
	एमफिल क्लिनिकल साइकॉलजी	01
	बीएड स्पे एजु (एमडी), (एएसडी) (डीबी)	08
	बैचिलर ऑफ आक्युपेशनल थेरेपी (बीओटी)	04
	बैचिलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी)	14
	एमएड स्पे एजु (एमडी) (एएसडी)	--
	बीएएसएलपी	03
एमबीसी व बीसी व डीएनसी छात्रों को पोस्ट मैट्रिक स्कालरशिप तमिलनाडु सरकार के ई स्कालरशिप पोर्टल द्वारा	बीओटी, बीपीटी	12
कुल		**50**

प्रमुख पेशेवरों की भेंट

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान एनआईईपीएमडी को संबंधित क्षेत्र, जैसे, आटीज्म स्पेक्ट्रम डिसार्डर, बधिरांध, सेरेब्रल पालसी, बौद्धिक दिव्यांगता, क्रास डिसबिलिटी तथा बहुदिव्यांगता के संसाधन व्यक्ति या भेंटकर्ता फैकल्टी या क्षेत्र विशेषज्ञों ने प्रमुख पेशेवरों के रूप में भेंट की। उन्होंने एनआईईपीएमडी द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के सहभागियों से तथा एचआरडी छात्रों से अपने अपने अनुभावों का आदान प्रदान किया। एनआईईपीएमडी को भेंट किये प्रमुख पेशेवरों का विवरण इस प्रकार है।

1. डॉ पीटर अलेन, केम्ब्रिज विश्वविद्यालय
2. आईओडब्ल्युए विश्वविद्यालय के प्रोफेसर (विशेष शिक्षा विभाग)
3. श्री चित्रा शाह, निदेशक, सत्या स्पेशल स्कूल, पांडीचेरी

परिणाम 2016-18 बैच

पाठ्यक्रम	परीक्षा संचालक	परीक्षा में उपस्थित छात्रों की संख्या	प्राप्त श्रेणई			
			विशिष्ठता	प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणई	
एमफिल (क्लि.साई)	मद्रास विश्वविद्यालय	7	1	6	---	-
एमएड (एएसडी)	टीएनटीईयु	02	--	01	--	01

"अगर मन में ठान लिया तो आधी जीत हो गई।"

- थियोडोर रूसवेल्ट

एमएड एसई (एमडी)	टीएनटीईयु	11	03	07	--	01
बीएड (एएसडी)	टीएनटीईयु	05	--	03	--	02
बीएड (एमडी)	टीएनटीईयु	07	02	05	--	--
डीएड एसई (एएसडी)	एनबीईआर एनआईईपीएमडी	14	02	12	--	--
डीएड एसई (सीपी)	एनबीईआर एनआईईपीएमडी	12	08	04	--	--
डीएड एसई (डीबी)	एनबीईआर एनआईवीएच	04	01	03	--	--
डीएड एसई (एमडी)	एनबीईआर एनआईईपीएमडी	02	02		--	--

प्लेसमेंट प्रोफाइल

एनआईईपीएमडी में एचआरडी के भूतपूर्व छात्रों के प्लेसमेंट को बढ़ावा देने व ट्रैक करने के लिए नई पहल रोजगार संगठन (2015-18)

पाठ्यक्रम	परीक्षा संचालक	पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले छात्रों की संख्या	जीओ में प्लेस छात्रों की संख्या	एनजीओ व अन्य संगठनों में प्लेस किये छात्रों की संख्या	प्लेस किये गये कुल छात्र
एमफिल (क्लि.साई)	मद्रास विश्वविद्यालय	07	03	04	07
एमएड (एएसडी)	टीएनटीईयु	02	02	--	02
एमएड एसई (एमडी)	टीएनटीईयु	11	08	03	11
बीएड एसई (एएसडी)	टीएनटीईयु	05	--	05	05
बीएड एसई (एमडी)	टीएनटीईयु	07	--	07	07
डीएड एसई (एएसडी)	एनबीईआर	14	--	14	14
डीएड एसई (सीपी)	एनबीईआर	12	--	12	12
डीएड एसई (डीबी)	एनबीईआर	04	--	04	04
डीएड एसई (एमडी)	एनबीईआर	02	--	02	02

1. एनआईईपीएमडी - ठेके पर	7. लिटिल फ्लावर स्पेशल स्कूल,चेन्नई
2. वी एक्सेल एजुकेशनल ट्रस्ट, चेन्नई	8. अपोलो अस्पताल, चेन्नई
3. सत्यलोक स्कूल, पुदुचेरी	9. गोल्डन स्पेशल स्कूल कर्नाटक
4. वैएमसीए स्पेशल स्कूल फार मेंटली चैलेन्ज्ड, मदुरई	10. संत जान एमएचएस स्कूल, चेन्नई
5. विजडम स्पेशल स्कूल	11. पैरारा क्लिनिकल सेन्टर चेन्नई
6. सत्य स्पेशल स्कूल, चेन्नई	12. नीरो फाउन्डेशन, सेलम

सह-शैक्षिक गतिविधियाँ

सह-शैक्षिक गतिविधियों के भाग के रूप में छात्र अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नेशनल समिट और राज्य स्तरीय सेमिनार और एनआईईपीएमडी द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए थे।विभिन्न कार्यक्रमों के उत्सव के दौरान, एचआरडी छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया था और उन्होंने निम्नलिखित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया था

• ड्राइंग प्रतियोगिता • पोस्टर प्रेजन्टेशन • वाद विवाद प्रतियोगिता	• रिसैटेशन प्रतियोगिता • भाषण प्रतियोगिता

स्टार परफार्मर्स्
वर्ष 2016-18 बैच में प्रत्येक पाठ्यक्रम के टापर्स्

पाठ्यक्रम	प्राप्त प्रतिशत	छात्र या छात्रा का नाम
एमफिल क्लिनिकल साइकॉलजी	77%	सुश्री सिनि एलसा जोसफ
एमएड स्पे एजु (एमडी)	76%	सुश्री आईजी अनुसूया सुश्री सी सीतालक्ष्मी
एमएड स्पे एजु (एएसडी)	72%	सुश्री एम मोहिदीन बानु
बीएड स्पे एजु (एमडी)	77%	सुश्री जी श्री राजलक्ष्मी
बीएड स्पे एजु (एएसडी)	73%	सुश्री एसवी सौमिया
डीएड स्पे एजु (एएसडी)	87%	सुश्री के.जोइस
डीएड स्पे एजु (सीपी)	89%	सुश्री आर.के.विद्या
डीएड स्पे एजु (डीबी)	84%	सुश्री एस विजया
डीएड स्पे एजु (एम़डी)	90%	सुश्री के.जिन्शा
पीजीडीईआई	77%	सुश्रई नीतु, पी
सीसीसीजी आरसीआई	75%	सुश्री भुवनेश्वरी एस
सीसीसीजी सीनियर लेवेल	64%	सुश्रई शिवगामी जी
सीसीसीजी सर्टीफिकेट लेवेल	69% 65%	सुश्री वनजा आर सुश्री नसरत बानु के एस

'कोई दिव्यांगता या शब्दकोष स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में सक्षम नहीं है कि हम एक व्यक्ति के रूप में कौन हैं।'

- रॉबर्ट एम हेंसल

जब हर कोई कहता है कि आप नहीं कर सकते हैं, दृढ़ संकल्प कहते हैं, "हाँ आप कर सकते हैं।"

- रॉबर्ट एम. हेन्सेल

छात्रों की साझेदारी से नए पहल

साझेदार संस्थानों के एचआरडी प्रशिक्षुओं को सेवाएँ

एनआईईपीएमडी विभिन्न कार्यक्रमों के विद्यार्थियों तथा विभिन्न संस्थानों, संगठनों व विश्वविद्यालयों के छात्रों को इंटर्नशिप व फील्ड प्लेसमेंट प्रदान करता है। एनआईईपीएमडी पुनर्वास के क्षेत्र में अनुसंधान अध्ययन करने के लिए स्कालरों को अनुमति भी प्रदान करता है।

इंटर्नशिप किये हुए छात्रों की संख्या	संगठनों व संस्थानों की संख्या	उत्पन्न राजस्व
457	46	3,09,390.00

इंटर्न व स्कालरों का प्लेसमेंट

विषय	प्रशिक्षित छात्रों की संख्या
स्पेशल एजुकेशन	37
स्पीच थेरेपी	45
फिजियोथेरेपी	256
आक्युपेशनल थेरेपी	21
सोशल वर्क	23
साइकॉलजी	56
मेडिकल साइंस	8
अन्य	11
कुल	457

एनआईईपीएमडी को अन्य संगठनों से एक्स्पोजर विजिट

एनआईईपीएमडी विभिन्न कार्यक्रमों और विभिन्न संस्थानों / संगठनों / विश्वविद्यालयों से बाहरी एचआरडी प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों के लिए फील्ड विजिट प्रदान करता है।

एनआईईपीएमडी को भेंट किये छात्रों व स्टाफ की संख्या	संगठनों व संस्थानों की संख्या	उत्पन्न राजस्व रु
2500	62	56,120.00

जीवन में एकमात्र दिव्यांगता एक बुरा रवैया है। '

- स्कॉट हैमिल्टन

एनआईईपीएमडी के इंटर्नशिप साझेदार

1. अविनाशलिंगम विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर
2. अन्नामलइ विश्वविद्यालय, चदम्बरम
3. पांडीचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी
4. विनायका मिशन विश्वविद्यालय, पुदुचेरी
5. केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक
6. क्रिस्ट कॉलेज, केरल
7. चेट्टीनड हेल्थ सिटी, चेन्नई
8. भारतीयर विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर
9. एसवीवीएएस, बैंगलुरू
10. दि तमिलनाडु डॉ.अम्बेडकर लॉ विश्वविद्यालय, चेन्नई
11. युनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड बाल्टीमोर कंट्री, युएसए
12. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, सिकंदराबाद
13. श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज, चेन्नई
14. संत जोसफ कॉलेज ऑफ आर्ट्स व साइंस
15. श्री रामचंद्रा मेडिकल कॉलेज, चेन्नई
16. एसआरएम कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, चेन्नई
17. एसआरएम कॉलेज ऑफ ऑक्युपेशनलथेरेपी, चेन्नई
18. एसआरएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल व रीसर्च, चेन्नई
19. एसआरएम स्कूल ऑफ आर्कीटेक्चर, चेन्नई
20. होली क्रॉस कालेज, ट्रिची
21. प्रेसीडेंसी कॉलेज, चेन्नई
22. पैट्रीसियन कॉलेज ऑफ आर्ट्स् व साइंस, चेन्नई
23. मद्रास स्कूल ऑफ सोशल वर्क, चेन्नई
24. एनकेटी नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चेन्नई
25. एसआरएम फैकल्टी ऑफ इंजनीयरिंग व टेक्नालजी, चेन्नई
26. हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स् व साइंस, कोयम्बतूर
27. मदर थेरेसा पीजी व रीसर्च इंस्टीट्यूट फर हेल्थ साइंस, पुदुचेरी
28. एसएसएन कॉलेज ऑफ इंजिनीयरिंग, चेन्नई
29. वेल्स कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, चेन्नई
30. दि बनयन अकादमी ऑफ लीडरशिप इन मेंटल हेल्थ, चेन्नई
31. एडब्ल्युएच स्पेशल कॉलेज, कोझिकोड
32. महेन्द्रा आर्ट्स् एण्ड साइंस कॉलेज, सेलम
33. श्रीनिवास स्कूल आफ आर्कीटेक्चर, मैंगलूर
34. गुडविल चिल्ड्रन होम, कोडइकेनाल
35. डॉ एमजीआर जानकी कॉलेज, चेन्नई
36. मोहम्मद सथक एजे अकादमी ऑफ आर्कीटेक्चर, चेन्नई
37. राजीव गाँधी नेशनल इंस्टीट्यूट फार यूत डेवलपमेंट, श्रीपेरुम्बुदुर
38. टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंस, मुम्बई
39. गुरुनानक कॉलेज, चेन्नई
40. स्टेल्ला मेरिस कालेज, चेन्नई
41. तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी, चेन्नई
42. जिपमर, पांडीचेरी
43. शक्तिकैलाश विमेन्स् कॉलेज, चेन्नई
44. महेन्द्रा कॉलेज, नमकल
45. सीआरसी कोझिकोड
46. इंदिरागाँधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी, ईग्नु, नई दिल्ली

"कठिन चीजें हमारे रास्ते में डाल दी जाती हैं, हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि हमारे साहस और शक्ति को बाहर निकालने के लिए।"

रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया (आरसीमैं) - एनबीइआरजोनल कोर्स कोऑर्डिनेटर मीट: दक्षिणी जोन-2019

अध्याय 17

एन आई ई पी एम डी राष्ट्रीय पुनर्वास परीक्षा बोर्ड (एन बी ई आर)

अपना चेहरा हमेशा धूप की ओर रखें - और छाया आपके पीछे पड़ जाएगी। "

- वाल्ट व्हिटमैन

प्रस्तावना :

राष्ट्रीय पुनर्वास परीक्षा बोर्ड (NBER) भारतीय पुनर्वास परिषद के तहत एक वैधानिक निकाय है। यह सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८७० के तहत एक पंजीकृत सोसाइटी के रूप में बनाया गया है और आरसीआई के सहायक निकाय के रूप में ८ जून २०१४ को प्रभावी बनाया गया है। एन बी ई आर का प्रमुख कार्य पूरे भारत में पुनर्वास के क्षेत्र में डिप्लोमा / सर्टिफिकेट स्तर के कार्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करना है। ये परीक्षाएँ विकलांगता के क्षेत्र में काम करने वाले प्रशिक्षित व्यावसायिकों / कर्मियों की दक्षता सुनिश्चित करतीं हैं। आर सी आई की ओर से एन आई ई पी एम डी, एन बी ई आर के क्रियाकलापों का संचालन कर रहा है।

विज़न:

पुनर्वास के क्षेत्र में गुणवत्ता मानवशक्ति सुनिश्चित करना

मिशन :

प्रशिक्षित पुनर्वास पेशेवर / कर्मियों की दक्षता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षाएँ आयोजित करना।

एन आई ई पी आई डी में एन बी ई आर इकाई निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का आयोजन करता है।

- डीएड स्पेशल एजुकेशन (एमआर)
- डीएड स्पेशल एजुकेशन (सीपी)
- डीईसीएसई (एमआर)
- डीवीआर (एमआर)
- एसीसीआईई (सीडी)
- डीपीओ
- सीसीआरटी
- डीएड स्पेशल एजुकेशन (एएसडी)
- डीएड स्पेशल एजुकेशन (एमडी)
- डीसीबीआर
- सीसीसीजी
- डीआरटी
- सीपीओ

नए जोडे गये पाठ्यक्रम

- **सीसीसजी प्राईमरी**
- **सीसीसीजी अड्वांस्ड्शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के लिए एनरोल किये गये छात्रों का विवरण**

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एमआर)	4275
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एएसडी)	541
डीएड स्पेशल एजुकेशन (सीपी)	298
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एमडी)	05
डीईसीएसई (एमआर)	71
डीवीआर (एमआर)	49
डीसीबीआर	21
सीसीसीजी	57
डीपीओ	Nil
सीपीओ	Nil
डीआरटी	4
सीसीआरटी	32
एसीसीआईई (सीडी)	361
सीसीसीजी प्राईमरी, अड्वांस्ड *	5
	5719

* **वर्ष 2017-18 में प्रारंभ किये गये नए पाठ्यक्रम**

"मुझे मेरी क्षमताओं के लिए जानो, मेरी विकलांगता को नहीं।"

- रॉबर्ट एम. हेन्सेल

प्रति वर्ष पंजीकृत छात्रों व संस्थानों की संख्या

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या	संस्थानों की संख्या
2015	4792	209
2016	6330	253
2017	9023	208
2018	5719	327

2018 परीक्षाएँ

एनआईईपीआईडी एनबीईआर ने देश भर में 18 जून से 23 जून, 2018 तक 15 डिप्लोमा व प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों की अंतिम परीक्षाएँ आयोजित की। देश भर के 327 संस्थानों के लिए इन परीक्षाएँ आयोजित की गई। परीक्षाओं का पारदर्शी और सुचारू रूप से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों, पाठ्यक्रमों की पेशकश और नामांकित छात्रों का विवरण निम्नलिखित है।

पाठ्यक्रम	केन्द्रों की संख्या	छात्रों की संख्या
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एमआर)	293	4275
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एएसडी)	51	541
डीएड स्पेशल एजुकेशन (सीपी)	34	298
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एमडी)	1	05
डीईसीएसई (एमआर)	8	71
डीवीआर (एमआर)	11	49
डीसीबीआर	1	21
सीसीसीजी	4	57
डीपीओ	1	Nil
सीपीओ	1	4
सीसीआरटी	2	32
एसीसीआईई(सीडी)	16	361
सीसीसीजी प्राईमरी, अड्वांस्ड *	2	5
	कुल	**5719**

वर्ष 2018-19 में जारी प्रमाण पत्रों का विवरण

पाठ्यक्रम	संस्थान	प्रमाणपत्रों की संख्या
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एमआर)	208	4061
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एएसडी)	32	534
डीएड स्पेशल एजुकेशन (सीपी)	25	429
डीएड स्पेशल एजुकेशन (एमडी)	1	2
डीईसीएसई (एमआर)	10	114
डीवीआर (एमआर)	9	80
डीसीबीआर	2	21
सीसीसीजी	5	59
डीपीओ	1	3
सीपीओ	2	46
डीआरटी	1	8
सीसीआरटी	2	54
एसीसीआईई सीडी	75	1642
सीसीसीजी प्राईमरी बै एनटी अड्वांस्ड बै एनटी	2	13
	कुल	**7066**

"दयालुता वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं ।"

- मार्कट्वेन

वर्ष 2017-19 व 201-18 में जारी अंकसूची का विवरण

पाठ्यक्रम	पास	फेल	कुल
डीएसई एमआर ।। वर्ष 2016-18	4762	347	5109
डीएसई एमआर । वर्ष 2017-19	5806	814	6620
डीएसई सीपी ।। वर्ष 2016-18	554	96	650
डीएसई सीपी । वर्ष 2017-19	722	224	946
डीएसई एएसडी ।। वर्ष 2016-18	712	86	798
डीएसई एएसडी । वर्ष 2017-19	971	251	1222
डीएसई एमडी ।। वर्ष 2016-18	2	0	2
डीएसई एमडी । वर्ष 2017-19	19	0	19
डीईसीएसई	136	25	161
डीसीबीआर	25	4	29
डीवीआर	99	21	120
डीपीओ ।। वर्ष 2016-18	6	0	6
डीपीओ । वर्ष 2017-19	8	0	8
डीआरटी ।। वर्ष 2016-18	16	0	16
डीआरटी । वर्ष 2017-19	20	0	20
सीपीओ	46	0	46
सीसीआर	54	6	60
टीसीसीसीजी	63	5	68
एसीसीसआईई सीडी	1894	454	2348
सीसीसीजी प्राइमरी बै एनटी	4	1	5
सीसीसीजी अड्वांस्सड बै एनटी	9	1	10

एनआईईपीएमडी एनबीईआर द्वितीय दीक्षान्त समारोह

जून 2017 और जून 2018 परीक्षाओं के विजेताओं को सम्मानित करने और नए छात्रों को प्रेरित करने के लिए, एनआईईपीएमडी एनबीईआर ने प्रत्येक पाठ्यक्रमों के राष्ट्रीय टॉपर्स के लिए 6 मार्च 2019 को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक पाठ्यक्रम के प्रथम 3 रैंक धारकों को तमिलनाडु के राज्यपाल महामहिम तिरु बनवरीलाल पुरोहित को आमंत्रित किया गया और एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी, गुंडी, चेन्नई के रजत जयंती समागार में सम्मानित किया गया। ।

"मेरे पास एकदिव्यांगता है जो सही है, लेकिन वास्तव में इसका मतलब यह है कि मुझे आपसे थोड़ा अलग रास्ता अपनाना पड़ सकता है ।"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

जडसीसीई सदर्न जोन अधिवेशन 2019

एनआईईपीएमडी एनबीईआर ने जोनल कोर्स कोआर्डीनेटर अधिवेशन, सदरन जोन का 28 फरवरी 2019 को आईएमए हाउज, कोचिन में आयोजित की। दक्षिण भारत के विभिन्न शिक्षण संस्थानों कलगभग 150 पाठ्यक्रम सम्नवयक इस अधिवेशन में भाग लिया। आरसीआई के सदस्य सचिव डॉ सुबोध कुमार इन अधिवेशन की अध्यक्षता की।

एनरिचमेंट कार्यक्रम भारत विश्वविद्याल की भेंट

एनआईईपीएमडी एनबीईआर के स्टाफ भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एण्ड रीसर्च, चेन्नई का 4जनवरी 2019 को भेंट की। ज्ञान प्राप्त करने और नामांकन से प्रमाणन तक की प्रक्रिया में नवीनतम तकनीकों को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए यह दौरा किया गया था।

ग्रास रूट स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए कार्यशाला, तमिलाडु

एनआईईपीएमडी ने आधारिक स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए दिव्यांग व्यक्तियों और पुनर्वास के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन 1 व 2 फरवरी 2019 को किया। एनआईईपीएमडी एनबीईआर ने इस कार्यक्रम में निम्नलिखित विषय प्रस्तुत किया।

- आरसीआई और आरसीआई के तहत योजना
- पाठ्यक्रम विवरण और शुल्क विवरण
- आधारिक स्तर कार्यकर्ताओं के लिए करियर में लाभ

एनबीईआर की उपलब्धियाँ

- पूरे भारत के सभी केन्द्रों में 15 पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षाएँ आयोजित किया गया।
- निर्धारित तिथि को जून 2018 की परीक्षाओं के परिणाम सफलतापूर्वक घोषित किया गया।
- अक्तूबर 2018 माह में सभी संस्थानों को अंक सूची तथा प्रमाण पत्र तुरंत भेजे गये।
- द्वितीय राष्ट्रीय दीक्षान्त समारोह में तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल तिरु बनवरीलाल पुरोहित पधारे
- जोनल कोर्स कोआर्डीनेटर बैठक (साउथ जोन) 2019

"हर जीवन के लिए एक योजना और एक उद्देश्य, एक मूल्य है, चाहे उसका स्थान, उम्र, लिंग या दिव्यांगता कोई भी हो।"

- शेरोन एंगल

अध्याय 18

"हर जीवन के लिए एक योजना और एक उद्देश्य, एक मूल्य है, चाहे उसका स्थान, उम्र, लिंग या दिव्यांगता कोई भी हो।"

- शेरोन एंगल

कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी

प्रस्तावना

एनआईईपीएमडी ने सामाजिक प्रभावों को कॉर्पोरेट सहयोग द्वारा पुनर्वास सेवा गतिविधियों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा। इस सहयोग का प्रमुख उद्देश्य समावेशी समाज को निर्माण करने के लिए सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव को सृजन करना है। सहयोग की पहल को पूरी प्रतिबद्धता के साथ और कार्यनीति रूप से बनाया गया है। यह रिपोर्ट निर्धारित अवधि के दौरान कॉर्पोरेट्स के साथ किए गए अत्यंत मूल्यवान सहयोग पर प्रकाश डालती है। हम डॉ. हेलेन केलर के महान शब्दों पर विश्वास करते हैं कि, टिगेदर विकेन डू सो मच, जिसका अर्थ है, एक साथ मिलकर हम बहुत कुछ कर सकते हैं।रिपोर्ट किये गये सहयोग दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाले हैं।

उद्देश्य

- दिव्यांग व्यक्तियों की साधिकारिता के लिए पुनर्वास सेवाओं को बढ़ाना
- दिव्यांग व्यक्तियों की जीवन की गुणता को बढ़ाना
- पुनर्वास के विविध पहलुओं पर सार्वजनिक जागरूकता उत्पन्न करना
- समावेशी समाज के लिए मार्ग प्रशस्त करना
- सीएसआर की भूमिका एवं दिव्यांगजनों को रोजगार पर रखने के बारे में कार्पोरेट सेक्टर में जागरूकता उत्पन्न करना

फ्लैगशिप परियोजनाएँ

Accessible India Campaign

हर एक के लिए सुगम रिवहन
दिव्यांगता मामलों पर जागरूकता कार्यक्रम

स्वच्छ भारत क्रियाकलापों के पहलुओं के द्वारा स्वच्छता और पर्यावरण की अनुकूलता को बढ़ावा देना

लाभार्थियों के लिए बैरियर मुक्त प्रतीक्षा स्थान एवं भोजन स्थान और विश्राम कक्ष उपलब्ध कराना

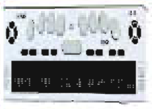

विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए विशेष उपकरण और सहायता

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

विकलांग व्यक्तियों के लिए कौशल प्रशिक्षण
PwDs के रोजगार / इंटर्नशिप / अन्य नौकरी प्रशिक्षण

1. हर एक के लिए सुलभ परिवहन

एनआईईपीएमडी मॉडल स्कूल के छात्रों और माता-पिता के लिए परिवहन सेवाएं एनआईईपीएमडी द्वारा किराए पर लिये गये स्कूल बसों को आरंभ से ही प्रदान की जा रही हैं ताकि प्रतिदिन की सुलभ परिवहन संबंधी चुनौतियों को सामना कर सकें। कॉर्पोरेट सहयोग की इकाई ने इस स्थिति में परिवर्तनशील परिवर्तन लाने के लिए संभावनाओं की छानबीन की और कई कॉर्पोरेट और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के समक्ष प्रस्ताव रखा। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, चेन्नई, युनाइटेड वे एवं चोलमण्डलम फैनान्स् कार्पोरेशन, चेन्नई, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, चेन्नई ने अपना सहयोग दिया और एनआईईपीएमडी के साथ सुलभ परिवहन प्रदान कर रहे हैं। अब एनआईईपीएमडीके बच्चे खुशी-खुशी रोज़ अपने स्कूल जाते हैं।

"मेरी दिव्यांगता ने मेरी असली क्षमताओं को देखने के लिए मेरी आँखें खोल दी हैं।"

- रॉबर्ट एम हेन्सेल

प्रशासनिक प्रभाव: इस पहल ने प्रशासनिक रूप से वित्त प्रबंधन पर प्रभाव पैदा किया। एनआईईपीएमडी निजी वाहन ऑपरेटरों से व्यावसायिक दरों पर बसें किराए पर ले रहा था। चूंकि उक्त कॉरपोरेट्स द्वारा पूंजीगत लागत साझा की जाती थी, जो अन्यथा बसों को किराए पर देने के लिए किराए पर लेने के लिए उपयोग की जाती।

2. स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से सहयोग

सार्वभौमिक स्वच्छता कवरेज प्राप्त करने और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए, भारत के प्रधान मंत्री ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन का अरंभ किया। इसका एक उद्देश्य स्वच्छता और स्वास्थ्ता को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। उपरोक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सीपीसीएल, चेन्नई तथा एचपीसीएल, चेन्नई के सहयोग से एनआईईपीएमडी ने बालिकाओं तथा बहुविध दिव्यांग बच्चों को मुफ्त में चार महीने डयापर वितरित किया ताकि व्यक्तिगत स्वास्थ्यता पर जागरूकता सृजन हो सके। एनआईईपीएमडी के विविध कार्यालय कमरों में कार्यालय का कचरे को रीसाइक्लिंग करने का आदत को बढ़ावा देने के लिए पेपर श्रेड्डर और प्लैस्टिक श्रेड्डर लगवाये गये।

"प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानबे प्रतिशत पसीना है ।"

- थॉमसएडिसन

३.विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए विशेष उपकरण और सहायता

विशेष शिक्षा के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पुनर्वास सेवाओं की उपलब्धता में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। अन्य विषयों के विपरीत, एनआईईपीएमडीने व्यक्तिगत घटनाओं के कारण पुनर्वास के क्षेत्र में आर्थिक रूप से बहुत पुरस्कृत आजीविका को शिफ्ट करते हुए, समाज के बहुत ही होनहार लोगों को देखा था। इसके अलावा, बडी मात्रा में दिव्यांग व्यक्तियाँ ऐसे हैं, जो दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षक बनने के लिए महत्वाकांक्षी हैं। हमने छात्रों की इन प्रेरक कहानियों को एकजुट तरीके से चेन्नई (युडब्ल्युसी)के साथ साझा किया है, उन्होंने बदले में हमें संसाधनों के साथ जरूरतों को पूरा करने में मदद की। हम युडब्ल्युसीके बहुत आभारी हैं, उन्होंने सीमित अवधि के भीतर 27 छात्रों का समर्थन किया। इस पहल के जरिये महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है, बधिरांध वाला एक छात्र को एक रिफ्रेशबल ब्रेली डिस्प्ले प्रदान किया गया था।

श्री टी मिरंडा से प्रशंसा पत्र की प्रतीक्षा है

४. दिव्यांग व्यक्तियाँ या कौशल प्रशिक्षण; रोजगार / इंटर्नशिप

दिव्यांग व्यक्तियों को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए समर्थन देना पुनर्वास का अंतिम और महत्वपूर्ण चरण है। एनआईईपीएमडीमें हम दिव्यांग व्यक्तियों को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए आवश्यक अवसर प्रदान करने के लिए नई पहल करने और संसाधन जुटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनआईईपीएमडी भारत सरकार द्वारा समर्थित कई कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पेशकश करता है। आगे, प्रौढ़ स्वतंत्र जीवनयाप विभाग ने सीएसआर वित्तपेषण के द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम विकसित करने का पहल आरंभ किया। सब्लिमेशन प्रिंटिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम को सराहना दिया गया और चेन्नई पेट्रोलियम कार्पोरेशन

"मेरे लिए उपलब्धि की सबसे बड़ी भावना यह है कि मैं एक एथलीट था जो कुछ हद तक दिव्यांग था।"

- बिल टुमी

लिमिटेड, चेन्नई द्वारा वित्तपोषित किया गया। यह कार्यक्रम बहुविध दिव्यांग व्यक्तियों को उत्पादन तथा ग्राहक संबंध में कौशलों में माहिर बनने के लिए एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। जागरूकता कार्यक्रम, रोजगार, इंटर्नशिल तथा नौकरी प्रशिक्षण सीएसआर मुवमेंट में कई एजेंसियों द्वारा साझा करने के लिए मान्यता दी जा रही हैं।

தமிழ் வார இதழ்

11-02-2019 முதல் 17-02-2019

[illegible] (CPCL) [illegible]

वर्ष 2018-19 संक्षेप में

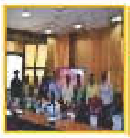

Special Equipment and Support for students with special needs - 24th August 2018

Accessible bus commenced its service from April 2019 donated by United Way & Cholamandalam, Chennai.

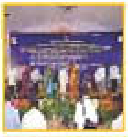

Bhoomi Pooja for Barrier Free waiting lobby and dining Area by Hon'ble Union Minister Shri. Thawar Chand Gehlot, on 13th July 2018

Swachh Bharat Activities with HPCL & CPCL– 30 Aug 2018 , CPCL

Refreshable Braille Display - Distribution 16th Oct 2018

Flag off for Accessible bus byDr.Thawar Chand Gehlot, Hon'ble Union Minister on 13 July, 2018

Inauguration of Skill training Program (Sublimation Unit) in Collaboration with CPCL, Chennai

हमारे सीएसआर भागीदार

"दिव्यांगता आपको असाधारण नहीं बनाती है, लेकिन आप जो सोचते हैं, उसके बारे में जानते हैं, यह सवाल करता है।"

- स्टेलायंग

प्रशंसा से आगे

मैं आपके टीम के सदस्यों तथा एनआईईपीएमडी के संकाय सदस्यों को उनके समर्पित, ध्यान, और खुले दिमाग की सोच, मदद करने की तत्परता, मेरे निवेदनों को सुनने के लिए धन्यवाद करना चाहता हूँ।जैसा कि मैंने मास्टर ऑफ एजुकेशन (एमएड) में अपनी पढ़ाई शुरू की है, मेरी वित्तीय स्थिति मुझे पढ़ाई जारी रखने और ट्यूशन फीस का भुगतान करने में असमर्थ था। जब मैं सहायता के लिए आपके पास गया, तो आपने तुरंत सहमतीदी और ट्यूशन फीस के साथ रु.48,000/- प्रदान किये और मुझे अंत तक रोशनी का दिशा दिखाया।

आपकी असीम दया से, मैं अब अपने सपने को पूरा करने और शिक्षक पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम हूं और आपको भगवान की तरह भेजा गया। आपकी उदारता सिर्फ पैसे के बारे में नहीं है, यह भावनात्मक दया और मेरीताकत पर आपके विश्वास को दर्शाया है। आपकी उदारता के कारण, मैं अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन कर पाया और संपूर्ण कर सका और इससे मेरा मार्ग आसान और मधुर हो गया।

. मेरे जैसे चुनौतीपूर्ण संवेदी व्यक्ति के लिए अवसर के इस महान द्वार को खोलने के लिए धन्यवाद, जो मेरे लिए बहुत बड़ा कदम है, और मुझे निरंतर और सफल होने के लिए शक्ति प्रदान किया

अध्याय 19

मेरी दिव्यांगता इसलिए नहीं है की मै व्हीलचेयर का उपयोग करता हूँ बल्कि इसलिए है की व्यापक वातावरण सुलभ नहीं है।

दिव्यांग व्यक्तियों का अधिकार अधिनियम 2016 का कार्यान्वयन

दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 को दिसंबर 2016 में अधिनियमित किया गया था। यह दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे, शैक्षिक, सामाजिक सुरक्षा, कानूनी, आर्थिक, रोजगार, स्वास्थ्य और मनोरंजन में, अधिकारों की सुरक्षा और सम्मान को बढ़ावा देता है। इस संदर्भ में, कौशल विकास, रोजगार, राज्य सरकार और केंद्र सरकार में नौकरी की पहचान, रैंप की और रेलिंग का अभिगम आदि के विभिन्न पहलुओं पर वर्ष 2018-19 के दौरान राष्ट्रीय बहुदिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान ने लागू किया गया। इसके अतिरिक्त, दिव्यांगता प्रमाणन पर जोर दिया गया तथा केन्द्रीय दिव्यांगज व्यक्ति सलाहकार बोर्ड में सक्रिय भाग लिया गया।

दिव्यांग व्यक्तियों के व्यापक कवरेज ७ से २१ तक को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित के अनुसार सक्रिय भाग लिया।

शारीरिक दिव्यांगता	संज्ञानात्मक दिव्यांगता	मानसिक व्यवहार
कुष्ठरोग मुक्त व्यक्ति, प्रमस्तिष्क आघात व्यक्ति, बौनापन, मस्कुलर डिस्ट्रोफी, अंधता, कम दृष्टि, श्रवण क्षति, (बधिर व सुनने में कठिनाई), वाक् व भाषा दिव्यांगता, एसिड हमले का शिकार, लोकोमोटर दिव्यांगता	विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, आटीज्म स्पेक्ट्रम अव्वस्था, बौद्धिक अक्षमता	मानसिक रोग
स्नायुसंबंधी स्थितियाँ	**रक्त विकार**	**अन्य**
मल्टीपल स्क्लेरोसिस, पार्किनसन रोग, तीव्र जीर्ण तंत्रिका संबंधी स्थितियां	हेमीफीलिया थलसेमिया सिकल सेल रोग	बहु दिव्यांगता उपरोक्त के अलावा, केन्द्र सरकार कोई अन्य वर्ग को अधिसूचित कर सकता है।.

एनआईईपीएमडी को आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम का संदर्भ लेते हुए विशेष प्रतिनिधि के रूप में जागरूकता, पेशेवरों की साधिकारिता, अनुसंधान और विकास को प्रभावी उपाय करने की जिम्मेदारी है।

मानव संसाधन विकास (आरपीडब्ल्युडी अधिनियम पर जागरुकता)

अंतर्राष्ट्रीय स्तर			
क्र.	**शीर्ष**	**कार्यक्रमों की संख्या**	**कार्यक्रमों की संख्या**
1	विकासात्मक दिव्यांगताओं में हाल ही के विकास	1	150

आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम का क्रियान्वयन

"यदि हम एक समृद्ध संस्कृति को प्राप्त करने के लिए हैं, तो हमें एक बुनाई करनी चाहिए जिसमें प्रत्येक विविध मानव उपहार को एक उपयुक्त स्थान मिलेगा।"

- मार्गरेटमीडे

राष्ट्रीय स्तर			
क्र.	शीर्ष	कार्यक्रमों की संख्या	सहभागियों की संख्या
1	सहायक उपकरण और तकनीकी	2	200
2	दिव्यांगता के अधिकार और भारत में स्थिति, नीति और कार्यक्रम	6	600
3	दिव्यांग व्यक्तियों का कौशल विकास	2	200
4	पीडब्ल्युडी के अधिकार अधिनियम 2016	2	200
जिला स्तर			
क्र.	शीर्ष	कार्यक्रमों की संख्या	सहभागियों की संख्या
1	समावेशी शिक्षा	1	30
2	ट्रान्सीशन स्किल और तैयारी	2	60
3	सहायक उपकरण और तकनीकी	2	60
4	दिव्यांग व्यक्तियों का कौशल विकास	2	60
5	दिव्यांग व्यक्तियों का कौशल विकास	1	30
6	दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन में जीवन भार, शिशु, बालवस्था व प्रौढावस्था में ट्रांसीशन को समझना	4	120
7	विकासात्मक दिव्यांगताओं में हाल ही के विकास	3	90

कौशल विकास

- आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम अध्याय IV की पूर्ति में एनआईईपीएमडी ने पीडब्ल्यूडी की 4 वीं श्रेणी के लिए पोस्ट पहचान में सक्रिय रूप से भाग लिया। वर्ष 2018-19 के दौरान डीईपीडब्ल्युडी, एसएसजेई एवं दिव्यांग व्यक्तियों के आयुक्त के कार्यालय में बैठकों का आयोजन किया गया।
- **वर्ष के दौरान बहुदिव्यांग एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए नौकरियों का मानकीकरण व संशोधन एवं नमूना पाठचर्या के लिए उपसमिति की बैठक का आयोजन किया गया।** 30 नई नौकरी भूमिकाओं और २६ मौजूदा नौकरी भूमिकाओं को संशोधित किया गया और दिव्यांग लोगों के लिए डीईपीडब्ल्युडी और कौशल परिषद द्वारा मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया। स्किलिंग के लिए मॉडल पाठ्यक्रम विकसित करने में देश भर के 38 संगठनों के 62 विशेषज्ञ सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

सुगम्य भारत अभियान

1. एनआईईपीएमडने सीएसआरपहल के भाग के रूप में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, यूनाइटेड वे, चोलामंडलम वित्त निगम और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, चेन्नई के सहयोग से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक सुगम्य परिवहन नमूने की शुरुआत की।

2. एनआईईपीएमडी ने पर्यावरण एवं सार्वभौमिक रूप रेखा में अवरोधों का समाधान पर राष्ट्रीय स्तर कॉंफ्रेंस का आयोजन किया।

"यह नहीं है कि मैं इतना स्मार्ट हूं, यह सिर्फ इतना है कि मैं समस्याओं के साथ लंबे समय तक रहता हूं ।"

- अल्बर्ट आइंस्टीन

सहयोगत्मक पहल

एनआईईपीएमडीने डेली लिविंग, एजुकेशन, वोकेशनल ट्रेनिंग एंड एम्प्लॉयमेंट की गतिविधियों के क्षेत्रों में सुलभ तकनीक के प्रावधान के साथ बहुदिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 15 मई 2018 को कोंगु इंजीनियरिंग कॉलेज, पेरुन्दुरई के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

“मैं अपनी क्षमता में" DIS "नहीं रखने का विकल्प चुनता हूं।"

- रॉबर्ट एम। हेन्सेल

वैश्विक उत्तम प्रथाओं के कार्यान्वयन में प्रभावी विशेष पहल प्रभावी

1. दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्राल, भारत सरकार ने देखरेख, पुनर्वास एवं रीसर्च पर प्रकाश डालते हुए भौतिक तथा मानसिक दिव्यांगताओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला का 23 अक्तूबर 2019 को प्रवासी भारतीय केन्द्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान चेन्नई द्वारा किया गया था।

कार्यशाला का उद्देश्य युएनसीआरपीडी-आरपीडब्ल्युडीअधिनियम के तहत हमारे देश की प्रतिबद्धता में मदद करना और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सेवाओं में एकरूपता स्थापित करना था। सेवा प्रदान करने में प्रोटोकॉल के विकास में यह मदद किया; भारतीय संदर्भ में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुकूलन को प्रोत्साहित किया।कार्यशाला ने आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम के तहत शामिल सभी 21 विकलांगों के लिए सर्वोत्तम - प्रथाओं के कार्यान्वयन में सहायता की। यह दिव्यांग-विशिष्ट, विषय-विशिष्ट, मॉडल-विशिष्ट, दृष्टिकोण-विशिष्ट की हमारी प्रथाओं को ठीक-ठीक करने में भी सहायक रहा।

डॉ.थावरचंद गहलोत, कैबिनेट मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने सुश्री शकुंतला डी. गैमलिन, सचिव, डीईपीडब्ल्युडी, एमएसजेईकी उपस्थिति में कार्यशाला का उद्घाटन किया था; डॉ। कमलेश कुमार पांडे, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए मुख्य आयुक्त, भारत सरकार; और सुश्री डोली चक्रवर्ती, संयुक्त सचिव, डीईपीडब्ल्युडी, एमएसजेईऔर दिव्यांगता क्षेत्र के कई अन्य प्रसिद्ध विद्वान इस समारोह में उपस्थित थे।

देश भर के प्रमुख पुनर्वास संस्थानों, अस्पतालों, विश्वविद्यालयों और आरसीआई के मान्यता प्राप्त संस्थानों से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला में राज्य और केंद्र सरकार, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय संस्थानों, प्रमुख अस्पतालों, प्रमुख एनजीओ, वैज्ञानिकों और दिव्यांगता के क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञों के 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों सहित देश के विभिन्न राज्यों के प्रत्येक प्रमुख हितधारक से भारी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण एवं दिव्यांगता विभाग के प्रधान सचिव, सचिव एवं आयुक्तइस कार्यशाला में भाग लिये। कई प्रमुख नगरों के मुख्य मेडिकल अफसरों एवं जिला सामाजिक कल्याण एवं दिव्यांगता अफसरों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। देश भर के प्रमुख एनजीओ के अध्यक्षों ने भी इस राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

2. एनआईईपीएमडी ने लेप्रसी मिशन इंडिया सीआरईएटी परियोजना के संयुक्त सहयोग से उत्तम व्यवहारों की सूचना साझा करने के लिए एक सीएसओ राष्ट्रीय बैठक का आयोजन 27-29 जून 2018 के दौरान किया। दो राज्यों (आँध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु) को प्रतिनिधित्व करते हुए एवं दिव्यांग पुनर्वास क्षेत्र में कार्यरत् एनजीओ के लगभग 62 सीएसओ (सिविल सोसाइटी आर्गनाइजेशन) के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया।

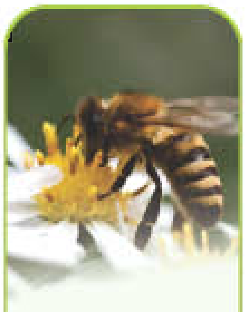

“मैं अलग हूं लेकिन कम नहीं हूं ।”

- मंदिर ग्रैंडिन

अध्याय 20

"बेहोश होना परम दिव्यांगता है ।"

- जेसा गैंबल

दिव्यांगों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र

दिव्यांगों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तीकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), एकाधिक दिव्यांगताओं के राष्ट्रीय सशक्तीकरण संस्थान (एनआईईपीएमडी) के पर्यवेक्षणीय नियंत्रण में, दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग, और सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण, भारत सरकार द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त सुविधाओं की कमी को दूर करने के स्थापित किए गए थे। अब तक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए तीन सीआरसी स्थापित किए गए हैं और निम्नलिखित स्थानों पर कार्य कर रहे हैं:

- कोझिकोड, केरल
- नागपुर, महाराष्ट्र
- गोरखपुर, उत्तरप्रदेश

सीआरसी क्षेत्र में विशेषज्ञों की सहायता से शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यावसायिक प्रशिक्षण, अनुसंधान और जनशक्ति विकास और नौकरी में पुनर्वास के निवारक और प्रचार दोनों पहलुओं को प्रदान करते हैं। विकास की दृष्टि से एनआईईपीएमडी के इतिहास में 2018-19 एक महत्वपूर्ण और घटनापूर्ण वर्ष था। नवाचार और नवीकरण पर हमारा जोर, बेहतर क्लाइंट सेवा प्रदान करने और अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए जारी रहा।

सीआरसी, देश के विभिन्न क्षेत्रों में सेवाओं का विस्तार करता है और वर्ष 2018-19 के दौरान समाचार और घटनाओं को साझा करने की कृपा करता हैं ।

दिव्यांगों के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र, सीआरसी - कोझिकोड:

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) कोझीकोड एक सेवा संस्थान है, जो भारत सरकार, दिव्यांग व्यक्तियों के शसक्तिकरण विभाग द्वारा निर्धारित की गई है । सीआरसी कोझिकोड चेन्नई के प्रशासनिक नियंत्रण (एनआईईपीएमडी) के तहत काम कर रहा है। केन्द्र आधारित, शिविर आधारित पुनर्वास से संबंधित, जागरूकता, शैक्षणिक और सेवा प्रावधान गतिविधियों के अलावा; दिव्यांग व्यक्तियों के लिए यह शिखर संसाधन केन्द्र के रूप में भी कार्य करता है।

प्रदान की जा रही सेवाएँ

- मनोवैज्ञानिक अंतराक्षेपण
- विशेष शिक्षा
- स्पीच थेरेपी
- फिजियोथेरेपी
- आक्युपेशनल थेरेपी
- सेंसरी इंटग्रेशन
- प्रारंभिक अंतराक्षेपण
- व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा पुनर्वास
- समुदाय आधारित पुनर्वास

प्रारंभिक आकलन, उपयोग किए गए उपकरण, लक्ष्य निर्धारित करना, रणनीति, प्रगति की निगरानी, आकलन और सहायक उपकरण और प्रौद्योगिकी

सीआरसी-के में केंद्र आधारित और आउटरीच नैदानिक सेवाएं हैं। इन क्लाइंटों के लिए प्रारंभिक आकलन सामाजिक कार्य और प्लेसमेंट इकाई द्वारा किया जाता है। प्रारंभिक आकलन बुनियादी सामाजिक-जनसांख्यिकी, वर्तमान स्थिति का इतिहास, नैदानिक/गैर-नैदानिक सेवाओं के लिए क्लाइंट यूनिट के सामाजिक कार्य आकलन अनुसूची का विवरण एकत्र करता है। विस्तृत प्रारंभिक आकलन के बाद, मामलों को संबंधित विभाग को भेजा जाता है। प्रत्येक विभाग क्लाइंट का आकलन उनके वर्तमान शिकायतों, पिछले इतिहास, पारिवारिक इतिहास, पिछले चिकित्सा इतिहास, उपचार और चिकित्सा के इतिहास को जानने के लिए करता है। जिसका विस्तृत नैदानिक परीक्षण किया जाता है। निदान के आधार पर चिकित्सीय हस्तक्षेप के लिए एक कार्य योजना विकसित की जाती है। चिकित्सीय सत्रों के लिए अनुवर्ती तारीखों को उन ग्राहकों को सूचित किया जाता है जिन्हें नियमित फॉलो-अप की आवश्यकता होती है। विभागों के भीतर अन्य संदर्भों

"दिव्यांग होने का मतलब जीवन के हर पहलू तक पहुंच से अयोग्य होना नहीं है।"

- एम्मा थॉम्पसन

और चर्चा के रूप में प्रत्येक व्यक्तिगत मामले की मांग एक ट्रांस-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के आधार पर की जाती है। सामाजिक कार्य इकाई समन्वय बिंदु के रूप में कार्य करती है।

सीआरसी-के के प्रत्येक विभाग द्वारा मानकीकृत आकलन उपकरण का उपयोग किया जाता है। विस्तृत आकलन के आधार पर, यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं और उसी के अनुसार रणनीति बनाई जाती है। प्रगति की आवधिक समीक्षा प्रत्येक विभाग द्वारा की जाती है। आवश्यकतानुसार अंतर-विभागीय चर्चा समय-समय पर प्रगति का आकलन करने और चिकित्सीय हस्तक्षेपों के परिणामों की निगरानी और आकलन करने के लिए की जाती है। शैक्षणिक रुचि के मामलों पर चर्चा के लिए नैदानिक बैठकें आयोजित की जाती हैं।

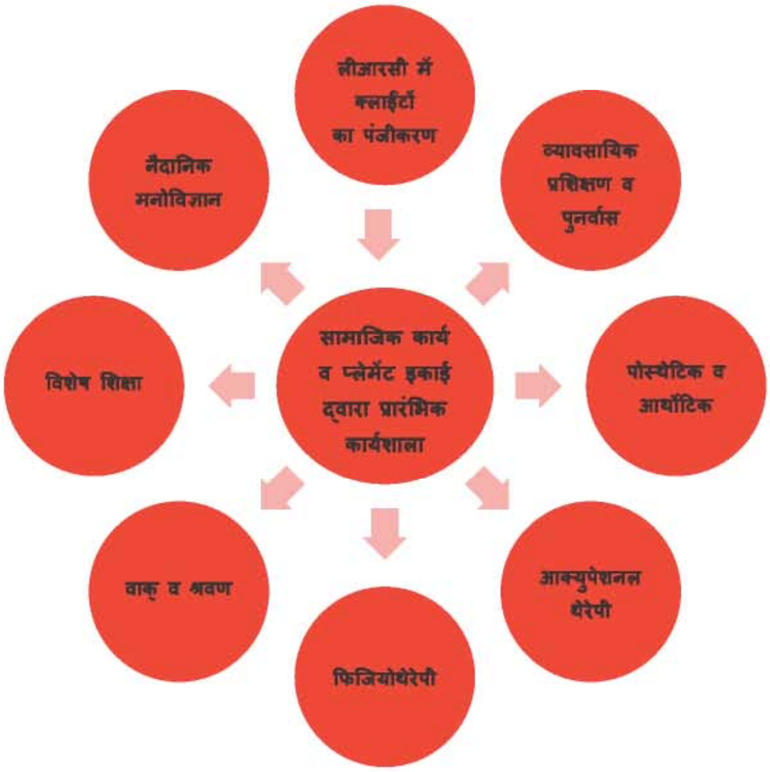

सीआरसी के भारत सरकार के एडिप योजना का एफआई 2017-18 तथा 2018-19 से क्रियान्वित कर रहा है।

वर्ष 2018-19 के लिए लाभान्वित

सीआरसी के क्लाईटेल डाटा 2018-19	नई केस	फालो अप केस	समर्थित सेवाएँ
केसेस् की संख्या	4756	5201	33350

विभाग वार क्लाईटेल डाटा 2018-19

विभाग	नए केस	फालओ अप केस	समर्थित सेवाएँ
क्लिनिकल साइकॉलजी	1980	981	3614
आक्युपेशनल थेरेपी	580	2907	2107
फिजियोथेरेपी	398	4842	3944

विशेष स्कूल	2007	3845	5080
स्पीच व हियरिंग	1703	4194	8004
प्रोस्थेटिक्स् व आर्थोटिक्स्	299	182	550
एसडब्ल्यु व प्लेसमेंट इकाई	1701	2333	5595
वीटी व रीहैब युनिट	24	1675	90

"मेरे पास एक क्षमता नहीं है, मेरे पास एक अलग क्षमता है।"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

विभागों की श्रेष्ठ प्रथाएँ

विशेष शिक्षा विभाग:

- विभाग विशेष शिक्षा नैदानिक सेवाओं में प्रमक व्यक्तिगत परिवार सहायता योजना (अईएफएसपी) पद्धति का अनुसरण करता है। यहां, प्रशिक्षक और विशेष शिक्षक, बच्चे के शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं में व्यवस्थित पाठ योजना प्रक्रिया के माध्यम से परिवार के सभी सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करता है।
- विभाग राज्य भर के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में डी.एड छात्रों के लिए एक महीने की क्लीनिकल इंटर्नशिप प्रदान करता है।

वाक् व श्रवण विभाग

- विभाग ने दिव्यांग बच्चों के बीच वाक्, भाषा और संप्रेषण कौशल के विकास के लिए अभिभावक सशक्तिकरण शुरू किया है। अभिभावकों को सशक्त बनाने के लिए विशिष्ट तकनीक, पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन और क्षेत्रीय चित्रों के साथ क्षेत्रीय भाषा में हैंडआउट्स के लाइव वीडियो का उपयोग किया गया। इस गतिविधि ने दिव्यांग बच्चों की वाक्, भाषा और संप्रेषण कौशल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किया हैं।

आक्युपेशनल थेरेपी विभाग

- स्थिति (निदान) और चिकित्सा पर अभिविन्यास - उपचार प्रक्रिया की स्थिति माध्यम के बारे में अभिविन्यास, ध्यान केंद्रित करने के लिए क्षेत्रों, चिकित्सा सेवाओं की सीमा, माता-पिता की भागीदारी की आवश्यकता और माता-पिता के सशक्तीकरण के महत्व, जो प्रारंभिक में प्रदान किए जाने के लिए उपयोग किए जाते हैं, लाभार्थियों को हमारी पुनर्वास सेवाओं के बारे में स्पष्टता देता है।
- आवश्यकता आधारित चिकित्सा दृष्टिकोण - व्यक्ति की आवश्यकता के आधार पर, गतिविधियों को डिजाइन किया गया है और मौजूदा सामग्रियों के साथ प्रदान किया गया है। यह ग्राहकों को अपनी दैनिक गतिविधियों में अपनी प्रथाओं को शामिल करने का अवसर देता है। सिद्धांत दृढ़ता से सुझाव देते हैं कि खुले लूप सीखने की प्रक्रिया के साथ लोगों के बीच सीखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया जाए।
- माता-पिता की भागीदारी - प्रशिक्षण सत्र के दौरान माता-पिता की भागीदारी को बढ़ावा देना जो माता-पिता के सशक्तीकरण को बढ़ाता है। विभाग में, माता-पिता प्रशिक्षण सत्र के दौरान शामिल होते हैं। सबसे अच्छे रूप में, ग्राहकों को माता-पिता के बिना नहीं लिया जाता है, अगर इसके लिए कोई जरूरत होती है तो इस पर विचार किया जाता है। प्रशिक्षण सत्र के साथ-साथ, माता-पिता को चिकित्सा सत्र में भी प्रशिक्षण दिया जाता है।
- समूह चिकित्सा - सहकर्मी समूह बातचीत को बढ़ाने के लिए, सहभागिता और कार्यात्मक आधारित हस्तक्षेप के अवसर के निर्माण के लिए, लाभार्थियों के लिए सीआरसी-के में साप्ताहिक दो बार समूह चिकित्सा आयोजित की जाती है। माता-पिता समूह चिकित्सा प्रक्रिया में शामिल होते हैं, जो उनकी दिनचर्या प्रक्रिया और तनाव से राहत पाने के लिए उनके लिए सहायक होता है। उन्हें अन्य माता-पिता के साथ बातचीत करने का अवसर मिलता है। वे समूह चिकित्सा गतिविधि में अन्य बच्चों की भागीदारी और उनके प्रदर्शन की सराहना करते हैं।
- घर का दौरा - हर ग्राहक को उनकी प्राथमिकता और कार्यात्मक क्षमता के आधार पर व्यक्तिगत घर कार्यक्रम

निर्धारित किया जाता है। बेहतर परिणाम के लिए समय-समय पर होम प्रोग्राम प्रभावशीलता की समीक्षा की जाती है और इसे बदल दिया जाता है।

फिजियोथेरेपी विभाग:

- साक्ष्य-आधारित प्रथाएँ - विभाग साक्ष्य-आधारित प्रथाओं पर भरोसा करता है और वहाँ आचार सम्मेलनों, सेमिनारों, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों, वेबिनारों आदि के माध्यम से आजीवन सीखने की संस्कृति को विकसित करके चिकित्सा पद्धतियों को अद्यतन करता है। ट्रेडमिल में पीछे चलने का व्यायाम, सहोदार/सहकर्मी शामिल ट्रेडमिल प्रशिक्षण/संतुलन प्रशिक्षण 2018-19 में अपनाई गई कुछ रणनीतियाँ हैं।
- विभाग माता-पिता/ग्राहकों को विभाग में आने वाले माता-पिता/ग्राहकों के बीच बनाए गए व्हाट्सएप समूह के माध्यम से विभिन्न प्रासंगिक जानकारी प्रदान करता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग अक्सर माता-पिता/ग्राहकों द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से उस व्यक्ति तक संचालित की जाती है, जिसे केंद्र तक पहुंचना मुश्किल होता है।

प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक यूनिट:

- सेवा उपयोगकर्ता और उनके परिवार या करियर के लिए उपयुक्त जानकारी का संचार करता है।
- उपकरण/उपचार डिजाइन के विचार सहित एक प्रभावी और उपयुक्त उपचार विकसित करने के लिए सेवा उपयोगकर्ता की जरूरतों और लक्ष्यों के आकलन में भाग लेता है।
- सामग्री और घटकों के चयन सहित कृत्रिम या ऑर्थोटिक डिजाइन तैयार करना, जिसमें यांत्रिक या इलेक्ट्रॉनिक सहायक गतिशीलता उपकरण, पोस्टुरल मैनेजमेंट सिस्टम और व्हीलचेयर और अन्य सहायक उपकरण शामिल होते हैं।
- उपयुक्त डिजाइन, निर्माण और फिटिंग के लिए आवश्यक कास्ट, स्कैन, माप, काइनेटिक और कीनेमेटिक डेटा और इमेजिंग सहित एन्थ्रोपोमेट्रिक डेटा कैप्चर करना।
- इष्टतम डिजाइन, कार्य, फिट, कॉस्मेटिक और उपकरणों के आराम प्राप्त करने के लिए भौतिक या आभासी, सकारात्मक या नकारात्मक मॉडल को निर्दिष्ट और संशोधित करना।
- फिटिंग, स्थिर और गतिशील संरेखण और उपकरणों के प्रारंभिक चेकआउट का संचालन करना, और जहां उचित हो, वहाँ सेवा उपयोगकर्ता को प्रारंभिक प्रशिक्षण देना।
- सम्मेलन और संगोष्ठी में भाग लेने वाली नई तकनीकों, सामग्रियों, घटकों और उत्पादों से परिचित होना।

पहल

नियमित नैदानिक, एचआरडी और समुदाय आधारित सेवाओं के अलावा, सीआरसी-के ने दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए कई विशेष पहल भी लागू की हैं।

जब आपके पास एक दिव्यांगता होती है, तो यह जानकर कि आप इसे परिभाषित नहीं करते हैं, यह सबसे प्यारी भावना है। '

- ऐनी वेफुल्ला स्ट्राइक

सीआरसी कोझिकोड की अद्वितीय गतिविधियाँ

दिव्यांगता मेडिकल बोर्ड प्रमाणन शिविर - द्वितीय चरण:

जिले में दिव्यांगता मेडिकल बोर्ड सर्टिफिकेट जारी करने के लिए जिला प्रशासन कोझीकोड के सहयोग से सीआरसी कोझीकोड की एक अनूठी पहल की गई। दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए प्राप्त 10,072 आवेदनों में से, 5191 आवेदनों को चरण-1 में संसाधित किया गया और 2404 प्रमाणपत्र जारी किए गए। 4881 आवेदनों की शेष राशि चरण-2 के रूप में संसाधित की गई और 1227 दिव्यांग मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र उत्पन्न किए गए और चरण-2 में पात्र लाभार्थियों को जारी किए गए।

अप्रैल से जून 2018 तक मेडिकल बोर्ड शिविरों का संचालन करके पहल का चरण-2 पूरा किया गया।

- सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से आंगनवाड़ी कर्मियों से कुल 10,072 आवेदन प्राप्त हुए।
- पहले चरण के रूप में, जिला चिकित्सा कार्यालय, सरकारी मेडिकल कॉलेज कोझीकोड और राजस्व विभाग के साथ समन्वय करके, कोझिकोड के सात क्षेत्रों में 26 विकलांगता मेडिकल बोर्ड के संचालन के द्वारा 5091 आवेदनों पर कार्रवाई की गई।
- कोझीकोड छात्र स्वयंसेवकों और गैर सरकारी संगठनों के परिसरों को संवेदनशील और प्रशिक्षित किया गया।

"किसी भी निराशावादी ने कभी तारों के रहस्य की खोज नहीं की, या एक अज्ञात भूमि पर रवाना हुए, या मानव आत्मा के लिए एक नया द्वार खोल दिया ।"
- हेलेन केलर

- अनुप्रयोगों और डेटा प्रविष्टि प्रक्रिया की जांच कोझिकोड के नेमे परिसरों के सैकड़ों छात्र स्वयंसेवकों द्वारा की गई।

  जिला कलेक्टर के इंटर्नशिप प्रोग्राम (डीसीआईपी) ने आचरण को समन्वित किया।
- कार्यक्रम का संचालन स्थानीय लोगों जैसे पास के
- गैर सरकारी संगठनों, कॉलेज के छात्रों, पैरालीगल स्वयंसेवकों आदि द्वारा किया गया।
- 2,404 मेडिकल बोर्ड सर्टिफिकेट जेनरेट किए गए और 747 कानूनी संरक्षता प्रमाणपत्र जारी किए, जिसमें कनूनी संरक्षता के लिए 6 विशेष आदालतें आयोजित की गईं।
- शेष 4881 आवेदनों को चरण-2 में संसाधित किया गया।
- जिले के छह स्थानों पर 16 मेडिकल बोर्ड शिविर आयोजित किए गए।
- श्रवण हानि और बुद्धि आकलन के लिए सौ ग्राहकों की स्क्रीनिंग सीआरसी कोझिकोड, आईएमएचएएनएस और जीएमएचसी कुथिरवट्टोम के पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा शिविर स्थलों पर की गई।
- शिविरों के दौरान 126 पात्र लाभार्थियों को कानूनी अभिभावक आवेदन वितरित किए गए।
- चरण-2 में कुल 1227 विकलांगता मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र उत्पन्न किए गए।

आयोजित शिविरों का विवरण

स्थान	प्रथम दिन	द्वितीय दिन	तृतीय दिन
तालुक अस्पताल क्विलांडी	19-04-18	24-04-18	28-04-18
तालुक अस्पताल तामरसेरी	19-04-18	27-04-18	04-05-18
जिला अस्पताल वडकरा	05-05-18	08-05-18	-
तालुक अस्पताल पेरम्बरा	10-05-18	-	-
मिफ्ताहुल उलूम इंग्लीश स्कूल फेरोके	24-04-18	27-04-18	21-05-18
गवर्नमेंट जनरल अस्पताल कोझिकोड	18-04-18	24-04-18	26-04-18

"हालांकि मुश्किल जीवन लग सकता है, हमेशा कुछ ऐसा होता है जिसे आप कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।"

- स्टीफन हॉकिंग

शिविर स्थान	मेडिकल बोर्ड प्रमाणपत्रों की संख्या
वडकरा	189
क्विलांडी	208
पेरम्बरा	70
तामरासे	225
रीकोझिकोड	312
फेरोक	223
कुल	1227

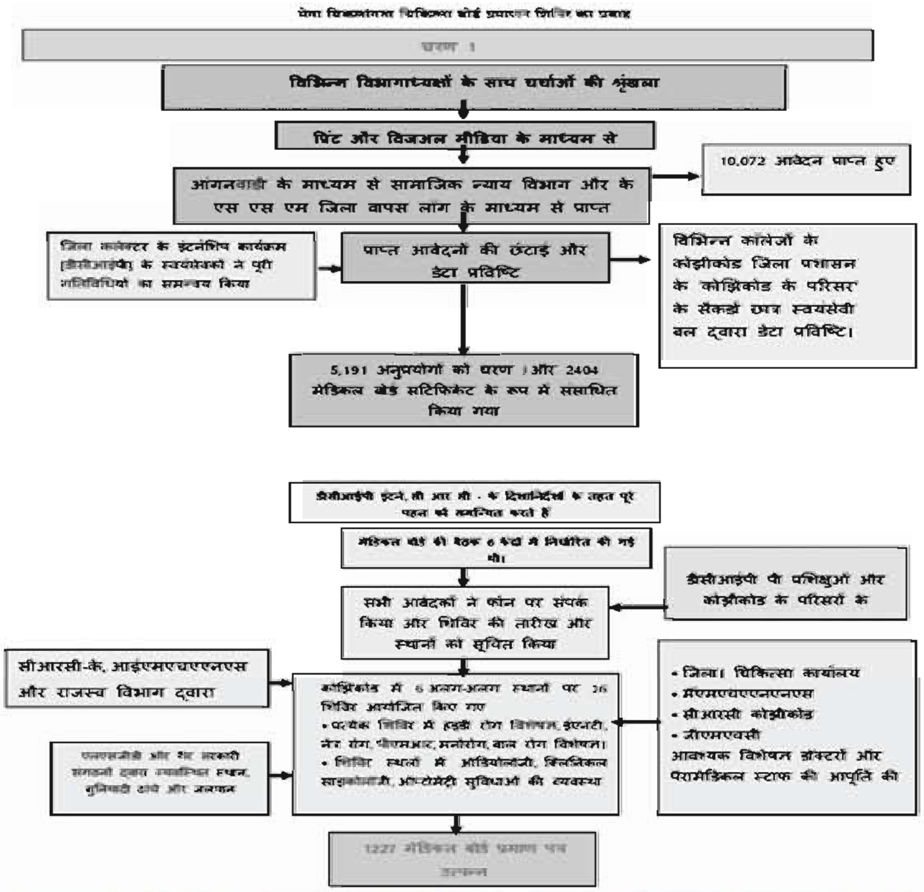

प्रमाण पत्रों के वितरण के लिए एक मेगा शिविर का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय और स्वास्थ्य, केरल, के माननीय मंत्री श्रीमती शिलाजा टीचर ने 1 जुलाई 2018 को कोझिकोड के जेडीटी इस्लाम सभागार में मेगा शिविर का उद्घाटन किया। माननीय श्रम मंत्री और आबकारी मंत्री श्री टी.पी. रामकृष्णन ने समारोह की अध्यक्षता की और श्री प्रदीपकुमार विधायक, डॉ एम.के. मुनीर एम.एल.ए, श्री यू.वी. जोस (जिला कलेक्टर कोझिकोड) उपस्थित थे। शिविर में 1227 दिव्यांगता मेडिकल बोर्ड प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

"रवैया एक छोटी सी बात है जो एक बड़ा बदलाव लाती है।"

- विंस्टन चर्चिल

विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र, यूडीआईडी पंजीकरण:

केरल में यूडीआईडी जारी करने के कार्य को कार्यान्वयन करने के एक भाग के रूप में, पात्र लाभार्थियों के लिए यूडीआईडी कार्ड के लिए पंजीकरण सीआरसी-के द्वारा बड़े पैमाने पर सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए बनाया गया ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया।

नए 1227 लाभार्थियों (जिन्हें मेडिकल बोर्ड प्रमाणपत्र प्राप्त हुए) के लिए यूडीआईडी पंजीकरण के संबंध में सभी आवश्यक दस्तावेज भी एकत्र किए गए और यूडीआईडी जारी करने के लिए सीआरसी-के द्वारा चालू किया गया। कुछ लाभार्थियों को पहले ही यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष आधार नामांकन शिविर:

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए, 'सामान्य' व्यक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा करके, लंबी कतारों में खड़े होकर, नियमित प्रक्रिया के माध्यम से, आधार कार्ड प्राप्त करना बहुत कठिन है। यह गंभीर दिव्यांग व्यक्तियों के लिए और अधिक कठिन है। चूंकि आधार कार्ड देश के प्रत्येक नागरिक के लिए सबसे महत्वपूर्ण एकल दस्तावेज है, सीआरसी-के, ने इस मुद्दे को उठाया और एक नये पद्धति को अपनाया।

जिला प्रशासन और यूआईडीएआई दक्षिणी क्षेत्र के सहयोग से, सीआरसी-के ने गंभीर रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए आधार कार्ड जारी करने का मामला उठाया है, जो अपने आधार नामांकन के लिए बायोमेट्रिक प्रदान करने में असमर्थ हैं। राज्य सामाजिक न्याय विभाग के आंगनवाड़ियों के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। आधार पंजीकरण और तकनीकी प्रक्रियाएं राज्य आईटी मिशन के अक्षय परियोजना द्वारा की जाएंगी। जिले के विभिन्न हिस्सों में शिविर संचालित किए जाएंगे। पूरे शिविरों का पंजीकरण, समन्वय और सहुलियत को सीआरसी-के द्वारा संचालित किया जाएगा।

जब आप हवा की दिशा नहीं बदल सकते हैं - अपने पालों को समायोजित करें

- एच.जैक्सन ब्राउन

बाधा मुक्त सुलभ कोझीकोड पहल:

सीआरसी-के के सहयोग से जिला प्रशासन कोझीकोड ने एक अनूठा 'बैरियर मुक्त सुलभ भवन अभियान 'शुरू किया है। जीले के सीपीडब्ल्यूडी, स्टेट पीडब्ल्यूडी और स्थानीय स्व सरकारी विभाग इसके प्रमुख हितधारक हैं। सीआरसी-के सहित विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा बजटीय अनुमानों सहित एक प्रशिक्षण और मूल्यांकन मॉड्यूल तैयार किया गया था। एनआईसी के सहयोग से एक्सेसिबिलिटी ऑडिट के लिए एक ऐप आधारित सॉफ्टवेयर विशेष रूप से तैयार किया गया है।

पूरे केरल में लगभग 400 अंतिम वर्ष सिविल/आर्किटेक्चरल इंजीनियरिंग के छात्रों को वित्तीय अनुमान तैयारियों सहित एक्सेसिबिलिटी ऑडिट मॉड्यूल में प्रशिक्षण दिया जाता है और वे सरकार के एक्सेस ऑडिट के लिए और जिला कलेक्टर को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कोझीकोड के पूरे जिले में तैनात किए जाते हैं। इन छात्र स्वयंसेवकों को सीआरसी-के, सामाजिक न्याय विभाग, राजस्व विभाग और स्थानीय स्व-सरकार के विशेषज्ञों द्वारा समर्थित किया जाएगा। विभागों। लोकोमोटर और दृष्टिबाधित व्यक्तियों से तकनीकी इनपुट भी प्राप्त किया जाएगा।

इस प्रकार प्रस्तुत की गई ऑडिट रिपोर्ट को एलएसजीडीयों के द्वारा आगे की प्रक्रिया के लिए लिया जाएगा और इसके लिए आवश्यक एक्सेसिबिलिटी करेक्शन/रिस्ट्रक्चरिंग और फंड्स आगामी बजट आवंटन में ही अंकित किए जाएंगे।

जिले में 70 राज्यों में पीडब्ल्यूडी/एलएसजीडी इंजीनियरों के लिए प्रशिक्षण दिए गए।

कोझिकोड का अन्तःमन - हाई-लाइट मॉल, कोझीकोड में अलग अलग दिव्यांगों द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए बिक्री के आउटलेट:

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उनके चिकित्सीय और पुनर्वास हस्तक्षेप सेवाओं के हिस्से के रूप में विभिन्न विशेष स्कूल, सरकारी संस्थान और एनजीओ, विभिन्न वस्तुओं जैसे कि कालीन, गुड़िया, हस्तशिल्प आइटम, प्लास्टिक के गहने, उपहार आइटम, छाता और पेपर कवर के उत्पादन में शामिल हैं। सीआरसी-के ने, डॉ एम.के. मुनीर, विधायक के 'सोल ऑफ कोझिकोड' परियोजना के सहयोग से इन उत्पादों को बेचने के लिए जिले के विभिन्न स्थानों में बिक्री के आउटलेट खोले हैं। यह परियोजना अलग-अलग दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए एक नियमित बाजार एवेन्यू के रूप में कार्य कर सकती है।

पहले आउटलेट का उद्घाटन डॉ एम.के. मुनीर कोझिकोड दक्षिण विधायक द्वारा 31 अगस्त को हाईलाइट माल में किया गया। श्री यू.वी. जोस, जिला कलेक्टर मुख्य अतिथि थे।

"हालांकि दुनिया दुख से भरी है, लेकिन उसका साधन भी मौजूद है"

हेलेन केलर

"गलतरवैयाजीवनमें एकमात्रदिव्यांगताहोतीहै।"

- स्कॉटहैमिल्टन-

1 नवंबर 2018 को आरपी मॉल, कोझीकोड में दूसरे आउटलेट का उद्घाटन किया गया। इस आउटलेट में, विभिन्न प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा बनाए गए कालीन, गुड़िया, हस्तशिल्प की वस्तुएं, प्लास्टिक के गहने, उपहार की वस्तुएं, छाता, पेपर कवर आदि उत्पादों को बिक्री के लिए प्रदर्शित किया गया। दो दिव्यांग व्यक्तियों को इस बिक्री आउटलेट में तैनात किया गया था और वे नियमित आधार पर कमा रहे हैं।

केरल में बाढ़ और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सीआरसी का हस्तक्षेप:

- केरल ने 1924 के बाद बाढ़ और भू-स्खलन की सबसे बड़ी आपदा का अनुभव किया। केरल में 10 मई से छिटपुट मूसलाधार बारिश और अगस्त के पहले सप्ताह से लगातार बारिश ने कई बांधों में भारी बारिश का पानी जमा कर दिया।
- अंत में, भारी वर्षा के कारण, स्थानीय निचले इलाकों में बाढ़ के कारण जल स्तर बढ़ने के बाद, लगभग सभी बांध खुल गए । लेकिन लगातार बारिश के कारण पहाड़ों की मिट्टी नष्ट हो जाती है और इस तरह पहाड़ी इलाकों में सभी जगहों पर तबाही मचा देती है।

<u>बाढ़ राहत गतिविधियों में सीआरसी-के द्वारा की गई पहल:</u>

- निदेशक, सीआरसी-के जिले में बाढ़ राहत कार्य के लिए जिला प्रशासन द्वारा गठित, कोर समिति के सदस्य थे।
- डॉ.एम.के.मुनीर, कोझीकोड दक्षिण विधायक और कोझिकोड निगम द्वारा किए गए बाढ़ राहत गतिविधियों के हिस्से के रूप में, निदेशक, सीआरसी-के, एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति थे। मुनीर, कोझीकोड दक्षिण विधायक और कोझिकोड निगम। 400 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- सीआरसी-के ने सक्रिय रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में परिवारों से डेटा एकत्र करने के लिए प्रश्नावली तैयार करने में सक्रिय रूप से योगदान दिया, जिसमें दिव्यांगो की बुनियादी जानकारी और इस स्थिति में उनकी आवश्यकताएं शामिल हैं।
- सीआरसी-के ने बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों और पीडब्ल्यूडी के लिए एक 24Ú7 टेलीफोन हेल्पलाइन शुरू की, जहां वे कॉल कर सकते हैं और समस्याओं का सामना कर सकते हैं। और फिर आवश्यक हस्तक्षेपों और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन बाढ़ राहत प्रकोष्ठ को भेजा गया।

- सीआरसी-के ने बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों के लिए 24Ú7 मनोवैज्ञानिक सहायता टेलीफोन परामर्श कार्यक्रम शुरू किया और नैदानिक मनोविज्ञान विभाग को इसका काम सौंप दिया ।
- सीआरसी-के सक्रिय रूप से जिला प्रशासन की बाढ़ राहत गतिविधियों और प्रभावित परिवारों के लिए लेखों के वितरण में शामिल है।

विशेष स्कूलों में शिक्षण अभ्यास प्रशिक्षण:

विशेष शिक्षा विभाग के शिक्षण संकायों के मार्गदर्शन में, उनके पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के हिस्से के रूप में सीआरसी-के के डीएड के छात्रों ने पाँच विशेष स्कूलों यानि जेडीटी स्पेशल स्कूल, वेलिमादुक्ककुन्नुय, प्रतिक्षा स्पेशल स्कूल, मुक्कोम, प्रशांति विशेष विद्यालय, पंथिरंकु, आशकिरण स्पेशल स्कूल, कालीकट और रहमानिया स्पेशल स्कूल, वेल्लीपारम्बा में 3 से 19 सितंबर तक शिक्षण अभ्यास प्रशिक्षण आयोजित किया। 13 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बौद्धिक दिव्यांगता के 340 छात्रों को नैदानिक सेवाएं दी गई। इन कार्यक्रमों में कुल 640 अनुवर्ती सत्र और 6,800 अनुवर्ती सेवाएं दी गई।

सामान्य प्रवेश परीक्षा, सीईटी 2018:

चूंकि सीआरसी कोझीकोड को बीपीटी, बीओटी और बीपीओ डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी 2018) के लिए एक केंद्र के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, एनआईएलडी और एनआईईपीएमडी द्वारा, 17 जून 2018 को टेस्ट के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई । 147 पंजीकृत उम्मीदवारों में से परीक्षा के लिए, 72 उम्मीदवारों ने भाग लिया। सीईटी-2018 को सुचारू और निष्पक्ष तरीके से संचालित किया गया, जिसमें किसी भी तरह की अनचाही समस्या नहीं आई।

सीमाएँ केवल दूर तक जाती हैं । "

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

पीडब्ल्यूयों के लिए विशेष चिकित्सा शिविर:

सीआरसी-के और आईएमए महिला विंग (कोझिकोड) ने संयुक्त रूप से 24-12-2018 को सीआरसी-के में पीडब्ल्यूडी के लिए एक विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में पीएमआर, बाल रोग, त्वचा विज्ञान और जनरल मेडिसिन के विशेषज्ञ शामिल हुए। डॉ पी. कृष्णकुमार (निदेशक आईएमहेचएएनएस) मुख्य अतिथि थे। श्री शिवराज भीमटे ने "दिव्यांगता के प्रारंभिक पहचान और दिव्यांगता प्रमाणन महत्व" के बारे में बताया और श्री गोपीराज पी.वी., पुनर्वास अधिकारी ने भाषण दिया।

"हर चीज में कोई भी अच्छा नहीं है।" फायदे और नुकसान कई रूपों में आते हैं। "

\- चार्ल्स श्वाब

पीडब्ल्यूओं के लिए चाय और कॉफी प्रशिक्षण काउंटर:

सीआरसी-के के व्यावसायिक प्रशिक्षण और पुनर्वास इकाई के भाग के रूप में, श्री राकेश कुमार राव, डिप्टी चीफ कमिश्नर, एमएसजेई, ने अपने एक यात्रा के दौरान, 30 दिसंबर को एक चाय और कॉफी प्रशिक्षण काउंटर का उद्घाटन किया गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर प्राइवेट लिमिटेड ने प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए कॉफी वेंडिंग मशीन को मुफ्त में प्रायोजित किया।

"हम कभी भी बहादुर और धैर्यवान बनना सीख नहीं सकते, अगर दुनिया में केवल खुशी होती।"

- हेलेन केलर

आउटरीच कार्यक्रम:

- 06 अप्रैल 2018 को स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण: मेगा डिसएबिलिटी मेडिकल बोर्ड के जारी करने वाले शिविरों के आयोजन के हिस्से के रूप में, आईहेचआरडी कॉलेज थामारसीरी, कोझीकोड में एक स्वयंसेवक प्रशिक्षण आयोजित किया गया । डॉ रोशन बिजली, निदेशक सीआरसी-के ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया।
- 12 अप्रैल 2018 को स्वयंसेवक प्रशिक्षण: कोझीकोड जिले में मेगा डिसएबिलिटी मेडिकल बोर्ड जारी करने वाले शिविरों के आयोजन के तहत एमईएस कॉलेज, ओमासेरी, में 12 अप्रैल 2018 को एक स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ रोशन बिजली, निदेशक सीआरसी-के ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया।
- 11 अप्रैल 2018 को स्वयंसेवक प्रशिक्षण: कोझीकोड जिले में मेगा डिसएबिलिटी मेडिकल बोर्ड जारी करने वाले शिविरों के आयोजन के तहत कॉन्फ्रेंस हॉल, कलेक्ट्रेट में 11 अप्रैल 2018 को एक स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ रोशन बिजली, निदेशक सीआरसी-के ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया। कालीकट शहर के आसपास के विभिन्न कॉलेजों के छात्र स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- डॉ सुरेश कुमार, नैदानिक मनोविज्ञान में सहायक प्रोफेसर 'ऑटिज्म' क्लब द्वारा आयोजित किए गए माता-पिता के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति थे, जिसे मलप्पुरम में 3 अप्रैल 2018 को विश्व आत्मकेंद्रित दिवस के भाग के रूप में आयोजित किया गया था।
- श्री शिवराज भीमते, सहेयक प्रोफेसर, स्पीच हियरिंग, सीआरसी-के, 12 अप्रैल 2018 को नगरपालिका हॉल नीलांबर में बड्स स्पेशल स्कूल द्वारा आयोजित आशा कार्यकर्ता और आगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति थे और उन्होंने विभिन्न परीक्षण का उपयोग करके जमीनी स्तर पर सुनवाई, भाषण और संचार विकार की प्रारंभिक पहचान पर भाषण दिया।
- श्री कुरिंजी चेलवन, ओटी में व्याख्याता और श्री राजकुमार, वोकेशनल इंस्ट्रक्टर ने ईराम मोटर्स, फेरोक में वीटीसी प्रशिक्षुओं के प्लेसमेंट का समन्वय किया। 6 प्रशिक्षुओं ने ईराम मोटर्स द्वारा आयोजित साक्षात्कार में भाग लिया, उनमें से 3 को विभिन्न नौकरियों के लिए ईराम मोटर्स द्वारा चुना गया।
- डा. रोशन बिजली (निदेशक, सीआरसी-के), श्री सुनीश टी.वी. (सहायक प्रोफेसर, विशेष शिक्षा) और श्री कुरिन्जी चेलवन (लेक्चरर, ओटी) ने एनआईईपीएमडी, चेन्नई में 20 और 21 अप्रैल 2018 को आयोजित एक्सेसिबल इलेक्टोरल एडवाइजरी कमेटी की बैठक में भाग लिया।
- डॉ सुरेश कुमार, नैदानिक मनोविज्ञान में सहायक प्रोफेसर, ईएनटी एंड यूनिट ऑफ स्पीच एंड लैंग्वेज पैथोलॉजी, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कोझीकोड के विभाग द्वारा 16 मई में जीएमसीहेच में आयोजित विशेष आवश्यकताओं के बच्चों के लिए गृह आधारित हस्तक्षेप पर माता-पिता के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति थे।
- केरल ब्लाइंड स्कूल, मंजेरी में 27 जून 2018 को एक आउट-अप कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री कुरिन्जी चलेवन एस., व्याख्याता, ओटी विभाग, माता-पिता, शिक्षक और बच्चों के लिए आयोजित जागरूकता क्लास के लिए संसाधन व्यक्ति थे।
- श्री गोपीराज पी.वी., पुनर्वास अधिकारी ने, 14 जुलाई, 2018 को "सरकारी योजनाओं के दिव्यांग व्यक्तियों के लिए" ऑटिज्म क्लब, मंजेरी में अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- श्री गोपीराज पी वी, पुनर्वास अधिकारी, ने जिला प्रशासन, कोझीकोड के पहल के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'विकलांगता' पर एक सत्र का आयोजन 31 जुलाई 2018 को किया, कॉन्फ्रेंस हॉल, सिविल स्टेशन, कोझीकोड में किया।

"हर चीज के अपने चमत्कार होते हैं, यहां तक कि अंधेरे और मौन भी, और मैं सीखता हूं, मैं जिस भी राज्य में हो सकता हूं, उसमें संतोष करना चाहिए ।"

- हेलेनकेलर

- कुलपति मुंशी भवन के विद्यामंदिर, त्रिशूर में 8 अप्रैल 2018 को विशेष जरूरतों वाले छात्रों और उनके माता-पिता के लिए सहायक प्रोफेसर (एसई), डॉ सुनीश टी वी, ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें 65 माता-पिताओं और 83 बच्चों ने भाग लिया।
- श्री बिनॉय मैथ्यू के. वी., (लेक्चरर-फिजियोथेरेपी, सीआरसी-के) ने एर्नाकुलम जिले के कोच्चुपल्ली के सेंट सेबेस्टियन स्कूल में बाढ़ राहत शिविर का दौरा किया और 20अगस्त 2018 को बाढ़ पीड़ितों को साइकोसोशल सहायता और आवश्यक सुविधाएं प्रदान कीं।
- श्री बिनॉय मैथ्यू के.वी., (लेक्चरर-फिजियोथेरेपी, सीआरसी-के) ने केरल में जिला दिव्यांगता पुनर्वास केंद्रों की वर्तमान स्थिति के बारे में सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी के साथ उचित चैनल के माध्यम से आधिकारिक संचार किया। अगस्त 2018 में इस संबंध में प्राचार्य, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, त्रिवेंद्रम से संचार प्राप्त किया।
- श्री बिनॉय मैथ्यू के. वी., (लेक्चरर-फिजियोथेरेपी, सीआरसी-के) ने कोझीकोड जिले के सेंट जेवियर्स स्कूल, पेरुवायल में बाढ़ राहत शिविर का दौरा किया और 18 अगस्त 2018 को बाढ़ पीड़ितों को साइकोसोशल समर्थन प्रदान किया और आवश्यक सुविधाएं प्रदान कीं।
- 1 फरवरी, 2018 को प्रशांति स्पेशल स्कूल, पंथिरंकवु में विशेष शिक्षकों के लिए एक जागरूकता क्लास का आयोजन किया गया। श्री जोमन जॉर्ज, व्याख्याता ने कार्यक्रम का समन्वय किया और कक्षा में आईडी के बच्चों के व्यवहार संबंधी मुद्दों के प्रबंधन विषय पर एक सत्र दिया।
- स्कूल जाने वाले छात्रों के बीच पीटीएसडी और दर्दनाक अवसाद के बाद के लोगो के लिए एक मानसिक स्वास्थ्य जांच आयोजित की गई है जो बाढ़ आपदा के संपर्क में थे। छात्र 5 सिप्तंबरचख् 2018 को गुजराती हॉल, कोझीकोड में मिशन कोझिकोड द्वारा आयोजित एड्स (बैग, पुस्तक, कलम आदि) सीखने के प्राप्तकर्ता थे।
- डॉ सुरेश कुमार एम, असिस्टेंट प्रोफेसर, विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए दवाओं की रोकथाम पर संवेदनशील कार्यक्रम पर संसाधन व्यक्ति थे, जो केन्द्रीय विश्वविद्यालय केरल, कासरगोड में 28 सिप्तंबर 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।
- 19 सिप्तंबर 2018 को जेडीटी स्पेश्यल स्कूल वलीमदुकुन्नु, में अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम, पीटीपी, का आयोजन हुआ। डॉ सनीश टी वी, सहायक प्रोफेसर, ने कार्यक्रम का समन्वय किया और "घर पर जीवन कौशल प्रशिक्षण" पर एक सत्र दिया। कुल 43 लाभार्थी थे।
- अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीटीपी) का आयोजन अशीर्किरण विशेष विद्यालय, मेडिकल कॉलेज, कालीकट में 19 सिप्तंबर, 2018 को किया गया था। श्रीमती साईजा एस, व्याख्याता, ने कार्यक्रम को समन्वित किया और आईडी के बच्चों के "संज्ञानात्मक विकास में खेल की भूमिका" पर एक सत्र दिया।
- एक अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीटीपी) का आयोजन रहमानिया विशेष विद्यालय, वेल्लीपरम्बु में 19 सिप्तंबर, 2018 को किया गया था। श्रीमती जेन्सी वर्गीस, लेक्चरर ने कार्यक्रम को समन्वित किया और "घर पर जीवन कौशल प्रशिक्षण" पर एक सत्र दिया।
- अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीटीपी) का आयोजन प्रतिक्षा स्पेशल स्कूल, मुक्कोम, में 19 सिप्तंबर, 2018 को किया गया था। जोमन जॉर्ज, व्याख्याता ने कार्यक्रम का समन्वय किया और श्री गोपीराज, आरओ, सीआरसी-के ने "आईडी के वयस्कों के लिए व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण" पर एक सत्र दिया।
- श्री गोपीराज पी वी, पुनर्वास अधिकारी, सीआरसी-के ने ऑटिज्म क्लब, मंजेरी द्वारा 19-09-2018 को आयोजित यूडीआईडी नामांकन शिविर का समन्वय किया।
- सीआरसी-के निदेशक डॉ रोशन बिजली ने ऑसीटेबल चैरिटेबल सोसाइटी माल्दुराम द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस अवलोकन के एक भाग के रूप में कुट्टिपुरम में आयोजित "ऑल केरल साइकोलॉजी क्विज प्रतियोगिता" में मुख्य भाषण दिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रोफेसर कुलपति डॉ एम वी वीरमानीकंदन थे।
- 11 सिप्तंबर 2018 को आईएमए हॉल, कोझीकोड में आयोजित एसएसए शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीआरसी-के के निदेशक डॉ रोशन बिजली के एन, एक संसाधन व्यक्ति थे। निदेशक ने दिव्यांगता के हालिया रुझानों पर एक सत्र लिया।

- सीआरसी-के, निदेशक डॉ रोशन बिजली के एन, ने 18 सिप्तंबर 2018, को सिविल स्टेशन, कोझीकोड में आयोजित "एबिलिटी कैफ" के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दिया।
- सीआरसी-क, निदेशक डॉ रोशन बिजली के. एन., ने 21 सिप्तंबर 2018, को होप शोर संस्था द्वारा आयोजित अभिभावक बैठक में मुख्य भाषण दिया।
- सीआरसी-क,निदेशक डॉ रोशन बिजली के. एन., ने 21 सिप्तंबर 2018, को शिहाब थंगल चैरिटेबल ट्रस्ट, फेरोक द्वारा आयोजित यूडीआईडी कार्ड वितरण समारोह का उद्घाटन किया।
- डीएड स्पेशल एजुकेशन कोर्स के तीसरे बैच का उद्घाटन सीआरसी-के के निदेशक डॉ रोशन बिजली, द्वारा 24 सिप्तंबर 2018, को किया गया था। डॉ सुनीश, एचओडी, विशेष शिक्षा विभाग ने मुख्य भाषण दिया। कार्यक्रम में विभाग के सभी संकायों ने भाग लिया।
- फिजियोथेरेपी एवेल्यूएशन शिविर का आयोजन कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, केएमसी मंगलौर (एमएएचई) और कासरगोड में अल्फा पैलिएटिव केयर के सहयोग से फिजियोथेरेपी, सीआरसी-कोझिकोड विभाग द्वारा किया गया था। बिनॉय मैथ्यू के. वी. (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी) ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।
- विशेष शिक्षा विभाग ने 06 अक्टूबर 2018 को वीकेएम स्पेशल स्कूल वालेनचरी में विश्व सीपी दिवस समारोह के सिलसिले में सेरेब्रल पाल्सी के बच्चों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह कार्यक्रम वीकेएम स्पेशल स्कूल वेलेंचेरी के सहयोग से आयोजित किया गया था।
- भाषण विभाग, भाषा, संचार और सुनवाई सीआरसी कोझीकोड ने अभिभावक सशक्तीकरण कार्यक्रम शुरू किया । कार्यक्रम का उद्घाटन सीआरसी कोझीकोड के निदेशक डॉ रोशन बिजली ने किया। विभाग ने भाषण, भाषा और संचार कौशल को सुगम बनाने के लिए गतिविधियों का अनुसरण करने के लिए मलयालम भाषा को सरल हैंडआउट दिया ।
- सीआरसी कोझीकोड के भाषण, भाषा और संचार विभाग ने एक दिवसीय अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। विषयः भाषण और संचार दिव्यांगता वाले बच्चों के बीच 5 अप्रैल 2018 को व्यावहारिक कौशल को बढ़ाना।
- वाक्, भाषा, संप्रेषण और सुनवाई विभाग, सीआरसी कोझिकोड ने 26 अक्टूबर 2018 को "विकासात्मक दिव्यांग बच्चों में ओरोमोटर कौशल और बाल चिकित्सा डिस्पैसिया का प्रबंधन" पर अभिभवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया ।
- श्री गोपीराजन पी. वी., पुनर्वास अधिकारी ने गोवर्नमेंट ओल्ड एज होम, थावनूर, मलप्पुरम, में 24/10/2018 को नैदानिक मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन शिविर में भाग लिया।
- जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण: डॉ आर, ने राज्य सरकार डिजास्टर मेनेेेेजमेंट सेल और आईयूसीडीएस, सोशल वेलफेर कॉम्प्लेक्स में एमजी यूनिवर्सिटी कोेट्ायम, वेल्लादुमकुन्नु द्वारा आयोजित “आपदा प्रबंधन और दिव्यांग व्यक्तियों” पर ट्रेनर कार्यक्रम के जिला स्तरीय प्रशिक्षण में मुख्य भाषण दिया।
- डॉ सुरेश कुमार एम, एसिस्टेंट प्रोफेसर, क्लिनिकल मनोविज्ञान ने 3 नवंबर 2018 को कन्नूर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज, यूजीसी-मानव संसाधन विकास, कन्नूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "आपदा के समय मनोवैज्ञानिक देखभाल" कार्यक्रम के लिए एक संसाधन व्यक्ति थे।
- डॉ सुरेश कुमार एम., ने 8 नवंबर, 2018 को मनोविज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज, त्रिवेंद्रम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में “नेत्र गति और डिसेंसिटाइजेशन और पुनप्रसंस्करण ईएमडीआर” का सत्र संभाला ।
- सीआरसी-के ने केरल सोशल सिक्योरिटी मिशन (केएसएसएम) केरल सरकार द्वारा आयोजित "पैरेंट एम्पावरमेंट हैंडबुक पाठ्यक्रम सह सामग्री कार्यशाला" की तैयारी में भाग लिया। यह कार्यक्रम विशेष आवश्यकताओं के बच्चों और उनके माता-पिता के लाभ के लिए केरल के कालीकट विश्वविद्यालय में 26 और 27 नवंबर 2018 को आयोजित किया गया।
- स्कूली बच्चों के लिए मनोवैज्ञानिक आकलन के लिए एक अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम और अल्फोंसो कॉलेज, थिरुवमपदी में "टालेंटा 2018" मनोविज्ञान प्रदर्शनी के भाग के रूप में 30 नवबंर 2018 को नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, सीआरसी-के और अल्फोंसो कॉलेज, तिरुवमपदी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया ।
- श्री बिनॉय मैथ्यू क.ेवी., लेक्चरर-फिजियोथेरेपी, सीआरसी-कोझिकोड और श्री मुहम्मद मिन्हाज टी (फिजियोथेरेपी-गेस्ट फैकल्टी, सीआरसी-कोझिकोड) ने 23 नवंबर 2018 को आयुर्वेदीय अस्पताल, कविलपडी, एडप्पल, मलप्पुरम का दौरा किया। उनका उद्देश्य संस्थान में उपयोग किए जाने वाले उन्नत भौतिक चिकित्सा उपकरण और विधियों के बारे में जानना था।

“आशावाद वह विश्वास है जो उपलब्धि की ओर ले जाता है। आशा और विश्वास के बिना कुछ भी नहीं किया जा सकता है। ”

\- हेलेन केलर

"वहां बैठने और किसी को बताने के लिए कि वे दिव्यांगता के कारण कुछ नहीं कर सकते, मुझे लगता है कि यह हास्यास्पद है।"

- पैट मैकडॉनल्ड्स

- बिनॉय मैथ्यू के.वी. (लेक्चरर, फिजियोथैरेपी) ने थुन्जाथेझुचन मलयालम विश्वविद्यालय, तिरूर में 21 नवंबर 2018 को आधिकारिक यात्रा की। डॉ सयालदेवी सी, एचओडी, अनुसंधान प्रश्नावली की भाषा सत्यापन के लिए भाषा विज्ञान विभाग, के साथ बातचीत की और सीआरसी-कोझीकोड के साथ शोध अनुसंधान और नैदानिक अनुसंधान की संभावना पर चर्चा की।
- श्री गोपीराज पी.वी., पुनर्वास अधिकारी ने 15 नवंबर 2018 को चाइल्ड लाइन द्वारा आयोजित एक खुले मंच पर भाग लिया और "मानसिक स्वास्थ्य" पर भाषण दिया ।
- सीआरसी-के ने 24 मई 2018 को मेदीन अकादमी, मेलमुरी, मलप्पुरम द्वारा आयोजित मेगा मेडिकल कैंप में भाग लिया। डॉ सुनीश टी.वी., असिस्ट प्रोफेसर, विशेष शिक्षा, श्री शिवराज भीमटे, सहायक प्रोफेसर, भाषण और सुनवाई, श्री बिनॉय मैथ्यू के.वी., लेक्चरर, फिजियोथेरेपी और श्री गोपीराज पी.वी, पुनर्वास अधिकारी उपस्थित हुए।
- श्री शिवराज एल भीमटे, असिस्टेंट प्रोफेसर, भाषण और श्रवण, सीआरसी-के ने मालेडिन पब्लिक स्कूल मेलमुरी, मलापुरम में भाषण और श्रवण आकलन कार्यक्रम का आयोजन किया। 13-15 नवंबर 2018 में 9 वीं और 10 वीं कक्षा के कुल 362 छात्रों का परीक्षण और सिफारिश की गई ।
- श्री शिवराज एल भीमटे, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्पीच एंड हियरिंग, सीआरसी-के ने 13-15 नवंबर 2018 को मालेडिन स्कूल मेलमुरी में आकलन सुनने के बाद अभिभावक परामर्श सत्र का आयोजन किया।
- सीआरसी-के की वोकेशनल ट्रेनिंग एंड रिहैबिलिटेशन यूनिट ने 14 नवंबर 2018 को पीएमआर डिपार्टमेंट, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, में एक आउटरीच क्लिनिकल गतिविधि का संचालन किया। श्री डी. राजकुमार, व्यावसायिक प्रशिक्षक ने प्रचलित व्यावसायिक प्रशिक्षण के आकलन का समन्वय किया।
- डॉ सनीश टी.वी., एसिस्टेंट प्रोफेसर, विशेष शिक्षा और जैसन पीटर, विशेष शिक्षक ने एलडी के बच्चों के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए डीएमओ, कोझिकोड द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड की बैठक में भाग लिया। दिसंबर 2018 के महीने में डीएमओ द्वारा आयोजित विभिन्न शिविरों में लगभग 140 प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।
- श्री गोपीराज पी.वी., पुनर्वास अधिकारी, मलप्पुरम जिले के पुजहाकिरी में 2 दिसंबर 2018 को विशेष आवश्यकताओं के बच्चों के लिए बड्स स्कूल कला और खेल उत्सव के वार्षिक दिवस समारोह में शामिल हुए।
- श्री गोपीराज पी.वी, पुनर्वास अधिकारी, 15 मई 2018 को मंजेरी, मलप्पुरम जिले में एहेचएएस चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने पीडब्ल्यू के लिए सरकारी योजनाओं और लाभों पर भाषण दिया।
- सीआरसी-के ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए वार्षिक राज्य स्तर की एकजुटता, वरम-2018 को "केरल में परिदृश्य में समावेशी शिक्षा" पर 8 और 9 दिसंबर को एक संगोष्ठी का आयोजन किया। श्री गोपीराज पी.वी, पुनर्वास अधिकारी, संगोष्ठी सत्र के लिए मध्यस्थ थे। वरम -2018 का आयोजन तिरूर जिला अस्पताल और सीआरसी-के के विभाग के पीएमआर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया ।
- डॉ सुरेश कुमार एम, असिस्टेंट प्रोफेसर, सार्वजनिक निजी और सामुदायिक भागीदारी पर राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एक सत्र और श्रृंखला के लिए संसाघन व्यक्ति थे, जो दवाओं के प्रबंघन और रोकथाम में संयुक्त रूप से सामाजिक कार्य विभाग, केरल के केंद्रीय विश्वविद्यालय और सामाजिक सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल में 8 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया।

  मिस, ओशेन रीजी पॉल, मनोवैज्ञानिक, सीआरसी-के, 14 जून 2018 को एक स्कूल मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति थे। उन्होंने गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, एन्गाप्पा, कोझीकोड में "किशोर मानसिक स्वास्थ्य" पर एक दिन की क्लास ली।
- सीडब्ल्यूएलडी के आकलन और प्रमाणन के लिए गठित मेडिकल बोर्ड के संचालन में विशेष शिक्षा विभाग, नैदानिक मनोविज्ञान और व्यावसायिक चिकित्सा विभाग सक्रिय रूप से शामिल हैं। कोझिकोड जिले के विभिन्न इलाकों में शिविर आयोजित किए गए।
- डॉ सुनीश टी.वी., सहायक प्रोफेसर, ने समग्र शिक्षा केरल द्वारा 21 जनवरी 2019 को जिला समन्वयकों के लिए आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में एक सत्र लिया। प्रस्तुति का विषय "व्यक्तिगत परिवार सहायता योजना" था ।
- डॉ सुनीश टी.वी., सहायक प्रोफेसर, ने तिरुवनंतपुरम में ब्लॉक पंचायत, वडाकरा, के संगति में एसआईएमसी द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर के सिलसिले में 20 जनवरी 2019, को "स्टेट इंस्टीट्यूट फॉर मेंटली चैलेंजेस, एसआईएमसी, द्वारा आयोजित अभिभावक कार्यक्रम में एक सत्र लिया। सत्र का शीर्षक "अर्ली इंटरवेंशनः आवश्यकता और महत्व" था। विशेष शिक्षा में व्याख्याता, श्रीमती साजा एस., ने आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के आलोक में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर एक सत्र लिया।

"सिर्फ इसलिए कि एक आदमी के पास अपनी आंखों के उपयोग की कमी है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके पास दृष्टि की कमी है।"

- स्टीव वंडर

- जैसन एम. पीटर, विशेष शिक्षक, ने बीआरसी वडकारा में 29 जनवरी 2019 को अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम में एक सत्र लिया। प्रस्तुति का विषय विभिन्न अधिनियमों और सीडब्ल्यूएसएन की शिक्षा में माता-पिता की भागीदारी ।
- जोमन जॉर्ज, लेक्चरर ने 31 जनवरी 2019, को बीआरसी थुनेरी में आयोजित अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम में एक सत्र लिया। प्रस्तुति का विषय "विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता और विद्वता पछड़ापन" था।
- मिस. जेन्सी वर्गीज, लेक्चरर ने 9 जनवरी 2019, को मैथरी एड्युकेशन एण्ड चारीटेबल एसोशिएशन, कदवथुर, कन्नूर द्वारा आयोजित अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम में एक सत्र लिया। सत्र का शीर्षक "व्यावसायिक पुनर्वास और सीबीआर" था।
- श्री गोपीराज पी.वी. (पुनर्वास अधिकारी) ने कन्नूर में "आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016" पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया और "सुलभ भारत अभियान" पर एक विषय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कन्नूर के सामाजिक न्याय विभाग द्वारा 11 जून, 2019 को किया गया । कार्यक्रम में कन्नूर जिले के विभिन्न सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया ।
- कोझीकोड जिले में सीडब्ल्यू के आकलन और प्रमाणन के लिए गठित मेडिकल बोर्ड की बैठकों के संचालन में सीआरसी-के के नैदानिक मनोविज्ञान, विशेष शिक्षा और व्यावसायिक चिकित्सा विभाग सक्रिय रूप से शामिल हैं। श्री .जैसन एम. पीटर, विशेष शिक्षक, फरवरी महीने के दौरान विषय विशेषज्ञ के रूप में बोर्ड की बैठक में शामिल हुए।
- शैक्षणिक कैलेंडर के भाग के रूप में, डी.एम द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं ने ऑटिज्म और सेरेब्रल पाल्सी के बच्चों पर व्यावसायिक प्रशिक्षण पूरा किया। शिक्षक प्रशिक्षु ने 18 वर्ष से अधिक के छात्रों का चयन किया, आकलन के आधार पर उन्होंने प्रत्येक छात्रों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना बनाई ।
- निदेशक, सीआरसी-के पेंटिंग और ड्राइंग प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि थे, जिसे 7 फरवरी को आयोजित किया गया था। निदेशक ने अलग-अलग एबल्ड बच्चों की विभिन्न क्षमताओं पर एक सत्र दिया।
- व्यावसायिक चिकित्सा विभाग में व्याख्याता ने केरल सामाजिक सुरक्षा मिशन के साथ मिलकर माता-पिता के प्रशिक्षण के लिए हैंडबुक के विकास में भाग लिया।
- निदेशक, सीआरसी-के, 8 फरवरी 2019 को टाउन हॉल में हुए जागरूकता क्लास के लिए एक संसाधन व्यक्ति थे। यह रहमानिया स्पेशल स्कूल, कोझीकोड के वर्षगांठ समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था।
- निदेशक, सीआरसी-के 16 फरवरी, 2019 को अभिभावक जागरूकता सत्र के लिए एक संसाधन व्यक्ति थे, जो "अलग-अलग बच्चों की देखभाल" करता है ।
- निदेशक, सीआरसी-के, 17 फरवरी 2019, को करापरम्बा के पंचिरी हॉल में दिव्यांगों के लिए आयोजित सार्वजनिक बातचीत के लिए एक संसाधन व्यक्ति थे।
- निदेशक, सीआरसी-के 24 फरवरी 2019, को डीओएसटी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अभिभावक जागरूकता वर्ग के लिए संसाधन थे।
- सीआरसी-के, ने 28 फरवरी 2019 को कलूर के आईएमए हॉल में आयोजित एनबीईआर साउथ जोन ऑर्गनाइजर्स मीट को सुगम और समन्वयित किया। कार्यक्रम एक बडी सफलता थाी और सदस्य सचिव और अन्य अतिथियों द्वारा सराहना की गई।
- 28 मार्च 2019 को कोंडोटी, मलप्पुरम के कोनडोट्टी वैद्ययार स्मारक मंदिरम, एहेचएएसएस में चैरिटेबल ट्रस्ट और सेरेब्रल पाल्सी क्लब के सह-संरक्षक - सीआरसी-के द्वारा आकलन सह आकलन शिविर और रेटेड घर-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।
- नैदानिक मनोविज्ञान, विशेष शिक्षा, व्यावसायिक चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, भाषण और श्रवण और सामाजिक कार्य के संकाय ने आकलन शिविर का समन्वय किया गया और जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया।
- दोशत' पैतृक समूह, आईएमए, आईएपी, रोटरी कोलीकट सेंट्रल और यूएलसीसीएस फाउंडेशन के सहयोग से सीआरसी-के ने 21 मार्च 2019 को विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस अवलोकन के हिस्से के रूप में "विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए योजनाएं और लाभ" के लिए एक अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।
- डॉ रोशन बिजली के.एन, निदेशक, सीआरसी-के, श्री बिनॉय मैथ्यू के.वी (लेक्चरर फिजियोथेरेपी), श्री गोपीराज पी.वी. (पुनर्वास अधिकारी) और मिस. लक्ष्मी देवी आर. (क्लिनिकल असिस्टेंट - एसएच) संसाधन व्यक्तियों में से थे और उन्होंने कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों को प्रस्तुत किया ।

- डॉ रोशन बिजली के.एन, निदेशक, सीआरसी-के, ग्रेस पैलिऐटिव सेंटर, मुक्कम में 3 फरवरी, 2019 को आयोजित पैरेन्टल अवेयरनेस प्रोग्राम के लिए संसाधन व्यक्ति थे।
- डॉ रोशन बिजली के.एन, निदेशक, सीआरसी-के 21 मार्च 2019 में कोजीकोड के मनकवु में आयोजित डाउन सिंड्रोम बच्चों के लिए जागरूकता सत्र और मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच के मुख्य अतिथि थे।
- डॉ रोशन बिजली के.एन, निदेशक, सीआरसी-के ने 28 मार्च 2019 को कालीकट भीच पर आयोजित ऑटिज्म जागरूकता के एक हिस्से के रूप में आयोजित व्यक्तिगत कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्री अक्षय कुमार, प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट संसाधन व्यक्ति थे और पीएमआर, केलीकट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में पीजी और रिहैबिलिटेशन प्रोफेशनल्स के लिए "ट्रांस फेमोरल कास्टिंग और मेजरमेंट" पर 11 मार्च 2019 को सत्र प्रस्तुत किया ।
- श्री कुरिन्जी चेल्वन एस., ऑकुपेशनल थैरेपी में लेक्चरर, प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के बीओटी छात्रों के लिए 21 मार्च 2019 को आयोजित एनआईईपीएमडी सत्र "व्हीलचेयर सेवा प्रोविजन" के लिए संसाधन व्यक्ति थे।
- जोमन जॉर्ज ने गुडलक लाइब्रेरी, चन्नूर में 28 मार्च 2019 को अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम में एक सत्र जारी किया। प्रस्तुत करने का विषय "दिव्यांग लोगों के बीच किशोरों का प्रबंधन" था।
- भाषण और परीक्षण विभाग ने 16 नवंबर 2018 को "भाषण भाषा और संचार कौशल में सुधार के लिए व्यवहार कुशल तकनीकों का उपयोग" पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- डब्ल्यूआईआरएएस, कन्नूर के एम.एससी काउंसलिंग साइकोलोजी के छात्रों ने, 15 नवंबर 2018 को सीआरसी-के का दौरा किया। सीआरसी-के के निदेशक डॉ रोशन बिजली ने पीडब्ल्यू और साइकालोजिस्ट्स की भूमिका और सीआरसी-के के कामकाज पर भाषण दिया। डॉ सुरेश कुमार एम., असिस्ट प्राध्यापक, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, श्री गोपीराज पी.वी., पुनर्वास अधिकारी और श्री बिनॉय मैथ्यू के.वी, लेक्चरर, फिजियोथेरेपी ने अभिविन्यास कक्षाएं लीं।

राष्ट्रीय सम्मेलन:

- विशेष शिक्षा विभाग के साथ संयुक्त रूप से नैदानिक मनोविज्ञान विभाग ने 19 और 20 नवंबर 2018 को यूनिवर्सिटी कॉलेज, त्रिवेंद्रम में "करंट ट्रेंड्स ऑफ डिसएबिलिटी एंड इनटल हेल्थ" पर दो दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

सहायता और उपकरण (एडिप स्कीम) की खरीद/फिटिंग के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सहायता

सीआरसी कोजीकोड केरल राज्य में एडीआईपी योजना को लागू करने के लिए एक नोडल एजेंसी है। सीआरसी कोजिकोड ने नियमित केंद्र स्तर और समुदाय आधारित पहचान/मूल्यांकन शिविर आयोजित किए। पिछले वर्ष में गहन आकलन शिविर आयोजित किए गए थे और लाभार्थियों को पहचाना गया था ।

- श्री कृष्णपाल गुर्जर, माननीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 29 से 31 दिसंबर 2018 तक केरल का दौरा किया। श्री मारी मुथु बी (विकासात्मक चिकित्सक, भौतिक चिकित्सा विभाग) ने श्री कृष्णपाल गुर्जर, माननीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, के साथ, 29, 30 और 31 दिसंबर 2018 को केरल की आधिकारिक यात्रा की और एडीआईपी एड्स और उपकरण वितरण समारोह में शामिल हुए।

"मैं एक महान और महान कार्य को पूरा करने के लिए लंबे समय से हूं, लेकिन छोटे कार्यों को पूरा करना मेरा मुख्य कर्तव्य "गलत रवैया जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है।"

\- स्कॉट हैमिल्टन

"एक दिव्यांग व्यक्ति के रूप में, मेरे जीवन में हममें से प्रत्येक में मौजूद क्षमता की अंतहीन मात्रा का प्रतिबिंब होना चाहिए ।"

- रॉबर्ट एम। हेन्सेल

2018-19 के दौरान एडीआईपी वितरण शिविर

स्थान	दिनांक
पेरिंथलमाना नगर पालिका, मलप्पुरम	9 जुलाई 2018
तुवुर ग्राम पंचायत, मलप्पुरम	23 जून 2018
वीकेएम स्पेशल स्कूल, वालनचेरी	05 जुलाई 2018

अन्य गतिविधियां

- डी.एड विशेष शिक्षा (एमआर,एएसडी, और सीपी), सीसीसीजी और डीसीबीआर पाठ्यक्रम के लिए एनबीईआर-आरसीआई वार्षिक परीक्षा 18 से 23 जून 2018 तक सीआरसी-के में आयोजित की गई थी। सीआरसी-कोझीकोड, एडब्ल्यूहेय कॉलेज, आरएसएमहेच का ॅलेज के 163 छात्रों ने भाग लिया।
- श्री कुरिन्जी चेलवन, लेक्चरर, ऑक्यूपेशनल थेरेपी ने एक्सेस ऑडिट के लिए चेकलिस्ट विकसित की और कोझीकोड जिले, केरल में एक्सेस ऑडिटिंग प्रोग्राम के लिए मोबाइल एप्लिकेशन तैयार करने के लिए पहल की और समन्वय किया।
- श्री कुरिन्जी चेलवन, लेक्चरर, ऑक्युपेशनल थेरेपी ने विशेष शिक्षा डिप्लोमा (सीपी) के लिए पाठ्यक्रम के विकास की तैयारी की जिसे एनआईईपीएमडी के निदेशक डॉ हिमांगसू दास द्वारा सौंपा गया।
- विशेष शिक्षा विभाग, सीआरसी-के, ने संकायों और छात्रों की टीमवर्क के साथ रु 14,300/- को राज्य के बाढ़ राहत कोष जुटाने के संबंध में मुख्यमंत्री आपदा राहत की ओर दान दिया।

"जैसा कि स्वार्थ और शिकायत मन को विकृत करते हैं, इसलिए इसके आनंद के साथ प्यार करता है और दृष्टि को तेज करता है।"

- हेलेन केलर

लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम, एसटीटीपी

अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, एसटीटीपी, दिव्यांग व्यक्ेतियों, जागरूकता वाले बच्चों के माता-पिता, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों/व्यक्तिओं के साथ काम करने वाले लोगों के जागरूकता, ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए परिकल्पित किए गए हैं । राज्य के विभिन्न हिस्सों में नियमित अंतराल पर सीआरसी-कोझीकोडी द्वारा एसटीटीपी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) :

दिव्यांगताक्षेत्र में काम कर रहे पुनर्वास पेशेवरों के ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) आयोजित की जाती है। इन कार्यक्रमों को भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा क्रेडिट पॉइंट्स के साथ अनुमोदित किया जाता है। सीआरसी-कोझीकोड राज्य के विभिन्न हिस्सों में एनआईईपीएमडी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम और दिशानिर्देशों के अनुसार सीआरई कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

वर्ष 2018-19 के दौरान आयोजित सीआरई कार्यक्रम

सीआरई कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	लाभान्वितों की संख्या	लक्षित समूह
केंद्र आधारित कार्यक्रम	7	210	पुनर्वास पेशेवर व विशेष शिक्षक
जिला स्तर कार्यक्रम	14	700	पुनर्वास पेशेवर व विशेष शिक्षक
राज्य स्तर कार्यक्रम	11	541	पुनर्वास पेशेवर व विशेष शिक्षक

❖ **समारोह / दिवस अवलोकन**

विश्व आटिजम दिवस 2018

एएचएएस चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से सीआरसी-के ने विभिन्न कार्यक्रमों के साथ "विश्व आॅटिजम दिवस 2018" मनाया। विश्व आॅटिजम दिवस के अवलोकन के तहत डेकाथलॉन स्पोर्ट्स हब, कोझिकोड, में विभिन्न खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय विधायक डॉ एम.के. मुनीर ने किया। डॉ रोशन बिजली के.एन (निदेशक सीआरसी-के), श्री शामजीद मुहम्मद अली (एहेचएएस चारिटेबल ट्रस्ट), श्री जॉन (डेकाथलॉन), श्री गोपीराज पी.वी. (पुनर्वास अधिकारी), टीम उद्धवन के स्वयंसेवक, उपस्थित थे। बैडमिंटन, फुटबॉल, सॉफ्ट आर्चरी, घुड़सवारी, जुम्बा डांस और रनिंग रेस जैसी कई खेल गतिविधियों में ऑटिज्म से पीड़ित सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया।

ऑटिज्म के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए "मॉल इवेंट" का आयोजन 1 अप्रैल, 2018 को हायलाइट मॉल, कोझिकोड में किया गया। इस कार्यक्रम में ऑटिज्म और मेहँदी उत्सव के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। मॉल इवेंट के समन्वय में सीआरसी-के डी.एड छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

साइक्लोथॉन को, जन जागरूकता के एक भाग के रूप में, डॉ रोशन बिजली (निदेशक, सीआरसी-के) द्वारा डेकाथलॉन में उसी दिन 4.30 बजे रवाना किया गया। साइक्लोथॉन, वॉकैथॉन के साथ शामिल हो कर श्री जयराज (सचिव, डीएलएसए) द्वारा मनाचीरा में शुरू हुआ और कोझीकोड समुद्र तट पर समाप्त हुआ।

आशीर्वादात्मक समारोह कोझीकोड समुद्र तट पर शाम 6 बजे आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन श्री जयराज (सचिव, डीएलएसए) ने किया । डॉ आशा गोपकुमार (डीएमओ), डॉ रोशनबिजली (निदेशक, सीआरसी-के), श्रीमती शीबा मुमतास (जिला समाज कल्याण अधिकारी), श. सईद शहीर (टीम इनक्यूबेशन), श. शामजीद मुहम्मद अली (एएचएएस चैरिटेबल ट्रस्ट), डेल्विन जेफएन (डेकाथलॉन), श्री गोपीराज पी.वी. (आरओ, सी आरसी-के) और पर्स्ल,ꣳ समारोह में उपस्थित थे।

"कभी हार मत मानो।"

- निक वुजिक

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:

सीआरसी-के ने 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस मनाया। सभी स्टाफ सदस्यों को हॉल में इकट्ठा किया गया और सबने योगा दिवस समारोह में भाग लिया।

श्री जैसन एम पीटर, विशेष शिक्षक, सीआरसी-के ने अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस अवलोकन का समन्वय किया।

स्वतंत्रता दिवस:

आईएमहेचएएनएस, कोझिकोड के सहयोग से सीआरसी-के ने स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ अनीश (सहायक प्रोफेसर, आईएमहेचएएनएस), श्री नीलाकंदन (प्रशासनिक अधिकारी, आईएमहेचएएनएस) और डॉ रोशन बिजली के.एन, निदेशक, सीआरसी-के ने संदेश दिया।

"गलत दृष्टिकोण जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है"।

- स्कॉट हैमिल्टन

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

सीआरसी-के ने मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10 अक्टूबर 2018 को "युवा और मानसिक स्वास्थ्य" पर एक संगोष्ठी के साथ संयुक्त रूप से मनोविज्ञान विभाग, सेंट जोसेफ कॉलेज, देवगिरी, कोझीकोड और आईएमहेचएएनएस, कोइकोड के साथ मनाया।

सामाजिक कार्य और प्लेसमेंट की ईकाई के साथ नैदानिक मनोविभाग के विभाग ने 24 अक्टूबर 2018 को सामाजिक न्याय विभाग, केरल सरकार, थानावुर के वृद्धाश्रम के लोगों के लिए एक मानसिक स्वास्थ्य जांच सह जागरूकता और समूह गतिविधियों का आयोजन किया।

"हमें अपने चरित्र का निर्माण करने के लिए स्थितियों में रखा जाता है ... हमें नष्ट नहीं करना चाहिए।"

- निक वुजिक

स्वच्छ भारत अभियान

2 और 4 अक्टूबर 2018 को सीआरसी-के परिसर और व्यवसायिक प्रशिक्षण ईकाई परिसर, चेम्मिमाद्मकुन्नु में सफाई कार्य किया गया। सभी कर्मचारियों, छात्रों और प्रशिक्षुओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया गया।

बाल दिवस:

सीआरसी-के ने 14 नवंबर 2018 को बाल विकास दिवस पर मादिन अकादमी, मेलमुरी, मलप्पुरम में भाग लिया। श्री गोपीराज पी.वी, पुनर्वासअधिकारी उपस्थित हुए।

श्री गोपीराज पी.वी, पुनर्वास अधिकारी ने 14 नवंबर 2018 को मादिन स्पेशल स्कूल, मेलमुरी, मलप्पुरम मे बाल दिवस विशेष उत्सव के हिस्से के रूप में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए विशेष विभिन्न प्रतियोगिताओं का समन्वय किया। श्री शिवराज एन शोमदे, सहायक प्रोफेसर, भाषण और श्रवण, सीआरसी-के ने मैडिन स्कूल,, मेलमुरी मलाप्पुरम में आयोजित बाल दिवस कार्यक्रम के उत्सव मे भाग लिया। वह "हियरिंग एंड स्पीच की देखभाल कैसे करें" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति थे।

"अपना चेहरा धूप में रखें और आप छाया नहीं देखेंगे ।"

- हेलेन केलर

विश्व दिव्यांगता दिवस:

सीआरसी-के के सोशल वर्क यूनिट के साथ विशेष शिक्षा विभाग ने 6.12.2018 को विश्व दिव्यागतां दिवस मनाया। कार्यक्रम जेडीटी इस्लाम परिसर में हुआ। कार्यक्रम के भाग के रूप में, विभाग ने एक प्रदर्शनी आयोजित की। केंद्र के एचआरडी छात्रों ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया और विभिन्न दिव्यांगों और इसके प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा की। सीआरसी-के के निदेशक डॉ रोशन बिजली ने सार्वजनिक समारोह का उद्घाटन किया।

कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन में भाग लेने वाले संकाय

कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन में कागज/पोस्टर प्रस्तुति/प्रकाशन

- बिनॉय मैथ्यू केवी, (लेक्चरर-फिजियोथेरेपी, सीआरसी-कोझिकोड) ने 27 जून 2018 को दोपहर 3 से 5 बजे तक दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल परिषद, एससीपीडब्ल्यूडी, और भारतीय उद्योग परिसंघों, सीआईआई, के साथ "पीडब्ल्यूडी की समावेशी कार्यस्थल बनाना" पर वेबिनार में भाग लिया।
- श्री गोपीराज पी.वी, पुनर्वास अधिकारी ने 25 जुलाई 2018 को सरलाया क्राफ्ट गांव, इरिंगल में आयोजित "उच्च आदेश संस्थानों पर कालीकट" में कार्यशाला में भाग लिया।
- निदेशक, सीआरसी-के ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित माननीय मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी के कौशल विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। योजना के तहत विभिन्न तत्वों और आवश्यकताओं की स्पष्ट समझ बनाने के लिए और कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया था।
- बी.मरी मुथु, क्लिनिकल असिस्टेंट (डेवलपमेंट थेरेपी) ने 22 जुलाई 2018 को इंटरनेशनल फिजियोथेरेपी कॉन्फ्रेंस, थेराकाॅन18 में स्ट्रोक में "इंटीग्रेटेड न्यूरो थैरेप्युटिकल अप्रोच (आईएनटीए)" नामक प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप में भाग लिया, जिसे इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट, सलेम शाखा और विनायका मिशन कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, सेलम ने संगठित किया ।
- मिस्टर बिनॉय मैथ्यू के.वी, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी) ने जुलाई 2018 में भारत सरकार के डर्बी स्वयंम डिजिटल प्लेटफॉर्म विश्वविद्यालय द्वारा संचालित "अंडरस्टैंडिंग ऑटिज्म, एस्पर्जर्स एंड एडीएचडी" पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।
- शोध पत्र "सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों की भागीदारी पर पर्यावरण के कारकों का प्रभाव" यूसीआरएमई, आईएसएसएन (ऑनलाइन): 2455-5428, खंड 3, अंक 1, 2018 में प्रकाशित किया गया।
- श्री बिनॉय मैथ्यू के.वी, व्याख्याता (फिजियोथेरेपी) विश्व प्रसिद्ध जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय द्वारा "व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण का परिचय" पर 6 सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन पाठ्यक्रम को पूरा किया ।
- रीबिनॉय मैथ्यू के वी, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी) ने ऑनलाइन फिजियोथेरेपी पत्रिका में एक लेख "अर्ली इंटरवेंशन: मेकिंग अ डिफरेंस" प्रकाशित किया।http://ptmaze.com/Apr%20-%20Article%203.html
- श्री शिवराज एल भीमटे ने शोध अध्ययन किया है, जिसका शीर्षक है "विकलांगता से पीड़ित बच्चों की बहने में हानि और संचार विकार की व्यापकता और शिथिलता" जर्नल ऑफ़ डिसएबिलिटी मैनेजमेंट एंड रिहैबिलिटेशन 3 (1) 2017 में

प्रकाशित हुई।

- मैनुअल "हैंडबुक फॉर मैनुअल व्हीलचेयर उपयोगकर्ता और देखभालकर्ता - शुरुआती स्तर" को लैम्बर्ट अकादमिक प्रकाशन ऑन लाइन प्रकाशन में आईएसबीएन 978-613-9-82408-3 के साथ प्रकाशित किया गया था। श्रीकुरिन्जी चेल्वन एस, व्याख्याता, व्यावसायिक चिकित्सा, सीआरसी-के लेखक में से एक थे.
- श्री बिनॉय मैथ्यू के वी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी) और श्री मुहम्मद मिन्हाज। (फिजियोथेरेपिस्ट-गेस्ट फैकल्टी) ने 16 वें अगस्त 2018 को आईएमएएनएस द्वारा आयोजित "साइकोसोशल केयर इन डिजास्टर मैनेजमेंट" में एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री बिनॉय मैथ्यू केवी (व्याख्याता, फिजियोथेरेपी) और श्री मुहम्मद मिन्हाज (फिजियोथेरेपिस्ट-गेस्ट फैकल्टी) ने इंटरनेशनल स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के फिजियोथेरेपी प्रबंधन पर 5 सप्ताह की अवधि के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया था।

"मुझे पता है कि दिव्यांग लोगों के लिए दुनिया को अधिक सुलभ बनाने का सिलसिला जारी रहेगा।"

- स्टीव वंडर

प्रकाशन:

- श्री बिनॉय मैथ्यू केवी (लेक्चरर-फिजियोथेरेपी, सीआरसी-के) द्वारा मैरीलिज़बेथ टिडिया वालाराइन के साथ लिखा गया एक लेख, जिसका शीर्षक है "डिफरेंशियल-एबल्ड इम्प्लॉयमेंट के लिए विकलांगता क्षेत्र में तकनीकी शैक्षिक एकीकरण की आवश्यकता" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट रिसर्च में प्रकाशित हुआ। अगस्त अंक 2018 में DOI: doi.org/10.31033/ijemr.8.4.14
- श्री एससीईआरटी, सरकार द्वारा आयोजित कार्यशाला में स्पेशल एडुकेटर जैसन एम पीटर ने ईपीआईसी का उपयोग कर आईडी के साथ बच्चों का मूल्यांकन और मूल्यांकन 'नामक एक पेपर प्रस्तुत किया। केरल के 29 वें सत्र, 2018 पर कार्यक्रम के प्रतिभागी कोर स्टेट रिसोर्स ग्रुप्स (एसआरजी) थे, जिसमें केरल के विभिन्न स्कूलों में काम करने वाले विशेष शिक्षक और शिक्षक शामिल थे।
- राधिका राजकुमार, एलेक्स दिव्या मर्किलीन, सुरेश कुमार मुथुकृष्णन, मुरली सुभाश्री, मंजुला दत्ता, जमुना आर सुब्रमण्यम 2018 ए कॉम्बिनेटरियल एंटीहाइपरटेन्सिव ड्रग (रिसर्पिन एंड हाइड्रैज़िन) नॉट कॉज़ कॉवरे डिप्रेशन, जेरोन्टोलॉजी एंड जेरिएट्रिक स्टडीज़।

सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डॉ रोशन बिजली के.एन, डायरेक्टर सीआरसी-के, डॉ सुनीश टी.वी, एसिस्टेंट प्रोफेसर विशेष शिक्षा और श्री शिवराज भीमटे, असिस्टेंट प्रोफेसर भाषण और श्रवण ने 23 अक्टूबर, 2018 को प्रवासी भारतीय केंद्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में डीईपीडब्ल्यू द्वारा आयोजित "बेस्ट, केयर, रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च में ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस में शारीरिक और मानसिक दिव्यांगताओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला" में भाग लिया ।
- श्री जैसन एम पीटर, विशेष शिक्षक, 06 अक्टूबर 2018 को वीकेएम विशेष स्कूल, वेलंचेरी, में "विश्व सीपी दिवस समारोह" के संबंध में वीकेएम विशेष विद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी के पैनल सदस्य के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम से कुल 550 लोग लाभान्वित हुए।
- डॉ सुनीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर, 26 अक्टूबर 2018 को केरल में एससीईआरटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "अलग अलग दिव्यांग लोगों की शिक्षा में राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 23 अक्टूबर 2018 को नई दिल्ली में देखभाल, पुनर्वास और अनुसंधान में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के आलोक में शारीरिक और मानसिक दिव्यांगों के लिए एक दिन की राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ सुनीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर ने भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन डीईपीडब्ल्यूडीओं, एमएसआई और ई, जीओआई और एनआईईपीएमडी, चेन्नई द्वारा किया गया।
- डॉ सुनीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर, ने एससीईआरटी, केरल द्वारा 24 से 26 अक्टूबी 2018, में आयोजित तीन दिन के अलग-अलग दिव्यांगों की समावेशी शिक्षा पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला में भाग लिया।
- बिनॉय मैथ्यू के.वी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी) ने 14 अक्टूबर 2018 को कोयम्बटूर, ईशा योगा केंद्र के उपायोगा में प्रशिक्षण लिया।
- बिनॉय मैथ्यू के.वी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी) और मुहम्मद मिन्हाज टी. (कॉन्ट्रैक्ट-फिजियोथेरेपिस्ट) ने 14 से 21 अक्टूबर 2018 के लिए आर्थोपेडिक मैनुअल फिजियोथेरेपिस्ट अकादमी द्वारा आयोजित मैनुअल थेरेपी में इतिहास और स्कूलों के विचार पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।

- बिनॉय मैथ्यू के वी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी) 27 अक्टूबर, 2018 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग द्वारा आयोजित एपिलेप्सी इन चिल्ड्रेन पर इंटरैक्टिव वेबिनार में भाग लिया।

पेपर प्रस्तुति/पोस्टर प्रस्तुति/प्रकाशन

- बिनाय मैथ्यू के.वी द्वारा पेपर जिसका शीर्षक, "क्या बच्चों और किशोरों के सीखने के मुद्दों के बीच कोई संतुलन और बुद्धिमान उद्धरण है - एक पायलट अध्ययन" को अक्टूबर 2018 में सीखने के विकार, आईएसएलडी 2017 के आईएसबीएन नंबर 978-81-938886-0-5 के शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में प्रकाशित हुआ।
- सुरेश कुमार एम, राजीव कुमार एन, सरथसुंदर (2018), "रोरसछाच एक्सनर कॉम्प्रिहेंसिव सिस्टम के उपयोग से अल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम के पर्सनालिटी प्रोफाइल" जर्नल ऑफ एडिक्टिव बिहेवियर, थेरेपी और रिहेबिलिटेशन।
- श्री मारी मुथु बी (विकासात्मक चिकित्सा विभाग, भौतिक चिकित्सा विभाग) ने नवंबर 2018 में आर्थोपेडिक मैनुअल फिजिकल थेरेपिस्ट अकादमी द्वारा आयोजित मैनुअल थेरेपी में इतिहास और स्कूलों के विचार पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया।
- बिनॉय मैथ्यू केवी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी) ने 17 और 18 नवंबर 2018 को रेसिडेंसी टवर होटल, तिरुवनंनतपुरम, केरल मे श्री चित्रा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम और सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय, यूनैटेड किंगडम द्वारा आयोजित स्ट्रोक केयर की अनिवार्यताओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- बिनॉय मैथ्यू केवी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी, सीआरसी-के) और मैरीलिजबेथ टिडिया वालाराइन (वरिष्ठ व्याख्याता, एमआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मलप्पुरम) के "एरोबिक व्यायाम और स्तन कैंसर के रोगियों में कैंसर से संबंधित थकान को कम करने में इसका प्रभाव-एक कथात्मक समीक्षा को 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक को आॅनलाइन मे आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रशामक देखभाल नेटवर्क के पोस्टर प्रदर्शनी के लिए चुना गया ।
- बिनॉय मैथ्यू केवी (व्याख्याता, फिजियोथेरेपी, सीआरसी-के) और मैरीलिजबेथ टिडिया वालाराइन (वरिष्ठ व्याख्याता, एमआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मलप्पुरम) ने "स्ट्रोके में अपर लिम्ब रिकवरी के लिए फिजियोथेरेपी इंटरवेंशन्स-ए नरेटिव रिव्यू" शीर्षक से एक पोस्टर को 17 और 18 नवंबर 2018 को रेसिडेंसी टवर होटल, तिरुवनंनतपुरम, केरल मे श्री चित्रा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम और सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित द एसेंशियलस आॅफ स्ट्रोक केयर के अंतरराष्ट्रिय काॅनफरेंस में प्रस्तुत किया ।
- डॉ सतीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर और श्री जैसन एम पीटर, विशेष शिक्षक ने दो दिनों के लिए सीडब्ल्यूडी के कौशल विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला, मास्टर ट्रेनर्स (टीओएमटी), के प्रशिक्षण में भाग लिया जो 7-8 दिसंबर 2018 को स्कील काउंसिल फर परसोना वीथ डिसेबीलीटी, भारत सरकार और नेश्नल स्टार काॅलेज द्वारा आयोजित किया गया ।
- श्री जोमन जॉर्ज, लेक्चरर ने 31.12.2018 को सीडीएमआरपी, कालीकट विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "प्ले थेरेपी" पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- बिनॉय मैथ्यू के वी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी) ने 7 औा 8 दिसंबर 2018 को आईआइएमके कैंपस मे इंडियन इन्सटिटूट आॅफ मेनेजमेंट कोझीकोड (आईआईएमके) द्वारा आयोजित समाज और प्रबंधन पर अंजर्राष्ट्रीय सम्मेलनः भारतीय संस्कृति और पश्चिमी संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मे भाग लिया ।
- सुश्री लक्ष्मी देवी आर ने 1 दिसंबर 2018 को क्राइस्ट यूनिवर्सिटी में "इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, ट्रीटमेंट एंड एजुकेशन फॉर चिल्ड्रेन फॉर डेवलपमेंटल डिसएबिलिटीज" पर 1 व वर्षिक बीसीएस सम्मेलन में भाग लिया।
- सुश्री लक्ष्मी देवी आर ने 16 दिसंबर 2018 को अजीजिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल, कोल्लम में "द एन्युअल स्टेट पेरिफेरल मीटींग आॅफ एसोसिएशन ऑफ फोनोसर्गेन्स ऑफ इंडिया, केरल चैप्टर - डेग्लूटीकाॅन-2018 में भाग लिया।
- श्रीधर ए, कुमार एसएम, शोभा एएन,कार्यकारी समारोह और इसके नैदानिक माइग्रेन के बीच परस्पर संबंध । इंडियन जे पेइन2018ः32ः167-72
- बिनॉय मैथ्यू केवी (व्याख्याता, फिजियोथेरेपी, सीआरसी-के) ने 7 और 8 दिसंबर 2018 को आईआएमके केम्पस में इंडियन इन्सटिट्यूट आॅफ मेनेॆजमेंट कोझीकोड (आईआईएमके) द्वारा आयोजित समाज और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः भारतीय संस्कृति और पश्चिमी संस्कृति पर "हेचआरएम प्राक्टीसेस एट यूरालंगल लेबर काॅनट्रेक्टरस को-ओपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, वाडाकारा" नामक शाॅीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया ।

"गलत रवैया जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है।"

- स्कॉट हैमिल्टन

"जीवन में आपके पास एक विकल्प है: कड़वा या बेहतर? बेहतर चुनें, कड़वा भूल जाओ।"

- निक वुजिक

- डॉ सुनीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर और सुश्री साईजा एस, व्याख्याता और श्रीमती जेन्सी वर्गीस, लेक्चरर ने एनआईपीएमडी चेन्नई द्वारा नॉर्थम्प्टन यूनिवर्सिटी, यूके और यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट के सौजन्य से 28 से 30 जनवरी 2019 को आयोजित "स्पेशल एंड इनक्लूसिव एजुकेशन एंड डिसएबिलिटी रिहैबिलिटेशन ऑन रिसर्च मेथड्स ऑन इंटरनेशनल वर्कशॉप" पर तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- श्रीमती साईजा एस, और जेन्सी वर्गीज, लेक्चरर्स ने दो दिन के 'रिसर्च कन्वेंशन" में भाग लिया जो 1 और 2 फरवरी 2019 को अविनाशिलिंगम यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर द्वारा आयोजित किया गया था ।
- शीर्षक "मैनुअल व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण - समीक्षा अध्ययन" नामक पेपर को 10 और 11 जनवरी 2019 को आईआईटी, गवहाटी मे "रोल आॅफ टेकनोलाजिस इन डिसेबिलीटी" के नेशनल कॉन्फ्रेंस में श्री कुरीन्जी चेेलवन एस. लेक्चरर, ओटी द्वारा प्रस्तुत किया गया । प्रस्तुति के दौरान लगभग 100 संख्या में पेशेवरों और छात्र प्रतिनिधियों को प्रस्तुत किया गया।
- बिनॉय मैथ्यू केवी (व्याख्याता, फिजियोथैरेपी, सीआरसी-कोझिकोड) को यूरोपीय संघ द्वारा प्रशामक देखभाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशामक देखभाल नेटवर्क पोस्टर प्रदर्शनी के लिए भागीदारी का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ और अमेरिकन अकादमी ऑफ होस्पीस और प्रशामक चिकित्सा द्वारा प्रायोजित किया गया, जो 15 नवंबर-15 दिसंबर से ऑनलाइन आयोजित किया गया था। दुनिया भर के 17 देशों के 30 चयनित पोस्टर थे ।
- बिनॉय मैथ्यू केवी (लेक्चरर, फिजियोथैरेपी, सीआरसी-कोझिकोड) और श्रीमती मैरेलिजबेथ टिडिया वालाराइन (असिस्ट.प्रोफेसर, एमआईएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग) द्वारा सह-लिखित एक पेपर "फिनाॅमिलोजिकल स्टडी आॅन लिव्ड एक्सपिरियन्स आॅफ पेशेन्ट्स् अन्डरगोईंग किमोथेरेपी एट सेलेक्टेड हाॅसपतल", केलीकट को "हेल्थकेयर बदलना: कैंसर के साथ और कैंसर के बाद" के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया जो 24 और 25 जनवरी को एमआईएमएस हस्पताल, केलिकट मे एमआईएमएस काॅलेज आॅफ नर्सिंग एण्ड एस्टर एमआईएमएस हस्पताल मे आयोजित किया गया था ।
- बिनॉय मैथ्यू के.वी (लेक्चरर, फिजियोथैरेपी), मारी मुथू बी (फिजियोथैरेपी विभाग के विकासात्मक चिकित्सक) ने 16 फरवरी को एनआईएसहेच, त्रिवेंद्रम द्वारा आयोजित पहचान और शिक्षण अक्षमता के प्रबंधन पर वेबिनार में भाग लिया।
- बिनॉय मैथ्यू केवी (लेक्चरर, फिजियोथैरेपी), मारी मुथू बी (फिजियोथैरेपी विभाग के विकासात्मक चिकित्सक) और मुहम्मद मिन्हाज टी (फिजियोथैरेपिस्ट, फिजियोथैरेपी विभाग) ने हाल ही के विकास संबंधी दिव्यांगताएंः बहस और दुविधा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया जो 20 और 21 फरवरी को कोट्टायम में एनआईईपीएमडी और सेंट जाॅन आॅफ गॉड कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा आयोजित किया।
- श्री गोपीराज पी.वी., पुनर्वास अधिकारी ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय में 7 और 8 फरवरी को "दिव्यांगता अधिकार और भारत में स्थिति - पीडब्ल्यू के लिए नीति और कार्यक्रम" में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- श्री गोपीराज पी.वी, पुनर्वास अधिकारी ने 12 और 13 फरवरी को चेन्नई के एनआईईपीएमडी में आयोजित "युवा लोगों के बीच रेजिलिएशन बिल्डिंग" पर दो दिनों के संसाधन अनुकूलन कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री गोपीराज पी.वी, पुनर्वास अधिकारी ने इंडियन इन्सटिट्यूट आॅफ मेनेजमेंट-कोझिकोड द्वारा 23 फरवरी 2019 को आईआईएम कोझीकोड में आयोजित एक दिवसीय सामाजिक विकास परियोजना मेले में भाग लिया।
- बिनॉय मैथ्यू के.वी (लेक्चरर, फिजियोथैरेपी, सीआरसी-के) ने विकासात्मक दिव्यांगताओं मे हालिया रुझान: बहस और दुविधाएं पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक “शारीरिक रूप से विकासशाील बच्चों के साथ-साथ कई दिव्यांग बच्चों वाली माताओं का अनुभव - एक फेनोमिलाॅलिकल स्टडी", जो एनआईईपीएमडी और सेंट जेहन ऑफ गॉड कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा 20 और 21 फरवरी 2019 को कोट्टायम में आयोजित किया गया।
- मारी मुथु बी (विकासात्मक चिकित्सक, फिसियोथैरेपी विभाग) ने विकासात्मक दिव्यांगताओं मे हालिया रुझान: बहस और दुविधाएं के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एटीट्यूड आॅफ पेरेंट्स् रीगार्डिंग रिक्रियेशनल थेरेपी एट सीआरसी-कोझिकोड - ए-सर्वे" नामक शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया जो एनआईईपीएमडी और सेंट जॉन ऑफ गॉड कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा 20 और 21 फरवरी 2019 को कोट्टायम में आयोजित किया गया।
- मोहम्मद मिन्हाज टी (फिजियोथैरेपिस्ट, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोथैरेपी) ने विकासात्मक दिव्यांगताओं मे हालिया रुझान: बहस और दुविधाएं के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बैक वॉकिंग इम्प्रूव्स गाइट इन डाउन सिंड्रोम: ए केस स्टडी" नामक शाीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जो एनआईईपीएमडी और सेंट जॉन आॅफ गाॅड काॅलेज आॅफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा 20 और 21 फरवरी 2019 को कोट्टायम में आयोजित किया गया।

एक बार जब आप ठान लें तो कुछ भी संभव है।"

- क्रिस्टोफर रीव

- बिनॉय मैथ्यू केवी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी, सीआरसी-के) ने विकासात्मक ए"लिव्ड इन एक्सपिरियंस आ ॅफ मथर्स हेविंग चिल्डरन विथ मल्टीपल डिसेबिलिटी एला ॅग विथ टिपिकल्ली डेवलपिंग चिल्डरन" नामक शा ीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया जो 20 और 21 फरवरी 2019 को कोट्टायम में एनआईईपीएमडी और सेंट जा ॅन आ ॅफ गॉड का ॅलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा आयोजित किया गया और सम्मेलन की कार्यवाही के आईएसबीएन नं: 978-93-82884-99-6 में प्रकाशित किया गया ।
- मारी मुथू बी (फिजियोथेरेपी विभाग, विकासात्मक चिकित्सक) ने विकासात्मक दिव्यांगताओं मे हालिया रुझान: बहस और दुविधाएं के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एटिट्यूड आ ॅफ पेरेंटस रिगार्डिंग रिक्रियेशनल थेरेपी एट सीआरसी कोझीकोड-ए सर्वे" नामक शा ीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया जो 20 और 21 फरवरी 2019 को एनआईईपीएमडी और सेंट जॉन ऑफ गॉड कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा कोट्टायम में आयोजित किया गया और आईएसबीएन नंबरः 978-93-82884-99-6 के सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित हुआ।
- मोहम्मद मिन्हाज टी (फिजियोथेरेपिस्ट, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोथेरेपी) ने विकासात्मक दिव्यांगताओं मे हालिया रुझान: बहस और दुविधाएं के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बेक वा ॅकिंग इमप्रुव्स गेयट इन डाउन सिंडरोम: ए केस स्टडी" नामक शा ीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया जो 20 और 21 फरवरी 2019 को कोट्टायम में एनआईईपीएमडी और सेंट जा ॅन आ ॅफ गॉड कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा आयोजित किया गया और आईएसबीएन नंबरः 978-93-82884-99-6 के सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित हुआ।
- श्री अक्षय कुमार, प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट ने 5 और 6 मार्च 2019 को कोचिन के चावरा सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित "सहायक उपकरण और प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वय किया। श्री जैसन एम पीटर, विशेष शिक्षक, नेशनल कॉन्फ्रेंस के आयोजन सचिव थे
- सुश्री लीक्ष्मी देवी आर. ने 5 और 6 मार्च 2019 को कोचिन के चावरा सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित "सहायक उपकरण और प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "सुनने में सहायक प्रौद्योगिकी" पर एक सत्र लिया।
- डॉ सुनीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर, ने पी एण्ड ओ विभाग, सीआरसी-के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र लिया। सत्र का शीर्षक "विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को पढ़ाने में सहायक तकनीकी था।
- फिजियोथेरेपी विभाग, कम्पोजिट रीजनल सेंटर-कोझिकोड ने जेडीटी इस्लाम कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से 3 मार्च 2019 को "एविडेंस बेस्ड स्ट्रोक रीहैबिलिटेशन" पर नेशनल फिजियोथैरेपी सेमिनार आयोजित किया। कोझीकोड के माननीय सांसद, श्री एम.के. राघवन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- बिनॉय मैथ्यू के.वी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी), स्ट्रोक: चेतावनी संकेत और पुनर्वास पर वेबिनार में भाग लिया जो सुबह 10:30 से 12.30 तक एनआईएस, त्रिवेंद्रम द्वारा आयोजित किया गया ।
- बिनॉय मैथ्यू के.वी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी), ने न्यूरो-पुनर्वास थेरेपी पर सेरेब्रल पाल्सी-डॉस एंड डोन्ट्स के वेबिनार में भाग लिया, जो 16 मार्च को सुबह 11ः30 बजे से 12ः30 बजे तक न्यूरोजेन बीएसआई द्वारा आयोजित किया गया था।
- बिनॉय मैथ्यू केवी (लेक्चरर, फिजियोथेरेपी), मारी मुथू बी (फिजियोथेरेपी विभाग, विकासात्मक चिकित्सक) ने 23 मार्च को सुबह 11ः30 से 12ः30 तक न्यूरोगेन बीएसआई द्वारा आयोजित सेरेब्रल पाल्सी में जल और व्यायाम की भूमिका में अद्वितीय लाभ के लिए वेबिनार में भाग लिया।
- मुहम्मद मिन्हाज टी (फिजियोथेरेपिस्ट, डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोथेरेपी) ने 23 फरवरी 2019 को कोझीकोड में फिजियोप्लस द्वारा आयोजित तंत्रिका संबंधी विकार पर कार्यशाला में भाग लिया।
- मुहम्मद मिन्हाज टी (फिजियोथेरेपिस्ट, फिजियोथेरेपी ेविभाग) ने कोझीकोड में 27 और 28 मार्च 2019 को फिजियो नीड्स द्वारा आयोजित ड्राई नीडलिंग-बेसिक लेवल पर कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ सुनीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर, सीडीएमआरपी विश्वविद्यालय कालीकट द्वारा आयोजित 3 वें वार्षिक बहुविषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। प्रस्तुत पेपर का शीर्षक "इन्डयुवलाइजड फेमिली सपार्ट प्लान एण्ड प्री-एकेडमीक स्कील लर्निंग एमा ॅग चिल्डरन विथ इन्टेलेक्च्युवल डिसेबिलीटी: ए केस स्टडी" था। सम्मेलन में 180 पुनर्वास पेशेवरों ने भाग लिया।
- जैसन एम पीटर, विशेष शिक्षक ने डिपार्टमेंट आ ॅफ एडयूकेशन पेरियार मनियामई इन्सटिटयूट आ ॅफ साइंस एण्ड टेकना ॅलोजी, तंजावुर के द्वारा 12 और 13 मार्च 2019 को आयोजित विशेष शिक्षा के विकास और चुनौतियों पर 1

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। पेपर का शीर्षक "हल्के बौद्धिक रूप से विकलांग बच्चों की शिक्षा पर प्रभाव का तरीका" था । सम्मेलन में 150 पुनर्वास पेशेवरों ने भाग लिया।

संसाधन व्यक्ति के रूप में अन्य संस्थानों का दौरा

- डॉ सुरेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर ने 25 अप्रैल 2018 को कन्नूर विश्वविद्यालय, कन्नूर, केरल के 2 वें सेमेस्टर एम.एससी क्लिनिकल साइकोलॉजी के लिए अतिरिक्त परीक्षक के रूप में कार्य किया।
- डॉ सुरेश कुमार एम, एसस्टेंट प्रोफेसर, क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग, सीआरसी-के को 2 साल (2018- 2020) की अवधि के लिए विश्वविद्यालय के विधिवत गठित सिंडिकेट द्वारा कन्नूर विश्वविद्यालय के अध्ययन सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- डॉ सुरेश कुमार एम, असिस्टेंट प्रोफेसर, क्लिनिकल साइकोलॉजी ने 5 अक्टूबर 2018 को आईएमएचएएनएस, कोझीकोड के एम.फिल प्रवेश के लिए चयन पैनल में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया ।
- डॉ सुरेश कुमार एम, असिस्टेंट प्रोफेसर, क्लिनिकल साइकोलॉजी ने 5 अक्टूबर 2018 को क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट आईएमहेचएएनएस, कोझीकोड के पद के लिए चयन पैनल में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया था।
- डॉ सुरेश कुमार एम, असिस्टेंट प्रोफेसर, क्लिनिकल साइकोलॉजी ने कन्नूर यूनिवर्सिटी में 1 से 3 सितंबर 2018 तक द्वितीय सेमेस्टर एमएससी नैदानिक और परामर्श मनोविज्ञान के प्राक्टिकल और मौखिकी के लिए अतिरिक्त परीक्षक के रूप में कार्य किया।
- डॉ सुरेश कुमार एम. ने महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायमोन मे 21 नवंबर 2018 को 4 व सेमिस्टर एमएससी नैदानिक और परामर्श मनोविज्ञान के प्रैक्टिकल और मौखिकी के लिए अतिरिक्त परीक्षक के रूप में कार्य किया ।
- डॉ सुरेश कुमार एम ने कन्नूर विश्वविद्यालय, कन्नूर में 27 नवंबर 2018 को काउंसलिंग/क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- डॉ सुनीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर (एसई) ने एम.फिल अनुसंधान समिति में 27 दिसंबर 2018 को विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, जिसका गठन रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर द्वारा किया गया।
- केरल राज्य सामाजिक सुरक्षा मिशन द्वारा आयोजित "पैरेंट एंपावरमेंट हैंडबुक पाठ्यक्रम सह सामग्री तैयारी "-सेकंड स्तर की बैठक में डॉ सुनीश टी.वी, सहायक प्रोफेसर (एसई) और श्री कुरिनजी चेलवन एस, व्याख्याता (ओटी) ने भाग लिया।
- श्री बिनॉय मैथ्यू केवी (व्याख्याता, फिजियोथेरेपी) ने मेडिकल रिसर्च, त्रिशूर के जूबली सेंटर मे 10 दिसंबर 2018 को चिकित्सा अनुसंधान के लिए केंद्र की राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की बैठक के दौरान "सीआरसी-कोझिकोड और चिकित्सा अनुसंधान के लिए जुबली सेंटर के बीच एमओयू के उद्देश्यों" में भाग लिया और एक प्रस्तुति दी।
- श्री डी राजकुमार, व्यावसायिक प्रशिक्षक ने एनआईईपीएमडी, चेन्नई में पाठ्यक्रम संशोधन कार्यशाला में 13 और 14 दिसंबर 2018 को भाग लिया।

अनुसंधान एवं विकास

- श्री बिनॉय मैथ्यू के.वी, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी) ने कासरगोड में नियोजित नैदानिक और अनुसंधान गतिविधियों के हिस्से के रूप में 25 जुलाई 2018 को अल्फा पैलिएटिव केयर, कासरगोड का दौरा किया। कर्मचारियों और ग्राहकों के साथ एक विस्तृत चर्चा की गई और सीआरसी-कोझिकोड की गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई। क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न दिव्यांगताओं के बच्चों/व्यक्तियों के लिए उपलब्ध सेवाओं के संबंध में जानकारी एकत्रित की।

"जब कोई चढ़ने के लिए आवेग महसूस करता हो तो वह रेंगने के लिए सहमति नहीं हो सकता।"

- हेलेन केलर

- श्री बिनॉय मैथ्यू के.वी, लेक्चरर (फिजियोथैरेपी) ने 31 जुलाई 2018 को कासरगोड में योजनाबद्ध नैदानिक और अनुसंधान गतिविधियों के हिस्से के रूप में फिजियोथैरेपी, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज और मंगलौर के विभाग का दौरा किया। डॉ चेरू ईपेन, एच.ओ.डी. एंड प्रिंसिपल, कॉलेज ऑफ फिजियोथैरेपी और अन्य संकायों के साथ व्यवहार्य फिजियोथैरेपी नैदानिक और अनुसंधान गतिविधियों के बारे में विस्तृत चर्चा की।

एचआरडी कार्यक्रम

विशेष शिक्षा विभाग, सीआरसी-के तीन नियमित पाठ्यक्रम चलाता है, जिसे भारत के पुनर्वास परिषद द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2016-17 से अनुमोदित किया गया है। प्रत्येक पाठ्यक्रम की इंटेक क्षमता 25 है।

समावेशी शिक्षा (क्रॉस डिसेबिलिटी) में छह महीने के एडवांस सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आरसीआई की मंजूरी। सीआरसी-के ने जनवरी 2018 में समावेशी शिक्षा (क्रॉस डिसेबिलिटी) में छह महीने का एडवांस सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया था - सीआरसी-के द्वारा संचालित चैथा लॉन्ग टर्म कोर्स। वर्ष 2018-19 में, केरल के विभिन्न जिलों के छात्रों ने पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया । पाठ्यक्रम का विवरण नीचे दिया गया है:

सीआरसी-के (2018-19) के नियमित/दूरस्थ पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों का विवरण

पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	२०१८-१९ छात्रों की संख्या		
		पुरुष	महिला	कुल
डीएड एसई (एएसडी)	२ वर्ष नियमित	06	33	39
डीएड एसई (सीपी)	२ वर्ष नियमित	00	11	11
सीसीसीजी	१० माह नियमित	00	13	13
एसीसीआईई (सीडी)	०६ माह दूरस्थ	04	19	23

मै ऐसा सोचता हूँ की दिव्यांगजनों पर हमला करना शक्ति का सबसे घटिया प्रदर्शन है । "

- मॉर्गन फ्रीमैन

- सीआरसी-के को अखिल भारतीय एनईबीआर परीक्षाओं में चार प्रथम रैंक और दो तृतीय रैंक सहित कुल छह रैंक मिलीं। सीआरसी-के संकायों और छात्रों ने एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई में आरसीआई एनआईईपीएमडी एनबर द्वारा आयोजित 2 दीक्षांत समारोह में भाग लिया। रैंक धारकों ने तमिलनाडु के राज्यपाल माननीय बनवारीलाल पुरोहित से पदक प्राप्त किए।

एचआरडी स्टूडेंट्स द्वारा एक्सपोजर विजिट/एजुकेशनल टूर/इवेंट्स/वर्कशाॅप /एक्टिविटीज

- डीएड के छात्रों ने वीकेएम विशेष स्कूल के सहयोग से सीआरसी-के द्वारा आयोजित विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस अवलोकन के संबंध में 06 अक्टूबर 2018 को वीकेएम विशेष स्कूल वालेनचेरी का दौरा किया। छात्रों ने माता-पिता के बारे में जागरूकता वर्ग, चित्रकला प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- डीएड के छात्रों ने "करुणा स्पेशल स्कूल फॉर द हियरिंग इम्पेयर्ड" का दौरा 27 सितंबर 2018 को किया। श्री जोमन जॉर्ज और साइजा एस, व्याख्याताओं ने यात्रा का समन्वय किया। करुणा विशेष स्कूल के प्रधानाचार्य, सीनियर विक्टोरिया ने स्कूल की विभिन्न गतिविधियों और शिक्षा कार्यक्रम के बारे में उन्मुखीकरण प्रदान किया।

जीवन एक संतुलन है। मेरे पास केवल एक पैर है, इसलिए मैं अच्छी तरह सेसमझता हूं।

- सैंडी फसेल

- प्रथम वर्ष के डी.एड.एसई (एएसडी) के आईईपी व्यावहारिक प्रशिक्षण के भाग के रूप में, शिक्षकों के सहयोग से शिक्षक प्रशिक्षुओं ने ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के 51 छात्रों को विशेष शिक्षा सेवाएं प्रदान कीं। प्रशिक्षुओं को बीआरसी- एसएसए, कोझीकोड नामक नदाकवु, कुन्नमंगलमंद मावूर के तीन आॅटीजम सेंटरस् में रखा गया।
- एसीसीआईई (सीडी) पाठ्यक्रम की बाहरी व्यावहारिक और सिद्धांत परीक्षा 9 सितंबर और 11 से 14 सितंबर, 2018 तक सीआरसी-के में आयोजित की गई । अंतिम दिन सभी छात्रों विदा कर दिया गया।
- विशेष शिक्षा विभाग, सीआरसी-के ने एचआरडी कोर्सेज का दूसरा सर्टिफिकेट डिस्ट्रीब्यूशन, डीएड.एसई (एएसडी एण्ड सी), सीसीसीजी, एसीसीआईई (सीडी), 18 जनवरी 2019 को आयोजित किया। डॉ पी मोहन, कालीकट विश्वविद्यालय के माननीय प्रो-चांसलर समारोह के मुख्य अतिथि थे। डॉ रोशन बिजली, निदेशक, सीआरसी-के ने समारोह की अध्यक्षता की। डॉ गोपालकृष्णन, सदस्य सीनेट, कालीकट विश्वविद्यालय, श्री अब्दुल हकीम, जिला कार्यक्रम अधिकारी, एसएसए, श्री शिवराज भीमटे, सहायक प्रोफेसर, सीआरसी-के, श्री चंद्रन व्यवस्थापक अधिकारी, सीआरसी-के और श्री हनीफा, पीटीए उपाध्यक्ष, ने कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ सुनीश टी.वी, एचओडी, ने सभा का स्वागत किया और श्री गोपीराज, आरओ, सीआरसी-के ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।
- शैक्षणिक गतिविधियों के भाग के रूप में, डी.एड द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं ने अपने पाठ्यक्रम विशेषज्ञता के अनुसार केरल के विभिन्न विशेष स्कूलों में अपना 15 दिवसीय इंटर्नशिप प्रशिक्षण पूरा किया। डीएड.एसई (सीपी) के छात्रों को वीकेएम के विशेष स्कूल, वेलेंचेरी में रखा गया । डीएड.एसई (एएसडी) छात्रों को केई साफिया आॅटिजम सेंटर, माही, मादिन स्पेशल स्कूल मालाप्पुरम, आशकिरण स्पेशल स्कूल, कोझीकोड, और जेडीटी इस्लाम स्पेशल स्कूल कोझीकोड में रखा गया । प्रशिक्षण अवधि के दौरान, प्रत्येक छात्र प्रशिक्षु शिक्षण और स्कूल की अन्य सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में शामिल होते है।

अतिरिक्त पाठ्यचर्या की गतिविधियों में भागीदारी

- सीआरसी-कोझिकोड ने राज्य स्तर की विशेष शिक्षक प्रशिक्षु कला प्रतियोगिता "स्पंदनम" में भाग लिया, जिसे 25 से 26 मार्च 2019 तक स्टेट इंस्टीट्यूट फॉर द मेंटली चैलेंज्ड, केरल सरकार, तिरुवनन्तपुरम द्वारा आयोजित किया गया । टीम में 30 छात्र और 3 संकायों के 14 आइटम शामिल थे। सीआरसी-के को 33 अंकों के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पांचवा स्थान मिला।
- विशेष शिक्षा विभाग, सीआरसी-के ने डीएड विशेष शिक्षा, एएसडी और सीपी, के लिए 19 से 20 मार्च 2019 को एनबीईआर-आरसीआइ टर्म एंड प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित की। 32 छात्रों ने व्यावहारिक परीक्षा में भाग लिया ।
- विशेष शिक्षा विभाग ने सीआरसी कोझीकोड में 21 मार्च 2019 को अभिभावकों की बैठक आयोजित की। बैठक ने नई पीटीए समिति का गठन किया और उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और समिति के सदस्यों सहित कार्यकारी समिति के सदस्यों का चुनाव किया। 36 अभिभावकों ने पीटीए बैठक में भाग लिया।

"मैं दुख की खुशी जानने के लिए अपने घुटनों पर क्रॉल करूंगा।"

- साइडवॉक पैगंबर

सीआरसी-नागपुर

प्रस्तावना -

दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) एक सेवा संस्थान है, जो दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान का प्रशासनिक नियंत्रण, दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण का विभाग (दिव्यांगजन), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सरकार भारत द्वारा स्थापित किया गया। महाराष्ट्र राज्य में दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्लूडी) के लिए आवश्यक संसाधनों, अवसंरचना और सेवाओं का निर्माण और विकास इसका उद्देश्य है। एक ही मंत्रालय के तहत भारत के विभिन्न हिस्सों में दिव्यांगता के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्रीय संस्थान और अन्य शीर्ष निकाय हैं। मंत्रालय ने भारत के विभिन्न हिस्सों में सीआरसी की स्थापना की है। नागपुर में सीआरसी 2015 से कार्य कर रहा है। केंद्र आधारित, शिविर आधारित पुनर्वास, जागरूकता सृजन, शैक्षणिक और सेवा प्रावधान गतिविधियों के अलावा यह व्यक्तियों दिव्यांगों के लिए सर्वोच्च संसाधन केंद्र (पीडब्ल्यूडी) के रूप में भी कार्य करता है।

उद्देश्य

- पीडब्ल्यूडी के बारे में समुदाय में जागरूकता के सृजन के लिए सार्वजनिक शिक्षा कार्यक्रम शुरू करना।
- राज्य और जिला प्रशासन और गैर सरकारी संगठनों के साथ संबंध स्थापित करना।
- संगठनों, माता-पिता, समूहों, स्वयं सहायता समूहों आदि को प्रोत्साहित और समर्थन करके पुनर्वास के क्षेत्र में सेवाओं के विकास को प्रोत्साहित करना।
- पुनर्वास सेवाओं के वितरण के लिए रणनीति विकसित करना।
- पीडब्ल्यूओं के लिए चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करना, विशेषकर बच्चों को, शुरुआती हस्तक्षेप के माध्यम से।
- व्यावसायिक प्रशिक्षण और पीडब्ल्यूडी के प्लेसमेंट के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना।
- दिव्यांगों की विभिन्न श्रेणियों के लिए आरसीआई मान्यता प्राप्त कार्यक्रम आयोजित करके पीडब्ल्यूडी के पुनर्वास के क्षेत्र में अधिक से अधिक योग्य पेशेवरों को प्रदान करना।
- दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों के लिए एक परामर्शी/वकालत एजेंसी के रूप में कार्य करना।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सहायक उपकरणों के प्रावधान।
- अनुसंधान और विकास करने के लिए।

सीआरसी, नागपुर में निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध हैं:

- फिजिकल मेडिसिन रीहैबिलिटेशन
- प्रोस्थेटिक्स व आर्थोटिक्स् एवं मोबिलिटी उपकरण
- क्लिनिकल व रीहैबिलिटेशन साइकोलोजी
- सेंसरी इंटग्रेशन
- साइकोलोजीकल इंटरवेंशन
- समुदाय आधारित कार्यक्रम
- व्यावसायिक प्रशिक्षण
- मार्गदर्शन व परामर्श
- वयस्क स्वतंत्र जीवनयापन कार्यक्रम
- आउटरीच एवं एक्सटेन्शन सेवाएँ
- वाक्, श्रवण व संप्रेषण
- अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम
- विशेष शिक्षा सेवाएँ
- साधन व उपकरणों का वितरण
- कौशल विकास कार्यक्रम
- प्रलेखीकरण एवं प्रचार सेवाएँ
- अभिभावक साधिकारिता कार्यक्रम
- सामाजिक कार्य एवं स्थापना
- भौतिक चिकित्सा
- इंटर्नशिप
- व्यावसायिक चिकित्सा
- डेवलपमेंटल थेरपी
- अर्ली इंटरवेंशन
- रेफरल सेवाएँ
- दिव्यांगता पुनर्वास क्षेत्र में एचआरडी कार्यक्रम
- व्यावसायिकों, सार्वजनिक, एनजीओ, एसएचडी, सरकारी संगठन, पीडब्ल्युडी एवं अन्य हिताधिकारियों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रारंभिक आकलन, आकलन उपकरण का इस्तेमाल, लक्ष्य निर्धारण, अभ्यास, प्रगति की निगरानी, आकलन सहायक उपकरण और प्रौद्योगिकी।

सीआरसी नागपुर, आउटरीच गतिविधियों, जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए आकलन विभाग के विभिन्न उपकरणों और विभिन्न तरीकों का उपयोग कर रहा है।

पिछले दो वर्षों के लाभार्थी

वर्ष	नए केसेस्	फालोअप केसेस	समर्थन केसेस्	कुल
2017 – 2018	15661	5702	30762	**52125**
2018 - 2019	7772	6318	23693	**37783**

विभाग-वार वर्ष 2018 - 19 के नए और अनुवर्ती मामले

विभाग व इकाई	नए	फालोअप	समर्थन सेवाएँ	कुल
नैदानिक मनोविज्ञान	667	601	3306	**4574**
डेवलपमेंटल थेरपी	299	242	2555	**3096**
फिजियोथेरपी	992	802	4009	**5803**
स्पेशल एजुकेशन	860	582	1743	**3185**
वाक्, भाषा व संप्रेषण	2031	1526	2184	**5741**
व्यावसायिक चिकित्सा	137	187	131	**455**
व्यावसायिक पुनर्वास	136	239	416	**791**
कुल	**5122**	**4179**	**14344**	**23645**

"मैंअपनीदिव्यांगता साबितकरने के लिएएकमिशनपरसिर्फएकआदमीनहींहूँ,"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

सीआरसी के सर्वश्रेष्ठ प्रथाएं - नागपुर

टीम सीआरसी, इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (आईजीजीएमसी), नागपुर के बाल रोग विभाग में प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाएं और स्क्रीनिंग सेवाएं प्रदान करती है।

18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की जांच की जाती है और उन्हें दिव्यांगता के आधार पर पहचाना जाता है। दिव्यांगता बच्चों को फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा, भाषण चिकित्सा और विशेष शिक्षा जैसी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। नवजात शिशुओं और बच्चों के स्क्रीनिंग के द्वारा माता-पिता को सामान्य विकासात्मक, शुरुआती हस्तक्षेप, चिकित्सा, पुनर्वास और घर की गतिविधियों और योजनाओं के बारे में जागरूक करके प्राथमिक और माध्यमिक दिव्यांगता की रोकथाम की ओर लक्षित किया जाता है। उच्च जोखिम वाले नवजात शिशुओं को सप्ताह में एक बार ओटो ध्वनिक उत्सर्जन परीक्षण (ओएई) के माध्यम से सुनवाई हानि के लिए जांचा जाता है। स्क्रीनिंग में विफल रहने वालों को फिर बेरा परीक्षण और आगे के प्रबंधन के लिए संदर्भित किया जाता है।

नगपुर में मनोवैज्ञानिक आकलन नागपुर में भाषण चिकित्सा सेवाएं

सीआरसी नागपुर में फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा प्रदान की गई चिकित्सीय सेवाएं

"किसी भी निराशावादी ने कभी तारों के रहस्य की खोज नहीं की, या एक अज्ञात भूमि पर रवाना हुए, या मानव आत्मा के लिए एक नया द्वार खोल दिया।"

- हेलेन केलर

महत्वपूर्ण उपलब्धियां -

सफलता की कहानी-

मास्टर ....17 महीने का बच्चा नागपुर के आईजीजीएमसी में 18/1/2018 को बैठने, रेंगने, खड़े होने और चलने में कठिनाई की शिकायतें लेकर आया। बच्चे को जन्म के समय श्वसन संबंधी बीमारी थी और उसे 15 दिनों के लिए एनआईसीयू में भर्ती कराया गया था। कोई महत्वपूर्ण एंटेनाएटल इतिहास नहीं बताया गया था। विकासात्मक इतिहास से बताया गया कि बच्चे ने 4 महीने की उम्र में गर्दन पर नियंत्रण पा लिया और 6 वें महीने में लुढ़कने लगा और 10 वें महीने से बड़बड़ाने लगा। प्रारंभिक दिन में शारीरिक परीक्षण से पता चला कि ऊपरी और निचले छोरों में जकड़न और खराब संतुलन और सुरक्षात्मक विस्तार की प्रतिक्रिया है। वह सेलेब्रल पालसी के रूप में पहचाना गया।

6 महीने की अवधि के बाद, बाएं ऊपरी और निचले अंगों में जकड़न दिखाई दी और वह डीगर्गिक सेरेब्रल पाल्सी जैसा दिखा। 1-वर्ष की भौतिक चिकित्सा (एनडीटी और प्ले थेरेपी) हस्तक्षेप की अवधि के बाद, बच्चा बिना सहारे के बैठ गया और बिना सहायता के 1 मिनट तक खड़ा रहा। 25 अप्रैल 2018 और 11 मार्च, 2019 के आकलन के बाद पता चला कि बच्चे ने द्विपक्षीय हाथ समन्वय विकसित किया और बिना सहयोग के 50 मीटर तक चलने में सक्षम था। मां सीआरसी नागपुर के कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं से संतुष्ट थीं।

"दुनिया में सबसे गरीब व्यक्ति वह है जिसके पास दृष्टि तो हैलेकिन, दृष्टिकोण नहीं "

- हेलेन केलर.

वर्ष 2018-19 के दौरान विभिन्न स्थानों पर सीआरसी नागपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूची:

कार्यक्रम के प्रकार	कुल कार्यक्रम	लाभार्थियों की संख्या
सीआरई कार्यक्रम	16	1395
जागरूकता कार्यक्रम	33	4914
मूल प्रशिक्षण कार्यक्रम	14	929
एससी और एसटी	2	231
संगोष्ठी	3	206

एआईआईएमएस नागपुर के साथ आटिज्म पर जागरूकता बौद्धिक विकलांगता वाले बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करने पर सहायक कार्यक्रमकार्यक्रम का संचालन

17 जनवरी 2019 को वर्धा में रोजगार और प्लेसमेंट को विश्व सिकल सेल दिवस कार्यक्रम का आयोजन लेकर जागरूकता कार्यक्रम22 जून 2018 को CRC नागपुर द्वारा

पीडब्ल्यूडीकेडब्ल्यूडीकेलिएसरकारीयोजनाओं, लाभऔरसेवाओंपरव्याख्यान

अगर आपके पास हमेशा गुस्सा या शिकायत रहती है तो लोगों के पास आपके लिए समय नहीं है। "

- स्टीफन हॉकिंग

विश्व कुष्ठ दिवस कार्यक्रम का आयोजन 30 जनवरी 2019 को नागपुर।.

सीआरसी द्वारा "पहचान और प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम विशेष आवश्यकता वाले बच्चे "रामटेकमें18 फरवरी, 2019 को

29 जनवरी, 2019 को जागरूकता में समर्थन बढ़ाया हिंगना में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम

21 फरवरी, 2019 को, जागरूकता में समर्थन बढ़ाया रामटेक में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम

पहल:-

- सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नागपुर में सीआरसी सेवाएं शुरू हुई।
- व्यावसायिक चिकित्सा छात्रों के लिए इंटर्नशिप शुरू हुई।
- सामुदायिक सहयोग के लिए सामाजिक कार्य महाविद्यालयों के साथ सहयोग।
- राज्य सरकार के साथ प्रमाणन शिविर का समर्थन।
- पीडब्ल्यूडी को अभिगम्यता पर जागरूकता देने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी का समर्थन किया।
- मेगा हेल्थ कैंप के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोग।
- ब्लॉक स्तर पर उपचारात्मक सेवाएं प्रदान करने के लिए ग्रामीण एसएसए संसाधन केंद्रों का समर्थन किया।
- नमन प्रेरणा (डीपीओ) लीडर्स मीट का आयोजन किया
- पहला विशेष कर्मचारी मिलन

आउटरीच कार्यक्रम:-

नीचे दिए गए एड्स और उपकरणों के वितरण के लिए आयोजित शिविर

विकलांगता प्रकार	तिथि	स्थान	कुल
दृष्टिबाधितार्थ व्यक्ति	19.05.2018 - 23.07.2018	यशवंत स्टेडियम धन्तोली नागपुर	09
श्रवण क्षति वाले व्यक्ति	10.04.2018 30.11.2018	यशवंत स्टेडियम धन्तोली नागपुर	70
बौद्धिक दिव्यांग व्यक्ति	19.02.2018 - 21.08.2018	यशवंत स्टेडियम धन्तोली नागपुर	106
लोकोमोटर दिव्यांग व्यक्ति	03.05.2018- 18.09.2018	यशवंत स्टेडियम धन्तोली नागपुर	143

लोकोमोटार दिव्यांग व्यक्ति	18.09.2018	बौद्ध विहार वदसा, गदचिरोली ।	02
लोकोमोटार दिव्यांग व्यक्ति	16.09.2018	वदसा, गदचिरोली	04
लोकोमोटार दिव्यांग व्यक्ति	25.07.2018	जैन समाज भवन	19
कुल			**353**

द्वारा एड्स और उपकरणों का वितरण
माननीय। श्री रामदास अठावले, एमएसजेई, भारत सरकार

द्वारा सहायता और उपकरणों और कृत्रिम अंगों का वितरण
माननीय। एसएनईएच में कैबिनेट मंत्री डॉ। श्री थावर चंद
गहलोतसंस्था, नागदा, जि। उज्जैन के सांसद हैं

सहायता और उपकरणों का वितरण

"दयालुता वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं ।"

- मार्कट्वेन

'कोई दिव्यांगता या शब्दकोष स्पष्ट रूप से परिभाषित करने में सक्षम नहीं है कि हम एक व्यक्ति के रूप में कौन हैं।'

- रॉबर्ट एम हेंसल

सीआरसी-नागपुर द्वारा समारोह -
दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस का उत्सव- 3 दिसंबर 2018

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ विराल कामदार (निदेशक, पं दीनदयाल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस रिसर्च एंड ह्यूमन रिसोर्सेज), श्री सुधाकरदा इंगल (अध्यक्ष (विधार्थ प्रंत), साक्षाम, महाराष्ट्र) द्वारा किया गया और सम्मानित अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों और सांस्कृतिक प्रदर्शन की उपस्थिति में पीडब्ल्यूओं का उद्घाटन किया गया।

सीआरसी-नागपुर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को एकीकृत - समावेशी योगा विषय पर मनाया। एकीकृत समावेशी योग का अर्थ है - दिव्यांग लोगों के या बिना दिवयांगता के सभी लोगों को एक साथ लाना और एक सामान्य मंच के तहत योगा का प्रदर्शन करना।

एससी समुदाय के लिए विशेष कार्यक्रम

"अगर मन में ठान लिया तो आधी जीत हो गई।"

- थियोडोर रूसवेल्ट

स्वच्छ भारत मिशन- स्वच्छता ही सेवा, इस संदर्भ में सीआरसी-नागपुर ने स्वच्छता रैली का आयोजन किया

सुश्री अपर्णा भालेराव (सहायक प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान) ने 22 अप्रैल, 2018 को हीमोफिलिया पर कार्यक्रम में भाग लिया

"विश्व अल्जाइमर दिवस" पर 20.09.2018 को होम फॉर एजेड, अन्टखाना, नागपुर में जागरूकता कार्यक्रम

सीआरसी, नागपुर में 27.06.2018 को विश्व सिकल सेल दिवस कार्यक्रम

तुली पब्लिक स्कूल, नागपुर में 10 अक्टूबर 2018 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम

वर्धा, सोसाइटी आॅफ सिस्टरस आॅफ सेंट जॉन में 07.09.2018 को दिव्यांग बच्चों के प्रबंधन में "विश्व फिजियोथेरेपी दिवस" की भूमिका पर कार्यक्रम

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री सचिन सूर्यवंशी (बीडीओ, कैम्पटी) के हाथों हुआ और डॉ (श्री) आर.आर सोमकुंवर (प्रिंसिपल, सोशल वर्क कॉलेज), डॉ रुबेना अंसारी (सहायक प्रोफेसर और एचओडी, सोशल वर्क कॉलेज) के उपस्थिति में हुआ।

डॉ रूबेना अंसारी (असिस्टेंट प्रोफेसर और एचओडी, साइकाॅलोजी विभाग, सोशल वर्क कॉलेज) ने "दिव्यांगता पर सामाजिक सुरक्षा और दिव्यांगता पुनर्वास में कानूनी पहलू" विषय पर व्याख्यान दिया।

"मैं हवा की दिशा नहीं बदल सकता, लेकिन मैं अपने पालों को हमेशा अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए समायोजित कर सकता हूं।"

- जिमी डीन

"जो अत्यावश्यक है, उसे करना प्रारम्भ करो। उसके बाद जो संभव हो उसे करो और अचानक आप असंभव कार्यों को भी करने लगोगे"

- फ्रांसिस ऑफ असीसी

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री राजेश साखले (सलाहकार, एनसीएस, मुंबई) के हाथों हुआ और श्री राजेश मुकुंद (व्यावसायिक प्रशिक्षक, एनसीएस, मुंबई),श्रीमती अर्चना ढगे (समन्वयक, एसएसए-आईई,जेडपी, वर्धा), सिस्टर सिमा (सोसाइटी आॅफ सिस्टरस आफ सेंट जॉन)

श्री। संजय पुसम (पुनर्वसन अधिकारी, सीआरसी, नागपुर) ने विभिन्न दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सरकारी योजनाओं, लाभ और सेवाओं पर व्याख्यान दिया।

श्री राजेश साखले (सलाहकार, एनसीएस, मुंबई) और श्री राजेश मुकुंद (व्यावसायिक प्रशिक्षक, एनसीएस, मुंबई) ने कौशल विकास और पुनर्वास और नए अभिनव रोजगार और निर्माण सामग्री के विपणन, की योजनाओं पर व्याख्यान दिया। राहुल लेकुलवाले (एमएसएचएफडीसी, नागपुर) ने एमएसएचएफडीसी ऋण प्रक्रिया और विशेष रोजगार विनिमय सेवाओं पर व्याख्यान दिया।

श्री राजेश सखले, सलाहकार, एनसीएस, मुंम्बई और श्री राजेश मुकुन्द, व्यावसायिक प्रशिक्षक, एनसीएस, मुम्बई द्वारा व्यावसायिक निर्धारण और आकलन

"दिव्यांगता एक धारणा का विषय है। आप सिर्फ एक अच्छे काम से सबके चहेते बन जाते हैं"

- मार्टिना नवरातिलोवा

सीआरसी-नागपुर द्वारा मनाये गये विशेष दिवस

कार्यक्रम का शीर्ष	तिथि	स्थान	सहभागियों की संख्या
28 वा विश्व हेमीफीलिया दिवस	17.04.18	क्रीडा प्रबोधिनी हाल यश्वंत स्टेडियम, धंतोली, नागपुर	37
विश्व सिकिल सेल दिवस कार्यक्रम	27.06.18	सीआरसी नागपुर	34
विश्व अल्झीमर दिवस पर कार्यक्रम	20.09.18	होम फार दि एज्ड, उनटखाना, नागपुर	60
वर्ल्ड फिडियोथैरपी दिवस, दिव्यांग बच्चों के प्रबंधन में अभिभावकों की भूमिका पर कार्यक्रम	07.09.18	सोसाइटी आफ सिस्टर्स् आफ संत जान, वर्धा	83
विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम	10.10.18	तुली पब्लिक स्कूल नागपुर	95
धर्मचक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर जागरूक कार्यक्रम	17.10.18	दीक्षा भूमि नागपुर वाईएमसीए सोशल एक्टीविटी	153
वर्ल्ड स्ट्रोक दिवस, जागरूक कार्यक्रम	29-10-18	सेन्टर नागपुर	70
क्रीडा अधिवेशन, सीआरसी नागपुर द्वारा आयोजित	2.2.19 & 3.2.19	मिपाला, नागपुर	357
खसदार मेलावा आरोग्य शिविर जागरूक कार्यक्रम	04.03.19	कटोल नागपुर	248
विश्व पार्किनसन दिवस पर कार्यक्रम गैर सीआरई	08.03.19	विरोहन संस्थान, नगपुर	101
विश्व डाउन सिन्ड्रोम जागरूकता दिवस कार्यक्रम	18.03.19	कटोल नागपुर	145
कुल			462

जोनल लेवेल स्पोर्ट्स् अधिवेशन 2019, वेस्ट जोन का उद्घाटन

जब हर कोई कहता है कि आप नहीं कर सकते हैं, दृढ़ संकल्प कहते हैं, "हाँ आप कर सकते हैं।"

- रॉबर्ट एम. हेन्सेल

सीआरसी नागपुर द्वारा आयोजित अभिभावक बैठक

क्र.	कार्यक्रम का शीर्ष	दिनांक	स्थान	लाभान्वितों की संख्या		
				पु	म	कुल
1.	अभिभावक बैठक	08.04.2018	खान हाउजिंग सोसाइटी कटोल रोड, कटोल नाका नागपुर	17	14	31
2.	अभिभावक बैठक	24.04.2018	क्रीडा प्रबोधिनी हाल यशवंत स्टेडियम, धंतोली, नागपुर	02	06	08
3.	अभिभावक बैठक	16.10.2018	सीआरसी क्रीडा प्रबोधिनी हाल धन्तोली, नागपुर	04	0	04
4.	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के मातापित	30.11.2018	माउन्ट सेरेमल कांवेंट, चंद्रापुर	42	68	110
5.	पीडब्ल्युडी एवं अभिभावकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18.12.2018	उस्मानाबाद जिला	68	112	190
6.	एक दिवसीय अभिभावक प्रशिक्षण जागरूकता कार्यक्रम	07.03.2019	हिंगना नागपुर	26	24	50
	कुल लाभान्वित			159	224	393

सीआरसी, नागपुर में अभिभावकों की बैठक

सीआरसी-संकायों ने कार्यशालाओं/सेमिनारों/सम्मेलनों में भाग लिया

- हेमोफिलिया में प्रबंधन पेशी कंकाल जटिलताओं" पर कार्यशाला, 12 से 16 नवंबर 2018, सीएमसी, वेल्लोर, प्रतिनिधि के रूप में, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)
- विशेष और समावेशी शिक्षा और दिव्यांगता पुनर्वास में अनुसंधान के तरीके" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 1 फरवरी से 3 फरवरी 2019 तक, एनआईईपीएमडी,चेन्नई, प्रतिनिधि के रूप में, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)
- दिव्यांग लोगों के लिए सीबीआर पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 6 वें फरवरी 2019, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, प्रतिनिधि के रूप में, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)
- दिव्यांगता सामाजिक समावेशन - प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 10 से 11 जनवरी 2019, आईआईटी गोहाटी, प्रतिनिधि के रूप में, श्री गुरबख्श चंद जगोता, निदेशक, सीआरसी, नागपुर

- दिव्यांगता सामाजिक समावेश - प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 10 से 11 जनवरी 2019, आईआईटी गौहाटी, प्रतिनिधि के रूप में, श्री प्रफुल्ल शिंदे, एसिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण एवं श्रवण), सीआरसी, नागपुर।
- श्री प्रफुल्ल शिंदे ने "एनजीओ क्षमता निर्माण", के राज्य स्तरीय कार्यशाला में 5 वीं से 6 वी मार्च 2019, तक एसएनईएच संस्थान नागोदा जिला, उज्मीम, में कार्यक्रम प्रभारी के रूप में योगदान दिया।

कार्यशालाओं/सेमिनारों/सम्मेलनों में पेपर/पोस्टर प्रस्तुति -

- श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (पीटी), कैंसर पुनर्वास पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कैंसर के पुनर्वास तक पहुंच बढ़ाना" 25 से 27 जनवरी 2019, प्रो.आर.डी. चोकशी ऑडिटोरियम, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई, पोस्टर प्रस्तुति (वैज्ञानिक श्रेणी)।
- श्रीमती कल्याणी भागवत, क्लिनिकल असिस्टेंट (ऐस एण्ड एच), ने 28 से 30 मार्च 2019 तक पांडिच्चेरी विद्यालय, पांडिच्चेरी मे विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा को लागू करने में सफलताओं और बाधाओं को प्रतिबिंबि करने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- श्रीमती कविता घोड़मारे, विशेष शिक्षिका, ने 28 से 30 मार्च 2019 को पांडिच्चेरी विद्यालय, पांडिच्चेरी में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा को लागू करने में सफलताओं और बाधाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया ।

संसाधन व्यक्ति के रूप में अन्य संस्थानों का दौरा -

- मा गंगा बाहेती मेमोरियल अस्पताल, वाशिम, श्री प्रफुल्ल शिंदे, असिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण और श्रवण) सीआर-राजनांदगांव
- श्री प्रफुल्ल शिंदे, एसिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण और श्रवण), सीआरसी- राजनांदगांव में एक सीएलओ के रूप में तैनात हैं।
- श्री प्रफुल्ल शिंदे, एसिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण और सुनवाई), गोरखपुर में सीआरसी- गोरखपुर के विकास के लिए नियुक्त किया गया।
- श्री संत गाडगे महाराज बहुउद्देश्य शिक्षण संस्थान, नागपुर, श्री प्रफुल्ल शिंदे, असिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण और श्रवण)।
- एमआर के माउंट कार्मेल स्पेशल स्कूल - चंद्रपुर, श्री प्रफुल्ल शिंदे, असिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण और श्रवण)।
- सरस्वती बाहुदेशीय संस्था कतोल, कटोल, श्री प्रफुल्ल शिंदे, असिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण और श्रवण)।
- मूक बधिर विशाक्य, सौनेर, सौनेर, श्री प्रफुल्ल शिंदे, असिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण और श्रवण)।
- नंदनवन स्पेशल स्कूल फॉर एमआर, नागपुर, नागपुर, श्री प्रफुल्ल शिंदे, असिस्टेंट प्रोफेसर (भाषण और श्रवण)। भगवान् पेराहित विद्यालय अष्टी, नागपुर, अष्टी, नागपुर, श्रीमती अपर्णा भालेराव, असिस्टेंट प्रोफेसर (नैदानिक मनोविज्ञान)।
- तुली पब्लिक स्कूल, कोराची, नागपुर कोरडी, नागपुर, श्रीमती अपर्णा भालेराव, असिस्टेंट प्रोफेसर (नैदानिक मनोविज्ञान)।
- सोशल वर्क कॉलेज, चिमूर, चंद्रपुर, श्रीमती अपर्णा भालेराव, असिस्टेंट प्रोफेसर (नैदानिक मनोविज्ञान)।
- मातृ सेवा संघ, नागपुर, श्रीमती अपर्णा भालेराव, असिस्टेंट प्रोफेसर (नैदानिक मनोविज्ञान)।
- जीवन विकास संस्थान, वर्धा, श्रीमती अपर्णा भालेराव, असिस्टेंट प्रोफेसर (नैदानिक मनोविज्ञान)।
- मुख-बच्चिर विद्यालय, सौनेर, श्रीमती अपर्णा भालेराव, असिस्टेंट प्रोफेसर (नैदानिक मनोविज्ञान)।
- बुध विहार, गाधीचेरोली, श्रीमती अपर्णा भालेराव, असिस्टेंट प्रोफेसर (नैदानिक मनोविज्ञान)।
- होम फर एज्ड, अठखाना, नागपुर, श्रीमती अपर्णा भालेराव, असिस्टेंट प्रोफेसर (नैदानिक मनोविज्ञान)।
- लोटस पब्लिक स्कूल, नागपुर, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)।
- प्रेरणा विशेष शूल, कलमेश्वर, नागपुर, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)।
- नागपुर हेमोफिलिया सोसायटी, नागपुर, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)।
- आकलन और स्क्रीनिंग शिविर, पटवर्ध हाई स्कूल, नागपुर, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)।
- रामटेक ब्लॉकवाइज थैरेपी, स्नेह सदन स्पेशल स्कूल, रामटेक, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर, फिजियोथैरेपी

जीवन में एकमात्र दिव्यांगता एक बुरा रवैया है। '

- स्कॉट हैमिल्टन

- मैम कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, ऑडिटोरियम एमजीएम कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)।
- जिला परिषद, जिला परिषद, नागपुर, श्री आइजैक माइकल, लेक्चरर (फिजियोथेरेपी)।
- सवेदना स्पेशल स्कूल, नागपुर, श्रीमती कविता घोड़मारे, विशेष शिक्षक
- जिला परिषद, जिला परिषद स्कूल, हिंगना, श्रीमती कविता घोड़मारे, विशेष शिक्षक

सीआरसी 2018-19 में तैनात प्रशिक्षु:

सरकार मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नागपुर, में 11 इंटर्नस सीआरसी-नागपुर में तैनात हैं।

सीआरसी नागपुर में आयोजित कार्यक्रम

सीआरसी, नागपुर में लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीआरई-कार्यक्रम) की सूची

शीर्ष	अवधि	स्थान	सहभागियों की संख्या
समुदाय आधारित पुनर्वास	3 दिन	नागपुर	30
अधिगम अक्षमता और डिफरेन्शियल डयाग्नोसिस्	3 दिन	नागपुर	30
एएसी में हाल ही के विकास	3 दिन	अमरावती	30
एचआईकी प्रारंभिक पहचान के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं पर कार्यशाला	5 दिन	नागपुर	30
सीपी और मल्टीपल डिसेबिलिटी वाले बच्चों के लिए ऑगमेंटेटिव और वैकल्पिक संचार।	3 दिन	चंद्रपुर	30
एएसडी का आकलन और निदान	3 दिन	नागपुर	30
विशेष शिक्षकों के लिए अध्ययन कौशल पर सीआरई कार्यक्रम।	5 दिन	भंडारा	30
हस्तक्षेप प्रक्रिया में माता-पिता समान भागीदार	3 दिन	वर्धा	30
मूल जीवन समर्थन कौशल	3 दिन	नागपुर	30
सीडब्ल्युसीपी के लिए प्रभावी शिक्षा पर परिचय पाठ्यक्रमस	5 दिन	रामटेक	30
मावेशी शिक्षआ का परिचय एवं चुनौतियाँ	3 दिन	पुणे	30
कु			330

"मेरे पास एकदिव्यांगता है जो सही है, लेकिन वास्तव में इसका मतलब यह है कि मुझे आपसे थोड़ा अलग रास्ता अपनाना पड़ सकता है।"

- रॉबर्टएम। हेन्सेल

"हर जीवन के लिए एक योजना और एक उद्देश्य, एक मूल्य है, चाहे उसका स्थान, उम्र, लिंग या दिव्यांगता कोई भी हो।"

- शेरोन एंगल

सीआरसी, नागपुर में विभिन्न सीआरई कार्यक्रम आयोजित किए गए

प्रशंसापत्र:

इंटर्न: - वैष्णवी जोशी (व्यावसायिक चिकित्सा)

Experience at CRC

Myself Vaishnavi Hiren Joshi am an intern of Occupational Therapy School & Centre, Government Medical College & Hospital, Nagpur, of batch 2014-2019. As a part of my Internship Programme, I was posted at Composite Regional Centre, [illegible] for 15 days in December 2018.

It was a great experience working here under the guidance of Dr. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] to guide us [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] approach and techniques. I had a [illegible] [illegible] of the neurodevelopmental and [illegible] paediatric patients coming to the centre.

I am thankful to the Director, Dr. [illegible] [illegible] for giving us this opportunity. [illegible] thankful to my Principal & Professor, Dr. [illegible] [illegible] for being so kind and [illegible] [illegible] which would make it possible for us to visit and [illegible] this centre.

(Vaishnavi Joshi)
2014 Batch
Mob. No. - [illegible]

श्रीमती शबीना शेख - जनक

5/12/18
Name - Hasnain Akil Shaikh
Age - 3 Years
8555970483
27/2/19
Ad. [illegible] [illegible] Jan Kham, Nagpur

हमारे बच्चे का जन्म [illegible] को हुआ था। और [illegible] [illegible] [illegible] था। [illegible] [illegible] [illegible] लेकिन उसने 8 महीने के बाद [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] के लिए [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 4 महिने में [illegible] [illegible] हुआ और वो [illegible] पर [illegible] लगा। और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हम [illegible] घर में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

Shabeena Shaikh

श्रीमती सुरेखा - ग्राहक

I feel lot of improvement in walking & also in my posture. I also feel strength in my leg. I feel very comfortable while sitting for long time & doing work at the office.

[illegible]

"हर जीवन के लिए एक योजना और एक उद्देश्य, एक मूल्य है, चाहे उसका स्थान, उम्र, लिंग या दिव्यांगता कोई भी हो।"

- शेरोन एंगल

सीआरसी गोरखपुर

प्रस्तावना

दिव्यांगो के कौशल विकास, पुनर्वास, और सशक्तिकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), गोरखपुर, कई दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान का प्रशासनिक नियंत्रण (दिव्यांगजन), चेन्नाई, दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण का विभाग (दिव्यांगजन), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, के तहत काम कर रहा है । एक समग्र क्षेत्रीय केंद्र के रूप में सीआरसी-गोरखपुर काम कर रहा है जिसका उद्घाटन श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, ने किया और श्री जेपी नड्डा, माननीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री और डॉ थावर चंद गहलोत, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, के अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति में 2 सितंबर 2018 को हुआ। सीआरसी-गोरखपुर को उत्तप्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों में दिव्यांगों, पीडब्ल्यूडी, के साथ कई केंद्र आधारित नैदानिक और सामुदायिक-आधारित पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था, जिनमें जापानी एन्सेफलाइटिस (जेई)/तीव्र इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) से प्रभावित लोग शामिल है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर के परिसर के भीतर सीआरसी-गोरखपुर के मुख्य भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। सीआरसी - गोरखपुर दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों के लिए निर्दिष्ट अधिनियम 2016 के तहत सभी दिव्यांग व्यक्तियों के लिए पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीआरसी-गोरखपुर का एक नया भवन बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर के परिसर में निर्माणाधीन है, जिसका कुल क्षेत्र 1.56 एकड हैं।

सीआरसी - जी का उद्घाटन श्री योगी आदित्यनाथ, माननीय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, संयुक्त सचिव, एमएसजे और ई और निदेशक, एनआईईपीएमडी, चेन्नई, 02 सितंबर, 2018

उद्घाटन समारोह में संयुक्त सचिव, एमएसजे एण्ड ई और जिला मजिस्ट्रेट, गोरखपुर

"कठिन चीजें हमारे रास्ते में डाल दी जाती हैं, हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि हमारे साहस और शक्ति को बाहर निकालने के लिए।"

उद्देश्य

- दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास और विशेष शिक्षा के लिए संसाधन केंद्र के रूप में सेवा करने के लिए।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए पुनर्वास पेशेवरों, ग्राम स्तर के श्रमिकों, बहु-कार्य श्रमिकों और अन्य सरकार और गैर-सरकारी पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देकर मानव संसाधन विकास पर कार्य करना।
- माता-पिता और समुदाय के बीच जागरूकता के निर्माण के लिए सार्वजनिक शिक्षा कार्यक्रम शुरू करना।
- डिजाइनिंग, निर्माण और एड्स और उपकरणों के फिटमेंट के लिए।
- रोजगार, पुनर्वास, गतिशीलता संचार मनोरंजन और समाज में एकीकरण के अवसरों की वृद्धि के लिए शिक्षा और कौशल विकास की सेवाएं लेना।
- क्षेत्र में दिव्यांगता की प्रकृति और गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, दिव्यांग वाले लोगों के विभिन्न समूहों की आवश्यकताओं के लिए विशिष्ट संदर्भ के साथ अनुसंधान और विकास करना।
- क्षेत्र की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लिए उपयुक्त पुनर्वास सेवाओं के वितरण के लिए रणनीति विकसित करना।
- स्वैच्छिक संगठनों, माता-पिता समूहों और स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित और समर्थन करके, सेवाओं की वृद्धि को प्रोत्साहित करना।
- समुदाय आधारित पुनर्वास के सिद्धांतों और ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार सेवाओं की पेशकश के बाद मौजूदा चिकित्सा, शैक्षिक और रोजगार सेवाओं के साथ संबंध स्थापित करना।

सीआरसी-गोरखपुर में सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

- फिजिकल मेडिसिन रीहैबिलिटेशन
- प्रोस्थेटिक्स व आर्थोटिक्स् एवं मोबिलिटी उपकरण
- क्लिनिकल व रीहैबिलिटेशन साइकोलोजी
- सेंसरी इंटग्रेशन
- साइकोलोजीकल इंटरवेंशन
- समुदाय आधारित कार्यक्रम
- व्यावसायिक प्रशिक्षण
- मार्गदर्शन व परामर्श
- वयस्क स्वतंत्र जीवनयापन कार्यक्रम
- आउटरीच एवं एक्सेटन्शन सेवाएँ
- वाक्, श्रवण व संप्रेषण
- अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम
- विशेष शिक्षा सेवाएँ
- साधन व उपकरणों का वितरण
- कौशल विकास कार्यक्रम
- प्रलेखीकरण एवं प्रचार सेवाएँ
- अभिभावक साधिकारिता कार्यक्रम
- सामाजिक कार्य एवं स्थापना
- भौतिक चिकित्सा
- इंटर्नशिप
- व्यावसायिक चिकित्सा
- डेवलपमेंटल थेरपी
- अर्ली इंटरवेंशन
- रेफरल सेवाएँ

सीआरसी-गोरखपुर की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- सीआरसी-गोरखपुर ने सितंबर 2018 के महीने में समग्र क्षेत्रीय केंद्र के रूप में अपनी स्थापना से उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र में कई हितधारकों के लिए दिव्यांगता पुनर्वास के विभिन्न विषयों पर 41 कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं।

- सीआरसी-गोरखपुर ने गोरखपुर जिले में और उसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कई आउट-पहुंच कार्यक्रम आयोजित किए हैं और उन लोगों को सहायक सेवाएं प्रदान करते हैं जो क्षेत्र के प्रमुख शहरों से पुनर्वास संबंधी सेवाओं तक पहुंच नहीं बना सकते हैं।
- सीआरसी-गोरखपुर विभिन्न केंद्रों और स्कूलों में क्षमता निर्माण की पहल कर रहा है और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आकलन और कार्यक्रम की योजना के साथ-साथ सेटअप में काम करने वाले पुनर्वास पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।
- सीआरसी-सिक्किम और सीआरसी-शिलांग (मेघालय) जैसे नए सीआरसी की स्थापना, स्थापना और सलाह में सीआरसी-गोरखपुर सक्रिय रूप से शामिल है।
- सीआरसी-गोरखपुर ने दिव्यांगता पुनर्वास के प्रमुख क्षेत्रों के बारे में जागरूकता और चर्चा शुरू करने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार के साथ-साथ एक राष्ट्रीय स्तर के मंच का आयोजन किया है।
- सीआरसी-गोरखपुर ने संस्थानों और प्रशासनिक निकायों के साथ मिलकर और सहयोगात्मक साझेदारी स्थापित की है और पुनर्वास सेवाओं को प्रदान करने के साथ-साथ समुदाय में पीडब्ल्यूओं के लिए दिव्यांगता और पुनर्वास संबंधी सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम किए हैं।
- सीआरसी-गोरखपुर ने आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016 में निर्दिष्ट सभी दिव्यांगों के बारे में सूचना प्रसारित करने के लिए पोस्टर और मॉड्यूल के रूप में दिव्यांगता से संबंधित संसाधन सामग्री तैयार करने पर काम शुरू किया है।
- सीआरसी-गोरखपुर ने अपनी शोध पहल के तहत गोरखपुर क्षेत्र में और उसके आसपास एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (जेई सहित) से पीड़ित व्यक्तियों की पुनर्वास आवश्यकताओं की पहचान करने पर बाल रोग विभाग, बीआरडी मेडिकल कॉलेज और गोरखपुर के सहयोग से एक शोध परियोजना पर काम शुरू किया है।
- सीआरसी-गोरखपुर ने 2019-20 शैक्षणिक वर्ष, से कई शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रस्ताव किया है। नए शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रस्ताव एक स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रस्ताव सहित पाइपलाइन में हैं, जो सभी भारतीय पुनर्वास परिषद से अनुमोदन के अधीन हैं।
- सीआरसी-गोरखपुर ने कुछ दिव्यांगता स्थितियों के लिए और अधिक केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के अपने प्रयास में "ऑटिज्म सपोर्ट यूनिट" का उद्घाटन किया है और एएसडी के व्यक्तियों के लिए अधिक केंद्रित हस्तक्षेप प्रदान करने पर काम करना शुरू कर दिया है।

"गलत दृष्टिकोण जीवन में एक मात्र दिव्यांगता होती है"।

- स्कॉट हैमिल्टन

विभाग वार1 जनवरी से 30 मार्च 2019 तक नये और अनुवर्ती मामलें

विभाग	नए केसेस्	फालोअप केसेस्	समर्थन केसेस्	कुल
नैदानिक मनोविज्ञान	448	126	325	899
विशेष शिक्षा	1324	2607	1738	5669
वाक् व श्रवण	391	122	378	891
भौतिक चिकित्सा	655	730	541	1926
आक्युपेशनल चिकित्सा	180	51	210	441
प्रोस्थेटिक व आर्थोटिक	410	23	290	723
सामाजिक कार्य	553	700	347	1600
व्यावसायिक पुनर्वास	462	159	267	856

अपना चेहरा हमेशा धूप की ओर रखें - और छाया आपके पीछे पड़ जाएगी। "

- वाल्ट व्हिटमैन

विभाग के सर्वश्रेष्ठ प्रथाएं और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

नैदानिक मनोविज्ञान विभाग

विभाग सीआरसी-गोरखपुर के अन्य विभागों के साथ मिलकर काम करता है और मामले की चर्चा और कार्यक्रम नियोजन में सक्रिय भूमिका निभाता है। दिव्यांगता जागरूकता कार्यक्रमों के संचालन के लिए संस्थानों के साथ सहयोगी साझेदारी स्थापित करना और आकलन और नियोजित हस्तक्षेप प्रदान करना, विभाग द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की एक और विशेषता है। सक्रिय रूप से अनुसंधान कार्यशालाओं में भाग लेना और संसाधन निर्माण सामग्री की दिशा में योगदान करना विभाग के प्रमुख योगदानों में से एक है।

विशेष शिक्षा विभाग

विशेष शिक्षा विभाग विभिन्न क्षमताओं में असंख्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। संकाय और कर्मचारी अन्य विभागों के साथ सहयोग से काम करते हैं ताकि क्लाइंट के बारे में व्यापक जानकारी संकलित की जा सके ताकि क्लाइंट के लिए बेहतर और प्रभावी कार्यक्रम नियोजन में सहायता मिल सके। दिव्यांगताओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता सृजन कार्यक्रमों में योगदान स्टाफ के सदस्यों द्वारा किया जाता है और प्रशासनिक निकायों के साथ एक सक्रिय भागीदारी बनाए रखी जाती है ताकि दिव्यांताओं के साथ-साथ सरकारी हितधारकों को योजनाएं और सुविधाओं के बारे में जमीनी स्तर पर जानकारी का प्रसार किया जा सके।

वाक् और संप्रेषण विभाग

क्लाइंट विशिष्ट विकारों के लिए विभिन्न तकनीकों/उपचारों का उपयोग किया जाता है। ओरो-मोटर उत्तेजना तकनीक/गतिविधियों का उपयोग उन ग्राहकों के लिए किया जाता है जो ड्रोल करते हैं और जिनकी ओपीएम संरचना कमजोर होती है। माता-पिता की काउंसलिंग भी माता-पिता को प्रशिक्षित करने के लिए की जाती है ताकि घर पर सीखी गई तकनीक को आगे बढ़ाया जा सके। बच्चों और वयस्कों को प्रदान की जाने वाली नैदानिक सेवाओं के अलावा, विभाग गोरखपुर क्षेत्र और उसके आसपास गैर सरकारी संगठनों के लिए सहायक उपकरणों (श्रवण यंत्रों की देखभाल और रखरखाव) के बारे में जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी शामिल है। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में चिकित्सा पेशेवरों के लिए भाषण और भाषा के संचार विकार पर ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

- भाषण एवं श्रवण विभाग में संकाय के श्री रवी कुमार ने सीआरसी-गोरखपुर में 15 -16 मार्च 2016 को आयोजित "दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अधिकार अधिनियम, 2016: दिव्यांग व्यक्तियोंे के लिए निहितार्थ" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- एनआईईपीएमडी, चेन्नई और अखिल भारतीय रेडियो गोरखपुर और समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) और गोरखपुर द्वारा आयोजित "दिव्यांगजन चुनौतियां सम्मान की" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी-उच्च स्तरीय संवाद में भाषण और श्रवण विभाग में संकाय के रवि कुमार ने भाग लिया और गोरखपुर और समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), गोरखपुर द्वारा 29 मार्च 2019 को होस्ट किया गया ।

फिजियोथेरेपी विभाग

विभाग बच्चों को नवीन चिकित्सीय हस्तक्षेप तकनीक प्रदान करता है, जैसे कि बच्चों के लिए न्यूरोएडवेलपमेंटल थेरेपी और वयस्कों के लिए हेरफेर तकनीक। संकाय और कर्मचारी जागरूकता सृजन कार्यक्रमों में शामिल होते हैं, लोकोमोटर दिव्यांगता व्यक्तियों की पहचान करने के लिए शिविरों में स्क्रीनिंग करते हैं और शारीरिक अक्षमताओं के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

- विजय कुमार गुप्ता, संकाय और विवेक भारती, विभाग के सहायक फिजियोथेरेपिस्ट ने 29 मार्च, 2019 को सीआरसी, गोरखपुर में आयोजित "दिव्यांगजन: चुनौतियां सम्मान की" के उच्च स्तरीय संवाद में भाग लिया।

"मेरी दिव्यांगता ने मेरी असली क्षमताओं को देखने के लिए मेरी आँखें खोल दी हैं।"

- रॉबर्ट एम हेन्सेल

व्यावसायिक चिकित्सा विभाग

गोरखपुर के ग्रामीण क्षेत्रों/क्षेत्रों के दिव्यांग व्यक्तियों के लिए संवेदी एकता चिकित्सा प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप से संलयन और आकलन शिविर में शामिल होने के लिए व्यावसायिक चिकित्सा विभाग में संकाय के शिक्षक अमित कुमार कच्छप शामिल हैं। विभाग ने दिव्यांगता पुनर्वास पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन आउट-रीच कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में किया।

प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक विभाग

प्रोस्थेटिक एंड ऑर्थोटिक विभाग प्रोस्थेटिक, ऑर्थोटिक, स्प्लिंट और आर्क सपोर्ट के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग करता है। विभाग की सेवाओं को मुख्य रूप से फ्लैट फुट वाले लोगों द्वारा लाभ उठाया जाता है, और जिसे आर्च समर्थन की आवश्यकता होती है और जिसे पैर की विकृति होती है। विभाग लोकोमोटर दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरणों की मरम्मत के लिए हल्के और नरम आर्च समर्थन प्रदान करता है। विभाग पीडब्ल्यूडी को सेवाएं प्रदान करने में सीआरसी-जी के अन्य विभागों के साथ संदर्भित करता है और सहयोग करता है।

सामाजिक कार्य विभाग

संगठित समुदाय आधारित और आउट-रीच प्रोग्राम दिव्यांग व्यक्तियों तक पहुंचते हैं जो अन्य शहरी क्षेत्रों से पुनर्वास सेवाओं की तलाश करने में असमर्थ हैं। विभाग विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता पैदा करने में दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में काम करने वाली विभिन्न एजेंसियों के साथ सहयोग करता है।

- सामाजिक कार्य विभाग के पुनर्वास अधिकारी राजेश कुमार यादव ने 15 और 16 2019 को सीआरसी-जी में एनआईएमपीडी द्वारा आयोजित "दिव्यांगता अधिनियम 2016 के साथ व्यक्तियों के अधिकारों: दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।

व्यावसायिक प्रशिक्षण विभाग

विभाग प्रचलित और व्यावसायिक स्तर के प्रशिक्षुओं को विभिन्न प्रकार के दिव्यांगों के साथ-साथ गंभीरता के स्तरों के साथ-साथ समूह सत्रों में प्रशिक्षित करता है। व्यावसायिक प्रशिक्षण विभाग दिव्यांग लोगों के सुविधा व्यावसायिक पुनर्वास के उद्देश्य के साथ विशिष्ट नौकरी के ट्रेडों के लिए व्यापक व्यावसायिक आकलन और व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभाग सीआरसी-गोरखपुर में व्यावसायिक प्रशिक्षण विभाग में प्रशिक्षित होने वाले पीडब्ल्यूओं के लिए प्लेसमेंट/नौकरी की क्षमता की पहचान करने के लिए जोरदार बाजार सर्वेक्षण करता है।

- बसंत कुमार प्रधान, व्यावसायिक प्रशिक्षक ने एससीपीडब्ल्यूडी द्वारा मास्टर प्रशिक्षुओं के दो दिवसीय टॉप-अप प्रशिक्षण में भाग लिया है जो एससीपीडब्ल्यूडी द्वारा 8 से 9 फरवरी 2019 तक आईएमए हाउस नई दिल्ली में आयोजित किया गया है।

पहल

विभाग में शामिल विभिन्न पहल:

- डॉ सबा हैदर, सहायक प्रोफेसर-नैदानिक मनोविज्ञान, को अन्य सीआरसी-स्टाफ सदस्यों के साथ समन्वय करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था और दिव्यांगता जागरूकता कार्यक्रम में भी भाग लिया जिसमें मुख्यमंत्री के कार्यक्रम (एड्स और उपकरणों का वितरण) पर 04-01-2019 को गोरखपुर टीम के सदस्यों के साथ तारामंडल नुमाईश ग्राउंड (नियर सर्किट हाउस), गोरखपुर, उ.प्र, में सीआरसी-गोरखपुर सेवाओं को बढावा देना भी शामिल था।
- डॉ सबा हैदर को समन्वय करने और शारीरिक अपंगता, कुष्ठ रोग के व्यक्तियों और ऑर्थोटिक्स की आवश्यकता, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों, और पुनर्वास संबंधी चुनौतियों की आवश्यकता वाले व्यक्तियों के निदान और जांच करने के लिए सीआरसी-गोरखपुर टीम सदस्यों के साथ 30 जनवरी 2019 को लेप्रसी सेंटर, कुष्टा सेवा आश्रम, राजेन्द्र नगर, गोरखपुर, उ.प्र. में प्रतिनियुक्त किया गया था।

- डॉ सबा हैदर ने विशेष आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों के लिए "सेल्फ-हेल्प स्किल्स" पर एक दिवसीय अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया और 20 फरवरी 2019 को समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), गोरखपुर में उसी के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा की।
- डाॅ सबा हैदर को लखनऊ के ज्योति किरण स्कूल में स्पार्क-इंडिया लखनउ (संभावित उन्नति और विश्वास बहाली के लिए स्कूल) के सहयोग से "पीडब्ल्यूस-सीएम-क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए आकलन शिविर" में शामिल होने और समन्वय करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था जिसका आयोजन और प्रयोजन सीआरसी-गोरखपुर द्वारा 30 अप्रैल और 01 मई 2019 को हुआ।
- 20 मार्च को आयोजित चिकित्सा पेशेवरों के लिए ईएनटी, बीआरडी मेडिकल काॅलेज, गोरखपुर के सहयोग से "भाषण और श्रवण पर संचार विकारों" पर भाषण और सुनवाई विभाग में संकाय के रवी कुमार ने ईएनटी, बीआरडी मेडिकल काॅलेज, गोरखपुर में एक दिवसीय उन्नमुखीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है।
- विजय कुमार गुप्ता, संकाय और विवेक भारती, फिजियोथेरेपी विभाग के क्लिनिकल असिस्टेंट, को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम (पीडब्ल्यूओं के लिए एड्स और उपकरणों का वितरण) में 4 जनवरी 2019 को तारामंडल नुमाइश ग्राउंड, सर्किट हाउस के पास, गोरखपुर, उ.प्र. में सीआरसी-गोरखपुर टीम सदस्यों के साथ दिव्यांगता जागरूकता कार्यक्रम में समन्वय करने और भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।
- विजय कुमार गुप्ता, संकाय और विवेक भारती, फिजियोथेरेपी विभाग के सहायक फिजियोथेरेपिस्ट को 30 जनवरी 2019 को सीआरसी-गोरखपुर के सदस्यों के साथ लेप्पराॅी सेंटर (कुष्ठ सेवा आश्रम), राजेंद्र नगर, गोरखपुर, उ.प्र. में शारीरिक अपंगता और अन्य स्थितियों वाले कुष्ठ रोग के निदान के लिए प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए नियुक्त किया गया।
- बसंत कुमार प्रधान, व्यावसायिक प्रशिक्षण विभाग में व्यावसायिक प्रशिक्षक, ने 19 जून, 2019 को सीआरसी-जी में आयोजित दृश्य दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए "ओरिएंटेशन एंड मोबिलिटी" कार्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया है।
- बसंत कुमार प्रधान, व्यावसायिक प्रशिक्षण विभाग के व्यावसायिक प्रशिक्षक को गोरखपुर में 14 रविवार 2019 को परामर्श सत्र के लिए उच्च शिक्षा में अंधे अध्ययन के लिए बॉयज हॉस्टल का दौरा करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।
- बसंत कुमार प्रधान, व्यावसायिक प्रशिक्षक ने अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर 20 फरवरी, 2019 को कुष्ठ आश्रम परिसर, गोरखपुर में एक दिवसीय स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया है
- बसंत कुमार प्रधान, व्यावसायिक प्रशिक्षक ने 20 मार्च 2019 को ईएनटी विभाग, बीआरडी मेडिकल काॅलेज, गोरखपुर, के सहयोग से "भाषण और भाषा के संचार विकार" पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।
- अरुण आनंद प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट ने सीआरसी-गोरखपुर टीम के सदस्यों के साथ लेप्रोसी सेंटर (कुष्ठ सेवा आश्रम), राजेन्द्र नगर, गोरखपुर, यू.पी. में 30 जनवरी 2019 को प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक और अन्य स्थितियों के लिए कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों के निदान के लिए स्क्रीनिंग में भाग लिया है।
- अरुण आनंद, प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट ने 1 मार्च 2019 को कुशीनगर, गोरखपुर में पीजीएसएस के सहयोग से "विश्व व्हील चेयर डे" पर जागरूकता सृजन कार्यक्रम का समन्वय करने के लिए नियुक्त किया गया।

"प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानबे प्रतिशत पसीना है ।"

- थॉमसएडिसन

आउटरीच कार्यक्रम

- डॉ सबा हैदर, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग में संकाय सदस्य, ने पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति (पीजीएसएस) के साथ साझेदारी में सीआरसी-गोरखपुर स्टाफ सदस्यों के साथ दिव्यांग व्यक्तियों के लिए स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया जिसे 6 फरवरी 2019 को दुमरी कहस, सरदार नगर में ब्लाक गोरखपुर, उ.प्र., गोरखपुर में आयोजित किया गया था।

"मुझे मेरी क्षमताओं के लिए जानो, मेरी विकलांगता को नहीं।"

- रॉबर्ट एम. हेन्सेल

- डॉ सबा हैदर को 20 फरवरी 2019 को कुष्ठ सेवा आश्रम, गोरखपुर में स्माइल रोटी बैंक ट्रस्ट, राजेंद्रनगर, गोरखपुर के सहयोग से सडक पर भीख मांगने/परिव्याग/मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों मे शामिल होने वाले विभिन्न प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आर्थिक रूप् से वंचित व्यक्तियों के लिए समन्वय और जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था ।
- भाषण और श्रवण विभाग के संकाय, रवि कुमार ने पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति (पीजीएसएस), सीबीएम, ऑस्ट्रेलियन एड्ड की सहायता से एक दिवसीय स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया, जो गोरखपुर के सरदारनगर में 6 फरवरी को आयोजित किया गया।
- भाषण और श्रवण विभाग में संकाय, रवि कुमार ने आर्थिक रूप से वंचित व्यक्तियों के लिए एक दिवसीय स्क्रीनिंग कैंप में भाग लिया है, जो स्माइल रोटी बैंक ट्रस्ट, गोरखपुर के सहयोग से 20 फरवरी को गोरखपुर में आयोजित किया गया था।
- भाषण और श्रवण विभाग में संकाय, रवी कुमार ने सहजनवा, गोरखपुर मे 22 फरवरी को डीआईएसए, (एनजीओ संगठन) के सहयोग से "केयर एंड मेंटेनेंस ऑफ असिस्टेंट डिवाइसेस" पर एक दिवसीय जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया ।
- रॉबिन, भाषण और श्रवण विभाग में क्लिनिकल असिस्टेंट ने एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम "दिव्यांगता और प्राथमिक चिकित्सा की रोकथाम" में भाग लिया जो एसएचडीए गोरखपुर के सहयोग से 14 मार्च को पिपराइच, गोरखपुर में आयोजित किया गया था।
- विजय कुमार गुप्ता, फिजियोथेरेपी विभाग में संकाय ने 20 फरवरी, 2019 को स्माइल रोटी बैंक, गोरखपुर में भीख में शामिल आर्थिक रूप से निराश्रित व्यक्तियों के लिए आकलन शिविर में भाग लिया।
- 14 मार्च, 2019 को पिपराही, जिला- पिपराइच, गोरखपुर में एसएचडीए के सहयोग से सीआरसी, गोरखपुर द्वारा आयोजित "दिव्यांगता और प्राथमिक चिकित्सा की रोकथाम" पर एक दिवसीय जागरूकता निर्माण कार्यक्रम में अमित कुमार कच्छप, संकाय ने भाग लिया।
- सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी राजेश कुमार यादव ने 4 जनवरी, 2019 को नुमाइश ग्राउंड, जीकेपी में दिव्यांगता जागरूकता शिविर में भाग लिया।
- सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी राजेश कुमार यादव ने पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति (पीजीएसएस), सीबीएम, और ऑस्ट्रेलियन एड्ड के सहयोग से 06 फरवरी 2019 को दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक दिवसीय स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया।
- सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी, राजेश कुमार यादव ने 20 फरवरी 2019 को स्माइल रोटी बैंक ट्रस्ट, गोरखपुर के सहयोग से विभिन्न प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आर्थिक रूप से वंचित व्यक्तियों के लिए एक दिवसीय स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया।
- अरुण आनंद, प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट को सहजनवा, जीकेपी में डीआईएसए के सहयोग से "उपकरणों और सहायक उपकरणों की देखभाल" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।
- अरुण आनंद, प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट ने एसएचडीए के सहयोग से "दिव्यांगता की रोकथाम और प्राथमिक चिकित्सा" पर जागरूकता सृजन कार्यक्रम में भाग लिया।
- अरुण आनंद, प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट ने सरदार नगर में पीजीएसएस के सहयोग से विकलांग व्यक्तियों के लिए एक दिवसीय स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया।
- पेशेवर टीम जिला/राज्य के आंतरिक भागों में स्क्रीनिंग सह आकलन शिविरों का आयोजन करती है, जो समाज के दिव्यांग लोगों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करते हैं। ये गतिविधियाँ पी एण्ड ओ के क्षेत्र में बेहतर पुनर्वास सेवाओं के लिए हैं।
- बसंत कुमार प्रधान, व्यावसायिक प्रशिक्षक ने सरदार नगर में 6 फरवरी 2019 को एक दिवसीय स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया।

"हालांकि जीवन मुश्किल लग सकता है, लेकिन हमेशा कुछ ऐसा होता है जिसे आप कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं"।

स्टीफन हॉकिंग

समारोह

- डॉ सबा हैदर, क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग में संकाय को 8 मार्च 2019 को सीआरसी-गोरखपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का समन्वय करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था, जिसे डीएएफ वेलफेयर सोसायटी (डीडब्ल्यूएस), गोरखपुर द्वारा नेशनल एसोसिएशन ऑफ डेफ (एनएडी), की साझेदारी मे आयोजित किया गया था और कम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी), गोरखपुर द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- डॉ सबा हैदर को वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे (अवेयरनेस जनरेशन प्रोग्राम) के समन्वय के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था और एक समावेशी ड्रॉइंग इवेंट के साथ-साथ होली सेलिब्रेशन (स्पेशल इवेंट) को 19 मार्च 2019 (21 मार्च, 2019 को होने वाले कार्यक्रम) को कम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी), गोरखपुर में आयोजित किया गया था।
- अमित कुमार कच्छप, संकाय ने 8 मार्च 2019 को सीआरसी-जी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस में भाग लिया।
- अमित कुमार कच्छप, संकाय ने 19 मार्च 2019 को आयोजित डाउन सिंड्रोम डे और होली मिलन समरोह में भाग लिया ।
- अरुण आनंद प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट ने 19 मार्च 2019 को आयोजित डाउन सिंड्रोम डे और होली मिलन समरोह में भाग लिया ।
- रवि कुमार, भाषण और श्रवण विभाग में संकाय, ने 8 मार्च 2019 को आयोजित डेफ वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से सीआरसी-जी द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" कार्यक्रम में भाग लिया ।
- रवि कुमार, भाषण और श्रवण विभाग में संकाय ने 19 मार्च 2019 को आयोजित डाउन सिंड्रोम डे और होली मिलन कार्यक्रम में सीआरसी-जी द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया ।
- विजय कुमार गुप्ता, संकाय और विवेक भारती, विभाग के सहायक फिजियोथेरेपिस्ट ने 19 मार्च 2019 को सीआरसी गोरखपुर में आयोजित डाउन सिंड्रोम डे और होली मिलन समरोह में भाग लिया।
- राजेश कुमार यादव, सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी ने 30 जनवरी 2019 को "विश्व कुष्ठ दिवस" पर जागरूकता और स्क्रीनिंग शिविर में भाग लिया।
- सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी, राजेश कुमार यादव, ने 8 मार्च, 2019 को डेफ वेलफेयर सोसाइटी, गोरखपुर के सहयोग से सीआरसी-गोरखपुर कार्यक्रम द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" में भाग लिया।
- सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी, राजेश कुमार यादव ने 19 मार्च 2019 को सीआरसी-जी द्वारा आयोजित डाउन सिंड्रोम डे और होली मिलन पर एक दिवसीय जागरूकता सृजन कार्यक्रम में भाग लिया।
- बसंत कुमार प्रधान, वोकेशनल इंस्ट्रक्टर ने 19 मार्च 2019 को सीआरसी-जी द्वारा आयोजित डाउन सिंड्रोम डे और होली मिलन समरोह में भाग लिया ।
- बसंत कुमार प्रधान, व्यावसायिक प्रशिक्षक ने 1 मार्च 2019 को पीजीएसएस, कुशीनगर के सहयोग से "विश्व व्हील चेयर दिवस" पर एक दिवसीय जागरूकता सृजन कार्यक्रम में भाग लिया ।

संसाधन व्यक्तियों/परीक्षार्थियों के रूप में अन्य संस्थानों का दौरा

- एनआईईपीवीडी (दिव्यांगजन), देहरादून में फरवरी 2019 की परीक्षा के लिए आरसीआई-डीएड (टप) सिद्धांत, भाभुति प्रसाद स्मारक महाविद्यालय, फैजाबाद, अयोध्या, उ.प्र., परीक्षा केंद्र के लिए भाषण और श्रवण विभाग में संकाय के लिए रवि कुमार को दो दिनों के लिए केंद्र स्तरीय पर्यवेक्षक (सीएलओ) के रूप में नियुक्त किया गया था।
- विजय कुमार गुप्ता, को 25 फरवरी से 1 मार्च 2019 तक सीआरसी पटना में आयोजित डी.एड विशेष परीक्षा के लिए केंद्रीय स्तर के अधिकारी के रूप में आरसीआई द्वारा नियुक्त किया गया था।
- राजेश कुमार यादव, सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी को अमर ज्योति इंस्टीट्यूट आॅफ स्पेशल एजुकेशन, दरगाह मधुबन मउ, उ.प्र. में 22 से 24 फरवरी 2019 तक एसीसीआईई (सीडी) के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त

किया गया था।

कार्यशालाओं/संगोष्ठी/सम्मेलनों में संकाय भागीदारी

- डॉ सबा हैदर ने दो राष्ट्रीय स्तर के संसाधन अनुकूलन कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, और साथ ही, एनआईईपीएमडी, चेन्नई द्वारा आयोजित और सीआरसी-गोरखपुर द्वारा प्रयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में थे।
- डॉ सबा हैदर ने "विशेष और समावेशी शिक्षा और दिव्यांगता पुनर्वास में अनुसंधान विधियों" पर एक कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया जो राष्ट्रीय दिव्यांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय संस्थान (एनआईईपीएमडी) चेन्नई, और बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय सशक्तीकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) सिकंदराबाद और नॉर्थम्प्टन विश्वविद्यालय, यूके एनआईईपीआईडी, सिकंदराबाद के सौजन्य से 1 से 3 फरवरी 2019 तक आयोजित किया गया।
- डॉ सबा हैदर ने 12 और 13 फरवरी 2019 को नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सन्स फॉर मल्टीपल डिसेबिलिटीज (एनआईईपीएमडी) चेन्नई में दिव्यांग व्यक्तियो के बीच "रेसीलेन्स बिल्डिंग" संसाधन अनुकूलन कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ सबा हैदर ने दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया है, आरसीआई-सीआरई द्वारा मान्यता प्राप्त "आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016: दिव्यांगो के लिए निहितार्थ" एनआईईपीएमडी, चेन्नाई द्वारा आयोजित और 15-16 मार्च 2019 को सीआरसी-गोरखपुर द्वारा आयोजित और "आरपीडब्ल्यु अधिनियम 2016 के संदर्भ में विभिन्न दिव्यांगों की पहचान में मनोवैज्ञानिक आकलन की भूमिका" पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ सबा हैदर, एनआईईपीएमडी, चेन्नई और ऑल इंडिया रेडियो गोरखपुर और कोम्पाजित रिजनल सेंटर, आरसीआई द्वारा आयोजित एक दिवसीय उच्च स्तरीय संवाद "दिव्यांगजन: चुनौतियां सम्मान की" के समन्वय के लिए नियुक्त किया गया जिसे कोम्पोजित रिजनल सेंटर, सीआरसी, गोरखपुर द्वारा 29 मार्च 2019 को प्रयोजित किया गया।
- श्री नर्गेंद्र पांडे, विशेष शिक्षक, सीआरसी-जी को 17 जनवरी 2019 को गोरखपुर में बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के घर के दौरे के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।
- श्री अरविंद कुमार पांडे, विशेष शिक्षक, सीआरसी-जी को नई दिल्ली में 6 फरवरी 2019 को "समुदाय आधारित पुनर्वास" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।
- श्री नीरज मधुकर, सहायक प्रोफेसर, विशेष शिक्षा, श्री नागेंद्र पांडे, ओ एंड एम, और श्री धर्मेन्द्र यादव, विशेष शिक्षक को 9 फरवरी, 2019 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "भारतीय सांकेतिक भाषा" के आयोजन के लिए गोरखपुर के हुमायुपुर के संकट मोचन में प्रतिनियुक्त किया गया।
- श्री नागेंद्र पांडे, ओ एंड एम और स्पेशल एजुकेटर (टप) को 14 फरवरी 2019 को बॉयज हॉस्टल फर ब्लाइंड में परामर्श सत्र लेने के लिए नियुक्त किया गया।
- श्री नागेंद्र पांडे, ओ एंड एम सह विशेष शिक्षक (टप) को पिपराइच में 16 फरवरी 2019 पर एसएचडीए, पिपराइच में मुद्दों पर एक दिवसीय दिव्यांगता अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।
- श्री नागेंद्र पांडे, ओ एंड एम सह विशेष शिक्षक (टप) को कुशहरादीन शिक्षा सेवा समिति, संत कबीर नगर जिले में 20 फरवरी को "पीडब्ल्यूडी के लिए रियायतें और सुविधाएं" के लिए एक दिवसीय पुरस्कार वितरण सह जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।
- श्री नीरज मधुकर, सहायक प्रोफेसर, विशेष शिक्षा, को 20 फरवरी, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर स्माइल होम, कुश आश्रम परिसर, गोरखपुर में एक दिवसीय स्क्रीनिंग शिविर में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।

"मैं अपनी क्षमता में" DIS "नहीं रखने का विकल्प चुनता हूं।"

- रॉबर्ट एम। हेन्सेल

"मैं अलग हूं लेकिन कम नहीं हूं ।"

- मंदिर ग्रैंडिन

- श्री अरविंद कुमार पांडे, विशेष शिक्षक, सीआरसी-जी को 14 मार्च 2019 को गोरखपुर के ब्लॉक पिपराइच के पिपराही में "दिव्यांगता और प्राथमिक चिकित्सा की रोकथाम के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम" आयोजित करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया ।
- श्री नीरज मधुकर, सहायक प्रोफेसर विशेष शिक्षा को सीआरसी-जी में आरसीआई पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए प्रस्तावों को प्रस्तुत करने के लिए 17 से 21 मार्च 2019 तक एनआईईपीएमडी, चेन्नई में नियुक्त किया गया।
- राजेश कुमार यादव, सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी ने "दिव्यांग व्यक्ति के अधिकार अधिनियम 2016: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए निहितार्थ" के राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया जिसे 15 और 16 मार्च 2019 को सीआरसी-गोरखपुर में एनआईईपीएमडी द्वारा आयोजित किया गया था।
- सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी राजेश कुमार यादव ने 29 मार्च 2019 को सीआरसी-जी, गोरखपुर में ऑल इंडिया रेडियो के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी-सह-उच्च स्तरीय संवाद "दिव्यांगजनरू चुनौतियाँ सम्मान की" में भाग लिया।
- राजेश कुमार यादव, सामाजिक कार्य विभाग में पुनर्वास अधिकारी और बसंत कुमार प्रधान, व्यावसायिक प्रशिक्षक, और अमीत कुमार कच्च्प, व्यावसायिक चिकित्सा विभाग के संकाय ने कई दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान, एनआईईपीएमडी, चेन्नाई में 12 और 13 फरवरी को दिव्यांग लोगों के बीच "रेसिलेन्स बिल्डिंग" पर संसाधन अनुकूलन कार्यशाला में भाग लिया।
- बसंत कुमार प्रधान, वोकेशनल इंस्ट्रक्टर ने सीआरसी-गोरखपुर में 15-16 मार्च को आयोजित "दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए निहितार्थ" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में भाग लिया ।
- 1 से 3 फरवरी 2019 तक एनआईईपीआईडी, सिकंदराबाद में एनआईईपीएमडी, चेन्नई द्वारा आयोजित "समावेशी शिक्षा और दिव्यांगता पुनर्वास में अनुसंधान के तरीके" पर तीन दिवसीय नेशनल वर्कशॉप में रवि कुमार, भाषण और सुनवाई विभाग में संकाय, ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- विजय कुमार गुप्ता, संकाय ने 15-16 ंमार्च को सीआरसी-गोरखपुर में आयोजित "दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए निहितार्थ" पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- अमित कुमार कच्छप ने सीआरसी-गोरखपुर में 15-16 मार्च, को आयोजित "दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए निहितार्थ" पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में भाग लिया।
- अरुणा आनंद, प्रोस्थेटिस्ट और ऑर्थोटिस्ट विभाग, ने सीआरसी-गोरखपुर में 15 -16 मार्च को आयोजित "दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए निहितार्थ" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में भाग लिया।

पाठ्यक्रम

सक्षम प्राधिकारी का निर्देश मिलने के बाद, विशेष शिक्षा विभाग ने आरसीआई को सत्र 2019-20 के लिए दो दीर्घकालिक पाठ्यक्रम अर्थात शिक्षा में डिप्लोमा- विशेष शिक्षा (ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार) और शिक्षा में डिप्लोमा- विशेष शिक्षा (बहु विकलांगता) के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं।

विभाग का इरादा सत्र 2020-21 में विशेष शिक्षा (सुनवाई हानि) में स्नातक स्तर के कार्यक्रम का संचालन करने के लिए ऑनलाइन प्रस्ताव प्रस्तुत करने का भी है।

अनुसंधान और विकास

नैदानिक मनोविज्ञान विभाग के संकाय और निदेशक-सीआरसी का इरादा है कि वे बाल रोग विभाग, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर के सहयोग से (तीव्र इन्सेफेलाइटिस सिंडरोम, (जेई सहित), के निदान वाले बच्चों की पुनर्वास आवश्यकताओं पर व्यापक आकलन) पर शोध परियोजना शुरू करें।

डे-केयर में शिक्षण सत्र

एडीआईपी वितरण शिविर

"किसी भी निराशावादी ने कभी तारों के रहस्य की खोज नहीं की, या एक अज्ञात भूमि पर रवाना हुए, या मानव आत्मा के लिए एक नया द्वार खोल दिया ।"
- हेलेन केलर

समग्र क्षेत्रीय केंद्र

सफल कहानी - 1

छात्र का नाम : एस.एम.आयु : 5 वर्ष 9 महीने

जन्म तिथि : 14/04/2013

पेश की गई बिमारी का इतिहास :

बच्चे को पहली बार 5 साल 9 महीने की उम्र में देखा गया और उसका आकलन किया गया। विकासात्मक मूल्यांकन (विनलैंड सोशल मेच्योरिटी स्केल एंड डेवलपमेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट) करने के बाद, यह पाया गया कि उन्हें अल्प बौद्धिक दिव्यांगताहै। चूंकि उनमें ऑटिस्टिक विशेषताओं भी दिखायी दिये,अत: सीएआरएसपर ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए उनका मूल्यांकन किया गया था और एएसडी का अल्प व मध्यस्थ स्तर पाया गया था। उसमें एडीएचडी जैसे व्यवहार दिखाई दिये। वह एक मिनट से अधिक समय तक एक स्थान पर नहीं बैठ सकता था और वह बहुत कम समय ध्यान देता था। वह कक्षा में अधिकतर समय घूमता रहता था।

पारिवारिक पृष्ठभूमि

उसके माता-पिता दोनो सारा दिन नौकरी पर जाने वाले हैं और वे अपने बच्चे के लिए परेशान थे, क्योंकि वह एक स्थान पर नहीं बैठता था और ना ही स्कूल में या घर पर जो भी पढ़ाया जाता है, उस पर ध्यान नहीं देता था।

पहचान:

अभिभावकों एवं साथ ही साथ शिक्षकों ने पहले पच्चे को पहचान की, उसे शैक्षणिक कार्य करने में कुछ समस्या है और सामाजिक पारस्परिकता भी कम है। मेलजोल भी बहुत कम है। उसे जनवरी 2019 में सी.आर.सी. गोरखपुर को लाया गया। चिकित्सा मनोविज्ञान एवं विशेष शिक्षा में मनोवैज्ञानिक निर्धारण एवं मूल्यांकन के बाद, व्यावहारिक परिवर्तन एवं शैक्षणिक योजना की गई। परिणामत: विस्तृत आईईडी की योजना बनाई गई।

"बेहोश होना परम दिव्यांगता है ।"

- जेसा गैंबल

समस्याएँ:

- व्यवहारात्मक, सामाजिक कुशलताओं में कमी, वाक् व शैक्षणिक

बच्चे का कार्यात्मक स्तर

बच्चा वर्णाक्षर न पढ़ पा रहा था न लिख रहा था। लिखवाने के लिए उसे बहुत कोशिश करनी पड़ी और उसमें लिखने का कौशल भी बहुत कम था। वह सहयोग नहीं देता था और एक जगह पर एक मिनट से ज्यादा देर तक नहीं बैठ सकता था और भाग जाता था। शिक्षण के लिये रखे गये लक्ष्य व्यवहार में एक कदम निर्देश का अनुसरण करना, सीखना, काम पूरा होने तक एक जगह बैठना, आगले बेसलाइन पर आधारित एवं काम के लिए धीरे धीरे समय भड़ाना, विशेष कर शैक्षिक लक्ष्य जैसे उसे हिंदी व अंग्रेडी वर्णमाला लिखना व पढ़ना सिखाना, पूर्व अपेक्षा कौशल सीखाने के बाद लक्ष्य जोना बद्ध तरीके से तैयार किया गया।

विशेष शिक्षा एवं चिकित्सा मनोविज्ञान विभाग द्वारा प्रदान किया गया निवेश

विशेष शिक्षा विभाग ने व्यावहारिक प्रबंधन के लिए चिकित्सा मनोविज्ञान के सहयोग से उसका आईईपी बनाया। कौशल कमी व कार्यात्मक कौशल के साथ कार्यालय विश्लेषण कार्यान्वित किया गया।

- शारीरिक संरचना, क्रियाकलापों का निर्धारण, सक्रिय व्यावहारिक सहायता, पुनर्बलन को हटाकर व्यावहारिक कंटीजेंसियों को पहचानना, परनर्बलन तकनीकों का प्रयोग करना, शआरीरिक क्रियाकलाप,सूक्ष्म मोटार कौशल पर आधारित क्रियाकलाप जैसे, रंग भरना, स्टैक बनाना, मोती पिरोना, अलग करना आदि के समन्वयन में सुधार लाने के लिए तथा साथ ही काम की ओर ध्यान देने, एक-एक या छोटी छोटी क्रियाएँ (एक बार करने पर सुनन),शैक्षणिक क्रियाकलाप उसके शैक्षणिक सुधार के लिए कार्य शीट तैयार किया गया।

बच्चे की वर्तमान स्तर

उसके पहले आईईपी की योजना 17.1.2019 को बनाई गई थी एवं 16.4.2019 को उसका मूल्यांकन किया गया था। मूल्यांकन के बाद उसमें बहुत सारा परिवर्तन दिखाई दिया। संप्रति, उसे किसी क्रियाकलाप सत्र में सम्मिलित करने पर 40 मिनट तक एक जगह पर बैठ सकता है। वह चत्रों को चित्रों से जोडता है। उसे डिक्टेशन देने पर हिंदी और अंग्रेजी की वर्णमाला लिख सकता है। कुछ किवताएँ मुँह से बोल लेता है और गिनती कर लेता है। व्यावहारिक एवं शैक्षणिक अंतराक्षेपण के प्रयोग से उसके व्यवहार सीखने में सुधार दिखाई दिया। वह अब और ज्यादा सहयोग देने एवं आदेश को समझने लगा है। वह अभी भी सीआरसी गोरखपुर से नियमित रूप से सेवाएँ प्राप्त कर रहा है।

सफल कहानी - 2

नाम - श्री बी.वाई आय- 5 वर्षीय बालक

रोग निर्धारण : बैलेटरल प्रोफाउड हियरिंग के साथ वाक् व भाषा विकास माइलस्टोन्स् में विलम्बता

दिव्यांगता का कारण :इडियोपैथिक

प्रस्तुत की गई शिकायत :यह रिपोर्ट किया गया कि, बच्चे को जन्म से ही दोनो कानों से सुनाई नहीं देता। ओटोरिया तथा ओटाल्जिया के साथ वाक् व भाषा में विकास का कोई इतिहास नहीं है। बच्चे में कोई और संबंधित समस्या नहीं दिखाई दी।

निर्धारण : बच्चे का निर्धारण किया गया और बताया गया कि, उसका ओरो पेरीफेरल मेखानिज्म व स्ट्रक्चर, ओपीएम, देखने में एवं काम में सामान्य हैं। एकतरफीय सामान्य संकेत वाले निर्देशों को समझ सकता है एवं संप्रेषण के पद्धति विशेषकर अमौखिक संकतों के प्रयोग समझ सकता है। वह अपनी आवश्यकता के चीजों के लिए रोकर अभिव्यक करता है और ऐच्छिक वस्तु बताने के लिए इशारे से अभिभावकों को खींच कर ले जाता है और कभी कभी आवाज करके भी बताता है। उसका आरएलए 22-24 महीने एवं ईएलए 20-22 महीने है।

"यह नहीं है कि मैं इतना स्मार्ट हूं, यह सिर्फ इतना है कि मैं समस्याओं के साथ लंबे समय तक रहता हूं ।"

- अल्बर्ट आइंस्टीन

श्रवण संबंधी परिणाम :एवाईजेएनआईएसएचडी, मुम्बई-एमएच द्वारा जाँच रिपोर्ट में बाइलेटरल प्रोफाउन्ड हियरिंगलॉस जैसा कि, ऑडिटरी ब्रेइनस्टेम इवोक्ड रेस्पांस ऑडियोमेट्री रिपोर्ट में दर्शा गया है। उसका मनोवैज्ञानिक असर औसत बौद्धिकता थी। उसे दोनो कानों में एम्प्लिफिकेशन का नियमित प्रयोग करने को कहा गया।

वाक् चिकित्सा : बच्चे को दोनो कानों में नियमित रूप से श्रवण यंत्र का प्रयोग करने एवं सीआरसी गोरखपुर में वाक् और भाषा थेरपी लेने को कहा। बच्चा दोनो कानों में बाइलेटरल स्टार्कयरीस, बीटीई डिजिटल श्रवण यंत्र का प्रयोग कर रहा है और वाक् थेरपी के एक भाग के रूप में दो महीने से श्रवण संबंधी प्रशिक्षण ले रहा है। बच्चा सप्ताह में एक बार 30 मिनट वाक् थेरीप, श्रवण संबंधी थेरपी, व्यक्तिगत रूप में ले रहा है। और प्रत्येक सत्र में 45 मिनट के लिए समूह थेरपी ले रहा है। बच्चा स्पीच थेरपिस्ट एवं अभिभावक की सहायता से गहन एवं नियमित श्रवण प्रशिक्षण, ध्वनि की जागरूकता , मौसम की आवाज एवं अमौखिक ध्वनियाँ, जैसे, टम्ब्लर ध्वनि, सीटी की ध्वनि, दरवाजा खटखटाने, ड्रम पीटने आदि के आवाजों का भेदभाव समझता एवं मौखिक ध्वनि जैसे लिंग साउन्ड विद मल्टीमोडालिटा अप्रोच में उपस्थित हो रहा है। बच्चा महीने में चार सत्रों में भाग ले रहा है। वो ही क्रियाकलाप अभिभावकों द्वारा घर में सिखाया जा रहा है।

अंतराक्षेपणोपरांत रिपोर्ट : अभिभावकों ने बताया कि, बच्चा सक्रिय उत्तर दे रहा है एवं उसमें अमौखिक ध्वनियो, स्टिमुलस जैसे टंब्लर साउन्ड, दरवाजा खटखटाने की ध्वनि, विभिन्न विभिन्न तीव्रता एवं आवृत्ति में ड्रम पीटने की ध्वनि, में सकारात्मक उत्तर एवं सुधार दिखा रहा है। मौखिक ध्वनि जैसे लिंग साउंड में ज्यादा सुधार नहीं दिखाई दे रहा है एवं वे उस पर कार्य कर रहे हैं।

सीआरसी गोरखपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम

सेमिनार

पीडब्ल्युडी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

"हालांकि मुश्किल जीवन लग सकता है, हमेशा कुछ ऐसा होता है जिसे आप कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।"

- स्टीफन हॉकिंग

अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीबीआर एवं आउटरीच कार्यक्रम

सीआरसी गोरखपुर संकाय सदस्य एवं स्टाफ द्वारा भाग लिये अनुसंधान एवं विकास कार्यशालाएँ

अन्य नए व उभरते सीआरसियों का सीआरसी गोरखपुर द्वारा सलाह मशवरा एवं क्षमता निर्माण

सीआरसी गोरखपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम

<u>अध्याय 21</u>

लेखा एवं वित्त विभाग

प्रस्तावना

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग (विकलांग) व्यक्ति अधिकारिता संस्थान के उद्देश्यों की प्राप्ति में लेखा विभाग लगातार सटीक वित्तीय जानकारी का उत्पादन करने के लिएएक विश्वसनीय ढांचा प्रदान करने के द्वारा निर्णायक भूमिका निभाती है ।

उद्देश्य

- एन.आई.ई.पी.एम.डी. के निष्पादन मूल्यांकन के लिए एक आधार प्रदान करना
- एन.आई.ई.पी.एम.डी. के विभिन्न खंडों के समन्वयन और विकास के लिए बजट एक रूपरेखा प्रदान करता है।
- मुख्य निष्पदन सूचक पर प्रकाश डालने, वित्तीय अनुमानों को प्रस्तुत करने तथा पिछली निष्पादन की तुलना करना
- एन.आई.ई.पी.एम.डी. के संसाधनों को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक आंतरिक नियंत्रकों को रखना।

वर्ष 2018-19 के दौरान दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त कुल रु.63.44 करोड रुपयों की सहायता अनुदान में से (एन.आई.ई.पी.एम.डी. मुख्य खाता रु.43.91 करोड, सिपडा खाता रु.1.41 करोड, सी.आर.सी. कोझिकोड रु.10.15 करोड, सी.आर.सी. नागपुर रु.1.63 करोड, सी.आर.सी. गोरखपुर रु.6.34 करोड), आंतरिक आय रु.3.22 करोड (एन.आई.ई.पी.एम.डी मुख्य खाता रु.2.86 करोड, सी.आर.सी. कोझिकोड रु.0.27 करोड, सी.आर.सी. नागपुर रु.0.09 करोड) एवं पिछले वर्ष से लाया गया रु.15.93 करोड (कुल मिलाकर रु.82.59 करोड) में से 31 मार्च 2019 तक संस्थान रु.45.26 करोड उपयोग कर लिया और रु.37.33 करोड शेष राशि बची (एन.आई.ई.पी.एम.डी. मुख्य खाता रु.28.71 करोड, सिपडा रु.1.58 करोड, सी.आर.सी. कोझिकोड रु.1.61 करोड, सी.आर.सी. नागपुर रु.0.32 करोड एवं गोरखपुर रु.5.11 करोड)।

सी एण्ड एजी (डीपीसी) अधिनियम 1971 के तहत, सी.ए.जी. नई दिल्ली को एन.आई.ई.पी.एम.डी. के वार्षिक लेखों का लेखा परीक्षण पाँच वर्षों की अवधि के लिए वित्त वर्ष 2006 से 2011 तक करने के लिए तथा आगे की पाँच वर्ष 2016-17 से 2020-2021 तक करने के लिए लेखा परीक्षण के महानिदेशक को आर्थिक मामलों का विभाग, वित्त मंत्रालय के यु/एस (रिपोर्ट) से प्राप्त पत्र सं. 1(33)-बी(आर)2016 दिनांक 26.12.2016 तक बढ़ाया गया।

वित्त वर्ष 2018-19 के लिए लेखा परीक्षित लेखें, जिसमें लेखों का विवरण, तुलन पत्र, आय तथा व्यय विवरण तथा रसीद तथा भुगतान विवरण शामिल है, वह लेखापरीक्षण के महानदिशक (केन्द्रीय), चेन्नई को प्रस्तुत किया गया। लेखापरीक्षण के महानदिशक (केन्द्रीय), चेन्नई द्वारा प्रतिनियुक्त ऑडिट दल एन.आई.ई.पी.एम.डी. की 23.9.2019 से 30.9.2019 तक लेखापरीक्षण हेतु भेंट की। लेखा परीक्षण प्रतिवेदन, लेखापरीक्षण प्रमाण पत्र तथा वित्त वर्ष २०१८-१९ के लिए संस्थान के प्रमाणित लेखें लेखापरीक्षण के महानदिशक (केन्द्रीय), चेन्नई से पत्र संडीजीए (सी) / सीई / आई 28-49 / 2019-20/114 24.01.2020 द्वारा प्राप्त हुई।

प्रधान निदेश लेखापरीक्षण का कार्यालय (केन्द्रीय),चेन्नई
लेखा परीक्ष भवन, 361, अन्न सालई, तेनमपेट, चेन्नई 600 018

सत्यमेव जयते
Government of India

No: DGA(C)/CE/I/28-82/2019-20/114 **दिनांक 24.01.2020**

सेवा में ,
सचिव, भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
रूम नं. 613ए विंग,
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली 110 001

महोदय,

विषय: राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एन.आई.ई.पी.एम.डी.), चेन्नई (समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड एवं नागपुर सहित) वर्ष 2018-19 के लिए लेखों पर अलग लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

मैं, राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एन.आई.ई.पी.एम.डी.), मुत्थुकाडु, चेन्नई (समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड एवं नागपुर सहित) के वर्ष 2018-19 के लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, लेखों का विवरण सहित अग्रेषित कर रहा हूँ। संसद में इस पृथक लेखापरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तिथियाँ इस कार्यालय को कृपया सूचित करें।

अनुलग्नकों सहित इस पत्र की प्राप्ती की सूचना हमें भेजें।

भवदीय,
ह/-
उपनिदेशक/सी.ई.

फोन नं:044-2431 6400
फैक्स:044-24338924
ईमेल : dgacchennai@cag.gov.in

ईएनडीटी नं. डीजीए (सी) **/सीई/I/28-82/2019-20/116** दिनांक **24.01.2020**

प्रति निदेशक, राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एन.आई.ई.पी.एम.डी.), मुत्थुकाडु, चेन्नई को पृथक लेखापरीक्षण प्रतिवेदन सहित अग्रेषित किया जाता है। उनसे निवेदन है कि, लेखापरीक्षण प्रतिवेदन एवं वार्षिक रिपोर्ट की तीन-तीन अंग्रेजी एवं हिन्दी प्रतियाँ वर्ष 2018-19 की रिपोर्ट संसद में प्रस्तुत करने की तिथि सहित प्रस्तुत करें।

ह/-

उपनिदेशक/सीई.

प्रधान निदेश लेखापरीक्षण का कार्यालय (केन्द्रीय),चेन्नई
लेखा परीक्ष भवन, 361, अन्न सालई, तेनमपेट, चेन्नई 600 018
फोन नं.044-24316441/618 फैक्स 044-24338924 ईमेल saoce.chn.pdac@cag.gov.in

सं.डीजीए(सी) **/सीई/I/ 28-82/2019-20/114**
24.01.2020

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
रूम नं. 613ए विंग,
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली 110 001

लेखापरीक्षा महानिदेशक (एबी व कम्युनिकेशन)
भारतीय लेखापरीक्षा नियंत्रक व महानिदेशक का कार्यालय
नं.9, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग
नई दिल्ली 110124

निदेशक
राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान
मुत्थुकाडु,
कोवलम 603 112

महोदय,

मैं पत्र सं. डीजीए(सी)सीई/I/28-82/2019-20/116 दिनांक 24.1.2020 एतद्द्वारा अग्रेषित कर रहा हूँ।

भवदीय
ह/-
निदेशक/प्रशासन

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई (समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड एवं नागपुर सहित) लेखों पर 31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक का पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के (सेवा की विधियाँ, अधिकार तथा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नई (समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड तथा नागपुर सहित) के 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए संलग्न तुलन पत्र तथा वर्ष की समाप्ति के आय व व्यय खाता / प्राप्तियाँ तथा भुगतान खाता का लेखा परीक्षण किया है। वर्ष 2020-2021 तक की अवधि के लिए लेखापरीक्षण का कार्य हमें सौंपा गया। इन वित्तीय विवरणों को बनाना संस्थान के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इन वित्तीय विवरणों पर हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में लेखों के वर्गीकरण, अच्छी लेखा नीतियों की अनुरूपता, लेखा बहियों के मानक, प्रकटीकरण मानक, आदि पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ होंगी। वित्तीय कार्य सम्पादनों पर लेखा परीक्षा अवलोकन विधि, स्वामित्व व नियमितता के नियम व शर्तें तथा कार्य क्षमता- बनाम-निष्पादन पहलू, आदि के अनुपालन के संबंध में, यदि कोई हो तो, निरीक्षण प्रतिवेदन / सी.ए.जी .के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन द्वारा अलग से रिपोर्ट की गई है।

3. हमने, भारत में सामान्यत :स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा का संचालन किया है। वित्तीय विवरणियों के वास्तविक त्रुटियों से मुक्त होने के उचित आश्वासन पाने के लिए हमें योजना बनाकर लेखा परीक्षा करने की इन मानकों की आवश्यकता है। लेखा परीक्षा में, उपयोग में लाए गए लेखा सिध्दांत और प्रबंधन द्वारा तैयार की गई विशिष्ट विवरणियाँ और साथ ही साथ वित्तीय विवरणियों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हम यह मानते हैं कि हमारा लेखा परीक्षा हमारे राय के लिए एक उचित आधार बनता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट करते हैं कि,

i) हमने लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक है।

ii) इस प्रतिवेदन के लिए तुलन पत्र, आय-व्यय लेखा / प्राप्ति तथा भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय भारत सरकार ,द्वारा अनुमोदित प्रारूप में दर्शाये गये हैं।

iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड एवं नागपुर सहित) संस्थान के नियमानुसार आवश्यक उचित लेखा बहियों और अन्य संबध्द अभिलेखों का संस्थान द्वारा निर्वाहण किया गया है जो हमारे द्वारा इन पुस्तकों / बहियों के परीक्षण से प्रकट होता है।

iv) हम आगे यह रिपोर्ट करते हैं कि,

ए. आय तथा व्यय खाता

ए1. अन्य प्रशासनिक खर्च

संस्थान ने वर्ष 2018-से संबंधित ईबी शुल्क और टेलीफोन शुल्क आदि के खर्च का हिसाब नहीं दिया है। ईबी 19 जोखा-और टेलीफोन शुल्कों पर खर्च का लेखानहीं करने के परिणामस्वरूप रु.73.60 लाख का व्यय की न्यूनोक्ति और वर्तमान देनदारियों की न्यूनोक्ति हुई।

बी. साधारण

1. संस्थान के खातों में सीआरसी, कोझीकोड मुख्य खाता)एडिप योजना और कौशल विकास परियोजना खाता (औरसीआरसी, नागपुर के वार्षिक खाते शामिल नहीं थे।
2. लेखा मानक में निर्धारित के 15अनुसार एक्चूरियल मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति के लाभों का प्रावधान नहीं किया गया था।

सी. लेखों का संशोधन का प्रभाव

संस्थान के खातों को ऑडिट टिप्पणियों के आधार पर संशोधित किया गया था। संशोधन के परिणाम स्वरूप, एनआईईपीएमडी, चेन्नई और, क्रमशः सीआरसी, कोझीकोड के संबंध में संपत्ति और देनदारियों में रु.87.73 लाख और रु.4.61 लाख की वृद्धि हुई और सीआरसी, के की घाटा रु.4.61 लाख कीकमी हुई।

डी. प्रबंधक पत्र

अलगअलग ऑडिट रिपोर्ट में जिन कमियों को शामिल नहीं किया गया है-, उन्हें उपचारात्मक सुधारात्मक / कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से संस्थानकी दृष्टि में लाया गया है।

ई. सहायता अनुदान

वर्ष के दौरान प्राप्त कुल रु.59.09 के अनुदान (एनआईईपीएमडी चेन्नई रु.46.36 करोड और सीआरसी के रु.11.07 करोड, सीआरसी एन रु.1.66 करोड) में से, आंतरिक आय रु.3.79 करोड तथा रु.20.00 करोड जो पिछले वर्ष से लाया गया हे, (कुल मिलाकर रु.83.37 करोड) में से संस्थान रु.35.63 करोड उपयोग कर सका और रु.48.24 करोड में से 31 मार्च 2019 तक शेष राशि के रूप में बची (एनआईईपीएमडी चेन्नई रु.45.39 करोड और सीआरसी के रु.2.5 करोड, सीआरसी एन रु.0.35 करोड)।

v पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दिये गये हमारे अवलोकनों के सिवाय, हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में दर्शाये गये तुलन पत्र, आय तथा व्यय खाता एवं रसीद तथा भुगतान खाता लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

Vi हमारी राय में, और हमारी जानकारी के अनुसार तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरणियाँ, लेखों पर टीका-टिप्पणी के साथ पठित और उक्त मुख्य मामलों एवं इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों के अनुलग्नक में दिये गये अन्य मामलों के सिवाय, भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप तथ्यपरक एवं निष्पक्ष आकलन प्रस्तुत करते हैं।

a. जहाँ तक राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नई के कार्यों एवं दिनांक 31 मार्च 2019 के तुलन पत्र (समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड एवं नागपुर सहित) से संबंध है, और
b. जहाँ तक उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटे के आय तथा व्यय लेखों से उनका संबंध है।

भारत के सीवएजी की ओर से
ह/-
लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) के महानिदेशक, चेन्नई

स्थान चेन्नई
दिनांक 24.1.2020

लेखापरीक्षण प्रतिवेदन का अनुबंध

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति की पर्याप्तता** :

संस्थान का आंतरिक लेखापरीक्षण वर्ष 2018-19 के लिए चार्टड अकाउन्टेंट द्वारा किया गया।

2. **आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता** :

संस्थान का अपना कोई लेखाविधि पद्धति नहीं बनाया है।

3. **स्थिर आस्तियों एवं इंवेंटरी की प्रत्यक्ष सत्यापन की पद्धति:**

वर्ष 2018-19 के लिए स्थिर आस्तियों और इंवेंटरी का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया।

4. **सांविधिक देयता के भुगतान में नियमितता** :

संस्थान नियमित रूप से सांविधिक देयता जमाकर रहा है।

ह/-

निदेशक/सी.ई.

प्रधान निदेश लेखापरीक्षण का कार्यालय (केन्द्रीय),चेन्नई
लेखा परीक्ष भवन, 361, अन्न सालई, तेनमपेट, चेन्नई 600 018

सत्यमेव जयते
Government of India

एस.स्नेहलता आईए व एएसडी, ओ नं. डीजीए (सी) /सीई /1/28-82/2019-20/ लेखापरीक्षा महानिदेशक (केन्द्रीय) दिनांक 24.1.2020

प्रिय श्री हिमांग्शु दास,

कृपया 24.01.2018 को जारी किए गए वर्ष 2020- के 19लिए राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई के वार्षिक लेखों के ऑडिट पर पृथक लेखापरीक्षण का संदर्भ लें। मैं, लेखांकन प्रथाओं व प्रक्रियाओं में पाई गई निम्नलिखित दोष उपचारात्मक कार्यवाही हेतु आपके ध्यान में लाना चाहती हूँ।

1. सी.आर.सी. नागपुर के लेखों में पूर्वावधि की राशि रु.4.61 लाख का मूल्यह्रास स्थिर आस्तियों को जोडा गया जिसका पूँजी निधि में कम करना चाहिए।
2. अनुसूची 13, सहायता अनुदान निर्धारित प्रारूप में नहीं बनाया गया।
3. सीआरसी गोरखपुर के स्थिर आस्तियाँ मुख्य लेखों के अनुसूची 8 में स्थिर आस्तियों के जोड के रूप में दर्शाया गया जो संबंध आस्तियों के शीर्षों के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया और मूल्यह्रास का प्रावधान भी नहीं किया गया।

सादर,

भवदीया,
ह/-
एस.स्नेहलता

डॉ.हिमांग्शु दास
निदेशक,
राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान
मुत्थुकाडु
कोवलम 603112

फोन नं:044-2431 6699 **फैक्स:044-24338924**

तार : एन.आई.ई.पी.एम.डी.
ईमेल :niepmd@gmail.com

टेलीफैक्स:044-27472389
टेलीफैक्स: 044 – 27472389
टेलीफोन नं. 27472104,
27472113,
27472046

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान (एन.आई.ई.पी.एम.डी.)
(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)
ईस्टकोस्ट रोड, मुत्थुकाडु, कोवलम पोस्ट, चेन्नई 603 112, तमिलनाडु
31.3.2019 को वित्तीय विवरण प्रारूप की सूची

क्र.	विवरण
1	31-03-2019 को तुलन-पत्र
2	31-03-2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय विवरण
3	31-03-2019 को समाप्त अवधि के लिए रसीद तथा भुगतान खाता
4	अनुसूची 1 व 2
5	अनुसूची 3
6	अनुसूची 4
7	अनुसूची 5 व 6
8	अनुसूची 7
9	अनुसूची 8
10	अनुसूची 9 & 10
11	अनुसूची 11
12	अनुसूची 12 & 13
13	अनुसूची 14 & 15
14	अनुसूची 16 & 17
15	Schedule 18 & 19
16	अनुसूची 20, 20-A & 20 –B
17	अनुसूची 21
18	अनुसूची 22 & 23
19	अनुसूची 24
20	अनुसूची 25
21	एन.आई.ई.पी.एम.डी. –एडिप
23	एन.आई.ई.पी.एम.डी. –आरसीआई खाता
24	एन.आई.ई.पी.एम.डी. –जीपीएफ खाता
25	एन.आई.ई.पी.एम.डी. –आंतरिक उपचय खाता
26	एन.आई.ई.पी.एम.डी. - सीपडा खाता
27	वर्ष 2018-19 के लिए अनुसूची 8 के लिए मूल्यह्रास विवरण
28	आय तथा व्यय खाते के वेतन व भत्तों के लिए अनुसूची

वित्तीय विवरणी का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : राष्ट्रीय बहुदिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, मुत्युकाडु

31 मार्च, 2019 को तुलन पत्र

			(राशि रुपयों में
कार्पस पूँजी निधि और दायित्व /	अनुसूची	**2018-19**	**2017-18**
कार्पस / पूँजी निधि	**1**	563767157.46	474397242.00
परिरक्षित और अधिशेष	**2**	0.00	0.00
उद्दिष्ट / धर्मदाय निधियाँ	**3**	83818566.70	5378768.00
प्रतिभूत ऋण एवं उधार राशियाँ	**4**	0.00	0.00
अप्रतिभूत ऋण एवं उधार राशियाँ	**5**	0.00	0.00
अस्थगित जमादेनदारियाँ	**6**	0.00	0.00
चालू देनदारियाँ एवं प्रवधान	**7**	365,343,434.00	282619650.46
कुल		**1012929158.16**	**762395660.46**
आस्तियाँ			
स्थिर आस्तियाँ	**8**	387710879.00	365391977.00
जोडेंआस्तियों में - पूर्वावधि समायोजन	**8**	98003182.00	28448787.00
उद्दिष्ट धर्मदाय / से निवेश	**9**	0.00	0.00
निवेश अन्य -	**10**	0.00	0.00
चालू आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि	**11**	527215097.16	368554896.46
विविध व्यय			0.00
(बट्टे खाते या समायोजित न किये जाने की सीमा तक(			
कुल		**1012929158.16**	**762395660.46**
उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	**24**		
फुटकर देनदारियाँ और लेखों पर टिप्पणियाँ	**25**		

ह/-
लेखाधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर – लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, मुत्तुकाडु, चेन्नई

31 मार्च 2019 समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय खाता

			(राशि रुपयों में
आय	अनुसूची	2018-19	2017-18
विक्रय /सेवाओं से आय	12	0.00	0.00
अनुदान व आर्थिक सहायता	13	177427661.00	159237500.96
फीस / चंदे	14		
निवेशों से आय (उद्दिष्ट /धर्मदाय निधियों से	15		
आंतरित निधियों)			
रायल्टी, प्रकाशनों, आदि से आय	16		
अर्जित ब्याज	17	37904223.00	37627776.14
अन्य आय	18	0.00	0.00
तैयार मालों और चालू वर्ष कार्यों में बढ़ाव / घटाव	19		
कुल (क)		**215331884.00**	**196865277.10**
व्यय			
कार्यक्रम व सेवाओं पर व्यय	20	80750441.00	61297863.10
स्थापना व्यय	20A	55159428.00	41141413.00
अन्य कार्यक्रम व्यय	20B	22699942.00	48585047.00
अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि	21	56722073.00	45840954.00
अनुदान /आर्थिक सहायता, सब्सिडी पर व्यय	22		
ब्याज	23		
कुल (ख)		**215331884.00**	**196865277.10**
ह्रास (वर्ष के अंत तक कुल नेट – अनुसूची 8 के अनुरूप)		**0.00**	0.00
व्यय के ऊपर अधिक आय का शेष राशि (क-ख)		**0.00**	**0.00**
पूँजी निधि को आंतरित की जाने वाले अनुसूची 8 के अनुरूप मूल्य ह्रास)		**25319138.00**	**12834724.00**
विशेष रिजर्व को आंतरण (स्पष्ट करें)			
सामान्य रिजर्व को / से आंतरण			
****		**25319138.00**	**12834724.00**
कार्पस या पूँजी निधि को ले जाया गया			
उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	24		
फुटकर देनदारियों और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

ह/-
लेखाधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)				वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)			
संगठन का नाम : राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्युकाडु							
31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए प्राप्तियाँ तथा भुगतान खाता							
	प्राप्तियाँ	2018-19	2017-18		भुगतान	2018-19	2017-18
1	एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	132082608.00	21213280.00	1	वेतन व मजदूर	52020987.00	40431293.00
2	एनआईईपीएमडी एडिप खाता	0.00	0.00	2	प्रशासनिक खर्च	56592012.00	45679257.00
3	एनआईईपीएमडी सीआरसीके खाता-	0.00	1322939.00	3	कार्यक्रम व सेवाओं पर व्यय	61895291.00	60749941.10
4	सीआरसी नागपुर खाता	0.00	2268315.00	4	एडिप योजना पर खर्च	0.00	0.00
5	जीआईए सीआरसी गोरखपुर खाता	63400000.00	9000000.00	5	सिपडा पारिश्रमी खर्च	0.00	0.00
6	सहायता अनुदान (एनआईईपीएमडी खाता)	438600000.00	302650000.00	6	अज/अजजा कार्यक्रम	8429500.00	0.00
7	एजीपी खाते के लिए सहायता अनुदान	480900.00	0.00		स्टाफ को भुगतान किया गया ऋण व अग्रिम राशि		
8	सीआरसी के खाते के लिए सहायता अनुदान	40000000.00	21400000.00				
9	सिपडा के लिए सहायता अनुदान	0.00	0.00	7	मोटार साइकिल अग्रिम	0.00	0.00
	ऋण व अग्रिम की वसूली			8	कंप्युटर अग्रिम	0.00	0.00
10	टीए अग्रिम	14000.00	24700.00	9	त्यौहार अग्रिम	0.00	0.00
11	अस्थायी अग्रिम	60000.00	6184.00	10	छात्रों व अन्यों को कॉशन डिपाजिट	919000.00	8892000.00
12	एलटीसी अग्रिम	20300.00	0.00	11	टीए अग्रिम	0.00	14000.00
13	मोटार साइकिल अग्रिम	15600.00	15600.00	12	पूँजी अनुभाग (स्थिर आस्तियाँ)	12985506.00	13517173.00
14	कंप्युटर अग्रिम	8500.00	14500.00	13	सीपीडबल्युडी के साथ अग्रिम	89000000.00	51500000.00
15	त्यौहार अग्रिम	0.00	4050.00	14	कर्मचारियों को अस्थाई अग्रिम	266000.00	60000.00
16	डीएआईएल सामग्री का विक्रय	0.00	0.00	15	एलटीसी अग्रीम	12000.00	20300.00
17	पंजीकरण तथा आवेदन शुल्क	0.00	0.00	16	पूर्वोत्तर खर्च	46046690.00	54960042.00
18	टेन्डर फार्मों की विक्रय	0.00	0.00	17	जागरूकता सृजन कार्यक्रम व्यय	480900.00	0.00
19	अतिथि गृह से प्राप्तियाँ	0.00	0.00	18	पूर्व भुगतान व्यय बीमा	155871.00	159263.00
20	जीपीएफ की प्राप्तियाँ	0.00	0.00	19	ईबी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा जमा	0.00	62621.00
21	यूजर चार्जेस की प्रासयाँ	0.00	0.00	20	छात्रवृत्ति अनुदान खाता	0.00	0.00
22	प्रशिक्षण शुल्क	0.00	0.00	21	सीपडा खर्च	48379.00	0.00
23	सुरक्षा जमा	3189768.00	9570880.00	22	सीआरसी नागपुर व्यय	0.00	11606256.00
24	अज/अजजा कार्यक्रमों के लिए अग्रिम	0.00	7800000.00	23	एनआईईपीएमडी आरसीआई खाता	498863.00	0.00
25	एसबी खाता मुख्य खाता पर - ब्याज	5883218.00	2059348.00	24	हाथ पोस्टेज	0.00	2517.00
26	एफडी तथा सुरक्षा जमा पर ब्याज	0.00	0.00	25	सीआरसी गोरखपुर व्यय	10135783.00	1322939.00
27	एसएसए तमिलनाडु के रसीद	0.00	1503286.00	26	इंडियन बैंक में शेष राशि	287098187.00	45282608.00
28	दवाईयों की बिक्री	0.00	0.00	27	एनईआर एससी एसटी के लिए अग्रिम	18700000.00	23717000.00
29	ऋण पर ब्याज	10230.00	28733.00	28	एनआईईपीएमडी अडिप व्यय	1901.00	0.00
30	भेंटकर्ता शुल्क	0.00	0.00	29	एसबी इयू खाता	0.00	133919.00
31	इग्नो खाता	0.00	133919.00	30	एसबी एनआईईपीएमडी जीपीएफ खाता	0.00	0.00
32	एनआईईपीएमडी-आंतरिक उपचय	884625.00	495395.10	31	सीआरसी नागपुर शेष राशि खाता	0.00	0.00
				32	सीआरसी के के लिए सहायता अनुदान खाता अंतरण	40000000.00	21400000.00
	कुल	**684649749.00**	**379511129.10**		कुल	**684649749.00**	**379511129.10**

ह/-

लेखाधिकारी

ह/-

निदेशक

त्तीय विवरणी का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : राष्ट्रीय बहुदिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, मुत्थुकाडु

31 मार्च, 2019 को तुलन पत्र

राशि रुपयों में

	2018-19		2017-18	
अनुसूची 1 कार्पस व पूँजी निधि				
वर्ष के आरंभ में शेष राशि		474397242.00		473714343.00
जोडे, 31.3.2016 में एनआईईपीएमडी मुख्य खाते में अव्ययित शेष राशि		0.00		0.00
घटाएँ, आय पर अधिक व्यय पूँजी निधि को आंतरण करने वाला डिप के लिए		25319138.00		12834274.00
		449078104.00		460880069.00
जोडें एनआईईपीएमडी चेन्नई के लिए वर्ष के दौरान खरीदी गई पूँजी आस्तियाँ		44531220.00		13517173.00
जोडें सीआरसी गोरखपुर के लिए वर्ष के दौरान खरीदी गई पूँजी आस्तियाँ		3106820.00		0.00
जोडें आय के निवल शेष राशि, आंतरिक उपचय को आंतरित		67051013.46		0.00
आय तथा व्यय खाता				
घटाएँ 31.3.2018 को अव्ययति अनुदान शेष राशि		0.00		0.00
वर्ष के अंत तक शेष राशि		**563767157.46**		**474397242.00**
	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
अनुसूची 2 - रिजर्व एवं सरप्लस				
1. पूँजी रिजर्व:				
वर्ष के दौरान जोडे गये		0.00		0.00
2. रीवैल्युयेशन रिजर्व:				
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :		0.00		0.00
3. विशेष रिजर्व:				
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :		0.00		0.00
4. जनरल रिजर्व:				
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :		0.00		0.00
कुल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्युकाडु

अनुसूची 3 31.3.2019 को उद्दिष्ट व धर्मादाय निधियाँ

(राशि रुपयों में)

अनुसूची - उद्दिष्ट व धर्मादाय निधियाँ	पूर्वोत्तर क्षेत्र		समग्र क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर		एनआईईपीएमडी आरसीआई	
	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18	2018-19	17-18
a) निधियों का आदिशेष	5378768	5338810	0		9114262.00	
b) निधियों को जोड						
i. सहायता अनुदान	53000000	55000000	63400000		0.00	
ii. मुख्य खाते को आंतरित राशि	5230922					
iii. विविध सेवाओं के लिए संड्री क्रेडिटर्स					498863.00	
iii. अन्य जोड (रेग व ट्यूशन तथा प्रशिक्षण शुल्क)	0	0	0	0.00	58176618.50	
कुल(a+b)	**63609690**	**60338810**	**63400000**	**0.00**	**67789743.50**	
(a) C. निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोगिता व व्यय						
I. पूँजी व्यय						0
-स्थिर आस्तियाँ			3106820			
-अन्य			2200000			
-कुल			**5306820**			
ii. राजस्व व्यय						
- वेतन, मजदूर व अन्य भत्ते, आदि – बैंक चार्जेस			1500821		34261747.80	
- गैर आवर्ती व्यय, उपचित ब्याज					755046.00	
- संड्री डेटर्स, एडिप खाता					18600.00	
- कार्यक्रम आयोजन करने के लिए अग्रिम	0	0				
- अन्य एचआरडी व्यय	63609690	54960042	5528142			
कुल						
कुल (c)	**63,609,690**	**54960042**	**12,335,783**	**0.00**	35035393.80	
वर्ष के अंत को निवल शेष राशि (a + b - c)	**0**	**5,378,768**	**51,064,217**	**0.00**	**32,754,349.70**	

टिप्पणियाँ

1) अनुदानों से जुड़ी शर्तों के आधार पर संबंधित शीर्षों के आधार पर प्रकट किए जाएंगे

केंद्र व राज्य /सरकारों से प्राप्त योजना निधि को अलग निधि के रूप में दिखाया जाना चाहिए और किसी अन्य निधि के साथ नहीं मिलाया जाना

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम –राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्युकाडु

31.3.2019 के तुलन पत्र के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

				राशि रुपयों में
अनुसूची 4 सुरक्षित ऋण व उधार	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
1. केन्द्र सरकार			0	0
2. राज्य सरकार, उल्लेख करें			0	0
3. वित्तीय संस्थान				
(a) मियादी जमा			0	0
(b) उपचित ब्याज व देय			0	0
1. बैंक				
(a) मियादी ऋण			0	0
-उपचित ब्याज तथा देय			0	0
(b) अन्य ऋण, उल्लेख करें			0	0
-उपचित ब्याज तथा देय			0	0
5. अन्य संस्थान व एजंसियों			0	0
6. डिबेंचर व बॉंड			0	0
7. अन्य, उल्लेख करें			0	0
कुल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
नोट एक वर्ष के भीतर की देय राशि				

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम –राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्थुकाडु

31.3.2019 के तुलन पत्र के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 5 अनुसूची 5 असुरक्षित ऋण व उधार	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. केन्द्र सरकार	0	0
2. राज्य सरकार स्पष्ट करें	0	0
3. वित्तीय संस्थान	0	0
4. बैंक		
a) मियादी ऋण	0	0
b) अन्य ऋण उल्लेख करें	0	0
5. अन्य संस्थानों व एजंसियों	0	0
6. डिबेंटर व बाँड	0	0
7. स्थिर जमा	0	0
8.अन्य उल्लेख करें	0	0
कुल	शून्य	शून्य
नोट एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची **6** आस्थगित ऋण व देयताएँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
a) पूँजीगत उपकरणों व अन्य आस्तियों के हाइपोथिकेशन द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियाँ	0	0
b) अन्य	0	0
कुल	**0**	**0**
नोट एक वर्ष के भीतर देय राशि		

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्तुकाडु

31.3.2019 के तुलन पत्र के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 7 वर्तमान दायित्व एवं प्रावधान	2018-19		2017-18	
A. वर्तमान दायित्व				
1. स्वीकृतियाँ				
2. संड्री क्रेडिटर्स्				
a) मालों के लिए				
b) अन्य, काशन मनी डिपाजिट	7864047.00	7864047.00	5593279.00	5593279.00
3. प्राप्त अग्रिम				
4. उपचित ब्याज पर देय नहीं :				
a) सुरक्षित ऋण व उधार				
b) असुरक्षित ऋण व उधार				
5. सांविधिक देयताएँ:				
a) डीएसडब्ल्यु, पुदुचेरी एवं एएआई चेन्नई(817269+57002)	0.00		5712.00	5712.00
b) आरसीआई खाता एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	3467150.00	3467150.00	0.00	0.00
c) अव्ययित अनुदान एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	287098187.00	287098187.00	140480722.36	140480722.36
d) इंडियन बैंक में बचत खाता इग्नु एनआईईपीएमडी एसएससी	0.00	0.00	133919.00	133919.00
e) एडिप खाता एनआईईपीएमडी आंतरिक खाता	0.00		0.00	0.00
f) एनआईईपीएमडी आंतरिक उपचय	1380020.00	1380020.00	495395.10	495395.10
6. अन्य वर्तमान दायित्व, एसआईईपीडीए के लिए सहायता अनुदान	0.00	0.00	8803537.00	8803537.00
7.सीपीडब्ल्युडी के साथ अग्रिम, चेन्नई -23165652 + इलहाबाद-2200000)	25365652.00	25365652.00	77720248.00	77720248.00
8. पेंशन ग्रेच्युटी दायित्व आईबी=15470950 + एक्सिस=5554619)	21025569.00	21025569.00	19499055.00	19499055.00
9. एसएसए गुजरात से टीएलएम किट के लिए रसीद	0.00	0.00	1503286.00	1503286.00
10. एसआईईपीडीए खाते के लिए अव्ययित अनुदान	15804368.00	15804368.00		
10. एडिप खाते के लिए अव्ययित अनुदान	0.00	0.00	11681332.00	11681332.00
11, आरसीआई के आरआईपी जमा के लिए अव्ययित राशि एवं आंतरिक उपचय			16503165.00	16503165.00
कुल (A)	**362004993.00**	**362004993.00**	**282419650.46**	**282419650.46**
B. प्रावधान				
1. जीपीएफ ब्याज भुगतानयोग्य	0.00	0.00	0.00	0.00
2. ग्रेच्युटी	0.00	0.00	0.00	0.00
3. सेवानिवृत्त पेंशन व ग्रेच्युटी भुगतान योग्य	3,138,441.00	3,138,441.00	0.00	0.00
4. संचित छुट्टी नकदीकरण	0.00	0.00	0.00	0.00
5. एनपीएस अंशदान भुगतानयोग्य	0.00	0.00	0.00	0.00
6. अन्य, उल्लेख करें, लेखापरीक्षण शुल्क भुगतान योग्य	200,000.00	200,000.00	200,000.00	200,000.00
कुल (B)	**3,338,441.00**	**3,338,441.00**	**200,000.00**	**200,000.00**
कुल (A + B)	**365,343,434.00**	**365,343,434.00**	**282,619,650.46**	**282,619,650.46**

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम –राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्तुकाडु

31.3.2019 के तुलन पत्र के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 8 स्थिर आस्तियाँ

	विवरण		ग्रास ब्लाक				मूल्य ह्रास				निवल ब्लॉक	
			वर्ष के आरंभ में लागत व मूल्य	वर्ष के दौरान जोडेगये	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत को लागत व मूल्य	वर्ष के आरंभ को	वर्ष 2018–19 के दौरान आदि एवं जोडे गये	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक कुल	वर्तमान वर्ष के अंत को	पिछले वर्ष के अंत को
		1	2	3	4	5 (2+3-4)	6	7	8	9 (6+7-8)	10 (5-9)	11
A.	स्थिर आस्तियाँ											
1)	भूमि											
	b)	पट्टेपर	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
2)	भवन		--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
	a)	फ्रीहोल्ड भूमि पर	345147692	34026773	0	379174465	27482788	16751933	0	44234721	334939744	317664904
	b)	पट्टे भूमि पर	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
	c)	स्वामित्व फ्लैट परिसर जो संस्थान के नहीं है	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
			--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
3)	प्लांट व मशीनरी		--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
	उपकरण		17756266	3356710	0	21112976	5622244	1465561	0	7087805	14025171	12134022
4)	वाहन		1684657	0	0	1684657	1153445	79682	0	1233127	451530	531212
5)	फर्नीचर व फिक्स्चर		17561417	3928898	--	21490315	5507096	1494696	0	7001792	14488523	12054321
6)	कार्यालय उपकरण		18680281	1964975	--	20645256	5601968	1459830	0	7061798	13583458	13078313
7)	कंप्युटर पेरीफेरल		16073407	1016262	--	17089669	7027722	3901662	0	10929384	6160285	9045685
8)	बिजली स्थापना		1750000	0	--	1750000	866480	88352	--	954832	795168	883520
9)	पुस्तकालय के पुस्तकें		5873088	237602	0	6110690	5873088	77422	0	5950510	160180	0
10)	ट्यूबवेल व पानी आपूर्ती		--	--	--	--	--	--	--			--
11)	अन्य स्थिर आस्तियाँ		--	--	--	--	--	--	--	0		--
12	सीआरसी गोरखपुर में स्थिर आस्तियाँ			3106820		3106820				0	3106820	
	वर्तमान वर्ष का कुल		424526808	47638040	0	472164848	59134831	25319138	0	84453969	387710879	365391977
	गत वर्ष		--	--	--	--	--	--	--	--		
B.	पूँजी कार्य प्रगति पर		28448787	101100109	31545714	98003182	0	0	0	0	98003182	28448787
		कुल	452975595	148738149	31545714	570168030	59134831	25319138		84453969	485714061	365391977
		नोट किराये आधार पर खरीदी आस्तियों का लागत उपरोक्त में शामिल है										

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्युकाडु

31.3.2019 के तुलन पत्र के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 9 उद्दिष्ट तथा धर्मादाय निधियों से निवेश	2018-19	2017-18
1. सरकारी सेक्युरिटियों में		
2. अन्य अनुमोदित सेक्युरिटियाँ		
3. शेयर		
4. डिबेंचर व बॉंड		
5. सब्सिडरीस् एवं संयुक्त वेंचर		
6. अन्य, उल्लेख करें		
कुल	शून्य	शून्य

अनुसूची 10 निवेश अन्य	2018-19	2017-18
1 सरकारी सेक्युरिटियों में		
2. अन्य अनुमोदित सेक्युरिटियाँ		
3. शेयर		
5. सब्सिडरीस् एवं संयुक्त वेंचर		
6. अन्य, उल्लेख करें		
कुल	शून्य	शून्य

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम –राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्युकाडु

31.3.2019 के तुलन पत्र के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 11 वर्तमान आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
A. वर्तमान आस्तियाँ:				
1. इंवेंटरियाँ				
a) स्टोर्स् व स्पेयर्स				
b) विविध उपकरण				
c) व्यापार पर स्टॉक				
पूरी की गई माल				
प्रगति पर कार्य				
मूल सामग्री				
2. संड्री डेटर्स:				
a) एनआईईपीएमडी आरसीआई खाता	498863.00	498863.00	0.00	0.00
b) अन्य सेक्युरिटी जमा बिजली कार्यालय को भुगतान किया गया	0.00	0.00	62621.00	62621.00
c) सिपडा खाता	48379.00	48379.00	0.00	0.00
d) एनआईईपीएमडी एडिप खाता	1901.00	1901.00	0.00	0.00
e) पूर्वोत्तर राज्य व्यय	5230922.00	12330922.00	0.00	0.00
f) अन्य सीआरसी नागपुर खाता	337941.00	337941.00	337941.00	337941.00
g) एनआईईपीएमडी एडिप खाते व आरसीआई खाते से आंतरिक उपचय	3467150.00	3467150.00	0.00	0.00
3. हाथ रोकड शेष चेक, ड्राफ्ट इम्प्रेस्ट पोस्टेज सहित	29.00	29.00	2517.00	2517.00
		9585185.00		403079.00
4. बैंक शेष राशि:				
a) अनुसूचित बैंकों के साथ :				
-आरसीआई के आरआईपी जमा एवं आंतरिक उपचयी खाता			16503165.00	
-जमा खाता पर, मार्जिम पैसा सम्मिलित है, इंडियन बैंक में मियादी जमा	46009110.00		41283301.00	
-इंडियन बैंक में बचत खाते पर एनआईईपीएमडी आरसीआई खाता =	32754349.70		0.00	
- इंडियन बैंक में एसबी खाते पर एनआईईपीएमडी मुख्या खाता	287098187.00		132082608.00	
-इंडियन बैंक में बचत खाते पर एनआईईपीएमडी आंतरिक उपचयी खाता	0.00		32573081.46	
-इंडियन बैंक में बचत खाते पर एनआईईपीएमडी सीआरसी के खाता	0.00		5712.00	
-इंडियन बैंक में बचत खाता एडिप खाता	0.00		11681332.00	
-इंडियन बैंक में बचत खाते एनआईईपीएमडी एसआईपीडीए खाता	15804368.00		8803537.00	
-इंडियन बैंक में बचत खाता इग्नु एनआईईपीएमडी	0.00		133919.00	
b) पेंशन ग्रेचुइटी खाता इंडियन बैंक	15470950.00		14343854.00	
पेंशन ग्रेचुइटी खाता एक्सिस बैंक	5554619.00	402691583.70	5155201.00	262565710.46
-जमा खाताओं में, इसमें मार्जिन पैसे शामिल है				
-बचत खाते पर आंतरिक उपचयी खाता	67051013.46	67051013.46		
5. डाक घर बचत खाता				
कुल (A)	**479327782.16**	**479327782.16**	**262968789.46**	**262968789.46**

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्युकाडु

31.3.2019 के तुलन पत्र के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 11 वर्तमान आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि जारी	2018-19		2017-18	
B. ऋण, अग्रिम एवं अन्य आस्तियाँ				
1. ऋण:				
a) स्टाफ मोटार साइकिल, कंप्युटर, टीए, बाढ़ निधि व त्यौहार अग्रिम	23400	23400	81800	81800
b) अन्य संगठन जो ऐसे क्रियाकलापों या उद्देश्यों जो संगठन के अनरूप हैं, के लिए कार्यरत् हैं				
c) अन्य उल्लेख करें, स्टाफ को अस्थायी अग्रिम	266000	266000	60000	60000
2. अग्रिम व अन्य राशि जो नकद या अन्य रूप से वसूली योग्य हैं या मूल्य जो प्राप्त होना है				
a) i) पूँजी खाते पर, सीपीडब्ल्युडी के साथ अग्रिम =	23165652	23165652	148827720	148827720
ii) सीपीडब्ल्युडी को अग्रिम, सीआरसी गोरखपुर के लिए	2200000	2200000		
b) पूर्व भुगतान, भवन, स्कूल बस के लिए बीमा :	408009	408009	537582	537582
c) अन्य अतिरिक्त सुरक्षा जमा के लिए टीएनईबी को अग्रिम	463650	463650	437406	437406
d) अन्य सुरक्षा जमा डॉ एमजीआर विश्वविद्यालय को	0	0	0	0
d) अन्य एनई, एससी, एसटी कार्यक्रमों के लिए अग्रिम	18700000	18700000	23717000	23717000
3. उपचित आय:				
a) उद्देष्ट व धर्मादाय निधियों से निवेशों पर				
b) अन्य निवेशों पर				
c) ऋण एवं अग्रिम परs				
d) अन्य मियादी जमा खाते से उपचित ब्याज एवं ईबी अतिरिक्त जमा इसमें प्राप्त नहीं हुए देयताएँ हैं (Rs.2823133 + Rs.26244)	2660604	2660604	2694130	2694130
4. प्राप्त योग्य सहायता अनुदान खाता	0	0	0	0
कुल (B)	47887315.00	47887315.00	176355638	176355638
कुल (A + B)	527215097.16	527215097.16	368554896.46	368554896.46

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्थुकाडु

31.3.2019 के आय तथा व्यय खाते के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 12 बिक्री व सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1) बिक्रीस से आय		
a) पूरी की गई मालों की बिक्री	0	0
b) मूल सामग्री की बिक्री		
c) स्क्रैप की बिक्री	0	0
2) सेवाओं से आय		
a) श्रम और प्रोसेसिंग शुल्क		
c) एजंसी कमीशन और ब्रोकरेज		
d) निर्वहण सेवाएँ एक्विपमेंट व संपत्ति		
e) अन्य स्पष्ट करें		
कुल	शून्य	शून्य

अनुसूची 13 अनुदान व सब्सिडी	2018-19	2017-18
अपरिवर्तनीय अनुदान और प्राप्त सब्सिडी		
1) a. केन्द्र सरकार एनआईईपीएमडी मुख्य खात	385600000	247650000.00
b. केन्द्र सरकार एमएसजेई जागरूकता जेनरेशन कार्यक्रम	480900	0.00
c. एसआईपीडीए खाता जीआईए GIA-14165000	14165000	11726588.00
d, एडिप खाता	0	36858459.00
2) घटाएँ वर्ष 2018-19 के लिए पूँजी अनुदान	197500000	69000000.00
3) सरकारी एजंसियाँ	0.00	
4) संस्थानों व कल्याणकारी निकाय	0.00	
5) घटाएँ आंतरिक रसीद व प्राप्त ब्याज अनुसूची क्र.17	37904223	37627776.14
6) अव्ययित अनुदान (188580900 - 201166884 = -12585984)	12585984	30369769.90
कुल	**177427661.00**	**159237500.96**

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्थुकाडु

31.3.2019 के आय तथा व्यय खाते के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 14 शुल्क व अंशदान		वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1) संबद्धिता शुल्क		0	0
2) पाठ्यक्रम शुल्क , डिप्लोमा, डिग्री, पीजी तथा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, ट्यूशन फी तथा परीक्षा शुल्क		0	0
3) प्रवेश शुल्क			
4) वार्षिक शुल्क व अंशदान			
5) सेमिनार, कार्यक्रम शुल्क, पंजीकरण शुल्क		0	0
6) परामर्शी शुल्क			
7) अन्य, स्पष्ट करें		0	
कुल		**0**	**0**
नोट प्रत्येक मद के लिए लेखानीतियाँ दर्शाएँ			

	से निवेश उद्दिष्ट निधि		अन्य निवेश	
	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुसूची 15 निवेशों से आय				
उद्दिष्ट तथा धर्मादाय निधियों से निवेशों पर आय निधियों को आंतरित				
1) ब्याज				
a) सरकारी सेक्युरिटियों पर				
b) अन्य बाँड व डिबेंचर				
2) डिविडेंड:				
a) शेयरों पर				
b) म्युचुवल निधि सेक्युरिटियों पर				
3) किराया				
4) अन्य स्पष्ट करें				
कुल	**NIL**	**NIL**	**NIL**	**NIL**
उद्दिष्ट तथा धर्मादाय निधियों को आंतरित				

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम –राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्तुकाडु
31.3.2019 के आय तथा व्यय खाते के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 16 रायल्टी, प्रकाशन, आदि से आय	2018-19	2017-18
1) रायल्टी से आय	0	0
2) प्रकाशनों से आय	0	0
3) अन्य उल्लेख करें		
कुल	0.00	0.00

अनुसूची 17 अर्जित ब्याज	2018-19	2017-18
1) मियादी जमाओं पर:		
a) अनुसूचित बैंकों में	3011906.00	2672916.00
b) गैर अनुसूचित बैंकों में, ईबी केलिए अतिरिक्त सेक्युरिटी जमा	28431.00	21214.00
c) एनआईईपीएमडी आरसीआई जमा उपचित ब्याज	0.00	1002110.00
d) एनआईईपीएमडी आंतरिक उपचित जमा उपचित ब्याज		501055.00
2) बचत खाते पर:		
a) अनुसूचित बैंक में मुख्य खाता	4492607.00	2059348.00
b) 31.3.2018 को समाप्त तिमाही में अर्जित पूर्वावधि एसबी ब्याज	1390611.00	
b) एनआईईपीएमडी एडिप खाते एसबी खाते का ब्याज	214163.00	990747.00
c) एसआईपीडीए खाते का एसबी खाते ब्याज	191728.00	116609.00
d) एनआईईपीएमडी आरसीआई खाते के एसबी खाते ब्याज		470912.00
3) ऋणों पर:		
a) कर्मचारी व स्टाफ	10230.00	28733.00
b) अन्य	0.00	0.00
4) a) परीक्षा शुल्क, प्रमाण पत्र, एनरोलमेंट शुल्क आरसीआई खाते का रसीद		11884799.71
b) ट्यूशन शुल्क व अन्य सेवाओं से आंतरिक रसीद मुख्य खाते को लेजाया गया	28564547.00	17879332.43
कुल	**37904223.00**	**37627776.14**
नोट स्रोत से कटौती की गई कर को दर्शाना है		

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्थुकाडु

31.3.2019 के आय तथा व्यय खाते के अंग के रूप में बनाये गये टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 18 अन्य आय	2018-19	2017-18
1) आस्तियों की बिक्री व निपटान से लाभ		
a) स्वामित्व आस्तियाँ		
b) अनुदानों या मुफ्त में प्राप्त आस्तियाँ		
2) कार्योत्तर प्रोत्साहन वसूली		
3) शुल्य या यूजर शुल्क	0.00	0.00
4) प्रतिदाय	0.00	0.00
5) विविध आय	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**0.00**

अनुसूची 19 पूरी हुई मालों एवं प्रगति पर कार्य के स्टाक के बढ़ाव या घटाव	2018-19	2017-18
a) अंतिम स्टाक		
- पूरी हुई माल		
- प्रगति पर कार्य		
घटाएँ प्रारंभ स्टाक		
- पूरी हुई माल		
- प्रगति पर कार्य		
निवल बढाव या घटाव **[a-b]**	शून्य	शून्य

वित्तीय विवरणी का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)		
संगठन का नाम : राष्ट्रीय बहुदिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, मुत्थुकाडु		
31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि वर्ष के लिए आय तथा व्यय / खाते का भाग बनने वाले अनुसूचियाँ		
		राशि रुपयों में
अनुसूची 20 कार्यक्रम व सेवाओं पर व्यय	**2018-19**	**2017-18**
मानव संसाधन विकास	52789662.00	40085282.10
जागरूकता कार्यक्रम व्यय	0.00	0.00
अनुसंधान एवं विकास	0.00	0.00
सेवाओं का विकास	24554421.00	18840428.00
सीआरसी के खाते पर व्यय	0.00	0.00
प्रलेखीकरण व प्रचार, जागरूकता सृजन	3406358.00	2372153.00
सीआरसी नागपुर खाते का व्यय	0.00	0.00
कुल	**80750441.00**	**61297863.10**
अनुसूची 20ए स्थापना खर्च	**2018-19**	**2017-18**
a) वेतन व मजदूर	22917039.00	21777231.00
b) भत्ते व बोनस	22830731.00	12912450.00
c) भविष्य निधि को योगदान	0.00	31210.00
d) अन्य निधि को योगदान, नई पेंशन योजना को नियोक्ता योगदान	1414990.00	1970198.00
e) अर्जित छुट्टी नकदीकरण	1215151.00	767445.00
f) अन्य उल्लेख करें, सेवानिवृत्त पेंशन भुगतान	6781517.00	3682879.00
कुल	**55159428.00**	**41141413.00**
अनुसूची 20 बी अन्य कार्यक्रम खर्च	**2018-19**	**2017-18**
a) पूर्वोत्तर राज्य	0.00	0
b) एडिप योजना	15344045.00	0
c) एसआईपीडईए योजना	7355897.00	0
d) आरसीआई एनबीईआर कार्यक्रम व्यय, प्रशासन व परीक्षा व्यय	0.00	0
e) आंतिरक उपचय, बैंक शुल्क	0.00	0
कुल	**22699942.00**	**0**

वित्तीय विवरणी का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : राष्ट्रीय बहुदिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, मुत्तुकाडु

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि वर्ष के लिए आय तथा व्यय / खाते का भाग बनने वाले अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि	2018-19	2017-18
1. समर्थन सेवाओं पर व्यय	17212722	18311444
2. बिजली तथा ऊर्जा	6081808	6525500
3. बीमा	273492	245367
4. भवनों का मरम्मत एवं निर्वहण	6041146	3068426
5. कार्यालय एक्विपमेंट का मरम्मत एवं रखरखाव	439511	515614
6. वाहन किराया खर्च	9208375	4137703
7. स्कूल बस का मरम्मत एवं रखरखाव	641133	432614
8. टाटा सुमो का मरम्मत एवं रखरखाव	232180	128104
9. पोस्टेज एवं टेलीफोन खर्च	242105	283454
10. प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	950191	704339
11. यात्रा एवं संवहन खर्च	4409425	2438971
12. आडिटरों का पारिश्रमिक	78470	150640
13.प्लांट व मशीनरी का मरम्मत एवं रखरखाव	2512192	1090578
14. विज्ञापन व प्रचार प्रसार	2670603	3811304
15. कम्प्युटरों का मरम्मत व रखरखाव	1660741	1201623
16. जेनसेट का आर व एम	2252774	1732863
17. गेस्ट हाउज़ का आर व एम	179115	215855
18. हास्टलों का आर व एम	1440824	678459
19. फर्नीचर का आर व एम	0	0
20. विवध खर्च	19291	40106
21.आतिथ्य खर्च	14532	15643
22. लीगल शुल्क	65205	23785
23. प्रकाशन व पत्रपत्रिकाएँ-	96130	76064
24. बैंक शुल्क	108	12498
कुल	**56722073**	**45840954**

वित्तीय विवरणों का प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, मुत्थुकाडु

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय खाते के अंग बनी अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 22 अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	2018-19	2017-18
a) संस्थानों व संगठनों को दिये गये अनुदान b) संस्थानों व संगठनों को दिये गये सब्सिडी		
कुल	शून्य	शून्य
नोट संगठनों का नाम, उनके क्रियाकलाप अनुदान व सब्सिडी राशि सहित दर्शाना होगा		

राशि रुपयों में

अनुसूची 23 ब्याज	2018-19	2017-18
A) स्थिर ऋणों पर b) अन्य ऋणों, बैंक शुल्क सहित c) अन्य, उल्लेख करें		
.	शून्य	शून्य

राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई

लेखांकन नीतियाँ

अनुसूची 24

लेखों के सही बहियों का सही रखरखाव के लिए वर्ष 19–2018से और तत्पश्चात् अनुपालन करने के लिए निम्न लिखित से संबंधित संस्थान की लेखा नीतियाँ।

a) उन तमाम प्राप्त व खर्च की गई राशि और उन मामलों के संबंध में जो प्राप्तियाँ और व्यय हुए हों;

b) राजस्व /प्राप्त आय/वसूली योग्य और अदा की गई/अदा की जाने वाली तमाम राशियाँ

c) मालों के तमाम विक्रय और खरीदारियाँ, और

d) सभी आस्तियाँ और देयताएँ, संस्थान के मामलों के सही और स्पष्ट परिदृष्य के लिए।

1. संस्थान के खातों की पुस्तकें अपचय आधार पर रखी गई हैं, इसमें नियमित स्टाफ के वेतन व भत्ते, सेवानिवृत्ति लाभ, शिक्षण शुल्क की रसीदें, सरकारी अनुदान का लेखा और ग्राहकों को दवाइयों की खरीद, को छोड़कर शामिल नहीं है। उन्हें नकद आधार पर लेखांकित किया गया है। इन्हें नकद आधार के रूप में माना जाता हैइसकी आवश्यक सुविधाओं (अर्थात् (क) नकद प्राप्त हुई हो या नहीं, राजस्व को मान्यता दी जाती है,और)b) ऐसे राज्सव को व्यय के साथ जोडा जाता है, की आवश्यक पक्षों की उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।

2. चूँकि लेखा बहियों को उपचय आधार पर रखा गया है (नियमित स्टाफ के वेतन व भत्तें, सेवानिवृत्त लाभ, ट्यूशन फी की प्राप्ति, सरकारी अनुदानों का लेखांकन तथा क्लाइंटों के लिए दवाइयों की खरीदी को छोडकर) अत: इन्हें नकद आधार पर लेखांकन किया गया है, इसके लिए अंतिम तथि 15 अप्रैल रखा गया है।

3. संस्थान की लेखा बहियों को डबल एंट्री सिस्टम आफ बुक कीपिंग के अनुसार रखा जाएगा।

4. उचित पहचान तथा रखरखाव के लिए लेखा शीर्षों का कोडीकरण करना चाहिए।

5. संस्थान के लेखा विवरण निम्नलिखित प्रारूप में तैयार करना चाहिए।

    1. रसीद तथा भुगतान खाता वर्ष 2018-19 के लिए
    2. आय तथा व्यय खाता वर्ष 2018-19 के लिए
    3. 31 मार्च 2019 को तुलन पत्र

स्पष्टीकरण

i) रसीद तथा भुगतान खाता

क) समस्त वास्तविक प्राप्तियाँ लेखागत की गई हैं

ख) समस्त वास्तविक भुगतान लेखागत की गई हैं

ii) आय तथा व्यय खाता

वास्तविक प्राप्तियों और भुगतानों के प्रत्येक मद को हिसाब के अलावा, उपचित आय और बकाया बडी देयताओं के उचित प्रस्तुतीकरण के लिए प्रत्येक लेखाशीर्ष में उन्हें और आय तथा व्यय की समग्र स्थिति जानना है।

iii) 31 मार्च तक की तुलन पत्र की स्थिति

देयताएँ	आस्तियाँ
1) पूँजी	1) मूल्यह्रास घटाकर नियत आस्तियाँ
2) परिरक्षित निधियाँ	2) निवेश राशियाँ
3) प्रतिभूति ऋण	3) चालू आस्तियाँ,ऋण एवं अग्रिम
4) अप्रतिभूति ऋण	4) विविध व्यय (बट्टे खाते में नहीं डालने की सीमा तक)
5) चालू देयताएँ	5) आय तथा व्यय खाता

नोट: लेखों के अंग के रूप में अनुसूचियाँ को आवश्यकतानुसार तैयार करके संलग्न किया जाए।

6. मूल्यह्रास का प्रावधान करते समय निम्नलिखित मार्गदर्शनों का अनुसरण करना होगा :

i) 1.4.2018 को या तत्पश्चात् प्राप्त किये आस्तियों पर वार्षिक आधार पर मूल्यह्रास प्रदान करना।
ii) लिखे गये मूल्य प्रकार (रिटन डाउन वैल्यु मेथड) की पद्धति को अपनाना।

iii) वित्त वर्ष के दौरान हासिल किये आस्तियों के लिए निर्धारित प्रतिशत में पूर्ण मूल्यह्रास का हिसाब लगाया गया। अक्तूबर से लेकर फरवरी तक हासिल की गई आस्तियों पर 50% की निर्धारित प्रतिशत के हिसाब से मूल्यह्रास लगाया गया। मार्च में हासिल आस्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं है।

iv) प्रत्येक आस्ती का जीवनकाल तथा रिटन के अंतर्गत मूल्यह्रास का दर निम्नलिखित है–

क)	भूमि	: कोई मूल्यह्रास नहीं है।
ख)	भवन	: जीवनकाल के 20 वर्ष – 5% मूल्यह्रास
ग)	संयंत्र, मशीनरी व उपकरण	: 10 वर्ष – 10 %मूल्यह्रास
घ)	वाहन	: 6 वर्ष – 15 %मूल्यह्रास
ङ)	फर्नीचर तथा फिक्स्चर	: 10 वर्ष – 10 %मूल्यह्रास
च)	कार्यालय उपकरण	: 10 वर्ष – 10 %मूल्यह्रास
छ)	कम्प्युटर एवं पेरीफेरल्स्	: 2.5 वर्ष – 40%मूल्यह्रास
ज)	पुस्तकालय पुस्तकें	: 2.5 वर्ष – 40%मूल्यह्रास

ह/-
डॉ. हिमांग्शु दास
निदेशक

राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई
वार्षिक लेखों के अंग बनी टिप्पणियाँ

अनुसूची 25

1. केन्द्रीय स्वायत्त निकायों (गैर लाभकारी संगठन तथा ऐसे संस्थानों) के लिए वित्तीय विवरण के प्रारूप में वार्षिक लेखें बनाई गई हैं।
   क) 31.3.2019 को तुलन पत्र
   ख) वर्ष 2018-19 के लिए आय तथा व्यय खाता
   ग) प्रारूप के अनुसार 1-25 अनुसूचियाँ
   घ) वर्ष 2018-19 के लिए रसीद व भुगतान खाता
2. लेखें उपचयी आधार पर, नियमित स्टाफ के वेतन व भत्तें, सेवानिवृत्त लाभ, ट्यूशन शुल्क के रसीद, सरकारी अनुदानों का लेखांकन तथा क्लाईंटों के लिए दवाइयों की खरीददारी, जिन्हें नकद आधार पर लेखांकन किया गया है, को छोडकर, बनाई गई हैं।
3. रिटन डाउन वैल्यु पद्धति पर मूल्य ह्रास का प्रावधन किया जा रहा है।
4. प्रगति पर पूँजी कर्य को स्थिर आस्तियों के रूप में भवन के रूप में लिया गया है, वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान के मानदंडों के अनुसार मूल्य ह्रास दिया गया है।
5. लेखांकन नीतियाँ बनाई गई हैं और अपनाया गया है।
6. कपल रु.48,67,90,459.00 जिसमें आदि शेष, सहायता अनुदान, विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अनुदान, जमा, ब्याज सहित मेच्युरिटी, अन्य संगठनों से प्रास्तियाँ, ऋण व अग्रिम तथा आंतरिक रसीद शामिल है, में से, विभिन्न क्रियाकलापों में लिए रु.19,96,92,272 खर्च किया गया और एनआईईपीएमडी बचत खाते में रु.28,70,98,187.00 राशि शेष रही।
7. वर्ष 2018-19 के लिए आस्तियों व भंडार का प्रत्यक्ष जाँच पूरी कर ली गई है।
8. मंत्रालय द्वारा जारी अनुदानों के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये गये और कोई उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित नहीं है।
9. जहाँ कहीं आवश्यक हो, अंकोडं को वर्गीकृति किया गया।

ह/-
डॉ.हिमांग्शु दास
निदेशक

राष्ट्रीय बहु दिव्यांक व्यक्ति साधिकारिता संस्थान,

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
ईस्ट कोस्ट रोड, मुत्थुकाडु, कोवलम पोस्ट, चेन्नई 603 112 तमिलनाडु

एनआईईपीएमडी एडिप खाता
31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए एडिप का रसीद व भुगतान खाता

रसीद	रुपये	भुगतान	रुपये
आदिशेष	11681332.00	ओएच को साधन व उपकरण	1635941.00
एडिप सहायता योजना	0.00	एमआर को साधन व उपकरण	12738826.00
एसबी खाते पर ब्याज	214163.00	एचएच को साधन व उपकरण	0.00
एनआईईपीएमडी आंतरिक उपचय खाता	3446649.00	वीआई को साधन व उपकरण	525483.00
एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	1901.00	एडिप मूल्यांगन व वितरण शिविर व्यय	443771.00
कुल (ओबी+आरटीएस.)	**15344045.00**	कुल	**15344021.00**
		बैंक शुल्क	24.00
		बैंक रोकड	0.00
		कुल	**24.00**
सकल योग (ओबी+आरटीएस.)	**15344045.00**	सकल योग (भुगतान+ सीबी)	**15344045.00**

31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए एडिप का आय तथा व्यय खाता

आय	रुपये	व्यय	रुपये
सहायता अनुदान	0.00	साधन व उपकरणों के लिए व्यय	**14900250.00**
एसबी खाते पर ब्याज	214163.00	एडिप वितरण व जागरूक खर्च खाता	**443771.00**
आय पर अधिक व्यय	**15129882.00**	बैंक शुल्क	**24.00**
कुल	**15344045.00**	कुल	**15344045.00**

31.3.2019 को एडिप का तुलन पत्र

दायित्व	रुपये	आस्तियाँ	रुपये
पूँजी निधि का आदि शेष	**11681332.00**	बैंक रोकड	**0.00**
एनआईईपीएमडी आंतरिक उपचय खाता	**3446649.00**		
एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	**1901.00**	आय पर अधिक व्यय	**15129882.00**
कुल	**15129882.00**	कुल	**15129882.00**

ह/-
लेखाधिकारी

ह/-
निदेशक

राष्ट्रीय बहु दिव्यांक व्यक्ति साधिकारिता संस्थान,

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
ईस्ट कोस्ट रोड, मुत्युकाडु, कोवलम पोस्ट, चेन्नई 603 112 तमिलनाडु

एनआईईपीएमडी आरसीआई खाता
31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए रसीद व भुगतान खाता

रसीद	रुपये	भुगतान	रुपये
आदिशेष	9114262.00	आरसीआई परीक्षा शुल्क	14687207.80
प्रमाणपत्र शुल्क	27225.00	पारिश्रमिक खर्च	4775743.00
एनरोलमेंट शुल्क	5821825.10	पाठ्यक्रम समन्वयक बैठक	525383.00
परीक्षा शुल्क	46828354.05	एचआरडी अल्पावधि कार्यक्रम	3555441.00
एसबी खाते पर ब्याज	1025572.00	सभी जोन के विद्यार्थियों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता	1988815.00
सीआरई प्रोसेसिंग शुल्क	2000.00	दीक्षांत समारोह खर्च	368812.00
आकस्मिक खर्च की वसूली	2951596.35	एचआरडी जागरूकता सृजन	1319263.00
आरसीआई नई दिल्ली के वसूली	765000.00	प्रसासनिक व्यय	6032164.00
एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	498863.00	प्रिंटिंग व स्टेशनरी	152487.00
		यात्रा खर्च	160400.00
		वाहन किराया शुल्क	22265.00
		पोस्टल शुल्क	673753.00
		एनआईईपीएमडी आंतरिक उपचय	18600.00
		बैंक शुल्क	14.00
		कुल	**34280347.80**
		बैंक रोकड़	**32754349.70**
सकल योग (ओबी+आरटीएस.)	**67034697.50**	सकल योग (भुगतान+ सीबी)	**67034697.50**

31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए आरसीआई का आय तथा व्यय खाता

आय	रुपये	व्यय	रुपये
आरसीआई प्रमाण पत्र	27225.00	व्यय	34261747.80
आरसीआई एनरोलमेंट	5821825.10	आय पर अधिक व्यय	23914870.70
आरसीआई परीक्षा शुल्क	46828354.05		
आरसीआई खाते के रेक	765000.00		
आकस्मिक खर्च के लिए रेक s	2951596.35		
सीआरई शुल्क के लिए रेक	2000.00		
एसबी खाते पर ब्याज	1025572.00		
उपचित ब्याज	755046.00		
कुल	**58176618.50**	कुल	**58176618.50**

31.3.2019 को आरसीआई का तुलन पत्र

दायित्व	रुपये	आस्तियाँ	रुपये
पूँजी निधि (एसबी: 91,14,262 + एफडी: 1,10,02,110)	20116372.00	मियादि जमा	10000000.00
जोडे आय पर अधिक व्यय	23914870.70	उपचित ब्याज	1757156.00
एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	498863.00	एनआईईपीएमडी आंतरिक उपचय	18600.00
		बैंक रोकड	32754349.70
कुल	**44530105.70**	कुल	**44530105.70**

ह/- ह/-

लेखाधिकारी निदेशक

राष्ट्रीय बहु दिव्यांक व्यक्ति साधिकारिता संस्थान,

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
ईस्ट कोस्ट रोड, मुत्थुकाडु, कोवलम पोस्ट, चेन्नई 603 112 तमिलनाडु

एन.आई.ई.पी.एम.डी. जी.पी.एफ. खाता
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए रसीद एवं भुगतान खाता

रसीद		रुपये	भुगतान		रुपये
आदिशेष		3138220.00	भुगतान किया गया जीपीए अग्रिम		1627800.00
निवेश		2435035.00	जीपीएफ अंतिम निपटान		1002901.00
जीपीएफ अंशदान		1403683.00	बैंक		2594483.00
अग्रिम की वसूली		595400.00	निवेश		2592940.00
निवेश पर ब्याज		245786.00			
कुल प्राप्तियाँ		2244869.00			
सकल योग (ओबि+आरटीएस)		**7818124.00**	सकल योग (भुगतान +सीबी)		**7818124.00**
31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए भविष्य निधि के आय तथा व्यय खाता					
आय		रुपये	व्यय		रुपये
बचत खाते एवं एफडी खाते में निवेश से अर्जित ब्याज (157905+87881)		245786.00	भविष्य निधि के सदस्यों को क्रेडिट किया गया ब्याज		245786.00
कुल		**245786.00**	कुल		**245786.00**
31.3.2019 को जीपीएफ का तुलन पत्र					
दायित्व		रुपये	आस्तियाँ		रुपये
आदिशेष		4582854.00	एफडी एवं उपचित ब्याज		2592940.00
जोडें अंशदान एवं अग्रीम वसूली		1986583.00	भुगतान किया गया अग्रिम		1627800.00
जोडें क्रिडिट किया गया ब्याज		245786	एसबी खाता		2506602.00
			एसबी ब्याज		87881.00
कुल		**6815223.00**	कुल		**6815223.00**

ह/-
लेखाधिकारी

ह/-
निदेशक

राष्ट्रीय बहु दिव्यांक व्यक्ति साधिकारिता संस्थान,

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
ईस्ट कोस्ट रोड, मुत्युकाडु, कोवलम पोस्ट, चेन्नई 603 112 तमिलनाडु
एनआईईपीएमडी आंतरिक उपचयी खाता
31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए रसीद व भुगतान खाता

रसीद	रुपये	भुगतान	रुपये
आदि शेष	32,573,081.46	बैंक प्रभा	15,127.00
होस्टल निर्वहण खर्च से रसीद	3,733,464.00	टर्म डिपॉज़िट	0.00
पंजीकरण शुल्क से रसीद	692,953.00	ब्याज का भुगतान किया	374,222.00
परीक्षा एवं शुल्क से रसीद	762,747.00	एनआईईपीएमडी - एडीआईपी ए / सी	3,446,654.00
प्रशिक्षण शुल्क से रसीद	1,043,553.00	बैंक राशि	**67,051,013.46**
प्रोसेसिंग शुल्क से रसीद	241,753.00	कुल	**70,887,016.46**
आवेदन पत्र शुल्क से रसीद	406,290.00		
अतिथि गृह शुल्क से रसीद	132,125.00		
उपयोगकर्ता शुल्क से रसीद	428,782.00		
एएआई से रसीद।	57,002.00		
डेयल उत्पादनों की बिक्री से रसीद	122,328.00		
ट्यूशन शुल्क से रसीद	10,031,552.00		
दवाइयों की बिक्री से रसीद	163,276.00		
विविध रसीद	8,324,996.00		
टिएलएम किटों के लिए जिला कलेक्टर से रसीद	6,483,235.00		
भेंटकर्ता शुल्क से रसीद	63,075.00		
टेन्डर फार्म बिक्री से रसीद	3,000.00		
विद्यार्थियों से सुरक्षा जमा खाते से रसीद	192,000.00		
डीएसडब्ल्यु, पुदुचेरी के लिए रसीद	817,269.00		
सीएसआर परियोजना के लिए रसीद	2,166,155.00		
आरसीआई खाते के लिए रसीद	18,600.00		
एसबी खाते के ब्याज के लिए रसीद	2,055,558.00		
एफडी खाते पर ब्याज के लिए रसीद	374,222.00		
सकल योग – ओबी व आरटीस्	**70,887,016.46**	कुल	**70,887,016.46**

31.03.2019 को समाप्त अवधि के लिए आंतरिक उपचयी का आय तथा व्यय खाता

आय	रुपये	व्यय	रुपये
रसीद	28,579,674.00	व्यय बैंक शुल्क	15,127.00
		व्यय पर अधिक आय	29,944,567.00
एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	**1,380,020.00**		
कुल	**29,959,694.00**	कुल	**29,959,694.00**

31.03.2019 को आंतरिक उपचयी का तुलन पत्र

दायित्व	रुपये	आस्तियाँ	रुपये
पूँजी निधि (एसबी: 3,25,73,081.46 + 55,01,055)	38,074,136.46	स्थिर जमा खाता	5,000,000.00
व्यय पर अधिक आय	29,944,567.00	एनआईईपीएमडी मुख्य खाता	1,380,020.00
सीएसआर परियोजना से रसीद	2,166,155.00	उपचित ब्याज	875,277.00
विद्यार्थियों से सुरक्षा जमा खाते से रसीद	192,000.00	एनआईईपीएमडी एडिप खाता	3,446,654.00
एसएसए गुजराती से रसीद	6,483,235.00	बैंक रोकड़	67,051,013.46
एएआई के लिए रसीद	57,002.00		
डीएसडब्ल्यु, पुदुचेरी के लिए रसीद	817,269.00		
एनआईईपीएमडी आरसीआई खाता	18,600.00		
कुल	**77,752,964.46**	कुल	**77,752,964.46**

ह/-
लेखाधिकारी

ह/-
निदेशक

राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
ईस्टकोस्ट रोड, मुत्थुकाडु, कोवलम पोस्ट चेन्नई 603 112 तमिलनाडु
एनआईईपीएमडी एसआईपीडीए खाता
31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए रसीद तथा भुगतान खाता

रसीद	रुपये	भुगतान	रुपये
आदि शेष	8803537.00	ईटीपी पार्टनर को तथा लाभान्वितों को प्रशिक्षण लागत एवं सहायक उपकरण लागत	7349402.00
2018-19 के लिए मंत्रालय से सहायता अनुदान	14165000.00		
बचत बैंक खाते पर ब्याज	191728.00	बैंक शुल्क	6495.00
		बैंक रोकड	15804368.00
सकल योग, ओबी व आरटीएस	**23160265.00**	सकल योग, भुगतान एवं सीबी	**23160265.00**

31.3.2019 को समाप्त अवधि के लिए एनआईईपीएमडी एसआईईपीडीए का आय तथा व्यय खाता

आय	रुपये	व्यय	रुपये
2018-19 के लिए मंत्रालय से सहायता अनुदान	14165000.00	ईटीपी पार्टनर को तथा लाभान्वितों को प्रशिक्षण लागत एवं सहायक उपकरण लागत	7349402.00
बचत बैंक खाते पर ब्याज	191728.00	बैंक शुल्क	6495.00
		व्यय पर अधिकतम आय	7000831.00
कुल	**14356728.00**	कुल	**14356728.00**

31.3.2019 को एनआईईपीएमडी सिपडा का तुलन पत्र

दायित्व	रुपये	आस्तियाँ	रुपये
आदिशेष	8803537.00	इंडियन बैंक में रोकड	15804368.00
व्यय पर अधिकतम आय	7000831.00		
कुल	**15804368.00**	कुल	**15804368.00**

ह-
ले खाधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्त विवरण प्रारूप – गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम – राष्ट्रीय बहु दिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई

वर्ष 2018-19 के दौरान मूल्य ह्रास विवरण का हिसाब दर्शाते हुए विवरण

											राशि रुपये
	विवरण		31.3.2019 को स्थिर आस्तियों का मूल्य				मूल्य ह्रास				
			1.4.18 को लागत व मूल्य	जोड सितम्बर 2018 तक	जोड मार्च 2019 तक.	कुल 2018-19 को जोड	वर्ष के आरंभ में	जोड सितम्बर 2018 तक	जोड़ मार्च 2019 तक	कुल मूल्य ह्रास	कुल मूल्य ह्रास आदि शेष सहित
A.	स्थिर आस्तियाँ		1	2	3	(3+4) 5	6	7	8	(7+8) 9	10
1)	भूमि										
	b)	पट्टे पर	--	--	--	--	--	--	--		--
2)	भवन		--	--	--	--	--	--	--		--
	a)	फ्रीहोल्ड भूमि पर (5%)	317664904	720759	33306014	34026773	15883245	36038	832650	868688	16751933
	b)	पट्टे भूमि पर	--	--	--	--	--	--	--		--
	c)	स्वामित्व फ्लैट व परिसर जो संगठन का नहीं	--	--	--	--	--	--	--		--
			--	--	--	--	--	--	--		--
3)	प्लांट मशीनरी व		--	--	--	--	--	--	--		--
	एक्विपमेंट (10%)		12134022	1686466	1670244	3356710	1213402	168647	83512	252159	1465561
4)	वाहन (15%)		531212	0	0	0	79682	0	0	0	79682
5)	फर्नीचर व फिक्सचर (10%)		12054321	1856380	2072518	3928898	1205432	185638	103626	289264	1494696
6)	कार्यालय उपकरण (10%)		13078313	1075003	889972	1964975	1307831	107500	44499	151999	1459830
7)	कंप्युटर पेरीफेरल.(40%)		9045685	400677	615585	1016262	3618274	160271	123117	283388	3901662
8)	बिजली स्था. (10%)		883520	0	0	0	88352	0	0	0	88352
9)	पुस्तकलाय की पुस्तकें (40%)		0	149510	88092	237602	0	59804	17618	77422	77422
10)	ट्यूब वेल व पानी की आपूर्ती		--	--	--	--	--	--	--		--
11)	अन्य स्थिर आस्तियाँ		--	--	--	--	--	--	--		--
	वर्तमान वर्ष का कुल		**365391977**	**5888795**	**38642425**	**44531220**	**23396218**	**717898**	**1205022**	**1922920**	**25319138**

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई

वर्ष 2018-19 के लिए आर व पी खाते के वेतन व भत्तों का विवरण

क्र.	विवरण	2018-19	2017-18
1	वेतन खाता	22685759	21581659
2	ग्रेड वेतन	0	0
3	नॉन प्रैक्टीसिंग वेतन	231280	185260
4	व्यक्तिगत वेतन	0	10312
.	वेतन का कुल योग	**22917039**	**21777231**
5	समाचार पत्र भत्ता	61447	48717
6	घर किराया भत्ता	3271327	2533678
7	कंट्राक्चुवल स्टाफ को पारिश्रमिक	12451852	6079563
8	महंगाई भत्ता	1827096	936858
9	परिवहन भत्ता	1693776	1524653
10	धुलाई भत्ता	5000	300
11	चिकित्सा दावों की प्रतिपूर्ती	2473400	1037511
12	परियोजना भत्ता	54000	0
13	एलटीसी	437994	133099
14	पुस्तक भत्ता	9000	9000
15	ट्यूशन फी की प्रतिपूर्ती	545839	609071
.	भत्ते एवं बोनस का कुल योग	**22830731**	**12912450**
16	अर्जित छुट्टी का नकदीकरण	1215151	767445
17	नई पेंशन के लिये योगदान	1414990	1970198
18	सेवानिवृत्त लाभ – प्रावधिक पेंशन	3643076	3682879
19	छुट्टी नकदीकरण, पेंशन एवं ग्रैचुइटी के लिए प्रावधान	3138441	0
20	भुगतान किया गया जीपीएफ ब्याज	0	31210
.	वेतन व भत्ता का कुल योग	**55159428**	**41141413**

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान

आई व ई खाते के वर्ष 2018-19 के लिए स्थिर आस्तियों का विवरण

क्र.	विवरण	2018-19	2017-18
1	भूमि व भवन	34026773	479040
2	कंप्युटर एवं पेरीफेरल्स्	1016262	4829666
3	संयंत्र और मशीने	3356710	2935544
4	कार्यालय उपस्कर	1964975	1184072
5	मोटार वाहन	0	0
6	फर्नीचर एवं फिक्स्चर	3928898	3876891
7	पुस्तकालय की पुस्तकें	237602	211960
	कुल	**44531220**	**13517173**

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नई

आर व पी खाते के वर्ष 2018-19 के लिए स्थिर आस्तियों का विवरण

क्र.	विवरण	2018-19	2017-18
1	भूमि व भवन	2481059	479040
2	कंप्युटर एवं पेरीफेरल्स्	1016262	4829666
3	संयंत्र और मशीने	3356710	2935544
4	कार्यालय उपस्कर	1964975	1184072
5	मोटार वाहन	0	0
6	फर्नीचर एवं फिक्स्चर	3928898	3876891
7	पुस्तकालय की पुस्तकें	237602	211960
	कुल	**12985506**	**13517173**

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नई
रसीद तथा भुगतान खाते का प्रशासनिक खर्च का विवरण

क्र.	विवरण	2018-19	2017-18
1	समर्थन सेवाएँ सुरक्षा एवं सफाई	17212722	18311444
2	यात्र एवं परिवहन खर्च	4411425	2438971
3	वाहन किराया व्यय	9208375	4137703
4	टेलीफोन एवं पोस्टेज खर्च	239617	281020
5	प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	950191	704339
6	विज्ञापन एवं प्रचार	2670603	3811304
7	आतिथेय	14532	15643
8	बिजली खर्च	6081808	6525500
9	भवनों का मरम्मत व रखरखाव	6041146	3068426
10	टाटा सूमो का मरम्मत व रखरखाव	232180	128104
11	प्रकाशन एवं आवधिक पत्रिकाएँ	96130	76064
12	बैंक खर्च	108	12498
13	स्कूल बस का मरम्मत व रखरखाव	641133	432614
14	विवध खर्च	19291	40106
15	लेखापरीक्षण शुल्क	78470	150640
16	बीमा	143919	86104
17	वैध शुल्क	65205	23785
18	कम्प्यटरों का मरम्मत व रखरखाव	1660741	1201623
19	प्लांट व मशीनरी का मरम्मत व रखरखाव	2512192	1090578
20	जेनसेट का मरम्मत व रखरखाव	2252774	1732863
21	कार्यालय उपकरणों का मरम्मत व रखरखाव	439511	515614
22	गेस्ट हाउज़ का मरम्मत व रखरखाव	179115	215855
23	होस्टल का मरम्मत व रखरखाव	1440824	678459
24	फर्नीचर का मरम्मत व रखरखाव	0	0
	कुल	56592012	45679257

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नई
आय तथा व्यय खाते के अनुसूची 21 के अंतर्गत प्रशासनिक खर्च का विवरण

क्र..	विवरण	2018-19	2017-18
1	समर्थन सेवाएँ सुरक्षा एवं सफाई	17212722	18311444
2	यात्र एवं परिवहन खर्च	4409425	2438971
3	वाहन किराया व्यय	9208375	4137703
4	टेलीफोन एवं पोस्टेज खर्च	242105	283454
5	प्रिंटिंग व स्टेशनरी	950191	704339
6	विज्ञापन तथा प्रचार प्रसार	2670603	3811304
7	आतिथेय	14532	15643
8	बिजली खर्च	6081808	6525500
9	भवनों का मरम्मत व रखरखाव	6041146	3068426
10	टाट सुमो का आर व एम	232180	128104
11	प्रकाशन व अवैधिक पत्रिकाऐं	96130	76064
12	बैंक शुल्क	108	12498
13	स्कूल बस का अर व एम	641133	432614
14	विविध खर्च	19291	40106
15	लेखा परीक्षा शुल्क	78470	150640
16	बीमा	273492	245367
17	कानूनी शुल्क	65205	23785
18	कम्प्यटरों का मरम्मत व रखरखाव	1660741	1201623
19	प्लांट व मशीनरी का मरम्मत व रखरखाव	2512192	1090578
20	जेनसेट का मरम्मत व रखरखाव	2252774	1732863
21	कार्यालय उपकरणों का मरम्मत व रखरखाव	439511	515614
22	गेस्ट हाउज़ का मरम्मत व रखरखाव	179115	215855
23	होस्टल का मरम्मत व रखरखाव	1440824	678459
24	फर्नीचर का मरम्मत व रखरखाव	0	0
	कुल	56722073	45840954

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान, चेन्नई
अनुसूची 20 ए के अंतर्गत कार्यक्रम व सेवाओं पर खर्च का विवरण.

क्र.	विवरण	2018-19	2017-18
1	मानव संसाधन विकास		
	दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम	10097324	4817615.10
	अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम	14363122	11618771
2	अनुसंधान एवं विकास	0	0
3	सेवा नमूनों का विकास	24554421	18840428
4	जागरूकता सृजन कार्यक्रम	3406358	2372153
5	एचआरडी – सेवाओं का विस्तारण	3841953	7075977
6	एचआरडी –आईसीसीई 2018	0	130924
7	एचआरडी सेवाएँ	3612065	3271520
8	जागरूकता सृजन कार्यक्रम	480900	0
9	एचआरडी – राष्ट्रीय अभिभावक बैठक	29342	946831
9	आंतरिक उपार्जित भुगतान	0	0
10	एससी – कार्यक्रम खर्च	11614000	7387000
11	एसटी– कार्यक्रम खर्च	8286500	3295000
10	दवाइयाँ खाता	1509456	1541644
	कुल	81795441.00	61297863.10

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई

वर्ष 2018-19 के लिए आर व पी खाते के कार्यक्रम एवं सेवा व्यय का विवरण

क्र.	विवरण	2018-19	2017-18
	मानव संसाधन विकास		
1	दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम	10097324.00	10991849.00
2	अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम	14363122.00	4817615.10
3	अनुसंधान एवं विकास	0.00	0.00
4	सेवा नमूनों का विकास	24554421.00	18840428.00
5	एचआरडी - सेवाओं का विस्तारण	3841953.00	7075977.00
6	एचआरडी -आईसीसीई 2018	0.00	130924.00
7	एचआरडी सेवाएँ	3612065.00	3271520.00
8	जागरूकता सृजन कार्यक्रम	480900.00	0.00
9	एचआरडी - राष्ट्रीय अभिभावक बैठक	29342.00	946831.00
10	एससी - कार्यक्रम खर्च	0.00	4314000.00
11	एसटी- कार्यक्रम खर्च	0.00	4722000.00
12	एचआरडी दवाइयाँ	1509456.00	1541644.00
13	एचआरडी जागरूकता सृजन	3406358.00	2372153.00
	कुल	61894941.00	59024941.10

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई

वर्ष 2018-19 के लिए आर व पी खाते के वेतन व भत्तों का विवरण

क्र	विवरण	2018-19	2017-18
1	वेतन खाता	22685759	21581659
2	ग्रेड वेतन	0	0
3	नॉन प्रैक्टीसिंग वेतन	231280	185260
4	व्यक्तिगत वेतन	0	10312
.	वेतन का कुल योग	22917039	21777231
5	समाचार पत्र भत्ता	61447	48717
6	घर किराया भत्ता	3271327	2533678
7	कंट्राक्चुवल स्टाफ को पारिश्रमिक	12451852	6079563
8	महंगाई भत्ता	1827096	936858
9	परिवहन भत्ता	1693776	1524653
10	धुलाई भत्ता	5000	300
11	चिकित्सा दावों की प्रतिपूर्ती	2473400	1037511
12	परियोजना भत्ता	54000	0
13	एलटीसी	437994	133099
14	पुस्तक भत्ता	9000	9000
15	ट्यूशन फी की प्रतिपूर्ती	545839	609071
.	भत्ते एवं बोनस का कुल योग	22830731	12912450
16	अर्जित छुट्टी का नकदीकरण	1215151	767445
17	नई पेंशन के लिये योगदान	1414990	1970198
18	सेवानिवृत्त लाभ - प्रावधिक पेंशन	3643076	3682879
19	छुट्टी नकदीकरण, पेंशन एवं ग्रैचुइटी के लिए प्रावधान	0	0
20	भुगतान किया गया जीपीएफ ब्याज	0	31210
.	वेतन व भत्ता का कुल योग	52020987	41141413

राष्ट्रीय बहुदिव्यांग व्यक्ति साधिकारिता संस्थान, चेन्नई

31.3.2019 को स्टाफ को भुगतान अग्रिम और बकाया अग्रिम का विवरण

क्र.	नाम व पदनाम	प्रयोजन	1.4.2018 को शेष	31.3.2019 को शेष	वसूली	31.3.2019 को शेष
	श्री / श्रीमती					
1	आईजी अनुसुया, आरओ.	मोटार साइकिल अग्रिम.	8000		4800	3200
2	पी ऐंजिलीना गोल्डा एटीपीओ	मोटार साइकिल अग्रिम.	8000		4800	3200
3	सुश्री सोभियावाणी, स्पे टीचर	मोटार साइकिल अग्रिम.	14500		6000	8500
	कुल		**30500**		**15600**	**14900**
4	देवेन्द्र प्रसाद, आरओ	कंप्युटर अग्रिम.	14500		6000	8500
5	एस.कृष्णमूर्ती, प्योन	कंप्युटर अग्रिम.	2500		2500	0
	कुल		**17000**		**8500**	**8500**
6	डॉ.नीरधा चंद्रमोहन	एलटीसी अग्रिम	20300	0	20300	0
	कुल		**20300**	**0**	**20300**	**0**
7	नचिकेता राउत, एसोसिएट प्रो।	टीए अग्रिम	8000	0	8000	0
8	डॉ.नीरधा चंद्रमोहन	टीए अग्रिम	6000	0	6000	0
	कुल		**14000**	**0**	**14000**	**0**
9	डॉ.नीरधा चंद्रमोहन	एलटीसी अग्रिम	20300	0	20300	0
	कुल		**20300**	**0**	**20300**	**0**
10	श्रीप्रभाकांत त्रिपाठी, एएसपीओ	अस्थायी अग्रिम	**60000**	**0**	**60000**	**0**
11	डॉ.एस.कला, व्याख्याता	अस्थायी अग्रिम	**0**	**20000**	**0**	**20000**
12	श्री यु.रमेश कुमार, पीईटी	अस्थायी अग्रिम	**0**	**12000**	**0**	**12000**
13	श्री वेट्रीवेल राजा, आर.ओ.	अस्थायी अग्रिम	**0**	**5500**	**0**	**5500**
14	सुश्री शोबा ओडुवनर, व्याख्याता	अस्थायी अग्रिम	**0**	**30000**	**0**	**30000**
15	सुश्री सोभियावाणी, स्पे टीचर	अस्थायी अग्रिम	**0**	**12000**	**0**	**12000**
16	सुश्री गायत्रीपति, आरओ	अस्थायी अग्रिम	**0**	**27500**	**0**	**27500**
17	श्री मतिवनन, असि.प्रोफेसर	अस्थायी अग्रिम	**0**	**6000**	**0**	**6000**
18	श्री रमेश कुमार पांडे, डैर	अस्थायी अग्रिम	**0**	**153000**	**0**	**153000**
	कुल		**60000**	**266000**	**60000**	**266000**

दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड के वर्ष 2018-19 के वार्षिक लेखें

वित्तीय विवरण का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)			
संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र कोझिकोड			
31 मार्च 31 2019 को तुलन पत्र			
कार्पस पूँजी निधि और दायित्व	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
कार्पस / पूँजी निधि	1	8115408.87	**8928716.87**
परिरक्षित और अधिशेष	2	0	0
उद्दिष्ट / धर्मदाय निधियाँ	3	0	199478.00
प्रतिभूत ऋण एवं उधार राशियाँ	4	0	0
अप्रतिभूत ऋण एवं उधार राशियाँ	5	0	0
अस्थगित जमादेनदारियाँ	6	0	0
चालू देनदारियाँ एवं प्रवधान	7	**156493408.75**	**75244694.50**
कुल		**164608817.62**	**84372889.37**
आस्तियाँ			
स्थिर आस्तियाँ	8	3062429.75	3328915.75
जोडें आस्तियों में पूर्वावधि समायोजन		0	0
उद्दिष्ट धर्मादाय निधियों से निवेश	9	0	0
अन्य निवेश	10	0	0
वर्तमान आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	11	161546387.87	81043973.62
विविध खर्च		0	0
बट्टे खाते या समायोजित न किये जाने की सीमा तक		0	0
कुल		**164608817.62**	**84372889.37**
उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ	24		
फुटकर देनदारियाँ और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वितीय विवरण का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)			
संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र कोझिकोड			
31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय खाता			
आय	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
विक्रय / सेवाओं से आय	12		0
अनुदान व आर्थिक सहायता	13	**17439835.75**	14512387.50
फीस / चंदे	14	750765.00	2395120.00
निवेशों से आय (उद्‌दिष्ट / धर्मदाय निधियों से आंतरित निधियाँ	15	0	0
रायल्टी, प्रकाशनों, आदि से आय	16	0	0
अर्जित ब्याज	17	0	0
अन्य आय	18	1762019.00	970349.00
तैयार माल में बढाव या घटाव एवं प्रगति पर कार्य	19	0	0
		19952619.75	17877856.50
व्यय			
कार्यक्रम व सेवाओं पर व्यय	20	1345376.75	928080.00
स्थापना व्यय	20A	13764202.00	12956237.00
अन्य कार्यक्रम व्यय	20B	0	0
अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि	21	4843041.00	3993539.50
अनुदान / आर्थिक सहायता, सब्सिडी पर व्यय	22	0	0
ब्याज	23	0	0
मूल्यहास, अनुसूची 8 के अनुरूप वर्ष के अंत तक निवल योग		813308.00	458165.10
सीपीडब्ल्युडी के साथ जमा		0	0
आकस्मिक देयताएँ		0	0
कुल बी		20765927.75	18336021.60
व्यय के ऊपर अधिक आय के रूप में शेष राशि ए-बी		-813308.00	-458165.10
विशेष रिजर्व को आंतरित, स्पेष्ट करें			
जनरल रिजर्व से या को आं			
आधिशेष के रूप में (डिफिसिट) शेष राशि		-813308.00	-458165.10
कार्पस पूँजी निधि को ले / जाया गया			
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखों पर फुटकर देयताएँ और टिप्पणियाँ	25		

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए प्राप्तियाँ व भुगतान खाता

क्र	रसदी	2018-19	2017-18	क्र	भुगतान	2018-19	2017-18
1.	सीआरसी मुख्य खाता	15512673.62	6301670.12	1	वेतन	13771882.00	14586273.00
2.	एनआईईपीएमडी के साथ शेष राशि	0	0	2	स्थिर आस्तियाँ	528537.00	1079518.00
3.	एनआईईपीएमडी से प्राप्तियाँ	0	935027.00	3	ऋण व अग्रिम	82908389.00	1416699.00
5.	अकादमिक शुल्क	888200.00	2395120.00	4	प्रशासनिक खर्च	3742493.00	1986925.00
6.	अन्य प्राप्तियाँ	1750291.00	1253163.00	5	वर्तमान तथा सांविधिक देयताएँ	6380757.00	977142.00
7.	ऋण व अग्रिम वसूलियाँ	260673.25	162611.00	6	विविध भुगतान	935.00	4650.00
8.	विविध	83165.00	2313.50				
9.	सहायता अनुदान	101500000.00	21599478.00				
10.	वर्तमान तथा सांविधिक देयताएँ	3410378.00	2914498.00				
		0			**अंतिम शेष राशि**	**16072387.87**	**15512673.62**
		0					
		123405380.87	**35563880.62**			107332993.00	**35563880.62**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप(गैरलाभकारी संगठन) संगठन का नाम समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड 31 मार्च को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ राशि रुपयों में				
	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
अनुसूची 1, कार्पस व पूँजी निधि आदि शेष	8928716.87		9386881.97	
एनआईईपीएमडी से आंतरित शेष राशि				
जोडे या घटाएँ, आय / व्यय आय तथा व्यय खाते के निवल शेष जोडें	-813308.00	8115408.87	-458165.10	8928716.87
वर्ष के अंत को शेष राशि		**8115408.87**		**8928716.87**
अनुसूची 2 रिजर्व एवं सरप्लस 1.पूँजी रिजर्व वर्ष के दौरान जोडे गये वर्ष के दौरान घाटे निकालें 2.पुनर्मूल्यांकित रिजर्व पिछले खाते के अनुसार वर्ष के दौरान जोड वर्ष के दौरान घाटे निकालें 3. विशेष रिजर्व : पिछले खाते के अनुसार वर्ष के दौरान जोड वर्ष के दौरान घाटे निकालें 4. साधारण रिजर्व: वर्ष के दौरान जोड वर्ष के दौरान घाटे निकालें	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप(गैरलाभकारी संगठन)

संगठन का नाम समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड

31 मार्च को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुसूची 3 उद्दिष्ट व धर्मादाय निधियाँ एडिप व कौशल विकास योचजना		
(a) आदिशेष	199478.00	5775000.00
(b) निधियों को जोड:		
(i) सहायता अनुदान	8774000.00	199478.00
(ii) अन्य जोड		NIL
कुल (a+b)	**8973478.00**	**5974478.00**
(c) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोगिता व व्यय		
(i) पूँजी व्यय		शून्य
-स्थिर आस्तियाँ		शून्य
-अन्य		शून्य
-कुल।		
(ii) राजस्व व्यय सब्सिडरी खातों को आंतरित राशि	8973478.00	5775000.00
-उपभोज्य की खरीदी		शून्य
-वेतन मजदूर व भत्ते आदि		शून्य
-किराया		शून्य
-अन्य प्रशासनिक खर्च		शून्य
-कुल		शून्य
		शून्य
कुल (c)	**8973478.00**	**5775000.00**
वर्ष के अंत तक निवल शेष राशि **(a+b-c)**	**0.00**	**199478.00**

टिप्पणियाँ

1) अनुदानों से जुड़ी शर्तों के आधार पर संबंधित शीर्षों के आधार पर प्रकट किए जाएंगे
2) केंद्र राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधि को अलग निधि के रूप में दिखाया जाना चाहिए और किसी अन्य निधि के साथ नहीं मिलाया / जाना चाहिए

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप(गैरलाभकारी संगठन) संगठन का नाम समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड 31 मार्च को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ राशि रुपयों में				
अनुसूची 4 सुरक्षित ऋण व उधार	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
1. केन्द्र सरकार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2. राज्य सरकार, उल्लेख करें	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3. वित्तीय संस्थान				
(a) मियादी जमा				
(b) उपचित ब्याज व देय				
4. बैंक	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(a) मियादी ऋण				
-उपचित ब्याज तथा देय				
(b) अन्य ऋण, उल्लेख करें				
-उपचित ब्याज तथा देय				
5. अन्य संस्थान व एजंसियों	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
6. डिबेंचर व बाँड	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
7. अन्य, उल्लेख करें				
कुल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

टिप्पणी - एक वर्ष के भीतर देय राशि

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ
राशि रुपयों में

अनुसूची 5 असुरक्षित ऋण व उधार	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. केन्द्र सरकार 2. राज्य सरकार उल्लेख करें 3. वित्तीय संस्थान 4. बैंक a. मियादा ऋण b. अन्य ऋण उल्लेख करें 5. अन्य संस्थान एवं बाँड 6. डिबेंचर एवं बाँड 7. स्थिर जमा 8. अन्य उल्लेख करें	शून्य	शून्य
कुल	शून्य	शून्य
नोट एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 आस्थगित ऋण व देयताएँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
a) पूँजीगत उपकरणों व अन्य आस्तियों के हाइपोथिकेशन द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियाँ b) अन्य	शून्य	शून्य
कुल	शून्य	शून्य

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
	राशि रुपयों में	
अनुसूची 7 वर्तमान देयताएँ व प्रावधान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
(A) वर्तमान दायित्व		
1. स्वीकृतियाँ	0	0
2. संड्री क्रेडटार		
(a) माल के लिए	0	0
(b) अन्य काशन रकम जमा	0	0
3. प्राप्त अग्रिम	0	0
4. उपचित ब्याज पर देय नहीं	0	
(a) सुरक्षित ऋण एवं उधार	0	0
(b) असुरक्षित ऋण एवं उधार	0	0
5. सांविधिक दायित्व	0	
(a) अन्य सहायता अनुदान आरसीआई खाता	0	0
(b) 31.3.2019 को शेष राशि अव्ययित अनुदान सीपीडब्ल्युडी	145474000.00	6,5474000.00
अव्ययित अनुदान सीआरसीके	10947776.75	6887612.50
(c) नई पेंशन योजना	57772.00	2869222.00
(d) प्रोफेशनल कर	13860.00	13860.00
6. अन्य वर्तमान दायित्व	0	0
7. विद्यार्थी छात्रवृत्ति खाता	0	0
8. पेंशन ग्रेचुइटी दायित्व	0	0
9. छात्रवृत्ति सहायता अनुदान खाता	0	0
10. सेवा ग्रेचुइटी	0	0
कुल **(A)**	**156493408.75**	**75244694.50**
B. प्रावधान		
1. टैक्सेशन के लिए	0	0
2. ग्रैचुइटी	0	0
3. सेवानिवृत्ति,पेंशन तथा ग्रेचुइटी भुगतान योग्य	0	0
4. संचित छुट्टी नकदीकरण	0	0
5. व्यापार वारंटी व दावे	0	0
6. अन्य उल्लेख करें, लेखा परीक्षण शुल्क देय	0	0
कुल **(B)**	**0**	**0**
कुल **(A+B)**	**151467840.75**	**75244694.50**

ह/- ह/-

प्रशासन अधिकारी निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 8 स्थिर आस्तियाँ

	विवरण	ग्रासब्लाक			मूल्य ह्रास			के लिए			
		वर्ष के आरंभ में लागत व मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत को लागत व मूल्य	वर्ष के आरंभ को	आदि में और वर्ष 2018-19 में जोडे गये	वर्ष तक कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक कुल	वर्तमान वर्ष के अंत को	गत वर्ष के अंत को
	1	*2*	*3*	*4*	*5(2+3-4)*	*6*	*7*	*8*	*9 (6+7-8)*	*10 (5-9)*	*11*
A	स्थिर आस्तियाँ	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	भूमि	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	a)पट्टेपर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	भवन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	a)फ्रीहोल्ड भूमि पर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	b)पट्टे भूमि पर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	c)स्वामित्व फ्लैट व परिसर जो संगठन की नहीं हैं	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	प्लांट मशीनरी व उपकरण	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
4	वाहन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

5	फर्नीचर एवं फिक्स्चर	896234.55		0	896234.55	0	101396.00	0	101396.00	794838.55	896234.55
6	कार्यालय उपकरण	69622.20	8099.00	0	77721.2	0	8748.00	0	8748.00	68973.20	69622.20
7	कंप्युटर पेरीफेरल	707028.30	222899.00	0	929927.30	0	211862.00	0	211862.00	718065.30	707028.30
8	लैब उपकरण	1656030.7	10600.00	0	1666630.70	0	203107.00	0	203107.00	1463523.70	1656030.70
9	पुस्तकलाय की पुस्तकें	0	287299.00	0	287299.00	0	287299.00	0	287299.00	0	0
10	ट्यूब वेल एवं पानी आपूर्ती	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
11	अन्य स्थिर आस्तियाँ	0	17925.00	0	17925.00	0	896.00	0	896.00	17029.00	0
	वर्तमान वर के कुल	**3328915.75**	**546822.00**	**0**	**3875737.75**	**0**	**813308.00**	**0**	**813308.00**	**3062429.75**	**3328915.75**
	गत वर्ष	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
B	पूँजी कार्य प्रगति पर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
टिप्पणी किराये पर आस्तियों का लागत उपरोक्त में शामिल है											

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 9 उद्दिष्ट तथा धर्मादाय निधियों से निवेश	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. सरकारी सेक्युरिटीयों में 2. अन्य अनुमोदित सेक्युरिटीयों में 3. शेयर 4. डिबेंचर एवं बाँड 5. सब्सिडरियों एवं जाइंट वेंचर 6. अन्य स्पष्ट करें	**शून्य**	**शून्य**
कुल	शून्य	शून्य

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 10 अन्य निवेश	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. सरकारी सेक्युरिटीयों में 2. अन्य अनुमोदित सेक्युरिटीयों में 3. शेयर 4. डिबेंचर एवं बाँड 5. सब्सिडरियों एवं जाइंट वेंचर 6. अन्य स्पष्ट करें	**शून्य**	**शून्य**
कुल	शून्य	शून्य

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन				
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड				
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ				
अनुसूची 11 वर्तमान आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
A. वर्तमान आस्तियाँ 1. इंवंटरियाँ a) स्टोर्स् व स्पेयर्स् b) लूज टूल्स c) स्टाक इन ट्रेड 2. संड्री डेटार्स a) छ महीनों से अधिक अवधि केलिए बकाया ऋण b) अन्य 3. हाथ रोकड शेष 4. बैंक रोक़ड • अनुसूचित बैंकों में - चालू खाताओं में सीआरसी के मुख्य खाता - **प्राप्तयोग्य अनुदान** - एनआईईपीएमडी में सीआरसी खाता • गैर अनुसूचित बैंकों में 5. डाक घर बचत खाता	16072387.87 0 0	16072387.87	10012673.62 5500000.00 0.00	15512673.62
कुल **(A)**		**16072387.87**		**15512673.62**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम - दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में बनी अनुसूचियाँ

अनुसूची 11 वर्तमान आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष		गत वर्ष	
B. ऋण अग्रिम व अन्य आस्तियाँ 1.ऋण a) स्टाफ b) अन्य संस्थान c) अन्य उल्लेख करें, सीपीडब्ल्यु के साथ अग्रिम 2. अग्रिम तथा अन्य वसूली योग्य नकद या अन्य या प्राप्त करने योग्य का मूल्य a) पूँजी खाता b) सीपीडब्ल्यु के साथ अग्रिम c) अन्य 3. उपचयी ब्याज a) उद्दिष्ट व धर्मादाय निधियों पर निवेश b) अन्य निवेशों पर c) ऋण व अग्रिम पर d) अन्य 4. प्राप्त योग्य दावे	145474000.00 0	145474000.00	65474000.00 57300.00	65531300.00
कुल (B)		**145474000.00**		**65531300.00**
कुल A+B		**161546387.87**		**81043973.62**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप(गैरलाभकारी संगठन) संगठन का नाम समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड 31 मार्च को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 12 बिक्री व सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. **बिक्रि से आय** 2. **बिक्री व सेवाओं से आय**	शून्य	शून्य
कुल	शून्य	शून्य

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 13 अनुदान व सब्सिडी	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अचल अनुदान एवं सब्सिडी प्राप्त 1) **केन्द्र सरकार** 2) **राज्य सरकार** 3) **सरकारी एजंसियाँ** 4) **संस्थानों व कल्याण निकाय** 5) **अंतर्राष्ट्रीय संगठन** 6) **पिछले वर्ष के अप्रयुक्त अनुदान** (-) **पूँजी अनुदान** **कुल अनुदान** तत्समान अनुदान= कुल व्यय- आंतरिक आय(19952619.75-2512784.00=17439835.75)	101500000.00 6887612.50 80000000.00 28387612.50	21400000.00
मैंचिंग अनुदान आई व ई को आंतरण	**17439835.75**	**14512387.50**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 14 शुल्क व अंशदान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. प्रवेश शुल्क		
2. पाठ्यक्रम शुल्क , डिप्लोमा, डिग्री, पीजी तथा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, ट्यूशन फी तथा परीक्षा शुल्क	750765.00	2395120.00
3. प्रवेश शुल्क		
4. वार्षिक शुल्क व अंशदान		
5. सेमिनार, कार्यक्रम शुल्क, पंजीकरण शुल्क		
6. परामर्शी शुल्क		
7. अन्य, स्पष्ट करें		
कुल	**750765.00**	**2395120.00**

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन				
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड				
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ				
अनुसूची 15 निवेशों से आय	से निवेश		अन्य निवेश	
<u>उद्दिष्ट व धर्मादाय निधियों से निवेश पर आय से निधियों को आंतरित</u>	उद्दिष्ट निधि			
	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
<u>1.ब्याज</u> a. सरकारी सेक्यरिटियों पर b. अन्य बाँड व डिबंचर <u>2.लाभांश</u> c. शेयर d. म्युचुवल फंड सेक्युरिटी पर 3) किराया 4) अन्य उल्लेख करें	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
कुल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 16 रायल्टी, प्रकाशन, आदि से आय	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. **रायल्टी से आय** 2. **प्रकाशनों से आय** 3. **अन्य उल्लेख करें**	**शून्य**	**शून्य**
कुल	शून्य	शून्य

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 17 अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. **मियादी जमाओं पर** 2. **बचत खातों पर** 3. **ऋणों पर** 4. **डेटरों एवं प्राप्तियों पर ब्याज**	**शून्य**	**शून्य**
कुल	शून्य	शून्य

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 18 अन्य आय	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1) **आस्तियों की बिक्री व निपटान से लाभ**		
a) **स्वामित्व आस्तियाँ**		
b) **अनुदानों या मुफ्त में प्राप्त आस्तियाँ**		
2) **कार्योत्तर प्रोत्साहन वसूली**		
3) **शुल्य या यूजर शुल्क**		
4) **प्रतिदाय**		
5) **विविध आय**	1762019.00	970349.00
कुल	**1762019.00**	**970349.00**

अनुसूची 19 पूरी हुई मालों एवं प्रगति पर कार्य के स्टाक के बढ़ाव या घटाव	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
a) अंतिम स्टाक		
- पूरी हुई माल	**शून्य**	**शून्य**
- प्रगति पर कार्य		
b)घटाएँ प्रारंभ स्टाक		
- पूरी हुई माल		
- प्रगति पर कार्य		
निवल बढाव या घटाव [a-b]	शून्य	शून्य

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 20 कार्यक्रम व सेवाओं पर व्यय	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1) एसटीटीपी कार्यक्रम	1345376.75	928080.00
कुल	**1345376.75**	**928080.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

अनुसूची 20ए स्थापना खर्च		
a) वेतन व मजदूर	12739963.00	11984291.00
b) अन्य निधि को योगदान नियोक्ता योगदान	1024239.00	971946.00
	13764202.00	**12956237.00**

अनुसूची 20बी अन्य कार्यक्रम खर्च		
अन्य कार्यक्रम खर्च	शून्य	शून्य
	शून्य	शून्य

वितीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 21 अन्य प्रशासनिक खर्च, आदि	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. समर्थन सेवाओं पर व्यय	**0**	**0**
2. बिजली व शक्ति	**0**	**0**
3. बीमा	**0**	**0**
4. भवन का मरम्मत एवं निर्वहण	**0**	**0**
5. कार्यालय उपकरणों का मरम्मत व निर्वहण	**1607.00**	**53300.00**
6. वाहन बाढा खर्च	**471414.00**	**377880.00**
7. स्कूल बस मरम्मत एवं निर्वहण	**0**	**0**
8. मानदेय	**21344.00**	**238803.00**
9. पोस्टेज एवं टेलीफोन खर्च	**48704.00**	**60214.00**
10. प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	**72762.00**	**172151.00**
11. यात्रा व परिवहन खर्च	**984955.00**	**539992.00**
12. लेखापरीक्षा पारीश्रमी	**0**	**0**
13. मरम्मत व निर्वहण,प्लांट व मशीनरी	**0**	**0**
14. विज्ञापन व प्रचार	**6016.00**	**389584.00**
15. कंप्युटरों का मरम्मत एवं रखरखाव	**0**	**0**
16. कंट्राक्ट स्टाफ को भुगतान	**2239235.00**	**1345126.00**
17. विविध खर्च	**106500.00**	**24000.00**
18. फर्नीचर का आर व एम	**0**	**0**
19. आतिथेय खर्च	**0**	**0**
20. आकस्मिक खर्च	**170504.00**	**71852.00**
21. प्रकाशन एवं पत्रिकाएँ	**0**	**0**
22. बैंक शुल्क	**0**	**637.50**
23. भवन का किराया	**720000.00**	**720000.00**
कुल	**4843041.00**	**3993539.50**

ह/- ह/-

प्रशासन अधिकारी निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 22 अनुदानों व सब्सिडी पर खर्च	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
a) संस्थानों व संगठनों को दिये गये अनुदान b) संस्थानों व संगठनों को दिये गये सब्सिडी	शून्य	शून्य
	शून्य	शून्य
टिप्पणी संगठनों के नाम, उनके क्रियाकलाप अनुदान व सबसिडी राशि सहित दर्शाना चाहिए		

वित्तीय विवरणों का प्रारूप गैर लाभकारी संगठन		
संगठन का नाम दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड		
31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ		
अनुसूची 23 ब्याज	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
a) स्थिर ऋणों पर **b)** अन्य ऋणों पर, बैंक शुल्क सहित **c)** अन्य उल्लेख करें	शून्य	शून्य
कुल	**NIL**	**NIL**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वर्ष 2018-19 के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल विकास, पुनर्वास एवं साधिकारिता के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड के वार्षिख लेखें

लेखांकन नीतियाँ

अनुसूची 24

लेखों के सही बहियों का सही रखरखाव के लिए वर्ष 19-2018से और तत्पश्चात् अनुपालन करने के लिए निम्न लिखित से संबंधित संस्थान की लेखा नीतियाँ।

a) उन तमाम प्राप्त व खर्च की गई राशि और उन मामलों के संबंध में जो प्राप्तियाँ और व्यय हुए हों;
b) राजस्व /प्राप्त आय/वसूली योग्य और अदा की गई/अदा की जाने वाली तमाम राशियाँ
c) मालों के तमाम विक्रय और खरीदारियाँ, और
d) सभी आस्तियाँ और देयताएँ, संस्थान के मामलों के सही और स्पष्ट परिदृष्य के लिए।

1. संस्थान के खातों की पुस्तकें अपचय आधार पर रखी गई हैं नियमित कर्मचारियों के वेतन और भत्ते), सेवानिवृत्ति लाभ, शिक्षण शुल्क की रसीदें, सरकारी अनुदान का लेखा और ग्राहकों को दवाइयों की खरीद, को छोड़कर)। उन्हें नकद आधार पर लेखांकित किया गया है। इन्हें नकद आधार के रूप में माना जाता हैइसकी आवश्यक सुविधाओं (अर्थात् (क) नकद प्राप्त हुई हो या नहीं, राजस्व को मान्यता दी जाती है, और)b) ऐसे राज्सव को व्यय के साथ जोडा जाता है, की आवश्यक पक्षों की उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।
2. चूँकि लेखा बहियों को उपचय आधार पर रखा गया है (नियमित स्टाफ के वेतन व भत्तें, सेवानिवृत्त लाभ, ट्यूशन फी की प्राप्ति, सरकारी अनुदानों का लेखांकन तथा क्लाइंटों के लिए दवाइयों की खरीदी को छोडकर) अतः इन्हें नकद आधार पर लेखांकन किया गया है, इसके लिए अंतिम तथि 15 अप्रैल रखा गया है।
3. संस्थान की लेखा बहियों को डबल एंट्री सिस्टम आफ बुक कीपिंग के अनुसार रखा जाएगा।
4. उचित पहचान तथा रखरखाव के लिए लेखा शीर्षों का कोडीकरण करना चाहिए।
5. संस्थान के लेखा विवरण निम्नलिखित प्रारूप में तैयार करना चाहिए।
   I. रसीद तथा भुगतान खाता वर्ष 2018-19 के लिए
   II. आय तथा व्यय खाता वर्ष 2018-19 के लिए
   III. 31 मार्च 2019 को तुलन पत्र

<u>स्पष्टीकरण</u>

i) रसीद तथा भुगतान खाता
   क) समस्त वास्तविक प्राप्तियाँ लेखागत की गई हैं
   ख) समस्त वास्तविक भुगतान लेखागत की गई हैं
ii) आय तथा व्यय खाता
   वास्तविक प्राप्तियों और भुगतानों के प्रत्येक मद को हिसाब के अलावा, उपचित आय और बकाया बडी देयताओं के उचित प्रस्तुतीकरण के लिए प्रत्येक लेखाशीर्ष में उन्हें और आय तथा व्यय की समग्र स्थिति जानना है।

iii) 31 मार्च तक की तुलन पत्र की स्थिति

देयताएँ	आस्तियाँ
1) पूँजी	1) मूल्यह्रास घटाकर नियत आस्तियाँ
2) परिरक्षित निधियाँ	2) निवेश राशियाँ
3) प्रतिभूति ऋण	3) चालू आस्तियाँ,ऋण एवं अग्रिम
4) अप्रतिभूति ऋण	4) विविध व्यय (बट्टे खाते में नहीं डालने की सीमा तक)
5) चालू देयताएँ	5) आय तथा व्यय खाता

नोट: लेखों के अंग के रूप में अनुसूचियाँ को आवश्यकतानुसार तैयार करके संलग्न किया जाए।

6. मूल्यह्रास का प्रावधान करते समय निम्नलिखित मार्गदर्शनों का अनुसरण करना होगा :

i) 1.4.2018 को या तत्पश्चात् प्राप्त किये आस्तियों पर वार्षिक आधार पर मूल्यह्रास प्रदान करना।

ii) लिखे गये मूल्य प्रकार (रिटन डाउन वैल्यु मेथड) की पद्धति को अपनाना।

iii) वित्त वर्ष के दौरान हासिल किये आस्तियों के लिए निर्धारित प्रतिशत में पूर्ण मूल्यह्रास का हिसाब लगाया गया। अक्तूबर से लेकर फरवरी तक हासिल की गई आस्तियों पर 50% की निर्धारित प्रतिशत के हिसाब से मूल्यह्रास लगाया गया। मार्च में हासिल आस्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं है।

iv) प्रत्येक आस्ती का जीवनकाल तथा रिटन के अंतर्गत मूल्यह्रास का दर निम्नलिखित है-

क)	भूमि	: कोई मूल्यह्रास नहीं है।
ख)	भवन	: जीवनकाल के 50 वर्ष - 2 % मूल्यह्रास
ग)	संयंत्र, मशीनरी व उपकरण	: 10 वर्ष - 10 %मूल्यह्रास
घ)	वाहन	: 6 वर्ष - 15 %मूल्यह्रास
ङ)	फर्नीचर तथा फिक्स्चर	: 10 वर्ष - 10 %मूल्यह्रास
च)	कार्यालय उपकरण	: 10 वर्ष - 10 %मूल्यह्रास
छ)	कम्प्युटर एवं पेरीफेरल्स्	: 5 वर्ष - 20%मूल्यह्रास
ज)	पुस्तकालय पुस्तकें	: कोई जीवन काल नहीं - 100 %मूल्यह्रास

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल विकास, पुनर्वास एवं साधिकारिता के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, कोझिकोड

वार्षिक लेखों की अंग बनी टिप्पणियाँ

अनुसूची 25

1. केन्द्रीय स्वायत्त निकायों (गैर-लाभकारी संगठन और ऐसे संगठनों) के लिए वित्तीय विवरणियों के प्रारूप में वार्षिक लेखें बनाये गये हैं-
   क) 31.3.2019 तक तुलन पत्र
   ख) वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता
   ग) प्रारूप के अनुसार 1-25 अनुसूचियाँ
   घ) वर्ष 2018-19 के लिए प्राप्तियाँ तथा भुगतान खाता

   लेखा बहियों को उपचय आधार पर तैयार किया गया है, (नियमित वेतन व भत्ता, सेवानिवृत्त लाभ, ट्यूशन फी की प्राप्तियाँ, सरकारी अनुदानों के लेख तथा क्लाईंटों के लिए दवाईयों की खरीददारी के सिवाय), इनका नकदी आधार पर हिसाब किया गया है।
2. रिटन डाउन वैल्यु पद्धति पर मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया।
3. प्रगति पर रही पूँजी कार्य को नियत आस्तियाँ, भवनों के रूप में हिसाब कियागया, वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान के नियमों के अनुसार मूल्यह्रास दिया गया है।
4. लेखा नीतियाँ बनायी गयी हैं, और अनुपालन किया जा रहा है।
5. कुल रु. 123405380.87 प्राप्तियों में से (जिसमें आदि शेष, सहायता अनुदान, विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अनुदान, जमा मैच्युरिटी ब्याज सहित, अन्य संगठनों से प्राप्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम तथा आंतरिक प्राप्तियाँ शामिल हैं), विभिन्न क्रियाकलापों पर रु. 107332993.00 खर्च किया गया और सीआरसी कोझिकोड बचत खाते में रु.16072387.87 शेष राशि बची।
6. वर्ष 2018-19 के लिए आस्तियों व भंडार की प्रत्यक्ष जाँच पूरी की गई।
7. मंत्रालय द्वारा दिये गये अनुदान के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया और कोई उपयोगिता प्रमाण पत्र लम्बित नहीं है।
8. आवश्यकतानुसार आंकडों को वर्गीकृत किया गया।

ह/-	ह/-
प्रशासन अधिकारी	निदेशक

वर्ष 2018-19 के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल विकास, पुनर्वास तथा साधिकारिता समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर के लेखें

वित्तीय विवरण प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)
संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर
तुलन पत्र 31 मार्च 2019

कार्पस / पूँजी निधि और दायित्वि	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
दायित्व			
कार्पस / पूँजी निधि	1	2757523.00	
परिरक्षित और अधिशेष	2	0.00	
उद्दिष्ट और धर्मदाय निधियाँ	3	0.00	
प्रतिभूत ऋण और उधार राशियाँ	4	398000.00	
अप्रतिभूत ऋण और उधार राशियाँ	5	0.00	
अस्थगित जमादेनदारियाँ	6	0.00	
चालू देनदारियाँ और प्रावधान	7	6767050.04	
कुल		**9922573.04**	**0.00**
आस्तियाँ			
स्थिर आस्तियाँ	8	3556020.00	
जोडें आस्तियों में पूर्वावधि समायोजन		461275.00	
उद्देष्ट / धर्मदाय से निवेश	9	0.00	
निवेश अन्य	10	0.00	
वर्तमान आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	11	5905278.04	
विविध व्यय			
(बट्टे खाते में या समायोजित नहीं किये गये सीमा तक)			
कुल		**9922573.04**	**0.00**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24	0	
फुटकर देनदारियाँ और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)
संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय खाता

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विक्रय / सेवाओं से आय	12	0.00	
अनुदान आर्थिक सहायता /	13	9405074.96	
फीस चंदे /	14	770075.00	
निवेशों से आय / उद्देश्ट) धर्मदाय निधियों से अंतरित निधियाँ(	15	0.00	
रायल्टी, प्रकाशनों, आदि से आय	16	0.00	
अर्जित ब्याज	17	130272.00	
अन्य आय	18	0.00	
तैयार मालों और चालू वर्ष कार्य में बढ़ाव घटाव /	19	0.00	
कुल (ए)		**10305421.96**	
व्यय			
कार्यक्रम व सेवाओं पर खर्च	20	1201772.00	
स्थापना खर्च	20A	7045003.00	
अन्य कार्यक्रम खर्च	20B	0.00	
अन्य प्रशासनिक खर्च, आदि	21	2058646.96	
अनुदान आर्थिक सहायता /, सब्सिडी पर व्यय	22	0.00	
ब्याज	23	0.00	
ह्रास वर्ष के अंत तक कुल नेट) - अनुसूची 8 के अनुरूप(	8	546405.00	
सीपीडब्ल्युडी में जमा			
आकस्मिक देयताएँ			
कुल (बी)		**10851826.96**	
व्यय के ऊपर अधिक आय का शेष राशि (बी-ए)		**-546405.00**	
स्पेशल रिजर्व का आंतरण			
सामान्य रिजर्व को से अंतरण /			
आधिशेष के रूप में (डिफिसिट) शेष राशि			
कार्पस पूँजी निधि को ले / जाया गया			
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखों पर फुटकर देयताएँ और टिप्पणियाँ	25		

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन) / वित्तीय विवरण प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए रसीद व भुगतान खाता

क्र.	रसीद	2018-19	2017-18	क्र.	भुगतान	2018-19	2017-18
1	आदिशेष	Nil		1	वेतन व मजदूर	7045003.00	
2	सहायता अनुदान	16320000.00	सहायता में कोई अनुदान नहीं	2	प्रशासनिक खर्च	2058080.56	सहायता में कोई अनुदान नहीं
3	सीआरसी नगपुर के आंतरिक उपचय से ऋण	398000.00	प्राप्त किया	3	एसटीटीटपी कार्यक्रम के लिए खर्च	831535.00	प्राप्त किया
4	बैंक ब्याज	128324.00	नागपुर में	4	अनावर्ती व्यय	3749124.00	नागपुर में
				5	आंतरिक उपचय		
5	आंतरिक उपचय :		2017-18 तक		(i) सीआरई कार्यक्रम	370237.00	2017-18 तक
	(i) प्रशिक्षण शुल्क, रु. 762700/-				(ii) अडमिन खर्च	283.20	
	(ii) बैंक ब्याज रु. 1759/-				(iii) मुख्य खाते को ऋण	398000.00	
	(iii) पंजीकरण शुल्क रु. 6500/-			6	सिपडा कौशल परियोजना		
	(iv) विविध रु. 875/-	771834.00			(i) बैंक खर्च	283.20	
6	सिपडा कौशल परियोजना						
	(i) प्राप्त जीआईए रु. 281249/-				**अंतिम शेष**		
	(ii) बैंक ब्याज रु. 189/-	281438.00			01. पंजाब नेशनल बैंक में शेष राशि, जीआईए मुख्य खाता	3162581.44	
					02. पंजाब नेशनल बैंक में शेष राशि, नागपुर आंतरिक उपचय.	3313.80	
					03 पंजाब नेशनल बैंक में शेष राशि नागपुर सिपडा खाता	281154.80	
	कुल	**17899596.00**			**कुल**	**17899596.00**	

इस शीट में ही सिपडा जोडे भेजने के बाद **0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 की अवधि को समाप्त ट्रायल बैलेंस

राशि रुपयों में

क्र.	डेबिट	राशि	क्र.	क्रेडिट	राशि
1	पीएनबी नागपुर में शेष राशि	3162581.44	1	पूँजी अनुदान रु.. 53.20 लाख सहित प्राप्त जीआईए	16320000.00
2	नकद रोकड	0.00	2	सीआरसी नागपुर को ऋण	398000.00
3	स्थिर आस्तियाँ		3	एस बी खाते में ब्याज	128324.00
(i)	प्लांट मशीनरी एवं एक्विपमेंट	189398.00			
(ii)	कार्यालय उपकरण	158800.00	4	आंतरिक उपचय	
(iii)	कंप्युटर पेरीफेरल	80926.00		(i) प्रशिक्षण शुल्क रु. 762700/-	
(iv)	दीवार के लिए सीपीडब्ल्युडी के साथ जमा	3320000.00		(ii) बैंक ब्याज रु. 1759/-	
4	एसटीटीपी कार्यक्रम	795485.00		(iii) पंजीकरण शुल्क रु. 6500/-	
5	वेतन व मजदूर	7045003.00		(iv) विविध रु. 875/-	771834.00
6	अन्य कार्यक्रम खर्च	36050.00			
7	अन्य प्रशासनिक खर्च	2058080.56	5	सिपडा कौशल परियोजना	
				(i) प्राप्त जीआईए रु. 281249/-	
8	आंतरिक उपचय			(ii) बैंक ब्याज रु. 189/-	281438.00
	(i) पीएनबी नागपुर में बैंक रोकड	3313.80			
	(ii) बैंक रोकड	0.00			
	(iii) सीआरई कार्यक्रम	370237.00			
	(iv) अन्य प्रशासनिक खर्च	283.20			
	(v) जीआईए मुख्य खाते को ऋण	398000.00			
9	सिपडा कौशल परियोजना				
	(i) पीएनबी नागपुर में बैंक रोकड	281154.80			
	(ii) बैंक रोकड	0.00			
	(iii) बैंक शुल्क	283.20			
	कुल	**17899596.00**			**17899596.00**

भेजने के बाद इस शीट में सिपडा जोड़ें

ह/- प्रशासन अधिकारी

ह/- निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 1 कार्पस व पूँजि निधि आदि शेष	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
वर्ष के आरंभ तक का शेष				
जोडे या घटाएँ - निवल आय या व्यय आय तथा व्यय खाते से आंतरण जोडें	-546405.00	-546405.00	-461275.00	-461275.00
घटाएँ पूँजी निधि से स्थानांतरित व्यय के ऊपर अधिकतम आय				
पिछले वर्ष आस्तियाँ	2874804.00			
जोडें वर्ष के दौरान खरीदी पूँजी आस्तियाँ	429124.00	3303928.00	2874804.00	2874804.00
वर्ष के अंत तक शेष राशि	**2757523.00**	**2757523.00**	**2413529.00**	**2413529.00**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं सरप्लस				
1. पूँजी रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष के दौरान जोडे गये				
2. रीवैल्युयेशन रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :				
3. विशेष रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :				
4. जनरल रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
वर्ष के अंत तक शेष राशि	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह/- **ह/-**

प्रशासन अधिकारी **निदेशक**

वित्तीय विवरण प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2018 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ.

राशि रुपयों में

अनुसूची 1 कार्पस व पूँजि निधि आदि शेष	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
वर्ष के आरंभ तक का शेष				
जोडे या घटाएँ - निवल आय या व्यय आय तथा व्यय खाते से आंतरण जोडें	-461275.00	-461275.00	-34127.00	-34127.00
घटाएँ पूँजी निधि से स्थानांतरित व्यय के ऊपर अधिकतम आय				
पिछले वर्ष आस्तियाँ	682532.00			
जोडें वर्ष के दौरान खरीदी पूँजी आस्तियाँ	2192272.00	2874804.00	682532.00	682532.00
वर्ष के अंत तक शेष राशि	**2413529.00**	**2413529.00**	**648405.00**	**648405.00**
<u>अनुसूची 2 - रिजर्व एवं सरप्लस</u>				
1. पूँजी रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष के दौरान जोडे गये				
2. रीवैल्युयेशन रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :				
3. विशेष रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :				
4. जनरल रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
वर्ष के अंत तक शेष राशि	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2017 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ.

राशि रुपयों में

अनुसूची 1 कार्पस व पूँजि निधि आदि शेष	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
वर्ष के आरंभ तक का शेष				
जोडे या घटाएँ - निवल आय या व्यय आय तथा व्यय खाते से आंतरण जोडें	-34127.00	-34127.00	0.00	0.00
घटाएँ पूँजी निधि से स्थानांतरित व्यय के ऊपर अधिकतम आय				
पिछले वर्ष आस्तियाँ	0.00			
जोडें वर्ष के दौरान खरीदी पूँजी आस्तियाँ	682532.00	682532.00	0.00	0.00
वर्ष के अंत तक शेष राशि	**648405.00**	**648405.00**	**0.00**	**0.00**
<u>अनुसूची 2 - रिजर्व एवं सरप्लस</u>				
1. पूँजी रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष के दौरान जोडे गये				
2. रीवैल्युयेशन रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :				
3. विशेष रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
घटाएँ वर्ष के दौरान कटौती :				
4. जनरल रिजर्व:	0.00	0.00	0.00	0.00
पिछली खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जोडे गये				
वर्ष के अंत तक शेष राशि	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 3 : उद्दिष्ट / धर्मदाय निधियाँ **एडिप / कौशल विकास योजना**	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
अ) आदिशेष		0.00		
आ) निधियों को जोडें				
(i) सहायता अनुदान सिपडा स्किल		281249.00		
(ii) अन्य जोड		0.00		
कुल अ व आ	0.00	281249.00	0.00	0.00
इ) उद्देश्यों के लिए निधियों की उपयोगिता व व्यय				
(i) पूँजी व्यय				
-स्थिर आस्तियाँ				
-अन्य				
-कुल				
(ii) राजस्व व्यय				
सब्सिडरी खातों को आंतरित राशि		280965.80		
-उपभोज्य का क्रय				
-वेतन, मजदूर तथा भत्ते आदि				
-किराया				
-अन्य प्रशासनिक खर्च		283.20		
-कुल				
कुल इ	0.00	281249.00	0.00	0.00
वर्ष के अंत तक निवल शेष अ, आ, ई का कुल	0.00	0.00	0.00	0.00

टिप्पणियाँ

1) अनुदानों से जुड़ी शर्तों के आधार पर संबंधित शीर्षों के आधार पर प्रकट किए जाएंगे

2) केंद्र राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधि को अलग निधि के रूप में दिखाया जाना चाहिए और किसी अन्य निधि के साथ / नहीं मिलाया जाना चाहिए

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 4 : हस्तगत ऋण और उधार राशियाँ	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
1. केन्द्र सरकार		0.00		
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें)		0.00		
3. वित्तीय संस्थान				
क. मियादी ऋण		0.00		
ख. देय राशि पर उपचित ब्याज		0.00		
4. बैंक				
क. मियादी ऋण		0.00		
- देय और उपचित ब्याज		0.00		
ख. अन्य ऋण, उल्लेख करें		0.00		
- देय और उपचित ब्याज		0.00		
5 . अन्य संगठन एवं एजंसियाँ		0.00		
6. डिबेंचर और बंधपत्र		0.00		
7. अन्य (स्पष्ट करें)				
सीआरसी नागपुर के आंतरिक उपचय से ऋण		398000.00		
कुल	**0.00**	**398000.00**	**0.00**	**0.00**

टिप्पणी - एक वर्ष के भीतर देय राशि

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 5 - अहस्तगत ऋण और उधार	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
1.केन्द्र सरकार		0.00		
2.राज्य सरकार, स्पष्ट करें		0.00		
3. वित्तीय संस्थान		0.00		
(a) मियादी ऋण		0.00		
(b) उपचय ब्याज एवं देय		0.00		
4. बैंक		0.00		
(a)मियादी ऋण		0.00		
- उपचय ब्याज एवं देय		0.00		
(b) अन्य ऋण, उल्लेख करें		0.00		
- उपचय ब्याज एवं देय		0.00		
5. अन्य संस्थान व एजंसियों		0.00		
6. डिबेंटर व बांड		0.00		
7. स्थिर जमा		0.00		
8. अन्य उल्लेख करें		0.00		
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

अनुसूची 6 - अस्थगित जमा देयताएँ	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
a) पूँजीगत उपकरण और अन्य आस्तियों के गिरवी द्वारा प्राप्त स्वीकार्यताएँ		0.00		
b) अन्य		0.00		
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर लाभकारी संगठन)

संगठन का नाम : समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 7 - चालू देयताएँ और प्रावधान	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
ए.चालू देयताएँ				
1. स्वीकृतियाँ		0.00		
2. फुटकर देनदार		0.00		
(a) माल के लिए		0.00		
(b) अन्य (काशन रकम जमा)		0.00		
3. प्राप्त अग्रिम		0.00		
4. उपचयी ब्याज लेकिन देय नहीं:		0.00		
(a) सुरक्षित ऋण और उधार		0.00		
(b) असुरक्षित ऋण और उधार		0.00		
5. सांविधिक देयताएँ		0.00		
(a) अन्य, आरसीआई खाता सहायता अनुदान		0.00		
(b) अव्ययित अनुदान, 31.3.2019 को शेष, सीपीडब्ल्युडी		0.00		
अव्ययित अनुदान, सीआरसी नागपुर		2636257.44		
अव्ययित अनुदान, सीआरसी नागपुर, स्किल सिपडा		280965.80		
(c) नई पेंशन योजना		0.00		
(d) प्रोफेशनल कर		0.00		
6. अन्य चालू आस्तियाँ		0.00		
7. छात्रावृत्ति खाता		0.00		
8. पेंशन ग्रेचुइटी देयताएँ		0.00		
9. छात्रावृत्ति सहायता अनुदान खाता		0.00		
10. सेवा ग्रेचुइटी		0.00		
11. सीपीडब्ल्युडी के साथ चाहरदीवारी के लिए जमा		3320000.00		
12. अव्ययित राशि, आंतरिक उपचय		401313.80		
13. अव्ययित बैंग ब्याज पीएनबी मुख्य खाता		128324.00		
14. अव्ययित बैंक ब्याड सिपडा स्किल खाता		189.00		
कुल ए	**0.00**	**6767050.04**	**0.00**	**0.00**
बी. प्रावधान				
1. टैक्सेशन के लिए				
2. ग्रैचुइटी				
3. सेवा निवृत्त व पेंशन एवं ग्रेचुइटी				
4. जमा व छुट्टी नकदीकरण				
5. व्यापार वारंट व दावे				
6. अन्य उल्लेख करें, लेखा परीक्षण शुल्क देय				
कुल बी	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
कुल ए एवं बी	**0.00**	**6767050.04**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासनिक अधिकारि

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण का प्रारूप, गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग बनी अनुसूचियाँ

अनुसूची 8 स्थिर आस्तियाँ

राशि रुपयों में

	विवरण	ग्रास ब्लॉक				मूल्य ह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के आरंभ में लागत व मूल्य	वर्ष के दौरान जोडे गये	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत को लागत व मूल्य	वर्ष के आरंभ को	आदि में और 2018-19 में जोडे	वर्ष तक कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	वर्तमान वर्ष 31.3.2019 को	पिछले वर्ष 31.3.2018 को
	1	2	3	4	5(2+3-4)	6	7	8	9 (6+7-8)	10 (5-9)	11
(A)	**स्थिर आस्तियाँ**										
1	भूमि				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(a) पट्टेपर	267101.00			267101.00	0.00	20033.00	0.00	20033.00	247068.00	260423.00
2	भवन				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(a) फ्रीहोल्ड भूमि पर				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(b) पट्टे भूमि पर				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(c) स्वामित्व फ्लाट व परिसर जो संगठन के नहीं है				0.00	0.00			0.00	0.00	
3	प्लांट मशीनरी व एक्विपमेंट	1215074.00	189398.00	0.00	1404472.00	0.00	246096.00	0.00	246096.00	1158376.00	1109425.00
4	वाहन				0.00	0.00			0.00	0.00	
5	फर्नीचर व फिक्सचर	516236.00	0.00		516236.00	0.00	129060.00	0.00	129060.00	387176.00	438800.00
6	कार्यालय उपकरण	166296.00	158800.00	0.00	325096.00	0.00	49515.00	0.00	49515.00	275581.00	141351.00
7	कंप्युटर पेरीफेरल	710097.00	80926.00	0.00	791023.00	0.00	562976.00	0.00	562976.00	228047.00	463530.00
8	लैब उपकरण				0.00	0.00			0.00	0.00	
9	पुस्तकलाय की पुस्तकें				0.00	0.00			0.00	0.00	
10	ट्यूब वेल व पानी की आपूर्ती				0.00	0.00			0.00	0.00	
11	अन्य स्थिर आस्तियाँ				0.00	0.00			0.00	0.00	
	वर्तमान वर्ष का कुल	2874804.00	429124.00	0.00	3303928.00	0.00	1007680.00	0.00	1007680.00	2296248.00	2413529.00
	गत वर्ष	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(B)	**पूँजी कार्य प्रगति पर**	0.00	1259772.00	0.00	1259772.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1259772.00	-
	कुल	2874804.00	1688896.00	0.00	4563700.00	0.00	1007680.00	0.00	1007680.00	3556020.00	2413529.00
	नोट: किराया आधार पर खरीदी आस्ति का लागत उपरोक्त में शामिल करें										

ह/-
प्रशासनिक अधिकारि

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण का प्रारूप - गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के रूप में अंग बनी अनुसूचियाँ

अनुसूची पूर्वावधि व्यय राशि रुपयों में

	विवरण				
क्र.	**ब्यौरा**	**वर्ष 2016-17 एफ वाई के लिए मूल्य ह्रास**	**वर्ष 2017-18 एफ वाई के लिए मूल्य ह्रास**	**2018 - 19 वर्तमान वर्ष के आय तथा व्यय खाते में दर्शाया जा रहा है**	**पूर्वावधि व्यय के लिए कुल मूल्यह्रास**
(A)	**स्थिर आस्तियाँ**				
1	भूमि				
	(a) पट्टेपर		6678.00	0.00	6678.00
2	भवन				
	(a) फ्रीहोल्ड भूमि पर				
	(b) पट्टे भूमि पर				
	(C) स्वामित्व फ्लाट व परिसर जो संगठन के नहीं है				
3	प्लांट मशीनरी व एक्विपमेंट		105649.00	0.00	105649.00
4	वाहन				
5	फर्नीचर व फिक्सचर	25812.00	51624.00	0.00	77436.00
6	कार्यालय उपकरण	8315.00	16630.00	0.00	24945.00
7	कंप्युटर पेरीफेरल		246567.00	0.00	246567.00
8	लैब उपकरण				
9	पुस्तकलाय की पुस्तकें				
10	ट्यूब वेल व पानी की आपूर्ती				
11	अन्य स्थिर आस्तियाँ				
	कुल	**34127.00**	**427148.00**	**0.00**	**461275.00**

ह/- **ह/-**

प्रशासन अधिकारी **निदेशक**

वित्तीय विवरण का प्रारूप - गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम- समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2018 को तलन पत्र के अंग बनी अनुसूचियाँ

अनुसूची 8 - स्थिर आस्तियाँ

राशि रुपयों में

	विवरण	ग्रास ब्लॉक				मूल्य ह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के आरंभ में लागत व मूल्य	वर्ष के दौरान जोडे	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत को लागत व मूल्य	वर्ष के आरंभ को	आदि में और वर्ष 2018-19 में जोडे	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक कुल	वर्तमान वर्ष 31.3.2018 को	पिछले वर्ष 31.3.2017 को
	1	2	3	4	5(2+3-4)	6	7	8	9 (6+7-8)	10 (5-9)	11
(A)	स्थिर आस्तियाँ										
1	भूमि				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(a) पट्टेपर	0.00	267101.00	0.00	267101.00	0.00	6678.00	0.00	6678.00	260423.00	0.00
2	भवन				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(a) फ्रीहोल्ड भूमि पर				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(b) पट्टे भूमि पर				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(C) स्वामित्व फ्लाट व परिसर जो संगठन के नहीं है				0.00	0.00			0.00	0.00	
3	प्लांट मशीनरी व एक्विपमेंट	0.00	1215074.00	0.00	1215074.00	0.00	105649.00	0.00	105649.00	1109425.00	0.00
4	वाहन				0.00	0.00			0.00	0.00	
5	फर्नीचर व फिक्सचर	516236.00	0.00	0.00	516236.00	0.00	77436.00	0.00	77436.00	438800.00	490424.00
6	कार्यालय उपकरण	166296.00	0.00	0.00	166296.00	0.00	24945.00	0.00	24945.00	141351.00	157981.00
7	कंप्युटर पेरीफेरल	0.00	710097.00	0.00	710097.00	0.00	246567.00	0.00	246567.00	463530.00	0.00
8	लैब उपकरण				0.00	0.00			0.00	0.00	
9	पुस्तकलाय की पुस्तकें				0.00	0.00			0.00	0.00	
10	ट्यूब वेल व पानी की आपूर्ती				0.00	0.00			0.00	0.00	
11	अन्य स्थिर आस्तियाँ				0.00	0.00			0.00	0.00	
	वर्तमान वर्ष का कुल	**682532.00**	**2192272.00**	**0.00**	**2874804.00**	**0.00**	**461275.00**	**0.00**	**461275.00**	**2413529.00**	**648405.00**

	गत वर्ष	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(B)	पूँजी कार्य प्रगति पर										
	कुल	682532.00	2192272.00	0.00	2874804.00	0.00	461275.00	0.00	461275.00	2413529.00	648405.00
	नोट इसमें किराये आधार पर खरीदी आस्तियाँ शामिल करें										

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लैभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2017 को तुलन पत्र के अंग बनी अनुसूचियाँ

अनुसूची 8 - स्थिर आस्तियाँ

राशि रुपयों में

	विवरण	ग्रास ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के आरंभ में लागत व मूल्य	वर्ष के दौरान जोड	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत को लागत व मूल्य	वर्ष के आरंभ को	आदि में और वर्ष 2018-19 में जोड	वर्ष तक कटौतियाँ	वर्ष के अंत को कुल	वर्तमान वर्ष 31.3.2017 को	गत वर्ष 31.3.2016 के अंत को
	1	2	3	4	5(2+3-4)	6	7	8	9 (6+7-8)	10 (5-9)	11
(A)	स्थिर आस्तियाँ										
1	भूमि				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(a) पट्टेपर				0.00	0.00			0.00	0.00	
2	भवन				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(a) फ्रीहोल्ड भूमि पर				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(b) पट्टे भूमि पर				0.00	0.00			0.00	0.00	
	(c) स्वामित्व फ्लाट व परिसर जो संगठन के नहीं है				0.00	0.00			0.00	0.00	
3	प्लांट मशीनरी व एक्विपमेंट				0.00	0.00			0.00	0.00	
4	वाहन				0.00	0.00			0.00	0.00	
5	फर्नीचर व फिक्सचर	0.00	516236.00	0.00	516236.00	0.00	25812.00	0.00	25812.00	490424.00	Nil
6	कार्यालय उपकरण	0.00	166296.00	0.00	166296.00	0.00	8315.00	0.00	8315.00	157981.00	Nil
7	कंप्युटर पेरीफेरल				0.00	0.00			0.00	0.00	
8	लैब उपकरण				0.00	0.00			0.00	0.00	
9	पुस्तकलाय की पुस्तकें				0.00	0.00			0.00	0.00	
10	ट्यूब वेल व पानी की आपूर्ती				0.00	0.00			0.00	0.00	
11	अन्य स्थिर आस्तियाँ				0.00	0.00			0.00	0.00	
	वर्तमान वर्ष का कुल	0.00	682532.00	0.00	682532.00	0.00	34127.00	0.00	34127.00	648405.00	0.00
	गत वर्ष	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(B)	**पूँजी कार्य प्रगति पर**										
	कुल	0.00	682532.00	0.00	682532.00	0.00	34127.00	0.00	34127.00	648405.00	0.00
	नोट - उपरोक्त में किराये पर खरीदे आस्तियों का लागत सम्मिलित है										

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग बनी टिप्पणियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 9 उद्दिष्ट तथा धर्मादाय निधियों में से निवेश	**वर्तमान वर्ष**	**गत वर्ष**
1. सरकारी सेक्युरिटीयों में		
2. अन्य अनुमोदित सेक्युरिटीयों में		
3. शेयर		
4. डिबेंचर एवं बॉंड		
5. सब्सिडरियों एवं जाइंट वेंचर		
6. अन्य, उल्लेख करें		
कुल	**0.00**	**0.00**

अनुसूची10 निवेश अन्य	**वर्तमान वर्ष**	**गत वर्ष**
1. सरकारी सेक्युरिटीयों में		
2. अन्य अनुमोदित सेक्युरिटीयों में		
3. शेयर		
4. ...		
5. सब्सिडी व संयुक्त वेंचर		
6. अन्य, उल्लेख करें		
कुल	**0.00**	**0.00**

अनुसूची 11 वर्तमान आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
(A) वर्तमान आस्तियाँ				
1. इंवेंटरी				
(a) स्टोर्स् एवं स्पेर्स्		0.00		
(b) खुला उपकरण		0.00		
(c) स्टाक इन ट्रेड		0.00		
2. संड्री डेटर्स्				
(a) छ महीने की अवधि से अधिक बकाया ऋण		0.00		
(b) अन्य		0.00		
3. हाथ रोकड		0.00		
4. बैंक रोकड				
(A) अनूसूचित बैंकों में				
01. पीएनबी नागपुर के साथ बचत खातेमें (मुख्य खाता)		3162581.44		
02. पीएनबी नागपुर के साथ बचत खाते में (आंतरिक उपचय)		3313.80		
03. पीएनबी नागपुर के साथ बचत खाते में (सिपडा स्किल)		281154.80		
03. प्राप्त योग्य अनुदान		0.00		
04. अन्य		0.00		
(B) गैर अनुसूची बैंक में		0.00		
5. पोस्ट ऑफीस बचत खाता		0.00		
कुल (A)	**0.00**	**3447050.04**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लैभकारी संगठन

संगठन का नाम- समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूचियाँ 11 वर्तमान आस्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
(B) ऋण, अग्रिम एवं अन्य आस्तियाँ				
1. ऋण				
(a) स्टाफ		0.00		
(b) अन्य संगठन, आंतरिक खाते से मुख्य खाते को ऋण		398000.00		
(c) अन्य उल्लेख करें, सीपीडब्ल्युडी के साथ अग्रिम		0.00		
2.नकद या अन्य रूप से वसूलीयोग्य अग्रिम व अन्य वसूलीयोग्य				
(a) पूँजी खाता		0.00		
(b) सीपीडबल्युडी के साथ अग्रिम		2060228.00		
(c) अन्य		0.00		
3. उपचित आय				
(a) उद्दिष्ट व धर्मादाय से निवेश		0.00		
(b) अन्य निवेशों पर		0.00		
(c) ऋण व अग्रिम पर		0.00		
(d) अन्य		0.00		
4.प्राप्त योग्य दावे		0.00		
कुल(B)	**0.00**	**2458228.00**	**0.00**	**0.00**
कुल (A) + (B)	**0.00**	**5905278.04**	**0.00**	**0.00**

31 मार्च 2019 के आय तथा व्यय के अंग बनी अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 12 बिक्री व सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
1. बिक्री से आय आंतरिक उपचय	0.00	0.00	0.00	0.00
2.बिक्री व सेवाओं से आय	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लैभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 के अंत को आय तथा व्यय के अंग बनी अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 13 अनुदान व सब्सिडी	**वर्तमान वर्ष**	**गत वर्ष**
अटल अनुदान व प्राप्त सब्सिडी		
(1) केन्द्र सरकार मुख्य खाता	16320000.00	
केन्द्र सरकार सिपडा स्किल खाता	281249.00	
(2) राज्य सरकार	0.00	
(3) सरकारी एजंसियाँ	0.00	
(4) संस्थान व कल्याणकारी निकाय	0.00	
(5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन	0.00	
(6) अव्ययित अनुदान (रु. 16320000/- - रु. 5320000/- - रु.9934618.56)	-1065381.44	
(-) पूँजी अनुदान	-5320000.00	
(7) अव्ययित अनुदान सिपडा स्किल (रु. 281249/- - रु. 283.20)	-280965.80	
(8) आंतरिक रसीद एवं मुख्य खाते में प्राप्त ब्याज अनुसूची 17	-128324.00	
(9) आंतरिक रसीद तथा प्राप्त ब्याज आंतरिक उपचय, अनुसूची 17, क्रमांक 10 में शामिल किया गया क्योंकि यह अनुदान नहीं है, यह आंतरिक उपचय है	0.00	
(9) आंतरिक रसीद एवं सिपडा स्किल खाते में प्राप्त ब्याज, अनुसूची 17	-189.00	
(10) आंतरिक उपचय के अव्ययित राशि । (रु. 771834/- - रु. 370520.20)	-401313.80	
कुल अनुदान		
मैचिंग ग्रांट को I & E में स्थानांतरित कर दिया गया	**9405074.96**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लैभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
अनुसूची 14 - शुल्क/अंशदान				
1) संबद्धिता शुल्क				
2) पाठ्यक्रम शुल्क (डिप्लोमा, डिग्री, पीजी एवं प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम) ट्यूशन फी एवं परीक्षा शुल्क				
3) प्रवेश शुल्क				
4) वार्षिक शुल्क / अंशदान				
5) संगोष्ठि/ कार्यक्रम शुल्क (आवेदन तथा पंजीकरण शुल्क)				
6) परामर्श शुल्क				
7) अन्य स्पष्ट करें				
1.पंजीकरण शुल्क		6500.00		
2.प्रशिक्षण शुल्क, सीआरई		762700.00		
3. अन्य		875.00		
कुल	**0.00**	**770075.00**	**0.00**	**0.00**

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 15 - निवेशों से आय	**निवेश से**		**अन्य निवेश**	
उद्धिष्ट / धर्मदाय निधियों से निवेश से आय, निधियों को आंतरित)	**अद्दिष्ट निधि**			
	वर्तमान वर्ष	**गत वर्ष**	**वर्तमान वर्ष**	**गत वर्ष**
1) ब्याज				
क) सरकारी सेक्युरिटीस्				
ख) अन्य बॉन्ड्स् / डिबेंचर				
2) डिविडेन्ड				
क) शेयरों पर				
ख) म्युचुवल फंड सेक्टुरिटीस् पर				
3) किराया				
4) अन्य (स्पष्ट करें)				
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लैभकारी संगठन

संगठन क नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 16 - रॉयल्यी, प्रकाशनों, आदि से आय	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
1) रॉयल्टी से आय 2)प्रकाशनों से आय 3) अन्य (स्पष्ट करें)				
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**वर्तमान वर्ष**	**गत वर्ष**
1. मियादि जमाओं पर	0.00	
2. बचत खाते पर	0.00	
3. ऋणों पर	0.00	
4. डेटारों पर ब्याज और प्राप्त योग्य		
(i) पीएनबी नागपुर जीआईए एसबी मुख्य खाते पर बैंक ब्याज	128324.00	
(ii)एसबी आंतरिक उपचय खाते पर बैंक ब्याज	1759.00	
(iii) एसबी स्किल सिपडा खाते पर बैंक ब्याज	189.00	
कुल	**130272.00**	**0.00**

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 18 अन्य आय	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
(1) आस्तियों की बिक्री व निपटान से लाभ (a) स्वामित्व आस्तियाँ (b) अनुदान से प्राप्त आस्तियाँ या मुफ्त में प्राप्त (2) कार्योत्तर प्रोत्साहन वसूली (3) प्रयुक्त प्रभार के लिए शुल्क (4) वापसी (5) विविध आय				
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लैभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 19 अंतिम मालों एवं कार्य पर प्रगति का स्टॉक में बढ़ाव व घटाव	वर्तमान वर्ष		गत वर्ष	
(a) अंतिम स्टॉक				
- पूरा की गई माल				
- प्रगति पर कार्य				
(b) घटाएँ आरंभ स्टॉक				
- पूरा की गई माल				
- प्रगति पर कार्य				
निवल बढाव या घटाव [a-b]	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 20 कार्यक्रम व सेवाओं पर खर्च	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
(1) एसटीटीपी कार्यक्रम	831535.00	
(2) सीआरई कार्यक्रम आंतरिक उपचय	370237.00	
कुल	**1201772.00**	**0.00**

अनुसूची 20 ए स्थापना खर्च	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
(a) वेतन व मजदूर	7045003.00	
(b) अन्य निधि को योगदान व कर्मचारी योगदन	0.00	
कुल	**7045003.00**	**0.00**

अनुसूची 20 बी अन्य कार्यक्रम खर्च	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
(c) अन्य कार्यक्रम खर्च	0.00	
कुल	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लैभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 21 अन्य प्रशासनिक खर्च	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. समर्थन सेवाओं पर व्यय	600521.00	
2. बिजली व शक्ति		
3. बीमा		
4. भवन का मरम्मत एवं निर्वहण	56079.00	
5. कार्यालय उपकरणों का मरम्मत व निर्वहण		
6. वाहन किराया शुल्क	19997.00	
7. स्कूल बस का मरम्मत व निर्वहण		
8. मानदेय		
9. पोस्टेज एवं टेलीफोन खर्च	21359.00	
10. प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	257415.00	
11. यात्रा व परिवहन खर्च	523136.00	
12. लेखापरीक्षा पारीश्रमी		
13. मरम्मत व निर्वहण,प्लांट व मशीनरी		
14. विज्ञापन व प्रचार	533598.00	
15. कंप्युटरों का मरम्मत एवं रखरखाव		
16. कंट्राक्ट स्टाफ को भुगतान		
17. विविध खर्च	24049.00	
18. फर्नीचर का आर व एम	1770.00	
19. आतिथेय खर्च	7606.00	
20. आकस्मिक खर्च		
21. प्रकाशन एवं पत्रिकाएँ	2218.00	
22. बैंक शुल्क	1481.56	
23. भवन का किराया		
24. निरीक्षण शुल्क	8851.00	
25. उपचित बैंकशुल्क	283.20	
26. बैंक शुल्क सिपडा स्किल	283.20	
कुल	**2058646.96**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वित्तीय विवरण प्रारूप - गैर लाभकारी संगठन

संगठन का नाम - समग्र क्षेत्रीय केन्द्र नागपुर

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 22 अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
(a) संस्थानों व संगठनों को दिये अनुदान	0.00	0.00		
(b) संस्थानों व संगठनों को दिये सब्सिडी	0.00	0.00		
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

नोट -संगठन का नाम, उनके क्रियाकलाप अनुदान, सब्सिडी सहित दर्शाना होगा

31 मार्च 2019 को समाप्त अवधि के लिए आय तथा व्यय के अंग के रूप में अनुसूचियाँ

राशि रुपयों में

अनुसूची 23 ब्याज	**वर्तमान वर्ष**		**गत वर्ष**	
(a)स्थिर ऋणों पर	0.00	0.00		
(b) अन्य ऋणों पर (बैंक शुल्क)	0.00	0.00		
(c) अन्य उल्लेख करें	0.00	0.00		
कुल	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

वर्ष 2018-19 के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के कौशल विकास, पुनर्वास एवं साधिकारिता के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र के वार्षिख लेखें

लेखांकन नीतियाँ

अनुसूची 24

लेखों के सही बहियों का सही रखरखाव के लिए वर्ष 2018- 19से और तत्पश्चात् अनुपालन करने के लिए निम्न लिखित से संबंधित संस्थान की लेखा नीतियाँ।

a) उन तमाम प्राप्त व खर्च की गई राशि और उन मामलों के संबंध में जो प्राप्तियाँ और व्यय हुए हों;

b) राजस्व /प्राप्त आय/वसूली योग्य और अदा की गई/अदा की जाने वाली तमाम राशियाँ

c) मालों के तमाम विक्रय और खरीदारियाँ, और

d) सभी आस्तियाँ और देयताएँ, संस्थान के मामलों के सही और स्पष्ट परिदृष्य के लिए।

1. संस्थान के खातों की पुस्तकें अपचय आधार पर रखी गई हैं नियमित कर्मचारियों के वेतन और भत्ते), सेवानिवृत्ति लाभ, शिक्षण शुल्क की रसीदें, सरकारी अनुदान का लेखा और ग्राहकों को दवाइयों की खरीद, को छोड़कर)। उन्हें नकद आधार पर लेखांकित किया गया है। इन्हें नकद आधार के रूप में माना जाता हैइसकी आवश्यक सुविधाओं (अर्थात् (क) नकद प्राप्त हुई हो या नहीं, राजस्व को मान्यता दी जाती है, और)b) ऐसे राज्सव को व्यय के साथ जोडा जाता है, की आवश्यक पक्षों की उपलब्धि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।
2. चूँकि लेखा बहियों को उपचय आधार पर रखा गया है (नियमित स्टाफ के वेतन व भत्तें, सेवानिवृत्त लाभ, ट्यूशन फी की प्राप्ति, सरकारी अनुदानों का लेखांकन तथा क्लाइंटों के लिए दवाइयों की खरीदी को छोडकर) अत: इन्हें नकद आधार पर लेखांकन किया गया है, इसके लिए अंतिम तथि 15 अप्रैल रखा गया है।
3. संस्थान की लेखा बहियों को डबल एंट्री सिस्टम आफ बुक कीपिंग के अनुसार रखा जाएगा।
4. उचित पहचान तथा रखरखाव के लिए लेखा शीर्षों का कोडीकरण करना चाहिए।
5. संस्थान के लेखा विवरण निम्नलिखित प्रारूप में तैयार करना चाहिए।
   I. रसीद तथा भुगतान खाता वर्ष 2018-19 के लिए
   II. आय तथा व्यय खाता वर्ष 2018-19 के लिए
   III. 31 मार्च 2019 को तुलन पत्र

<u>स्पष्टीकरण</u>

i) रसीद तथा भुगतान खाता

क) समस्त वास्तविक प्राप्तियाँ लेखागत की गई हैं

ख) समस्त वास्तविक भुगतान लेखागत की गई हैं

ii) आय तथा व्यय खाता

वास्तविक प्राप्तियों और भुगतानों के प्रत्येक मद को हिसाब के अलावा, उपचित आय और बकाया बडी देयताओं के उचित प्रस्तुतीकरण के लिए प्रत्येक लेखाशीर्ष में उन्हें और आय तथा व्यय की समग्र स्थिति जानना है।

iii) 31 मार्च तक की तुलन पत्र की स्थिति

देयताएँ	आस्तियाँ
1) पूँजी	1) मूल्यह्रास घटाकर नियत आस्तियाँ
2) परिरक्षित निधियाँ	2) निवेश राशियाँ
3) प्रतिभूति ऋण	3) चालू आस्तियाँ,ऋण एवं अग्रिम
4) अप्रतिभूति ऋण	4) विविध व्यय (बट्टे खाते में नहीं डालने की सीमा तक)
5) चालू देयताएँ	5) आय तथा व्यय खाता

नोट: लेखों के अंग के रूप में अनुसूचियाँ को आवश्यकतानुसार तैयार करके संलग्न किया जाए।

6. मूल्यह्रास का प्रावधान करते समय निम्नलिखित मार्गदर्शनों का अनुसरण करना होगा :

i) 1.4.2018 को या तत्पश्चात् प्राप्त किये आस्तियों पर वार्षिक आधार पर मूल्यह्रास प्रदान करना।

ii) लिखे गये मूल्य प्रकार (रिटन डाउन वैल्यु मेथड) की पद्धति को अपनाना।

iii) वित्त वर्ष के दौरान हासिल किये आस्तियों के लिए निर्धारित प्रतिशत में पूर्ण मूल्यह्रास का हिसाब लगाया गया। अक्तूबर से लेकर फरवरी तक हासिल की गई आस्तियों पर 50% की निर्धारित प्रतिशत के हिसाब से मूल्यह्रास लगाया गया। मार्च में हासिल आस्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं है।

iv) प्रत्येक आस्ती का जीवनकाल तथा रिटन के अंतर्गत मूल्यह्रास का दर निम्नलिखित है-

क)	भूमि	: कोई मूल्यह्रास नहीं है।
ख)	भवन	: जीवनकाल के 20 वर्ष - 5%मूल्यह्रास
ग)	संयंत्र, मशीनरी व उपकरण	: 10 वर्ष - 10 %मूल्यह्रास
घ)	वाहन	: 6 वर्ष - 15 %मूल्यह्रास
ङ)	फर्नीचर तथा फिक्स्चर	: 10 वर्ष - 10 %मूल्यह्रास
च)	कार्यालय उपकरण	: 10 वर्ष - 10 %मूल्यह्रास
छ)	कम्प्युटर एवं पेरीफेरल्स्	: 2.5 वर्ष - 40 %मूल्यह्रास
ज)	पुस्तकालय पुस्तकें	: 2.5 वर्ष - 40 %मूल्यह्रास

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल विकास, पुनर्वास एवं साधिकारिता के लिए समग्र क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर
वार्षिक लेखों की अंग बनी टिप्पणियाँ

अनुसूची 25

1. केन्द्रीय स्वायत्त निकायों (गैर-लाभकारी संगठन और ऐसे संगठनों) के लिए वित्तीय विवरणियों के प्रारूप में वार्षिक लेखें बनाये गये हैं-

   क) 31.3.2019 तक तुलन पत्र

   ख) वर्ष 2018-19 के लिए आय तथा व्यय खाता

   ग) प्रारूप के अनुसार 1-25 अनुसूचियाँ

   घ) वर्ष 2018-19 के लिए प्राप्तियाँ तथा भुगतान खाता

   लेखा बहियों को उपचय आधार पर तैयार किया गया है, (नियमित वेतन व भत्ता, सेवानिवृत्त लाभ, ट्यूशन फी की प्राप्तियाँ, सरकारी अनुदानों के लेख तथा क्लाईंटों के लिए दवाईयों की खरीददारी के सिवाय), इनका नकदी आधार पर हिसाब किया गया है।

2. रिटन डाउन वैल्यु पद्धति पर मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया।
3. प्रगति पर रही पूँजी कार्य को नियत आस्तियाँ, भवनों के रूप में हिसाब कियागया, वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान के नियमों के अनुसार मूल्यह्रास दिया गया है।
4. लेखा नीतियाँ बनायी गयी हैं, और अनुपालन किया जा रहा है।
5. कुल रु. 1,78,99,596.00 प्राप्तियों में से (जिसमें आदि शेष, सहायता अनुदान, विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अनुदान, जमा मैच्युरिटी ब्याज सहित, अन्य संगठनों से प्राप्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम तथा आंतरिक प्राप्तियाँ शामिल हैं), विभिन्न क्रियाकलापों पर रु. 144,52,545.96 खर्च किया गया और सीआरसी नागपुर बचत खाते में रु.34,47,050.04 शेष राशि बची।
6. वर्ष 2018-19 के लिए आस्तियों व भंडार की प्रत्यक्ष जाँच पूरी की गई।
7. मंत्रालय द्वारा दिये गये अनुदान के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया और कोई उपयोगिता प्रमाण पत्र लम्बित नहीं है।
8. आवश्यकतानुसार आंकडों को वर्गीकृत किया गया।

ह/-
प्रशासन अधिकारी

ह/-
निदेशक

राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तिकरण संस्थान

(विकलांगजन सशक्तिकरण विभाग (दिव्यांगजन), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

~ एन ए ए सी द्वारा मान्यता प्राप्त आईएसओ 9001-2015 ~

ईस्ट कोस्ट मार्ग, मुत्तुकाडु, कोवलम (पोस्ट), चेन्नै – ६०३ ११२, तमिलनाडु, भारत

दूरभाष 044-27472113, 27472046, 27472023, 27472104,

टोल फ्री नं.18004250345 फैक्स 044-27472389
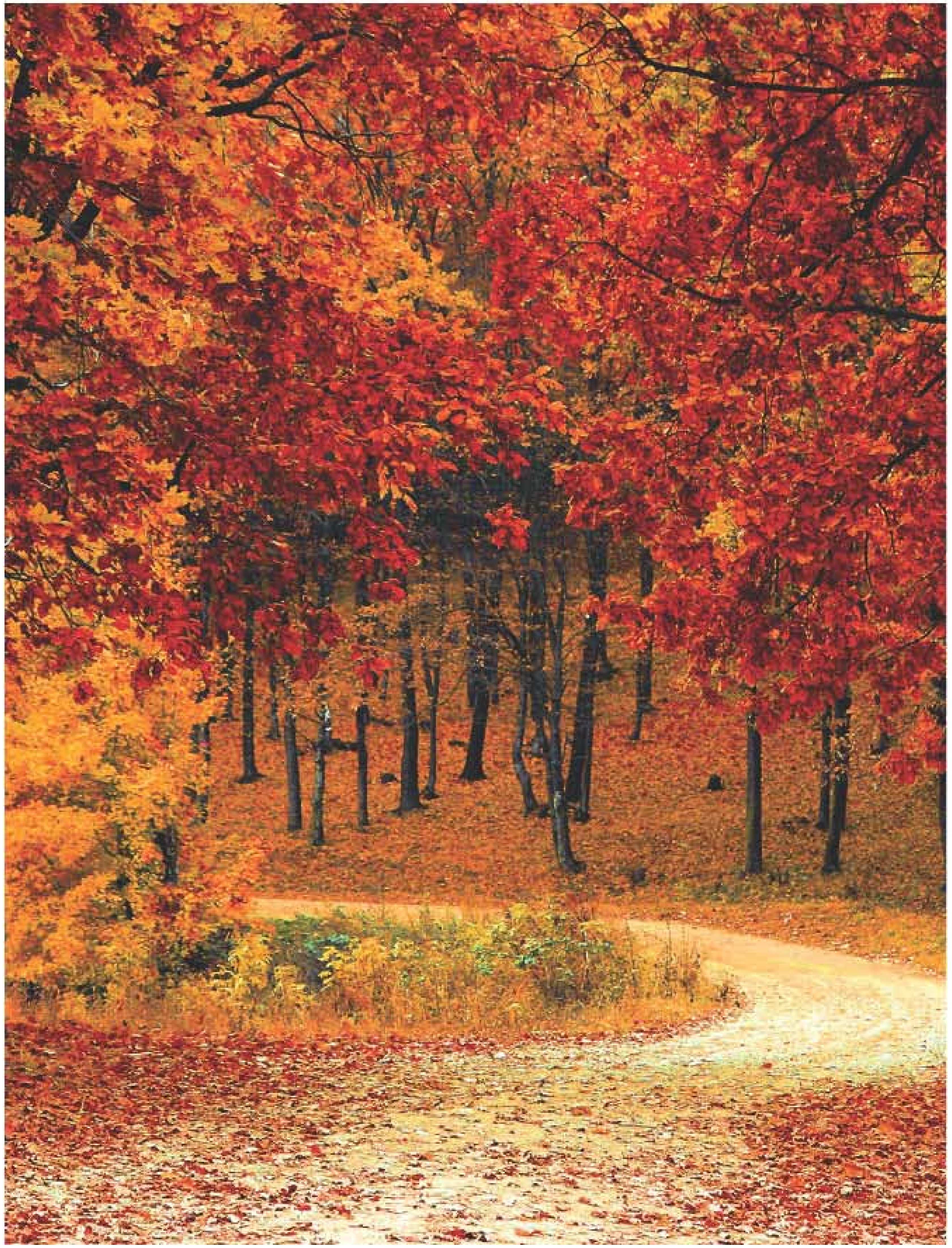
ईमेल niepmd@gmail.com, वेबसाईट -niepmd.tn.nic.in